HRA AN UNIVA The Gazette of India

PUBLISHED BY AUTHORIT

₹ • 25]

नद्द दिल्ली, शनिवार, जून 22, 1985 (आपाइ 1, 1907)

25] NEW DE' HI, SATURDAY, JUNE 22, 1985 (ASADHA 1, 1907)

त्व जाग में जिन्न बुध्ध संख्या दी जाती है जिससे कि धर् अलग संकलन के कर में रखा जा सके (Geparate paging is given to this first to order that it many by Ned as a separate compilation)

भाव III--खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

न्याशतयों, नियम्ब्रह और ाहाजे बापरोग्रह, संब लाह सेवा पायोग, रेन विनाग और भारत सरकार के संनग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं ptification, issuel by the High Course, the Comptended and Aulifor General, the Union Public Service Commission, the indian Government Rullways and by Actualed and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक तिवा आयोग

ौदिल्ली-110011, दिनांच 31 **मई** 1985

ुंए० 38013/1/84-प्रशा०-2-31 मई, 1985 के अपराह्म से उनकी निवर्तन आयु हो जाने के परिणाम-स्वरूप स्थाई वरिष्ट अनुसन्धान अधिकारी (भाषा) एवं तदर्थ आधार पर संयुक्त निदेशक (प० सु०) के पद पर कार्यरत श्री के० आर० पी० नायर ने संघ लोक सेवा जायोग के कार्यालय में उसी तारीख से संयुक्त निदेशक (प० सु०) के पद से कार्यालय में उसी तारीख से संयुक्त निदेशक (प० सु०) के पद से कार्यभार छोड़ दिया है।

रूप चन्द शर्मा, अवर सचिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

पुलिस अनुसन्धान एवं विकास ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 1 जून 1985

सं० 3/19/78-प्रशा० (1):—केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल हैदराबाद में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत पुलिस उप 1—116—GI/85 (19909) अधीक्षक श्री पी० वी० पल्लन को 30-4-85 (अपराह्न) से केन्द्रीय गुष्तचर प्रशिक्षण स्कूल है इराबाद से कार्यमुक्त किया जाता है।

2. पुलिस उपअधीक्षक, केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल हैदराबाद के पद से कार्यमुक्त होने पर श्री बी० पी० पल्लन को सेवाएं दिनांक 30 अप्रैल 1985 (अपराह्न) से महा निदेशक पुलिस मध्य प्रदेश भोपाल को सांपी जा रही हैं।

> एस० के० मल्लिक, महानिदेशक

महानिदेशालय

केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा जन

नई दिल्ली-110003, दिनांक 25 मई 1985

सं० ई०-16016/2/83-कार्मिक-I--अपने मूल विभाग को प्रत्यावर्तित होने के फलस्वस्प श्री आर० के० चुघ ने 30 अप्रैल, 1985 के अपराह्म के अनुभाग अधिकारी (विधि व नियमन) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 30 मई 1985	(1) (2)	(3)
सं० ई०-32015(4)/35/85-कार्मिकप्रतिनियुक्ति	सर्वश्री	()
पर नियुक्ति होने पर, श्री गिरधर गोपाल ने 27 अप्रैल,	यन्त्रा 4. सी० सुन्देरशनम	1-3-1984
1985 के अपराह्न से के० ग्रौ० सु० ब० यूनिट, सी० सी०	5. सी० रामचन्द्र राव	1-3-1984
डब्ल्यू० ग्रो०, धनबाद के सहायक कमांडेंट के पद का कार्य-	6. वी ० शंकरम	1-3-1984
भार संभाल लिया।	 नार सम्पर्य नार सम्बद्धान्य 	1-3-1984
सं \circ ई $-16014(6)/1/79$ -कार्मिकअपने मूल	8. वाई० स् ब्र ह्मण्यम	1-3-1984
विभाग को प्रत्यावर्तन होने के फलस्वरूप, श्री एच० एस०	9. के० वी० आर० के० प्रसाद	1-3-1984
रंधावा ने 30-4-85 के अपराह्न से के० ग्रौ० सु∙ ब०	10. एम० मुधारेड्डी	1-3-1984
प्रथम रिजर्व वटालियन, बड़वाह के सहायक कमांडेंट के पद	11. सी० पट्टामि	1-3-1984
का कार्यभार छोड़ दिया।	12. टी० सूर्य प्रकाश राव	1-3-1984
ह० ग्रप ठनीय	13. ए० श्यामला राव	1-3-1984
महानिदे शक	14. एस० कृष्णामूर्ति	1-3-1984
के ० ग्र ौ० सु ० ब ०		1-3-1984
वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग)	16. टी० नागेश्वर	1-3-1984
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय	17. अब्दुल करीम	1-3-1984
नासिक रोड, दिनांक 1 जून, 1985	18. एन० श्रीहरि राजाचारुलु .	1-3-1984
सं० 133/कअधिसूचना संख्या 697/क, दिनांक	19. आर० नटराजन	1-3-1984
21-3-1985 के क्रम में श्री पी० एस० मृति को लेखा	20. ए० सुबा राव-II	1-3-1984
अधिकारी के पद पर की नियुक्ति को दिनांक 22-3-85	21. एस० सत्यनारायन	1-3-1984
से 21-3-1986 तक नियामित आधार पर किया जाता है।	22. के० सुरिन्द्रा राव	2 -3-1984
पार्व सुरु शिवराम,	23. सी० बी० रवि	1-3-1984
महाप्रबन्धक,	24. पी० मुख्ती प्रसाद	1-3-1984
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय	25. ए० मंजुनाथ	1-3-1984
भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग	26. एम० जोसफ अरुलराज	1-3-1984
	27. टी० अन्जनेयुलु	2-4-1984
भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय	28. एम० सम्बाशिव राव	30-4-1984
नई दिल्ली-110002, दिनांक 28 मई 1985	सदम्य, लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेश	ाक, वा० ले० प ः
सं० वा० ले० प० $1/612/84$ —अपर उप नियंतक	<i>बंगलीर</i>	
महालेखापरीक्षक (वणिज्यक) निम्नलिखित अनुभाग अधि-	1. के० एम० कपिल	1-3-1984
कारियों (वाणिज्यिक) को उनके अपने कार्यालयों में उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से 650–30–740–35	2. एस० एन० जयरामाराव .	1-3-1984
880 -द \circ रो \circ - 40 - 1040 रु \circ के वेतनमान में सहायक	 वी० चन्द्रशेखर अड़ीगा 	1-3-1984
लेखा परीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) (ग्रुप 'ख' राजपन्नित)	4. के० जी० नायर	1-3-1984
के रूप में नियुक्त करते हैं।	 एम० एस० गोपालकृष्णा . 	1-3-1984
दक्षिण क्षेत्र	 डी० वेनुमाधव राव 	1-3-1984
पाना पान सदस्य, लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक	 के० जनार्धन शेट्टिगारा 	1-3-1984
लेखा परीक्षा हैदराबाद	 ए० वी० सत्यनारायणमूर्ति 	1-3-1984
AND THE RESIDENCE OF THE PROPERTY OF THE PROPE	9. वी० वी० मैण्यू	1-3-1984
क्रम सं० नाम तारीख जिससे	10. एस० कृष्णामूर्ति—IV	1-3-1984
सहामक लेखापरीक्षा	11. एच० के० चन्द्रशेखर राव	1-3-1984
अधिकारी के रूप में	12. आर० धनन्जयन	1-3-1984
पदोन्नत किये गये	13. एन० श्रीनिवासन .	1-3-1984
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$	14. जी० वी० कृष्णामूर्ति .	. 1-3-1984
सर्वश्री	15. वी० नरसिह्मन	. 1-3-1984
1. सी ० एच ० नारायण राव 1-3-1984	16. एस० राधाकृष्णा भाट	. 1-3-1984
 एम० एस० वर प्रसाद राव . 1-3-1984 एन० सुब्रह्मण्यम 1-3-1984 	17. एस० संथानवेल 18. एस० एम० श्रीनिवासमूर्ति	. 24-7-1984
 एन० सुब्रह्मण्यम 1-3-1984 	10. ८०० ८०० आगवासम्।त	. 23-7-1984

(1)	(2)	(3)	(1) (2)	(3)
सर्वर्थ			महालेखाकार (लेखापरीक्षा)-II तामिल	नाडु, मद्रास
	एच० एन० रामचन्द्र .	. 21-7-1984	सर्वश्री	4
	डी० रविन्द्र कुमार .	. 25-7-1984	! के० एम० सदानन्दन—II .	2-3-1984
	एम० के० इसाक कुट्टी	. 24-7-1984	2. बी० हनुमन्त राव	1-3-1984
	श्रार० सब्रमणियम् .	. 21-7-1984	3. वी० नारायणन—II	1-3-1984
सदस्य,	लेखा परीक्षा बोर्ड एवं		4. बी० एस० डैनियल	1-3-1983
. *	लेखापरीक्षा (पै० एवं	त०) मद्रास	5 . वी० श्रीनिवासन $-{f IV}$	1-3-1984
सर्वश			 पी० एन० बालासुब्रामणियन . 	1-3-1984
	टी० विजय कृष्णन .	. 1-3-1984	7. एम ० हरिदासन	1-3-1984
	एम० आनन्दम .	. 1-3-1984	8. पी० ए० गणेशन	30-3-1984
	टी० देवनाथन .	. 1-3-1984	9. पी० एस० गणेशन	1-3-1984
	के० वी० प्रताप कुमार	. 1-3-1984	10. एस० वालकृष्णन—IV	1-3-1984
	के० सुकुमारन ्	. 1-3-1984	11 . पी $oldsymbol{\circ}$ आर $oldsymbol{\circ}$ जयरामन $oldsymbol{-II}$	1-3-1984
6.	वी० एन० शंकर पिल्ले	. 1-3-1984	12. टी० गोपाल कृष्णन	1-3-1984
7.	पी० एस० कृष्णन कुट्टी	. 1-3-1984	13. पी० राधा कृष्णन—II	1-3-1984
8.	टी० शरत चन्द्र बोस .	. 1-3-1984	14 . टी० आर० कुम्पास्वामी $- \! extbf{II} \hspace{1.5cm} ext{.}$	1-3-1984
9.	कै० सेतुराम .	. 1-3-1984	15. के० सुक्रामणियन-III .	1-3-1984
10.	ए० पद्मानाभन	. 1-3-1984	16. कै॰ जोसेफ	1-3-1984
11.	ए० वासुदेवन .	. 1-3-1984	17. शेख दाउद .	1-3-1984
12.	कु० आर० वेदावली .	. 27-7-1984	18. एम० एस० जयकामेश्वरन	1-3-1984
13.	कु०बी०चन्द्रा .	. 26-7-1984	19. के॰ आर० सिच्चदानन्दन	19-3-1984
14.	वी० शान्ती .	. 26-7-1984	20. के० वी० गोसाखान	27-7-1984
15.	वाई० उदय भास्कर .	. 26-7-1984	21. एस० कानन	27-7-1984
16.	पी० स्वामीनाथ कृष्ण	. 25-7-1984	22 . एस० श्रीधरन $-{f II}$	27-7-1984
17.	एम० वी० ईश्वर कृष्ण	1-3-1984	23. टी० नरसिम्हन	27-7-1984
	एस० कमलवल्ली .	. 26-7-1984	24. टी० एस० राजारमन	27-7-1984
	पी० कुमारन .	. 1-3-1984	25. एत० कन्नन	19-7-1984
	डी॰ षणुमुगम •	. 1-3-1984	26. आर० श्रीनिवासन-XX .	1-3-1984
21.	के० एन० सिद्धार्थन .	. 1-3-1984	27. सी० हर्बर्ट पोथीराज	2-3-1984
22.	सी० वी० कस्तूरी रंगन	. 1-3-1984	28. बी० एस० रंगुनाथन	1-3-1984
23.	एन० शिव सुद्रामणियन	. 1-3-1984	29. एम० आर० नरसिम्हा	9-3-1984
24.	जी० चन्द्रशेखर	. 1-3-1984	30. एस० एन० शंकर सुब्रामिया अय्यर	1-3-1984 1-3-1984
25.	एस० नरसिम्हन	. 1-3-1984	31. एस० शिव कुमार-III .	1-3-1984
26.	आर० बालासुब्रामणियन-I'	V . 1-3-1984	32. आर० बालाचन्द्रन	1-3-1984
	आर० कन्नन .	. 1-3-1984	33. जे० बालाचन्द्रन	1-3-1984
	के० राजशेखर .	. 1-3-1984	34. के० गुरूरामनन	1-3-1984
29	. एम० वाई० नारायणन	. 1-3-1984	35. के एम० सुद्रामणियन-II	1-3-1984
30	. पी० सत्यनारायणन .	. 1-3-1984	36. पी० भूपति	1-3-1984
31	. पी० शिवदासन	. 1-3-1984	37. एस॰ शेखर-I	1-3-1984
32	. एस० चन्द्रशेखरन-II	. 1-3-1984	38. ए० रामानुजम	1-3-1984
33	. के० नारायणमूर्ति .	. 1-3-1984	39. बी॰ सायराम	1-3-1984
34	. एस० रमैया .	. 1-3-1984	40. के० ए० रामचन्द्रन	1-3-1984
35	. एस० एम० मोहिदीन .	. 1-3-1984	 अार० रंगनायन . महालेखाकार (लेखापरीक्षा) 	
	s. सी० चन्द्रशेखरन	. 1-3-1984	•	4.74
37	r. सी० हरबर्ट	. 1-3-1984	सर्व श्री 1. पी ० वी० गणपति	1-3-1984
38	3. के० एम० गोपाल कृष्णन	. 1-3-1984	 पी० के० पीताम्बरन 	1-3-1984
39). एस० मणिवान्नन	. 1-6-1984	2. 410 410 41(11-41)	

(1)	(2)		(3)	$(1) \qquad (2) \qquad (3)$
सर्वश्र	ì			21. ए० कैलाशम 1-3-198
3. वे	२० एस० उन्नीकृष्णन .		1-3-1984	22. ग्राई० रा६वराव 1-3-198
	ी० के० रविन्द्रनाथन		1-3-1984	23. ६नः शिवसिंगम 1-6-198
	ी० अनन्त राम जय्यर		1-3-1984	24. ए० एस० शास्त्री 1-6-198
	नेय्यू थामस		1-3-1984	25. एस० बी० एस० वी० प्रसाद 1-3-198
	भ । १००० के० शंकर कट्टी		1-3-1984	26. एस० सी० फणिराम 1-3-198
	गार्थे क्रियामनन एम० आई० व≀मनन		1-3-1984	27. एल० ग्रार० के० शास्त्री . 30-4-198
	एच० सलीम		1-3-1984	महालेंखाकार (लेखा परीक्षा) कर्नाटक बंगलौर
	के० पद्मनाभ अय्यर .		1-3-1984	सर्वे श्री
	वी० पी० प्रसाद	,	1-3-1984	1. बी० एन० राजशेखर मृति . 1-3-19।
_	ए० ए० जोस .	•	1-3-1983	 जी० माक्लिसिदपा . 1-3-19
	देः दुः चात् . के० गंगाधरन .	•	1-3-1984	 ती ० सुद्रमणियन 1-3-19
	के० सी० जॉन नं० 2	•	1-3-1984	 4. डी० श्रीदर राव 1-3-19.
	के० टी० एन्टोर्ना	•	1-3-1984	 एच० एस० कृष्णामृति . 1-3-198
	के० सदानादम	•	1-3-1984	6. सी ० ए० गुंडुराव . 1-3-19
	सी० एम० पुरूषोतम ना	 177	1-3-1984	 एस० रामनामूर्ति 1-3-19
	के० नारायण नग्पूयरी	۹۱ ،	1-3-1984	 ६. एस० श्रार० प्रकाश . 1-3-19
	जी० रामा वर्मा .	•	1-3-1984	9. पी० बसन्त चन्द्र सेट्टी .
	के० नारायण अय्यर	•		33
	एस० विश्वनाथन .	•	1-3-1984	
	ए० वेकंट सुद्रामणी .	•	25-7-1984	40 -0
	एस० हरिहरन पोटी .	•	25-7-1984	
	दी० मुझीकृष्णतः .	•	2-3-1984	
	ा॰ गुनागृ॰गन कें० सी० अरविन्दाक्षन	•	304-1984	^ C C
	मण्याण्यसम्बद्धाः सी०जी० चन्द्रम	•	304-1984	15. ग्रार० डी० चिटनिस I-3-198
	•		30-4-1984	16. ए० काशीपति 1-3-19
महार सर्वेश्र	लेखाकार (लेखापरीक्षा)	आन्ध्र, प्रदश	हदराबाद	17. यू० पी० विश्वनाथ
	न। कें० वी० राव .			रांची क्षेत्र
	करुवार राव केरु अगन्नाथाचारी .	•	2-3-1984	महालेखाकार (लेखापरीका) उड़ीसा भुवनेश्वर
	कुरु अनुस्त बाई० अनुस्त	•	1-3-1984	सर्वश्री
			1-3-1984	 के० वी० सूर्यानारायणन . 1-5-198
	एम० के० श्रफतार —र्र	•	2-4-1984	2. के० इहादत्तन 1-3-198
	बाई० नरसिम्हामूर्ति		1-3-1984	3. पी० एस० पणिकर 1-3-198
	टी० श्रीरा मु लु .	•	1-3-1984	 ६ ६म० जगदी श्वर राव . 1-3-198
	र्श्वीहरिं	•	1-3-1984	 ६म० ६न० कथी . 1-3-198
	त्री० नागेश्वर राव .	•	1-3-1984	 सभीर बुमार चहोपाध्याय . 1-3-198
	रन० एल० नरसिम्हामूर्ति	•	1-3-1984	7. दी० दी० एन० शास्त्री 1-3-198
	र्स० जर्नादन राव .	•	1-3-1984	8. सुद्रत दत्ता 1-3-198
	एम० जगमोहत राव .	•	1-3-1984	9. वाई० हनुमन्तराव 1-3-198
	्म० नारायण रेड्डी .	•	1-3-1984	10. नरसिम्हा दास 1-3-198
	गि० नरक्सिम्हा राव .		1-3-1984	11. नीलमणि पटनायक !-3-198
	नार० गोपाल .	•	1-3-1984	12. प्रभात कुमार गांगुली . 1-3-198
	गी० वेंकटपथी २	•	1-3-1984	13. पी० नारायण राव . 1-5-198
	त्रे० एल० नारायण . गी० सम्बाधि व राव .		1-3-1984	सदस्य लेखापरोक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक ले
	गार सम्बाध व राव . प्रार े रामा राव	•	1-3-1984	परीक्षा रांची
	यारण्यामा याप १ल ०वी० एस ० स्रार० १	प्रार० के०	1-3-1984	सर्वश्री
19. 🤅				 एस० पी० सिंह 1-3-198
	भूति		1-3-1984	 एम० शिवशं करन . 1-3-198

सर्वश्री सर्वश्री 4. एन० के० दासगुप्ता . 1-3-1984 सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड ए 5. विमलेन्दु राय 1-3-1984 लेखा परीक्षा	
 विमलेन्दु राय 1-3-1984 लेखा परीक्षा 	वंपदेन निदेशक, वाणिज्यिक
	(कोल), कलकत्ता
6. एस० के० चट्टोपाध्याय . 23–3–1984 सर्व श्री	
7. ६च० ६न० सरकार 1—3—1984 1. पी० ए म० राय	1-3-1984
 के० एन० प्रसाद . 1-3-1984 2. आर० एल० गोस्वाम 	ît 1-3-1984
9. एम० ए० अंसारी 1-3-1984 3. आर० एन० पाल	1-3-1984
10. ए० एन० दास 1-3-1984 4. जे० मिल्ला	1-3-1984
11. ए० चट्टोपाध्याय . 1-3-1984 5. टी॰ पी॰ मुखर्जी	1-3-1984
12. बी॰ पी॰ सिन्हा 1-3-1984 6. टी॰ के॰ मैता	1-3-1984
13. नाथ सहाय	1-3-1984
14 एस० के० बन्दोपाध्याय . 1-3-1984 8. लक्ष्मी नारायण	1-3-1984
15. के० एन० रिवन्द्र 29-3-1984 9. एस० एन० सरकार 10. एस० के० कोठारी	
16. কণ সাম্বৰ্ধ	1-3-1984
17. ५० हरिहर वनदस्त 6-8-1984	1-3-1984
18. 910 4 0 198	1-3-1984
13. एच॰ दास गुप्ता 19. जगदीश राम . 1-3-1984 14. एस॰ पी॰ बन्दोपाध्य	1-3-1984
20. जे० विश्वनाधम	- 5 1001
21. पांच महिन राव 1-3-1984	23-7-1984
22. पाँ० के० सिन्ही 1-3-1984 18. एस० एस० राज	23-7-1984
23. के० इकर 1-3-1984 18. एम० एस० व्याचार्य	27-3-1984
24. पा अगर व दास गुप्ता . 1-3-1984 19 पी व केंद्र सेट	1-3-1984
	1-3-1984 एवं पदेन निदेशक वाणिष्टिक
कलकता क्षेत्र: तथा परीक्ष	्ष्म पदमानदशक् वा।णाष्ट्रक् ा. कलकत्ता
महमलेखाकार (लेखापरीक्षा) असम आदि सर्वर्श्वः	,, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,
सर्वश्रीः 1. जें० एन० मुखोपाध्याः	य 1-3-1984
1. सुकुमार सेन 1-3-1984 2. आर० सी० संतरा	1-3-1984
 एस० सी० दत्ता चौघरी 27-3-1984 3. ए०बी० डे. 	1-3-1984
3. पी० आर० सरकार 27-3-1984 4. एस०के० मुखर्जी	1-3-1984
4. नबेन्दु सेन गुप्ता 27-3-1984 5. समीर सेन गुप्ता	1-3-1984
 अम्लान कुमार कार 24-7-1984 बी० सी० दास 	1-3-1984
महालेखाकार (II), पश्चिम बंगाल, कलकत्ता 7. ए० के० कंजीलाल	1-3-1984
8. अरूण भट्टाचायजा	1-3-1984
सर्वेश्री 9. अलोक प्रमाणिक	1-3-1984
 जी० सी० चटर्जी 1-3-1984 10. एस० चन्दा 	1-3-1984
2. एस० कानूगो 1-3-1984 11. एम०एन० राय	1-3-1984
 के बी पॉल 1-3-1984 12. आई पाण्डे 	1-3-1984
4. ए० के० घोष 1 3 1984 13. जी० चक्रवर्ती	12-3-1984
5. आर० जी० बसाक 1-3-1984 14. एस० चक्रवर्ती	1-3-1984
 एच० एल० साधुखान 13.1984 15. जे० आर० बोस 	1-3-1984
7. के० पी० चौधरी 1-3-1984 16. शंकर कुमार दत्ता	24-7-1984
 डी० प्रसाद 1-3-1984 17. ए० गंगोपाध्याय 	24-7-1984
9. पी० सी० मजूमदार 1-3-1984 18. सुबीर कुमार बोस	24-7-1984
10. जे॰ राय चौधरी 1-3-1984 19. सोम नाय चट्टोपाध्याय	24-7-1984
11. ए० नियोगी 178-1984 20. अशोक नाथ मुखोपाध्या	य 25-7-1984
12. बी० डी० मजूमदार 1-3-1984 21. चन्दन पाल	27-7-1984
13. जगन्न नाथ चौधरी 4-5-1984 थे2. असित भट्टाचार्य	27-7-1984

(1) (2)	(3)	(1) (2)	(3)
23. उदय कुमार बन्दोपाध्याय	24-7-1984	13. एम० आर० शर्मा	1-3-1984
24. यू० के० चौधरी	2 4-7-1984	14. एस० पी० वार्ष्णेय	1-3-1984
25. टी० के० सेम	24-7-1984	15. पी० सी ० सिहल	1-3-1984
पश्चिम क्षे	ੇ ਰ	16. पी० एस० अग्रवाल	1-3-1984
		17. बी० एल० महिन्द्र	1-3-1984
सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड , एवं पदेन	न्दशक, वाणाज्यकालखा-	18. आर० एल० गुप्ता	1-3-1984
परीक्षा, बम्बई।	1 2 1004	19. एम० एल० सिहल	1-3-1984
1. ए० वी० एल० राव	1-3-1984	20. एस० के० शर्मा	1-3-1984
2. एम० के० राव	1-3-1984	21. बे.० सी० जैन-III	1-3-1984
3. के० उन्नीकृष्णन	1-3-1984	22. यू० आर० पटोलिया	1-3-1984
4. आर० एस० मालापुर	1-3-1984	23. एस० वी० पी० सक्सेना	1-3-1984
5. वी० एम० जोशी,	1-3-1984	24. एम० एस० गुप्ता	1-3-1984
6. आर० एस० जयसवाल	1-3-1984	25. आर० के० जैन II	1-3-1984
7. यू० सी० शर्मी	1-3-1984	26 डी० सी० गुप्ता	1-3-1984
8. जगदीश गिरी	1-3-1984	27. अजीत सिंह	1-3-1984
9. ए० बी० शुक्ला	1-3-1984	28. एच० एल० वार्ष्णिय	1-3-1984
10. आर० एस० कोटार्ली	1-3-1984	29. जे० के० बाधया	1-3-1984
1.1. वी०के० शर्मा	1-3-1984		क्र वाणिज्यिक लेखा-
12. ए० के० शर्मा	1-3-1984	सदस्य, लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेश	विकृति। विविध्यक्ति । जा
13. टी० सी० खन्ना	1-3-1984	परीक्षा, भोपाल :	1 0 1004
14. जी० के० पाठक	1-3-1984	1. त्राई० एस० गोड़	1-3-1984
15. एन० बी० नायक	1-3-1984	2. एच० एम्० गुप्ता	1-3-1984
16. आर० पी० सिंह	1-3-1984	3. एस० शर्मा	1-3-1984
17. रामावतार माथुर	1-3-1984	4. पी० जे० ग्रेवासिस	1-3-1984
18. कु० अन्नी हेंलन पी०	30-4-1984	5. ए न ०के० गुप्ता	1-3-1984
19. आर० सुन्दर राजन	23-7-1984	6. ए प ०के० सनाल	1-3-1984
20. कु० के० एफ० शाह	24-7-1984	7. एम० सी० गोलाश	15-3-1984
21. शिव प्रसाद स्वर्णकार	23-7-1984	8. एस० के० जादिया	8-2-1985
22. घनश्याम लाल गुप्ता	23-7-1984	9. भीकम चन्द	1-3-1984
23. एस० जे० शाह	23-7-1984	10. जे ० सी० जैन	1-3 -1984
24. जी०टी० सिंह	19-3-1984	11. एस० ए० खान	1-3-1984
25. पी० शेषाद्रिआयंगर	1-3-1984	12. के० के० जन	1-3-1984
2.6. पी० आर० भंडारी	1-3-1984	महालेखाकार (लेखापरीक्षा) मध्य प्रदेश	:
महालेखाकार (लेखा परीक्षा) राजस	थान, जयपुर	13. प्रो०पी० वाधवानी	1-3-1984
1. बी० एल० जैन	1-3-1984	14. डी० एस० भदुरिया	1-3-198
2. डी० बी० गुप्ता	1-3-1984	15. आर० एस० गुप्ता	1-3-1984
 के० सी० चौरसिया 	1-3-1984	16. राज कुमार जैन	1-3-1984
4. एच० सी० भार्गव	1-3-1984	17. सी० डी० सिंह	1-3-1984
5. डी० एस० शर्मी	1-3-1984	18. एस०के० नाग	1-3-1984
 एम० एन० गुक्ता 	1-3-1984	19. सूरज पाल	
7. एस० डी० शुक्ला	1-3-1984	•	1-3-1984
 अार० डी० व्यास 	1-3-1984	20. जे० सी० वार्ष्णिय	1-3-1984
9. आर० एस० वर्मा	1-3-1984	21. एस० सी० गुप्त	1-3-1984
10. एस० एल० जैन,	1-3-1984	22. डी०गी० कुशवाहा	1-3-1984
11. एल० के० मदान	1-3-1984	23. सी॰ एस॰ यादव	1-3-1984
12. डी० सी० शर्मा	1-3-1984	24. सुरनम सिंह	

(1) (2)	(3)	(1) (2)	(3)
25. बी॰ पी॰ पाटिल	1-3-1984	1 2. डी॰ डी॰ गुप्ता	1-3-1984
26. आर० सी० जैन	1-3-1984	13. एन० के० भोला	1-3-1984
26. 310 410 44		14. एस०बी० जैन	1-3-1984
हालेखा,कार (लेखा परीक्षा), गुजरात :		15. एस०के० दत्ता	1-3-1984
	1-3-198 4	16 . गुरदास	1-3-1984
1. डी०के० शुक्ला 2 वी० एम० मैथ्यू	1-3-1984	17. कैलाश चन्द्र	2-5-1984
४ वा० एम० मध्यू 3. बी० एम० दवे	1-3-1984	18. शीला देवी	1-3-1984
 अार० एन० भाटिया 	1-3-1984	19. अमरीक सिंह	1-3-1984
4. जारे एन नाट्या 5. बी० एस० रामचन्द्रन	1-3-1984	20. आर० एस० श्रीवास्तव	1-3-1984
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	1-3-1984	21. के० पी० मलकानी	1-3-1984
6. आर० सी० शर्मा 7. के० के० पटेल	1-3-198 4	2/2. हरगोपाल गोयल	1-3-1984
7. क० क० पटल 8. एम० पी० शास्त्री	3-3-19 84	23. गुलशन रेलन	1-3-1984
•	1-3-1 984	24. एस० के० भडवार	1 3-1984
9. जे० पी० चौहान	19-3-1984	25. ए० के० सोबती	1 3-1984
10. जे० वी० शाह 		26. एस० के० चुग	1 3-1984
11. जै० जे० सोनी I	5-3-1984	27. एस० के० शुक्ला	1 3-1984
12. सी०बी० शर्मा	1-3-1984	28. के० सी० खन्ना	1 3-1984
13. पी० एम० थकी	3-3-1984	29. ए० एस० शाही	1-3 1984
14. आर० बी० सुरी	21-7-1984	30, ए० एस० ठाकुर	1-3-1984
निदशक लेखापरीक्षा (वै० एव० वा० वि	भाग), बम्बई	31. जी॰ एस॰ चावला	1-3-1984
1. एम० एल० बरेजा	1-3-1984	32. वी० आर० खन्ना	1-3-1984
० जार पर स्था	1-3-1984	33. आर॰ आर॰ समदेवा	1-3-1984
3. आर० डी० गुप्ता	1-3-1984	34. अरुन गांगुली	1-3-1984
 प्रति । प्रति । प्र	1-3-1984	35. जयन्त खन्ना	1-3-1984
5. लाल जी कुरी	23-7-1984	36. सुबीर पुरकायस्थ	21-3-1984
ृ 5. सारा भा कुरा 6. मुरारीलाल गुप्ता	23-7-1984	३७. पुर्वार पुरकायस्य ३७. ए० के० दीक्षित	
7. स्रोम प्रकाश विजय	23-7-1984	3 8. एच० एल० मंगल	1-3-1984
 श्रीन प्रकास प्रकास श्री० एन० पिल्ले 	1-3-1984	38. एपण एपण नगल 39. सोम नाथ गुप्ता	18-3-1985
8. पारु एन० विस्था 9. एम० पी० चौंधरी	1-3-1984	· ·	1-3-1984
9. एम० पाठ पावरा 10. सी० एच० राघवन	1-3-1984	40. वी० सी० डोगरा	1-3-1984
	1-3-1984	41. म्रार० एम० बमरारा	1-3-1984
11. बी० एल० आर० शर्मा	1-3-1984		
12. एस० रामकुमार	1-0-1964	महालेखाकार (लेखा परीक्षा) पंजाब	
उत्तर क्षेत्र		1. ए० सी० शर्मा	1-3-1984
सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेश	कि, वाणिज्यिक लेखा-	2. बी० ग्रार० जोशी	1-3-1984
परीक्षा, नई दिल्ली :		3. पी० के० मित्तल	1-3-1984
1. आर० एस० शर्मा	1-3-1984	4. जे० पी० एस० रिशी	1-3-1984
 इंस राज 	2-4-1984	 एस० सी० सिहला 	1-3-1984
 वाई० एस० माथुर 	1-3-1984	6. ए० के० मारवाह	1-3-1984
 गुरुदेव सिंह 	1-3-1984	7. एस० स्रार० बिन्द्रा	1-3-1984
4. गुण्यच १५६ 5. बी० एम० अरोरा	2-4-1984	8. फकीर चन्द साहनी	1-3-1984
 बार एमण जरारा आर० बी० सक्सेना 	1-3-1984	9. एस० के० चन्दन	1-3-19,84
 वारण्याण सम्मानः विजय गुजराल 	1-3-1984	10. बी० एम० लेहन	26-3-1984
7. ावजय गुजराल 8. एस० वी० अभी	1-3-1984	11. शिव दयाल	1-3-1984
-		12 भजन सिंह भट्टी	1-3-1984
9. आर० एस० सक्सेना	1-3-1984	13. एच० एस० सैगल	1-3-1984
10. जे० पी० गुप्ता	1-3-1984	14. एस० कें ० नकरा	1-3-1984
1़ 1. दिलीप कुमार	1-3-1984		

(1) (2)	(3)	(1) (2)	(3)
15. जोशंगन्दर सिंह	1-3-1984	महालेखाकार हिमाचल प्रदेश एव चण्डीगढ्	
16. के० एल० कपूर	2-4-1984		
महालेखाकार (II) उत्तर ६देश लख्नऊ,		1. वाई० एम० स्रम्बरदार 2. के० सी० शर्सा	1-3-1984
1. डी० सी० निगम		८ कुल्मार अमा 3. टीर सीर घोषडा	1-3-1984
1. डा० सा० ।नगम 2. ६च० ६स० क्षिपाठी	1-3-1984	उ. ८।० ६।० चापना 4. के० स्रार० मलिक	1-3-1984
	1-3-1984	क पार आरं मालक 5. ग्रारं० एस० चौहान	1-3-1984
3. एस० एस० मिश्रा	1-3-1984	 श्रारण एसण पाहान 	1-3-1984
4. एस० के० सिंह 5. ग्रार० सी० वर्मा	1-3-1984	महालेखाकार (लेखा परीक्षा) जम्मू व कश्मी	ोर :
		1. रोशन लाल कौल	1-3-1984
6. एम० पी० महरोद्धा		2. सूरज प्रकाश ग्ररोरा	1-3-1984
7. के० ग्रार० गृप्ता	1-3-1984	 मोहिन्दर प्रकाश गुप्ता 	1-3-1984
8. स्रवदेश मल	1-3-1984	4. श्रवतार सिंह वालिया	1-3-1984
9. बी० पी० श्रीवास्तव	1-3-1984	5. ध न सिंह	1-3-1984
10. एस० एन० सबसेना	1-3-1984	 रघुकीर सिंह 	1-3-1984
11. ग्रार० के० मिश्रा	1-3-1984	सदस्य, लेखायरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेश	क वाणिज्यिक लेखा
12. यार मृहम्मद	1-3-1984	परीक्षा देहरादून	
13. कृष्ण प्रकाश	1-3-1984	1. डी० के० शर्मा	1-3-1984
14. बी॰ डी॰ ग्रग्नवाल	1-3-1984	2. जे० बी० जोशी	1-3-1984
15. ড্ল০ ড্ন০ মিশা	1-3-1984	3. ग्रार० के० ग्र4वाल	1-3-1984
16. कृष्ण बु.मार	1-3-1984	4. एस० एल० बी० श्रीवास्तव	1-3-1984
17. ए० के० दुवे	1-3-1984	5. जे० एल० पुरवार	1-3-1984
18. रमेश चन्द्र वर्मा	1-3-1984 1-3-1984	6. ए० के० कौशिक	1-3-1984
19. के० पी० सिंह	1-3-1984	7. एन० के० गर्ग	1-3-1984
20. के० पी० बहुगुणा 21. श्रार० बी० प्रसाद	1-3-1984	8. के० डी० शर्मा	1-3-1984
21. श्रार० बार्० निर्मल 22. श्रार० के० निर्मल	1-3-1984	वे	र ० पी० लक्ष्मण राव
23. परमानन्द	1-3-1984	सहायक नियन्द्रक महारेखा	परोक्षक (वाणि ज्यिक)
23. पुरसाराष 24. पी० पी० श्रीवास्तव	1-3-1984	work white-wish gave many paths	,
25. ग्रार० पी० श्रीवास्तव	1-3-1984		
26. म्रशोक चन्द्र	1-3-1984	नई दिल्ली-110002, दिनां क	5 जून 1985
27. कूलदीप नारायण	1-3-1984	सं० प्रशासन 1/कार्यालय आदेश मं० 15	४:श्रीमान निदेशक
28. जी० ६म० जैसी	1-3-1984	लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्त्र-1 इस आयीज	
29. स्रार० के० सासेना	1-3-1984	जाटव स्थानापन्न अनुभाग जिल्लारी अप	सहायक लेखा परीक्षा
महालेखाकार (लेखा परीक्षा) हरियाणा:		अधिकारी को स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिका	री के वेतन कम 840-
	1-3-1984	1200 হ০ में 31—5—85 (अरिएह) से उ	नगल आदश आन तक
1. हीरालाल	1-3-1984	नियुक्त करते हैं ।	
2. पी० ग्रार० शाहवाल	1-3-1984		(ह०) अषठनीय
3. एच० ग्रार० वेधवा भारतके कालिका	1-3-1984	उप निदेशक लेख	बा परीक्षा (प्रशा०)
4. ए० के० काश्विय	1-3-1984		
5. एम० ६ल० कालरा	1-3-1984		
6. ६न० के० कोहली 7. क्याम लाल गोयल	1-3-1984	कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) प्रथम म०प्र०
7. श्याम लाल गावल 8. बी० ग्रार० विज	1-3-1984	ग्वालियर, दिनांक 16 मई 1	.985
8. बार्ड आर्ड राज्य 9. ६म० ६म० शर्मा	1-3-1984		
 एमण प्रमण स्थाप 10. रमेण वुमार IV 	1-3-1984	ऋमांक/प्रशासन II/राजपतित/पदोक्षाते (लेखापरीक्षा) प्रथम म० प्र० ग्वालियरश्री	
10. रमश युमार 17 11. विजय युमार	1-3-1984	(लेखापराक्षा) प्रथम मेठ प्रठ ज्यालयर त्रा कौरा पाम स्थार्या सहायक लेखापरीक्षा अ	
11. विशेष दुनार 12. रूप नारायण	1-3-1984	कारा राम स्थाया सहायक लखापराचा ज रूप मे ागामी आदेशों तक वेतनमान रुपर	T 840-40-1000-
17. 64 .11(14.1		रूप ल जागामा आवसा तक नतनमान रपट	1 040-40-1000-

दलनारोब-40-1500 रे 15 मई, 1925 पूर्वाह ें जबात् भारत के विदेश अधीरण लेखा के आयत्विय में प्रतिनिधुनित के प्रत्यपत्ति होता है । का प्रत्य अधीके उनाल ने नेवापतिशा अधिकारि होता अधी है ।

शी महाराज हे विज्ञालीक ह्याली को महालेखालर (लेखाररीका) इती। है। हवेंटन लिया जाता है। (प्राधिकार: महातेल हुए (नेजारीका) प्रथम के ब्रादेश दिनांक 20 दिसम्बर 1985 (वे 24 सही 1985)।

> हस्ता०/-अपठनीय उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखा हा ा राजिय (ले॰ ह्या) आंध्र प्रदेश हैरणताल-500463, दिसांह 1 जूस 1985

सं० प्रणाः निष्ण तथा ई०/1/8-88/85-86/53:— महालेखाराण (ले हक्क०) तथा प्रदेश, हैदरावाद महोदय निम्न-लिखा अनुभाग तथा प्रियों को 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेलपान विज्यान पत्र लेखा अधिकारियों के पर पर उनके नाम के तथे दलीन पर वारोख के अगले आदेश निकलने तक सहये पदोक्षीत देते हैं।

सर्वश्री	पहेमार यहण करने की
Fragge	तारीख
1. वी० महादेव सर्वा	2-4-1985 पूर्वाह्न
2. शेख अब्दुत ग्रामान	20-5-1985 अपराह्न
 जी० मुक्रडनण्यम निद्रच 	20-5-1985 जपराह्न
4. एमः> वज्या	20-5-1985 अपराह्न

पदोन्नति जादेश आंध्र प्रदेण उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन यानिका के फैपले पर तथा उनके वरिष्ठों के दावों, यदि कोई हो तो, पर प्रतिकूल प्रभाव डाले विना होगी ।

> वेद कुमारी, उपमहालेखाकार, प्रशासन

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली--110036, दिलांक 29 **मई**, 1985

सं० प्रणार/11/2603/85 -- एटा लेखा महानियंत्रक निम्नलेखन स्थानी जनुभाग जीवकारियों (लेखा) की, प्रत्येक 2-1160/85 के समारा दर्शाई भवा साराकों के पूर्वात से मूलपादवारी लेखा अधि-ारी के समारी एक्डामा विषकः अन्ते हैं।

ऋः सं०	चों ।	नीठन जिस्बे सम्बद्ध हैं	
	भर्व श्री		
1.	2.	3.	4.
1. স্থ	ो० पी० कर्न	२० ले० चि० प० इ० चण्डीगढ़	1-4-84
2. U	स० के० भा टिया	यथोपरि-	- 1-4-84
3. धन	तीराम <i>स्</i> द	र० ले० नि० (पें०) इलाहा	
4. fc	वाकर सिन्हा	−-ययोपरि	1-4-84
5. एस	ा० ए म ० श्रीवास्तव	ययोप [्] र—	1-4-84
6. ए०	नारादणा मूर्ति	र० ले० नि० बंगलोर	1-4-84
7. वी	• पेरियास्वामी	रु० ले० नि० (अन्य रैंक), म (नागपुर)	
8. सर	जि कुमार भर	र⇒ ले० {न० पटना	1-4-84
9. तिल	क शम लेठी	ले॰ नि॰ (फैक्ट्री॰ कलकत्ता	7) 1-4-84
10. খ্রাষ	र श्रीघरन	र० ले⇒िन० (जन्द रैंक) दक्षि मद्रान	
11. ঘনং	थाम लाल	र० ले० नि० (अन्य रैंक - उत्तर मेक्ट	
12. आर	० विजयराघवन	र०ले० नि० (द०क०) पुणे	1-4-84
13. वाई	० सी० सिंह	र० ले० नि० (वा० से०) देहरादून	
14. जी०	एन० मेहरोत्रा	र० ले० ति० (ान्य रैंक) उत्तर मेरठ	
15. ৰ িং	गणेशन्	र० ले० हिन (जन्य रैंक) दक्षिण सद्राप	1-4-84 T
16. एम०	एन० जुवेनम	र० ल्य० .वे० (इ. ७०) पुणे	1-4-84
17. रवि	(न एक्षी	ए० लेंग ,निः एक⊭र	

पटना

1 2	3	4	1 2	3	4
and and along the state of the		·	 सर्दश्री	artik king ann ving arm king in 17 as ang hill hill sing ang ang ann ann	
सर्वधी 18. ए० सर् आइजक चन्द्रा	र०ले० (न० (अन्य रैंक)	1-4-84	36. ए० म्रार० लक्ष्मीनाराय	णन र० ने० नि० 1- (ग्रन्य रैक) मघ्य नागपुर	-4-84
19. आर० पी० आर्थ		1-4-84	37. इन्द्रजीत सिंह		-4-84
	(अंन्य रैंक) उत्तर मेरठ	,	38. जी०एच०संजीवा	र०ले० नि० 1- (ऋफुसर)पृषे	-4-84
20. अशेण चन्द्र	र० ते० ति० (पें) इलाहाबाद		39. दी० एस० वालाकृष्णन	र०ले०ति० 1- (ग्रन्य रैक)	-4-84
21. महेण चन्द्र	यथोपरि	-		दक्षिण मधास	
22. ए० एस० घटराजन	र० ले० नि० (अन्य रेक)दक्षिण	1-4-84	40. के०भी शर्मा	र० ते० नि० 1- मध्य कमान मेरठ	-4-84
∷ः वीःपी∘ग्प्ना	मद्रास ४० ले० नि० (मध्य कमान)	1-4-84	41. एच० एस० श्रीवास्तव	र०ले० नि० 1- (ग्रन्य रैंक)मघ्य, नागपुर	-4-84
0 / s:3	मेग्ट		42. सूप्रकाण राय	र० ले०नि० 1∽ पटना	-4-84
24. भीष्म देव	यःगेपरि	1-4-84	43. राजेन्द्र सिंह	_	4-84
25. खाली			4.4 17.17	_	4-84
26. जी० सी० मुखर्जी	ले० नि० (फौक्ट्रीज) कलकना	1-4-84	44. एस० के० दाम	र० लठ ान० 1—7 पटना	4-84
27. ञी० जी० अंगारकर	रं०ले नि० (ग्रन्यरैक)दक्षिण		45. डी ए० जोग्री	(ऋफसर)पुणे	4-84
28. प्रेम शंकर लोव	मद्रास र०ले० नि०	1-4-84	46. एस० बी० बोस	ले० नि० (फैक्ट्रीज) 1-4 कलकत्ता	484
	(मध्य कमान) मेरठ		47. टी० रामचन्द्रा चार्लू	र० ले० नि०	4-84
29. टी० राजमणी	र०ले०नि० (द०क०) पुणे	1-4-84	48. ओ० नर्रासम्हन	र०ले० नि ० 1 –4 (बा०मे०)	4-84
30. गुलशन राय स्नानंद	र०ले० नि० (वा०से०)	1-4-84	49. वी० के० म्रलवर	देहरादून र० ने० नि० 1-4	184
31. ग्रब्दुल हथी ग्रनसारी	देहरादून र० ले० नि०	1-4-84		(उनरी कमान) जम्मू	
-	पटना		50. दी० के० सिह	र०ले० नि० 1-4	1-84
32. एस० सुब्दारमण	र० ले० नि० (नौ सेना)बम्बई	1-4-84	51. एस० कु ^{ट्णा} म्ति	पटना ले० नि० 1-4	4-84
33. ऋार० डी० भारहाज	र० ले० सं० नि० (निधि) मेरठ	1-4-84	 52. एन० एम० नेगी	(पौक्ट्रीज)कलकना र० पे० नि०(पे०) 1-4	1 \$.1
34. एने संभित्र नायर	•	1-4-84	a 2. जुन्न जुन्न व नन्ति	६लाहाबाद	; C 4 <u>+</u>
	(वा० रें०) देहरादून	2 4 O4	53. ए० के० मुक्की		184
35. सी०पी० मिश्रा		1-4-84	54. एस० डी० द्विवेदी	र० ले० मं०नि० 1-4 (निधि) मेरठ	l-8 4

1 2	3 4	1 2	3 4
		74. सी० पी० शर्मा	र० ले० नि० (पें०) 1 -4 -8
55. के० एल० राठी	र०ले० नि० 1-4-84		६लाहाबाद
	(मध्य कमान)	75. पी० सी० गुप्ता	र० ले० नि० (पं) 1-4 - 84
	मेरठ		इलाहाबाद
56. एच एस० एस० मूर्		76. के० पी० राजेन्द्रन	ले० निः० 1-4-84
	(म्रन्य रैक)र्दाक्षण		(फैक्ट्रीज')
	मद्रास		कलकत्ता
57. सतीश चन्द्र सक्सेना	र० ले० नि० 1-4-84	77. एच० एस० श्रीवास्तव	र० ले० नि० 1-4-84
	(प० क०)		(मध्य कमातः)
	चण्डीगढ़		मेरठ
58. के० एल <i>० टण्डन</i>	र०ले० नि०(पें) 1-4-84	78. विजेन्द्र कुमार	र० ले० नि०
•	इलाहाबाद		(प० क०) 1-4-84
59. डी० एन० चतुर्वेदी	-यथोपरि 1-4-84		चण्डीगढ़
60. बी० बी० मुनिरमैया	र० ले० नि० 1-4-84	79. यू० सी० चौधरी	र०ले नि० 1-4-84
000 11 11 11 11 11	(ग्रन्य रैक)दक्षिण	_	पटना
	मद्रास	80. के० ग्रच्युत राव	र० ले० नि० 1-4-84
61. राम कुमार गोयल	र० ले० नि० $(\hat{4})$ $1-4-84$		(द० क०)
01. (14 8.11 / 41.41	इलाहाबाद		પુ ષો
०० की सहस्य सम्बद्धार्थि	र० ले० निं० 1-4-84	81. ए० ग्रार० तारा	र० ले० नि० 1-4-84
62. वी० म्रार० कुलकर्णी	(नौ सेना)बम्बई		(नौ सेना)
. -	,		वम्बई
63. पी० एस० बहल	र० ले० नि०	82. बी० डी० नारायण	ले नि० 1-4-84
	(দ০ জ০) ————		(पौक्ट्रीज')
	च ^ए डीगढ़		कलकत्ता
64. ए० पी० बी० नम्बीय।		83. स्रार० एम० भटनागर	र० ले० नि० 1-4-84
	बंगलौर		(40)
65. जी० एस पुण्डीर	र० ले० नि० 1-4-84		इलाहाबाद
	(ग्रन्य रैका)	84. मुहम्मद मुर्तजा खान	र० ले० नि० 1-4-84
•	मध्य नागपुर	•	(ग्रन्य रैंक)
66. एन० बी० मुरगोड	र०ले० नि० 1-4-84		मध्य नागपुर
	(नौ सेना) बम्बई	85. राजपाल सिंह	र० ले० नि० 1-4-84
67. राजेन्द्र सिंह हुडा	र०ले०नि० 1-4-84	•	(વેં ૦)
	(प० क०)चण्डीगढ़		इलाहाबाद
68. के० ग्रार० रेड्डी	ले० नि 1-4-84	86. एस० के० मित्तल	र० ले० नि०
	(फैक्ट्रीज्)कलकत्ता		(वा० से०) 1-4-84
69. एन० वी० देशमुख	र० ले० नि० 1-4-84		देहरादून'
	(नौ सेना)बम्बई	88. राम कंवर	र० ले० नि० 1-4-84
70. ए० म्रार० शिवरामन		00. (11.7.1)	(द० क०)
	(ग्रन्य रैंक)		पुणे
	दक्षिण मद्रास	88. ग्रार० बालाजोगी रेड्डी	र०ले० नि० 1-4-84
71. ओम प्रकाश शर्मा	र० ले० नि० 1-4-84	०० आरण्यातासा हा	(ग्रन्य रैंक)
	(प०क०)चण्डीगढ़		दक्षिण मधास
72. सुदर्शन कुमार	লৈ 1-4-84	89. बी० पी० सिह	र० ले० [न० 1-4-84
	(फैक्ट्रीज)कलकत्ता	88. बार नार 146	(प०क०)
73. एस० नटराजन	र० ले० नि० 1-4-84		चण्डीगढ्
13. 640 42	(द०क०) पुणे	a make the same and the same an	and the state of t

1 2	3	.1	1 2	3	4
			सर्वश्री		
90. भी० वे।० वु।रियन	र्०ले० (न०		107.	र० न० नि०	1-4-84
	`	1-4-84		(द० कि०)	
				पृष्	
91. ग्रार० एस० मूर्ति	र० ले० नि०		108. ग्रार पी० दिपाठी	लं नि०	1-4-84
	(ग्रन्य रैंक)	1-4-84		(पॅंबर्ट्रोज)	
	दक्षिण मधास			कलकत्ता	
92. पी० पी० श्रीनिवास		1-4-84	109. राम पाल सिंह	र्० ले० नि०	1-4-84
	दंगलीर		•	(प० ५०)	
93. एन० पी० सिंह	र० ने० नि०)			`चष्डीगढ़ [°]	
	(ग्रन्य रैंक)	1-4-84	110. जीट डी० मिश्रा	ग० ले० नि०	1-4-8
	मध्य नागपुर		110. 30. 30.	(40)	
94. जी परमेश्दर राव	र० ले० नि०)			धतःहासाम	
	(द० का०)	1-4-84	111. ग्राप्त भीव श्रीवास्त	रुव देव दिव	1-4-8
	વુ ખે		111. आरु नार वावास्त	eres	1-4-0
95. ६न० च० श्री राम ग्राह्मर		!-4-84	~ C	'	
96. विनोद लिहारी लान	र० ले० नि०		112. एम० दी० विण्नानाथन	र्वनिक सिंव १८९५	1-4-8
	(वा० से०)	1-4-84		$(r_{i,s})$	
	देहरा दून			५ ४ .हाबाः	
97. हुकम सिह	ले० वि०	1-4-84	113. एस० एन० मदब	স্ত লীত 'ট্ৰে	1-4-8
	(पॅ.यद्रीय)			(मध्य दनाय)	
	कल्या			5, 5 th	
98. ओनेच्या पाल सिंह	र्० १० वि०	1-4-84	114 ६० ६न० सिंह	10 1. his	0-4:8
	(य्रन्य रैक)			(अन्य रैंग)	
	उन्ध्य भेरठ			इक्ष्म ग्रेक्ट	
99. घी० फलम राज्	ए० ने० नि०	1-4-84	115. राज किंग्रेन		1-4-8
	(वा० मे०)		116. एस० ी० कौमिक	্ত নৈত প্ৰত	1-4-8
	देहरादू न			(1.4)	
100. जमीय हुरीत	সত প্ৰত বিত	1-4-84		,465.4 T	
	(ग्रन्य रैंक)		117. ओ० पी० काक्कड़	रात विक्र हिल	1-4-8
	उत्तर मेरठ		-27	(৸ঀয়য়)	
101. के० सी० गोपीनाधन	र० गै० नि			(पुरु)	
	(বৃ০ কাত)	1-4-84	118. जी० के० टण्डन	स्व लुव रीह	1-4-8
	પુ ષ્			(गुःग् नैन)	
102. एस० सी० गुप्ता	यथोप रि	1-4-84		ग १ सान द	
103. के० के० भाटिया	र०ले० नि	1-4-84	119. एस० भी० ग्रम्भवाल	र० लंब लिव	1-4-8
	(प० या०)		11 त. दुल व वाच अग्रवान		I-4-0
	चण्डीगढ्			(भाष्य ६म त) सर्व	
104. के० पी० मिश्रा	ले० नि०	1-4-84			
	(फेक्ट्रीज)		120 एन० साठ सक्देता	स्वि (भ्व	1-4-8
	कलकत्ता			(पीक्ट्राल)	
105. श्रार० गुप्ता	र्० ले० नि०	1-4-84		Transport of the Control of the Cont	
	(द० क०)		121 एन० नाव क्या	्या (**	
	पुर्वः		122. डी० पी० वर्मी	संघोदनी ज	
106. ए० बी० मिह	र० ले० सं०	1-4-84	123. जी० एम० दबड्धाव	া বিত্যাল	1-4-8
	नि॰ (निधि)		·	(ব্ল ন্ত)	3
	मरुठ			पुरा	

1 2		3	4	1	2	3	4
	The second second second second	The gar of Manager manager of the straight of parts.			सर्वश्री		
124. ग्रार० ग्रा	र० माथुर	⊤० ले० वि० (स्रफतर) (पुणे)	1-4-84	139.	वीर सिंह	र० ले० नि० (ग्रन्य रैंक) मध्य नागपुर	1-4-84
125. ग्रार० वेंक		र० ले० नि० (द० क०) मुणे	1-4-84	140.	मदन स्वरूप	र० ले० नि० (पें०) इलाहाबाद	1-4-84
126. पी० जी०		र० ले० नि० (श्रफक्षर) पुणे	1-4-84	141.	एम० पो० वार्षणेय	र० ले० नि० (मध्य कमान) मेरठ	1-4-84
127. विजय पार		र० ले० ति० पटना	1484	142.	ग्रस्नानीहरि	र० ले० नि० (पें०)	1-4-84
128. पी० गोवि	न्दन	र० ले० नि० (ऋन्य रैंक)	1-4-84	1 4 9	TT TT THEFT	(२०) इलाहावाद र० ले० नि०	1 4 0 4
129ः राज कुमा	र	दक्षिण मद्रास र०ो० नि० (प० ५०)	1-4-84	143.	एच० एन० उपाध्याय	२० ल० । न० (मध्य कमान) मेरठ	1-4-84
130. वी० के०	ग्रानन्द	चण्डोगह राज्ञेज विरु (अक्रयर)	11-34	144.	एस० एन० वंसल	र० ले० नि० (श्रन्य रैंक) मध्य नागपुर	1-4-84
131. जी० एस	० भाटिया	पुरी कुल्लेक विल् (पिल्)	1-4-84	145.	ऋार० एन० णमा	र० ले० नि० (मध्य कमान) मेरठ	1-4-84
132. के० बी०	प्र ंजानेयुलु	इलाडाबाट ४० ले० नि० (नो सेना)	1-4-84	146.	टो० ग्रार० लरोईया	र० ले० नि० (उत्तरी कमान) जम्मू	1-4-84
133. वी० वेंकटे	टे ण्वर लु	बस्बई र० लें० निः (बा० स०)	1-4-84	147.	एस० डी० एस० चन्द्रील	ा ले० नि० (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	1-4-84
134. बी० पी०	सक्सेना	देहरादून र० ले० नि० (स्रन्य रैंस)	1-4-84	148.	ए० जी० चौधरी	र० ले० नि० (मध्य कमान) मेरठ	1-4-84
135. एम० वी०	राव	सध्य नागपुर र० ले० नि० (ग्रफसर) पुणे	1-4-84	149.	सत्य पाल सिंह	र० ले० नि० (वा० से०) देहरादून	1-4-84
136. एस० गोप	ाल	उप र० ले० नि० (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	1-4-84	150.	टी० ग्रार० णर्मा	र० ले० नि० (प० क०) चण्डीगढ़	1-4-84
137. एच० वी०	गुप्ते	र० ले० नि० (श्रफतर)	1-4-84	151.	लक्ष्मण सिंह	र० ले० नि० पटना	1-4-84
138. एस० पी०	चौरसिया	पुणे ले० नि० (फैक्ट्रीज)	1-4-84	152.	हरपाल सिंह	र० ले० सं० नि० (निश्चि) मेरठ	1-4-84
		कलकत्ता		153.	खाली	- •-	

1 2	3	4	1 2	3	1
	Annual Constitution of the	appear to the desired state of the second	 मर्वश्री		4
154. एस० पी० ग्रन्थाना	र० ले० नि० (अफतर) पुणे	1-4-84	172. एम० जी० श्रीनिवासन	र० ले० नि० (स्रन्य रैक) दक्षिण मद्रास	1-4-84
155. एस० बी० राय चौधरी	त्रे० नि० (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	1-4-84	173. एैस० एल० शर्मा	र० ले० नि० (उत्तरी कमान) जम्मू	1-4-84
156. एम० गोपाल कृष्णन	र० ले० नि० (ग्रफसर) पुणे	1-4-84	174. कुप्पा स्वामी	र० ले० नि० (द० क०) पुणे	1-4-84
157. पी० राभुलु	र० ले० नि० वंगलौर	1-4-84	175 सी० शन्मुगामुन्दरम	० र० ले० नि० (वा० से०)	1-4-84
158. के० सुट्बागव	र० ले० नि० (ग्रकसर) पृणे	1-4-84	176. केवल क्रु ^ह ण	देहरादून यथोपरि	1-4-84
159. एस० टी० चारी	र० ले० नि० (ग्रन्य रैक) दक्षिण मद्रास	1-4-84	177. एस० ए० वेंकटरामन	र०ले० नि० (अग्य रैंक) दक्षिण मद्रास	1-4-84
160. म्रार० सत्यनारायण	र० ले० नि० वंगलौर	1-4-84	178. जी० वीरा राघवन	र० ले० नि० (ग्रफ्सर)	1-4-84
161. एम० सम्बाशिव राव	२० ले० नि० (श्रन्य रैंक) दक्षिण मद्रान	1-4-84	179. यश पाल सिंह	पुणे र० ले० नि० (प० ब०)	1-4-84 1-4-84
162. के० एल० विपाटी	र० ले० नि० (ग्रन्य रैंक) मध्य नागपूर	1-4-84	180. राजपाल सिंह	चण्डीगढ़ र० ले० नि० पटना	1-4-84
163. बी० पी० सुब्रामनियन	र० ले० नि० बंगलोर	1-4-84	181. के० सी० अग्रवाल	र० ले० नि० (मध्य कमान)	1-4-84
164. ए० के ० घोष	र० ले० नि० पटना यथोपरि	1-4-84	182. राम रसिक सिंह	मेरठ र० ले० नि०	1-4-84
165. हरिबंश दुवे 166. वी० नारायनास्वामी	यजानार २० ले० नि० (ग्रफसर) पुणे	1-4-84	183. एम० भास्करडु	पटना ले० नि० (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	1-4-84
167. टी. गोबिन्द राजुलु 168. टी० कृष्णन	यथोपरि र० ले० नि० (ग्रन्य रैंक)	1-4-84 1-4-84	184. ग्रफलल इलाही	र० ले० नि० (पें०) इलाहाबाद	1-4-84
169. ए० जी० कारलेकर	दक्षिण मद्रास र० ले० नि० (श्रफसर)	1-4-84	185 ग्रार० पी० गुप्ता 186 टी० एस० मिसोदिया	र० ले० नि० पटना र० ले० नि०	1-4-84
170. वी० एस० कालूराम	पुणे र० ले० नि० (प० व०) चण्डीगढ़	1-4-84	187. खाली 188. एस० वेंकटरामन	(मध्य कमान) मेरठ र०ले० नि०	1-4-84
171. एस० के० जैन	र० ले० मं० (निधि) मेरठ	1-4-84	100. 200 1.000.	(द० क०) पुणे	

1 2	3	-4		To the last state when the last state with the last state when the
The second secon	 ो यथोपरि	1-4-84	. 1 2	3 4
189. एम० एम० सल्फोनस् 190. पी० लक्ष्मनन	। युपापार रु०ले० नि०	1-4-84	सर्वश्री	
	(मुख्यालय) नई दिल्ली		206. रमेश चन्द्र राय	ले० नि०
191. खाली	_		_	कलकत्ता
192. एस० मलयप्पन	ले ० नि० (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	1-4-84	207. एस० एन० त्रिगुनायत 208. उमा शंकर मेहता	यथोपरि 1-4-84 र०ले० नि० 1-4-84 (उत्तरी कमान)
193. के० गंगोपाध्याय	यथोपरि	1-4-84		जम्मू
194. सु ^{रे} श चन्द्र गुप्ता	२० ले० नि० (प० क०) चण्डीगढ़	1-4-84	209. बी० एम० एल० सरीन	र० ले० नि०
195. एस० लक्ष्मीनारायण	र० ले० नि० (द० क्र०) पुणे	1-4-84	210. जी० उपाध्याय	र० ले० नि० 1–4–84 (मध्य कमान) मेरठ
196. तरसेम लाल	र ^० ले० नि० (उत्तरी कमान) जम्मू	1-4-84	211. दिनेश मिश्रा	र० ले० नि० ं 1-4-84 (वा० से०) देहरादुन
197. पी० श्रीनिवासन	र० ले० नि० (ग्रफसर) पुणे	1-4-84	212. एम० एम० फुर्जुररहमान	र० ले० नि० 1-4-84 (ग्रन्य रैंक) उत्तर मेरठ
198. नरेन्द्र कुमार	र० ले० नि० (प० क०) चण्डोगढ़	1-4-84	213. ए० एस० वी० शाह	र० ले० नि० 1–4–84 (पें०) इलाहाबाद
199. के० सौरिरा जु लु	ले० नि० (फैक्ट्रोज) कलकत्ता	1-4-84	दौ सौ तेरह केवल रक्षा लेख	ए० के० घोष् या अपर महानियंत्रक (प्रशा०)
200. ग्रार० वी० शुक्ला	र० ले० नि० (पें०)	1-4-8 ‡	रक्षा मेल	•
201. एस० एम० युसुफ	इलाहा बाद र० ले० नि०	1 4 94	भारतीय स्रार्डनेन्स पैक्टरियां सेवा	
201. ९५० ९५० पुरु	(नौ सेना)	1-4-84	स्रार्डनेन्स पैक्टरी बोर्ड कलकत्ता-700001, दिनांक 15 मई 1985	
202. वी० पी० रस्तोगी	बम्बई र० ले० नि० (पें०) इलाहाबाद	1-4-84	संव 18/जी/85:-राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अपभार को खी० ए० खी० जी० खो० एफ उप-प्रबन्धक के ग्रेड में उनके सामने दर्शायी गई तारीख से पुष्ट करते हैं :	
203. एस० सूर्यनारायण	मूर्ति र० ले० नि० बंगलौर	1-4-84	नाम एवं पद	पुष्टिकरण की तारीस
204. एस० सुत्रमणियन	र० ले० नि० (द० क०) पृणे	1-4-34	श्री एन० सी० सरकार, डी० जी	० एम० 1-5-76
205. गुरदियाल मिह	र० ले० नि० (श्रन्य रैंक) उत्तर मेरठ	1-4-84	दिनांक 16 मई सं० 20/जी/85:राष्ट्रपा ग्रविकारियों को डी ० ए० डी	ति महोदय ने निम्नलिखि

में उनके सामने दर्शायी गई तारीखों स	षुगत वार्त	1 2	3
<u> </u>		ः । — । — । — । — । — । — । — । — । — ।	1-8-8
	टकरण की	3. हे प्राप्ताः संदाताः डी० जी० एम०	1-8-8
्	n री ख	49. की इस एक्ट एक्ट की की एम ०	1-8-8
1 2	3	41. श्री प्रतिक गांचित्, जीव की कामक	1-8-8
1. श्री एच० सेनगुण्ता डी० जी० ्म०	1-8-80	42- श्री कें ्रम्र क्ल्ली, डी० जी० र्म०	1-8-8
2. श्री जी० पी० भार्वा डी० जी० एम०	1-8-80	43. श्री की कि कि सिन्हों, श्री व जी व ए म व	1-8-8
3. श्री एच० एल० खन्ना ओ० एस० डी		४.५ श्री आर० फे० आग्राय, डी० जी० ६म०	1-8-8
(শ্বন্ত)	1-3-80	45. श्री १,७० के० पाप डी० जी० एम०	1-8-8
4. श्री ६० के० गोस्वामी, হী০ জী০ एम०	1-8-80	46. श्री एगः बो० होत, खो० जी० एम ०	1-8-8
5. श्री जै० के० पाण्डे, डी० जी० एम०	1-8-80	47. श्री गुगल आप० जेटफोले डी० जी० ए म ०	1-8-8
6. श्री बी० एल० गोहिया डी० जी० एम०	1-8-80	43 भी ्रशालेस राज्य निदेशक	1-8-80
7. श्री ओ० पी० खुराना, डी० जी० एम०	1-8-80	40. श्री इंग० इंग० एक्ट ी० जी० इंग०	1-8-8
8. श्रीपी० भक्तवटसल् डी० जी० एम०	1-8-80	50 शी ६०६ेरावन डी० जी० हमा०	1-8-8
9. श्री वी० शंकर, ছী০ জী০ एम०	1-8-80	51. श्री एम० चैपलवास्यण, डी० जी० एम०	1-8-80
0. श्री के० दी० कृष्णाम् ति ভी० जी० एम०	1-8-80	50 भी भी० जयगाय, दी ० जी ० ए म ०	1-8-80
1. श्री ए० ओ० ग्रकाहम ভी० जी० एम०	1-8-80	53 श्री ी) एस > देवात उक्क्यू ० एम०	1-8-8
2. श्री एन० के० सहाय, डी० जी० एम०	1-8-80	(Part (M2 an)	
3. श्री सी० बी० सिंह, डी० जी० एम०	1-8-80	(भित्रा विभूत)	
4. श्री एस० एस० ग्रार० कृष्णामृति, ভী০ जी० ए	म॰ 1-8-80	54. श्री र्लंश्री ० किली जी० जी० एम०	1-8-80
5. श्री एस० सी० ऋफ्वाल	1-8-80	55 की एप ० ए० श्र लटन, संयुक्त निदेशक	1-8-80
संयुक्त निदेशक (प्रतिनियुक्ति पर)		56. श्री एस० दो६, संयुक्त निदेशक	1-8-80
6. श्री बी० पदमानाभन डी० जी० एम०	1-8-80	57. श्री ९न० सन्तेदर इसाद, डब्स्यू ० एम ०	1-8-80
7. श्रीपी० सी० खुराना डी० जी० एम०	1-8-80	58. डा० ए _ं के० दोराल, डी० जी ० एम०	1-8-80
8. श्री टी० घी० गोपालकु ^{ुणन}	1-8-80	59. श्री कें र जीर केंमल, डीर जीर एमर	1-8-80
डी० जी० एम०		 श्री श्री० लध्दीनारायणन क्वी० जी० एम० 	
9. श्री एस० देकटरामन	1-8-80		1-8-80
डब्ल्यू० एम० (सेवा नियुक्त)		61. शी ६च० ती० सौतम घी० जी० ६म०	1-8-80
0. श्री एम० एन० कौल, डी० जी० एम०	1-8-80	62. श्री सुदीर मुखोना घ्या प, घी० जी ० एम०	1-8-80
1. श्री एम० एच० नाम्स्कर, डी० जी० एम०	1-8-80	63. श्री यु० सी० सबनेना, डी० जी० एम०	1-8-80
2. श्रीमल० घोष, डी० जी० एम०	1-8-80	64. श्री एस० टाटा डी० जी० एम०	1-8-80
3. श्रीयृ० त्री० मैनन डी० जी० एम०	1-8-80	65. श्री पी० साहु, डी० जी० प्म०	1-8-80
(सेवा निवृत)		66. श्री १० के० दास घी० जी० ए म ०	1-8-80
4. श्री दी० एस० हस्ते संयुक्त निदेशक	1-8-80	67. श्री क्री० मी० विश्वास, क्री० जी० एम०	
5. श्री के० एल० मोहनराव, डी० जी० एम० —	1-8-80	67. आ द्वार सार विश्वास, डार्ट आठ एम्ड	1-8-80
 श्री वी० वी० सुट्वाराव डी० जी० एम० 	1-8-80	बी	के० मेहता
7. श्री पी० के० चिन्नादुराई, डी० जी० एम०	1-8-80	ही० डी० जी०	(स्थापना)
3. श्री एम० मादप्पन, डी० जी० एम०	1-8-80		
). श्री जी०पी० सिन्हा डी० जी० एम०	1-8-80	 A minimum of the contract of the	
). श्री ६० के० गोहालिया डी० जी० ६म०	1-8-80	वर्षणज्य मंत्रालय	
. श्री ६० के० विनायक डी० फी० ६म०	1-8-80	पुष्य निसंबंक, अध्यात-नियति का कार्या	लिय
. श्री ६स० डी० पानेकर डी० जी० ६म०	1-8-80	न्हीं (येटली), विनांक 25 मई 1985	
a. श्री एस० राजशेखरन डी० जी ० एम०	1-8-80		
. श्रीकी० के० कर डी० फी० एम०	18-80	ाणात एवं रागीत व्यापार नियंत्रण	
. श्री भी० एल० लर्माडी० जी० एम०	1-8-80	(स्त्राप्तना)	
. श्री बी० के० भल्ला जी० जी० एम ०	1-8-80	$\forall s = 6/1342/30$ -प्रशासन (राज s)/2	2657—-इस
. श्री स्रार० ६स० गाह, डी० जी० ६म०	1-8-80	ात पुलिय के जो यसदेय एक, प्रवर्तन अधिकारी को 31	

के अपराह्न से सरकारी सेवा से स्वेच्छा से सेवा निवृत्त होने की अनुमति देगदी गयी है।

> एम० पी० अईसक उप मुख्य नियंतक, आयात-निर्यात कृते मुख्य नियंतक, आयात-निर्यात

इसपात, खान ग्रीर कोयला मंत्रालय

इस्पात विभाग

लोहा स्रौर इस्पात नियंत्रण कलकत्ता-20, दिनांक 16 मई 1985

सं० \$0-1-2(1),85(.)—अधोहस्ताक्षरी एतदद्वारा श्री एस० सी० मुखर्जी, अधीक्षक को दिनांक 16-5-1985 के पूर्वाह्न से इस कार्यालय में सहायक भुगतान आयुक्त के पद पर स्थानापन्न रूप से अस्थायी आधार पर नियुक्त करते हैं।

दीपक कुमार घोष लोहा भौर इस्पात नियंत्रक

खान विभाग भारतीय भूत्रैज्ञानिक सर्वेक्षण कलकत्ता-700016, दिनांक 28-मई 1985

सं० 5383बी,ए-19012 (एम० एम० डी०)/84-19ए-भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक भारतीय भू-वैज्ञानिक
सर्वेक्षण के विरुठ तकनीकी सहायक (डी० ग्रो०) श्री एम०एम०
दत्त को कलाकार के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 65030-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द०
रो०-40-1200 र० वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता
में, आगामी आदेश होने तक 22-3-1985 के पूर्वाह्न से पदोन्नति
पर नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुमारी निदेश क. (कार्मिक) कृते महा निदेशक

भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 30 मई 1985

सं० ए-19012(195),84-स्था० ए०—संघ लोक सेवा अत्योग की त्सकारिण पर श्री लालू टोप्पो, अस्थायी सहायक निदेशक, ग्रेड-II (गैर-तकनीकी), वस्त उद्योग विभाग, विवर्स सर्विस सेण्टर, मोतीलाल नेहरू रोड, पान बाजार, गौहाती-781001 सहायक निदेशक के पद से दिनांक 30-4-1985 (अपराह्न) से कार्यमुक्त होकर भारतीय खान ब्यूरो में दिनांक 8 मई 1985 के पूर्वोह्न से प्रशासन अधिकारी का पदभार ग्रहण कर लिया है।

पी० पी० वादी प्रशासन अधिकारी कृते महानियंत्रक

आकाशवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1985

सं० 17,17,85-एस-4--निम्निलिखित वरिष्ठ इंजीनियरी सहायकों की पदोन्निति के परिणामस्वरूप उन्होंने आकाशवाणी एवं दूरदशंन के विभिन्न केन्द्रों,कार्यालयों में प्रत्येक के आगे लिखी तारीख से अगले आदेशों तक तदर्थ आधार पर सहायक इंजीनियर के पद का कार्य-भार संभाल लिया है:—

क० सं० नाम -	केन्द्र _/ कार्यालय	कार्यभार संभालने की तारीख
 सर्वश्री		<u></u>
1. आर० सी०पी० सिंह	मनटेनेंस सेण्टर	9-4-85
	- दूरदर्शन, पूर्णिया	(पूर्वाह्न)
2. एम० एल० गंभीर	मेनटेनेंस सेण्टर,	4-4-85
	दूरदर्शन, पठानकोट	(पूर्वाह्न)
 एम० एन० नारायण 		29-4-84
	(द०क्षेत्र)	(पूर्वाह्न)
4. वी० के० श्रीवास्तव	आकाशवाणी,	25-4-85
	लखनऊ	(पूर्वाह्न)
5. श्री अशोक पाल	टी० वी० आर०	30-4-85
	सी० कानपुर	(पूर्वाह्न)
 एन० भास्करन 	टी० वी० आर० सी०	30-4-85
	कोडाई कनाल	(पूर्वाह्न)
 हरबीर सिंह 	एच० पी० टी०,	8-4-85
	खामपुर	(पूर्वाह्न)
8. श्री टी० जे० पौलेसे	दूरदर्शन केन्द्र,	14-3-85
	त्रिवेन्द्रम	(पूर्वाह्न)
9. एम० के० सिह्ना	दूरदर्शन केन्द्र,	4-4-85
	लखनऊ	(पूर्वाह्न)
10. एम० आर० के० रेड्	ही आ० गौहाटी	27-4-85
		(पूर्वाह्न)
11. एन० श्रीनिवास राव	ा दूरदर्शन केन्द्र ,	14-5-85
	नागपुर	(पूर्वाह्न)

बी० एस० जैन उपनिदेशक प्रशासन (ई०) कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 31 मई 1985

सं० 2/22/76/एस-II—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री राम प्रकाश, प्रशासनिक अधिकारी, दूरदर्शन केन्द्र नई दिल्ली को 650-30-740-35-810—द० रो०—35-880-40-1000—द० रो०—40-1200 रुपए के वेतनमान में दिनांक 30 मार्च 1985 के अपराह्न से अगले आदेशों तक,

अस्थायी रूप में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

(2) श्री राम प्रकाण ने उसी तारीख से मुख्य अभियन्ता (आर० एण्ड डी०) के कार्यालय में वरिष्ठ प्रशासनिक अधि-कारी के पद का कार्यभार संमान निया।

> मोहन फांसिस प्रजासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

सूचना ग्रौर प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

वम्बई-400026, दिनांक 23 मई 1985

सं० 5_l 17_l 61—ई-1—िविभागीय पदोन्निति सिमिति की संस्तुति पर श्री बी० एस० राजेपाध्ये को, रु० 680_l — प्रतिमाह के वेतन पर, रु० 650—30—740—35—880—द० रो०—40 960 के वेतनमान में, दिनांक 27 अप्रैल के पूर्वीह्न से अगला आदेश होने तक, शाखा प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया गया है।

एन० एन० शर्मा प्रशासनिक अधिकारी कृते मुख्य निर्माता

नई दिल्ली-1, दिनांक 28 मई 1985

मं० 4/28/70-डी० एफ० डब्ल्यू (प्रणा०)--श्री डी० एस० सैनी, स्थायी रिकार्डिस्ट, फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली को श्री एन० पी० सीतारम, मुख्य रिकार्डिस्ट के 43 दिन के अवकाश लेने पर उनके स्थान पर 20 अप्रैल 1985 से 1 जून 1985 तक फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली में तदर्थ मुख्य रिकार्डिस्ट नियुक्त किया गया है।

आर० बी० एल० मोरिया सहायक प्रशासनिक अधिकारी **कृते** मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 मई 1985

सं० ए० 19019, 49, 77—प्रशासन—1, पी० एच० (सी० डी० एण्ड एल०)—सेवा निवृत आयु के हो जाने पर, डा० एस० पी० रायची धरी, उप सहायक निदेशक इस निदेशालय के क्षेत्रीय फाइले रिया प्रशिक्षण एवं अनुसंधान केन्द्र, राष्ट्रीय संचारी सेवा संस्थान, काली कट के कार्यालय से 31 अगस्त, 1984 अपराह्न को सर करी सेवा से निवृत हो गए।

नारायण सिंह उप निदेशक प्रशासन (पी० एच०) नई दिल्ली, दिनांक 1 जून 1985

सं० 19020₁6₁79-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने डा० यू० के० गुप्ता, दन्त सर्जन (तदर्थ) के० स० स्वा० यो०, कानपुर का त्यागपत 18 अक्तूवर, 1984 से मंजूर कर लिया है।

> पी० के० घई उप निदेशक प्रशासन (सी० एण्ड बी०)

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग बम्बई-400 085, दिनांक 30 मई 1985

सं वी०/1501,सी० एच० ई० डी०,स्था०-II, 1956-अत्यन्त दु:ख के साथ अधिसूचित किया जाता है कि इस अनुसंधान केन्द्र के स्थायी वैज्ञानिक सहायक "बी" तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड "एस० बी०" श्री एम० के० बंदोपाध्याय का 12-1-1984 को निधन हो गया।

के० वें कटकृष्णन उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग कय ग्रौर भंडार निदेशालय

बम्बई-1, दिनांक 27 मई 1985

सं० डी० पी० एस०। 41, 1, 85-प्रशा०। 1365-परमाणु ऊर्जा विभाग, कय श्रीर भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी कय सहायक श्री अर्जन हजारी मल सदारंगानी को इसी निदेशालय में दिनांक 15-4-1985 (पूर्वाह्न) से 18-5-1985 (अपराह्न) तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में सहायक कय अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्त सहायक कय अधिकारी श्री आई० राम कृष्णन के स्थान पर की गयी है जिन्हें कय अधिकारी (तदर्थ) के पद पर पदोन्नत किया है।

पी० गोपालन प्रशासन अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं बम्बई-400008, दिनांक 28 मई 1985

सं० 05012/भ 1/स्था० पदो०/1969—भारी पानी परियोजनाओं के, प्रधान कार्यकारी, भारी पानी परियोजना (केन्द्रीय कार्यालय) के स्थायी प्रवरण श्रेणी निषिक, श्री कोच्चु-थाडइल थोमस थोमस को इसी कार्यालय में, श्रीपी० एस० शेट्टी, सहायक-कार्मिक अधिकारी जो भारी पानी परियोजना (मनुगृह) में प्रशासन अधिकारी—III, नियुक्त किए गए हैं, के स्थान पर अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर 6-2-1985 (पूर्वा०)

से 10-4-1985 (अप०) तक के लिए स्थानापन्न सहायक िकार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं ।

> श्रीमती के॰ पी॰ कल्याणीकुट्टी प्रशासन अधिकारी

परमाण् खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500 016, दिनांक 20 मई 1985

सं० प० ख० प्र०-1/12/83-भर्ती—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्द्व।रा श्री के० पी० अबरान्जी, स्थानापन्न सहायक सुरक्षा अधिकारी को उसी प्रभाग में 3 सितम्बर 1984 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थाना-पन्न रूप से सुरक्षा अधिकारी नियक्त करते हैं।

एस० पदमनाभन वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरिंग प्रभाग बंगलौर-560009, दिनांक 21 मई 1985-

सं० 6/39/84-सि० इं० प्र० (मुख्या०)--सिविल इंजी-नियरी प्रभाग, अन्तरिक्ष प्रभाग, अन्तरिक्ष विभाग के मुख्य इंजीनियर श्री एस के० खाजा रसूल को अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 18-4-1985 के पूर्वीह्न से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

> के० ए म० जी० वारियर प्रशासन अधिकारी—I, कृते मुख्य इंजीनियर

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 27 मई 1985

सं० ए० 32014/1/84—ई० ए०—महानिदेशक निम्न-लिखित तदर्थ सहायक विमान क्षेत्र अधिकारियों को उनके नामों के सामने दी गयी तारीख से इसी ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं:—

क्र०सं० नाम	नियमित नियुक्ति की तारीख
1 2	3
सर्वश्री	
1. एस० बी० डे	13-2-85
2 वी० डी० यादव	वही
3. वी० रंगानाथन्	वही
4. एच०एन० विसल	वही
5. आर० के० कपूर	वही
6. आर० एल० रोडा	—-वही

1	2	3
7. ए० 8. जी 9. डी 10. वी 11. नत्थ	आर० मित्तरा ० सी० सरकार ० सी० मिश्रा ० टी० पाटिल गी प्रसाद र० के० शर्मा	13-2-85 ——
15. एस 16. एम 17. सी 18. बिज 19. एस 20. आर 21. एस 22. राज	० पी० सिंह ० सुब्रहमण्यम् ० जे० मोटवानी ० एस० विपाठी ताय शर्मा ० मनोहरन ० सी० थीयल ० पी० गौतम ० आर० कुरील	——वही—— ——वही—— ——वही—— ——वही— ——वही— ——वही—— ——वही—— 1—4—85 1—5—85

जे० एस० तुली निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 27 मई 1985

सं० ए० 32014/2/84—ई० सी०——महानिदेशक नागर विमानन निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को प्रत्येक के सामने दी गयी तारीख से ग्रीर अगले आदेश होने तक, सहायक तकनीकी अधिकारी ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं:—

ऋ० सं०नाम	पदोन्नति की तारीख
1 2	3
सर्वश्री	
1. ग्रानन्द इशाक	17-10-84
2. एस० पी० गूजर	वही
3. गुरमुख सिह	- –वही-–
4. एन० एस० राजावत	वही
5. सी० पी० छावड़ा	व्ही
जे० बी० गुहा	वही
7. ए० बी० मालाकर	वही
8. ए० वी० जुमदो	−-वही -
9. श्रीमती के० एम० खोट	ब्र _े ी
10. एन० के० सूद	वही
11. वी० के० शर्मा	ब ही
12. स्रार० एन० गुप्ता	वही

1 2	3
13. एन० के० गुप्ता	20-11-84
14. हरीशपंत	17-10-84
15. ग्रार० के ओस्तिया	वही
16. पलानियप्पन	वही

जै० सी० गर्भ उपनिदेशक प्रशासन

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400 038, दिनांक

1985

सं० 23-टी० ब्रार० (4)/85--राष्ट्रपति कुमारी जे० एम० हिरमथ को 1-2-85 (पूर्वाह्म) से ब्रागामी ब्रादेशों तक तदर्थ ब्राधार पर लालबहादुर शास्त्री नोटिकल और इंजीनियरी कालेज बम्बई में प्रवक्ता भौतिकी और गणित के रूप में सहर्ष नियक्त करते हैं।

स्रमिताभ चन्द्र उप-नौवहन महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क समाहर्तालय

वडोदरा, दिनांक 30 ग्रप्रैल 1985

सं० '2/1985-श्री म्राई० एच० वैद्य, लेखापरीक्षक, केन्द्रीय उप्पादन और सीमा शुल्क (वर्ग "ख") (लेखापरीक्षा) वडोदरा वृद्धावस्था में पेंशन की म्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 30-4-1985 के म्रपराह्न से निवृत्त हो गए हैं

दिनांक 1 मई 1985

सं० 3/1985-श्री एम० बी० वसईकर लेखा परीक्षक केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क (वर्ग "ख") (लेखा -परीक्षा) वडोदरा वृद्धावस्था में पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-4 1985 के अपराह्म से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 4/1985—श्री सी० एम० नायक प्रशासिनक, ग्रिधकारी केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क (वर्ग "ख") मण्डल-1 वडोदरा वृद्धावस्था में पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-4-1985 के ग्रपराह्म से निवृत्त हो गए हैं

ना० व० सोनावणे समाहर्ता केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क

निरीक्षण महानिदेशालय

सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली दिनाँक 31 मई 1985

14/85—श्री बी० एन० डे ने जो पहले इस महानिदेशालय के कलकत्ता स्थित पूर्वी प्रादेशिक एकक में निरोक्षण ग्रधिकारी ग्रुप "ख" के रूप में तैनात थे इस महानिदेशालय के दिनांक 19—2—85 के ग्रादेश सी० सं० 1041/30/82 द्वारा निरीक्षण महानिदेशालय के भीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली (मुख्यालय) में दिनांक 15—5—85 के पूर्वाह्न से स्थानां-तरित होने पर उक्त पद का कार्यभार ग्रहण किया।

्रि॰ सी० सल्डाना निरीक्षण महानिदेशक

केन्द्रीय जल ग्रायोग

नई दिल्ली-66, दिनांक 25 मई 1985

सं ए० 19012/1090/85-स्थापना पांच—विभागीय पदोन्नति समिति (समूह-ख) की सिफारिशों पर प्रध्यक्ष केन्द्रीय जल ग्रायोगश्री राजेन्द्र प्रसाद पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल ग्रायोग में ग्रांतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 650-30-740-35-810 द०रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के वेतनमान में 13-5-1985 की पूर्वाह्न से ग्रन्य आदेशों तक नियमित ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

(2) उपरोक्त ग्रधिकारी केन्द्रीय जल ग्रायोग में ग्रांतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की ग्रवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे ।

सं० ए० 19012/1092/85 स्थापना पांच—विभागीय पदोन्नित सिर्मात (समूह-७) की सिपारिकों पर ग्रध्यक्ष केन्द्रीय जल ग्रायोग, श्री ग्रमल कुमार सिह्ना ग्रिभकल्प सहायक/पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल ग्रायोग में ग्रितिरक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 छ० के वेतनमान में 29-4-1985 की पूर्वीह्न से ग्रन्य ग्रादेशों तक नियमित ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

(2) उपरोक्त ग्रधिकारी केन्द्रीय जल ग्रायोग में ग्रांतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की ग्रवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे ।

> भीनाक्षी ग्ररोडा ग्रवर सचिव (समन्वय) केन्द्रीय जल ग्राथोग

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 8 मई 1985

सं० 30/36/83-ई० सी०-1-राष्ट्रपति सहायक कार्य-पालक इंजीनियर (सिविल) श्री एम० थंगमुथु को केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा समृह 'क' में दिनांक 26-11-84 से अगले आदेशों तक कार्यपालक इंजीनियर (सिवल) के नाते ग्रस्थाधी तौर पर तथा तदर्भ ग्राधार पर स्थानापन्न नियुक्त करते हैं उनकी प्रोन्नित पूरी तरह से तदर्थ ग्राधार पर होगी। उनकी इस तदर्थ प्रोन्नित से उन्हें कार्यपालक इंजीनियर (सिवल) के नाते नियमित नियक्ति के लिए कार्यपालक इंजीनियर (सिवल) के ग्रेड में वरिष्ठता निर्धारण या नियमित प्रोन्नति के लिए किसी मन्य प्रकार के स्रानप्रासंगिक लाभों का स्रधिकार प्राप्त नहीं होगा। उन्हें ग्रपनी कार्यपालक इंजीनियर के नाते निय्कित की तारीख यानि कि 26-11-84 से दो वर्ष के भीतर कार्यपालक इंजी-नियरी (सिवल) के लिए निर्धारित विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी यदि वे दो वर्ष की स्रविध के भीतर विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाते हैं तो उन्हें कोई वाषिक वेतन वृद्धि नहीं मिलेगी।

> श्रीमती नीना गर्ग प्रशासन उपनिदेशक

उद्योग तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय
 (कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी निधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 और एम० के० एम० बस सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मधास, दिनांक 4 जनवरी 1985

सं० 4064/560/84-कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्धारा सूचना दी जाती है कि एम० के० एम० बस सर्विस प्राक्ष्वेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गयी है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर सिवकुमार म्युचुअल बेनीफिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1985

सं० 3590/560/84—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि सिवकुमार म्युचुग्रल बेनीफिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रौर श्री चितरा ग्रार्ट एण्ड फिल्म एण्टरप्राइजेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1985

सं० 7617/560/84—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री चितरा आर्ट एण्ड फिल्म एण्टरप्राइजेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी स्रधिनियम, 1956 स्रौर श्री विश्नुंप्रिया स्पिनरस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1985

सं० 8967/560/84—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान पर श्री विश्नुत्रिया स्पिनरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण,दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मीनाक्षी चिट फण्ड़ प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1985

सं० 5621/560/84——कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान पर मीनाक्षी चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

हॅ० अपठनीय कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार तामिलनाडु

पटना, दिनांक 27 मई 1985

कम्पनी स्रधिनियम 1956 स्रौर कटेयाल इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० 701/560/63—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण एतद्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवभान पर कटयाल इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त क्रम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर विहार वन्स्ट्रवशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

पटना-800001, दिनांक 27 मई 1985 सं० 668/560/64--कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसार एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवमान पर बिहार कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इस्तर प्रतिकूल कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा ग्रीर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जायेगी।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 ग्रौर कटिहार केडिट एण्ड इन्वेस्टमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पटना-800001, दिनाक 27 मई 1985

सं० 1078/560/65—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसार एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के ग्रवसान पर कटिहार केडिट एण्ड एन्वेस्टमेंट कम्पनी प्रा० लि० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशान न किया गया तो रिजस्टर से नाम काट दिया जायेगा ग्रोर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 स्रोर लाइफ सेविग्स एण्ड फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

पटना-800001, दिनांक 27 मई 1985 सं० 1155/560/66--कस्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर लाइफ सेविंग्स एण्ड फाइनान्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जायेगा ग्रौर उनत कम्पनी विघटित कर दी जायेगी ।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रौर ग्रलबिट इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

पटना-800001, दिनांक 27 मई 1985

सं० 1079/560/62—कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के स्रनुसार एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के स्रवसान पर स्रलिबट इण्डिया प्राइवेट निमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

ए० वहाब श्रन्सारी कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार,

सम्पदा निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 जून 1985

सं० ए०-19012/4/85-प्रशा० ख--राष्ट्रपति केन्द्रीय सिवालय सेवा के ग्रुप "बी" ग्रराजपितत ग्रिधकारी श्री ग्रार० एस० फोगट को 1 जून 1985 के पूर्वाह्म से ग्रगले ग्रादेश तक श्री ग्रार० के० तलवार जिन्होंने 31 मई, 1985 के ग्रपराह्म से ग्रपने कार्यालय का पदभार छोड़ दिया, के स्थान पर सहायक निदेशक (मुकद्दमा) के रूप में नियुक्त करते हैं।

लक्ष्मण दास संपदा उप निदेशक (स्थापना) प्ररूप बाइं.टी.एन.एस .-----

नामकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नमीन स्मना

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 मई, 1985

निदेश नं०/ऐ० पी० नं० 5808---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

बायकर विधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त व्यथिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर

का पूर्वोक्त संपत्ति के उक्ति वाकार मून्य से कम के दूरयमान श्रीतकत के लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्के यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उक्ति वाजार बूक्य, उसके दूरवमान प्रतिफल हें एसे दूरवमान प्रतिफल के प्रमुद्ध प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (बंतरकारें) की बंतरिती (बंतितिवातें) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कृष, निम्निसित उद्देश्य से उक्त बंतरण विश्वित में शस्तिबिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी धन या जन्म जास्तियों को, विन्हें भारतीय जायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ क्निया बाता शिह्ए था, कियाने में स्विधा के सिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) श्री इन्द्र सेन पुत्र मित्र चन्द, शिमला देवी पुत्री इन्द्र सेन, राजेश कुमार पुत्र इन्द्र लाल, राकेश कुमार, सरजीवन कुमार, कैलाश चन्द्र, देनेश चन्द, लिलत कुमार, परमेश, मकेश पुत्र कंवर चन्द, कौशल्या देवी विश्ववा कंवर चन्द; संगीत; दीप कुमार पुत्र प्रेम चन्द, माल रोड, भटिण्डा।

(ग्रन्तरक)

(2) मै० म्रोरियण्टल म्राटो मोबाईल्ज प्राईवेट लिमिटेड म्राई० एफ० सिविल लाईन, भटिण्डा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन, के लिख् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी बनिध बद्ध में समाध्य होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वररा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकने।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का , को उक्त विधिनियम के वध्याव 20-क में दरिशाचित है, वहीं वर्ष होना को उन्ह बध्याय में हिया नवा है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2146 दिनांक 27-9-84 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिण्डा ने लिखा।

> जे०एल०गिरधर सक्षम प्राधिकारी,

सहायक स्रायकर स्रायुक् :

म्रर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 18-5-85

मोहर 🖫

प्रकल बार्ड , टी. एक् , प्रक.

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वर्षीन क्षमा

नारत स्रकाड

नार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्ध्रर, दिनांक 27 मई, 1985

निदेश नं ०/ए० पी० नं ० 5809--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आव मेर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके विभ्वास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण हें कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा अनुमूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने बह किस्सास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंदिसी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किल निम्नलिसित उद्देश्य से उनत अंतरण लिसित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की बावस उक्त जीध-, भगम के जधीन कर दोने के जन्तरक के काशित्य में कशी करने या उत्तरों वचने के बुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हुं भारतीय जायकर विधिनवन, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभीनवन, या धनकर जिथिनवन, या धनकर जिथिनवन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-म के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269--घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ह (1) श्री मिलखी राम पुत्र विशन मत्र पुत्र कनिह्या लाल, 5186-ियरकी वाजार, भटिन्डा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गुरमीत सिंह, हरमीत गिंह पुत्र निरन्जन सिंह, घरनं० 5186, सिरकी वाजार, भटिन्डा

(अन्तरिती)

स्त्रं बहु बुचना बारी करके पृत्रोंक्य सम्मात्त्व के वर्धन के विष् कार्ववाहियां बुरु करका हूं।

क्या सम्मार्क के वर्षद के क्यारम् में कोई भी माक्षेप हु-

- (क) इत तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की हाबील से 30 दिन की बनिध, को भी अवधि वाद में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय दुवारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बदुश किशी जन्य न्यन्ति द्वारा अभोहत्ताक्षरी के पात निहेषत में किए या बकरेंगे।

स्वक्षेत्ररण्टः-इतमें प्रमुक्त कव्यों और वदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। कही अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिवा क्या है।

वन्स्त्री

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1979 दिनांक सितम्बर 1984 में रजिस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी भटिन्डा ने लिखा

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 27-5-85 द

नोहर 🖫

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

आपकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 फरवरी 1985

निदेश सं० एसी० $-105/\pi$ पर $-2/\pi$ ल $\circ/84-85$ —यतः मुझे एस०के० बनर्जी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अग्ररण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० 10/1/इ० है तथा जो डाइपंड हारवर रोड, कलकत्ता—27 में स्थित है (और इउसे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विगत है) रिजिस्ट्रोकर्ता स्रिधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रिजिस्ट्रोकरण स्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन तारीख 26-9-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अतरक (अतरकां, और अंतरितीं (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) दे प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

बत: अब, उक्त ऑधिरियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) औं बधीन: निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :-- (1) मैसर्स ग्रिनउइच होलॉडिस प्राईवेट लि०

(ग्रन्तरक)

(2) श्री स्रोम प्रकाश झानयार स्रौर स्रन्य

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहुस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकरें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों सीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वोगा, जो उस अध्याय में दिया का है।

अनुसूची

जमीन:—2196 वर्ग फुट प्लाट पता :—10/1/इ, डाइमंड हारवार, रोड,

कलकत्ता-27, थाना--म्रालिपुर, प्लाट नं० 4ए । सक्षम प्राधिकारी के पात 26-9-84 तारीख में रजिस्ट्री हुम्रा। रजिस्ट्री का क्रमिक संख्या--1984-85 हा 28।

> एस० के० बनार्जी सक्षम प्राधिकरें सहायक त्रायकर ऋष्युक्त (निरीक्षण ऋर्जन रेंज-2/कलकत्ता

तारीख: 27-2-85

योहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना दिनांक 10 अप्रजैल, 1985

निर्देश सं० 37ईई/58न $^{\prime}$ 8 \cdots 35—-यतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'ज़कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिन्नकी संख्या है तथा जो पूना में िथन है (स्रौर इपने उपाबद्ध प्लाट नं० बी-7, हरमन पार्क कोस्रागरेटिव सोसाईटो लि० 30 बन्डगार्डन रोड पूना।

स्रनुसुची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय पहायक स्राय कर स्रायुक्त निरीक्षण, स्रर्जन रेंज, में रिजिस्ट्री-करण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख स्रगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के प्रतार अपने पत को गई हो और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एम अन्तरी के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुबिध के लिए: और/या
- ्ख एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आफ्तिका कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (192? का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था यो किया जाना चाहिए था छिपाने में सिंख्या के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (HF (F 8))

(2) श्री: रविद्राः स्थार स्थार मध्य श्रास्त्र धन्य, पर-7, स्थार सर्घः १० तन्त्र प्रार्थे । रोड, प्रतार

(78500)

का पहु मृष्ट कारा कारा पा का नामा के कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अजन का राजा करता का शाकी क

- (क) इस मूचना अ १०१४ च जिल्ला का अधिक ए ४६ वर्ष १ १ १ १ १ १ १ १ महिल्ला जा मूचना का उपात्र राज्य जात्म जा पर्धिन, चा औ अवस्थि अस्तर १ १८३ जात्म (ह. महाराज्य १०१४ आंकार्य १ १ १ १ १ १ १ १ १
- (क) इस सूचना के राज्यत को प्रकाणन की तारीस से 45 कि देवार के कि कि के जिल्लाकर किसी अब्द कर के किस अक्षापकर के अध्यान किसी अब्द कर के किस

स्पटीकरण:— इसमी अवन भार भार भार का, का जाता अधिनियम को अध्याय 20-का मी परिमाधित ही, तहर एवं उपर अपन के राजा में करोड़ समार्थिक

7 - - -

जीता कि क्षिति है। १००० २७ हैं (१०००) हैं 81-99 कर हैं। 1984 हो जा का कार कर का पूजा के जाता के कर हैं जा कर के **दर**तर में लिखा का जा है।

> अभिति सार भागा काविसास सम्बद्धान का कामक (भिर्देश) सर्वेद चित्र (भागा)

तारीख: 10-4-35

A.L. RIS. B. L. LA LA

गामक विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बार 265-2 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, रुह्मयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

र्जा रेंज, पुना

पुरा, दियां उ । नत्रैन, 1985

ीर्वेश सं > 37र्देई/5945/84-85-यतः मुझे अनिल कुमार,

आरकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा उत्तर के अधीन सक्षम प्राप्तकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

चीर जिल्लाने बंच्या पन्न वंग 20 हरमान नाम्यतैकन विल्डिंग में घोने गर, 6-की कोले पार्टन रीज, पूर्ता हे तथा जो पूरा में स्थान हे (बीर इन्हें उपार्ट प्रमुखी में बीर पूर्ण रूप से बीला है), वाको जी विकारी के अधिक्य सहायक आयकर जानुकार विकारी की अधिक्य सहायक आयकर जानुकार विकारी की जीत प्रस्तित्व वासिक्यम, 1908 (1908 जा 16) के जीति हारीस वासरा 1984

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट रही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध-- (1) मैंपर्स हरमस एजेन्सीज फैंमिली हाऊस, 793, जामें जमसेद रोड, दादर बम्बई।

(अन्तरक)

(2) कैप्टन विनोद प्रकाश और अन्य केयर आफ श्रीमती सारन कपूर, 204 संगम पेड्डर रोड, बम्बई-26 ।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्क्

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कः 37ईई/5945/84-85 अगस्त 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना।

तारीख: 10-4-85

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के विधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक । 0 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० 37ईई/8266/84-85-अयतः मुझे अनिल कुमार,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के निधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मोत्त, जिसका उचित नाजार मृन्य, 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 3, हिस्सा नं० 1-ए, सी० टी० एस० नं० 35 शास्त्री नगर, डों बेबलो (डब्स्यू) है तथा जो डोम्बी वली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज में, राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित क्षाजार मूल्य से कम के इश्यमान शितफास के लिए क्षेतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफास सं, एसे इश्यमान प्रतिफास का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और क्षंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय तय पाया न्या प्रतिफास निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिष्य में बास्त्विक कप से किंगत नहीं किया नवा है:--

- (क) ब्लाइन वें हुइ किसी बाद की बाक्त, उक्त बिधनियम के बधीन कर दोने के जलारण के समित्व में कभी करने वा उसके बचने में सुविधा से हिस्स; बीक्क:/सा
- (च) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ब्या था वा किया जाना आहिए था, जिनाने में सुविधा के लिए,

बतः बन, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के बभीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, वर्षात् :---

(1) मैसर्न टेज कार्परिकार गोबले बंगना, कास्त्री नगर कोनर रोड, डो.बेनली।

(अन्तरक)

(2) श्री एम श्रीश्वीगा 48, विशयक सदन, एम श्रम श्रीशी मार्ग, वम्बई

(अन्तरिती)

को शह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां : करता हुं।

उस्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वर्षाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सिक्सी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस ब्रुचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर खक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्स व्यक्ति इवारा जभाहस्ताकड़ी से पास चिक्ति में किए या सकींचे !

स्थादीकरण:--इसमें प्रयुक्त ान्धां और पर्दा का, आं उपल विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही वर्ध होना को उस अध्याय में दिवर नवा है।

वनस्य

जैसा कि रजिस्ट्रीग्रात क॰ 37ईई/8266/84-85 अगस्त 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना ।

तारीख: 10-4-85

मोहर ह

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

बायें कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाडु

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० 37जी/924-यतः मुझे, अनिल कुमार,
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
सिके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिनका उचित बाजार मृल्य
1,00,000/-रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी संख्या सर्वे नं० 224, हिएसा नं० 2, अकोले, वसई है तथा जो वसई थाना में स्थित (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के आर्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त संपर्तित के उण्जित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उण्जित बाजार ब्रुच्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पामा च्या प्रतिकृत कम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण चिखित में बास्टिकृत हुए से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौद्ध/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

वतः वक्, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वन्सरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, भिरामिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती रेखा हरग्राद शाह, केअर आफ हर्ष फार्मा, वसई रोड ।

(अन्तरक)

(2) श्री नष्भाई एस० काचडिया ग्रीर अन्य विमल अपार्टमेंट, मणिकपूर, वसई रोड, जिला थाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन् को सम्बन्ध में कोई भी बाह्रोप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अन्स् धी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37जी/924/अगस्त 84/84-85 अक्तूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 4-4-85

मोहर 🛭

प्रकार काष्ट्र होड़े खार होते । ५० ० ० ०

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अभीन मचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक अध्यक्षर अध्यक्त (निरक्षिण) अर्था रेंग, पुरुष

पूना, दिनां उन्ने व्यवैदा, 1085

विर्वेश सं० 37की/030/ .गरा 84-85-यसः मुझे अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपत आधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फरण है कि स्थावर स्पति, 'जनका स्थित कावार भ्ल्य 1,00.000/- रु. स अधिय है

श्रीर जिल्ली संख्या नाम असी एक्सरत असेत, १४,८ में 6, सर्वे नं 15 ए/2, नयां गड़ा यांग एक कहा है तथा जो यार्थ में विकास है (श्रीर इसता उपाव्य अपूर्ण में श्रीर पूर्ण मान्य विणत है), रोजम्झात्वी जान गण के तथी जा गड़िया सामान्य प्रायुक्त विरोधण अर्जन रोज में, रोजम्झात्वी असी सामान्य प्रायुक्त विरोधण अर्जन रोज में, रोजम्झात्वी असी सामान्य सामान्

1908 (1908 शा 16) केने हों ना का सूचर, 1984 को पूर्वाक्त संपरित के उचित वाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मुक्ते यह विद्यास करमें का कारण हो कि यथाप्याक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) ओर अंतरिती (अंतरितियों के बीच एस अंतरण के लिए तय पत्था गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहूई किसा आय की शावत, उनक अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करन या उसस अभने में सूर्यिभा के लिए; आर्रिया
- (क) एसी किसी आय या किसी अल या अन्य जातिसकी को, जिन्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम अधिन

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-गि की उपधारा (1) की अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (ा) श्री जे बीव अपनेडा श्रीर अस मानी पूर, ता० वसई जिला थाना

(अन्तर्य)

(2) मैसर्स रोहिन एन्टरप्राईजेस 11 टिन्नाला बिल्डि, जिम्बर रोड, वम्बई-4

(अन्तर्भिः)

का यह मुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उवत सम्पत्ति के वर्षत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन को अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पाश हिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गीरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियः ग्या है।

अन्स्ची

जैसा हि रिजिन्द्रोहर्ती कः 37मी/939/84-85 जन्त्रः 84 की सहान शामास नायुक्त निरोक्षण अजैन रेंज पूसा के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनित कुमार तक्षम प्राजिकारी; सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षम), अर्जन रेंक, पूना

तारीख: 8-4-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. ----

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 ग्राप्तैन 1985 निर्देश सं 37जी/928/84-85-यतः मुझे, ग्रानिल

बुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कि एक्सार किन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह प्रिज्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी रूठ प्लाट नं 135 सर्वे नं 31 सब प्लाट नं 34, 35, 36 नदघर गांव ता वसई जिला धाना है तथा जो धाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजर्डीकर्जी अधिकारी के कार्यालय सहायक स्थायकर आधुका निरोक्षण अर्जन रेंज में रिजर्डीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1984 अवत्वर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझं यह रिश्वाम करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंशिंगित्जों) के वीच एमं अन्तरण हो लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निस्वितं उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण सं हुई किसी श्राय की बाबत, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने यें सृविधा के स्लए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर ऑश्विमयम , 1923 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , या धन-कर आधीनयम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था , किया है सिए;

अतः क्षवः, उक्त अधिनियमः, **की धारा 2**69-घ के अनुसर्णः में, थें. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के थक्षीयः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) श्री भिन्दीनल कारण और श्रन्य 68 क्षेत्रसम्बेट वस्वर्ष

. (भ्रन्तरक)

(2) मैसर्भ चौक्री इंटरनेशनल मालपूरा जिला टोंक राजस्थान

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मां कोर्ड भी बाक्षण 🕟

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील * 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि जो भी अवधि बाद में समात होती हो, के भीतर पूर्विक्त आपिकतयों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस राचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक सं क्षेत्र के भीतर अकर स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी बन्य स्थावित द्वारा संभाहस्ताक्षरी के पाइ जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ हागा जो उन्ह अध्याय में बिक प्रयाः

मन्स्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कः 37जी/928/84-85 स्रक्तूबर 84 को सहायक स्राधकर साधुक्त विशेषण स्रर्जन रिंज पूरा के दक्तर में लिखा गया है

> श्रीतल कुमार सक्ष्म प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्राधुवल (जिसीकण) स्रर्जन रेज, पूना

तारीष : 8-4-85

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 8 ग्रप्रैल 1985

निर्देश सं० 37ईई/8915/84-85-यतः मुझे, ग्रानिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी प्लाट नं । 106 पहला मंजला गार्डन व्यू, जो नवघर में स्थित वपई रोड है तथा जो वसई में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जनं रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को प्वें अत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) प्राइम ध्वेलपमेंट 106 जधुना तिकेतन मानव मन्दिर रोड बम्बई

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विनोद चन्द्रा हीरालाल बोरीचा प्लाट नं 106 गार्डन व्यू 13 साई नगर नगर थाना

(अन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हक्षेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ३० 37ईई/8915/84-85 सितम्बर 84 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है

> श्रनिल बुमार सक्ष्म प्राधिकारी सहायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 8-4-85

प्ररूप आर्ष . हो . एन . एस . - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की दगर। 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत नरकार कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) यर्जन रेज, पुना

पूना, दिनांक 8 ग्राप्टैल 1985

निर्देण गं० 37, $8 = \frac{1}{8480} = \frac{1}{848$

आपकर कथितिकथ. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दरवात 'लगा कथितियम' कहा गया ही), की भारा 269-इ दे अतीत । य अतिभाग के यो को वेश विश्वास करते का कारण है कि श्ला - संबंधि, रितका उचित बाजार संख्या 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी पंडार जनाक्ष्मी कोजेंग्यनित्य हाउसिंग कोसायटी की खंडेग्राडी जीति, सी (ई) है उद्या को डोन्दीज़ित में स्थित हैं (और इसने उन्हांक प्रत्यार्थ में और पूर्ण रूप से वणित हैं) रिजस्की की अध्यापी के नामनेष्य मन्त्राय अग्यव्य साधुकत निरीक्षण अर्थन रेज में रिजस्कीज़िया अदिव्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीड स्विमार 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अलिरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करते था का गई कि एथा पूर्वोक्त गरणित का उचित नाजार एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह अतिश्व से अधिक हैं और अतरक (अन्तरकों) और अन्वरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में नास्तिविक रूप में किया नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण में हुई किशी आय की बाइत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दाणिन्त में कभी तरने या जनमें वचने में स्विधा के रिजण: और /या
- (ख) एंके किसी अष्ट या किसी धर या कस्य आस्तियों करे. जिहाँ भारतीत आयकर अधिनियम, 1922 (10.72 का 11) या जकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतिकतार्थे अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था गा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः उत्तः अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण मों, मों जनत अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) ने अधीर पित्रितिक स्वतिकार्योः अधीत् —— 5—116GI/85 (1) मैनर्स के० के पटेल और झन्य 39६ काता अपार्टमेंट पत नगर घाटकोपर बम्बई-75

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजन एम० वडेल और ग्रन्य ं लक्ष्मीनिवास 11वीं रोड णांताकक्ष वस्वई

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की त्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी कि कित द्वारा;
 - (क्ष) इस स्चना के राजधन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म क्यकित न्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किस्ति में किए जा सकोंगे।

ल्पञ्जीकरणः — इसमें प्रजूबत शब्दों और पदों का, जो उक्त जितिसम, के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

अनुसुची

जैसा कि राजस्ट्रीकरण कि 37ईई/8482/84-85 सितम्बर 84 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज,पून १

तारीख: 8-4-85

शहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

क्षायांलय, सहायक आपकर आप्कः (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, पूना

पुना, दिनांक 8 ग्रप्रैल 1985

निर्देश सं० 37ईई/327/डिप./83-84-श्रतः मुझे, श्रनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक है

और जिसकी संख्या मं० यूनिट 108 109 और 110 महेश इन्डस्ट्रियल सोसाईटी में पाट नगर कागमीरा रोड भयंदर गांव जिला शाना है तथा जो थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बाणित है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1984

का पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रीतफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तिरत की गई है और मुफे यह विश्वास करने यह कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय णया गया प्रतिकल किल निम्तिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के कानरक के सियत्व में कमी करने का उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (म) एमी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनं-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता किया चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण एं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्षे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) भैसर्स बालाजी एन्टरपाइजेस106, महाकार अपार्टमेंटसस्टेशन रोड भागंदर (पस्ट)

(अन्तरक)

(2) मैलर्भ वायाजी शिवराम मिलिर्गर रेक्स चेम्बर्भ चनदा सणता डब्स्यू एच० सार्ग बलाई इस्टेट वस्बई ।

(ग्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिकां करता हा ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध मा तत्रप्रवन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की बवीध, जो भी अविध बाद में समाप्त हों। हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना को राजपत्र मां प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त म्यावर सम्पत्ति मां हितबद्ध किसी लन्य थिवन द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास लिखित मां किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :— इन्स्म प्रयत्न राज्यां आंग प्रवत् का, जां उक्त अभिनेयम के अध्याय 20-क में पी।भाषित हैं, वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गवा थैं।

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कं० 37ईई/327/डिफ० 83-84 में 8≟ को सहायक श्रायहर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया।

> ग्रनिल कुमार स्थान प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्राधुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

नारीख : 8-4-85

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

जारत सर्कार

कार्यालयः, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पृना

पूना, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 37 ईई/328/83-84:---यतः मुझे, अनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 105 ग्रौर 106, महेरा इन्डस्ट्रीज कोआपरेटिव सोसायटी, पाट नगर, कशमीशा रोड, भायंदर विलेज, जिला० थाना है तथा जो थाना में श्थित है ग्रोर इसके उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप स विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयंकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के टिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकः) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुइ ैक सी आप की बाजक, उक्स अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दापित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वी जिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं ा वालाजी एन्टरप्राईसेज, 101, महावीर अपार्टमेन्टस, स्टेशन रोड, भायंदर (वेस्ट) ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स नवजीवन एजन्सीज, रेक्स चेम्बर्स, चौथी मंजिल, डब्ल्यू० एच० मार्ग, बलार्ड इस्टेट, बम्बई।

(अन्तरिती)

का बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राष्ट्र से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37 ईई/328/83-84/डिफ० में 1984 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी', सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)। अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 8-4-1985.

eperantener, By. 89. 65. The Pork

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) की नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांनय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 अप्रैल, 1985

मिदंग सं० $37 \frac{66}{184} = 806/84 - 85:$ —यतः मुझे, अमिल कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह धिक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

यौर जिसकी सं० प्याह तं० 20 त, आपरहीर आपर्टमेंट, हरेन इंस्पेबटर बिहिडर के सहिते हिलाहरण डेंग्विनी है हथा जो डोंबिवली में थिया है कि एक ए इन्हें उप इन्हें अनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है। एक मूं प्राप्त अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुवत निर्देश , अर्थर नेंग्व, में, रिक्ट्रिकरण अधिनयम, 1908 (1508 वह 16) के अर्थत्म, तारीख अब्दूबर 1984

का पूबावत सम्परित के उचित कारार मूल्य स कर क दश्यमान प्रतिकल के लिए अनारा ३ है अप ने यह विद्यास करने का कारण है कि विश्व का स्पित्त का अविद बाजार मूल्य, उसके स्टामाग प्रतिकार ५ एको स्टामाग प्रतिकास का पंद्र प्रतिवात से अधिक है कि अप कि का कि प्रति और विद्यास (अन्तरित्यों) के मीच एक अस्ति च का का का प्रति का कि कल निकारित के सीच

- (क) अन्तरण से हुई किनी आय का बाबक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा की लिए; और/या

जतः स्वा, उत्रन अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, अवत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) चे वर्षीय निकासिखित व्यक्तिस्थी अभीत् अल्ल (1) भौसर्स साजदोत के दूबरान 303, आप्राप्तानी, चाटी थाना ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीपा परेन्द्र दीक्षित, जानकी निवास, कर्वे रोड, विष्णु नगर, डोविवली (वेस्ट).

(नतारती)

की मह कुमा। जार संस्कृत र तार र र ता सं अका संहोतम् कार्यमाहितां सरश्य हो ।

चकत गम्म का के कर्णन के ना राज्य र करण भी आसार क

- ्या अने कार के कार का निर्माण कार का वाराक की का विकास की पर का विकास की सम्बद्धित संस्थान की का की पर सूचना की सम्बद्धित के तो विकास की का मी का सम्बद्धित के का किस की का समस्य प्रशासी
- ्ष्य अस्त स्थान । जिल्ला अस्ति द्रश्यान क**ी सार्यक सी** वृद्धा अस्ति । जो स्तिस्था द्रशास्ति **मी हिल्लहुण्** विवास १००० साम व्यक्ति अस्तिस्था **स्थान** सन्दर्भ का स्थान का सीम

१म्टर्डिकरण स्क्री प्रयासन् दहन्दी स्क्रीत क्या क्या, **यो उन्ह** श्रीमितिकत क्षेत्रसम्बद्ध हुन्। क्यानी प**रिभाषित** राजनीतिकत

अनुसूचा

जैसा कि एजिस्ट्रोफ़ित क० $37EE/Uc^{f}./806/84-85$ अस्टूबर 84 की नहामत अस्पारसम्बन्ध निरोक्षण अर्जत रैज पूना के अफ्टर में किया गया है।

अतिल कुमार मक्षम प्राधिकारी जहायक आप्रकर आएका (निरीक्षण) प्रजीन रीज, पूना

नारीख : 8–4-1985. संदुर प्रकप आई. टी. एन. एस. -----

बायकार विधित्तयम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-व (1) के बधीन सुक्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, प्ना

पुना, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 37 ईई/8460/थाना/84-85:--यतः मुझे, अनिल् कुमार,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 403, चं.या मंजला, लोक शिल्प विल्डिंग, बसई, न्यू वस्वई, प्लाट नं० 59, मंबटर 17, डी० बी० सी० वसई है तथा जो बसई में स्थित है (ग्रोर इसरे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), राज्य द्री कर्जी अधिकारी के कार्याला, सहायक आयकर आयुद्ध किरीक्षण, अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितन्वर, 1984

को पूर्वोक्त सम्भत्ति के उचित बाजार मूल्य स कन क अध्यक्षक प्रितफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा के सम्पत्ति को अधित बाबार मूल्य, उसके उपयान प्रांतफल उ एोंसे दश्यमान प्रांतफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अत्रकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया मृतिफल निम्न्तिस्ति उद्देश्य से उसत अन्तरण शिवास्त्र से सास्तरिक क्य से किया नहीं किया गया हैं के

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय का बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी बाम या किसी धन मा अन्य अधिस्तर्थों की, जिन्हा भारतीय अवकार अधिमयम, 1922 (1922 का 11) वा उनते आधीनसम, स धन-कर अधिनसम, 1957 (1957 का 21) के अभिनाम जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नमा बा मा किया जाना चाहिए था, कियान में सुविधा श्री किया है शिक्ट ने ही किया नमा का सा किया जाना चाहिए था, कियान में सुविधा श्री शिक्ट निर्देश

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री लिलित सी० गांधी, लोक रिलप कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, 14 विशाल शांपिंग सेंटर, सर एम० व्ही० रोड़, अन्धेरी, बम्बई-69.

(अन्तरक)

? 2 में श्री हेंमंत आर० कटेंरिया, 1 8, सीरधनदास मन्शन, डा०ए० बी० रोड़, पहेंल।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वा कत संघतित के अर्थन के किए नार्वाहिया करता हो।

तत्त्व संस्थित के बर्जन के संस्थान के कोन्ने भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपः में प्रवारन की तारील से 45 विन की जविध या तत्वम्यत्वी व्यक्तियों पर स्वना कर तायोन से 30 किया को कर्यों , को भी अविध वाद में समात होती हो, के भीतर पूर्वीवत स्विकार में में क्रिकी ब्योग द्वारा;

स्वच्दिकरणः -- इसमे प्रमुक्त शब्दों और पदो का, को उक्ह विभिनियम की अध्याय 20-क में प्रिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस व्याय में विवा गया है।

वनसर्थी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37 ईई/8460/84— 85 सितम्बर 84 को सहायक आयकर आय्वत निरीक्षण अर्जनरेंज, पूना के दक्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आ**यु**क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **पुना ।**

नारीख : 8-4-1985.

1

गामकार कॅथिनिसम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 260 व (1) के सभीन हवसा

शारत सङ्कात

कार्यालय, सहायक वायकर बायुक (निराक्षण) अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 8 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० 3.7 ईई $_{1}6098_{1}$ पृत्त $_{1}84$ - 85:--यतः मुझें, अनिल कुमार,

स्रोर जिसकी संग्रहात है है। 120 गरे तह हो ने दिए जि नगर, दुना है तथा जो दिन दिन ति ति ति है। उस उपावस्त्र अनुसूची पेंकार दुर्ग का उस्तित हो, ति ति है। विश्व की किस्तित का का कार्यात है। अर्थ के जि में, पीजस्ट्रीकरण अतिहिमा 1606 (1908) का 16) के अधीन, तारीख अस्ति । 1984

को प्रवेकित सम्पतिए । १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ वर्ग के देखमान प्रतिफल के लिए अंहरित को गई हो। अग्रे न्मः यह विश्वास करन का आग्रा हो। १ ११ ११ १ १ १ १ १ १ १ १ १ मन्त आजार भूल्य, ट्रमको व्ययमन व १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ त्वास पंद्रह प्रतिशत से प्रीप्त हो। ११ गीत के प्रतर्था) और अंतरिती (अंतरितियों) ये बीट एस अंदर्भ के लिए तय बाबा भया प्रतिपान, जिस्ती स्थान उद्देशक व अवत अन्तरभ बिश्वर को या महिक्क के १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त वांधीनसम्बद्ध अन्तर्भ कर बंद के अन्तर्भक से सावत्य के समा अद्योग साम बच्चे के स्वीक्या के सिए; बॉर/या
- (का) एती किसी आय या किसी धन या अन्य आफिन्यों को, जिन्हीं भारतीय आयकर आधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या अन- १८०० अवधिन । १००० २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना सीहरी था दिल्या में सुन्धिमा के लिए,
- हों, में तक्त विभित्यम का भारा 25% भ की उपभार (1) के क्षीन, निम्मिशिखित व्यक्तिमाँ, अथित .—

(1) मंसर्स मी० एक० सिरोत्रे,
 121 6/6,
 डक्क न जिमखाना,
 पूना

(अन्तरक)

(2) श्री संतोष दत्तात्रय जगताप, सर्वे० नं० 29, पोस्ट पिंपके निलख, ता० हवेशी, जो० पुना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

ज्वत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 बिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सपाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उत्तन स्थावर सम्मित्त में हितवद्ध किसी अन्य त्यिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

जैसा कि राजिस्ट्रीकृत कि 37 ईई/6018/84-85, अगस्त, 84 को सङ्घयक अध्यकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दक्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना।

तारीख: 8-4-1985.

मोहर 🖫

प्रकृत नाइं दी एन एस हारायान

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के विधीन सूचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 8 ग्रप्रैल 1985

निर्देश सं० 37 ईई/8009/84-85:-यत: मुझे ग्रानिल

कुमार कार्यार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) गिजमे हमसें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गर हो। को धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने की कारण है। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार पुन्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 14 विशाल दर्शन प्लाट नं 33, सांई नगर स्कीम वसई (बे०) जि० थाना है तथा जो थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विश्वत है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आधुकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज में राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1984

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृब्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णका सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान जीतपाल से ए स् व्यापण प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिकी (अन्तरिकार) के बीच एसे अन्तरण के लिए उस पादा गया प्रतिकात, निम्निलिखत उद्देश्य से उन्तर अन्तरण कि विश्व के वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबस, स्वयस खिंध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाकित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, के 900 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, १०६७ (195७ का ०७) हे. प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अब, उक्त कींभीनयम की भारा 269-ग के जनकर हों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ----

(1) मै० शियान संस्कृति संपती 137 जशहर नगर कोरेशांच (दे०) सरक्ष

(ग्रन्तरक)

(2) जयभी भी० शाह और प्रन्य मंत्री विल्डिंग दूसरी भीजल रूम मं 16 मल्लाड सम्बीक मल्लाड वस्बई

(ग्रन्तरिती)

को यह मृबन अल अलके धार्णन सामान्त के अपने के लिए

सक्त राप्तींका जा एक हो तर वा तो बाई की प्रार्थित :--

- (क) इत स्वतः के राज्यक्ष मा अकाशन की तारीख से अति दिन ती ता चि मा जलाम्बामी व्यक्तियों पर स्वार को नमीं के का कि भी अविष्, को भी अविष्ठार मा समाप्त तार्ता हो, के भीतर पूर्वोक्त को का का कि को कि विषयानाः
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खं कि पास जिल्ला के लिए जा सुकरेंगे ।

स्वष्टीकरणः इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

अन्सूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत %० 37 ईई/8009/84-85 स्रगस्त 84 को सहायक स्रायकर स्रायुक्त निरीक्षण स्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है

> स्रतिल कुमार, सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 8-4-1985.

मोहर:

प्रभावस्थाः भी, एस. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-६ (1) क अवंत्र सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, महागक मध्यक तायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, प्ना

पुना, दिनांचः ४ अधील 1985

ंनिर्देश सं० 37 हैई[6829]84-85:-यत्तः मुक्ते, ग्रानिल

कुमार

और जिस्ती संज्याहर 5 ह्लारी मंजित सविच्छा अपार्टमेंटस पूना है निया जो एना में मिश्ते हैं (भीत उसमे उपायक अनुसूचीमें और पूर्ण क्यासे निया है) होतारी सिंग्यारी के कार्यालय, सहायक आध्यकर आधुर निरीधण अर्थन रेंग में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1309 (1908 का 16) के अधीन नारीख अक्तूबर 1984

की प्रतिकत सह है उ एडिए लाइ र म्ला म काइ के **दश्यतान** प्रतिकाल के लिए क्लिंक्ट की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि एआद्वीवत सम्मत्ति का उत्तित बाजार मृत्य , उन के दश्य का विश्वास में, एए इंडरफोड प्रतिपाल का प्रतिपाल का प्रतिपाल का प्रतिपाल के अंधिक है होर अंतर्क (अंतर्कों) और अंतरिती (अंतर्किटियों) के बीच जोंने जिए है लिए एय पाए गया प्रतिपाल किलिंक्ट उद्योग्य से उ इ अंतर्क विश्वत में बास्तविक रूप में क्लिंग्त नहीं किए गया है :—.

- (का) अन्तरण से हुई किसी दाव की वावत उक्त विचान निवह के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व के कमा करने या उनसे बचने में सनिधा के सिए; वॉर/वा

करु धव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधार। (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् "— (1) येसर्ग हरा इन्स्कृत्वन "ब्रार्भीवादः" एस० जै० रोड् द्रुकाम २० 3

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० व्ही० काले 25,ि एडीबल इन्म्योरेंस बिल्डिग सक्ताला टान्ड कोड़ माहिम बम्बई ।

(ग्रन्तरिती)

का यह मूलनः आरी कारके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

च कत संपीता के वर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप द--

- (क) इस सूचना के राजपन भी प्रकाशन की तारीख है 45 दिए का अवधि मा तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाप्त हों लामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अर्था करा भी स्वाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियां मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस्तामाणा के रावपण मी जिल्लामान की तारीब वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हित-बद्ध किसी बच्च व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के स्का निक्षित में किस जा रुक्षेग।

स्पब्दीकरण. जिस्सा प्रयोजत शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिन भिष्य ता अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, मही अर्थ कोगा, जो स्का क्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

जैसा कि राजिस्ट्रीकृत का० 37 ईई/6829/84-85! अक्टूबर 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज पूना के दफ्तर में जिखा गया है।)

> श्चनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी महासङ आयकर आयुक्त (निरीक्षण) यर्जन **रेंज, पू**ना

दिनांक : 4-4-1985.

मोहर 🖫

शक्य बाइं दी ह्य एवं .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन स्चना

बार्ख एउकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना दिनांक 4 ग्रप्रैल 1985

निर्देश सं 37 ईई/12240/84-85:-यत मुझे म्रनिल

कुमार वायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स की अधीन सक्षम प्रतिधकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं पलाट नं 206 दूसरा मंजला राजेश म्रपार्टमेंट पोस्ट म्रापिस के पीछे बसई रोड़ (वे०) जि धाना है तथा जो धाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णात है) रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय सहायक म्रायकर म्रायुक्त निरीक्षण म्रजन रेज में रजिस्ट्रीकरण म्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के म्रथीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त संपित्त के उषित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाना गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से रूड़ किसी जाय की बाबत, उनका बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दादित्व में कामी करने या उन्हों क्ष्म में सुविधा श्री किए; श्रीर/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, सिक्हें भारतीय बाय-कर बीधनियम, 1922 (1922 की 11) या उत्पा अधिनियम, या धन-कर बीधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था हा किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविषा के सिद्ध;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिश व्यक्तियों, अर्थान् ह—
6—116 GI 85

(1) श्री मैसर्स विठोबा कन्स्ट्रवशन कंपनी ब्लाक मं 12 ए० "पंचरतना" रामबाग प्लाट नं 119 एस० व्ही० पटेल रोड़ बम्बई

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शांतीलाल जे वैद्य
 मार्फत जी एन वैद्य
 42/44 कीका स्ट्रीट
 पहला मंजला रूम नं० 4
 बम्बई

(ग्रन्तरिती)

क्षं यह स्पना बारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हां।

डक्त बुव्यत्ति के बुर्वन की बुव्यत्य में खोद्दें भी बाजोए ड---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब व 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को उक्त विभीनयम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्ची

जैसा कि राजिस्ट्रीकृत कि॰ 37 ईई/12240/84-85 जनवरी, 85 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

> ग्रानिल कुमार, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख 4-4-1985. **मोहर**ु And the second s

प्रका बाइ', डी. एन . एस .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

धारत सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर कायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 स्रप्रैल 1985

निर्देश सं $37 \ \$\$/12198/84-85$ —यतः मुझे, ग्रानिल कुमार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं फ्लाट नं 4 श्रविनाण श्रपार्टमेंट पंचपाखड़ी टी० पी एस नं० ग्राखिरी प्लाट नं 291 थाना है तथा जो थाना में स्थित है (और इससे उपावढ़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 1908 (का 16) के श्रधीन नारीख जनवरी 1985

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयज्ञान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-बिक रूप में कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सूविधा को निक्कः; की ग/शा
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को, जिन्ह भारतीय जाय-कर जिम्मिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर गिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपानं में सुविधा को लिए:

क्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण प्रॉ., भॅं., उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन निम्निसित व्यक्तियों, वर्षात् ए--- (1) में आशीर्वाद कन्स्ट्रवशन कंपनी. गीसांजली सिवल हास्पीटल के सामने टेम्बी नाका थाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी सुश्रमनीयम पंजाब नैशनल बैक, मातूँगा । बम्बई।

(अन्तरिती)

स्ते क्ष स्मना वारी करके प्यामित सम्मतित से अर्थन के किए कार्यवादियां करता हो।

तकत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप :--

- (क) इंड क्ष्मा के राजपम में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जविध या तत्संबंधी क्यवित्यों पर स्जान की ताथील से 30 दिन की जविध, जो शी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्धा किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अथां हस्ताशरा है पास सिसित में किए दा सकेंगे ।

स्वष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि -नियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, बहीं अर्थ होंगा, ब्हें उस अध्याय में दिया गया है।

ग्र**ृस्**ची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत ऋ० 37 ईई/12198/84-85 जनवरी, 85 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> म्रानिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज पूना

तारीख: 8-4-1985.

मोहर :

प्रकार बार्ड : दी : इप : इस :----

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 ग्रप्रैल 1985

निर्देश सं 37 ईई/116 55/84-85--अतः मुझे ग्रानिल कुमार

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

कौर जिसकी सं. पलॉट नं 3 सेक्टर नं 3 बसई प्लाट नं 33 न्यू० बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वाक्त सम्बन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त संपत्ति का उचित्र अन्यर मूल्य, उसको क्रियमान प्रतिफल से ऐसे क्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के किए तय शया गया प्रतिफल, निम्निस्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिवक रूप से कृषित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे उचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना था, क्रियाने में सविधा के विए;

बतः बद, उक्त दिश्विक की शारा 269-न के बनुबरण बी, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उन्धार की के अधीन. निम्नलिख्त व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती निर्मलजीत पी० काडर कमभोज श्रपार्टमेंट पहला मंजला माहूल रोड़ सेक्बूर बम्बई-74

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० जीनेश फ्लाट नं 3 सेक्टर नं० 3 बसई न्यु बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यपाहियां करका हुं।

उक्त सन्वरित्र के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारोक से 45 दिन की अवरीध या तत्सं कंथी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की बारीख से 45 दिन के भीतर उचत स्थापर सम्पत्ति में हिसबद्ध किक्षी अन्य व्यक्ति द्वाच अधोहस्ताक्षरों के पास सिचित्र में निक्ष का सकोंगे।

स्पच्चीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूं, कही अर्थ होगा खो उस अध्याय में दिया मुखा है।

अनुस्ची

जैसा कि राजिस्ट्रीकृत ऋ० 37 ईई/11655/84-85 जनवरी 85 को सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

श्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना

तारीख: 9-4-1985

मोहरु 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 म्रप्रैल 1985

निर्देश सं 37 ईई/10213/84-85-अतः मुझे अनिल भुमार

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिगियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं शरदानंद नगर 9/ए डब्ल्यू० अर्जन अपार्टमेंट गणेश मंडल रोड़ नेहरू मैदान चौक डोम्बीवली है तथा जो डोम्बीवली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1984

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्मित के दिस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

(1) मैसर्स उषा कन्स्ट्रवशन वंपनी 2रा मंजला हरीदीप पाटकर रोड़ डोम्बीवली (ईस्ट)।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० एम० मोजीदरा शरदानंद नगर थाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत ऋ० 37 ईई/10213/84-85 नवम्बर, 84 को सहायक ग्रायकर ग्रायक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

ग्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसिस्त, व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक : 9-4-85

मोद्धर.

प्ररूप बाइ .टी .एन .एस . ----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) की अभीत सूचना

गार्त सरकार

कार्यांत्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 श्रप्रैल 1985

निवेंश सं० 37 ईई/5954/84-85-ग्रतः मुझे ग्रनिल कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज़कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

कीर जिसकी सं • फ्लैट नं 201 84/2 पारवती पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्तिक के लिए अन्तरिसी की गई और मूक्ते यह विश्वास अरुने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसको दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्वरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब कार गया प्रतिकल निम्बिशिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (थ) वन्सरण से हुई किसी नाव की नावत, उक्त नीयविषय के वधीन कर दोने के अन्तरक खे वावित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा क लिए; और/या
- (क) एंबी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों करों, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः कथ, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरम मं, मं उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नभीन, निम्नीलीखत् व्यक्तियों, अर्थात् ह्य- (1) मैसर्स सुप्रीम कन्स्ट्रवशन
 5 कृतांजली श्रपार्टमेंटस
 43/20 एरंडवणा
 पूना-4 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमेश विट्ठलराव रासने218 रविवार पेठपूना-2।

(ग्रन्तरिती)

को बहु कुकना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के बिए कार्ववाहियाँ करूता हुएं।

उक्त सन्परित को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी जातांप :--

- (क) इस सूचना के राजपम में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पद सूचना की तानील से 30 दिन की सर्वीध, जो भी सर्वीध बाद में ज़नाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ले 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए चा सकोंगे।

निक्षित्य : इसमें प्रयुक्त बन्धों और पदों का, जो उक्क जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37 ईई/5954/84-85 ग्रगस्त 84 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है

> ग्ननिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 9-4-1985

मोहर 🖫

प्रस्य वार्ड टी. एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भार्य बरकात

कार्बास्य, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 37 ईई/6660/84-85:-म्रतः मुझे, म्रानिल

<u>कु</u>मार

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अगएण ही कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं फ्लैंट नं० 418 हाउस नं 2416 ईस्ट स्ट्रीट पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण अर्जन रेज में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख अक्तूबर 1984

अतं पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रीतृफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके प्रश्यमान प्रीतफान से, एसे स्वयमान प्रतिफान का पन्प्रह प्रतिशतः से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीः (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्वरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - ्ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विषा के निए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्— (1) भैसर्भ मकत्राना अदर्भ और कंपनी 441 सोमवार पेट पूना।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शामिता शब्बीर दुबईवाला रान्डन्ट ताहेर स्ट्रीट शब्बीर मन्शन तीसरा मंजिल बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पृथाँक्त सम्परित को अर्थन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के दास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हों, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

जैसा कि राजिस्ट्रीकृत २० 37 ईई/6660/84-85 प्राक्तूबर, 84 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

ग्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निक्षिरण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 9-4-1985.

मोहर :

प्रकल मार्ड . ही . हम . एस . - - - ----

धायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की कार 269-म (1) के वसीन स्वाम

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 ग्रप्रैल 1985

निर्देश सं० 37ईई | 6887 | 84-85—ग्रतः मुझे, ग्रनिल कुमार कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राविकारों को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित कारणर मृस्य 1,00,000/-रः. से अधिक हैं

सौर जिसकी सं० फ्लाट नं० ए-9, बिल्डिंग "स्र" हरमस काम्प-लैंक्स, कोश्रापरेटिव हार्जिस सोसायटी लिमिटेड 6, ढोले पाटिल रोड, पूना में है तथा जो पूना में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक स्रक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रिष्ठकन के जिए अन्तरित की यह है बाँच मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके द्वावमान प्रिष्ठकल से एंसे द्वावमान प्रिष्ठकल का पंद्रह प्रिष्ठकल अधिक है और अन्तरिकों (अन्तरिकों) और अन्तरिकी (अन्तरिक्तियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रांतप्रका, विभातिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के खिटात्व में कभी करने वा उससे तथने में मृतिभा के लिह और/वा
- (अ) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य बास्तियों को बिन्हें भरतीय आयकर अधिनिक्य, 1922 (1922 का 11) या उपल अधिनिक्यम, या धनकर अधिनिक्यम, या धनकर अधिनिक्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिक्षी क्यारा प्रकट कहीं किया गया था किया आमा बाहिए था, छिपक्रों के सुविधा के जिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभाषा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थक क्ष्म 1 मैसर्स हरमस एजेन्सीज, 793, फैमिली हाउस जामे मस्जिद रोड, बम्बई-14।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती गंगा बाई, हरी दास, 59-बी, फायितका, 13 वीं मंजिल, बालकेश्वर रोड, बम्बई-6।

(मन्तरिती)

को यह स्वाना बारी करके वृत्रीकत संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के मर्थन के संबंध में कोई भी बाओर :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की शामीब से 30 दिन की व्यक्ति जो भी अवधि बाद के समाप्त होती हो, के मीतर पृकेंकत स्थितमां में से किसी स्थित इनाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा हकोंगे।

स्वव्योकरणः क्यां प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

वनसर्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37ईई/6887/84-85 म्रक्तूबर, 84 को सहायक स्रायकर स्रायुक्त, निरीक्षण सर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

ग्रनिल क्वमार सक्षम प्राधिकारी सह्चायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक 9-4-1985 **योहर**ः प्रकृष बाह्र : टी. एन्. एष्. ----

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के अभीन क्वना

नारत जुडकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 अप्रैल, 19इ.5

निदेश सं ० 37ईई/6838/84-85---ग्रतः मुझे; ग्रनिलकुमार बायकार अभिनियम 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परकारा 'जनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के कभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृश्य 1,00,000/- रु. से अधिक है त्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० ई-2, हरमस पार्क को-स्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, जो 30 वन्ड गार्डन रोड, पूना में स्थित है (ग्रीर इस उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण ग्रध-नियम 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनाँक मन्तूबर, 1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्थामान प्रतिफल 'के लिए बन्तरित की गई' हैं और मुक्के वह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाचार मस्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त बन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से करिएत नहीं किया नवा है :---

- (क) बन्तरण स हुई किसी बाब की बाबल, उन्स्तः बीधिनियम के बधीन कर दोने के अंतरण के दाबित्य में कभी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एंसी किसी आय गा किसी भन या जन्य जास्त्रक्तों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्भ में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ∡धीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध~~ 1 मैंसर्स रमेश कन्स्ट्रक्श कम्पनी धीरज चेम्बर्स, 9 बम्बई रोड, बम्बई ।

(ग्रन्तरक)

2 श्री गोविन्द बत्तात्रय, देशाई ग्रौर ग्रन्य 1107/1, हरे कृष्णा, मंदिर रोड पूना-16

(ग्रन्तरिती)

का यह स्चना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सिष् कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियां में से किसी स्पक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टाकरण:—इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्त् ची

जैहा कि रजिस्ट्रीकृत कमांक 37ईई/6838/84-85 म्रक्तूबर, 1984 को सहायक म्रायकर म्रायुक्त म्रजैन रेंज, पूना दफ्तरमें लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

दिनाँक 9-4-1985 मोहर #

प्रकृष् बाइ टी.एन.एस.-----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकां

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना , दिनाँक 9 ग्रप्रैल, 1985

निदेश सं० 37ईई/6889/84-85—- ग्रतः मुझे, ग्रनिल कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-5, बिल्डिंग "ग्र", हरमस कम्पलैक्स, को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 6 ढोले पाटील रोड, पूना है, तथा जो पूना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त निरीक्षण ग्रजन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) कि ग्रधीन दिनांक ग्रक्तुबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:——

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत,, उबस अधिनियम के बधीन कर दोने के बंतरक के दाबिरच में कनी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हीं भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषान में स्विधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
7—116 GI|85

1 मैं सर्स, हरमस एजेन्सीज, 793, फैंमिली हाउत, जामा मस्जिद, रोड, क्विम्बई।

(अन्तरक)

2 श्री महेन्द्रा माधव मर्चेन्ट्स, 6 बी ढोने पाटील रोड, दुना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी क्रके पृतां क्त सम्मृत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विधित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रिकित्यम के अध्याय 20-क में पितुआणित है, वहीं अर्थ होगा जो उसा अध्याय में दिया नेवा है।

अनुसुची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कं 37ईई/6889/84-85 अक्तूबर, 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनाँक 9-4-1985 मोहर :

प्रकथ बार्च .टी . एन . एस . . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

शार्त सरकार

भार्यतय, सहायक वायकर शायका (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनाँक 30मार्च, 1985

निदेश सं० म्राई.० ए० सी ० एक्वी ० |69|24|6485—म्प्रतः मुझे, एम० सी० जोशी,

नायफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अभिनियम' कक्षा गया हैं), की भारा 269-इस अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जियका उचित नावार मूंब

1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जो खेत जमीन है, जिसकी 491, स० नं० म22 है जो मौना विद्यार जिश्रमरावती में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रमरावती, (डाकुमेंट मं० 548 7/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीव नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-9-1884

की द्वांक्त संयत्ति के उणित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरिश की गर्म हैं और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मिति का उसित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और वंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पान गया प्रतिफल फल निम्ननिवित उद्वांस्य से उक्त जन्तरण निवित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (कां) अन्तरण से इर्र्ड किसी जाय की सम्बद्ध उपका कर्षिणियस को अभीन कर दोने को अन्तरक दाबित्य में कभी करने या उत्तर स्थाने में सुविधा को सिए; बॉर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि वा जाना चाहिए धा, फिन्टी में स्रिविय विस् ,

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 209-न के वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बचीन, निम्मलिसिल व्यक्तियों, वर्णात् :—

- 1. (1) श्री विजयक्रमार उत्तरामजी दातेराव ।
 - (2) श्री श्ररदकुमार उदारामजी, दालेराव रा० नम्ता. श्रमगवती ।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती प्रसिल देवो विजयकुमार तारडेजा
 - (2) श्रोमती सोतादेवी, तारडेजा,
 - (3) श्रीमती मोहिनी देवी हरणी
 - (4) श्रां राम कुमार लाहोरीमल. खती. ग० छत्नीतलव रोड, अमरावती।

(अन्तरिती)

को यह स्पना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति से सर्थन के किस कार्यनाहियां करता हो।

स्वत सम्मति के वर्णन के मुस्बन्ध में कोई भी भाषांप ;---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीध है 45 बिन की वविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचका की ताबील से 30 बिन की नविध, को भी तबिध बाद में समाज होती हो, को भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

बन्स्वी

खेत जमीन जिपका मं० नं० 322 है. श्राः जो मौजा ब्हणेरा, जिला० श्रमरावती, में स्थित है जिसका कुल एरिया 32 गुंठा है।

> एस० सी० जोशी मक्षम ऋडिकारी महायक ऋषिकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रपंत रेंज, नागपुर

दिनाँक 30-3-1985

मोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सूचना

, भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन, रेंज नागपुर

नागपुर, दिनांक 30 मार्च 1985

सं अार ए० सी एक्बी 0 / 71 / 24 / 84-85: - यतः मुझे, एम० सी जोशी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य. 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या खेत जमीन है जिसका सं० नं 322 है जो मौजा वड़णेरा जि० ग्रमगावती में स्थित है (और इससे उपावढ़ ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री-कर्त्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय ग्रमरावती (डाकुमेंट सं० 5485/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिक्षित्यम 1908 (1908 का 16) के ग्रिक्षीन तारीख 19-9-1984

भी पूर्वो तक सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान भितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वार करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पित्त का उचित बाजान पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल कर कर प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में भारतिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयः था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269- के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- क की उपधारा (1) अधीन, निम्नुलिखित ब्युक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री शिरीष कुमार उदारामजी दाते राव
- 2. श्री सतीष कुमार उदारामजी दातेराव
- श्री उदाराम शिवराम जी दातेराव रा० नमूना श्रमरावती

(म्रन्तरक)

सौ० कांतादेवी शामलाल खती छत्नी तलब रोड स्रमरावती।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के रिज् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का ताराख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्याक्तया पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, जा भा अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकेंगे।

्ष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मर्थे हैं।

वन्स्की

जखेत जभीन जिसका स० नं० 322 है और जो मौजा बड़णेरा ता० जि०ग्रमरावती में स्थित है जिसका एरिया 32-गुंठे है

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख 30-3-1985

मोहर इ

मक्ष्म बाहुं च वीं हुन हुन हुन -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सूचना

मार्ट सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर दिनांक 20 मार्च 1985 संब्राइ० ए० सी० एक्वी०/70/24/84-85:-यत: मुझे, एम० सी० जोशी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने क. कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या खेत जमीन जिसका सं० 322 है और जो मौजा बड़नेरा ता० जिला ग्रमरावती कुल एरिया 32 गुंठे हैं में स्थित है (और इससे उपाबछ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कर्यालय ग्रमरावती (डाकुमेंट सं० 5486/84) में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 18 सितम्बर 1984

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उपयमान प्रतिफल के अन्तरित की गइ लिए विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से., ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अध्व है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहों किया गया है:--

- (क) लातरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिन्नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/ब।
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, चिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ज्याना में सुविधा में निए;

कतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ध—

- श्री शिरीष कुमार उदारामजी दातेराव
- श्री सन्तोष कुमार उदाराम जी दातेराव रा० नमुना ग्रमरावती।

(ग्रन्तरक)

- 1 सौ० सरस्वती देवी तारा चन्द निराणी सं० कृष्णा नगर अमरावती।
- 2. श्री राजकुमार लहोरी मल खती रा० छती तलब रोड ग्रमरावती।

(अन्तिरती)

को यह सूचना बारी करके प्राप्तिक सम्पत्ति के अर्चन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्द इम्मीत के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई मी वाश्रोप्

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ध होगा जो उस बध्याय में दिया स्वा हैं।

अनुसूची

खेत जमीन जिसका सर्वे नं० 322 है ग्रतः जो मौजा बड़णेरा त० जि० ग्रमरावती में स्थित है जिसका कुल एरिया 32 गुंठा है

एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 30-3-1985

मोहर 🚁

प्ररूप बाह् टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड

कांग्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 29 मार्च 1985

सं० ग्राई० ए० सी० एक्बी०/68/24/84-85:-यतः मुझे, एम० सी० जोशी

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाटनं 1 है और जो नागपुर रोड़ वर्धा में स्थित है जिसका एरिया 3500 वर्ग फीट है (और उसके उपाबद्ध स्ननुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) र्राजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय वर्धा (डाकुमेंट सं 2957/84 में र्राजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 27 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्वरूक के निए तय पाया स्वा प्रतिफल, निक्निविस्त अव्यवस्थ से उन्तरित स्वास्तिक कप से किस्त नहीं किया बार है:---

- (क) व्यक्त है हुई किसी साथ की बाबत, उपल विश्वित्य के वधीन कर देने के सन्दारक के दामित्य में कभी करने दा उससे अधने में मृदिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाद सा किसी वन वा अन्य बास्तियों को, चिन्हें भारतीय बाद-सार विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त बिभिनियम, वा भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिये था. छिपाने में किया के लिए?

जतः जब, उक्त अधिनियमे की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ह 1. श्री शांता राम विडोबा जी बागड़े रा० भेनरोड वर्धा

(ग्रन्तरक)

2. श्री योगेन्द्र कुमार कुन्दन मल लुणावत रा० पोहार वार्ड, वर्धा

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्चन के सिध् कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के कर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से स्वान को तामील से 30 दिन की बविध, को भी वनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्र कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (ख) इस सूचना के राजभन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अभाहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकेंगे!

स्वध्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मदा है

वन्स्की

प्लाट नं० 1 जो नागपुर रोड वर्घा में स्थित है म्रत: जिसका कुल एरिया 3500 फीट है (70×50)

एम० सी० जोशी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,नागपुर

तारीख : 29-3-1985

मोहर 3

थस्म **बाइं** .टी. एन .एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक लायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज नागपूर

नागपुर दिनांक 30 मार्च 1985

सं० आणु सी० ए आक्वी 65/23/84-85:- अयमे: मुझे एम० सी० जोशी

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियभ' कहा गया है). की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विरुधार करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काकार म्ला ः1,00,000 ∕ - रतः से अधिक ह**ै**

और जिसकी संख्या मकान 189/0+2 है और जो संघ फ्लीर 160 बुल एरिया 16300 खबे फी० ग्रतः जो शिवाजी नगर नागपुर में स्थित है और उसके उपावक श्रन्सुची में और पूर्ण ६प से वर्णित है (र्राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय नागपुर (डाक्मेंट सं० 5134 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रहिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 12 सितम्बर 1984

को पूर्वित संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाबार भूनत, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नाइ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय ाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निधित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) सम्भाग स हुन् किसी मध्य की बायस, उसस अधित्यम् के अधीन कर दोनं के जन्तरक के वाचित्त में कमो करने या उड़से दचने में स्विधा के लिए; ीर 'दा
- ाक) एंसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियाँ कां, जिल्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 कः 11) या उक्त अधिनियम, या क्षां कर्म वर्षभी नेयर (1957) (1957) का (27) के प्रभोत्तार्थ कर्यारेजी इसाय प्रकट नहीं किया गया थ या किया जाना चाहिए था छिपान में अविधा के लिए:

कतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण ं 🖈 . मैं . उत्कत अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) 'हें वधीन, निम्नलिखित व्यिष्तियों. वर्धात :--

- श्री इसी अनुन व्येतकर रा० 160 शिवाजी नगर नागपुर जता. (एव० ए० एफ०)
- 2. श्री मनीहर ग्रनन्त बेलुर कभी (एच० ए० एफ०) रा० 31 अनुपम पार्कको स्नाप हार्जासग सोसायटी लि० कीयबस्ट्र पुरी-29।
- 3. श्री माधव ग्रनन्त केलकर कर्ता (एच० ए० एफ०) रा० 7 एच० 2 सी० कार्ज पोद्धी रोड कलकत्ता 19
- 4. श्री ग्रनिल ग्रनन्त केलकर इंजि कर्ता (एच० मु एफ \circ) सं \circ 1/8 एण्ड 9011 जीवन संगीत पुण-4

(ग्रन्तरक)

मै० गजराज मिंडीर्भ 334 वी शभी लक्ष्मीनगर इस क सैने पार्टनर भीसर अरुण विष्णुपन्त गिजरे सं० 334 दी जणी लक्ष्मीनगर नागपूर।

(अन्तरिती)

का यह सुबना बारी लगहें पूजा कर सम्म्रित के अर्बन के सिष् कार्यवाियां शरु करता हो।

उक्त सम्पत्ति कें अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इन लक्त के राजपत्र में प्रकाशन की तारी**व दे** 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुखना की तामीस सं 30 दिन की अविधि, को भी अवीध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर प्वांकि म्यानतयो में में निसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्हीं करण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को सबत विधित्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया 777); ·

मन्स्षी

मकान जिसका म्यु नं० 189/02 + वार्ड नं 73 (न्यू) वार्ड नं 4क औल्ड जो प्लाट नं 160 पर स्थित है और जिसका डि० व० 8 सं० न 60 है और जो शिवानीनगर नागपूर में स्थित है कुल एरिया 16300 सर्वे० फी० है

> एमा० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज नागपुर

तारीख 30-3-1985

मोहर:

श्ररूप बाइं.टी.एन.एस.----

बाधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज नागपुर नागपुर दिनांक 19 ग्रप्रैल 1985

सं ग्राई० ए० सी० श्रवत्री/37ईई/मी० यु०/85-86:--यत: मुझे एम० सी० जोशी

वायकर विधिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिवियम' कहा गया है), की धारा 269-- ब के विधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समिति, जिसका रिश्त बाजार मृत्य 1,00,000/- क. से अधिक है

और जिसकी संख्या ओनरर णिप फ्लैट नं० 106 है जो जमकोली को स्नाप क्षेत्रायटी लि० व्लाक टाउन नागपुर में स्थित है (और उससे उपावक सनुस्ची में और पूर्ण रूप से बणित है) स्नाम ए० की० सकी णिन रेंग नागपुर वे: कार्यालय नागपुर (डाक्मेंट सं० 32/84-85 में र्राजस्ट्रीकरण सर्धिनयम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 12 सितम्बर 1984

को पूर्विश्व संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के देशमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि दशापूर्विकत सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एमि दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिञ्चत से अधिक है अर्थर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिबिस उद्देश से अन्तर गया है —

- (क) अन्तरण एं हाई शिक्षां आय करे बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन भए होने के अन्तरक को दायित्व में कमी कारने या नससे वजन में शिवधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ असरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अधा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों मीं, उचल अधिनियम कि धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तिनगों, अर्थात् धु—

- (1) श्री रमेश जे मेहता प्रेसीडेंट जयकोंती को ग्रापरेटिव हार्डासग सोसायटी ले॰ कर्नल नं० 19 नागपुर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती भीनी ही० पुन्जारी ए-16 वन्दना रामदास पेढ़े नागपूर।

(अन्तिरिती)

को यह सुबना जारां करके पूर्वीयत सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस क्ष' 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अन्याय के दिया गया है।

बन स्यो

ओनर्राशप पर्लाट नं० 106 जो डाम कोली को०ग्रापरेटिव हार्जासग सोसायटी प्लाट नं० 19 जो ब्लाक टाउन नागपुर में स्थित है जिसका कुल एरिया 878 सर्वे फी० है

> ्म. सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेज; नागपुर

तारीख: 19-4-1985

मोहर

The state of the s

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अध्यक्तर अधिनिधम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

नार्यालय, रहाबक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 30 मार्च 1985

सं० ग्राई० ए० सी० /एक्वी० /72-84/84-85:---ग्रतः मुझे, एम० सी० जोशी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक ही

और जिसकी संख्या 321/322 है जो मौजा बजरंग लाल जिला अमरावती में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बांणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमरावती में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19 सितम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के स्वयान मितिफल के लिए अन्तरित की गई है और गूओ यह दिश्वास करन करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश से उद्यत अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुर्द्द िकसी आय की, बावश, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एकी किसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर व्यधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उन्नत अविनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

- 1. श्री विजयक्षमार
- 2. श्री गरदक्रमार पिता
- श्रीसी युमार उदाराम दातेराव रा० अमरावली।

(ग्रन्तरक)

सौ० मिरादेवी
यौगा राम खबी
छत्नी तलाव रोड
ग्रमरावती।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्बक्ति के अर्घन के क्रिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र जो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इससूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सम्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए का सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशामित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गवा है:

वानुष्यी

32 गुण्ठा खेत जमीन जिसकी सं० नं० 321/322 है और मौजा बहणेरा त**ः** जि० ग्रमरावती में स्थित है।

> एम० सी० जोभी सक्षम प्राधिकारी भहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख 30-3-1985 **मोहर** 🖫 प्रस्य बार् े टी. एन ः एस् :=---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत करकार

कार्यालय, सहायक नायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्देश स॰ नोटिस नं॰ 878/84-85--अतः मुझे, आर॰ भारद्वाज

बाबकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पत्त्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य

श्रीर जिसकी सं० बी० आई. नं० 391 है तथा जो इगलहुल्ली ता० हुबली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुबली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-9-1984

1,00,000/- रत. से अधिक है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्ध प्रतिकत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियां को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

- (1) 1 श्रीमती विरबसव्या सदाशिवण्या वीरक्तमठ
 - 2. श्री मनोहर सगप्पा वीरक्तमठ
 - 3. श्री संगमेश्वर
 - 4. सतीश तोबय्या वीरक्कतमठ
 - 5. श्रीमती सरोज तोबया वीरक्तमठ वीहयानगर, हुबली ।

(अन्तरक)

(2) 1. गुरतगोडा, 2. हनुमंतगोडा 3. हीरेगोडा बसतगोडा हीरेगोडा सीगुप्पी, ता हुबली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित के किए का सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीभीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा हैं।

अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 1973 तारीख 21-9-1984) खेत की जमीन इंगलहरी ता० हुबली में है । जिसका क्षेत्र 15 एकड़ 24 गुंठा है इसका नं० बी 1 नं० 391 है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त '(निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 13-2-1985

मोहर :

THE RES

बास्कर विचित्रका, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-व (1) को व्योग सुक्ता

RIVE WE

कार्बंबर, सहायक मायकर कार्यक (निरीकाण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 फरवरी 1985 निदेश सं नोटिस नं 879/84-85-अतः मुझे, आरं भारदाज

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इतर्ने इसके पहचात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं) की धारा 269-च के निधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित नानार नृत्व 1,00,000/- रा. से निधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० बी। नं० 391 है तथा जो इगलहल्ली, ता० हुवली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुवली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित वाजार मूल्य से कम के अवनान इतिकस को जिए बन्तरित की नई है और वृक्षे वह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार वृक्ष, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वृक्ष्य प्रतिकृत से अधिक है और बंतरक (वंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के सिक्त वच पाना क्या प्रतिकृत कक्ष विम्नविधित उद्देश्य हो उक्त वन्तरण विधित में क्षका-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किती जाव की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वाजित्य में कमी करने या उत्तते वचने में तृतिभा के निष्; ऑर/भा
- (क) एती किसी जान वा किसी धन वा अन्त आंक्सियों को, चिन्हें अरतीय बावकर वीधीनवज्ञ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधिनियम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गवा था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण कें; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्रीमती वीरबसब्बा सदाशिवणा वीरकतमठ
 - 2. श्री मनोहर संगय्या तोबया वीरक्तमठ
 - संगमेश्वर 4. सतीश तोबया वीरक्तमठ विद्यानगर, हुबली ।

(अन्तरक)

(2) मिललकार्जुन, 2. सीवतगौडा, 3. इंकरगौडा हीरेगौडा गोडण्पगाँडा मल्लतगौडा वीरेगौडा, सीरगुप्पा, ता०हुबली।

(अन्तिरती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपृति के वर्षन के विश् कार्यवाहियां करता हुं।

क्या क्यारिय के गुर्वन के मुख्यन में कोई भी बाबोर क-

- (क) इस ब्यान क राजवन में प्रकारन की तारीय से 45 दिन की बर्गा में तत्सम्बन्धी म्यानताओं दर स्वता की तामील से 30 दिन की नगीन, जां भी नगीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्श म्यानवादों में किसी म्यान्य द्वाह्य :
- (क) इसं सूचना के प्राव्यक में प्रकारत की वारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर दम्पति में दिख-वय्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकारी के वास निक्ति में किए वा सकार्य ।

स्वक्षीकरणः — इतमें प्रयुक्त घट्यों जीर पर्यो का, वो उपक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया वक्षा हैं।

ानुस् यो

(दस्तावेज सं० 1974 तारीख 21-9-1984) इगलहल्ली ग्राम हुबली तालुक में हैं । इसका क्षेत्र 15 एकड़ 24 गुंठा है । इसका नं० बी1 न० 391 है यह खेत की जमीन हैं ।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 13-2-1985

मोहर ः

प्ररूप बाइ .टी. एन .एस .-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर 1984 निर्देश सं० नोटिस सं० डी० आर० 94/84-85/37ईई --अतः मुझे, आर० भारद्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

गौर जिसकी सं० फ्लैट जी-2 है, तथा जो फातार्ड मडगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बगलूर में राजिस्ट्री करण जिल्हों नियम, 190 (1908 का 16) के अबीन, तारी ख 26 अक्तूबर, 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिश्वक रूष से कांश्यम नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत है— मैसर्स संतोष कन्स्ट्रक्शन्स ,
 10-11, ऋज मैनशन, मडगांव गोवा

(अन्तरक)

कुमारी रेजीना तँवर्स,
 घर न० 389, बोडी, मडगांव—गोवा

(अन्तिरिती)

का यह सुबना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्थन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वें कर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षीकरणः — इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हानेगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनृस्ची

(दस्तावेज सं० \$/24/अक्तूबर, 84 दिनांक 26-10-1984)

फाटार्ड मडगांव के नेशनल डौसिंग संकीर्ण 'ए' ब्लाक के नीचे वाली मंजिल में फ्लैंट न० 2।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंग**चर**

तारीख: 6-12-1984

मोहर 🚁

प्ररूप बाई .टी. एन . एस-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाय 269-घ (1) के अधील स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, बहायक वायकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, दंगलूर बंगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर 1984 निर्देश सं० डी०/आर०-74/84-85/37-ईई-यतः, मुझे, आर० भारद्वाज,

वावकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इक्कों इकों प्रकार प्रकार 'उक्त अधिनियम' बहा नवा हैं), की भाष 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विद्यास करने का करण है कि स्थानर सम्पत्ति, चित्रका उचित नाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से निधक हैं

भीर जिसकी सं० आफिस नं० 8 है तथा जो पणजी गोवा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, 26 अक्तुबर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यकाल प्रतिस्त्र के लिए रिजस्ट्रोकृत विलेख के अनुसार अंतरिका की गर्दे हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि वह पूर्वोक्य पूर्वोक्य सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उद्यक्षे ख्रयमान प्रतिस्त्र के पम्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तर्स (अन्तर्सों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिस्त्र , निम्निलिखत उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाब या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्तः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उफ्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखिश व्यक्तियों, बर्धातः :— मैं स हिन्दुस्तान बिल्डसं
 210 गोविन्द बिल्डिंग, ए ए रोड, पणजी

(अन्तरक)

श्रीमती विजया सातर्ङकर,
 श्री रणजीत सातर्ङकर,
 वकाल, पन्तो पुल के पास, पणजी गोवा ।

(अन्तरिती)

कारे यह बूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिकां करता हूं।

उक्त सम्मृति के बर्चन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस ब्रुचना के राज्ञपत्र में प्रकावन की तारीख में 45 विष की जबीध या तत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की हानील से 30 दिन की नवधि, जो भी नवधि कहा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से बिस्ती व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वापा के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विश्व को शीवर उच्चत स्थापर शम्पति में दिला- क्यूप क्रिक्श अन्य व्यक्ति क्यारा वधोहस्याक्षरी के पास विश्वति में विश्व का सकेंगे।

अनुसूची

दस्तावेज सं० र्डः | 15 | अक्तूबर 84 तारीख 26-10-1984)

पणजी म्युनिसिन्नल मार्केट में स्थित शबाना चेम्बर्स की पहली मंजिल में आफिस न० 8 ।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बगलूर

तारीख : 6-12-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 दिसम्बर 1984

निदेश सं० डी॰ ग्रार०/22/84-85/37ईई/--ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० प्लाट नं० 17 है तथा जो मीणामार पणजी गांव में स्थित है (मौर इस उपाबथ इ म्रुन्सूची में भौर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख 12-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती ग्रोटिलिया फिलोमिना डि० कुन्हा सौजा ई लोपिस, पणजी के०/ग्रो० श्री लुईस डा० कोस्टासौजा ए० वि० जोमे सिलविरा ग्रलटिनो,पणजी के० विद्युतउप स्टेशन के पास, पणजी

(भ्रन्तरक)

(2) जे० ग्रार० कन्सट्रवशन बैंक श्राफ इंडिया के पास मिरामार पणजी, गोवा।

(ग्रन्तरिती)

क्ये यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्दंश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिहित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(डि/4/सितम्बर 84 तारीख 12-9-84) मिरामार पणजी के मलबामार कालोनी में स्थित प्लाट नं 17 खुली जमीन जो 322 चहर मीटर है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बंगलूर

दिनांक : 9-12:1984

मोहर 🖫

प्रक्य : बार्ष : हो . एव . एव . -----

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगल्र

बंगलूर, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० डि० आर०/24/84-85/37ईई—अत: मुझे आर० भारदाज

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर अम्पति, जिसका उण्यत बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० नाम बांचा काटेम है तथा जो लोटिलि गांव में स्थित है (ग्रौर इसके उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप वर्णित है रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-9-1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य ये कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय प्रया धवा प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त बंतरण निम्निचत् में बास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण के हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बच. उक्त विधिनियम की भारा 269-न के बनुसरण के, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1), क बभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, बचीन हु----

(1) श्री एरिक एस० पीमेंडा और पितन श्रीमती शिरके पीमेंटा, दोनो बैकुला बम्बई के निवासी-इनकी तरफ से श्री सीसर जे० पी० मैनेजिंग किरबाला नुर्वे गोवा-403604

(अन्तरक)

(2) अनमलमो डी० एम० जो कोयलो बहरेन, इनकी तरफ से अटार्नी डी शोसरियो एस कोयलो बोराडा मडगांव के निवासी।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यदा है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० डि॰ 7/सितम्बर 84 तारीख 12-9-1984 गोवा, सालसेट के लोटिल गांव में स्थित "बोर्ते काटेम" नाम की सम्पति जो 4177 चंदर मीटर है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

दिनांक 5-12-1984 मोहर

प्रक्ष बाई, टी. एन. एस.----

बायकार व्याधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धायः 269-ण (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक बायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगशूर

बंगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निरेश सं० डो आर 88/84-85/37ईई अत: मुझे अर्दर भारद्वाज

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 154/1, 155/4, 156/8 है तथा जो केकसा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीरकण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-10-1984

की 16) के अधान ताराख 26-10-1984
को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम् के द्वरयमान
प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य
उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(बन्तरितियों) के बीध ऐसे अन्तरण के लिए तब्धामा गवा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में
बास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गवा है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दर्ज के अन्तरक के शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बाँद/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनिष्णम, 1000 (1922 को 11) या जनत अधिनिष्णम, या धन-कर अधिनिष्णम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, क्विपान में स्विधा के किए;

बतः वब, उक्त विधिनियम की भाग 269-गृलं अनुसरण ब, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के विधीन, निम्नितिखिट व्यक्तियों, वर्षात् क्र--- (1)फादर आरनेस्टो हराकुयुलानो सोकोरो मिलाग्रेसपेरिरा, अर्चक, कोटराली गोवा के निवासी

(अन्तरक)

(2) रोक डि० सौजा ,
2. लारेन्स डि० सिलवा ,
3. विसेंट पेरीरा,
कुरपावाडो कोराटालिस गोवा के निवासी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

(दस्तावेज सं० डि|22| अक्टूबर 84 तारीख 26-10-84) "पामार ग्रांडे" नाम से जाने वाली सम्पति जो कोराटाली पंचायत के केलौसी गांव में स्थित है और जिसका सर्वे सं० 154|1, 155|4 श्रीर 156|8 है श्रीर भयांड एवेन्यु आफिस सं० 263 श्रीर 264 है।

आ२० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

दिनांक : 6-12-1984

मोहर 🔞

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्पालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगजूर

बंगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० डि०/आर०/72/84-85/37ईई--अतः मुझे आर० भारद्वाज

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित इतमें इसके पश्चाप, 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाप्ट सं० 16 है तथा जो वास्को गोव में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-10-1984

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गङ् वरि विषयास व्यक्ते यह करने का कारण कि यथा पूर्वे अत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वरयमान त्रीतफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं कौर अंतरकः (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित डबुद रेम से उक्त कन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित अहर्षे निया गया है :---

- [क] अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा दायित्व के लिए: और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स दुर्गा बिल्डर्स , 8, लोटस अपार्टमेंटस वास्को, गोवा ।

(अन्तरक)

(2) श्री देवदास चेंकटेश सिनाई अस्सोलडेंकर, 5 प्रेमवित निवास, वास्को, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप द-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को शी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नप्रसुद्ध

(दस्तावेज सं ० डि/14/अक्टूबर 84 तारीख 26-1,0-1984) प्लाट सं० 156, वास्को शहर, वास्को टावर नामक ईमारत में।

> आर॰ भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगल्र

दिनांक: 6-12-1984

मोहर ३

प्रकृष बाद . टी. एन. एस . -----

मार्कर विधिनवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलर दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० डि/आए-28/84-85, 37ईई--अतः मुझे आर० भारद्वाज,

वाधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' नहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को कह किस्सास करने का कारज है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रुक. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० एस० जी०-1 हैं तथा जो मापसा गोवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-9-1984

को धुर्वोक्स सम्बत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मैसूर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास 'रिजिस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्यि में अधारिक एए सा करियद नहीं विस्ता गया है :--

- '(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कनी फरने या उससे बचाने में सुविधा में लिए; और/वा
- (क) एसी किसी अाथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय बामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यां धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जारा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उचत अधिनियम की धारा 269-ग्व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसर्स प्रगति बिल्डर्स श्रंजुना वाडंस, गोवा ।

(अन्तरक)

(2): श्रीमती फिलोमीमा वेरा, सीयोलिम वाडंस-गोवा।

(अन्तिरिती)

का यह सूचेंना जारी करके पूर्वोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हो 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की बवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्धे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रक्तिः;
- (ब) इस सुमना के राज्यत्र में त्रकाशन की तारीख सं 45 कि के भीतर उनत स्थावर तन्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के पात लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्काकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा 🗗 🏗

(द० सं० डि/सितम्बर 84 तारीख 11-9-1984) मापसा (गोवा) में लेंड रिजस्ट्रेशन दफ्तर का [नं० 31520 (बुक नं० 82) के जमीन में स्थित "पूजामहल" नाम का इमारत में प्लाट नं० जी-1

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

दिनांक : 5-12-1984

मोहर:

प्रकम बार्ड, टी. एन । एत. ------

कायकार व्यथिकियन, 1961 (1961 🚾 43) 🖼 भास 269-म (1) के वधीन सूचना

मारव वहकार

कार्बालय, सहस्वक कायकर जाब्क्त (निर्क्षिक)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 23 अप्रैल 1985

निर्देग सं आई० ए० सी० एक्यू०/1/एम०-आर०-3/904/ 518--अतः मुझे, आर० पीं० राजेण,

बादकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त जी अनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन नक्षम श्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्पानर भागाति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं सी-53 है तथा जो फ्रेंडस कालोनी, इस्ट नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप मे वर्णित है) र जिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजम्टीकरण अधिनियम 1908 (1908 का का 16) के अधीन तारीख (सतम्बर 1984

को पूर्वोक्त संस्पीतः के जीजा बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकटं के खिए अन्तरित जो नदं है जोर मुक्के वह विक्तास करने का कारण है कि बधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार ब्रुच्य, उसके क्षम्बान अतिकास से, होते क्षम्बान प्रतिकास का पंद्रह प्रतिकत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियां) के टीच एमें अवरण के लिए तय पाया गया प्रति-कक, निम्नीलिसित उर्वेष्य से उक्त बन्तरण निवित में वास्तविक इस्य में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स शुद्ध किसी बाद की बाद्य, अधिनियम को अधीन कर रने के अन्तरक के श्रीकल्प में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (ख): एंसी किसी अपय या किसी भन वा अन्य आस्तियाँ को. जिन्ही भारतीय बायकर बीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, , या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या दिया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

(1) श्री मोहन लखानी, सुप्रत श्री जे० एफ० लखानी निवासी, सी-55, फ़ेंडस कालोनी, इस्ट. नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमला धवन , श्री सुरेश कुमार धवन, सुपुत्र श्री रेशम लाल धवन, निवासी-सी-285 डीफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बादी करनी पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के निए कार्यवाद्यिं करता हुं।

उक्त सम्बक्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विम की अवृधि, यो भी बदिश बाद में समस्पत होती हो, के भीतर प्रवेक्त ब्दिक्तयों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 बिंग के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शिवबद्ध किसी बन्यु ब्यक्ति इयांचा अभोहत्ताकारी के पास लिखित में निष्यु वा बकोंने।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, मधिनियम के जन्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुति वर्ध होना जो उस अध्याम में दिया नवा है।

वन्स्यो

प्रो० नं० सी-55, फ़्रेंडस कालोनी, इस्ट नई दिल्ली, तादादी 600 वर्गगज, (ग्राउन्ड फ्लोर ग्रौर पहली मंजिल)

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

कतः प्रव, अन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण भी, में , उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)

🧃 जशीय, निम्मलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

दिनांक : 23-4-1985

मोहर :

प्रस्य वार्ड .टी.एन..एस..-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 23 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यु०/1 एस० आर०-3, 9-84, $519-3\pi$: मुझे, आर० पी० राजेश,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जे-1811 है तथा जो चितरंजन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/का
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री सुनील मुखर्जी,
सुपुत श्री लिलत मोहन मुखर्जी
मार्फत युनाइटीड नेशनल मोगिप,
1/ए-बी, पुराना किलारोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार भट्टाचार्या सुपुत श्री ए० पी० भट्टाचार्या, निवासी-जे-1811, चितरंजन पार्क, नई दिल्ली-19

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

वनुसूची

सिंगल स्टोरी मकान नं० जे-1811, चितरंजन पार्क, तादादी 362 वर्गगज,डी-डी-3,वेड रूम, नईदिल्ली।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन **रेंज**-1, नई दिल्ली

दिनांक : 23-4-1985

मोहर :

प्ररूप बाइं. टी. एत. एत. ----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायूक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर०-3/9-84/520—अतः मुझे आर०पी० राजेश

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम', कहा गवा है, की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-607 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली. में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान अतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- अन्तरण संहुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजाननार्थ संविधित इतार प्रकार नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वै विद्य;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गःके अनुसरण में, में, उबत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुनिस्ति स्वक्तियों, अर्थान्:--- (1) मैं० सरस्वती बिल्डर्स,
 जी-1/16, दिरया गंज, नई दिल्ली
 द्वारा श्री एस० सी० सेठ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नरेन्दर कौर मैसरी मजहल पत्नी श्री ए० एच० मैसरी मजहल, निवासी-ई-607, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुषमा आरी करके स्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सःबन्ध मं काई भी आक्षंप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्समम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिनत्यों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (म) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारोध है 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्दारा अभोहरनाक्षरी के राप्त लिखित मा किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सामने का भाग पहली मंजिल, प्रो० नं० ई-607, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, तादादी 1400 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 1-5-1985

मोहर 🗈

प्रकृष आई . दो . एत . एत . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

,भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 10 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०म्रार-III/9-84/ 521/-मृत: मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-11/149 है तथा जो लाजपत नगर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता म्राधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में राजस्ट्रीकरण म्राधिनयम 1908 (1908 का 16) के म्राधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संमंदित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के जिए दय पाया नया प्रतिक कर्ज, विस्निलिदित उद्देश्य से उद्गत अन्तरण निवित्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय कौ बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के इन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कि प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती भीला वन्ती निवासी-11डी/18 लाजमत नगर नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री सुन्दर दीपक जिवासी-सी-11/149 लाजपत नगर नई दिल्ली।

(ग्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के जिल्ला कार्यज्ञाद्वियां करता हूं।

उस्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हो 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियाँ हार सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्वभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जुक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

प्रो० नं० सी-11/149 लाजपत; नगर नई दिल्ली,

ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक : 10-5-1985

मोहर 😗

प्रस्य बाईं, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को शारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यां तय, सहायक आयकर आयुक्तं (निर्देक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 23 ग्रप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/।/एम०न्नार--III/9-84/523---पतः मुझे, म्रार०पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ए-346 है तथा जो डीफेंस कालोनी, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा विषय । वि

(1) श्री सागर प्रकाश सुपुत्र स्व० श्री नानक चन्द निवासी-सी-88 किर्ती नगर नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुरेन्दर कुमार दीवान श्री विजय कुमार दीवान सूपुत्र श्री रामचन्द दीवान ए-346 डीफेंस कालोनी नई दिल्ली श्रीमती रूपा दीवान पत्नी श्री शिव दीवान निवासी-सी-252 डीफेंस कालोनी नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्चन के निष्
कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षर :--

- (क) इस सूचना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 हिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, को भी वर्वीस बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्रो० नं० ए० 346, डिफोंस कालोनो, नई दिल्ली, तादादी 217 वर्गगज

ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 23-5-1985

मोहर :

प्रस्य बाहुँ, टी. पुन्, पुन्, : : : : - : :

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

त्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 10 मई 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1ई-123 है तथा जो लाजपत नगर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय दिल्ली में राजस्ट्रीकरण ग्राधनियम 1908 (1908 का 16) ग्राधीन राज्य सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरिक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तर्रेरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा म्बा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंथत नहीं किया गया है:—

- क) बंतरण से हुई किसी बाब की बाबता, उबता जिमिनयम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के बिए; ब्रीट्र/वा
- (अ) एंगी किसी ब्राट या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री दलबीर सिंह सुपुत्र स्व०एस० ग्रवतार सिंह निवासी-1बी-11 लाजपत नगर नई दिल्ली

(म्रन्तरक)

 (2) श्री ग्रमृक सिंह सुपुत्र स्व० श्री हरबस सिंह निवासी—1ई/123 लाजपत नगर नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के बम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास तिहास में किए वा सकांगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशासित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्रो नं० 1ई/123 लाजपत नगर नई दिल्ली तादादी 100 वर्गगज।

ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 10-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बत्रहा. टी. एन. एस.

धावकर गिंगियस, 1961 (1964 का: 43) की धारा 269-च (1) के वधीम स्वना

भारत सहकार

कार्यां नय, सहायक कायकर काम्बर (निद्धांक्षण)

त्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-ग्रार-3/ 9-84/526---ग्रत: मुझे, ग्रार० पी० राजेश

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा मना हैं), की धाना 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1बी/101 है तथा जो लाजपत नगर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिव बाजार मृत्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाद्या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित को बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गका था या किया जाना आहिए था, कियाने से स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की भाष 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हे— (1) श्री भोज राम खुशलानी श्री सांबल सिंह श्री राम सिंह खुशलानी श्रीमती मोहनी बाई, मार्फत श्री जे० एन० मल्होता 1-सी/218 लाजपत नगर नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बलदेव राज ग्ररोड़ा निवासी-4/27 डबल स्टोरी लाजपत नगर नई दिल्ली

(ग्रन तरिती)

को बहु बुचना बाबी करके पृथांक्त सम्मिति के वृर्वन के निष्

उक्क सम्मित्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (का) इस सूचना के रायपन में प्रकाशन की राष्ट्रीय से 45 दिम की श्रवीध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीस से 30 दिन की नवीध, का भी नवीध बाद में समाप्त होती हो, को भीसर पूर्वीवस व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (क) इस सूक्ष्मा के एक्षण के अकासन की तार्क्षण के 45 दिव के बीतर उक्त स्थापर सम्बन्धि के हिस्बद्ध किसी कन्य व्यक्ति व्याप्त क्योहस्ताकरी के पास जिस्ति में किए जा तकोंगे।

स्यक्तकारणः—इतमं इयुवतः सन्दां नीए पृष्टी का, को उपन्त वीपीनयम, के ब्रुप्याय 20-क में फीड़शाबित ही, वहीं नर्थ होगा जी उस वश्याय में दिया गया हो।

अमृसूची

सरकारी बना हुम्रा क्वाटर नं० 1बी/101 लाजपत नगर नई दिल्ली

> ग्रार० धी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

दिनांक : 9-5-1985

ओदर 🛭

प्रह्म बाई. टी. एन. इस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुचना

शास्त्र स्टब्स्ड

कार्यातय , सहायक बायकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1985

निर्देश सं० शई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर०-3/9-84/528—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-60, है तथा जो ग्रेंटर कैलाश-1, नई दिल्ली सें स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिक्थिम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1985

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृख्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्धि का उपन्ति बन्तर मृत्य, उतके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती (अन्तरित्यों) के बंच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितिश्व उद्देश्य से उपन अन्तरण विश्वत में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुइं किसी आध की बावत, इक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/गः
- (क) एंसी किसा धाय ता किसी धन या अन्य आगंस्तयाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रिपाने में सुविधा के लिए:

बत: जब उक्त कि भिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 10—116 GI/85 (1) श्रीमती कनामा शर्मा, धर्मपत्नी श्री के० एन० शर्मा, सुपुत्नी श्री स्वर्गीय कुपुस्वामी लेंगर, निवासी-ई-60,ग्रेटर कैलाश, भाग-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) डा० बी० एस० सहगल, सुपुत श्री एच० सी० सहगल, निवासी-सी-401, डीफ स काजोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन को /ितए कार्चवाहियां कारता हुं!

उनक रामित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासने :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस ते 45 दिन की अवधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सचाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति हुवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बहुष कि की अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरने के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्कोक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त जीधीनयम के जध्याय 20-क में पीर्भाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसंची

प्रो० नं॰ ई-60, तहादी 558.5 वर्गगज ग्रैटर कैलाश, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त,(निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक : 25-4-1985

वक्त वार्वः हीं. हुवः पुवः-----

भावकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नर्भीन ब्याना

मार्क सरकार

कार्यालय, सहायक अवकार बाव्यत (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 9-84/529-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

वायकर श्रीपीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके प्रचात् 'उन्त निर्मानयम' कहा प्या ही, की पाच 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्यास करने का कारण है कि स्थावद सम्बद्धित, जिसका उपित नामार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एम-33, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को प्रवेक्त संपरित के स्वित बाजार मूल्य से कम के रघणमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गईं है और मूओ यह विश्वात कारने का कारण है कि यथाप्यों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंबरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथ किया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण किश्वत में बास्तिबक रूप से किश्त नहीं निका गया है ह——

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम का बाबत, उक्ट अधिवियम के अधीन कुर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; बॉर/वा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तिकों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धव-कर अधिनियम, वा धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

जत: जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म के जनसरक को, को, उक्त जिथिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मैं असंदाल कन्सट्रक्शन कं एस०-66, पंचशील पार्क, नई दिल्ली।

(अंतरक)

(2) मैं० लागीताना प्रा० लि०, एस०-1/112, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

न्त्रों मह सूच्यता जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए नप्तर्यवाहियां करता हुं।

उपत तम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाश्रेष ए--

- [क] इस बुधना के हायपन में प्रकारन की तारींस से 45 दिन की ननिथ या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की ननिथ, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी र से 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याद में दिया गया है।

द्युप्पी

ग्राउन्ड फ्लोर एम-53, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, तादादी ,261 वर्गगंज ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

विनांक: 25-4-1985

प्ररूप बाई टी.एन.एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 9-84/530--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रांर जिसकी सं० एस > -283 है तथा जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रींगर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रींगर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का. 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितरियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में प्रिवृधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) श्रीमती दलजीत कौर, निवासी-एस-283, ग्रेटर कैलाश भाग-2, नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) ला-गिटाना प्रा० लि०, एस०-412, ग्रैटर कैलाश भाग-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अधिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

एक मंजिला मकान नं० एस०-283, ग्रेटर कैलाश भाग-2 नई दिल्ली, तादादी 300 वर्गगज।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राविकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 24-5-1985

मोहर् 🖁

मुख्य बाइ^र् टी. एन्. एस_ः- - व वर्र-व

बायकर किभिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर काय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-!, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांस । मही 1985

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1-एस० आर०-3/. 9-84/531--अतः मुझे, आर० पी० पाजेश,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म शिधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एस-267, यूनिट ना 111, है तथा जो ग्रैटर कैलाण -2 नई तल्की में ग्रेगत है (श्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण स्पार वर्णित है) श्रीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दल्की में शास्त्रीकरण आधिक्यम 1908 (1908 का 16) के अवान ताराख सिनम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित को गई है और मुफ्ते यह विश्वास करन का कारण है कि स्थापुयावत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बाव एस अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिल उद्योश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तिबक रूप से किथान नहीं किया ग्या है उ—

- (क) मन्तर्भ से कुट विकी नाम की मानल, उनक मांधिनयम के कभीन कर दोनें के बन्तरक को बायित्व में कमी करने या उससे तचने में सुनिधा के निए; मार/बा
- (का) एसं किसा नाज या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर जिम्हियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधनियम, या धन-कर जीधनियम, या धन-कर जीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशांचनार्थ अन्तिरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

बतः भव, उन्त अभिनिक्य की भारा 269-म के अनुसरण जो, मी, उन्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) दे बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवस्ति ह— (1) श्री अशोक वाहरा,
मुपुत्र श्री कें एल व्योहरा,
निवासी-8/1, साउथ पटेल नगर,
नई दिल्ली
मै० कौशल्या क सम्कान,
काविंग वैदर्स (अलोबोरेटर्स)
ए-का, न्यु फ्रोंडस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री वने चन्द्र मालु,
सुपुत्र श्री एकमा चन्द्र मालु,
निवासी-11-निजोता रोड,
5 बी, श्रीनिकेनन, जलीपीर,
कलकत्ता, वर्तमान निवासी,
एस-449, ग्रैटर कैलाज-2,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्योक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हा :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा काही भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्काशन की तारीस सं 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्पी

युनिट नं 111, प्रो० नं गम-267, ग्रैटर कैलाण-2, नई दिल्ली-48, तादादी 300 वर्गगज।

आर० पी० राजे श सक्षम प्राधिकारी सहायक अयक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 1-5-1985

ंप्ररूप **बाई**ु टी_ः एन**ः ए**स_ः-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मू (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-111/9-84/533,---अतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० सी० प्रो० नं० ई०/24, है तथा जो ग्रेटर कैलास—II, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय. नई दिल्ली, में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक. सितम्बर 1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्ब, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ,,एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंतरितयॉ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दिक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (अ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के टिकए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) कुमारी श्ररूणाह्या अग्रवाल, सुपुती एस० पी० श्रग्रवाल, निवासी ई-482, ग्रेटर कैलाण-11 नई दिल्ली,

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रारती घोष, धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री एस० एम० घोष, निवासी-3बी, डा० जाकिर हुसैन मार्ग, नई दिल्ली,

(ग्रन्तरती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अधिप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं
 45 दिन की अविधि या तत्स्वं भी व्यक्तियाँ पर्
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्तः
 व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इंगाए।;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सैं 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कि ह जा सकी।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हा अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में 'दिया गया है।

अनुसूची

पलाट नं० सी प्रौ० नई नं० ई०/24, ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली, तादादी 1600 वर्ग फिट

ग्रार० पी० राजेश सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज I नई दिल्ली.

दिनांक :- 24-4-1985 मोहर ध

इक्द् आहें ्टी पुर एड

बाब्कर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-प् (1) के वृधीन सुचना

TIES SERVE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्वे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० एस-332 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार बूच्य उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्निलिश्वित उद्देश्य से उसत अन्तरण सिश्वित में बास्तिबक स्प से किथत नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण तं हुइं चिक्की बाव की बाव्य अवस् अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; बार/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं० हिमलैन्ड एक्सपोर्ट, प्रा० लि० 35, प्रजीत अरकाडे, नई दिल्ली द्वारा एम० डी० श्री राजिन्दर सहगल

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किरण साहनी
पत्नी श्री कुलदीप चन्द सानी,
श्री कुलदीप चन्द साहनी सुपुत श्री प्रेम चन्द साहनी,
निवासी-/7/9, ओल्ड राजिन्दर नगर,
नई दिल्ली

(अन्तरती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रेष (--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वर्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधानयम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिवा ब्या है।

ग्रनुसूची

प्लाट नं० एस० 332, तादादी 300 वर्ग गज ग्रेटर् कैलाश—II नई दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेण ४० नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−1 नई दिल्ली

दिनांक :- 1-5-1985 मोहर :- प्रस्य बाह्" हों पन प्रस् वर्ग वर्ग वर्ग

बावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 1 नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 24 ग्रप्रैल 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एवयू०/1/एस०ग्रार०-III 9-94/534--ग्रतः म्झे, श्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह निश्चास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम०-72 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 15) के अधीन दिनांक सितम्बर 1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यकान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्बींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उशके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल निम्त्रलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जनसरण से इ.इ. किसी जाब की बाबत, ड क्व जिथिनियम के जधीन कर दोने के अस्तरक के वाधित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के बिए; बांदु/बा
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिम्हीनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कैं अनुसरण में, औं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) श्री कमल कौल मुपुव श्री एन० एन० कौल निवासी—एफ-59, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली,

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती नरगीस कुमारी धर्मपत्नी श्री राविन्द्रा संदा, निवासी-एम-72 ,ग्रेटर कैलाश,-॥ नई दिल्ली,

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

बन्द सम्परित में वर्षन के संबंध में कोई वाशोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मां तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्स विभिन्तिम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं नहीं अर्थ होगा को उस अध्याव में विवा गवा है।

अनुसूची

पहली मंजिल, प्रौल नं एम-72, तादादी 1500 वर्गफीट, ग्रेटर कैलाश-11 नई दिल्ली,

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज 1 नई दिल्ली,

दिनांक :- 24-4-1985 मोहर :- प्रस्प आई. टी. एन. एस.-----

अभिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आएकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 24 ग्रप्रैल 1985

बायकत्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कमरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लाट नं० 1 प्रो० नं० 107, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इसस उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझ यह विश्वास कारते का कारण है कि एथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य से अस्त्रे, दृश्यमान प्रिक्तिल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिस्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतिरती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्देश्य से उचत अन्तरण लिक्ति में बास्तिक रूप में कीचत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक की दायित्य में कभी करने या उससे बचने के सुविधा के सिए: और/या
- (श) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1972 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-जर अधिनियम, या धन-जर अधिनियम, या धन-जर अधिनियम, विश्व के प्रशासनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था। या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) कुमारी रिश्म मीतल सुपुत्र श्री० बी० बी० भितल. द्वारा श्रटोरनी, श्ररूण मितल सुपुत्र श्री बी० बी० मितल, निवासी-ई-18, ग्रेटर कैलाश इन्कलेव-II, नई दिल्ली, ।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) म्रलोक कुमार जैन मुपुत्र स्वर्गीय श्री मितरा सैन जैन, निवासी-टी-22ए, ग्रीन पार्क एक्सटेन्शन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्जोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के द्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लाट (प्रा०) नं०-1 प्रौ० नं०107, तादादी-50 वर्ग गज, ग्रैटर कैलाश-I नई दिल्ली ।

ग्नार० पी० राजेण सक्षम ग्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज 1 नई दिल्ली ८

दिनां सः :- 24-4-1985

AND STORE OF THE PROPERTY OF T

प्ररूप. बाई. टी. एन. एस्. = = = =

काशकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ○60-व (1) के अभीन स्चना

शारत सरकार

कार्णलय, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली, नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्य्०/1/एस० ग्रार-III 9-84/538--- ग्रनः मुझे, ग्रार० पी० राजेश, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन भवा प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है और जिमकी सं० कृषि भूमि, है तथा जो ग्राम विजवासन, नई दिल्ती, में स्थित है (ओर इसरो उपाबद्ध अनुसूचि में पूर्ण रूप से वींगत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्लो, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक सितम्बर 1984 को पर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास् करने का कारण हैं कि स्थापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का भंदूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के कीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नालीखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने औं अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/बा

अत. श्र. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्यीन, निकारिक्कित व्यक्तिक्यों, अर्थात् म — 11—116 GI 85

(1) मैं० ग्रीन पार्क विल्डर्स एण्ड प्रोमोटर्स प्रा०लि० 115 अंसल भवन, 16- के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रोमिला कुमार (नी किटी) पत्नी डा० रमेश कुमार, निवासी शेंकस्पीयर सरानी, कलकता।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति हो अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध वाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रतित्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुवत शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-वः में परिभाषित हों, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बीघे और 8 विण्वे, खसरा नं 44/8, श्रौर कृषि भूमि तादादी 3 बिघे 16 बिश्वे, खसरा नं 44/13, ग्राम विजवाशन, तहसील महरौली, नई दिल्ली

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 1 नई दिल्ली,

दिनांक :- 25-4-1985 मोहर : प्ररूप. बाइ. टी. एन. एस. - - -

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

बारक सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) श्राजंन रेंज 1, नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 2 मई 1985

निर्दोण मं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस ग्रार-111/ 9-84/540- - श्रातः मुझे, श्रार० पी० राजेण,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है हि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीण जिसकी सं ० ए-67, है तथा जो एन० डी० एस० ई-भाग-1 नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रन्सूची में शीप पूर्ण रूप विणित है). रिजस्ट्रीकरी श्रिधकारी के सार्यालय, नई दिल्ली, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के सार्यालय, नई दिल्ली, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिक्यम, 1908 (1908 हा 16) के श्रिधीन दिनांक सितम्बर 1984 को पूर्वे का सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अल्लरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का जारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, अपके दश्यमान पतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिका निम्हिलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किसत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण ले हुइ किसी बाग की स्त्यूसा, उपह अधिनियम से वणीन कर दोने के श्लाहरक औं दासित्य में कसी करने वा उससे वण्डे में सुनिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्योकनार्थ अन्यिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिणाने में सविधा से जिन्ह,

श्वल अब राजा अधिनियम की भारा 269-न वै वन्त्र्य कों, मी, अलन अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

- (1) मैं इया महरा रिजस्ट्रार दिल्ली हाई कोर्ट, मार्फत श्री जीमिन्दर सिंह वेदी, मुपुताशी रिखारा िह, वेदी, निवासी-ए-०७, १८७ एक्टरेनणन, भार-1 नई दिल्ला,
- (2) श्री नरोतम जिह नारंग सृषुत्र श्री भण्दार निह नारंग, निवासी-12/8 डब्ब्यू-ई-ए-करोल वाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

ान्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अमिण मा तत्रप्यस्थी व्यक्तियां पर साराम भी तामील म 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त त्यवित्यों के में जिल्ली को दिनात्त.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्ध किसी करना स्थानित दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए जा सकेंग।

स्वक्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

प्रो० नं० -ए67 तादादी 251 वर्ग गज, एन० डी० एस० ई-भाग-1, नई दिल्ली।

> ग्रार० पा० राजेण सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (किरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

दिनांक :- 2-5-85 मोहर :

श्रम् बाइं⊕ टी_न प्र**न**ा प्र**र**⊕ —

कायकर बिधिनयम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन स्मना

भारत सम्बद्ध

कार्बालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्राक्षण) ग्रर्जन रेज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ग्राई ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-ग्रार०-।।।/ 9-84/541--- ग्रत: मूझे, ग्रार० पी० राजेश

वासकर व्यापनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को लधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो साम बिजवाशन तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावक मनुसूची में पूर्ण रूप से वाणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय राजिस्दीकरण ग्राधिनयम 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक सितम्बर 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य संकम के इञ्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भ यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तर्क के शाबित्य में कमी करने वा उच्चे वचने में सुनिया के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विभा के लिए;

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अर्थन निम्नुसिश्चित व्यक्तियों , नृथात् ह

(1) श्री होशियार सिंह सुपुत्र श्री तेजा सिंह श्री सूरज भान सुपुत श्री वुन्दन निवासी---ग्राम बिजवाशन तहसील-महरोली नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) मैं दिल्ली टावर्स (प्रा०) लि० 115 अंसल भवन 16-के जी मार्ग नई दिल्ली (अर्नरती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वे वित्त सम्पत्ति के अर्थन के सिन्ध् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, बो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबेक्ति यो कार्य में य कियां स्वित दवारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख बं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ल्पच्टीकर्ण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पद्धों का भी उक्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

कृषि भूमि तादादी 17 विधे और 16 विश्वे रेक्ट नं० 45 (11 और 12) (4-04) 13 और 18(4-04) 19(4-14) 26(0-09) रेक्ट० नं० 45/20 और रेक्टेंगल नं० 46/16 नार्थ दोनों का किला नं० (4-05) ग्राम बिजवाशन महरौली नई दिल्ली।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिली-110002

दिनांक 25-4-85

भोहर 🏖

प्ररूप आहें, टी. एन., एस : ----

काय कर अधितियम 1961 (1961 का 43) की धारा ह के अधीन स्चना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-6 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 ग्रप्रैल 1985

निर्देश सं० आई ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर-III/ 9-84/542--अतः मुझे आर० पी० राजेश, रायकार अपेधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा १९९-अ के प्रशंद राज्य गाया को यह जिक्नास करने का आरण हैं कि स्थायन समार्थन जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00.000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कृषि किम है तथा जो ग्राम विजवासन नई दिल्ली में स्थित है और इसने उपायद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ना क्रिक्सिंग के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1984

मां पृन्तिक तंपिंग के निष्ठ बाधार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का रुचित बाजार मृल्य, नमके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रवनमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में जासिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तद्भय संश्वृष्टं किकी बाय की बाब्दः, उक्तः अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अप्ती अरने या उससे बचने में सुविधा के निष्टु; और/या
- (क) एसी किसी जाम वा किसी धन या वस्त वास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जानियमी द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा किया जाने माहिए था, छिपाने में मुविसा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यंक्तियों, अर्थात :—— (1) मैं श्रीन पार्व युरुपर्य और श्रीमीटर्स (प्रा०) जिल 115, श्रन्सल भवन, 16, कस्तुरवा गांधी मार्ग नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुदेश वर्मा कुमारी ग्रनिता वर्म कुमारी सोनिया वर्मा, सी/ओ श्री जे० बी० महहोत्रा, निवासी—बी-2/12 वसन्त बिहार, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं धूर्वोक्त अम्पत्ति के अर्जन् के जिल्ला कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन की अत्रीध मा अत्योतिर्धः व्यक्तियां पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवागः
- (ख) इस सूचना की राजपत्र मो प्रवाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों कितब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पास विस्ता मों किए जा सकीये.

स्थब्दीकरण .--इसमें प्रयुक्त शब्दों केए पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याव 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

ग्र<u>न्</u>सूची

क्रिषि भूमि नादादी 7 विषे कमि 180 सीन (7-00), ग्राम-बिजवासन नई दिल्ली

> ग्राऱ पी० राजेण सक्ष्म प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दि.ांक : 25-4-1985

मोहर

प्ररूप शाई .टो .एन .एस

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 25 म्रप्रैल 1985

निर्देश सं० ग्राई ए० सी०/एनयू०/1/एस०-ग्रार-III/9-84/543---ग्रत: मुझे, आर० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), क्री धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिता, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-विजवासन, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जीवन बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एन स्पार्ट प्रीटिश अवस् पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निए बय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण, से हुई किसी आय की बाबत उक्त विभिनियम के अभीन कर कोने के अन्तरण के कृषित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बहि/बा
- (स) ऐसी किसी अाय या किसी धन ए अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उचत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अव, उक्त अधिनियम करै धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जुर्थात् 🖫

- (1) मैं० सी० लयाल एण्ड कं० (कन्स्ट्रेक्शन) प्रा० लि० 115 अंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कुलवन्त सिंह सोबती सुपुत्न श्री हरबंस सिंह सोबती मार्फत श्री एस० एस० जौली, निवासी-जे-3/99, राजोरी गार्डन नई दिल्ली (अन्तरिती)

का यह स्वना जारो करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए जार्यवादिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काकी :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के णहा सिकिय में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया। एया है।

गन्स्ची

कृषि भूमि तादादी 2 विधे और 03 विश्वे रेक्ट० सं० 45/7, ग्राम-विजवासन तहसील-महरौली, नई दिल्ली

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्तर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 25-4-85 गोहर द व्याप्त प्रति

मायकर मधिनियम, 1961 (,96) आ 43) औं भारा 269-ध (1) के अधीन स्थना

भारत सम्मार

कार्यालय, सहायक बायकर लायुक्त (रेनरोजण)

श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली विराह्म १५ श्रीय 1985

নির্বিশ হাত স্মাইত চ্ত গাঁও বিশে বা চ্চাড়ে নাড়-মার্থিড-84/543-ছ—সন: গাটিং নাড়েড মির মার্টিড

अभिकर अभिनियम, 1665 (1967) र विस्त्र समा इतके प्रश्नात विस्तर के अभीग सक्षण के अभागों का सार्व कि से दार्थ का आरण है कि देश है। 1,00,000/- रहे से विस्तर हैं

- (क) कतरण में कार्य पित्र के बार प्रतिक्ष के क्षेत्र में अमेर कार्य के बार्य में अमेर कार्य कार्य के विष्णु और/का
- (स) गुरेशी किसी जाय या जिस्से ६२ या अस्य आस्तिय की मिल्ले अल्लेड राज्य असे १६ १५६ (१९९० का १००० का १००० या असे १६ १६ १६ १६ १६ १६ मा बाह्या

अतः अतः, उत्तर अधिनियम को धारा १८०० को अप्यास मो, मो, उत्तर अधिनियम को धारा १८०० को उपयास (1) को अधीर निम्हिलियन, अधिना अधार ।

- (1) श्री हरिकारोरी मुबद स्व० श्री नवल किशोर, नियामी-जी-39, कनाट सर्कस, नई दिल्ली-I (ग्रन्तरक)
 - (2) मै० भीनू एजेंशीज प्रा० लि० जी०-39 कनाट सर्कस नई दिल्ली (रजि० कार्यालय)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त मम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाहन की तारौध रे 45 दिन की अविभि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- अव्ध किही अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्थाप्य किरणः -- इसमे प्रयासत बाब्दों और पदों का, जो उक्त भीधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनसर्ची

प्याट सं० 11, ब्लाक 'डी' बसन्त बिहार, लोकल शापिग मेन्टर बसंत बिहार नई दिल्ली तादादी-1560 वर्ग फीट

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज- दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 25-4-1985

प्रकृप बाई . टी. एन. एस. ----

बायकर बीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269--व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायक्त (निष्कृतिकण) अर्जन रेंज- नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एवधू०/1/एस०-ग्रार-III/
9-84/545--ग्रतः मुझे ग्रार० पी० राजेश
बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसर्वे इसर्वे पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की बारा
269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाबार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं 279 इसरा सं 376 है नथा जो मस्जिद
मुठ कोटला मुबारकपुर नई दिल्ली में दियत है (और इसमे उपाव इ

मठ कोटला मुबारकपुर नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाव इ मनुसूची में पूर्ण रूप से वांणत है) राजस्ट्रीकर्ता ग्रांधकारी के कार्यालय में भारतीय राजस्ट्रीकरण ग्रांधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रंधीन दिनांक सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उिचत बाजार मृत्य से कम के क्षयमान श्रीतफल के लिए जन्तरित की गई है जीर मृत्रे यह विस्त्राम् अरने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मृत्य, उत्तको क्षयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से जिथक है और जन्तरक (जन्तरका) बीर जन्तरिती (जन्तरितिमाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिम् इक्ष बाबा गया प्रतिफल निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलाय में बास्तिस्त क्य से किस्स कहीं किया गया है:

- (का) कम्मरण वे हुई किसी बाव की नावत उसत अधि-विवास की कथीन कर दोने के अन्तरफ को दावित्य में कनी करने वा उससे वचने में सुविधा के नित्; और/का
- (क) एंसी किसी जान या किसी धन् या अन्य बास्तियाँ को, चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन अन्द अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोख-नार्च अन्तरिती ब्वास अकट नहीं किया यदा आ या वित्रया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के स्वर;

अतः अवः, उत्तत् विधिनियम की भारा 269-ग को विष्युपण कों, में, उक्त निधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीसिवित व्यक्तियों, अभीव् ---

(1) शीमपी पाप सभी यली वं धरम सिह जिल्ली -- 279-मिलिय मठ नई दिल्ली छारा गाम भी भी सानस्य भूमार

(ग्रन्तरक)

(2) भी प्रमानित प्रश्तमण कि मुनुत भी हिरा लाल सेठ, विद्वानी--एव-ठ एत० भी० एस० ई०-भाग-1 नहीं विस्की

(अन्तरिती)

को सङ्घ सृष्ट्यः कारण अपन्नः वृत्तिकत् कुरुपोर्ट्स के अर्थन के स्थिए कार्यमाद्विमां प्यरता ह्याः

उद्देश रामाहिक के बचन के रामान को कार्ष भी माओव ;--

- (क) इस सुचका के सामगण में प्रकाशन की तारीस से 45 किए को नहींने का नत्सकाओं व्यक्तियों पर सूचना की तारीस में 30 किन की तथिए, को भी सबीप उपर दा मजान होती। हो, के भीतर वृजेंबर विद्यालयों न ने किनी व्यक्ति हवाना:
- (ड) अध अपना से राज्य में प्रकाशन की तारीस से 45 जिन के जिला उनत न्यानर सम्पत्ति में हितनस्थ किनी जन अभिन द्वारा सभोहस्ताकरी के वास विभिन्न के जिला राजकीयों

ल्लाक्ष्मीकरण पर्वे १०४१ एउदाँ श्रीष्ट पर्वे का, जो उक्त अधिनेयम में सम्बाद 20-क में परिभाषित हाँ नक्षी अर्थ होता, जो तम सम्यास में दिया

स्पर्ध

प्रो० सं 279 इसरा सं 376 ग्राम-कोटला मुवारकपुर मस्जिद सठ, नहीं दिल्ही

> न्नार० भी० राजेश सक्षम सुधिकारी सहायक ग्रायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) न्नर्जन रेज-1 दिल्ली नई दिल्ली,-110002

হিলাল : 9-5-85

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अभीन सूचका

शास्त्र सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीम रेज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 30 ग्रप्रैल 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एवयू०/1/एस०-ग्रार-III/9-84/547-ए---ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षण प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गंपरित जिसका उच्चित वाकार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवाशन महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपावछ ग्रनुस्ची में पूर्ण रूप से विणत है रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रति-कल से, एमे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिसिया ज्यूक्षेय से उक्त अंतरण निश्चिम में घास्सविक क्य से कथिया नहीं कियम गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (क) एमी किसी आय या किसी धन वा अच्छ अहीस्त की विन्हीं आरतीय अग्यकर अधिनिवक, 1922 (192? कर 11) या उसन अधिनिवक, रा नार कर अधिनिवक, 1957 (1957 का 27) के अधीसनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गरा था का किया वारा चाहिए था, कियाने के युनिधा के लिए;

अतः अस्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अनुसरण , में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित स्पेक्तियों, अर्थात् हे— (1) मर्॰ स्लिभी टाबर्स एण्ड ६स्टेटस प्रा० लि० 15 अंसल भवन 16-के जी मार्ग नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रेलू जर्मा पत्नी श्री ग्रम्बा शर्मा निदासी—ई-12 ग्रीन पार्व (येन) नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

का वह मूजना करते करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के वर्षक के देवश्

उक्त सम्बन्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इन यूचना के राजपन में प्रकाशन की ताड़ीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अपितत्यों पर सूचन! क्षी तामीच से 30 दिन की क्ष्यधि, को भी तबिंध अद से अमान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वीक्ष्यों में से निक्सी न्यक्ति क्यारा:
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से अप हैं सन के भीतर तक्ता स्थावर मपीस मा ब्रिक्ट बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्नसाक्षरी के किस है में इस में किस बा सकीं है।

स्वक्षीकण्य :---इसमें प्रगृक्त सन्दों और वहां सा, जो उपरा व्यापितवा के अभाव 20-क में परिभाषिण की, वहीं जर्म होता को उस अभाव में द्विका वक्षा है।

जनस्थी

कृषि भूमि नादादी-5 विघे और 14 विश्वे खसरा सं 181 मि. ग्राम विज्ञासन तहसील-महरोली नई दिल्ली

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजेन रेज-1 दिल्ली नई दिल्ली-1100002

दि.ांक : 30-4-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ. (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 30 ग्रप्रैल 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एनयू०/1/एस०-ग्रार- / 9-84/548ए--- ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सुलतानपुर नई दिल्ली में स्थित है (और इसस उपाछ ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) दिनांक सितम्बर 1984 के ग्रधीन को पूर्वीत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मफ्नेयह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में

> (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ते अधिनियम या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 12 —116 GI 85

(1) श्रीमती राम कली पत्नी श्री सुखलाल निवासी-पीलजी नियर-साउथ एक्सटेंशन नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) बारिया फैमिली ट्रस्ट 1⁄7-तीनमूर्ती मार्ग नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 9 विघे खसरा सं 692 (5-0) 693(4-0 ग्राम-सुलतानपुर तहसील-महरौली नई दिल्ली

> श्रार० पी० राज्श सक्षम श्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुजैन रेज-1 नई दिल्ली

दिनांक : 30-4-1985

प्ररूप नाइं.दी.एन.एस. -----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

मारत तरकार

कार्यातय, सहायक वायकर वायकत (निद्रक्षिक) अर्जन रेज-I नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 25 अप्रैल 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-464 है तथा जो ग्रेटर कैलाश- नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपावछ ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिक्षिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिक्षीन, दिनांक सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया यहा है है—

- (क) अभ्यारण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त जिल्लाम के अभीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिक। को चिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उंक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रवोचनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सविधा के निए;

(1) श्री त्रार० के० मिलक सुपुत श्री प्रेम नाथ मिलक, निवासी—-ई/73 लाजपत नगर— नई दिल्ली-24

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सस्यनारायण कमानी सुपुत्र श्री मातादीन कमानी निवासी---28-बी रोलैण्ड रोड--कलकता---20

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स अविद्या में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकीं।

स्पष्टिशिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

प्रो० नं० ई+464 ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली तादादी 850 वर्गफीट पहली मंजिल के पिछे का भाग 3-कमरे का मकान

ग्रार पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक् ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 25-4-85

मोहर 🖫

श्रुक्य बाइ . टी. एत. एत. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एवयू०/1/एस०-ग्रार II/ 10-84/580--- ग्रतः मुझे क्लार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसर्के परचात 'उक्त अर्क्षिनियम' कहा गया है।), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिक कर्तु को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्थित, जिसेका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं $_{x}$ एस-225 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I नई दिल्ली में स्थित के हैं अर इससे उपे बंड ग्रन्सूची में पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीक्रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन े दिनांक ग्रवबतूर 1984

को अर्ज़ीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफ़लु के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दक्ष्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती ें (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तूरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत्, निम्नलिसित् उद्देशम से उनत बन्तर्य निवित में बास्ट-ीयक रूप से कथित नेकी किया गया 🗈 🖳

- (क) अभ्वरण वं हुइ' कि ती बाव की वावत उच्छ बीव-नियम् के मुपीन कर दोने से सम्बद्धक से साथिता जे कमी करने यो उस्ते नचने में सुविधा के सिद्धे; वरि वा/
- (ख) एरें नी किसी आय या किसी धन या अन्य आंस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में बुविधा बै लिए:

वतः वब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग को, बन्सरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिकित व्यक्तियों, वर्धात् प्र-

- (1), श्रीमती चन्दर कान्ता पत्नी श्री ग्रशोक कुमार निवासी--ए-2/35 सफदरजंग इन्क्लेंब नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती माली देवी पत्नी श्री हरजी राम न्तिवासी-बी-ई-80 ालीमार बाग दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए ा यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ल्यच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस- वध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

प्रो० सं० एस-225 दूसरी मंजिल ग्रेटर कैलाश- नई दिल्ली तादादी 300 वर्ग गज।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राय्वत (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली -110002

दिनांक : 8-5-85

मोहर 🛭

प्रकृष बाह् . टी . एव . एस् . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज—1, নई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० शी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84/1157—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं एम०-104, है तथा जो पालम अपार्टमेंट बिजवाशन, नई दिल्ली में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध (अनुसूची में पूण रूप से वर्णित है). एजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बृत्दुष्ण वे हुई किसी बाब की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
- (थ) एसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्य बास्तिवाँ का, जिन्ह भारतीय बाब-कर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया बाना चाहिए था, छिमान में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीश, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मे० चौनड़ा प्रोमोटर्स एण्ड विल्डर्स 7-ए/27 डब्ल्यू ई ए-करोल वाग, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्रीमती चन्दर कान्ता पत्नी श्री राजश्वर लाल सहगल । निवासी—बी—5क, एन० डी० एम० ई-1, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यके[ह्यां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास बिखित में किए का सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पथा हैं।

अनुसूची

फ्लेट नं एम-104, (ग्राउण्ड फ्लोर) पालम अपार्टमेंट, 328/1 बिजवार्शन, तहसील-महरौली, नई दिल्ली, तादादी 850 वर्ग फीट ।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज-। दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 3-5-1985 **मोहर**ः प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

अत्य ७ र आ**धिनियम , 1961 (1961 का 43) की** धारा 264 ए (1) के अधीन स्**चन**?

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, हैदराबाद

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई०/9-84/1158---अतः मझे, आर० पी० राजे श

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सकत अधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मारत, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० ई-103, है तथा जो पालम अपार्टमेंट, बिज-वाग्रन, नई दिल्ली सें स्थित है (ग्राँर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्ज रेंज-1, नई दिल्ली, ग्राथकर अधिनियम, 1961, के अधीन सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित अजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की भई है और मुक्ते ग्रह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरफ के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में स्विधा की निष्ण; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 4957. (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निरुक्तिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (2) श्रीमती ग्रोलिवीया थोमस ग्राँर श्री सुरेश थोमस, निवासी—सी-5/14 सफदरजंग डेवलपमेंट एरिया, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी म्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इत सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्दश्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के .पाह लिखित में किए जा सकनें।

स्पस्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त षब्दों और पद्मों का, जो उक्त विधिनयम दें अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अ [स्की

फ्लैट नं० ई-103, (ग्राउण्ड फ्लोर) पालम अपार्टमेंट 328/1 विजवाशन, तहसील-महरौली, नई दिल्ली, तादादी 850 वर्ग फीट ।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेजे—I नई दिल्ली

दिनांक : 3-5-85

मोहर

प्ररूप बाई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-। नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1985

निदेश मं० अर्दि० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84/1150— अतः मुझे, आ० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को ध्या 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-छ से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० एम०-203, है तथा जो पालम अपार्टमेंट बिजवाशन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली , भारतीय आयकर अधिनियम-1961, के अर्वान, दिनांक सि म्बर, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल ग, इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत्त से अध्या है और अंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभान, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) चौनड़ा त्रोमोटर्स एण्ड विल्डर्स, 7-ए/27 डब्ल्यू-ई-ए-करोल बाग, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) डा० एस० कुमार; नित्रासी—-डी०-107, आनन्द निकेतन, नई दिल्ली-21 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत संपीत के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंधोहस्ताक्षरी के पास क्रिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लैट सं० एम-203 पहली मंजिल, पालम अपार्टमेंट, 32% विजवाशन नई दिल्ली , ताद।दी 850 वर्ग फीट ।.

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेजें-1 दिल्ली, नुई-दिल्ली-110002

दिनांक : 3-5-1985

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84/1160-- अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्ये 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं डी-101 है तथा जो पालम अपार्टमेंट, बिज-वाशन, नई दिल्ली में स्थित है) ग्रींग इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयहर अधिनियम-1961 के अधीन सितम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तर्ण सं हुई किसी बाब की वावत, उसा अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/धा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजना संविधित स्वात प्रकट नहीं किया गया था या किया शाना चाहिए था जिलाहें में सविधा के लिए;
- अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

- (1) मैं० चोपड़ा प्रोमोटर्स एण्ड विल्डर्स, 7-v/27 डब्ल्यू-ई-v-करोल वाग, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्रीमती विजय वर्मा पत्नी श्री रणवीर वर्मा, भार्फत श्री राजेश्वाल लाल सेहगल, निशासी-बी-57, एन० डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली ।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जात के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप --

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास निस्ति में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्घी

फ्लैट नं० डी-101. ग्राउण्ड फ्लोर, पालम अपार्टमेंट खसरा नं० 328/1, ग्राम विजवाशन, तहसील-महरौली, तादादी 850 वर्ग फीट, नई दिल्ली ।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-I नई दिल्ली

दिनांक : 3-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

धायकर अधिनियम, 1961 (1.961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-ा. नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/37ईई/9-84/1167--- अत: मुझे, आप० पी० राजेश,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिनियम' कहा गया है), की शारा 269-स के अधीन सक्षम गाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

ग्राँर जिसकी सं एम-101, (ग्राउण्ड पलोर) है तथा जो पाल अपार्टमेंट ग्राम-विजवाणन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्राँर इसमे उपावद्ध अनुसूची से पूर्ण रूप से विणित है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-I, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के गीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कहा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा दायित्व के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मै० चौरड़ा प्रोमोटर्स एण्ड चिल्डर्स, , 7-ए-27, डब्ल्यू-ई-ए-करोल बाग, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कुमृदिनी शुक्ला, निवासी सी-III, डींंं डींंं ए० (एम०-आई०-जींंंं) फ्लैट्स, साकेत, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

फ्लोट नं॰ एम-101 (साउण्ड फ्लोर) पालम अपार्टमेंट 328/1. विजवाणन, नई दिल्ली, तादादी 850 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी महायक आयक्त आयुवन (निरीक्षण), अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

िनांक : 8-5-1985

प्ररूपः नार्दः टी . एन . एस . ---==--

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन मुनना

भारत सरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84/1163--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

शायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० ए-1502, है तथा जो 98-हैमकुण्ट टावर, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची सें पूर्ण रूप से वर्णित है),, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास
इरने का कारण है कि यथायू वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
वितिफला, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली जाव की बावत उक्त कि कि निवस के अभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में तृष्टिया के लिए; और/वाः
- (क) एसी किसी जाद वा किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिधनित्रम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त ज्ञिपिनियम, वा धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में स्विधा के लिए;

नतः नव, उक्त निधिनयम की धारा 269-गृ के अनुसरण में, में, उक्त निधिनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के निधनि, निध्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 13—116 GI 85

- (1) कुमारी रजनी अभिभावक श्री अमिर सिंह, निर्वासी---23-शक्तिनगर, जालन्धर । (अन्तरक)
- (2) कुमारी रजनी अभिभावक श्रीमती सुरजीत कौर, निवासी—23-शाक्तिनगर, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह सूर्चना बारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरुगः -- इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदों का, जो उक्त नींधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है. गया है।

₹⁹सूची

फ्लैट सं० ए-1502, तादादी 460 वर्ग फीट, 89 हेमकुण्ट टावर, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 3-5-1985

मोहर ;

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस..-----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायक र वायकत (निरोधन)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांछ 3 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84/1164--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने पण्यात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाधार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ए -225, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अमुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

क्र पृथितिकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विहवास क इने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का थम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियार्) के बीच अन्तरण के लिए तय वाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इन्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण संहुई किसी नाय की बावत उपत अधिय-निवस के बचीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के जिये. बहिट/शा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन वा बन्य बास्तिवों को, जिन्हों भारतीय अयकर बियनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर बिधिनियस, या धन-कर बिधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रवेखनार्थ बन्दिरी व्यारा प्रकट नहीं किया नवा ना वा किया जाना नाहिए था, खिलाने में सुनिधा वी किया

आत: जब, उस्त जाँभीनयम की भारा 269-र के अनुसरक को, की, उस्त जिभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाव :----

- (1) श्रीमती चन्दर कान्हा निवासी-सी-80, पंचशील इन्क्लेव, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती आज्ञा कौर पत्नी श्री पी० एस० ढींगरा, श्री पी० एस० ढींगरा सुपुत्नी स्व० एस० टिकन सिह निवासी—के-32, एन० डीं० एस० ई० $-II_{\frac{1}{2}}$ नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी शाबीप ह-

- (क) इस मुज्जा के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की बनीभ ना तत्सम्बन्धी क्यन्तियों पर मुजना की तानील से 30 दिन की ननिथ, जो भी ननिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा को उस अध्यास में दिवा गया है।

बनसची

निवासीय यूनिट ग्राउण्ड फ्लोर, एस-225, ग्रेटर केलाश-II, नई दिल्ली, तादादी 30० वर्गगज ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 3-5-1985

मोहर :

---- .

प्रकृष वार्द. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-841/1165-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 501, है तथा जो 19-वाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से, वर्णित है), र जिल्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली में आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वाक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के बधीन, निम्निलिखत, व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सुरिन्दर साहनी, श्रीमती अमरजीत कौर, भागीदारी-मे० साहनी एक्सपोर्टस हाउस, ए-4, निजामुद्दीन वेस्ट, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रोम प्रकाश सचदेव, श्री राम किशन सचदेव, श्री जोगिन्दर सिंह सेठी, निवासी---9801-नवाब गंज, दिल्ली-6 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में से किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशासित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिका गया है।

प्रनुसूची

फ्लैट सं० 501, 5वीं मंजिल, 19—बाराखम्बा रोड (अरुणा-चल) नई दिल्ली, मादादी 845 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण); अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-5-1985

प्रकार बाइ . टी. एन . एस . -----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर मायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 मई 1985 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84/ 1166---अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बाबकाड बीधनिवन, 1961 (1961 का 43) (जिले इक्कें इक्कें वृष्णात 'उक्त कीधनियम' कहा गया हैं), की बाद्ध 269-ख के अधीन तक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- हा से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० स्पेस सं० 13. ब्लाक 'ई' है तथा जो होटल-कम-कमिंग्रयल कमप्लेक्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), 'जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आग्रकर अधिनियम-1961 के अधीन दिनांक 1984,

को प्रचित्रत सम्बत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान लिए बन्तरित गड **प्रतिफल** मुभो है कि यथा-विश्वास करने का कारण ं यह व्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य,, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, ऐसे इस्बमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतर्यक के सिए तब बाया गया प्रतिकल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त वंतरण लिखिल में वास्तिवक रूप से करिशत नहीं पाया गया है है--

- (क) बन्तरण से हुइं कितीं नाम की नावत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दामित्य में कमी करने या उससे बचने में मित्रभा के सिन्ध; बीह्/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या नन्य कास्तियों को, चिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या च्य-कर अधिनियम, या च्य-कर अधिनियम, या च्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ जन्मितियों इवारा प्रकट नहीं किया गया श्रा वा किया थाना चाहिए धर, कियाने में मुनिधा के रिष्य;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण कें, में, उक्क अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मै॰ नेहरू प्लेस होटल्स लि॰ इरोज सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री कुलदीप सरणा सुपुत्र श्री जय राम सरणा श्री एल० एन० जागी सुपुत्र श्री जी० आर० जागी, निवासी—लाल मण्डी, नियर म्युजियम, श्रीनगर । (अन्तरिती)

को यह स्वान बारी करके पूर्वोक्त सम्मित् के वर्षन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त द्वीपविषय, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिश मवा ही।

अनुस्की

अनुसूची

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 2-5-1985 मोहर:

बस्य बाइ टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन -1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84/ 1167--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० स्पेस सं० 18, ब्लाक 'ई' है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज, 1, नई दिली, आयकर अधिनियम—1961, के अधीन, दिनाक सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन... निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मैं ० नेहरू प्लेस, होटल लि० जइरोज सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्स० नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री रमेश चन्दर बेदी सुपुत्र श्री एल० एम० बेदी ग्रौर श्रीमती उमिला बेदी पत्नी श्री आर० सी० बेदी, निवासी——डब्ल्यू-15, सिविल टाउनिशिप, राउरकेला-4, उड़ीसा

(अन्तरिती

का यह सूचना चारी करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के अर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्पाक्षरी के पास लिखित में कियो जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ज्वस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

नन्स्यी

स्पेस सं० 18, 8वीं मंजिल, ब्लाक 'ई' होटल-कम-कमिशयल कम्प्लेक्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 638 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-5-1985

मोहर 🕄

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस. -----

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालच, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/-9-84/ 1168--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० 2 एण्ड 2-ए, है तथा जो फ़िण्ड्स कालोनी, नई दिल्ली से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची से पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कियांनिय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के द्रवसान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एते दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित्तर में वास्तिक रूप से किया गया है :—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाव की बाबत , उच्स विधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा वे लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी वा किसी धन वा अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा वा वा वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

बक्त: श्व, उक्त जिपितियम की धारा 269-ग के अनुसरण वों, वों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)

के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्भात् :---

- (1) मैं यूनाइटेंक बिल्डर्स प्रा० लि० 6-कम्युनिटी सेण्टर साकेत, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) मैं० मयूर व्यापार प्रा० लि० 28/1, सेक्सपीयर सरानी कलकत्ता—17 'अन्तरिती)

को यह तुषना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू क<u>रता हु</u>ं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंत्र ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किसे सा सकी।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

ष्लाट सं० 2, एण्ड 2-ए, फ़्रैण्ड्स कालोनी, नई दिल्ली, तादादी 1753.83 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 30-4-85

मोह्नर 🛚

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84/1169---अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 4 ग्रौर 4-ए, है तथा जो फ़ैंण्डस कालोनी, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) आर अन्तरिती /अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुईं िकसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् ध--

- (1) मे॰ यूनाइटेक बिल्डर्स प्रा॰ लि॰ 6-कम्युनिटी सेण्टर, साकेत, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) कुमारी साधना झावर, निवासी---64-ए, फ़्रैण्डस कालोनी, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो बी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्की

फ्लैंट सं० 4, एण्ड 4-ए, प्लाट सं० 45 फ़्रैण्डस कालोनी, नई दिल्ली, तादादी 1674.08 फीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 30-4-85

मोहर 🕄

प्रकृष बाइ .टी.एन, एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०1/37ईई/9-84/1170- अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 6 श्रौर 6-ए, है तथा जो फ़ैण्डस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), राजेस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- ग्रिक) अन्तरण से हुई फिसी अप्र की बाबत, उक्त ऑध-विवय के अधीन कर दोने के बंतदुक के दावित्य वें कमी करने या उससे ब्यने में श्रीवथा के विद्; श्रीह्र/वा
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी धन वा बन्य बास्तियों को, चिन्हें भारतीय बावक द विधिन्त्रक, 1922 (1922 का 11) वा उक्क विधिन्त्रक, वा धन-कर विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट वहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् धन्न

- (1) मै० यूनाइटेड विल्डर्स प्रा० लि० 6-कम्यूनिटी सेण्टर साकेत, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती रचना झावर निवासी---64ए, फ़्रैण्डस कालोनी, नई दिल्ली--65 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सुचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपर्ित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं वर्ष होगा, जो उस व्याय में विवा गया इं।

वन्स्यू

फ्लैट सं० 6- ग्राँर 6-ए प्लाट सं० 45 फ़्रैण्डस कालोनी, नई दिल्ली-65, तादादी 1743.41 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 30-4-85

मोहर ;

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस . -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नयी दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84/1171— अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 301, है तथा जो 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली सें स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधियम -1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण निकित में बास्तविक इप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई विक्रती बाब की बाधल डक्त अधिनियम के अधीन कर देगें के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी कार्य या किसी धन या अन्य जासिश्वों के जिल्ला किया किसी धन या अन्य जासिश्वों के जिल्ला किया किया किया किया वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की, अनुसरण काँ, काँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) काँ अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—
14—116 GI[85

- (1) श्री गुरमीत सिंह निवासी-सी-550, डिफैन्स कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) मास्टर तरुण कुमार विज, सोनिया विज सुपुत्र श्री ग्रोम प्रकाश विज, निवासी—19—डो० सी० गांबी नगर, जम्मू (जे० एण्ड के०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में नमान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम के अध्वाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

अनुसूची

फ्लैट सं० 301, सूर्याकिरण विल्डिंग, 19-कें जी० मार्ग, नई दिल्ली, तादादी--740 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नयी दिल्ली, दिल्ली-110002

दिनांक : 30-4-85

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांच 30 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84/1172---अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 1010-ए, है तथा जो 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक अधित अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिख उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) स्कीपर सेल्स प्रा० लि० स्कीपर भवन, 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री संजीव जुनेजा सुपुत्र वृगेडियर एस० एल० जुनेजा, श्रीमती सुदर्गन जुनेजा पत्नी वृगेडियर एस० एल० जुनेजा, जिनासी—बी-3/63 सफदरजंग डन्क्लेव, नई दिल्ली—29।

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होग जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेंट सं० 1010-ए, तादादा 140 वर्ग फाट, 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली,

> आर० पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002 -

दि.ांक : 30-4-85 मोहर :

दक्ष बार डी.स्. एड.

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के व्यक्ति स्वा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 मई, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84-/
1173-अत: मुझे, आर० पी० राजेश,
आयकर निर्मासन्य, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम श्रीधकारी की यह विस्कास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उष्चित बाजार मस्य

श्रौर जि.कि संख्या 14-ए है तथा जो 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधि-

1,00,000/~ रा. से अधिक है

नियम, 1961 के प्रधीन सितम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देशों से उन्त अन्तरण निविकत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तद्वण वे हुई किसी जाब की बाबत, उक्त जिल्लामियम क ज्योन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबि के सिए: जोर्ंगा
- (क) ऐसी किसी नाय या कि शो धन या नन्य आस्तियों को, जिन्हों आरतीय नाय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विकास के किया

बत्ध जब, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के अनुसर्ग में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के विधीन, निम्निसिवत व्यक्तियों, वर्षात् :— (1) मै० स्कीपर सेल्स प्रा० लि० 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 (2) मैं० रैली इस्टेट सर्विस, ई-33, ग्रमर कालोनी, लाजपत नगर-4, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना साही करके पूर्वोक्त सपित्त के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मिरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इनारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए बा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिक्षिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

ग्रन्सूची

फ्लैट नं० 14-ए, अपर ग्राउण्ड फ्लोर, 22-बारा-खम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी-300 वर्ग फीट।

(म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निडी क्षण) ग्रर्जन रेंज-,ा नई दिल्ली

तारीख: 9-5-1985

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एव. -----

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

काबीतव, सहावक नायकर नायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84/ 1174--- ग्रत: मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' नहां गवा हुँ, की धारा 263-स के अधीन सक्षम शाधिकारी को यह किस्नास करने का बारण है कि स्थापर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० वं ००।, सी००1 है तथा जो 51-52, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूण से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनयम-1961 के ग्रधीन नारीख नितम्बर 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उसान प्रतिफल के पन्द्रस् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्शब्य से उक्त अन्तरण कि लिए तम

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कैं दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में प्रिकट कर जिए;

कतः जब, उक्त विधिनियमं की धारा 269-गं के जनुसरणं में, मैं, उक्त विधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ः—

 (1) मै० गेंडोर टूल्स (इन्डिया) प्रा० लि० गेंडोर हाउस,
 51-52 नेहरू प्लेस,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० एम० सक्सेना सुपुत्र स्व० श्री के० एल० सक्सेना, श्रीमती मरोज क्सेना पत्नी श्री एस० एम० सक्सेना, निवासी—जे०—5ए०, ग्रीन पार्क ईस्ट, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त संपर्वत के नर्जन के संबंध में कोई भी लक्षाप :---

- (क) इस बूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन कि अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा.
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेक्ष हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० बी०-1, सी०-1, तादादी 275 वर्ग फीट बेसमेंट, 51-52 मेहरू प्लेस नई दिल्ली।

ग्रार० पी० राजेश पक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 1-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1985

निर्देश सं० ऋाई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84 1175--- अत: मुझे, ऋार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या स्पेस नं० 21 है तथा जो 28-वारा-खम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौलपूर्ण रूण से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधियारी के कार्यालय, ग्रार्जन रेज-1, नई जिल्ली, भारतीय ग्रायकर. ग्रिधिनयम-1961 के ग्रिधीन तारीख सितम्बर 84

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिलिख में वात्रतिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) उन्तरण सं हुई किसी आय की बवत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था बा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, नियमिलिखित, व्यन्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं गोपाल दास इस्टेटस एण्ड हाउसिंग प्रा० लि०, 28-बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रताप कुमार ग्रौर मास्टर कैलाश कुमार द्वारा ग्रभिभावक श्री मोती राम, निवासी—सी०-1/35, भाग-II, ग्रशोक विहार, दिल्ली I

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई आक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 ब्रिटन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्ची

स्पेस नं० 21, लोवर ग्राउन्ड फ्लोर डा० गोपाल दास भवन, 28-बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, तादादी-435.14 वर्गफीट।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 1-5-1985

महिर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84/1177—-श्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेण,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

ग्रौर जिनकी संख्या 508-बी० है तथा जो 22-बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबढ़ ग्रनुसूची में पूर्गरूप से वर्गित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रिधनियम-1961 के ग्रंथीन, तारीख सितम्बर 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त, निम्तियद्भित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहां किया गया है:—

- (क) मृत्यारण से हुई किसी नाय की बावतः, उक्तः विभीनयम के अधीन कर दोने के अन्याएक के दायित्व के किसी करने या उसमे बचने के सुविध्या के लिए; बीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अप्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिषित व्यक्तियों, वर्षात् म—

(1) मै० स्कीपर सेल्स प्रा० लि०, स्कीपर भवन,22-बाराखम्बा रोड़,नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती वर्शा भाटिया पत्नी श्री जे० एल० भाटिया, निवासी-30-श्रोफोर्ट रोड़, नियर कमला नेहरू कालेज, नई दिल्ली-49।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिए।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेय :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सके गे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

क्षार्यालय स्पेस नं० 508-बी०, बिल्डिंग नं० 22-वाराखम्वा रोड़, नई दिल्ली, तादादी 140 वर्ग फीट।

> न्नार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक स्राककर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 1-5-1985

मोहर 🖫

प्रका बाइं. टी. एन. एम.

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालम, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 85

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84/ 1178-अत: मुझे, आर० पी० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है ग्रौर जिसकी संख्या स्पेस नं० 27 है तथा जो 28-बारा-खम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आमकर अधि-नियम-1961 के अधीन तारीख सितम्बर-84 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया न्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय करी बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उनसे उभने से सुन्त्रका के सिए, और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधीरणमा, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान ए सुन्वधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग की उपवारा (1) के अधीन, जिल्ला कि क्यांति :--

(1) मै॰ गोपाल दास इस्टेट्स एण्ड हाउसिंग प्रा॰ लि॰ 17-बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली-1।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शीला चिमानी, मार्फत मै० आलदास नन्हेमल 3525 कुतुब रोड़, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

की यह सूचना च.टी करके पृदांका सपाल के जनंत के जिल्ह कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के महन्य में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों के सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस धं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्ष लिखित में किए वा सकोंगे।

श्यक्टीक रण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

स्पेस नं० 27, लोबर ग्राउन्ड फ्लोर, डा० गोपाल दास भवन, 28-बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, तादादी 248.94 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 1-5-85

मोहर 🛭

क्षिप वार्ष .टी. १व. ६४ . -----

बार हर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) **के बधीन स्था**न

भारत तरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 85

िर्दिश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० $_1$ 1/37ईई $_1$ 9-84/1179--अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर बोधनियम, 1961 (1961 का 43) (ज़िस इसको इसको प्रभात 'उक्त निर्धानयम' बहु गया हैं), की धार 269-ख के जथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का क्ष्राण है कि स्थावर संवरित, विस्का उधित बालार मुल्ल 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या स्पेस नं 19 है तथा जो 28-बारा-खम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनयम-1961 के अधीन तारीख सितम्बर-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए बन्हरित की गई है और प्रभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार क्रय, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से, एंचे क्ष्यमान प्रतिकल का कन्त्रक प्रतिकल का कन्त्रक प्रतिकल से बाजार क्रय, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से, एंचे क्ष्यमान प्रतिकल का कन्त्रक प्रतिक्ति से विश्व है और जन्तरक (अंबरकों) और वंत्वीरती (बन्तरितियों) के बीच एंचे बन्तरण के बिए तम पाया गया प्रतिक्ति विश्व निम्नितिस्त उक्षेत्र से उचित अन्तरण निम्नित में बायन-विक्त क्ष्य से किया नक्षीं किया गया ही :----

- (क) बल्लारक ते कृतां विश्वतां काव कर्ता कावल, अवस्थ अधिनिवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारिसम में क्ली कारने का उसको बल्लो में क्रिया के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कई जिन्हों भारतीज काय-का कि विवास कि 1922 की 11) का जकत कि धनियम, या भारत को बीतियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गरा का या निकास धाना वाहिए हा कि प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गरा का या निकास धाना वाहिए हा कि प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गरा का या निकास धाना वाहिए हा कि प्राप्त से विवास के विवास

कतः कव, सकत अधिनियम की भारा 269-म की, अनुसरण भी, मी अकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) भी अभीम निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात :--- (1) मै० गोषाल दास इस्टेट्स हाउसिंग प्रा० लि० 28-बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन दास ग्रौर, श्री किशन दास सुपृतगण, श्री दौलत राम; निवासी—सी०-1/41, अशोक विहार—II, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

तक्त मध्यात्त के कर्नन के सम्बन्ध में खोद्दें भी आयोदें ३--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध दाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की बारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनित्रम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

स्पेस नं० 19, लोवर ग्राउन्ड फ्लोर 28—डा० गोपाल दास भवन, वाराखम्बा रोड़. नई दिल्ली, तादादी 385.75 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सड्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 1-5-1985

मोहर ३

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

नाथकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत लरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 85

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84/180—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स भे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या 14, पहली मंजिल है तथा जो विजया विल्डिंग, 17-बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीम तारीख सितम्बर-1984

को प्रबंदिन सम्पत्ति को उचित राजार मृत्य में कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उभके क्रयमान प्रतिफल से, एनं स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रांतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिणों) को बीच एसे अंनरण के जिए तय पाया गया प्रतिक क स निम्निचित उद्देश्य से उक्त लंतरण सिक्तित में वास्त्रिक कप से कीयत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्षा अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के ताबरच में नामी कारन या उसम वचने मां मुखिला के लिए; और/वा
- (क) इंटी किसी वाव वा किसी धन या अन्य कास्तिवी की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट हों किरा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की सिष्ट;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) मैं० गुजराल इस्टेटस प्रा० लि० 17-त्राराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राजन ठुकराल सुपुत, श्री ग्रो० पी० ठुकराल ग्राँर, कुमारी रिता कुमार सुपुत, श्री किशन दास, निवासी—234, मोटा सिंह नागर जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त स्मात्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेष ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, सो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से निसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थासकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्का जीधनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्त्यौ

स्पेस नं० 14, पहली मंजिल, विजया बिल्डिंग 17-बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली तावादी-455 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख: 1-5-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अর্जन रेंज−1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 1 मई, 85

निर्देण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84/ 1181--अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 13/17, पहली मंजिल है तथा जो बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली में खियत है (ग्रीर इससे उपाद्ध अनुत्र्वी में ग्रीर पृणंख्प से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज—1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम—1961 के अधीन तारीख सितम्बर 1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिन्निशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियाणित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की नाबस, सक्त अधिनियम के अधीन रूर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या राससे बसने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ज्यक्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्हाने के मृतिहर के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269- घ के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- घ की उपधारा (1) कं अधीन किन्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ह

(1) मै० गुजराल इस्टेट्स प्रा० लि०,17-बाराखम्बा रोड़,नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कुमारी आराधना सेठ (माइनर) और, कुमार पूजा सेठ (माइनर) सुपुत्नी श्री श्रो० पी० सेठ, मार्फत मै० श्रीन्स रवर इन्डस्ट्रीज, इन्डस्ट्रियल एरिया, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्भत्ति के अर्जभ के सरवन्य में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाष्ट लिखित में किए जा सकरों।

स्पद्धीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननस्र

स्पेस नं 13, पहली मंजिल, विजया विल्डिंग, 17-वाराखस्वा रोड़, नई दिल्ली, नादादी 330 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख: 1-5-1985

प्ररूप नाइ'. टी. एव. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 1 मई, 1984 निर्देश सं० आई० ए० सी०|एक्यू०| 1|37|ईई|9-84-- अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

षायकर अधिनिसम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० स्पेस नं० 9 ग्रौर 10 है तथा जो 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ती में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखिट व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं । गुजराल इस्टेट्स प्रा० लि । 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मै० प्रिन्स रबर एण्ड प्लास्टिक्स, प्रधान कार्यालय—शिव नगर, नीयर इण्डस्ट्रीयल एरिया, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (खं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

स्पेस नं० 9 ग्रीर 10, पहली मंजिल, विजय बिल्डिंग 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी-987 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई किः क्ष

तारीख: 1-5-1985

मोहर ः

प्रक्ष बाइ'.टी.एन.एस..----

्वाथकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई, 1985

निदेश सं० आई० ए० मी० /एक्यू०/1/37ईई/9-84---1189--अतः मुझे, आर० पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 614 है तथा जो 89- गेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रें ज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन तारीख सितम्बर,

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमण प्रितिफल के लिए अन्तरित की रुई है श्री मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित काबार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) कौर बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित में वान्टिक इप स अधित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अभिमिया, के अभीन कार दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा कै लिए; और/या
- (क) एसी किसी आव या किसी धन वा बन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दहारा प्रकट नहीं जिया गया था या किया आना चाहिए था, खिपाने में सृतिधा के सिए।

श्रतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण श्रो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) मै० स्कीपर सेल्स प्रा० लि० 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एम० दीवान निवासी—बी-ए-5-सी, डी०डी०ए० फ्लेट्स म्निरका, नई दिल्ली-67

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यकाडियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की जविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, चो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ब्योग्सीयों में से किसी व्यक्ति सूवारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपीटत में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकी।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया स्या है।

नन्म वी

फ्लैट नं० 614, विल्डिंग नं० 89-तेहरू प्लेस, नई दिल्ली तादादी 478 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आथकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 1-5-1985

प्रका बाह टी. एन्. एवं

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुरक्ष

भारत तरकार

कार्यात्रयः, महायक आपकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ती. दिनांक 30 अप्रैल, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० $_{\rm l}$ एक्यू $_{\rm l}$ 1 $_{\rm l}$ 3 $_{\rm l}$ 5 $_{\rm l}$ 9-8 $_{\rm l}$ 1 $_{\rm l}$ 184 अतः मुझे , आर० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधान 'जन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सदाम प्रधिकारों को यह जिस्कास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी स० 408-त्री, है तथा जो 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से बणित है रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रें ज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अर्थीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकि रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से तुई किसी टाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविश्व के लिए: बार्ट/या
- (भ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नितिखित व्यक्तियों. अथातः :--

(1) स्कीपर सेल्स प्रा० लि० 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमाति वाला गुप्ता परिन श्री जय कृष्ण गुप्ता, निवासी—-सी-11, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तिरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त जम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

टक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख खें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकारण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिश गमा है उ

अनुसूची

फ्लैंट नं० 408-बी, 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी 140 वर्गफीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जनरेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 30-4-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली. दिनाक 10 मई, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84/1185 अत: मुझे, आर० पी० राजेग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्यितरों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य कि 1,00,000/- रु. से अधिय है

स्रोर जिसकी सं ० 973-सी/9 है तथा जो गो बिन्दपुरा कालका ज नई दिल्ली, तादादी 648.40 वर्ग फीट स्थित है (स्रीर इसमे उपाब अनुपूची में स्रोर पूर्ण का से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ती अधिकार के कार्यालय अर्जन रंज-। नई दिल्ली भारतीय आयक अधिनयम 1961 के अधीन तारीख सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल है, एरेरे ख़ब्दमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ये हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए.

अतः अव, उक्त आधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बासुदेव, जी-47, कालकाजी नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिन कुमार निवासी--1032/9, गांबिन्दपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 973-ती/9, गोबिन्दपुरी, कालकाजी, नई दिल्ली नादादी, 648.40 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरे ज-1. नर्ड विल्ली

नारीख: 10-5-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 85

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या स्पेस नं 23 है तथा जो विजया बिल्डिंग 17-बाराखम्बा रोड नई दिल्ली तादादी 325.72 वर्ग फीट है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाता गथा प्रतिकल, निम्नलिश्वित उक्षश्य से उच्य अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

(1) मैं गुजराल इस्टेटस प्रा० लि 17-बाराखम्बा रोड़ नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) मै० जी० एस ट्रेडिंग कं
 3365/3 अंकर मार्केट
 होज काजी
 दिल्ली-6

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस क्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्दंभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्सित में किए जा सकेंगे।

स्पञ्चिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्त्रची

स्पेस नं 23 लोयर ग्राउन्ड फ्लोर विजया बिल्डिंग 17-बाराखम्बा रोड नई दिल्ली तादादी-325.72 वर्ग फीट

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 6-5-85 मोहर ः प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क यालय, सहायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली मैंनई दिल्ली दिनांक 9 मई 1985

निर्देश सं० ग्राई ए० सी०/एवयू०/1/37ईई/9-84/
1187—ग्रत: मुझे, ग्रार० पी० राजेश
बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मुस्स्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 309 है तथा जो एफ-14 कनाट लेस नई दिल्ली तादादी 838.56 वर्ग पीट में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्णस्प से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रद्धकारी के कार्यात्रय श्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रद्धिनियम-1961 के श्रद्धीन तारीख सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वामान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कक विश्वानिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में वास्थितिक कर विश्वानिक नहीं किया कथा है स्व

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-विकास को अभीन कर दोने के अन्तरक की बाजिएक में सन्ती कहने का उससे बचने में स्नोत्सा के फिए. बॉर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्सरण में, में, छक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती चन्द्रा कान्ता श्री राजेन्दर बुमार ग्रग्नवाल श्री सतीश ग्रग्नवाल श्री रमन ग्रग्नवाल सभी निवासी-4804 डीपुटी गंज सदर बाजार दिल्ली-6 (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती ग्रानिका महद्व पत्नी श्री महबूब ग्रख्तर निवासी-17-सी/6 मोहल्ला णिदी सराय मुरादाबाद यू० पी०
 - (2) श्रीमती नादमा हबीब पत्नी श्री हबीव ग्रख्तर
 - (3) श्रीमती जौहरा मसूद पत्नी श्री मसद ग्रन्तर
 - (4) श्रीमती नीलम पत्नी श्री हसनैन ग्रष्टतर निवासी--18--ई/10 भानून मो मुरादावाद

यू० पी (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ते सम्मित के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शास निधित में किए सा सकेंगे।

श्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं 309 वस्पोटेंट हाउस ६५-14 (मिडिल सर्वेल) कनाट प्लेस नई दिल्ली तादादी 838.56 वर्ग फीट

्यार० भी० राजेश सक्ष्म प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख 9-5-85

शक्य, बार्ड हो, एन, एव । ----

बासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सुम्बना

भारत सरकाङ .

कार्यालय, सहायक कार्यकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 ग्रप्रैल 85

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84/
1188--ग्रत: मुझे, ग्रार० पी० राजेश
गायकर नियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निर्मितम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास बद्धने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजीर मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या स्पेस नं 14 ब्लाक 'ई' है तथा जो 8 मंजिल नेहरू प्लेस नई दिल्ली तादाबी 638 वर्ग फीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वाणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनयम-1961 के अधीन तारीख सितम्बर-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिदात से अधिक है और ब्नितर्क (बन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया व्या प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मृं अस्तिक रूप से किथब नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण सं हुई किसी नाग की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के विष्ट; जॉट्र∕वा
- (ख) एती किसी नाय या किसी धम या नव नास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धन-कर निधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया । या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने। में सुविधा के सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मैं, तक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
16—116 GI|85

(1) मैं नेहरू प्लेस होटल्स लि० इरोज सिनेमा बिल्डि जंगपुरा एक्सटेंशन नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस के० कोचर और श्री एल० के० कोचर निवासी 128-ए०/डी गांधी नगर जम्मू (जे० एण्ड के०)

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इब सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, को भी
 जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वादा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 हित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्त्रीकरण: --- इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदों का, जो उक्त वृद्धितियम के अध्याय 20-क में परिकाधिक है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

अनुसूची

स्पेस नं 14 8-मंजिल ब्लाक 'ई' नेहरू प्लेस होटल कम-कमिशियल कमप्लेक्स नई दिल्ली तादादी 638 वर्ग भीट

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 30-4-1985

त्का बार्च हर्ते. एक. तुनु

लाका क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) वर्षी भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक वायकार वायक्त (निर्वाक्षक)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1985

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें इसमें परचात् 'उक्त निर्धानवन' कहा गवा हैं), की पारा 269-स के नभीन सकत प्राधिकारों को यह विश्वास करने सा कारण है कि स्थानर सम्बक्ति, जिसका उचित नाजार नृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको संख्या स्पेस नं० 69 है तथा जो 18-बारा-खम्बा रोड़ नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचो में और पूर्णस्प से वांणत है) राजस्ट्राकर्ता श्रध-कारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1 नई दिल्ला भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य ते कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्त वह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके क्यामान प्रतिफल से, एसे व्यवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (बंतरका) और बंस-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सब पाया क्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त बन्तरण जिनीयत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- हैंक) बंतरण वे हुई जिसी बाद की बावह, उपक वीधिनवन के सभीद कर दोने के बंदरफ के दामित्व में कभी करने ना उच्चे नवने में बृविधा के लिए; बौर/मा
- (ख) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया बाना चाहिए था, छियाने में म्यिभा के खिए;

बत: कव, उक्त बाँधनियम काँ भारा 269-न के बनुबरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च का उपभास (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वात 2---- (1) मैं० ए० बी० इस्टेटस 208-सुर्या किरन बिल्डिंग 19-कस्तुरबा गांधी मार्ग नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती इजला दुवे और श्रीमती लीलेती सुवे निवासी ए-68 गुलमोहर पार्क नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

हाँ वह बुचवा बादी करके पूर्वोक्त कम्मित के मूर्जन के तिए कार्ववाहियां करवा हों।

उन्हा कुम्मीत्त के बर्बन के हम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ६---

- (क) इस त्वना के हाजनत्र में त्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवीध वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर कृषणा की बाजीस से 30 दिन की जबिध, जो भी असीध वाद में तमस्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस बुक्ता के राजपत्र में त्रकाशन की तारीत से 45 किन के भीतर उक्त स्थापर तम्मीत में द्वितन्त्र किनी कम्ब व्यक्ति व्यास किनी कम्ब व्यक्ति व्यास किनी का किनी का तकों ने।

स्वक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त सुन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बच्चान 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा को उस बच्चान में दिना क्या है।

जनसंची

कोधर भाउन्ड पलोर स्पेस नं० 69 निजया बिल्डिंग 17-बाराबम्बा रोड नई दिल्ली तादादी 230.1 वर्ग फीट

> ग्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

₹.**शिख** 1-5-1985

माहर 🖫

प्रकप बार्ड ही. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84/ 1190-अत: मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या स्पेस नं 10 है तथा जो 17-बारा-खम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनयम-1961 के अधीन तारीख सितम्बर 1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्सरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में कृषिधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्च अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के बधीन, निम्निकि बारिक्य वित्तयों. क्यांत हू- (1) मैं गुजराल इस्टेटस प्रा० लि० 17-बाराखम्बा रोड़, नहैं दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मैं चावला इन्स्टालमेंटस, 1-नार्थ बेस्ट एबेन्यु, मैं पंजाबी बाग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यमहियां सुरू करता हुं।

उक्त ब्रम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हों, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

यन्स्ची

स्पेस नं० 10, लोअर ग्राउणड फ्लार विजया बिल्डिंग, 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी 356 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ती

दिनांक 10-5-85 मोहर: प्ररूप बाइ'. टो. एक. एस.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-।,

नई दिल्ली, दिनाक 9 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एख़्यू०/1/37ईई/9-84/1191—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें , इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कौ धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० स्पेस नं० 113 है तथा जो विजया विल्डिंग, 17-वाराखम्वा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसने उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय. अजंन रेंज--J, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सल्पन्ति का उचित बाजार मूर् उन्ने दृश्यमान प्रतिकान ने, ऐने दृश्यमान प्रतिक लका रण्डेह प्रतिम से प्रविक है और अन्तरित (अन्तरित गें) और अन्तरिती (अन्तरिति गें) अधि प्रेसे व्यन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ता, निम्नितिष्ठ उद्देश्य से उन्त प्रतर्ग निका में वास्त्रिक रूप से अवित सही किया गया है :---

(क) जनतरण तं हुई किसी जाय की वाबत, उत्तव अधिनियम के अधीन कर दोने वह अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बखने में सुविधा के सिए; ब्रांडि/या

को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सविधा के लिए; जार/बा

कत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग थे अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उस्थारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) (1) मै० गुजराल इस्टेट्स प्रा० लि० 17-बाराखम्बा रोङ, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री जवाहर सूद मुपुत डा० पीर्थी सिंह सूद, श्रीमती उमिल सूद पत्नी श्री जवाहर सूद निवासी 85—नेशनल पार्क, नई दिल्डी—24।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्बन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण : ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा बवा है।

वनुतुची

स्पेस नं 113, पहला बेसमेंट, विजया विल्डिंग 17-बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, तादादी 221.4 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I, नई दिल्ली

तारीख: 9-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाई .टी .एन : एस :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84/1192--अत: मुझे, आर० पी० राजेश

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एल-बी-42 है तथा जो 17-टाल-स्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतिशित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

इतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) ग्रंसल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० 115, ग्रंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री दौलत राम आहुजा, 2-ए, एल-आई०जी० क्वाटर्स, मायापुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वनाहियां करता हूं।

खंबत संपत्ति के अर्जन के संबंध में बाई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के जास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिट हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लैंट नं॰ एल—बी-42, टालस्टाय हाउस, प्लाट नं॰ 17—टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली, 1—टालस्टाय लेन, नई दिल्ली, तादादी 411 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख: 10-5-1985

मोहर 🐒

मुक्त नार्'ं दी, एन पुरु

नावकर निधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-य (i) के नथीन स्वना

शारत बरकार

कार्यात्तय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एवयू०/1/37ईई/9-84/ 1193--अत: मुझे, आर० पी० राजेश

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या प्लैंट नं० 35 है तथा जो 17 बारा-खम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, सितम्बर 1984

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के सिए अन्तरित की पर्इ हैं और मुम्ने यह निक्लास करने का कारण है कि स्थापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य उसके द्रश्यमान प्रतिकल से, एसे द्रश्यमान प्रतिकल का चन्द्रह प्रतिक्षत से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्नुसिवित उद्देश्य से उक्त सन्तरण निम्नुसिवित उद्देश्य से उक्त सन्तरण निम्नुसिवित व

- (क) बन्तरक सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बवा वा वा किया जाना चाहिए वा, जियाने में सुनिया के तिए;

भतः भव, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-न भ जनुसरक में, में, तक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री सुर्देश कुमार छाया, निवासी ई०-53, मस्जीद मठ, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा देवी,
 श्रीमती करण ग्रौर,
 श्रीमती चन्दा.
 सभी निवासी ए-1/71,
 पंचणील इनक्लेव
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की वह सूचना बारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

क्ष्म सम्मृतिक में मर्जन के सम्मृत्य में कोई भी नाक्षीप:--

- (क) इस स्थना के एवपन में प्रकाशन को तारीध से 45 दिन की अविध् या तत्संबंधी व्यक्तित्यों पर स्थना की ताशील से 30 दिन की नविध जो भी स्थित का को सातर प्रविक्त को सीतर प्रविक्त को सीतर प्रविक्त को सीतर प्रविक्त का सिक्ती का नित द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोस से 4.5 दिन के मीतर उन्तर स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म स्थितित द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास दिवित में किए या सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रबुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

लोवर ग्राउण्ड फ्लोर नं० 35, तादादी 325.72 वर्गफीट, 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

आरः पोः राजेण सझम प्रतिधकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, तर्द दिल्ली

तारीख: 30-4-1985

मोहर ध

प्रकृ बाह् टी.एन.एक. ----

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निर्वासक)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 85

निर्देश सं० आई० ए०/सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84-1194--अत: म्झे, आर० पी० राजेश,

बानकर बिधिनवम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसके परचास् 'उक्त विधिनवम' कहा जवा हैं), की चारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर कम्मित, चिसका उचित बाबार नृस्व 100,000/- रु. से बिधक है

ग्रौर जिसकी संख्या एम०-109 है तथा जो 49-50 नेहरू प्लेम, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, में आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाचार मूल्य से कम के दरवाण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मूल्य, उसके दरवमान प्रतिफल से एंग्रे अवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरक के सिए सव बाग गया प्रतिकस, निम्निसिवत उच्चेक्स है उक्त अन्वरण किसत में वास्तिकक रूप से कांचिस नहीं किया बना है :---

- (क) कलारण से हुई कियाँ बाव की वावसा, क्या वर्डवर्डियन के संशीत कर दोने के वावस्था के वादिस्था के कहीं करने वा तक्यों वयने के स्वीवशा के सिक्; क्षीर/वा
- (स) एती फिली आप या किसी धन या क्या बास्तिकों को, विक्ते भारतीय बाव-कर बर्धिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं दिवा नया था वा किया बाना भाहिए था, डिपान में सुविधा के सिक्;

वतः बव, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के जन्सरण मं, मं, उक्त विधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के वधीन, निम्मीसिश्त व्यक्तियों, वचि ह--- (1) मैं० ट्रान्स-म्रोसन शिपिंग एजेन्सी प्रा० लि० एम०-109, रेड रोज,
 49-50 नेहरू प्लेस,
 नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० आर० बजाज सुपुन, श्री ज्वाला राम श्रीर श्रीमती प्रेम बजाज पत्नी, श्री एच० आर० बजाज, निवासी बी०-35, कैलाश अपार्टमेंट, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली, ।

(अन्तरिती)

को यह बुधना पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के हैं है है कि कार्यवाहियां करता हूं।

क्यत बुलारित के वर्जन के बंबंध में कोई भी बाबोप :---

- (क) इत सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की वनिंध ना तत्त्वस्वन्थी व्यक्तियों वद सूचना की तानील से 30 दिन की बनिंध, को धी नवींय बाद में बनाप्त होती हो, को जीतद पूर्वोंकड़ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस स्वता के रावपत में प्रकादन की बारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर कम्पति में द्विष्ट व्यय क्रियों कि किसी जन्म व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी है वास निवित में किए जा सकेंगे।

रचक्कीकरणः—इसमे प्रमुक्त कर्को बीर नदों का, वो उक्त श्रीकृ≗ निवस के अध्यान 20-क में परिश्राह्मित हैं। बही अर्थ होगा, वो उस अध्याव में दिशा नवा है।

अनुसूची

फ्लंट न० एम०-109, मेजनिन फ्लोर, बिल्डिंग 'रेड रोज' 49-50 'नेहरू प्लेस नई दिल्ली तादादी 654 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 9-5-85

मोहर 🖫

प्रारुप बार' ही पन एस -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

the second section of the section

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 मई 85

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84/ बायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिख्वास करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य और,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या ए०-52 है तथा जो चितरंजन पार्क, सावित्री निनेमा, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावक्ष ग्रमुस्नी में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-I, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के ग्रधीन सितम्बर 1984

का पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान विकास के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रस्तु प्रतिशत से बधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और मन्तिरती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निवित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तारण वे हुई किसी वाया की वायस, उपस् किमियन को अभीन कार कोने के बन्दारक के सावित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा वी सिए; धरि/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को चिन्हें भारतीय जायकर जिथ्निवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अधि प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा अधिकयः

अत: गम, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीम, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो सुर्शाल मजूमदार निवासी एफ.०-1128, चितरंजन पार्क, नई दिल्ली ।

(स्रन्तरक)

(2) श्रीमती मधु गुप्ता ग्रांर श्री निरज गुप्ता, निवासी ए०-21, चितरंजन पार्क, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

महें यह सुमना आरी करके पृत्रों क्य सम्मृत्य के वर्गन के जिए कार्यवाहिमां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

प्लाट नं० ए०-52, चिनरंजन पार्क, नियर साविती सिनेमा, नई दिम्ली, 19. नादादी 160 वर्ग गज। ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 10-5-85

प्रस्त नार्ष दे तह . एक

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बार

कार्यालयः, महायक त्रायकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांठ 30 ग्रप्रैल 85

बायकर समिनियाः १० १ (१०००) तो १२) (जिसे इसमें इस्ते पहला १० १० १ १० हो), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण वी दिन स्थापन अधीन हिस्सकर जीवन कालार मन्य 1,00,000/- रहा से अधिक ही

श्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 1423 है तथा जो 89 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, में श्रायकर श्रिधिनयम-1961 के श्रधीन, तारीख सितम्बर 85

का प्रतीयन मार्गत में संस्था हो गाँउ ग्रहा स्टूबा में कम के क्षाप्त की संस्था हो गाँउ ग्रहें पह विकास का क्षाप्त की मार्ग हों गाँउ ग्रहें पह विकास कार्य का कारण हो कि यथा हो कि संस्था हो गाँउ ग्रहें पह विकास का प्रतिक का प्रत

- (सा) प्रभारण वे हुई फिक्की साम की शामत, समस स्थितियक के सभीन कर दोने के जनसम्ब के दामिएस में नाजी करने ता समन श्रमने में मुधिना के सिन्। राहित्या
- (क) एसी किसी काम या किसी धन या धन्य जारिएयां को चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) दा उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या स्थित बाना माहिए था, क्रियाने यें सुविधा के किस:

भतः अबः उत्रत अधिनियमः को धारा १८०० है। है। है। , मैं, उत्तर अधिनियम की धारा १६९-घ की उपधारा (1) के बभीनः निम्मिनिसित करिक्तमों, स्थादि :—
17—116 GI 85

(1) श्री एतः कः छात्रा निवासी ई०-53, मस्जीद मठ नई दिल्ली-48

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती वलिवन्दर कौर पत्नी, श्री बलबीर सिंह एस० बलबीर सिंह हुन्डाल सुपुत, श्री आत्मा सिंह निवासी-पो० गिलवाली, तहसील श्रौर जिला अमृतसर, (पंजाव)

(अन्तरिती)

को सह स्वना जारी करके प्रवीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्चन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) (स भूषना के राजपन में एकाणन की तारीस सं 45 दिन को न्नविध का तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर भूगना की समील से 30 दिन की नविध, जो भी प्रवृधि बाद में समान्त होती हों, के भीतर प्वॉक्त समिनकों में किसी कालित दवारा;
- (स) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पर्णि में हितवद्ध किसी अन्य स्थावर दारा अधोहत्साक्षरी के पास सिक्षित में किस वा सकी ।

स्वक्टीकरण:---इसमें प्रवृक्त सम्यों बौर पदों का, सो स्वक्ट क्षीपनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा भी उस अध्याय में दिका पक्ष ही श

ग्रनुसूची[‡]

नं० 1423, तादादी 385 वर्गफीट, 89-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक त्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 30-4-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नाय्वत (निरीक्षण)

त्र्यर्जन रेंज−I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 ग्रप्रल 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/27ईई/9-84/

1198--श्रतः मझे, श्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या 9, ब्लाक ई है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-र, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1961 के ग्रधीन सितम्बर 1984

को प्योंकत सम्मित के उचित बाज़ार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृतिकत सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से शिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कि यन नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उचत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वार्षिक्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; जौरं/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या कसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें शारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ए उक्त अधिनियम, या धन⊸र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूबिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिधित व्यक्तियों अधृति क्रिक्त (1) श्रोमती तातीयना चौधरी पत्नी श्री एस० के० चौधरी निवासी ए-1/12, पंचशील एनक्लेब, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरला खन्ना पत्नी श्री राजिन्दर कुमार खन्ना, निवासी मजिद मंडी, ग्रमृतसर (पंजाब)।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करहता हूं।

उक्त सम्मित के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया नदा है।

ग्रनुसूची

स्पेस नं० 16, तीसरी मंजिल, ब्लाक 'ई', होटल कम-कर्माशयल कम्प्लेक्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 605 वर्ग फीट।

> ग्रार० पो० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I, नई दिल्ली

तारीख: 30-4-1985

प्ररूप आर्ष . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के अभीन स्चना

पारत तरकार

कायां क्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सीः0एक्यू0/1/37ईई8-84/ 1200—ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

मायकर अधिजियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिजियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० शाप सं० 12 है तथा जो सहयोग 58 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावढ़ ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम-1961 के ग्रिधीन, दिनांक सितम्बर, 1984,

का पूर्वायत संपत्ति के उपित बाजार मूर्य से कम कं दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एोसे दृश्यमान प्रतिफल के सन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया शितफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित व युदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित व युदेश्य से उक्त अन्तरण

- (क) बन्तर्भ से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त बिध-नियम के बधीन कर दोनेके बन्तरक के दायित्व के कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बौर/ख
- (क) एसी किसी आयु या किसी भन या जन्य आस्तियीं को जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के तिय:

कतः कथ उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ को उपधारा (1) के अध्रुण निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- (1) श्री बल राम भासीन (एच०-यू०-एफ०) एस०-139, पंचणीला पार्क, नई दिल्ली-17 । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एच० के० शर्मा और श्रीमती भगवती शर्मा, निवासी--273 सुभाष चन्द, गीरी नगर, कालकार्जा, नई दिल्ली।

(स्रन्तरक)

को यह सुचना जारी करके पृत्रीक्त संपत्ति के कर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं
 45 दिन की जविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास में किस पे किए जा सकी।

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौंका, को उपके अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभातिकर इ., वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में ध्वक गया है।

बन्स्ची

जाप मं० 12, बिल्डिंग सं० 58-नेहरू प्लेस, महयोग बिल्डिंग, नई दिल्ली, तादादी 233 वर्ग फीट ।

> श्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 9-5-85

मोहर 🖫

प्ररूप बाई .टो .एन .एस . ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 ग्रप्रैल 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें समके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह जिस्ताम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- राज्यों को सक्त हैं

श्रीर जिनकी मं० 109ए, है तथा जो 22-पाराखन्ना रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इनसे उपायड अनुसूची में पूर्ण मण से विणित है), रिलस्ट्रीएर्ली अधिकारी के नार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली, नारतीय आवकर अधिनियम-1961 के श्रधीन दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिश की नई आँर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ह और अधिक जन्तरिश अन्तरिश) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्में किया बहु दृश्य से उचत अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के बचीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) स्कीपर सेल्स प्रा० लि०22-वाराखम्बा रोड, नई दिल्लं। ।

(ग्रन्तरक)

(2) बान्टर मनिजार्ग (बाइनर) तुपुत्र श्री एम० एल० गर्ग, निवासी—739 (दूपरी मंजिल), बांदनी चौक, श्रपोजिट टाउन हाल, दिल्ली—6।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचनः के राजपत्र में प्रकाशन की तारीह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, प्रधाहरताक्षरी के णस जिस्ति में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिल्ला कि विद्या कि अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय हों दिया गया हैं।

वन्स्या

फ्लैट मं ० 109 ए, 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली तादादी--वर्ग फीट ।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 30-4-85

माहर 😘

THE ALL . THE LAW COMMENCES

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की सन्दर्भ 369 थ (३) के उर्वता उत्कार

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेण सं० ग्राई० ए० सी:०/एक्यू ०/1/37ईई/9-84/1202-1202-श्व: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

स्रोर जिनकी गं० ई-16, है तथा जो पृष्णं विश्व फर्न, विजय धन, नई दिल्ली में स्थित है (स्रोत इसके प्रत्यक्त स्रम्भूत्र) में पूर्ण कर से विणित है), रिजर्मिक्ती स्रिधियारी के वासित्य सर्वत केंच-1, नई दिल्ली, भारतीय, आदाकर स्रिधिया-1961 के सर्धान, दिनांक सितस्यर, 1984

का पूर्वोक्त सम्परित के स्वित बाजार नृता न कान के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ हैं। यदि मुके वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्त उस्तित का उत्तित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे उस्तिम एतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक हैं। और जंतर (अलर में) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतराह के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नीलियत उद्देश्य में अस्त अतराह कि लिखन में बास्तिक हम से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियद के अधीन कर दोने के अंतरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविशा के लिए और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय क्या कर प्रश्चित्रका 1925 (1992 का 11) के उनकर अधिकार के अन्य कर कर्मा तथा प्रश्चित का 1955 (1957 का 17) को के किया अन्ति द्वारा प्रकट नाहि के किया के किया का चाहिए था, किया में किया के किया,

अतः अतः, उक्त अधिनियमः, की भारा 269-ग के अनुसरण में भी उक्त अधिनियम की भार १०० के उपनारा प्रे के अभीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) अंतल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज पा० लि० 115-मं ता भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) में ब्रायन केन खन्ना एण्ड सन्त, ं जी--7/3, ब्रायफ ब्रली रोड, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

भी यह स्पना जार के रहे भूगोजन सम्बद्धित के प्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्स सम्बन्ति को तकत के सम्बन्त में त्याई भी आक्षंत्र ;-- .

(स) इस स्चना के जगत में तकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के अधार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के

स्वद्धतंकपण. — इतं प्रयास शब्द गीत गदी का, जो उक्तु अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गणा है.

अनुसूची

फार्म मं० ई-16. पुष्पांजिल, ग्राम-विजवाशन, तहसील-महरौली, नई दिल्ली-तादादी 2.5 एकड़

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायका श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 6-5-85

1966 《百" 《1、175、 186、

आध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन श्वना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक कार्यकर जायकत (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मई 1985

निदेश मं० ग्राई र ए सो०/एक्यू०/1/37ईई/9-84/ 1203--श्रतः मुझे, ग्रार० पो० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे उसमा इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, को धारा 169- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हो

श्रौर जिपकी संव ई-75. है तथा जो 23-के ब्रिंग मार्ग, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रोत इसमें उपबद्ध श्रम्भूवी में पूर्ण इप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालया. श्रर्जन रेड-1. नई दिल्ली, भारतीय आयमण श्रीव नियम-1961 के शर्धन, दिनांक सितम्बर 1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाबार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि राषाय्यों क्त संपरित का उपित दाखार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल सं, एसे दश्यमान प्रतिफाल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कक्ष रैनक्निसित उद्देष्य से उन्तर अन्तरण के बिछ से वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाय को बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी अब वा किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ जन्तरिली इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, डिपान में मुविधा औ सिक्ष;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) भा स्रमृत नरायण और मास्टर स्रमृत नराया निवासी:--ई--७०, ग्रटर कैलाण-1. नई दिल्ली । (स्रन्तरक)
- (2) मे० त्रियात प्रा० लि० ई-75, हिमान्यमा हाउस, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली-!

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हु।

तक्त सम्पन्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रोप ---

- (क) इंड ल्क्नेना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सक्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तांगील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध लाड में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर अवित्तायों में से किसी क्यों का हुनारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य क्यांक्त द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पान निर्माधन में किए जा सकाय।

स्पष्टोकरण: —-इसमें प्रयस्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा का उस अध्याय में दिया।

बन्स्ची

फ्लैट मं० ई-175. हिमालया हाउा, 23-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली-1, तांदादी 994 वर्ग फीट।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रज-। दिल्ली, नई दिल्ली-1100002

दिनांक: 2-5-1985

मोहर 🛭

त्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

मार्त सरकार

कार्यां लय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० स्राई० ए० सी०/एक्यू.०/1/37ईई/9-84/1203--- स्रतः मुझे, स्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका लिचत बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 613, है तथा जो 89-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रौर इससे उपावह ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिशारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय , १४५ र ग्रिधिनियम-1961 के ग्रिधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करते का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाअ'र भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के वन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (गंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे प्रतिरण के लिए तय पाया स्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बाम्तिबक इप से किथन नहीं किया गया है .--

- (♥) बन्तरण के हुई किसी नाथ की बाबत, उक्त बीधनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविभा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आगक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उत्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्वित्रा वे तिछ (ध)

अतः अव , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के इस्मान निम्नितियन व्यक्तियों हा वर्णात् हमान

- (1) ते . फैब्रिक डाण्ड्या, सी०-538 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती विद्या देवी गोयल पत्नी डा० वी० पी० गोयल, मार्फत एस० के० मित्तल एण्ड कं० ई-29-साउथ एक्सटेंशन-2, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिब्

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र :--

- (क) इस सुष्या के राजपत्र मं प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 43 कि के भीतर उस स्वाया सम्पात में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

फ्लैट सं० 613, तादादी 444 वर्ग फीट, लगभग, स्कीपर भवन, 89-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 2-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आगक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत रारकार

अर्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्थन 'रेंज-1 नयी दिल्ली नयी दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84/ 1206—अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) किसे हमसें इसके परसार 'उक अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स दे अभीन स्थाय प्राधिकारी को एव बिक्यार करने जा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उदित वाजार सन्ध्य 1,00.000/-रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं ।—डी, है तथा जो 16—वाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में ख्यत है (और इस्ते उपातक त्तृप्त्री में पूर्ण हुए से विजत है), रिजस्ट्रीशर्ती विधियारी के पार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय जायकर दिधित्त्रम-1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984.

को पर्वोक्त पर्यास के त्रीसन तरनार प्राय में क्य हो द्रश्यमात प्रतिफल के लिए अन् रित की गर्न ही अरेग मधे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथा पर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार प्रत्य. समुझे द्रश्यमान प्रतिफल को प्रत्ये प्रशिवक ही द्रश्यमान प्रतिफल को प्रत्ये प्रतिकार में प्रविक्त ही आरे अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिगितियों) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय प्राया गया प्रतिकार मिम्नीतिकार उद्देश्य में तकत अन्तरण निस्तित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के तारित्व में कमी करने या उसमें लचने में मिलिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1002 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1057 का 27) के प्रयोजनार्थ अलगिर कितारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

उतः अतः अक्त अधिनियम की भारा १६०-ग के अस्मरण मों, मों, उक्त अभिनियम की भारा १६०-घ की राष्ट्राण (1) के अधीन निम्नलिनित व्यक्तिसों, अर्थात् :— (1) मेर अधार के अपनसे (इंग्डिया) प्रार्थ लिए 20-बाराखाका रोट, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहा नाल पढ़ा ातती-एम-44प्रेटर कैनाश-1, नई देख्ली।

(ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उदा संगीत के दानि को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचन के राज्यन मो प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के पे राज्य होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिकों को से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस स्थाना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीदा उक्त स्थानर संपत्ति में हिन्दा-चित्र लग व्यक्ति दुनारा अथोहस्ताक्षरी के पास निहित्र में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन स ची

फ्लट सं० 1—डी, पहली मंजिल, डी० सी० एम० बिल्डिंग, 16-वाराखम्बा रोड, नई दिल्ली—। तादादी 640 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनां इ : 6-5-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गिक आयकर वाबुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नयी दिल्ली

नयी दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-48/1207-अतः मुझे, आर० पीं० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) → (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त् अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रांथ जिसकी सं 1-ई, है तथा जो 16-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, में स्थित हैं (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची सें पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिन्यम-1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्नोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाबा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) मे० आर० के० टावर्स इण्डिया प्रा० लि० 20-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

,(2) श्री हेमन्त चढ़ा, निवासी-एम-44, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अन्तुती

फ्लट सं । अई, पहली मंजिल, डी असी ० एम० बिल्डिंग, 16-ताराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी 640 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-। दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 6-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाबक जाबकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नयी दिल्ली
नयी दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84/1200—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

जायकर अधिनिवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधींन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 1-बी, है तथा जो 16-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है,) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, में आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित असी गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्वमान प्रतिफल सं, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप में काँथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के **बाक्तिय में कभी** रूपने का टससे नचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन विमनितिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं० आर० के० टावर्स इण्डिया प्रा० लि० 20-वाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री पुनीत चढ़ा, निवासी—एम-1, ग्रेटर कैलाग-1, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को बह स्कूबना असरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकारण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

फ्लैट नं० 1-बी, पहली मंजिल, डी० सी० एम० बिल्डिंग, 16-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी-370 वर्ग फीट ।

> आए० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 6-5-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. पुस. ----

नायकर निधित्यमः, 1961 (1961 का 43) क्री धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यास्य, सहायक वामकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/3.7ईई/9-84/1209-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लट सं० 215, है तथा जो 38 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली से स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

को प्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एंडे इश्यमान प्रतिकल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पाया गया प्रतिकल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्रायित्व में कभी करने या उसस बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वन, उनत निधिनियम की भारा 269-म के ननुसर्ग में, में, उनत निधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नुधीन, निम्नलिखित न्यनित्यों, नर्भात् ।— (1) श्री रमेश कुमार सचदेवा (एच०-यू-एफ) शालीमार, 216 निरन ड्राइव, नरिमन प्वाइन्ट, बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) जमुना ट्रस्ट, शालीमार 216 मरिन ड्राइन, मरिमन प्वांइंट, बम्बई-20 ।

(अन्तिरती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनशम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 26-4-85

मोहुरु 🛭

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस .-----

नायकर निधानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए7यू०/1/37ईई/9-84/1210-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

अग्रयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 28-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1. नई दिल्ली, आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह किरवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशन से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तित में बास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियां को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिषाने में सुविधा के खिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :— (1) मे० ए० बी० इस्टेंट्स, 208-सूर्या किरन बिल्डिंग, 19-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री हरी फूल निवासी—45/8 अशोक नगर, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीधि या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गथा है।

अनुसूची

लोवर प्राउण्ड फ्लोर, स्पेस नं० 90, डा० गोपाल दास भवन, 28 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली तादादी 168.27 वर्ग फीट।

> आर॰ पी॰ राजेश सञ्जान प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 2-5-1985

प्ररूप बाइ'. टी. एन. एस. ----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

मारव बहुकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-1, नयी दिल्ली नयी दिल्ली, दिनांक 1 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84/1211-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 307 ए है तथा जो 51-52 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ग रूप से वागत है), रिज़िश्नी करी अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961, के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पल्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) को बीच एसे बन्सरण के जिए तब पाया क्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उच्त बन्तरण निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से तुर्द किसी आय की बाबस, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; सौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया बाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः जब उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के बभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---

(1) मे॰ गैंडोर टूल्स (इण्डिया) प्रा॰ लि॰ 51-52 नेहरू प्लेस. मई दिल्ली-24।

(अन्तरक)

(2) श्री जे० सी० धवन सुपुत स्व० श्री ए० आर० धवन श्रीमती सरला धवन, पत्नी श्री जे० सी० धवन, निवासी—25, मालचा मार्ग, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा:
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ही 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृद्धों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क से परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लैंट सं॰ 307-ए, तीसरी मंजिल, 51-52 नेहरू प्लेस. नई दिल्ली, तःदादी 180 वर्ग फीट ।

> आर०पी० राजेश सक्ष म प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (विरीक्षण), अर्जनरेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 1-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नयी दिल्ली

नयी दिल्ली, दिनांक 1 मई 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84/1212--अतःमुझे अ।४०पी० राजेश,

इसकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन स्क्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण ह' कि स्थापर स्थाति, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० पलैट सं० 402, है तथा जो 15-टालस्टाय मार्ग, नयी दिल्ली में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण क्य से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन र ज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनां क सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह निवसस करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य उसके दृश्याण प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल कि निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निकित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- कि वित्रुक से हुए किसी बाब की बाबस, उक्क याधीन्यम् के ब्लीन कर दोने के बंतुरक के दायित्व में कमी करने या उद्यक्त बचने में स्विधा कालए: और/बा
- (भ) एंसी किसी बाद या किसी भून मा बन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय अगयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवालनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बत: बब, उन्त विधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मे॰ करांची टैक्सी कं०, 36-जनपथ, नई दिल्ली।

(,अन्तरक)

(2) निम्मी इनवेस्टमेंट प्रा० लि० रिज० कार्यालय 20/1, आसफ अली रोड. नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारौ करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर तक्त स्थावर सम्पत्ति मा हित-बद्ध कि तो अन्य व्यक्ति द्वारा क्थांहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमं प्रयक्त शब्दों और पदों का, बो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है!

अनुसूची

फ्नैट सं० 402, तादादी 600 वर्ग फीट, 15-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 1-5-85

मोहर 👙

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

शारत बरकार

कार्यांसय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नयी दिल्ली नयी दिल्ली, दिनांक 1 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-84/1213—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 38, है तथा जो 17, बाराखम्बा रोड नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथानिक के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; जौर/धा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए था, छिपाने में नृविधा के सिष्;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अधीत् ध— (1) मे० अमृत इण्टरप्राईसेज,10/64, पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री भजन लाल, निवासी--3557, चावड़ी बाजार, दिल्ली। (अन्तरिती)

को बहु सूचना खारी कर्रके पूर्वीक्स सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां प्र सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिया में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त बिधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

बनुसूची

फ्लैट सं० 38, लोवर ग्राउण्ड फ्लोर, 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी-133.9 वर्ग फीट।

> आंर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी; सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 1-5-1985

प्रकृप. बार्च. टी. एम. एत. ---

नायकाः वरिधृतियसः, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-म (1) के बधीय ब्याया

बार्त वस्कार

कार्यालय, सहायक बायकर जायुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेंज-1, नयी दिल्ली
नयी दिल्ली, दिनांक 1 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एन्यू०/1/37ईई/9-84/1214-अतः मझे, आर० पी० राजेश,

आवकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन कक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्मित्त, विस्तात हिंचत बाबार बल्च 1.00,000/- रा. से अधिक ही

म्राँर जिसकी सं० स्पेस 9-ए, ब्लाक 'ई' है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (म्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-I, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनयम 1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984.

को प्नोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयंतान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करूने कम कारण है कि यथाप्जींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल को बंबह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरक के लिए तय पाया नया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व कें अभी करन या उज्हें अधने में सुविधा के लिए; बीर/दा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय शाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा भन-कर अधिनियम, शा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

सतः वथ, उसत अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसर्थ मों, मीं, धवत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निज्यिनीकत व्यक्तियों, वर्मात् । (1) मे० नेहरू प्लेस होध्ल्स लि०, ईरोज सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली-14।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीलम तुली धर्मनत्ती श्री विजय कुमार तुली, निवासी-सी-48, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-48। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी त्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में बिए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रय्वत शब्दों और पर्दों का, जो उक्त वाधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहरें अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यस है।

नन्पभी

स्पेस सं०- 9ए, नौवीं मंजिल, ब्लाक 'ई' होटल-कम-कमिंग्यल कम्प्लेक्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी-513 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 1-5-85

मोहर 🕄

प्ररूप बाई. टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नयी दिल्ली नयी दिल्ली, दिनांक 1 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी \circ $_{|}$ एक्यू \circ $_{|}$ 1 $_{|}$ 37ईई $_{|}$ 9-84 $_{|}$ 1215--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० स्पेस 4, ब्लाक 'ई' है तथा जो नेहरू प्लेस, मई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-।, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निक्ति रे शस्तिविक रूप से कथित रहीं किया गया है

- (अ) बन्तरण से हुड किसी बाव की कान्त, उक्क बिधिनयम की अपीन कर दोने के बन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्: बॉर/बः
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के निए;

(1) मे० नेहरू प्लेस होटल्स लि०, ईरोज सिनेमा विलिंडग, जंगपुरा एक्सटेंजन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमनी वीगा सूद धर्मपत्नी श्री एच० एस० सूद मास्टर रोहित सूद सुपुत्त श्री एच० एस० सूद, निवासी—सी-22, हौज खास, नई दिल्ली ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियें में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र मों प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार्श्व लिखित मों किए जा सर्कोंगे।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन। के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास गया है।

अनसची

स्पेस सं०-4, पांचवीं मंजिल, ब्लाक 'ई' होटल-कम-कर्माशयल कम्प्लेक्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी-484 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश पक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 1-5-1985

मोहर '

प्रक्रम बाह्र .टी .एन .एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

अजन रज-७, नइ पिएला

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्य् ०/1/37ईई/9-84/1216--- ग्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० स्पेस 9, ब्लाक 'ई' है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

को पृतोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या इन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन: निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मे० नेहरू प्लेस. होटलस लि०, ईरोज सिनेमा, विलिंडग, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गीना बी० तुली धर्मपत्नी श्री विनय तुली निवामी—मी-48. ग्रेटर कैलाश-।, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए-

- (क) इब क्यना के राजपन में प्रकाशन की तारीब के 45 दिव की बवीच या तत्स्व की स्वित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्तुची

स्पेस सं०-9, नौंबीं मंजिल, ब्लाक 'ई' होटल-कम-कमाशयल कम्प्लेक्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, नादाडी-484 वर्ग फिट लगभग ।

> ग्रार० पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 1-5-1985

प्रक्ष्य बार्ड : ट्रॉ : पुन : पुन : -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **आयकार आयुक्त (निर्दाक्षण)** श्रर्जन रेंज-1, नयी दिल्ली नयी दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई-9-84/1217—म्रतः मुझे, म्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रूठ. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1-ए, है तथा जो 16 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नयी दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम-1961 के श्रधीन दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निष्वत से बास्तिक रूप से किथित नहीं किया यथा है द

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाय को बाबत, अक्त बीधीनवम से बधीन कर दोने के बन्तरक के राशित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के निए; बीर/वा
- (ख) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयु-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

(1) मे० म्रार० के० टावर्स इण्डिया प्रा० लि० 20-वाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-1

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पुनीत चड्ढा, निवासी—-एम-44, ग्रेटर कैलाश--1। नई दिल्ली--48।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बद्धि के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि. जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया विवाह हैं॥

ग्रनुसूची

फ्लेंट नं० 1-ए, पहलीमंजिल, डी० सी० एम० बिल्डिंग, 16 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली— तादादी 330 वर्ग फीट।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रिजन रेंज-1; दिल्ली, नई दिल्ली-110002

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कु अधीन, निम्निविक्ति व्यक्तियों, अर्थात्ः—

दिनांक : 6-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज नई िल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई, 1985

निदेश सं० ग्राई ० ए० सी०/एवयू०/1/37/ईई $_1/9-84/1218$, —-ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 903, है, तथा जो 15-टालस्टाय मार्ग नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसने उपावड अनुसूची में पूर्ण रूप ने विणत है), रिस्ट्रिक्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली भारतीय आयकर ग्रिधिनियम-1961 के श्रुधीन , दिनांक नितम्बर 1984.

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निल खित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण मंहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनिश्म की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्रीमती अविता पत्नी श्री वृज मोहन सचदेव श्रौर श्रीमती कृमुम पत्नी श्रामनमोहन सचदेव निवासी 130 गोल्फ लिंक नई दिल्ली-3

(अन्तरक)

(2) श्रामती निर्मला खन्ना पत्नी श्री आर० एन० खन्ना श्रोर श्री आर० एन० खन्ना मुगुत्र स्व० श्री किशन दास निवासी——डो—15, प्रीत विहार, दिल्ली-92

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 903, 9 मंजिल 15-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली 1, तादादी-550 वर्गफीट ।

> ग्रार० पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्क्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 1-5-1985

मोहर 🖫

प्रस्य बाई . टी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

मारत संस्कार

कार्यस्य, सहायक नायकर नायकर (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एवयू०/37ईई/9-84/ 1218 ए-- ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त लिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 218 है तथा जो वसन्त इनक्लेव, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम-1961 के ग्रिधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास कूरने का कारण हैं कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार सुन्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उनत अन्तरण विश्वित म

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त कींधनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के गायिरच में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/था
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;
- क्तः अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में', उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (!) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

(1) श्री यू० के० भार्गवा , निवासी 1871-कूचा चेलन, खारी वावली, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चन्दर पाल सिंह राणा, निवासी--ए-225-सूर्या नगर, गाजियाबाद (यू० पी०)।

(अन्तरिती)

को यह सुपना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चत में किये वा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्र विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित्र हों, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा यहा है।

अनुसूची

र्डा॰ डी॰ ए॰ फ्लैट 218 वमन्त इन्क्लेब, नई दिल्ली तादादी 134.24 वर्ग मीटर ।

ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 2-5-1985

मोहर 🛭

प्रकल बाहं. टी. हव. एवं ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज I, बस्बई

वम्बई, दिनांक 10मई, 1985

निदेश मं० ए० प्रार०-I/32ईई/7499/84-85---अतः मुझे पी० एन० दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्समें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 सं अधिक हैं
और जिनकों स० युनिट नं० 166, जो 1 ली मंजिल, एट्र गेड इंडिस्ट्राल, इस्वेटर फार्यरात रोड, लोकर परेट, बस्बई-13 में

अरिजिनकों स० युनिट नं० 166, जो 1 ली मंजिल, एट गेड इंडस्ट्रियल, इस्नटेट, फायुरान रोड, लोक्सर परेल, बस्बई-13 में है तथा बन्बई-13 में स्थित है (और इसमे उपाबड़ अनुसूचीं में और जो पूर्ण हाने निर्णित है) और जिसका गरिरनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 तथ के अधीन बम्बई स्थित नक्षम याबिजारीं के गर्वावय में रिजस्ट्रीं है दिनांक 6-9-1984 का पूर्ण सम्पत्ति के जोचत बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रात्मकत से लिए अर्जारत को जोचत बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रात्मकत से लिए अर्जारत को नई है और मुक्ते यह निर्णास करने का कारण है कि प्रथाप किस सम्परित का उपति वाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिकत से प्रथाप में किस स्थाप प्रतिकत का सम्परित का उपति वाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिकत से एसे दूरवान प्रतिकत का सम्परित को अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बीर अंतरित (अंतरितयों) के बीथ एसे बन्दरण के निए स्थ श्वा प्रमा प्रतिकत का निम्मीजीयन सुद्धकेय से उपत बन्दर किसित के बास्किक का निम्मीजीयन सुद्धकेय से उपत बन्दर किसित के बास्किक का निम्मीजीयन सुद्धकेय से उपत बन्दर किसित के बास्किक का निम्मीजीयन सुद्धकेय से उपत बन्दर का किसित के बास्किक का निम्मीजीयन सुद्धकेय से उपत बन्दर का कारण किसित के बास्किक का निम्मीजीयन सुद्धकेय से उपत बन्दर का कारण किसित के बास्किक का निम्मीजीयन नहीं किया गया है है—

- ्की सम्भरण से हुई सिकडी बाय की बाबस कनत सिक-नियम के अभीन कार दोने के अंतरक की दायित्व मा कामी कारने या उससे बचने में स्विधा की लिए सिक्ड/वा
- (क) इंडी विक्री काथ वा किसी थय या कथ जाएएसी को, जिन्हों जारतीय जायकर जीपनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन- कर जीपनियम, वा धन- कर जीपनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा का या किया जावा चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म श्री पुरुषातम नाराधण दास मिरचंदानी, प्रोप्राइटर क्लीटचेन टक्सटाईल्स, मिल्स ।

(ग्रन्तरक्)

2. महर्म पीं० पीं० कण्ड एड, अलाईड इंडस्ट्रिज । (अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिख्य कार्यवाहिया श्रूक करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से, 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अर्थात्त युवार त्रधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में । प्राप्त के सकेगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिक्षितम की अध्याय 20-क में परिभाषित ता, बही अर्थ शामा आ उस अध्याय को दिया गया औ।

वन्सूची

यूनिट नं० 166 जो 1 लीं मंजिल, ए ट्र शेंड, इंडस्ट्रियल, इस्टेट, फार्युसन रोड, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

ग्रन्सू वी जैसा ि कम सं० ग्रई-1/37ईई/3562/54-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, पम्बई द्वारा दिनांक 6-9-84 को रजिस्टई किया गया है।

पीं० एन. दुबे सक्षम प्राधिकारीं⊱ सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, **बम्बई**

दिनांक 10-5-1985 मोहर : प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1,

बम्बई, दिनांक 10 मई, 1985

निदेश स० ए० ग्रार० /32ईई/2707/84-85---यतः मुझे गिं० एन० दुबे

मायकर विधिनयम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह किश्वाः करने कः कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 31, जो 4 थीं मंजिल, मिलन इंडस्ट्रियल, प्रिमायसेस को-आपरेटिव मोसायटीं आफ कोकरशीं शिवराज रोड, काटन ग्रींन (प०), बम्बई-33 है, तथा जो बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचीं में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम अ1961 की धारा 269 कख के ग्रधींन बम्बई स्थित सक्षम प्रिधिकारीं के कार्यालय में रजिस्टी है दिनांक 6-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास के का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य सं कम न प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निम्नलिखत के बास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निए; बार/या
- (ख) ऐसे किसी बाय या विस्ति का सा कत्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया प्रा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;
- ं बत्त बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिन व्यक्तियों, अर्थात :---

1. मैं भर्स ग्रविनाश प्रिन्टर्स।

(अन्तरक)

2. श्रीमतीं सरला दिनेश गोगारीं।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के क्वर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुकना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूर्व

यूनिट नं० 31, जो 4 थीं मंजिल, मिलन इंडस्ट्रियल प्रिमाइसेंस को-ग्रापरेटिच सोसायटीं, ग्राफ ठोकरशीं, जीवराज रोड, काटन ग्रीन (प०), बम्बई-33 में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि क्रम सं0 अई-I/37–ईई/2853/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6–9–84 भी रजिस्टर्ड किया गया ।

पीं० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I. बम्बई

दिनांक 10-5-1985 मोहर : प्ररूप आइ र.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

A SECTION AS A SECTION OF THE PERSON OF THE

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
पूर्वन रेज-.

वम्बई, दिनांक 10 मई, 1985

निदेग गं० ऋगी-1-32-ईई/2740/84-85--- प्रतः मुझे पीं० एन० दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जियकों सं० पलैट नं० 5, जो दि वरलीं भावेश्वर कोआपरेटिव. हाउिंग मोसायटीं 148 बी, एनीं बेझे ट रोड,
वरलीं, बम्बई-18 में स्थित है (और उस उपाबद्ध अनुसूचीं
में और जो पूर्ण रूप वर्णित है) और जियन उसरनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 एख के अधीन बम्बई
स्थित एक्षम प्राधिनारीं के भाषीलय में रजिस्ट्री है दिनांक
10-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विस्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल गे, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित्ती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उन्दिश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किंथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 डा० यणचन्त्र राघ े० दोलीं और श्रीमती तन्त्रितीं बाघ० दोणी।

(ग्रन्तःकः)

2: श्री यज्ञवन्त रे खिमजी वन्ता, और श्रीमती चयावेन, वारः वन्ता।

(थन:सिती)

3 अन्तरितयों ।

(यह अधिन, निस्के प्रधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्वेष्ट नं० 5, जो दिवरली भावेश्वर को-स्राप० हाउसिंग सोटायटीं, 148 वी. डा० एनी वेझंट रोड. वरली. वस्पई-18 में स्थित है।

अनम्बी जाँ ि क० गं० आई-ग/32ईई/3562/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 10-9-84को रिजस्टजर्ड विधा गया है।

> पीं० एए० दुवे ाक्षम प्राधिकारी सहायक क्रारणण क्रायुग्त (निरीक्षण) पर्वतरोजनी, सम्बद्ध

दिनांक 10-5-1985 सोहर : प्ररूप बाइ े टी एत ुप्त ु-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन तुचना

भारत सरकार

कार्वालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जनरेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई, 1985

निदेश सं० ग्राई-I/37ईई/2866/84- 85—-श्रतः मुझे पीं० एन० दुबे

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के विधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० औद्योगिक माला, यूनिट नं० 212, जो 2रीं मंजिल, अध्याक इंडस्ट्रियल इंस्टेट, सब हिंत कम्पाउन्ड, लोग्नर परेल, बम्बई-15 में है, तथा जो बम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधींन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारीं वार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 6-9-1984

की पूर्वोक्त संवत्ति का उचित बाचार मूल्य से कम के सवयान प्रतिफल के लिए और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का बंद्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच स्ते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित स्वयं से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक स्वयं से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों की जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चहिए था, छिपाने में स्थिया के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीतः, जिल्लासिन क्योंक्तयों, अर्थात् :--- 1. मैं सर्स प्रेसिशन टैक्टाईल, एण्ड इंजीनियरिंग कम्पानेवट्स प्रायवेट लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

८. श्रीं अमरतलाल उर्फ जिंदास जोथमल जैने कर्ता आफ: श्रीं अमरत लाल उर्फ जिंदास जथलमल, एस० यु० एफ० ।

(ग्रन्तरितीं)

को यह त्यना नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के तिए कार्यनाहिक करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नासेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवस्थि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवस्थि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों के से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का ताराख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः— इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

अधिकिक माला यूनिट नं ० 212जो 2 रीं मंजिल, श्रघ्यारू इंडपस्क्रकार्क्टस्टट, सन मिल कम्पाउन्ड, लोग्नर गरेल, बम्बई15 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्राई-I-37-ईई/3569/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारीं, बम्बई द्वारा, दिनांक 8-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पीं० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारीं सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज I, बम्बई

दिनां ह : 10-5-1985

मोहर

प्रस्य बाह् ुटी. एन ु एस .-------

माचकर किश्वित्यम्, 1961 (1961 का 43) की चारा 289-घ (1) के संधीन ब्यूनना

HITCH WITH

कार्यां स्य , सहायक जायकर वायकत (निरीक्षण) अजन रेंज-1 बम्बई,

वम्बई, दिनांक 10 मई, 1985

निदेश सं० आई-I/37 ईई/2879/84-85—अतः मुझे, पी० एन० दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिका ी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० गाला नं० 106, जो 1 लीं मंजिल, ए-2. इमारत. शहा एण्ड, नहार बहार इंडिन्ट्रियल इस्टेंट, लोअर परेल, बम्बई-13 है, तथा जो वम्बई-13 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्णरूप मे विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयवर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई, स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 5-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार शृल्य से कन के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिक्टास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम पाया मया प्रतिक्था कि विकास के बिक्त सक्तरण के सिए तम पाया मया प्रतिक्था के बीच एसे अन्तरण के सिए तम पाया मया प्रतिक्था के बीच तम्मिनिष्ठ उद्योग्य से स्वत्य बन्तरण कि विकास में वास्त्रिक क्या से स्वतिय स्वति स्वति के सिंदर से वास्त्रिक क्या से स्वतिय स्वति स्

- (क) कार एम से हुई हिम्मी बाव को बावत उपन विश्-नियम के बंधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने का उपने उपने में कृष्टिया के निष्टु विद्य/पा
- (क) एसी किसी मार्थ था किसी पत्र या कर्ने जिस्तित्तं को, विन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोकनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट तहीं किया गया ा या किया जाना शाहिए था, विश्वानों थीं सुनिबंधा के निए;

जतः वयः, उक्त विधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण भें में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्षित व्यक्तियों. अथातः— 1. श्री धनराज मिल्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री फिरोज फर्द्रजी मिनवती वाला, श्रीव
 - (2) झरीन फिरोस, मिनवती वाला।

(अन्तरिती)

को **यह सुचना चाउी करके प्राृशिस सम्प्**रित के नचन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हुई ।

तकत सम्बत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बासेष ---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में भूकाचन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर शूजना की तामील से 30 दिन की बनिध, को भी वर्षीय बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वादाह
- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्द्ध किसी अन्य प्रक्रित द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

क्ष्णांकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, भी प्रवाह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी कर्ष होना को उन्न तथाय में दिना नवा हैं।

वनु सुची

गाला नं० 106. जो । ली मंजिल, ए-2, इमारत, शहा एण्ड बहार इंडस्ट्रियल, इस्टेट, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-I/37-ईई/3570/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 5-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक 10-5-1985 मो**ह**र : प्रस्य बाई ही ह्रा छ्स .-----

बायकर बन्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यां सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अजन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांव 10 मई, 1985

निर्देश सं० ग्राई-1/37-ईई/3037/84-85---ग्रतः मुझे, पी० एन० द्वे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूस्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं०.104, जो वनगार्ड अपार्टमेन्ट्स को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 61, के० के० मार्ग ए) जैंकब सर्कल, वम्बई-11 में है तथा जो बम्बई-11 में स्थित है (ग्रांर इससे उपावद्ध अनुसूची और जो पूर्णरूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दि. क 6-9-1984

को पूर्वाक्त सम्पर्शित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तिस्ति की गई है और मुक्ते यह विद्रावस्ति करने का कारण है कि बंधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिकल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिकी (अन्तिरितयाँ) के बीच ऐसे अन्बरण के जिए क्या पाया नया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उच्छा अन्तरण कि जिए क्या पाया में बास्तिवृत्त रूप से कथित नहीं किया नया है है—

- (क) बन्तरण से हुर्द्ध किसी बाब की बाबत उबत अधि नियम के अधीन कहा दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था लिएन में सुनिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269 न के अनुकर्त कों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) की अधीन, निम्निशिक्षित व्यक्तियों, अधीत्:— श्रीमती नयना वि० शाही ग्रौर श्री विश्वेन कुमार एस० शहा।

(अन्तरक)

2. श्री विपिनकुमार भोगीलाल शहा।

(अन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्बद्धित को अर्थन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की बर्बीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिंकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पदों का, जो उक्त लिश्वनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित क्री, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया अक्षा हुने।

-

फ्लैट नं० 104, जो वनगार्ड अपार्मेन्ट्स, को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 61, के०, के० मार्ग (प०), जैकव सर्कल, बम्बई-11 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० आई-1/37-ईई/4320/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारौ, बम्बई द्वारा, दिनांक 6-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 10-5-1985 मोहर 🖫 प्ररूप कार्च . टी . एन . एस . पनन-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के सभीन स्चाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायकत (निरीक्षण) अर्जन रेज -1, वम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई, 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/3086/84-85---अतः मुझे पी० एन० दुबे

कायकर उधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2'69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 3. ग्रौर गैरेज, जो, सिस्मत पार्क को-आपरेटिव, हाउसिंग सोसाध्टी लिमिटेड, 81, वूडहाउस रोड, कुलाना, वस्वई-5 है, तथा जो वस्बई-5 में स्थित है ग्रौर इस उपावद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा आयक्षर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अवीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 6-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथायू वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार सूल्य, उसके हत्यमान अतिफल से एसे इश्यमान अतिफल का पन्दह प्रतिशत म अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और मन्तर्वारकी (अन्तर्वार्थकों) के बीज एसे सन्तर्थ के बिए तय स्वा गया प्रतिफस, विश्वासिक द्रवृद्धिय से उच्त अन्यरण निश्वत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया यथा है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्स जीभीनयम के बधीच कर देवे के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृषिधा को लिए, और/धा
- (क) ऐसी किसी वाव या किसी धन या वन्य वास्तिकों को जिन्हों भारतीय आवक्छ विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विकास जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थान् :---

मैसर्स कोमेट क्लिनर्स।

(अन्तरक)

2. दासवाद्वी इस्टेट, प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तिरिती)

3. मैसर्स कोमेट क्लिनर्स।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

का यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्बद्धि के अर्थन के सम्बन्ध म कोइ' भी वाक्षप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;

५४ स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीह सं १५ दिन के भोतर क्ट महार नहारित में हिंतबहुध २०३१ अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास रिकार के का इंगा

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जां उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हो, यही थां होता को उस अध्याय में विया

ग्रनुसूचीं

दुकान नं 3, ग्रौर गैरेज, जो किस्मत पार्क को-आप हाउसिंग मोस यटी, निभिटेड, वूडहाउस, रोड, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर मंर आई-1/37-ईई/3573/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 6-9-1984 को रिजम्टडं किया गया है।

पी०] एन० दुव सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1; बम्बई

दिनांक 10-5-1985 **मोहर** क्ष

प्ररूप बार्ड ुटी. एन. एस.-----

आयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को धारा 269-म् (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, **बम्बई**

बम्बई, दिनांक 10 मई, 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/3167/84-85---अतः मुझे पी० एन० दुबे

अप्युक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की भारा 269-269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य पूत्य, उभके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिक्यों) के बीच एसे एन्तरण के लिए तब गाया मना प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त जन्तरण लिखित स्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व जो कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अक्षत्र अव, उन्नत आधीनवम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्री महाबीर टैक्सटाईल मिल्स ।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री सुदेश नरसप्पा सालियन,
 - (2) श्री सुरज नरसप्पा, सालियन, ग्रौर
 - (3) मास्टर शरद नरसप्पा सालियन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उत्तन सगरित के बर्चन के रंबंध में कोई भी बाहरेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों ९९ सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्रारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अीरिवद्या के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया अया है।

अनुसूची

प्लैट नं 4, जो 2 री मंजिल, ग्राँर पार्कीन्ग, स्पेस, नं० 56 सी लार्ड प्रपार्टमेन्ट्स, "बी", कफ परेड बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं आई-1/37ईई/2991/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा, दिनांक 10-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 10-9-1985

गया है है---

त्रक्य बाएं. टी. एव. एस. -----

बावकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के वधीन क्ष्मना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन ऱेंज-1, बम्बई, बम्बई, दिनांक 10 मई, 1985

निदेश सं० आई-I/37-ईई/3780/84-85---अत[.] पी० एन० दुवे

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-इ भी अधीन सक्षम आधिकारी को, यह विश्वास करने का कारूण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भून्य 1,00,000/- रत. से अभिक है

ग्रीर जिलकी संवयुनिट नंव 1, जो 4 थी मंजिल, भारत चेंबर्स, ल्फीन्स्टन इस्टेट, बरोडा प्ट्रीट, बम्बई-9 है, तथा जो बम्बई-9 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और को पूर्व रूप व वर्णित है) और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कब के अधीन बम्बई स्थित

सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है विनांक 4-9-1984 को पूर्वित सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य स कम के अवमान गहर् है प्रतिफल के लिए बन्तरित की मुभ्ने यह विक्तास करने का कारण है पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल सं, एसं दरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उर्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबक उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए गौर/या
- ाहा एसी किसी जाय या किसी भन वा अन्य कास्तिको को. जिन्हुं भारतीय जाय-कर खीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बीधनियम, या क्षा-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्तारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा W TOO:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कं अर्थान, किन्नोलियत व्यक्तियों, अर्थात ह

1. मैसर्स एवं पी० ट्रान्सवार्ट।

(अन्तरक)

2 मैसर्स अग्रवाल करियमी, कारपोरेशन, आफ इंडिया। (अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनल सम्मण्डि के बर्जन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी, व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अविध बाद म समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस भूबरा के राजपह में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही कर्ष होगा, जा उस अध्याय में विका नवा है।

अनुसूची

म्लिट रंग् 1, मी । भी सामान, नारा चेंत्रर्स, प्लाट नंग 52-सी, ए स्कीतरवन इस्टेट, वरोड़ा, स्ट्रीट, बमबई-9 में स्थित है। अनुसूत्री नेपा कि कर संरु आई-1/37-ईई/3579/84-85 श्रीर तो निजन या वजारो, वस्वई द्वारा, ादनांक 4-9-1984 को रजिस्टई (क्या गया है।

> पी । एन ० दुवे, यतम प्राधिकारी ह यश्यक भायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

प्ररूप बाहै, टी. एन ु एस् पुन-स-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न्न (1) के बधीन सुचना

भारत हरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

वम्बई, दिनांक 10 मई, 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/3793/84-85—अतः मुझे पी० एन० दुबे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धाड़ा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति. जिसका उचित जाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से व्धिक हैं

ग्नौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 201/ए, जो 2री मंजिल, "ग्रजली अपार्टमेन्ट्स", फेंच, ब्रीज, आपेरा हाउस, वम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधील बम्बई रिथत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 4-9-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रीसक्त के जिए अंतरित की गई है और नुभे यह विश्वास करने का कारल है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिकृत से, ऐसे द्रयमान प्रतिकृत का पन्सह प्रक्रित से स्थिक है और अंतरक (अंदरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क न निम्नितिखा उद्देश्य से उक्त बंदारण निकास में नास्तिक क्य से किंग्य वहाँ किया क्या है

- (क) अन्तरण ते हुए निक्ती नाय की वावत , उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक औं शाक्तिय के कमी करने या उत्तव बचने में सुविधा से सिहर; शहि/या
- (क) ऐती किसी नाय वा किसी धन मा जन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत निधिनियम, बा अनकर निधिनियम, बा अनकर निधिनियम, बा अनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) ने प्रकारनार्थ बन्दिरती द्वारा प्रकट नहीं निया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में धर्म के के निया

जतः जब, उक्त विधिनियम की धारा 369-ग के जनसरण जो, जो. उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 1. राजा बिल्डर्स एण्ड इन्वेस्टमेन्ट्स प्रायवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- 2. श्री प्रतीक कोठार, ग्राँर श्री प्रदीप अग्रवाल। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त बन्दित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप् !--

- (क) इस ब्या में राज्यन में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की सनित्य ना तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों दर सूचना की तानीस से 30 दिन की जनिष, को भी सनित्यों में से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा !
- (ब) इस स्चना के राजपण हो। प्रकाशन की तार्राष्ट्र से 45 किन के शिवर उक्त स्थादर सम्बन्धि में हितबहुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्त हो किस का किस का सकता

स्यक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सर्विवय, के अध्याय 20-क में परिभारित्य हैं, बहुत अर्थ होगा को उस अध्याय में विश्व सवा है।

अन्स्ची

फ्लैट नं० 201/ए, जो 7वीं मंजिल, "ग्रंजली अपार्टमेन्ट्स", फ़ेंच ब्रीज, आपेरा, हाउस, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-1/37-ईई/3590/84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई, द्वारा, दिनांक 4-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक 10-5-1985 **बोहर इ** प्रकृष आहे. टी. ६४. युस्,-----

बायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

कारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
ार्जन रेंज-I, बम्बई
वम्बई, दिनांक 10 मई, 1985

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० डी/12, 1 ली मंजिल, काकड इस्टेट, 106, सी फेस रोड, बरली, बाबई-18 है, ल्था जो बग्दई-18 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसुची में ग्रोर जो पूर्ण रूप से बिणत है) ग्रौर जिस्ता ल्याप्तामा जावकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क्या के अधीन बग्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाक 10-9-1984

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कस्ते का कारण है कि यथायुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतन्तिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविधित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण स गुरु किसी भाग की बादस उन्से की भागित्यम की वाशीन कार दीने की जनसरक वे तिस्ता भी कारी शारित पारामा वाला में सुर्विकी को महारा: कीर/का
- (ब) इसी किसी अप या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे अबोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं जिल्हा यथा या किया जाना वाहिए था, डिप्स में सुनिक्धा के लिया।

अतः अतः, जन्स अधिनियम की धारा 260-ग क जन्सरण के, मी, जन्स जिभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमनिकी का व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्री म णबेन हरीराम राजानी।

(अन्तरक)

2 श्रीमती मोहिनी बाई प्लटचन्द जैन, और श्री जान क्द भाग्यमल जैन।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभीग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यशिहण करता हुं।

दक्त संपत्ति को कर्तन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ---

- (ए) एम ूनना ज नाजात से एकारन की तारीश के 45 दिन को कारीश एा क्यास्ताओं हार नितायों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर राजिए होंगों में के किया है पा हुए।
- (स) इस अवना की राजपत्र की निकास की निकास की किसी है 4.5 दिन की भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी कत्य व्यक्ति इवारा अधोहहताक्षरी के पास किसी को के किसी कार्य का किसी की साम

स्पष्टिकरण ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और उदों का, जो उक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही बधी सरोग को का शब्दाय में दिशा

उन्सूची

फ्लैट नं० डी/12, जो । ती मंजित, काक्छ इस्टेट, 106, सी० फेर्स रोड, वस्ली, वम्बई-18 में (स्थत है।

अनुसूची जैसा वि कि० सं० ाई-I/37 ईई/3714/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी तम्बई, द्वारा, दिनाक 10-9-1984 को रजिस्टई क्यिंगया है।

> पी० एन० दुबे सनम प्राधिकारी महायक संयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) वर्जन रोज-I, बम्बई

दिनांक 10-5-1985 मोहर : प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सर्य क आया पर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जा र्रेज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई, 1985

निर्देश सं० अई-I/37ईई/3806/84-85—अतः मुझे पी० एन० दुवे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्रीर जिनकी सं पर्तेष्ट तं 13, जो दि महेश्वर को - न्याप हार्जित सो पर्दी जिमिडेड, 246, सत्या (पूर्व), बम्बई-22 है तथा जो बम्बई 22 में स्थत है (म्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में म्रीर जो पूर्व का से विभाग है) म्रीर जिपका कर एम मा अत्याद राधि नयम, 1961 की आरा 269 इस के अधीर बम्बई स्थित साम प्राविष्ट री के कार्याज्य में रिजस्ट्री है दिनांक 10-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए'से दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचरे में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 21—116 GI|85

- 1. (1) श्री बन्सी गल भगवानदास कुवार जा.
 - (2) त्रीती तीतः, महेहः लाल, और
 - (3) श्रीमती चन्दा नंदालाल।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री शाद जाधत्रजी में थया, ग्रीर
 - (2) श्रीनती लाह्नत गरद शेव्या,।

(अन्तिरती)

3 अन्तरको ।

(वह व्यावता जन्न अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्दोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 13,जो दि महेश्वर को-आप० हार्टासग सोसायटी लि० 246, साया पूर्व, बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-I/37-ईई/3723/82-85 श्रीर जो सतम प्राधिदारी बम्दई द्वारा, दिनाक 10-9-1984 को रजिस्टर्ड विद्यागया है।

> पी० एन० दुबे संज्ञम जा धः।री सहःयक आयकर आयुक्त (िर्राक्षण) अर्जन रेंज-I, वस्बई

दिनांक 10-5-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

कापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण
श्रर्जन रेंज-I बम्बई
बम्बई, दिनांक 10 मई, 1985

निदेश सं० ग्रई- I/37ईई/3815/84-85:—-ग्रत मुझे, पी० एन० दुबे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके देश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिनकी संख्या पर्नेट नं० 1201, जो, 12वीं मंत्रिल, ग्रीर कार पार्जिंग स्पेंग, ग्राउण्ड फ्लोर, राजूल इमारत, "ए" विंग, 9 हार्कने र रोड, बम्बई-6 है, तथा जो बम्बई-6 में स्थित है (ग्रीर इम्मे उपावड अनुमुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगि है), ग्रीर जिनका करारनामा ग्रायपर ग्रिधिनियम, 1961 को धारा 269 क ख के ग्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधि गरी के कार्यालय में रखी गई है तारीख 10 जितम्बर, 1984।

को पर्योक्त भम्पीत के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह िश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रहू प्रतिकृत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंटिंगियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निल कित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (ज) अन्तरण में हर्ष निमी आय की बाबन, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दःगित्व भे कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; अर्थिन्या
- (स) एसी िकी आय गा किसी इन या अन्य आस्तियों वो, कि ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इक्तर अधिनियम, या इक्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ उन्तरिती दगारा प्रकट नहीं किया गया था गा किया काना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अटः अतः अक्त क्षितिसम्म की धारा २६०-ग के अनसरण में, में, उबत अधितियम की धारा २६०-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, क्ष्यीत :—

- (1) श्रो संगतमल केपार मन हिंगड
- (2) श्रामता मिंग संग्रालान हिंगड, ग्रीर (3) श्रो नरेश संपतमल हिंगड।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती वासूमित फकेरचन्द,
 श्रीर श्रामता धाराना चेतन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीटर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्रारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

ग्रनुसूची

फ्लैंट तं० 1201, जो 12 वी मंशिल, छैर कार पासि स्पेत, प्राउण्ड फ्रोर, राजूल इमारत, "ए" विंग, 9, हार्कनेस, रोड, बम्बई-6 में िथत है।

श्चन्त्ची जैंग ि कि के सं श्रिष्ट्-!/37ईई/3731/84-85 श्रीर जो पक्षम प्राधिारी बम्बई द्वारा दिब्रांक 10-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० द्बे, सक्षम प्राधिारी, सहायक ग्रायकर ग्रायवत (निर्देक्षण) ग्रजन रेंज-I, बस्बई

तारीख: 10-5-1985

प्रकव बाइं. टी एन. एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत बरकार

कार्बाबव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज-I बस्वई

बम्बई, दिनांक 3 मई, 1985

निदेश स० मई-I/37ईई/3818/84-85:--- मतः मुझे, पी० एन० दुवे,

बावकर किथानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस्के पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षत्र प्रधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जिला संख्या आफित नं० 338 जो, 3री मंतिल, हिन्द राजस्थान डिपार्टमेंटल सेंटर, 95, दादा साहेट फ लके रोड, दादर (मध्य रेलवे) बम्बई-14 है तथा जो बम्बई-14 में स्थित है (और इल्ले उपावद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से बिगत है), और जिला करारनामा आयार अधिनियम, 1961 को धारा 269 कख के अधीन बम्बई थित सक्षम अधि रित के वार्यालय में रिलस्ट्री है, तार्र ख

को पूर्वोक्त सपौत्त को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रातिफल के लिए अन्तरित की नई है और मृक्षे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एवं क्रयमान प्रतिफल का विश्व क्रयमान प्रतिफल का विश्व प्रतिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और कन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पावा चवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निखित वै वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया नया है:—

- (क) बज्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त बॉर्थानवन के नधीन कर दन के जन्तरक के शायित्व में कमी करण वा उससे दणन में बृष्धि। के लिए, और/या
- ्क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2.7) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपान में क्षावधा के सिए;

अतः अव, उक्त आधाँनयम की भारा 269-ग क अनुसरण में है उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री ए० सी० सेठ ' (एच० यू० एफ०)

(ग्रन्तरक)

2. मै तसं स्वास्तिक रोलिंग शट्टर्स एण्ड इजी विर्पिरंग वर्क्स ।

(भ्रन्तरिती)

की बक्क भ्यमा धारी करके वृबोंक्य सम्पत्ति के वर्षन् के निष् कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं
 45 दिन की जनिथ या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ दर
 स्थान की तामील से 30 दिन की जनिथ, को भी
 अर्थाध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में हैं किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस स्थान के राषपत्र में त्रकाशन की तारील वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबद्ध किमी अन्य स्थित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोगें।

स्पष्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अधे होगा का उस्त अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

श्राफित नं० 338, जो, 3री मंजिल, हिन्द राजस्थान डितार्टनेंटल सेंटर, 95, दारा पाहेब फालके रोड, दादर (मध्य रेलबे) बम्बई-14 में स्थित है।

श्रातुत्वो जै।। कि ऋ०सं० श्राई-I/37ईई/3734/84-85श्रीर जो । अन गाबि गरो, बम्बई द्वारा दिनांक 10-9-84 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुब सक्षम प्रधिारी सहायक श्रायकर श्राय्वत (िर्रक्षण) ग्रर्जन रेंज-! बम्बई

तारीख: 3-5-1984

मोहर 🚁

प्ररूप बाईं. टी. एन्. एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-[बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई, 1985

सं० ग्रई-I/37ईई/3819/84-85:—यतः मुझे, पी० एन० दुवे,

आयकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिन्हां संख्या स्राफिन नं० 340, जो, 3 री मंदिल. हिन्द राजस्थान डिनर्टमेंटल सेंटर, 95, दादा साहेब फालके मार्ग, दादर (मध्य रेलबे), बम्बई—14 में है तथा जो बम्बई—14 में िथत है (स्रौर इन्से उपाबद्ध स्नमुस्ची में स्रौर पूर्ण रूप से बिगत है), और जित्रहा करारनामा स्रायहर स्रिधितयम, 1961 की धारा 269 कख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधितरों के कार्यालयमें रिजिस्ट्री है, तारीख 10—9—1984 का पूर्वोक्त सपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रातफल के लिए अन्तरित की गई है और प्रभेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके दश्यमान पितफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्त स अधिक है और अतरक (अतरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण क लए तय पाया मया प्रतिफल, निम्निचित उद्दर्श्य से उद्देश अन्तरण निया प्रतिफल, निम्निचित उद्दर्श्य से उद्देश अन्तरण निया मया प्रतिफल, निम्निचित उद्दर्श्य से उद्देश अन्तरण निया मया प्रतिफल, निम्निचित उद्दर्श्य से उद्देश अन्तरण निया स्था में वास्तीवक रूप से काथत नहीं किया गय, है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बाधिनियम के बंधीन कर दोने के बन्तरक बी दायित्व में कामी करन या उसस बचन में सूबिधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए:

बत: ला, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अ्थृक्ति :----

1. श्रीमतो मंजुना ऋनिल शेठ ।

(अन्तरक)

 मैतमं स्वास्तिक रोलिंग जर्टम एण्ड इंजीनियरिंग वर्का।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अर्घाध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगित्त में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टि करण: --- इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में गिर्भाषित है, वहों अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूर्चा

ग्राफित नं० 340, जो, 3 री मंजिल, हिन्द राजस्थान डिपार्टमेंटस सेंटर, 95, दादा साहेव फालके मार्ग, दादर (मध्य रेलवे), बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूची जैगा कि कम सं० अई-1/37ईई/3735/84-85 और जो सज़म प्राधि गरा, बम्बई द्वारा दिनांक 10-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० न० दुबे सक्षम गिधाःगरीः सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (१ रःक्षण), ग्रर्जन रेंज-, बस्बई

तारीख: 10-5-1985

मोहरू 👙

प्ररूप नाईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज 1 बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

सं० ग्रई-1/37ईई/3820/84-85:—-श्रत मुझे, पी० एन० दुवे,

आयकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जितको संख्या यूनिट नं० 313, जो 3री मंजिल, शहा एण्ड बहार इण्डिस्ट्रियल इस्टेट ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड, लोग्रर परेल, बम्बई-13 में है तथा जो बम्बई 13 में स्थित है (ग्रौर इतसे उपाबद्ध ग्रनस्र्च: मे ग्रंर पूर्ण रूप से वींगत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रध-नियम, 1961 की धारा 269 कख के अर्धान स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तार्र.ख 10-9-84. को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान **ਕਿए** अन्तरित की गह मुभौ यह विष्यास करने का कि कारण £, सम्पत्ति का उच्ति बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं., एसे इत्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ए'से अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया ₹ :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आरि/या
- (ब) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर िधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्व के अन्सरण में, में, सक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (;) के अधीन, निम्नलिकिन व्यक्तियों, अर्थात् :— 1 श्री शहा एण्ड बहार असो दियेटस।

(ग्रन्तरक)

2. मै तर्स ज्युलियट प्रोडक्टस ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उल्ला अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषि॥ है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स् ची

यूतिट नं० 313, जो, 3 री मंजिल, शाहा एण्ड बहार इण्डिस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड, लोग्नर परेल, बमबई-13 में स्थित है।

श्रवुत्रो जै।। कि क सं० श्रई-1/37ईई/3737/84-85 श्रोर जो अभन शिवजरो, बम्बई द्वारा दिनांक 16-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्वर्जन रेंज-I,बम्बई

तारीख: 10-5-1985

प्ररूप गाइं.टी.एन.एस.-----

चायकर लिभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के लिभीन सूचना

भारत बरकात

कार्यांसय सहायक आवकर आय्क्स (निरीक्षण) सहायक आयकर आपुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज 1 बम्बई

बग्बई, दिनांक 3 मई, 1985

निर्देश सं० अई-1, 37ईई_। 3821, 84-85:---यतः मुझे, पी० एन० दुवे,

बावकर वाधानयस्, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसक पण्यात् 'उक्त वाधानयम' क्या नया हैं), की धार्थ 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या यूनिट नं० 270, जो, 2 री मंजिल, शहा एण्ड बहार रण्ड स्ट्रयल इस्टेट ए-2, एस० के मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 है तय जो बम्बई-13 में स्थत है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुपूची में ग्रीर पूणं रूप से वणित है), श्रीर जिसका करानामा अत्यक्तर अधानयम, 1961 की धारा 269 कख के अशीन बम्बई स्थत सज्ञम प्राधकारी के कार्यालय में र जस्ट्रा है, ताराख 10-9-1985

का प्याक्त सपात्त क डाचत बाबार मृत्य त कम 4 क्यमान वित्यक्त को लिए अर्तारत की नद्दं हैं और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि वथाप्वोंक्य सम्मित्त का सायत बाबार नृत्य स्मक दश्यमान प्रांतफल स, एस स्वयमान प्रतिफल का पन्तद्दं वीतशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्या) क बीच एवं अन्तरण के निए तथ वावा नया बाहफल, निम्नतिचित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण विविद्य में वास्तायक रूप स कायत नहीं किया नवा हैं म्ल्ल

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधीनयम के अधीन कर दन के बन्तरक के बायित्व में कमी करन यः उसस बचने में सुविधा अ निष्, बरि∕या
- (ख) एसं किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्सियी को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वें प्रयाजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान में सुविधा के अवदः

बत: बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. महा एण्ड बहार एतो सर्टस।

(अःतरक)

2. काशि प्रसाद कपाडिया।

(अत.रती)

को यह स्थाना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही सूरू कारता हु।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षण :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियाँ पद स्वना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिख-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकरी।

स्पच्छीकरण:---इम्मं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिश है बही अर्थ हाया जो उस अध्याय म दिशा युका है।

प्रनुस्ची

यू नट नं० 270, जो, 2 री मंजिल, शहा एण्ड बहार इण्ड स्ट्रयल इस्टेंट ए-2, एस० के मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में 100

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-1,37ईई,3738,84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधकारी, बम्बई इ.रा दिनांक 10-9-84 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० ए० दुवे, सक्षम प्राधिकारी, सद्घायक आयक्तर आनुकत नरीक्षण अनन रेंज 1 बम्बर्

तारीख: 3-5-1985

योहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर उधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई, 1985

सं० अई-1,37ईई,3822,84-85:---यत मुझे, पी० एन० दुवे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्याके परण स् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 169-स है अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्नीर जिसकी संख्या य तट नं० 238, जो, 2 री मंजिल शहा एण्ड बहार इण्ड स्ट्रप्टल इस्टेट, ए-2, एस० जे० मार्ग लोअर परेल, बम्बई-13 है तय जो बम्बई-13 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है, श्रीर जिसका करारनामा अयहर अधित्यम, 1962 की धरा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-9-1984।

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास "रने का कारण है

कि एथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से उधिक है और अंतरिक (अंतरितियों) के शिव एमें अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिख उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के क्षीन कर दोरे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मी सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिनी देशरा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, तकन अधिनियम की धारा २६०-ग के अनमरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा २६०-घ की उपधारा (1) की अधीर, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. शहा एण्ड बहार एसो समेटस।

(अन्तरक)

2. त्रिमूर्ति आर्ट प्रिन्स्टर्स ।

(अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जरे भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यृ न्ट नं० 238, जो, 3री मंजिल, शहा एण्ड बहार इण्डिस्ट्रियल इस्टेट, ए-2, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अन्रूची जैसा कि क सं० अई-1/37ईई/3739/84-85 ग्रॅं.र जो सक्षम प्रधिरारी, बम्बई द्वारा । दनांक <math>10-9-84को रहिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्रविकारी सहायक आयकर आयुक्त (नरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बस्बई

तारीख: 3-5-1985

प्रकच बाह्य ही एवं. एखं.--

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुधन।

मारत सरकार्

कार्यालय, सहायक आगक्त आगक्त (निरक्षिण) अर्जन -रेंज1 बम्बई वंबई दितंक 10 मई, 1985 सं० अई-1/37ईई/3823/84-85:---अतः मुझे, पी० एन० दुबे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या य निट नं० 145, जो, 1ली मंजिल, गहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, एस० जे ० मार्ग लोअर परेल, बस्बई है तथ जो बस्बई में स्थान है (और इससे उपावद्ध अनुपूषा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणा है ग्रीर रिजर्ट्रावर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अवधिनयम 1961 की धरा 269 क, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्रवाधकारी के कार्यालय में राजस्ट्रा है तारीख 10-9-1984

का पृथाक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मृन्य र कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करन का कारण ह कि यथाप्वाक्त सम्पात्त का उचित बाजार मृन्य, उसक दश्यमान प्रतिफल सं, एस दश्यमान प्रतिफल का प्राह प्रतिशत स अधिक है और अतरक (अतरकां) और अतरिती (बतारातया) क बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप स काथत नहां किया गया है :—

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाय की बायत उक्त बाध-नियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व संकमी करन या उसस बचन मं स्विधा का लिए; बार/बा
- (क) एंडी किसी बाय या किसी धन वा बन्य बास्तिर्दों को, जिन्ह भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रही किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपान में सूचिधा के लिए;

'शत अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण् भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) वे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. शहा एण्ड नहार एसो सयेटस!

(अन्तरक)

2. मधुबेन बाबूभ,ई फैमिली ट्रस्ट।

(अन्त.रती)

को नम् वृष्या बारी करके पृश्वित सम्पृत्ति के बर्बन के सिए कार्यवाहिया शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के दर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बास्रोपानः

- (क) इस त्यना के राज्यन में प्रकासन की तारीय से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया दर सूचना की तामील स 30 दिन की सन्ति स को भी सन्ति वाद में समाप्त हाती हा, के भातर पृत्तिक व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस क्षता के रावपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवदृष्ट्र किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाइ लिखत म किए वा सकाग ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 145, जो, 1ली मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्ड स्ट्रयल इस्टेट ए-1, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-3 में स्थित हैं।

अनुरूची जैसा क क सं० अई-1/37ईई 3740 84-85 क्रीर जो सक्षम प्र. धकारी, बर्म ई द्वारा दिनां क 10-9-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सज्जा प्रार्धिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 10-5-1985

प्ररूप बाई ुटी एन प्स . ---- ---

क्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

वम्बई, दिनांक 10 मई, 1985 निर्देश सं० अई-1,37ईई,3824,84-85:--अतः मुझे,पी० एन० दुबे,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

जिसकी संख्या यूनिट नं० 239, जो, 2री मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एस० जे० मार्ग लोअर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है,) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बंम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-9-1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान भितिकल के लिए बंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किलिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाय्तिय में कमी करते या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957) का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 22—116 GI 85

1. शहा एण्ड नहार एसोसियेटस।

(अन्तरक)

 श्री सुरेश गोर्धन दास पंजाबी, मोहंन गोर्धन दास पंजाबी ग्रीर गोर्धन दास मेव राज पंजाबी।

(अन्त रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँग।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 239, जो, 2 री मं ℓ जल, शहा एन्ड नहार इण्डिस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-1,37ईई,3741/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बंम्बई द्वारा दिनांक 10-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे तता प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बंम्बई

तारीख: 10-5-1985

मोह्

प्ररूप बाई.दी.एन.एस.-----

आय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्गालग, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदश सं० अई-1/37ईई/3825/84-85:—अत मुझे, पी० एन० दुबे,

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की जारा 269-स वं अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या यूनिट नं० 455, जो, 4थीं मंजिल, ग्रहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल. इस्टेट ए-1, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, वम्बई-13 है तथा जो वम्बई-13 में रिथत है (ग्रौर इसके उपावद्ध अनुसूची मेंग्रौर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के कार्यालय, ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 10-9-1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकाल के तिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कमरण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकाल से, एमें द्रश्यमान प्रतिकाल के पम्ब्रह प्रतिकात से विधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबस, उच्चत साधिनियम के अधीन कर दोने के कन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; भार/या
- (भ) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य शिस्तिवों को, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, वा धनकर विधिनयम, वा धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के फिए;

उत: अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के क्नसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, बचीत् :--- 1. शहा एण्ड नहार एसोसियेटस।

(अन्तरक)

2. अजय भारतीय (एज प्रमोटर फार) मोड एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (प्रपोज्ड)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाश्रेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की ताजील से 30 दिन की अविंध, जो और अविंध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिश के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिजित में किए जा सकरेंगे।

नन्स् ची

यूनिट नं० 455, जो, 4 थी मंजिल शहा एण्ड बहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-1, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई 13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-1/37ईई/3742/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-9-84 को रिजस्टिं किया गया है।

पी० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

में हर:

प्रका बाइ .टी.एन.एस.

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातव, सहायक बावकर बायुक्त (विद्रौक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 **म**ई 1985

निर्देश एं० अई-1/37ईई/3826/84-85:--अत मुझे,पी० एन० दुबे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिकका जीवत बाचार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या यूनिट नं० 242, जो, 2री मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मित्स कम्पाउण्ड एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-9-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के ध्रमकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), अहु अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए उथा पामा गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिसित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तेर्ण संहुई किसी बाय की बाबत, उथ्थ बिधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; बौर/या
- (च) एसी किसी जाज या किसी धन या जन्य जास्तिकों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म् के अनुसरण भे, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :--- 1. शहा एण्ड नहार एसोसियेटस।

(अन्तरक)

2 श्री के० के० प्राडक्टस

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स संपत्ति के वर्जन के लिए कार्ववाहियां सुरू करता हुए।

उन्त सम्बद्धि के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस बुजान को ज़जनन में प्रकाशन की वारीख हैं 45 दिन की जनिथ ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पढ़ बुजान की वाणील से 30 दिन की जनिथ, को अधि अधीं बाद में समझ्त होती हो, को भीतार पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाकन की तारीख हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्पत्ति में हितबद्ध किखी वस्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में वि.ए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गण है।

श्रनुसूची

यूनिट नं० 242, जो, 2 री मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-2, बनाज मिल्स कम्पाउण्ड, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसः कि क सं० अई-1/37ईई/3743/84-85 ग्रींर जो सजन प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 3-5-1985

मोहरु 🖫

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्का (किरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बंग्बई, दिलांग 3 मई 1985

निर्देश सं > अई-1/37ईई/3827/84-85'--अत: मुझे, पी० एन० दबे.

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को बहु विश्वास करने का बारण है कि स्थावर समात्ति, शिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

स्रोर जिसकी संख्या यूनिय नं० 207, जो. 2री मंजिल, सहार एण्ड नहार इण्डांपूयन इस्टेट ए-2, धनराज मिल कम्पाउण्ड एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 हैं तथा जो बम्बई-13 में रियत हैं (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, स्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 260 केख के अधीन बंम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 10-9-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य बं कम के क्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और बुकों यह निश्वास करने कम कमरण है कि यथा पूर्वोक्त कंपति कम खिल्र नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिचल से बिक्क हैं और अंतरिक (अंतरिकों) को बोच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निकिशक उच्चेय से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्त्रिक इन्य से अविक नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत बाधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक थे दायित्व में क्मी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्निलिखित व्यक्तियों, सर्थाच् :---

1. घाटा एण्ड नहार एसोसियेटस।

(भ्रन्तरक)

2. श्री विनोद व्होरा।

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की जनिक या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तानीच से 30 दिन की जनिक, आरं भी जमिश बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए चा सकोंगे।

स्पच्टीकरणः इसमें प्रयुक्त कट्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया ही।

वनुसूची

यूनिट नं० 207, जो, 2 री मंजिल, भ्रहा एण्ड नहार इण्ड हेरूवल इस्टेट ए०-2, धनराज मिल कम्पाउण्ड, एस० जे० मार्ग, लोजर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसची जैसा कि क सं० अई-1/37ईई/3744/84-85 श्रीर जो समम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-9-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 3-5-1985

महेर:

प्रस्त बाई : टी : प्र. एष : क्रान्य

बावकर विश्वित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के वृशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई, 1985

निर्देश सं० ५ई-1/37ईई/3833/84-85:—अत; मुझे, पी० एन० दुबे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या पलट नं० 9, जो 2री मंजिल, 72 भारतीय भवन, मरीन डाइव. बम्बई—20 में है तथा जो बम्बई—20 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सन्नम प्राधिकारी के कार्यालय में स्थित है तारीख 10-9-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के स्वयंगाय प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संधापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके स्वयंगान प्रतिफल से, एस स्वयंगान प्रतिफल सा विश्व स्वयं स्वय

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा कें किए; क्योर्/बा
- (ख) एसी किसी अन्य गा किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए:

थतः बब, उसत अधिनियम की भारा 269-म के अन्तरम मों, मों, उसत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ह

- 1 श्रीमती मतोरमा चित्भाई शेठ,
 - 2. श्री कस्तूरी भाई चिन्भाई शेठ,
 - 3. श्री अश्विन चिनूभाई शेठ,
 - 4. श्री अम्ब्रीश चिनुभाई शेठ,
 - श्री आनन्द चिन्भाई शेठ ग्रीर
 - 6. श्रीमती अंजना महेन्द्र भाई शहा।

(अन्तरक)

- 2. श्री श्रीत्रकाश नथुमल सोमानी,
 - 2. श्रीमती राजकमल श्री प्रकाश सोमानी श्रीर
 - 3. श्री प्रकाश गौतम, एच० यू० एफ०

(अन्तरिती)

- 3. श्रीमती मनोरमा सी० सेठ श्रीर
 - .2 श्री आनन्द चिन्भाई शेठ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग से सम्पत्ति है)

- 4. 1. निहार कस्तूर भाई शेठ (मायन्र),
 - 2. वैद्येही कस्तूरभाई शेठ (मायनर),
 - 3. अजय अम्ब्रीश शेठ (इनर),
 - 4. जक्षय अम्ब्रीश शेठ (मायनर,)
 - श्रीमती अक्षा मिटतेश शहा,
 - 6. कमारी कीना मेहन्द्र शहा
 - 7. राकेश आंश्वन शेठ ग्राँर
 - 8. दिनेश अश्विन शेठ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह संस्पत्ति में हितबद्ध है।

का यह स्थान कारी करके पृवांक्त संप्रित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाशंप .--

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की जनिश्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिन्छित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्यी

प्वैट नं० 9 जो 2 री मंजिन, 72, भारतीय भवन प्रिमायसेस को-ओप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, मरीन डूइव्ह, बम्बई-20 में स्थित है

अनुसूची जैसाकी सं० अई-1/37ईई/3751/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा िनांग्न 10-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

मोहर

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सस्कार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सई 1985

निदेश सं० अई-1/37ईई/3835/84-85:—स्रतः मुझे, पी० एन० दुबे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या दुकान नं० 13, जो, ग्रोम चैम्बर्स, ग्रोम कार्नर, वम्बई—36 है, तथा जो वम्बई—36 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 10-9-1984

का पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी बाय की बातत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिज् के लिए कीर या
- (क) ऐसी किसी काम या किसी भन या कन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय नाय-कर निभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनयम, या भन-कर जिथिनायम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय। का या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा सिक्षा के सिए,

बतः बदः, सक्त वीधनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्निवृद्धित व्यक्तियों, वर्षात् :—— कुमारी ए० एस० चौहान, श्री तुषार एस० चौहान, ग्रौर श्री किरीट एस० चौहान।

(अन्तरक)

2. भैसर्स वेस्ट कास्ट बिल्डर्स प्राइवेट लि॰। (ग्रन्तरितीं)

को यह स्कना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लि। कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

ग्रनुसूची

दुकान नं० 13, जो, श्रोम चेम्बर्स, श्रोम कार्नर, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क॰ सं॰ अई-1/37 ईई/3752/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-1-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे; दक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्नायक्त (विरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-5-85

मोडर 🗈

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-1/3'7ईई/3846/84-85:--अतः मुझे, पी० एन० द्वें,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या यूनिट नं० 10, जो, 4थीं मंजिल, भारत चेम्बर्स, प्लाट नं० 52 सी, एल्फीन्स्टन इस्टेंट, बरोडा स्ट्रीट, बम्बई-9 है, तथा जो बम्बई-9 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है),ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है, तारीख 10-9-1984

को प्वेंक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम् वाया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी जाय की शावत., उक्स जीर्थानयम के जभीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा की लिए; जीर/या
- (क) एसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम,, या धन- कर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) छे अयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के निए;

चतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्निक्षित व्यक्तिकों, वर्षात् क्

1. मैसर्स शितल वेयर हाउसिंग कम्पनी।

(अन्तरक)

2. मैसर्स बाम्बे गुडस फाइट केरीआर्स।

(अन्तरिती)

को यह स्चना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के बिए कार्यवाहियां कुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध. जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद् किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति म किए जा सकोंगे।

स्वच्छिक्द्रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

वयसर्व

यूनिट नं 10, जो, 4थी मंजिल, भारत चेम्बर्स, प्लाट नं 52 सी, एल्फीन्स्टन इस्टेट, बरोडा स्ट्रीट, बम्बई—9 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० 1/37ईई/3755/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 10-5-85

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्जई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देण सं० अई-1/37ईई/3847/84-85:--यत: मुझे, पी० एन० दुबे,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्रत शिंधनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गांबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या यूनिट नं० 11, जो, 4थीं मंजिल, भारत चेम्बर्स, प्लाट न० 52 सी, एल्फीन्य्टन इस्टेट, बरोडा, स्ट्रीट, बम्बई-9 है तथा जो बम्बई-9 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 10-9-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण विश्वत में बन्दरित कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दामित्व में कमी करने या उसम बनारे में मुनिधा के तिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उकः अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मैसर्स सी० ट्रांसवेज।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स रोड ट्रांसपोर्ट केरीयर्स।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स**45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यवित द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यन्सूची

यूनिट नं० 11, 4थी मंजिल, भारत चैम्बर्स, प्लाट नं० 52 सी, एल्फीन्स्टन इस्टेट, बरोडा. स्ट्रीट, बम्बई-9 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० स० अई-1/37ईई/3756/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-9-84 की रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 10-5-1985

मोहर .

प्रस्प बाइ .टी.एन.एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्वेक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई, 1985

निर्देश सं० अई-1/37ईई/3849/84-85:—यत मुझे, पी० एन० दुबे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या यूनिट नं० 323 बी, जो, 3 री मंजिल शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-1, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (स्रौर इससे उनाबद्ध अनुसूची में स्रौर पृर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 10-9-1984

को प्रबोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्र्यमान प्रतिफल से एसे ख्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है बीर बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक का में किथा नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण संहुदं किसी बाय की बाबत, उत्तर बिधीनयम के जधीन कर दोने को बन्तरक के स्वियत्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के निगा: बारि/मा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1' के अधीन विम्निलिश्वित व्यक्तियों, वर्षात् :---

23_116GI|85

1. शहा एण्ड नहार एसोसियेटस।

(अन्तरक)

2. श्री रेनबो इन्टरप्राइजेज।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवर वस है।

अनुसूची

यूनिट नं० 323 बी, जो 3री मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डिस्ट्रियल इस्टेंट ए०-1, एम० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर्नि अई-1,37ईई,3759,84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 10-5-1985

मोहर अ

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-1, बम्बई

वम्बई. दिनांक 10 मई, 1985

निर्देश सं० ग्रर्ट-1/37ईई/3851/84-85:—यतः मुझे, गी० एन० दुवे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00.000/-35. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लेट नं० 302, जो, 3री मंजिल, भवानी काम्मलेकप, रमारत "ए", भवानी ग्रंकर रोड, दादर, बम्बई 28 है तथा जो ग्रम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनायम 1961 की धारा 2 कि कख के ग्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 10-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान जिनक के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार रूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातः

1. श्री हैमन्त जयमुख लाल गांधी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री हस्तीमल ननमल शहा ग्रौर श्रीमती पार्वती हस्तीम शहा।

(ग्रन्तिशती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

मनुमूची

पलैट नं० 302, जो, 3 री मंजिल, इमारत ए, भवानी काम्पलेक्स, भवानी शैंकर रोड, दादर, बम्बई-28 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि ऋ०सं० प्रई-1/37ईई/3761/84- 85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, व वई द्वारा दिनांक 10-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारी; महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिन क : 10-5-1985

मोहर 👙

प्रका बाइ द दी. इन. एवं.....

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के बधीन सूचना

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निर्धिष)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-1/37ईई/3855/84-85:--यत मुझे, पी० एन० दुवे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या यूनिट नं० 441, जो, 421 मंजिल, शहा एण्ड नहार इंण्डिस्ट्रियल इस्टेट, ए०-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड, सीताराम जाधव मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रिधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 10-9-1984।

को पूर्वी स्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए उस पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बतरण संहुई किसी बाय की बाबस, उक्त बरियनियम के अधीन कार दोने के बतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष् और या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा क निए;

कत. श्रेंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण है, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है अधीन. निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात है—

1. शहा एण्ड नहार एसोसिएटस।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स करसनदास एक्सपोटर्स।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ब्वधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के स्वपृत्र में प्रकाशन की तार्ींच से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवदृष्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किस वा सकोंगे।

न्यक्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उकर. अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 441, जो, 4 थी मंजिल, ग्रहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड, सीताराम जाधव मार्ग, लोग्रर परेल, वम्बई-1.3 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं अई 1/37ईई/3763/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 10-4-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे, सूक्षम् प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 10-5-1984

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, त्रस्वई

वम्बई, दिनांक 3 मई, 1985

निर्देश सं० श्र $\frac{5}{1}$ $\frac{1}{37}$ ईई $\frac{1}{3856}$ $\frac{84-85}{-85}$ --- श्रतः मुझे, पी० एन० दवे.

बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हाँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या यूनिट नं० 218. जो, 2री मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए—1, एस० जे० मार्ग, लोग्नर परेल बम्बई—13 है तथा जो बम्बई—13 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री क्ली श्रिधकारी के सार्थालय श्रौर जिस्ता करारनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 क्ख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 10—9—1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उनित वाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल्नीम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क' बन्तरण से हुन्हें किसी आय की बाबस, उक्त लिधिनियम के अधीर कर दोने के अधिरक के दामित्व मो कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंबी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपान में मुस्था के लिए;

वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री भहा एण्ड नहार एमोपियेटस।

(अन्तरक)

2. मैसर्स टैक्सटाइल वूड एण्ड इंजिनियरिंग वर्क्स। (स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती दुरं, हो शीसर धूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन को नारीख हैं 45 दिन को भीतर उक्त त्थावर सम्पत्ति में हित्रहर्ण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास निविद्य में किए जा सकोगे

स्मध्दिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दां अरे पदो का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

यूनिट नं० 218, जो, 2 री मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-1, एस० जे० मार्ग, लोग्रर परेल, वम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ०सं० श्रई-1/37ईई/3765/84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 10-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, वस्वई

तारीख: 3-5-1985

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कःयांलय, सहायक बायकर बायक्त (निर्क्षिण)

ग्रर्जन रेंज-1; बम्बई

वम्बई, दिनांक 10 मई, 1985

निर्देश सं० प्रई-3/37ईई/3867/84-85:---ग्रतः मुझे, भी० एन० दबे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 53, जो, 5वी मंजिल, ब्लाक, नं० 8, श्याम निवास, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई—26 है तथा जो बम्बई—26 में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप स वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिकाम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 15—9—1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत में बस्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बतः जस, उक्त अधिनियम की धारा 269-स के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- ।. श्रोमती रानी वी॰ भाटिया।

(ग्रन्तरक)

2. श्री प्रकाश एम० सखरानी।

(ग्रन्तरिती)

3 भ्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यक्ष 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 53 जो 5वी मंजिल ब्लॉक नं० 8 श्याम निवास, भुलाभाई देसाई रोड. बम्बई-26 में स्थित है। ग्रनुसूचों जैसा कि ऋ०सं० ग्रई०1/37ईई/3939/84-85 और जो सक्षम प्राविजरी, बम्बई द्वारा दिनाक 15-9-84 की रिजस्टई िया गया है।

> पीं० एन० दुवे, नक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

नारीख 10-5-1985 मोहर प्ररूप बाइं, टी. एन. एस.-----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर यापूर ारीक्षण) श्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/3869/84-85---ग्रतः मुझे, भी०एन० दुबे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उवित बाजार मृन्म 1,00,000/- रहा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० ग्राफिस नं 91ए जो मित्तल कोर्ट नरीमन पाइंट बम्बई-21 है तथा जो बम्बई-21 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधि-कारी के कार्यालय और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 का ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सश्चम ग्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 15-9-84

शो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार धृल्य, उनके रज्यमान पित्यान से, एने रज्यमार पित्यान का प्रमुह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत विम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिबक अभ से की थत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-निवम के अधीन कर दीने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या आ या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए:

क्तः वय, उक्त विधिनियम, की धारा 269-व के बनुबरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बनीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात :— (1) चंडेल्ला उद्योग विनियोग लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

(2) स्टर्लिन्ग लिइस फायनान्स लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपह्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा लकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया **ड**ै।

अनुसूची

न्नाफिस नं ० 91ए जो मितल कोर्टनरीमन पाइंट बम्बई-21 में स्थित है

स्रनुसूची जैसा कि क० मं० स्रई-1/37-ईई/3940/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई ढारा दिनांक 15-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> भी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप् आई .टी.एन.एस्.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/3894/84-85---ग्रतः मुझे, भी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० ए-202 जो नितीन इमारत 2री मंजिल जंक्शन ग्राप, अनंत गणपत पबार लेन और चंचपोकली फास रोड बम्बई-27 है तथा जो बम्बई-27 में स्थित है (और इससे उपाबक ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) र्राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 20-9-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिका)ं) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उथत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा हीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या क्रन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल ंक्तियों, अर्थात् ;——

- (1) श्री ग्रार० टी० मेहता कन्स्ट्रक्शन कम्पनी (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सोवनवाई बस्तीमल राठोड (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 202 जो 2री मंजिल "नितीन इमारत जंक्शन ग्राफ ग्रनंत गणपत पवार लेन और चिचपोकली कास रोड बम्बई-27 में स्थित है

ग्रनुसूची जैसा कि २० सं \circ ग्रई-1/37-ईई/2978/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-9-84 को र्राजस्टर्ङ किया गया है ।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख 10-5-1985 मोहर :

wearage in community to a supplying the property of the supplying and control to community in the supplying to the supplying the

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

याथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रक सहायक सायकर सायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 बम्बर्ड

बम्बर्ड दिनांक 10 मुई 1985

निदेश सं० ऋई-1/37-ईई/3895/84-85--- ऋत: मुझे, पी० ए० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० सी-401 जो 4थी मंजिल विशाल इमारत जंकान ग्राप, ग्रनंत गणपत पवार लेन और चिंचपोकली कास रोड बम्बई-27 है तथा जो बम्बई-27 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिक्कारी के कार्यालय और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिक्वित्यम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है तारीख 29-9-84

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पांचा गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्यत में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की, बावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तिमों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए:

अतः अब, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, पिनिविस्त व्यक्तियों, अर्थात् ()—

(1) श्री ग्रार० टी० मेहता कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

(ग्रन्तरकः)

(2) श्रीमती सयारवाई हिराचन्द जैन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबङ्भ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, षो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगे को उत्त अध्याय में दिया गया हैं:

अनुसूची

यलैट नं० 401 जो 4थी मंजिल विशाल इमारत जंक्शन ग्राफ ग्रनंत गणपत पवार लेन और चिचपोकली कास रोड बम्बई— 27 में स्थित है

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37 ईई/2979/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्वई द्वारा दिनांक 20-9-84 को रिजस्टर्ड किया गया है

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिका सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्ष् ग्रर्जन रेंज-1; व

तारीख 10-5-1985 मोहर 🖫 प्रकृष्ण कार्यः हीः एन्ः इत्राहः = = = = = वायकार् वीभीनयमः 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-व (1) के वभीन सुव्या

ब्रारव बर्कार

कार्यांतय, सहायक नायकर नायक्त (निर्द्राञ्चण)

म्रर्जन रेंज-1 बम्बई वम्बई, दिनांक 10 मई 1985

बामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की वाख 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बन्धि, जिन्नका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं० ए/401 जो 4थी मंजिल नितीन इमारत जंक्शन ग्राफ ग्रनंत गणपत पवार लेन और चिचपोकली कास रोड बम्बई-27 है तथा जो बम्बई-27 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रमुस्नी में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा ग्रिक्षिनयम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 19-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विकास का कारण है कि यभापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य अ इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से बिधक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त वृधिनियम के वणीन कर देने के बन्तरक के खाँबरच वे कमी करने वा उसके बचने में शुविधा के हैं बहु; वरि/वा
- (क) एंबी किसी बाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, ज्याने में सुविधा के लिए;
- तः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभादा (ग) नि. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) ग्रार टी मेहता कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

(ग्रन्तरक)

(2) बस्तीमल जसराज राठोड

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को नर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नासेप ह--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (थ) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के परस्य सिक्ति में किए वा सकेंगे।

स्वाचित्रण:---इसमें त्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाविष्ठ है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिहा सका है।

अन्सूची

फ्लैंट नं० 401 जो 4थी मंजिल नितीन इमारत जंबशन-श्राफ अनंत गणपत पवार लेन और चिचपोकली कास रोड बम्बई— 27 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं ग्रई-1/37-ईई/2980/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

भी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकण श्र'य्वत (निरीक्षण) अर्जन ८ ज 1, बम्बई

तारीख: 10-5-198

मोहर 🛭

मुख्य कार् है हों. युग्र पुर्व -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

शाह्य बहुका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई, 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/3897/84-85--अत: मुझें पी० एन० दुबे

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा कुं 9-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थाव्य सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० पलैंट नं० सी०-404, जो, विशाल इमारतः, जंक्शन आफ अनंत गणपत पवार लेन ग्रौर चिंचपोकली कास रोड बम्बई-27 है तथा जो बम्बई-27 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में स्थित है ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसकः कर रामान अध्यक्त अधि नियम, 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 20-9-1984

भी पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के खरबान वितिष्ठ के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार भूल्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे खरबान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिक्त का, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है उन्न

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी बाब या किसी क्षत्र वा बन्य वास्तिकों को, जिन्हों भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या क्षत्रकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व उपधारा (1)। ■ अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, वर्षात् =— (1) श्री आर० टी० मेहता कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रतनबेन दस्तीमल शाहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्रस् सुरुप्ति के वर्षन् के सुरुवन्ध् में कोई औ बाक्षेष् :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ हैं 45 दिन की बब्धिया तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वास्तरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, वो उसके वीधीनयस, के वध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया न्या है।

नन्स्ची

फ्लैंट नं० सी- 404, जो, 4थी मंजिल, विशाल इमारत, जंक्शन आफ अनंत गणपत पवार लेन ग्रौर चिचपोकली कास रोड, बम्बई-27 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/2981/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 20-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० ए म० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज 1, बस्क

तारीख: 10-5-198 ह

मोहर 🖫

प्ररूप बाहु : हो एन : पुत्र हु :----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/3898/84-85--अतः मुझें पी० न० दुवे

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० पल टैन ०सी। 403; जो, विशाल, 4थी मंजिल जंक्शन आफ अनंत गणपत पवार लेन ग्रौर चिचपोकली कासरोड बम्बई-27 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 20-9-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के कश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरक से हुई किसी बाथ की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर बचने में सूविधा के लिए; बार्ट/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयमण अगिरिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अगिरिनयम, या धन-तर अधिरिनाम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिनाने में सूतिधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियां, अर्थात् :— (1) आर० टी० मेहता कन्स्ट्रवशन कम्पनी

(अन्तरक)

(2) श्री वस्तीमल मूलचन्द शाहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पर्ध्वीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याद में दिया गया है।

अनुसची

फ्लैंट नं० 403, जो, 4थी मंजित्र, विशाल इमारत, जंबशन आँफ अनंत गणपत पवार ग्रौर चिवप किनी काम रोड, वम्ब $\xi-27$ में स्थित है।

अनुसूची जैसां कि कि ० सं० अई-1/3 7-55/2982/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 20-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एप० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 1, बम्बई।

तारीख : 10-5-1985

मोहुरु 🛭

प्रकृष बारं. टी. एन. एड. -----

नायक्त विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) के वृथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक नायकर नायुक्त (रिन्डीक्रम)

अर्जन रेंज-1. बम्बई

वम्बई, दिनांक 10 मई, 1985

निर्देश सं० अई-1/37—ईई/3899/84—85—अत: मुझे, पी० एन० दुबे,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं ० पर्ल ट नं ० 40 3/ए. जो. नितीन इमारत, जंक्शन आफ अनं न गणपत प्रवार लेन ग्रौर चित्रंपोकली कास रोड, बम्बई – 27 है तथा जो वम्बई – 27 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की ध्यरा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 20-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खोचत बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल तो, एसे उश्यमान इतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए इस पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है

- ्ंडों बन्तर्ष वे हुई किसी बाद की बावस्त, उपक प्रक्रिक्षिय के प्रधीन कर देने के सम्तरक के बादित्य में कमी करने मा उसने व्यन में सुदिया से सिए; और/दाः
- (ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या या किया जाना आहिए था छिपाने के सुनिधा के निए।

बतः बध, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) है बधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) आर० टी० मेहता कन्स्ट्रवशन कम्पनी

(अन्तरक)

(3) हिराचन्द रायचन्द जैन।

(अन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के निए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्तीय वे 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इत स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, वहीं अर्थ हम्मा जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैंट नं० 403, जो, 4थी मंजिल, "नितिज" इमारत, जंक्शन ऑफ अनंत गणपत पवाण लेन ग्रौर चिचपोकली क्रॉस रोड, बम्बई—27 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर सं अई — /37/2983/84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधि कारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-9-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (**निरीक्ष**ण) अर्जन रेज-II, **बम्बई**।

तारीख: 10-5-1985

मोहर:

प्रारुष काई. टी. एन. एस.-----

श्रायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के वधीन सूचना भारत सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दासक)

अर्जन रेंज⊸ा, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/3901/84-85—अतः मुझे, पी० एन० दुबे

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

शौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 153, जो, 15वी मंजिल, पूरनन्द इमारत, जमीन बेअरिंग सी० एस० नं० 62, बाणगंगा वालकेश्वर बम्बई-6 है तथा जो वम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्र.धिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 15-9-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्श्यमान प्रतिफल से एसे द्श्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रत्नाकर नरसिम्हापै।

(अन्तरंक)

(2) श्रीमती शुभद्रा प्रमोद सालवी और कैप्टन श्री प्रमोद सदानन्द सालवी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिखा क्वा है।

वन्स्ली

फ्लैंट नं ० 153, जो, 15वीं मंजिल, "पूरनन्द" इमारत, जमीन बेअरिंग सी०एस० नं ० 62, वाणगंगा, वालकेश्वर, बम्बई— 6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई—I/37—ईई/3777/84—85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15—9—1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई ।

तारीख: 10-5-1985

मोइर :

प्रकार बार्ष छ टी । १९० १९ व्यान

जायकुर ज्धितियम्, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-म् (1) के जभीत सुचना

मारत सरकार

कार्यात्व, सहायक जायक र जायकत् (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-I, बम्बई

निर्देश सं० अई—11/37-ईई/3934/84—85:—अत: मुझे, पी० एन० दुबे;

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृज्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 11 जो 6वीं मंजिल सी गल को — ग्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि ० 4ए भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 है तथा जो बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रह्मित्यम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री तारीख 15-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिपफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित को बास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है ह

- (क) अंश्ररण से हुई किसी जान की बाबस, उनका अधिनियन के अधीन कर देने के अंतरक के वाबित्स में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/याः
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तिको को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अधीष, निम्निचित व्यक्तियों, कर्मात : - (1) श्रीमती राधावाई किशनदास छात्रिया

(अन्तरक)

(2) श्री चिन्भाई नागिनदास शाह और श्रीमती पदमा चिन्भाई शाह

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके बारं में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबछ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां सूक्ष करता हुं।

उन्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एव स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो शी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख भें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वाउ अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, ओ उम्ब विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, ओ उस अध्याय स दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 11, जो. 6वी मंजिल. भी गल को-आप० हाँडिसिंग सोसाईटी लि०, 4-ए, भुलाभाई देसाई रोड, वम्वई-26 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि अ० सं० अई--1/37ईई/3958/84-85 को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-9-1984।

> भी प्तर दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन **रेंजा**-, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

मोहर:

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. -----

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्वासय, सहायक मायकर नायुक्त (निराक्षण)

ग्रर्जन रेज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985 निर्देश सं० ग्रई-1/37ग्रईई/3941/84-85:--ग्रतः मुझे, भी० एन० दुवे

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० दुकान नं० 1, जो, ग्राउन्ड फ्लोग्नर, "सी" इमारत, युक्रेस ईमारत ग्रन्टॉप हिल वडाला (पू) बम्बई—37 है तथा जो बम्बई—37 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 15—9—1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान प्रीतकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास मुखे वह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थवमान प्रतिकल से, एसे स्थमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिबयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखिख उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है ह——

- (क) अन्तरण संष्ट्रमं किसी बाव की बावत, सकत अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवाधवार्य अन्यरिती इवारा अन्य वहाँ किया ववा था वा किया आता आहिए था जिन्हों के स्विभा के लिए;

शक्षः वस, उस्त अधिनियम की पारा 269-व के समृत्यस्य कें, में उस्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हुन्न (1) श्रीमती कलावती राजाराम खाटीक

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विन्सेंट पी० मधियास

(ग्रन्तरिती)

क्षं क्ष्म कृत्या शादी करके पृत्तीं व वन्तीरक के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करका हैं।

उक्त सम्मत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप है-

- (क) इत त्या के राज्यत में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की अवधि या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो और नवधि नाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशित की तारीस कै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए वा सकेंगे।

सम्बद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्य

दुकान नं० 1 जो ग्राउन्ड फ्लोग्रर सी-इमारत, यूकास इमारत, ग्रन्टॉप हिल, वडाला (पूर्व), बम्बई-37 में स्थित है

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ सं० श्र ξ -I/37 ξ $\xi/3970/84-85$ और जो सक्षम प्राधिकारी बम्ब ξ द्वारा दिनांक 15-9-84 को रजिस्ट ξ किया गया है

(पी० एन० दुवे) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I बम्बई

तारीख: 10-5-85

मोह्य 🛭

प्रकृत बार्ड् च टर्ड पुन. एड

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-म (1) के अभीन सूचना

हारत रहका

कार्यामय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्त)

ग्रर्जन रेज 1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985 निर्देश सं० ग्राई-1/37ग्रईई/3949/84-85--ग्रतः मुझे धी० एन० दुवे

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परकार 'खन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाबार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं व्यूनिट नं 22क जो 2री मंजिल शाहा एण्ड बहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1 ध्नराज मिल कंपाउन्ड एस जें जें मार्ग लोग्नर परेल बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबक ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है तारीख 5-9-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्ष्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिकाल से, एसे अव्यमान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिशत सेर अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथ पाया गया प्रतिकाल, निम्मिलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बतारण से हुई किझी बाव की बाबत, उनक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरकः के दाबित्व में कभी करने या उत्का बचने में जुनैवसः के लिए; जीए/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य बास्सिकों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना बाहिए था, जिनाने में बुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अमृतरण एं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री णाहा एन्ड वहार ग्रामोसिएटस

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स रायस प्रिटिंग एण्ड पटलीणिंग (इंडिया) (अन्तरिती)

को वह तुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त संपत्ति को वर्जन को संबंध में काई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किस की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितमों पर स्वान की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड निक्ति में किए जा सकीं।

स्वक्यीकरणं - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूरों का, जो उक्त नायकर जीधीनयम के नध्याय 20-क में परिभाषित है, बही नधे होगा जो उस अध्याम में दिया नवा है।

अनुसूची

यूनिट नं० 22क जो 2री मंजिल शाहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1 धनराज मिल कम्पाउन्ड एस० जे० रोड परेल बम्बई-13 में स्थित है

ग्रनुसूकी जैसा कि सं० ग्रई 1/37ग्रईई/3973/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1 बम्बई,

तारीख: 10-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस . -----

भायकर अधिनियस. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-1/37ग्रईई/3950/84-85—ग्रतः मुझे पी० एन० दुवे

और जिसकी सं० धूनिट नं० 234 जो 2री मंजिल णाहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2 एस जे मार्ग लोग्नर परेल बम्बई-13 है और जिसका करार नामा श्रायकर श्राधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है नारीख 15-9-1984

को मुबंबित संगान्ति के उचित बाजार मृत्यः ने कम के क्याना प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और स्वे यह विश्वास कर ने का कारण है कि संशापुर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके उच्यमान प्रतिफल से, एसे उच्यमान प्रतिफल के पत्तु प्रतिकात म अधिक हें और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्व गणा गरा प्रतिपाल, निव्नितिकित उद्देश्य से उन्ह अम्बरण जिल्ला में बास्तिक स्थ से किथा नहीं किया गया स्थाप के लिए

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधि-निवास के अधीन कर दोने के अंतरक के तायत्व मां कभी करने था उससे बचने में सविधा के निए; और/शः
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, रिश्च अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति । 1922 (1922 का 11) आ उन्ति अस्ति आर्थितियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ज्ञिपाने भें सुविधा के लिए;

अर्था तक उस्त सार्धानयम को भारा 269-म के बनुसरम मी, मी, उस्त करियरिएम को ५.८८ २८९-म की स्पर्धारा (1) के अधीन, निम्मिनियत व्यक्तियों, अर्थात्:---25—116GI/85 (1) श्री शाहा एण्ड नहार ग्रासोसिएटस

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० एन० गडवानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृजीक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सुमना के प्रस्थन थी प्रजासन की तारीस से 45 दिन की कर्नी था तत्स्मन्त्री करिमारों पर सचना की तामील से (१) दिन का स्वीध, जो भी प्रविध तास में समान्य होती है। . के भीवर मुमेजिस क्रिक्टी में के किसी स्थानित हुना सः

अस्ति क्षेत्र के प्रतिकृति के उन्होंबर की शायोंक में बिठ के भीता क्षेत्र अपने की प्रति के प्रतिकृति के विद्या कि की मान्य का निव का निव हमारा स्थोहस्ताकरों के लाठ प्रिलेक्स की प्रति । १९००

-- स्था अव्यक्ति अञ्चल स्था को या, का वक्त अधितिक की कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुं अर्थ होगा को उस अध्याय हो। एस स्था हैं।

अनुबुधी

यूनिट नं० 234 जो 2री मंजिल शाहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1 एम० के० मार्ग लोग्नर परेल वम्बई-13 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37अईई/3974/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-9-84 को रजिस्टर्ड किया या है

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 15 वस्वई

तारीख 10-5-1985 मोहर: क्षम्य कार्द्र ती. एन . एकः -------

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकाड

कार्यालयः, सहायक आयकर आएकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई[™] बम्बई, दिशोक 3 मई, 1985

निर्देण मं० अर्ड-1/37 ईई/3951,84/85--अतः मुझे, पी० एन० दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके विकास किया अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के स्थीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00 000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं यूनिट गं 235, जो, 2री मंजिल, णाहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एस जे मार्ग, लोअर परेल, बस्बई-13 है तथा जो यस्बई-13 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आय तर अधि नयम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है

तारीख 15-9-1984

भी पर्नोक्त सम्मित से उचित हाजार मृत्य से अम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विक्षास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके उत्थमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पढ़ प्रविश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिशों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मिलिशिस उद्धारिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से काश्वत नहीं किया गया है:——

जन्तरण से हाई किसी आय का बाबत, उक्त अधि-नियम के वधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व मों कमी कारने या उससे बचने मों सुविधा के लिए: बार/बा

(स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय कापरार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, न्मिनलिखित व्यक्तिस्तृं अर्थात् ः—

(।) श्री शाहा एण्ड नहार आसो सिएटस।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स रिप्लीका प्रिन्टर्स एण्ड डेमीग्नोर्स

अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त संपर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तैत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजधन में प्रकाबन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर ग्रामित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्माणन में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण :--इशमें त्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक्षित्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

यूनिट नं० 235, जो, 2री मंजिल, णाहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल ए-2, एस० जे० रोड, लोअप परेल. बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/37 ईं $\xi/3975,84-85$ ग्रीर जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा विसांक 15-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी महासक आयक्षर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 3-5-85

मोहर 🖫

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, महायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई वम्बई,,दिनांक 10 मई, 1985

निर्देश सं० अई-1/37 ईई/3955/84-85—अतः मुझे पी० एन० दुवे

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उपन रुधिनियम कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 302, जो, 3री मंजिल, विंग—एफ० विना विना अपार्टमेंटस, आचार्य दोंदे मार्ग, सिवरी (प), बम्बई—15 है तथा जो बम्बई, 15 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), स्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सजम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 20-9-1984

को प्रशेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गईं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हां कि बधापयायत नगीत का उपपा बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पात्रा नया प्रक्रिक न, निम्निचित उद्वेश्य से उन्त अन्तरण निचित्त में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अधि-वाधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससे अचले में सुविधा के जिए, बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 14) या उक्त अधिनियम, या धनगतर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 को लिए।

कब: कब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री गोर्धनदास शिवचन्दराय गरोडिया

(अन्तरक)

(2) श्री महमूद अली कपाडे

(अन्तिरिती)

(3) श्री हसमुख एच० गांधी

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री हसमुख एच० वाधी।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सिष्ट् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अवृधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वास:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

फ्लैंट नं० 302, जो, 3री मंजिल, विग-''एफ'', विना -िबना अपार्टमेंटस, आचार्य दोंदे मार्ग, सिवरी (प), वम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-1/37 ईई/3992/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी स**हाय**क श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षग) अर्जन रेंज−1, वम्बई ।

तारीख: 10-5-1985

मोहर

प्रकृष बाई'. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई, 1985

निर्देश सं० अई-1/37 ईई/3958/84-85—अतः मुझे पी० एन० दुवे

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

- (क) अन्तरण से हुई फिकी काब की वाबस, उक्स विभिन्दिक के विभीन कह दोने के वृत्तरक के वर्षिक्ष मों कमी अरन या उससे अवने में स्विधा २ (सह; बीद्र/या
- (हा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

कतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त जिथिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को कथीन निम्निचिसित व्यक्तियों, जर्मात

- (1) पी० एस० बी० कन्स्ट्रवशन कम्पनी लि मटेड (अन्तरक)
- (2) श्री रामकृष्ण अग्गरवाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के संबंध में कोई भी आश्रोप-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों गर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास निक्ति में किए या सकें!!

स्पष्टोकरण: ---इसमी प्रय्क्त शब्दो और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

फ्लैंट नं० 1, जो, 1 ली मंजिल, इमारत नं० 2, पीएसवी अपार्टमेंट बी० जी० खेर रोड, वरली नाका, वम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-1, 37 ईई/3795, 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 20-9-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

तारीख: 10-5-85 **मोहर** 🖫 ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन स्चल

नारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज न रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मई, 1985 निर्देश सं० अई-1/37 ईई/4697/84-85—अतः मुझे, पी० एन० दुवे

वामकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपत प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के व्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी सं यूनिट नं 451, जो, 4थी मंजिल, शाहा एण्ड
नहार इंडस्ट्रियल स्टेट ए-1, धनराज इंडस्ट्रियल स्टेट, सिताराम
जाधव मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13
में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण एण से वर्णित
है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की
धारा 269 क ख के अधीन वम्बई स्थित पश्चन प्रशिव की
कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 20-9-1984

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का प्रवृह्द प्रतिक्षत से प्रधिक है और मन्तर्क (अन्तरको) मार अल्याप्त (प्रान्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथ पाथा गया प्रति- खब निम्नालेखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्क निम्नालेखित स्वार्थ से विषय स्वार्थ से स्वार्थ से व्याप्त से व्

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, किन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रशितियम, या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजायनार्थ जन्म हिसी ब्वास प्रकट नहीं किथा गया था ना किया चाना जानिए या, छिपान क सुक्ति के लिए।

कतः अब, उक्त विधिनियम कौ धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधास (1) के अधीन, निम्नीविक्त व्यक्तियां, वधार्त हिन्स (1) शहा एण्ड नहार आसोसिएटस।

(अन्तरक)

(2) मराथान क्लोशिंग इंडस्ट्रिज प्रायवेट लि॰ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मिति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी जाधीए :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रश्नुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त विश्वियम, के बध्याय 20-क में यथा परिकारणत र्व पहीं वर्ष होगा को उस अभाय भी दिश्वा, स्वा है।

अनुस्**ची**

यूनिट नं० 451, जो, 4थी मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, धनराज इंडस्ट्रियल इस्टेट, सितौराम जाधव मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/37 ईई/3999/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख: 3-5-85

मोहर :

प्ररूप बाहं. टो. एन. एस. ----

बाय्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) करी धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, वम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/3988/84-85--- अतः मझे, पी० एन० दुबे,

नायकर जांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है 'क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 307 जो तीसरी मंजिल, दोस्ती ग्रिपार्टमेंट, प्लाट नं० 3/105, टाटा क्वाटर्स के पास, वडाला (पूर्व), बम्बई—37 है तथा जो बम्बई—37 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 20 सितम्बर 1984

को प्र्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्र्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया मृतिफल निम्मिलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय श्री बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्रीमती पेर्सी ग्रलेक्स रिबेल्लो

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मरीया पी० डिसोजा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्थित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

फ्लैंट नं० 307 जो तीसरी मंजिल, दोस्ती स्रपार्टमेंटस, प्लाट नं० 3/105, टाटा क्वाटर्स के पास ,वडाला (पूर्व) बम्बई-37 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसाकी क० सं० श्रई $-1/37-\frac{1}{2}$ ई/4010/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 20 सितम्बर 84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर 🖫

प्रकृष बार्ड . टी . एन . एस . ------

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की; धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

पारत सहकार

कार्यालय, बहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्वई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37—ईई/3995/84—85— ग्रतः म झे, पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी/601, जो छटी मंजिल, विकास इमारत, जंक्शन ग्राफ ग्रनंत गणपत पवार लेन और चित्रपोकली कास रोड बम्बई—27 है तथा जो बम्बई—27 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 25 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से अधिक रूप कहीं किया गया है :--

- (क) नन्तरण वे हुई कि बी नाय की बाबत, उक्त विधिनियम के नधीन कर दोने के जन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बीट्/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: जब उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निबित व्यक्तियों, अर्थात क्ष—

- (1) स्रार० टी० मेहता कन्स्ट्रवशन कंपनी । (स्रन्तरक)
- (2) जयंतीलाल एस० राठोड । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की ववींध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित्यद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के वास लिकिंश में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ष किपिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कुर्य होगा जो उस अध्याय में दिवा भगा हैं।

धन्स्ची

फ्लैंट नं० बी/601, जो विकास इमारत, जंक्शन म्राफ म्रनंत गणपत पवार लेन और चिंचपोकली क्रास रोड़, बम्बई 27 में स्थित है।

प्रनुसूची जैंगािक क० सं० प्राई-1/37 - ईई/4017/84-85 ग्रौर जो मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई द्वारा दिनांक 25 सितम्बर 1984 को रिजस्टूर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिक री सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1; बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

(1) भैगर्स आर० टो० मेंहता कन्स्ट्रवशन कंपनी । (अन्तरक)

(2) धियलमल लार्मल जैन ।

(ग्रन्तरिती)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सचना

भारत बरकार

कार्बालय, तहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

मुझे, पी० एन० दुवे बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) विवर्ध इसमी इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बला १८३५-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण

है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00 000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 501/वी, जो 5वीं मंजिल, विकास इमारत, जंक्शन स्नाफ स्रमंत गणपत पवार लेन स्नोर चिचपोकली कास रोड़ बम्बई-27 है तथा जो बम्बई-27 से स्थित है (ग्रौर इममे उपावट ग्रनुसूची में श्री पूर्ण प्प स वर्णित है), ग्रौर जिपका करारनामा ग्रायार श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अबीन न्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 20 फितम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्ष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है विश्वास करने का कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिका है और अन्तरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियां) की बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (भ) असरण से ट्रइं किसी काम की बाबत, उच्छ बिधिवियम के अभीत कर होने जो जनवक के दायित में कमी करने या उससे स्थाने में मित्रधा के जिल् कर/पा
- (त) ऐसी किसी जाम रा किसी धर या अल्प आरितयाँ को, बिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उदत अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रदार नहीं किया गया था या किया पाना मोहिए था, किल्पाने में मविधा के लिए:

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मी., उस्त अधिनियम कर्न धारा 269-घ की उपधारी (1) के अभीन, निम्नतिसम्बद्धाः अवस्थितयाः जनात् 🖫 —

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यताहियां रचना ह्यां।

्रान्य नक्षात्रिय का अर्थन को सम्बन्ध मी काई भी नाक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से स्त किं करों करिंग या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सुषता की तामील में 30 दिन की वनिभ जो भी अर्जाच' बाद में समाप्त हांती हो के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क्ष) इस स्वाहा के राजपूत्र में ब्रकाबन करी वारीब टे 45 दिन के शीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हितन्द्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पार िनिश्वत में लिए जा सकेंगे।

इत्तरण स्थापन शन्दों और पदों का, सिंभीनयम के अध्यास 20-क में परिशापिट े, 🚁 ६६ होरा अने इस अध्याय में दिए। गया है।

फ्लैंट नं० 591 जो 5वीं मंझिल, विकास इमारत, जंक्पन स्राफ स्रनंत गणपत पवार लेन और चिचपोकली कास रोड़, बन्दई-27 में स्थित है ।

अनुस्ची जैसाकि क० सं० ग्रई-1/37-ईई/2984 84-85 और नो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 20 जिन्हत 1984 को रिजस्टर्ड विया गया है ।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-1, वस्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहुर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

वम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निवेश सं० ग्रई-1/38-ईई/3997/84-85---ग्रतः मुझे पी० एन० दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लैट नं० 402, जो, 4थी मंजिल विकास इमारत, जंक्शन ऑफ अनंत गणपत पवार लेन ग्रौर चिचपोकली कास रोड, बम्बई-27 है तथा जो बम्बई-27 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आधकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है में स्थित है तारीख 25 सित्मबर 1984

- का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमाम प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है बौर अन्तरक (अन्तर्कों) बौद्ध अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिता में वास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---
 - (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :——
26—116GI/85

(1) श्री आर०्टी० मेहतः कन्स्ट्रवणन कंपनी

(अन्तरक)

(2) श्री चुनीलाल हंसराज गांगर । (ग्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिध, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लैंट नं० 402, जो चौथी मंजिल, विकास इमारत जंक्शन श्राफ श्रनंत गणपत पवार लेन और चिचपोकली कास रोड़, बम्बई-27 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक क्र० सं० श्र $\xi-1/37-\xi\xi/4018/84-85$ और जो सक्षम प्राधिकारी वस्ब ξ द्वारा दिनांक 25 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिनारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहुर 🛭

शक्त बाहु हो हो पुत्र पुत्र व्यवस्थान

आय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

PIET TOWN

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (किडीबक्) अर्जन रेंज 1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/3999/84-85—अतः मझे पी० एन० दबे,

कावफर विधिवियम, 1961 (1901 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिवियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के विधीन इक्षम प्राधिकारों को वह विश्वताय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार क्रूड़ 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० युनिट नं० 232, जो मिलन इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-आपरेटिव सोसायटी लि०, काटन ग्रीन बम्बई 33 है तथा जो बम्बई -33 में स्थित है (ग्रीर इंसम उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप म वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1,961 की धारा 269 क, ख के अधीन स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है ग्रीर दिनांक 25 सितम्बर 1984

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की मद्दें हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल सा पन्ति इतिज्ञत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण हिसित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी कहने या उससे वचने में सूबिधा के निए; और/शा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- (1) मैसर्स नटमिट ट्रेडिंग कंपनी प्रायवेट लि०। (अन्तरक)
- (2) मैसर्स बाम्बे लेदर्स,

(अन्तरिती)

मह स्वार वारी करके पूर्वोक्त सम्मित् के अर्चन के तिस्य कार्ववाहिया शुरू करता हुए भी

उपत सम्मरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप द---

- (क) इस । सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नवीध, को भी नवीध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्ष्यिक्षरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गंबा है।

नन्स्ची

यूनिट नं 232 जो मिलन इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, कॉटन ग्रीन बम्बई-33 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक किं सं० अई-1/37-ईई/402084-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-9-84 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 वस्बई

दिनांक :- 1/0-5-1985

मोहर 🕊

प्ररूप बार्ड टो. एन . एस . -----

जायकर विधिनिषम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-1,37-/ईई,4004/84-85--अत

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकः, अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधी- प्रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- को से अधिक है

और जिसकी सं० आफीस प्रिमायसेस नं० 43(ए), जो चौथी मंजिल, मेकर चेंबर्स 3, नरीमन पाइंट बम्बई-21 है तथा जो बम्बई 21 में स्थित है (ग्रौर इस ने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण से रूप वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधिक बम्बई नियन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजरट्री है दिनांके 25 सितम्बर 1984

को पूर्व कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ह—

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था विया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुवस्ण में, मैं, जनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध---

(1) श्रीमती चंचल मेहरा, श्रीमती सूरज मेहरा और श्रौं सतोश मेहप्रा ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स नैशनल वहल सर्विस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🖫--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविधि आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब दूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

सिष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशः गया है।

अनुसूची

आफीस प्रिमायसेस नं० 43 जो चौथी मंजिल, मेंक चेंबर्स 3, नरीमन पाइंट वस्बई-21 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि कि कि सं० अई-1/37 ईई/402384-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 25 सितम्बर 1984 को रिजस्टई किया गया है।

पी० एभ० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर 🔞

प्रस्तु . बार्ड . टी . पुन् . पुरु

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के ब्रुधीन सुंचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, वम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-1/37 $\xi = 4005/84-85$ --अत: मुझे, पी० एन० दुवे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसवें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की चारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० आफीस प्रिमायसेस नं० 43, बी जो चौथी मंझिल, मेकर चेंबर्स 3, नरीमन पाइंट बम्बई-21 है तथा जो बम्बई-21 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे विणित है). ग्रीर जितका करारनामा आयकर अधिनियम, 1964 की बारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सजम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 25 सितम्बर 1984 की

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के अवमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यक पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिकार से एसे दश्यमान प्रतिकास का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिकास, निम्निसित उद्देश्य से उक्त बन्तरच निश्चत में वास्तिबक रूप स किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाठ:—— (1) श्रीमती चंचल मेहरा, श्रीमती सूरज मेहरा और श्री सतीष मेहरा,

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स जेट एअर ट्रान्सपोर्टेशन प्रायवेट लि०। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त ग्रंपत्ति के नर्वन के संबंध में कोई भी बार्शय :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क), इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास बिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं बर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

आफीस प्रिमायसेस नं० 43(बी), जो चौथी मंझिल, चेंबर्स 3, नरीमन पाइंट, वम्बई-21 में स्थित है । अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/4024/

84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 25 तिसम्बर 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, वस्बई

दिनांक :- 10-5-1985

मोहर 🖫

प्रकृष बाहुं टी.एन एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

धारत सरकार

स्वांतय तहावक वावकह वाव्यत (निर्वाक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985 निर्देश सं० आई-37-ईई/ 5007/84-85--अतः मुझे, पी० एन० दुबे,

नायक र निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 301-बी, जो विकास इमारत जंक्शन आफ अनंत गणपत पवार लेन और चिचापो कली, कास रोड, भायखला, बम्बई-27है तथा जो बम्बई-27 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बंगात है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 20 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रात्मणल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कृथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्तु किंपिनयम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व के कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बौर/बा
- ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिपाने में सुविभा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) अधिक विध्नितिक व्यक्तित्यों, स्कृतिंड—

- (1) श्री आर० टी० मेहता कन्स्ट्रक्शन कंपनी (अन्तरक)
- (2) श्री चिमणल प्रागजी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारोस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इता;
- (ब) इस सूचना के रावपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाभर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकर्ण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गबा है।

ग्रनुसूची

फ्लैट नं० 301, जो तीसी मंझिल, विकास इमारत जंक्शन आफ अनंत गणपत पवार लेन और चिंचपोकली कास रोड, बम्बई—27 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि० सं० अई-1/37-ईई/2985/84- 85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20 सितम्बर 1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक :-- 10- 5- 1984

मोहर 🔞

प्रकर बाहु टी एन एव -----

बायक उ वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-5ई/4020/84-85—ग्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का सारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट तं० 335 जो तीसरी मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडिस्ट्रियल इसटेट ए-2 सन मिल कंपाउंड एस० जं० मार्ग, लोग्नर परेल. बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम. 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 25 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निक्रिक में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृचिधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 14) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिया के लिए;

ज्याः अब, उक्त अधिरियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) इ अधीन, निम्निशिखित व्यक्तियों, अर्थातुः न

- (1) मैसर्स णहा एण्ड नहार श्रासोसिएटस । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री दिलीप डी० णहा और परीमल एम० शहा ।

(ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल लिखित में किये जा सकोंगे।

हुपक्कोकरणः — इसमें प्रमूक्त शब्दों और पदों का, ओ उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अप्सूची

युनिट नं० 335|जो तीसरी मंजिल. शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, सन मिल कंपाऊंड एस० जे० मार्ग लोग्नर परेल बम्बई-13 में स्थित है।

ग्रनुस्ची जैसाकी हर सं० ग्रई-1/37-ईई/4037/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई हारा दिनांक 25 सितम्बर 1984 को रजिस्टई किया गया है।

िं० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रंज-1, वम्बई

दिनांक :-- 1 0- 5- 19 8 5 मोहर ७ प्ररूप आई. टी. एन. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड कार्यानय, सहायक जायकर आयुक्त ([नर्डाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मंई 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई /4021/84-85--म्रातः मुझे, पी० एन० दुवे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट नं० 426ए, जो शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, धनराज मिल कंपाउंड सिताराम जाधव मार्ग, लोग्नर परेल बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

दिनांक 25 सितम्बर 1984

को पृविक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्निसितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त किपिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के खियल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत' अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---

- (1) शहा एण्ड नहार भ्रासोसिएटस ।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) गशिकांत डी० भोमावत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त तन्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप हुन्न

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सू 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्की

युनिट नं० 426-ए, जो शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रिल इस्टेट ए-1, घनराज मिल कंपाउंड, सिताराम जाधव मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है ।

मनुसूची जैसाकी कि सं० म्रई-1/37—ईई/403884-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25 सितम्बर 1984 को र्यजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक :- 10-5-1985 मोहर

प्ररूप , बार्च , टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर नावृत्रत (निर्देशक)

श्चर्णन रेंज 1, बम्बई

वम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37 | ईई/4027/ 84-85—-श्रतः मुझे, पी० एन० दुबे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कौं धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वस्य करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० आफीस नं० 48 जो, ताडदेव एअर कंडिशन्ड मार्केट, पाँचवी मंजिल, ताडदेव मेन रोड़, ताडदेव बम्बई-34 है तथा जो बम्बई से-34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,1961 की धारा क, ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है दिनांक 25 सितम्बर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वनक्ष करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपित्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाबा गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औं दायित्व में कनी करने या उत्तते क्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तौरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लियाने में स्विधा के लिए;

बत श्रंब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण कों, मी, उसत अधिनियम की भीरा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति शीं, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती मध्बेन, कनयालाल ठक्कर, और श्रीमती स्मिताबेन, कमलेश ठक्कर । (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्स भगत कार्पोरिणन । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्त करता हूं।

उक्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वच्छीकरुण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नवर्ष

स्राफीस नं० .48, जो पांचवी मंजिल, ताडदव एसर कंडिशन्ड मार्केट ताइदेव मेन रोड़ ताडदेंव बम्बई-34 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कर सं० अई-1/37—ईई/4040 / 84—85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 25 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िगीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक - 10-5-1985 कोहर ;

प्रकम बार् . दी. १व. १व. .-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1. बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई- 137-ईई/ 4035/84-85--ग्रतः मुझे, पी० एन० दुबे

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इममें इस के पञ्चात् 'उक्त अिं नियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुपये हें अधिक हैं

और निका सं० भ्राफीय नं० 410 जो, नवरत्न इमारत पो० डिनेनो रोड. कर्नाक बंदर बमबई-9 है तथा जो बमबई-9 में िथा है (ओर इसने उराबद अनुस्ची में स्रोर पूर्ण रूप से विजित है), ब्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ब्रधियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 25 जित्रवर 1984

को पर्चोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विख्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दाणित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए नाँड/वा
- (क्ष) एं भी किसी बाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) या जकत अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी दवारा प्रकट नहीं किया गया था गा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविभा के लिए।

अतः उत्र , तकन अधिनियम की धारा २६०-ग के अनसरण में , उक्त अधिनियम की धारा १६०-घ की उपधारा (1) गरे अभीत जिम्मलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् :--

(1) श्री नरेंद्रपाल, गुप्ता

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स दर्शन इंटरप्राईज।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाक्षप "---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बार्द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्पत्ति में हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरी।

स्पट्टीक रण: -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का. जो संकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

सन्स्ची

आफीप नं० 410 जो, नवरत्तन इमारत पी० डिमेलो रोड़, कर्नाफ बंदर, बम्बई-9 में स्थित है। अनुपूत्रो ने ताकी क ० सं० ग्रई-1/37-ईई/4045 /84-85 और जो सक्षम टाधि गरी, बम्बई द्वारा दिनांक 25 तितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर:

27-116 GI/85

प्ररूप बार्च टी एन एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत मरकार

कार्यालय, महाग्रंक काग्रंक काग्रंक (निरीक्षण) अर्जा रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनां ह 10 मई 1985

निरेत \dot{t} । $\dot{t}^{\xi}-1/37\cdot\dot{\xi}^{\xi}/4044/84-85$ अतः मुझे, पी० एन० दुवे ,

बायक कि कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

कौर जिपकी मं श्राफीस प्रिम होस्य नं 503 जो, "श्राहमती इमारत", आदमजी बिल्डण प्रिमायने न को हापरेटव सोण्यटी लि 413 नरणीन था स्ट्रेट बस्बई—9 है तथा जो बस्बई—9 में स्थित है (अहर इसते उपाबद्ध अमुसूची में और पूर्ण रुप ने विणा है),और जिसहा वरारनामा श्राह्म र बीन निलम 961 की धारा 269 क, ख के धी। बस्बई स्थित सक्षम प्राधि हो के यार्यात्य में र्राजस्ट्री है दिनंक 25 सिन्स्वर 1984

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दृश्यमान श्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृफ्षे यह विश्वास करम का कारण हो कि यथाप्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृल्य जसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रमेतकत से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरकों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्निलिखित उददोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) इन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम क अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के अध्यास्त्र बार/बा
- (च) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अल्ल डास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

बत बब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, वर्धात्र :~~

(1) श्रीमती ब'तूल युग्फ फीवी उक्त बातून सलेगाई राजाला ।

(अन्तरक)

(2) दिः भागचंदका एकतपोर्ट लि.मिटेड । (अन्तरिती)

को यह मुख्या जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप --

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिनं की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बबिध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क्ष) इस मर्जना के राजपण में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति क्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण:---इम्पॉ प्रयुक्त अन्दों और पदों का, जो उन्ह अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा नया है।

बन्स्ची

आफीत प्रिमंधिस नं० 503, जो आतमजी इमारत, आप्रमजी बिल्डिंग प्रमादित्स को- परिटेव संगोदिय्टी लि०, 413, त्रांगी नायां स्टूट, बम्बई-9 में स्थत है।

अनुपूत्री जैन की कं सं अई-1/37-ईई/40/45 84-85 और जो सतम प्राधकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25 सतन्त्रर 1984 को राजस्टई किया गया है।

> पी० ए५० पुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जः रेंज-1, बम्बई

दिनांक :- 10-5-1985 मोहर: प्रकृष् बाइं. टी. एम. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-प (1) के बधीन स्पना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्ज :-रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिलांक 10 मई 1985

निदेश सं अई-1/37-ईई/4047/84-85--- जत

मुझे, पी० एउ० दुरे, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिमें इसमें इसके क्ष्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा क्ष्यां के क्ष्यीन सम्भाग प्राप्तिकार के जिल्ला का कार्य का कार्य का कार्य है। कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्रतिष्ट नं 305 जो, पर्ल हारबर तुस्सी बाडी, माझगांव, बम्बई—10 है तथा जो बम्बई—10 में स्थत है आर इससे उपाबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका बपारसामा आयमप आदिएमा, 1961 के धारा 231 है, बाही हो। हिना सा बाध कारी के आर्याज्य में राजरही है। दिनां 28 सामबर 1984

कां पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रांतफल के लिए अतारत का गई है और मुफ यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शूल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल स, एस दश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरित्यां) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया कल निम्नालाखत उद्दश्य स उकत अन्तरण लिखत में वास्तिविक बे वास्तीवक रूप स कोथत नहां किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स आधीनयम क अधीन कर दन क अन्तरक के दायत्व म कमा करन या उसस अचन म सृविधा क लिए, और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधानयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कथा जाना चाहिए या, छिपान में सून्तिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, टी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) बोनी इंटरप्राईज ।

(ग्रन्तरक)

(2) मोर्ना यासीम अल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

की यह स्थना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, बो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर प्रांक्त व्यक्तिया में स किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब डे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्याक्त द्वारा अधाहस्ताक्षरा के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीक रणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधि। नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हाना, बा इस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुपूची

फ्लैंट नं० 305, जो पर्ल, हारबर तुलसीवाडी, मझ-गांव बम्बई -10में स्थित है ।

अनुपूर्वी जैसाकी कि सं अई-1/37-ईई/3812/ 84-85 और जो सक्षम प्राध्यारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28 सितम्बर 1984 को र्राजस्टर्ड विद्या गया है।

> पी० एन० दुवै सक्षम प्राधि ारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर 🕹

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

बायकार आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० ५ई-37-ईई/ 1/4062 /84-85---अतः मुझे पी० एन० दुबे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है वि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

गाँर जिस्ती से युनिट ने 248 जो दूसरी मंजिल शहा एण्ड नहर इडिन्ट्रियन इस्टेट ए-1 एस० जे मार्ग, लोनर परेन बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (ब्रॉर इन्से उपाबद्ध अनुसूची में ब्रॉर पूर्ण रूप से विणित है), ब्रौर जिस्ता करारामा अयार व्यक्तियम, 1961 की धारा क, ख के नवीन वम्बई स्थत सक्षम प्राधित्तरी के कार्यालय में रितासी है दिनांस 29 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसं दृश्यमान प्रतिफल के पन्दृह प्रतिकृत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए उस गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व म कमी करन या उसस बचन में सांवधा के सिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) शहा एण्ड नहार आसो.सेएट ।

(म्रन्तरक)

(2) अपिगो मार्केटटींग (प्रापवेट) लि.मेटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हितवडक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उ**क्त** अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

युत्तिट नं० 248, जो दूसरी मजिल, शहा एण्ड नहार इड. हेड्रयत इ. हेट ए-1 एस जे० मार्ग, लोजर परेल बम्बई-13 में स्थित है।

अनुपूत्री जिल्ल की ऋ० संख्या अई-1/37–ईई/3823/84–85 आर जो सतम बाधि करी बम्बई द्वारा दिनांक 28 सितम्बर 1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक :- 3-5-1985 मोहर :

इंक्न बाइं.टी.एन.एड.-------

बायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/406:/84-85--अत: मुझे, पी० एन० दुवे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा १६९-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं युनिट नं 247 जो दूसरी मंजिल शहा एण्ड नहार इंड स्ट्रयन इस्टेट ए-1, एस जे मार्ग, लो र परेन, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इस ने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर निराह हराहासा स्वाहर मधान्यम, 1961 की धारा 269 क, ख के मधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिव री के कार्यात्य में रजिस्ट्री है दिनांक 28 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृन्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोकन संपत्ति का उचित बाजार बृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिखत में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ने हुई किसी बाब की वाबत्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्कर वचने में सुविधा श्रे किए; और/वा
- (इ) एमी किमी बाब वा किमी भन वा बन्य जान्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) हा जबत अभिनयम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बता जा वा किया जाना थाड़िए था क्रियाने के सविधा के किया

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—— (1) शहा एण्ड नहार आसोसिएटस

(अन्तरक)

(2) अभिनो मार्नेट (प्राईवेट) लिमिटेड

(अन्तिरती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कायनाह्या करता हूं।

जनत सम्पत्ति के वर्षन के बन्दन्य में कोई भी नाबोद 3--

- (क) इस स्था के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्था की तामील में 30 दिन की व्यक्तिया, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ब 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधीनयम क अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

बन्स्ची

युनिट नं० 247 जो दूसरी मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इंस्टेंट ए-1 एस० जे० मार्ग, लोजर परेल, बम्बई-13 सें स्थित है।

अनुसूची जैस की कि स् अई-1/37-ईई/3824/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई छारा दिनांक 28 स्हाम्बर 1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवें सक्षम प्राधिवारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण,) अर्जन रेंज 1 बम्बई

दिनांक :- 3-5-1985

मोहर :

रु. से अधिक हैं

. प्रस्प बाइ. टी. एन एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्मना

भारत बरकार

कार्याजय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

भार्जन रेंज 1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1995

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई /406 /84-85--अतः
मुझे पी० एन० दुवे
प्रकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसर्वे इसर्वे पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269- दिने अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ह कि स्थापर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-

म्रार जिनको सं० युनिट नं० 246 जो दूरी मंझिल शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1 एस० जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उ ाबढ़ उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण हप से विजत है । ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्याजय में रजिस्ट्री है । दिनांक 28 जितम्बर 1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार कृष्य से कन के दण्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बचापुर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय रूम्या गया प्रतिफल, निम्निजित उद्देष्य से उच्छ अन्तरण चित्रत में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाव की वावता, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोन के बन्तरक के खीवत्य में कमी करन या उसस ब्चनं में सुविधा के लिए; बॉर∕या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, चिन्हें भारतीय बायकर विधानियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया त्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः बब, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---- ्1 तहा एण्ड नहार आसो ..एटस ।

(ग्रन्तरक)

(2) स्रानिंग मार्केटिंग (प्रायदेट) लि॰ ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के जिल्ला क्षावाहिया बुरू करका हा ।

इक्ट सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्रेय:---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा के 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियां ६६ सृचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को की विश्व विश्व में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकः व्यक्तिया। में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हितवब्ध किसी बन्धं व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रकृतिख्त में किए जा सकेंग्रे

स्पक्किरण: — इसमें प्रयुक्त भन्दों बौर पर्वो का, को उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्येष्य में देवा गया है।

अनुसूची

युतिट तं० 246 जो द्वारी मंझिल, शहा एण्ड बहार इंडिन्ट्रियल इप्टेट ए+1 एत जे० मार्ग, लोग्रर परेल, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैगिहि कि सं श्रई-1/37-ईई/3825/84-85 गौर जो सक्षम प्राधिगिरी, बम्बई द्वारा दिनांक 28/3तिस्बर 1984को रजिस्टर्ड दिया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज 1, बम्बई

दिनांक :- 10-5-1985

मोइर 🛭

प्रस्य बाई . टी . एन . एन . ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/4067/84-85--म्रतः मुझे, पो० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिस्की संज्युनिट नंज 132 जो ग्रहा एण्ड नहार इंडिट्रियल इस्टेट ए/2 धनराज मिल बंगाउंड लेश्वर प्रेल बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिनका करारनामा आयत्र स्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अशोन बम्बई प्थित क्षिम प्राधिवारी के कार्यालय में रिजस्ट्रो है दिनांक 26 जितम्बर 1984

को प्रबंबित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य स कम के दृश्यमान विकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उन्त बाजार स्थ उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐन दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिजन ने अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिकी) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाय गा। अविकल, निम्नीखित ेहें स्थ से उकत अन्तरण लि। कि में अस्तिक कप स कि कि नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उसस बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अवस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूं अधी के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधात ध—— (1) को वें उटेश ट्रान्तपोर्ट सर्विस ।

(ग्रन्तरक)

(2) कैलाश प्रसाद, एस० मालपानी । (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जांभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, **थो उक्त** अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

युतिट नं 132 जो शहा एण्ड नहार इंडिस्ट्रियल इस्टेट ए-2, अतराज मिल कंगाउंड लोग्रर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

प्राप्ति कैं। किं किं प्रई-1/37—ईई/405584-85 और जो उक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26 तितम्बर 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० ऐन० दुबे सक्षम प्राधि कारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज, 1 बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

प्रकप काई टी एन एसु. ----

आयकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन मुचरा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/4068/84-85---ग्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं युनिट नं 210 जो दूगरी मंिल, अध्याक इंडिट्रियल, इस्टेट सन मिल त्रमाउंड, लोग्नर परेल अम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (ग्रीर इसे उपावद ग्रनुस्ची ग्रीर पूर्ण रूप से विगत है), ग्रीर जिनका करारनामा ग्रायपर ग्रिधनियम, 1961 की धारा 269 वख के ग्रिधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधितारी के कार्यालय में रिजस्टी है दिनांक 28 नितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहर्ष किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वै दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, और/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1000 बारा 11) भा उन्जात अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणाबनाथ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया क्या धा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के जिए।

कत कव, उक्त किथिनियम की भारा 269-ग कै बनसरण में, मैं, उदत अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभान, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रो ब्रजलाल तापुलाल जोवनपुता।

(स्रन्तरक)

(2) मैत्रसे पिकं ऋषट ।

(अन्तरिती)

(3) श्रन्तरक । (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मुचमा जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियां पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्यारा,
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सपत्ति में हित्बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियाम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

युग्डिन० 210 जो, दूरिं। मंलि, ऋध्यार इंडस्ट्रियल इन्डेड, उन मिज कं॥ उड लोग्नर परेल बम्बई-13 में स्थित है।

अनुयूत्री जै तकी कि० मं० अई-1/37-ईई/3827/ 84-85 ओर जो तक्षम गिधि गरी प्रस्वई द्वारा दिनांक 28 जितम्बर 1984 को रिजस्टर्ड जिया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधि ारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरंक्षण) श्रर्जन रेंज 1, बस्बई

दिनां क :- 10-5-1985

में(हर:-

प्ररूप नाई.टी.एन.एस. -----

क. यकार कर्शन निर्माण, (अठ१ (1961 का 43) की अधीन सुचना

आरत मरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज 1, वम्बई वम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-! 37-ईई |4082 |84-85---ग्रत: मुझे, पी०एन० दुवे आस्कार क्षा १९०० १०० १०० १०० (जिसे इसमे

इसके पश्चात् 'उत्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के उनीर सक्त प्रियाम कहा गया हैं), की धारा विश्व के उनीर सक्त प्रियाम का कारण है कि स्थान रायकि कि कारण के जिल्लाम का मूल्य 1,00,000/- रा में अधिक हैं

और जिमकी सं इएकं ए तं 911, जो इमारत नं 3 नोवीं मंजिल, नवजीवन को प्राप्तिटिव हाउलिंग सोनायटी लिंग, लेमिंग्टन रोड़ इस्पर्छ- १ है तथा जो अस्वई- 8 में स्थित है (और इससे उपायह अन्यवि में और पूर्ण रूप विणित है), और जिमका तथा नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ने, खे है अधीन वस्तई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिक्टिंग है दिवांच 29 स्टिन्यर 1984 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का दिस्मीनियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि निए तय पाया गया प्रतिक का के लिए नहीं किया प्रसार हैं----

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय का बाबत, उक्त प्रतिस्थित के अधिक सार दोने को अध्यक्ष है १९८४ - असी कासे ८०३ वर्ष अवर्ष हो प्रतिस्था को निकार पहले
- (क) एसी किसी अर का रेसि अन या अस्य अस्तियों करें, जिल्हों भारतीय अध्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 के 11) या उत्तर अधिनियम, का बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरत था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

कतः एक, उन्न किपितियम की धारा 269 र के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के क्यीन, निम्बलिकित व्यक्तियों, वर्षात् क्रिस्टिंग 28—116 GI/85

(1) श्रीमती जसोटी नारी दासवानी

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती जिला जिलास पार्टील गौर विकास डो० पारील,

(भ्रन्तिती)

(2) अन्तरितीः । (वह व्यक्ति, जिलके स्रधिभोग में सम्पित्त हैं'

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है

उक्त सक्यीं को अर्जन को सम्मन्ध में कोई भी नाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जबिध वा सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि ताद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्योक्तियों के विस्ता करीक क्याना
- (क) इस सूचना के राजपत्र मा शक्तकन की तारोब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबहुष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्थाय मा दिश् जा सकेंगे

स्वष्टीकरण:--इनमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, शहे उत्प्रह वीधिनियम, के अध्याय 20-क में परिज्ञाण्डि हैं. वहीं वर्ध होगा जो उस वध्याय में विवश गया हैं!

अन्स्ची

आफीस नं० 911 जो, इमारत नं० 3, 09वी मंजिल नवजीवन को आपरेटिव हाउलिए मोसायटी लि०, लैंमिंग्टन रोड, बम्बई-9 में रियन है।

श्रनुसूची में जैदाका कर मंद्र श्र $\xi-1/37-\xi\xi/3845$ 84-85 और जो सक्षम प्राजिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 29 सिनम्बर 1984 को रिजस्टर्ड जिया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजीन रेंज 1 बम्बई

दिनांक - 10-5-1985 **मोहर** 3 प्ररूप ाई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

The state of the s

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज्न रेंन 1, वस्बई

वम्बई. दिनांस 19 मई 1985

निवेश सं े जहीं-1/37 गईई 4086/84-85—अतः मुझे पी० एन० दुबे,

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्क्ट 'उक्त अविनियम' कहा गरण हैं) की धार 269-स वे अभीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विक्वान करने का काल कि भारत सम्बंध से सिकार के का काल कि भारत सम्बंध से सिकार के सिकार से सिकार सिकार से स

1,00,000/~ र . से अधिक ह**ै** ग्रौंग जिसकी संक फ्लैट नंग 14 जो "श्री ग्रोम सदन" निर्माणाधीन इसारुः, १५, वारायण दात्रोत ए रोड्, वस्वई -6 हे तथा जो बम्बई-6 में स्थित है (ग्रीर इसमे उगाबद्ध अनुसूती में और पर्ण मप से दर्णित है). ग्रीप जिस्हा क्राप्तामा क्रायकर अधिनियम । १६३ की मझम धारा 269 ज हा के ल्योन वालाई स्थित सक्षम प्राधिशारी के कार्यात्र में "जिप्मी है दिनांश 29 सि (स्व" 1984 को पर्वोबत समात्ति के उचित बाजार स्त्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अर्लास्त की गर्द है और पन यह विस्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अनबरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हर्ज किगी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दाने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे उचने में सृविधा के लिए; और/धा
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11 ज उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण अं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीय, निम्निसिसित व्यक्तियाँ, अर्थात्:— (1) श्रा श्रोम सदन प्रायवेट लिमिटेड ।

(अन्तर्यः)

(2) श्री प्रकीप निकासका नेटली. श्रीप श्री पाणीव, शिवनापायण जेटली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त यार्चात्त के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम. के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

ग्रनुसूची

पत्रद नं र 14 तो "को पोप लड़ा", तिमणिधान इनालक कल्पणण कल्मोलक्ष्र होते , बस्बई—6 सें स्थित है।

अनुसूबी जैपाही २० एं० अई-1/37-ईई/3849/ 84-85 और जो अजम पात्र उन्हीं, उपबर्ध हारा विनांक 29 सितम्बर 1984 को पीजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी महायश अपन्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, उम्बह

दिनांक :- 10-5-1985

मोहर:-

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालयः, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

वम्बई, दिनांकः 10 मई 1985

निवेश सं० आई-1/37-ईई/4087/84-85--अतः मुझे, पी० एन० दुवे

शायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लंट नं० 13, जो "श्री ग्रोम सदन" निर्माणाधीन इमारत '15' नारायण दाभोलकर रोड़, बम्बई86-तथा जो वम्बई-6 में स्थित है (ग्रोर इस उपावद्ध अनुसूची से ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अविनियम, 1961 को धारा 269 क, ख धीन वमरई स्थिम नक्षम प्राविकारी के जार्यालय से रिजर्स्ट्रा दिनांक 29 सितम्बर 1985

करं पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के स्थमान प्राप्त कल का लिए अन्तारित का गई हाँ और मुफं यह विश्वास करने का कारण हाँ कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके स्थमान प्राप्तकल सं, एस स्थमान प्राप्तकल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक हाँ और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंबरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्बरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त विधिनियम के बधीन कर दन के बन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सूर्यक्षा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) स्राम सदन प्रायवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोस्वामी शिवनारायण जेटली, ग्रांर श्रीमती सुलोचना रानी जेटली ।

(अन्मेरिती)

को यह सूचना चाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन क लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

वन्स्क

पलैंट नं० 13 जो "श्री ग्रोम सदन", 15 दारायण दाभोलकर रोड़, बम्बई-6 में स्थित है । अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-1/37ईई/3850/84-85 ग्रांर जिसका सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 29 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पीं० एनः० ६ुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)है अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक :- 10-5-1985

मोहर

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण)

अर्जन रेंज 1, वम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं े अई० 1-37-ईई 4090/84-85--अत: मुझे, पी० एन० दुबे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी से फ्लैट ने 11, जो पहेली मंजिल, इमारत, डाक्यार्ड रोड पी० एस० ने 8/138 माझगांव डिविजन, बम्बई, है मेथा जो वस्बई में स्पित है (प्रोर इससे उपाबढ़ प्रमुद्ध में प्रीर पूर्ण स्पार पिता है), और जिसका प्रारापनामा आयक्ष अधिनियम, 1961 की धारा 269 व खे के अधीन बम्बई स्थत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 29 पितम्बर 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों वत संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया शतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त गिंधीनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के सायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गोर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की पारा 269-घ के अनुमरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर किम्नीलिसित, व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) जान फ्लोमिंग एण्ड कपनी लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री शब्बीर सराफश्रली गोलावाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

ं उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

अनुसूची

फ्लैंट न० 11, जो पहली मंजिल, फलेमिंग इमारते डाक्यार्ड रोड, सी० सी० न० 8/138 माझगांव डिविज,न वम्बई में स्थित है ।

अनुसूर्वा जैसाकी कि सं अई-1/37-ईई/3851/84-85 गौर जो सक्षम प्राधिकारी, बबर्म्ड हारा दिनांक 19 सितम्बर 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० **दुबे** सक्षम प्राधिका**री**ं सहायक जायकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक .- 10-5-1985 मोहर :- प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 289-भ (1) के ऋणीन गुचना

भारत मनकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं०

पलैट नं 32 जो 4थी मंजिल, फलेमिंग इमारत, डांल्यार्ड रोड़, सी० एस० नं 8/138 माझगांव डिंबजन बम्बई (ग्रीर इससे उजान्ड ज्युस्ची में क्षार की की की की हो । ग्रीर इससे उजान्ड ज्युस्ची में कार्यकों का की की की घारा 269 के, ब के ग्रीत वाक्यर, होता प्रांत्र प्रांत्र प्रांत्र प्रांत्र प्रांत्र प्रांत्र प्रांत्र में रिजिस्डा है। दिसी 29 सिनम्बर 1984 का प्रांक्ष मंपरित के उचित्र आचार मृत्य से अम के दश्यमां प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विस्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वों कि संस्वाति का उज्जा जार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, इसे क्ष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधित ही कोर अन्तरण के लिए तय पाना प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तरण के लिए तय पाना प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं पाना गया है :--

- (क) अतरण सा हुई रिलंग उत्तर को लक्ष्या, उक्कर अधिकियम को प्रतिपत्त को कि प्रस्ट्रक की प्राप्यस्थ मी सामा के प्रतिपत्त को प्रस्टा के की जिल्ला कीक्ष्या
- (ख) एसी किसी आय या जिसी धन या अन्य आस्तियों निर्मा कर्मा क्षितियों कर्मा कर्म

जतः अव उक्त अधिनियम का लाल 269-ा क अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

- (1) जान फलेमिंग एण्ड कंपनी लिमिटेट (अन्तरक)
- (2) श्री अक्षवरभाईशेख फखरूद्दीन रमक्डावाला । (अन्तरिती)

को बहु स्वना जारी करके ब्र्बिक्स मन्त्रीन के अर्जन के लिहूर

उक्त सम्पर्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, बो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर एवींका प्रोहाशों में स किसी व्यक्ति दवारा,
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किया के भीकर उसक स्थायर सम्पत्ति में हितवस्थ स्थित अन्य अविका क्षायर सम्पत्ति में हितवस्थ स्थित अन्य अविका क्षाय समित में निष्ठ का सकेंगे।

स्थानिकारण : २००५ को प्रयोक्त एन्द्रों और पदों का, जो उक्त पिक्षितियक को अध्याण 20-क मो परिभाषित हो। असे को बाद के का का का में दिया का करें

मनस् वी

फ्लैट नं० 42 जो चौथी मंजिल, इमारत "फलेमिंग", ंडाक्य'र्ड रोड़ सी० एस० नं० 8/138, माझगांव डिविजन, यम्बई में स्थित है।

जनुसूची जैसाकी कर संब अई-1/37—/\$ई/3852/84–85 और जो जाम प्राधिकारों वस्वई हारा दिनांक 29 सितम्बर 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 बम्बई

दिनांक :-- 10-5-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर बीभीनयम, 1961 (1961 क्या 43) की **4TU** 269→ अभाग स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्क्षिण)

ग्रर्जन रेंज-1, वम्बई बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश मं ० ग्रई-1/37-ईई/4093/84-85--ग्रत : मुझे, पी० एन० दुवे

काषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्यक पश्चात 'उक्त अधिरियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के कथीन सक्षम आधिकारों की, यह विश्वास करने सा **कारण ह**ैकिस्थादर संगित्त, किस्काल**िस बाजार मृस्य** 100,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं धृतिट सं 218 को दूसरी मंजिल ए-1 शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट एसा जेल मार्ग लोग्रर परेल बम्बई-13 में स्थित है (और इसने उताह अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) अहा शास मा का एका आयकर अधि-नियम 1961 भी धारा २००० ६ व स्वित अम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के सामंत्रव में अध्यक्षी है जिलांक 29-9-

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उजिला सामान हो । से राह के द्वामान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और सने यह विश्वास **करने का कान्ण हैं कि स्था**पवांचित समर्पात्त का उचित **बाजार** बत्य. असके स्थामान प्रतिकार में अप अप अप की बात की पन्द्रन **भूत्म, क**त्ता भारतात तथा । **कत्तिसत स**े लिकिस हो ३ - १ - १ लोगा, अने बलाग्री (अन्तरितियों) के बंदच एस अन्तरण का उत्तर तथ राया गया प्रति-कस् निम्नीति एक प्रदेशका स्व १ छ। नगण है किए भी कास्तरिक **इब्स से कथिंग नहीं किया गया ह**ै:---

- (क) मन्दरम ते शुर्व देनमी भाग की नागह, स्वयु वीधीनवम के अभीन कर बान के जन्तरक व बाबित्य में कमो करन या उनमें बचन में मृतिया के लिए; गीर/बा
- (**ब**) । हेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारती । गा-वार अविनियम, 1922 (1922 का 11) त लहा बिदिनियम, या इस-कर अभिनियात १ । १९५७ की 27) बी प्रयोजनार्थ जन्तरियी इवस्य प्रकट नहीं किया नका था का किया जातः वार्तका था। विकार के स्विधा के लिए;

कतः बच तक्त सभिनिक्षम की अपन १६५-म की स्वक्रमण बं, भौ, उमत अधिनियम की भाग २६० म की उपधारा (1) औं बधीन विम्नुलिखित व्यक्तियों, सर्वात् 🚈

(1) शहा एण्ड नहार एसोसिएटम

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स स्प्रिंग वुड वर्क्स

(ऋन्तरिती)

क्षा शह स्वाम जारी करके प्वासित सम्बन्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हु।

डक्त सम्पर्तत के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिध मा तरकम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दित्र की सबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्वार्विस अशिक्तयां में स कि.मा व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उन्ति स्थावर सम्पत्ति में हित**बद्ध** किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अघाह स्ताक्षरी के पास ीतो पत में किए का सहीं ने ।

लाकाकरण:---इसमें प्रमुंक्य संबंधे दोए यदी का, को सम्ब निधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया स्याही।

अनुस्ची

युनिट ६० 218 जो दूसरी मंजिल ए-1 शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट एसा जे० मार्ग लोग्रर परेल बम्बई-13 में स्थित है

अन्मुची जैसा कि ॑क सं अई-1/37-ईई/3854/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई हारा दिनांक 29-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० **एन**० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 10-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप , बार्ड , टी , एन , एस , -----

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक कायक र जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 वम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं ग्रई-1/37ग्रईई/4100/84-85—-ग्रतः मुझे पी० एन० दुबे

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निविनयम' कहा गमा हैं), की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर नम्बत्ति, जिसका अचिन बाजार मल्य 1.00.000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी स फ्लैट सं 31 है जो तीमरी मंजिल फ्लेमिंग हाउस डाकगार्ड रोड सी० एस० सं० 8/138 माह्नगांव डिवीजन बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारतामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 29-9-1984

को पूर्वोक्त संबंधित को उचित बाबार मन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए जंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार प्रत्य उसके दश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरंकों) और अन्तरिती (अन्तर्शित्यों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उचन अन्तरण लिक्ति के बास्तिक रूप से कार्या वासाविक रूप से कार्या वासाविक रूप से कार्या वासाविक रूप से कार्या नहीं किया गया है ——

- (क) बन्दरण से हुई किसी जाब की बाबस, उक्त अभिनियम के अभीप कर दोने के जन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुदिया के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1947 का 57 के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा पकट नहीं किया पण था या किया जाना चाहिए था जिल्हानं को जातिया के किया जाना चाहिए था जिल्हानं को जातिया के किया

जतः जबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाद् ः—

(1) जान फ्लैमिंग एण्ड कम्पनी लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

(2) हाजी सोहमस्दशाई गुलाम हुसैन गुलाम हुसैन रंगवाला नान्वाई सोहम्मदभाई रंगवाला और मोह० शिकद्दर रंगवाला

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके प्रतिन्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यचाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पम्बन्ध में कोई भी अक्षिप : --

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तास्त्रेख में र दिन करे अन्तिश या तत्स्वंबंधी व्यक्तिमाँ पर स्चना की सामील से 30 किन की स्वतिष, सो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, ने भीतर प्रनिका प्रक्रियों में निस्ती व्यक्तिस द्वारण;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतप उक्क रशावर सम्पत्ति में हित-बद्ध फिल्मे श्रीतिष्ठ द्वास, अभोहस्वाक्षणी के पास जिस्ति में किए जा सर्कोंगे।

स्वयद्धिकारण:----१सम् विकल्प शत्यां श्रीर पदों का, जो उक्त जीभिनियस, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा रणा हो

ग्रनुसूची

फ्लैंट नं० 31 जो तीसरी मंजिल फलेमिंग हा उस डाक यार्ड रोड, सी० एस० सं० 8/138 माझगांव डिवीजन बम्बई में स्थित है

ग्रनुस्ची जैसा कि कि के ग्रई-1/37–ईई/3859/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 29–9–84 को रजिस्टर्ड किया गया है

भी० एन० दुबे सक्ष्म प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-I वस्वई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर

एटर कार्य टी. **एन. एस**. -----

काराज्य प्रीधानयत्र. 1961 (1961 **का 43) की** भारा 260-च (1) के संधीय सुष्टमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार अञ्चल (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-1 वस्वई

वम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-र्श्ट/4101/84-85---ग्रत: मुझे भी० एन० दुवे

भावकर अधिनियम, 1961 :1001 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान जिल्ला अधिनियम महा गण हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रविध्वारों मां प्रवृत्तिक कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक ही

और जिसकी स० फ़लैट सं० 12 जो पड़की संजिल फ़लेमिंग हाउस इमारत डाल्याई रोच की एक सं० 8/138 माइगां डिकीजन वस्वई में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) और जिल्ला करारकामा आयकर अधिनयम 1961 वी धारा 260 ज्या के अधीन बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में शिक्स्ट्री है दिनांक 29-9-1984

फो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उन्ति रएनार महाय में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का आरण है कि वश्यमान कर गंगीत को उन्न उन्न विश्वास मृत्य , उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तर्ण के लिए तय श्रमा गया प्रतिफल निश्वामितियों) हम्बदेश से उन्तर जन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- हैंक) सन्तरण में हाड़ किसी जाय की बाबस, अक्स अभिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दाखित्व मो कमी करने या पश्रमें उपने में अधिक के लिए; और सा/
- (क) एमी लिसी हाए ए लिसी प्रस्त का बन्य का सिन्धी भी, जिन्हीं भारतीय आपकार अगितियम, 1922 (१००० का का प्रस्त का प्रस्त का अगितियम, १०५७ का प्रस्त का अगितियम, १०५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ बन्दीरिनी बनारा प्रकृष्ट नहीं किथा गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मृतिधा के लिए;

जन: जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरग भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) जान फलेमिंग एण्ड कम्पनी लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमधी फांतमा मोइंझ वहारेनवाला और श्रीमधी नफीसाबाई । प.ऋधीनजीवा स्रली

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना आएं ऋरिक प्रबेक्सि सपत्ति के अर्बन के निष् कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जीन को पर्वत्र हो वहाँदे भी बाक्षेप :--

- (क) इस मुच्या के राज्यात को प्रकाशक की तारिश से 45 दिन को अपि। या क्ष्याकत्वी व्यक्तियों पर सुचना की तामील के 30 दिश का अत्रिध, भी भी अविध बाद में सम्राह्म हार्डी हा, से भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुकरा के र उपार हो प्रकादान की तारीख है 45 दिन हो भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी क्रम्य क्योंका द्वारा अधोहरकाश्वरी के पाह किसी क्रम्य क्योंका

म्यव्हीकरणः--इसम् प्रवस्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के नेपाध्य 20-क मी परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अधाय में दिया सवा है।

बनमची

पर्येट मं० 12 जो पहली बंचित फलेमिंग हाउस इमारत डाकयार्ड रोड सी० एस० सं० 8/138 माझगां डिबीजन बम्बई में स्थित है ।

श्रमुम्की जैसा ि के सं श्रिक्त 1/37ईई/3860/84– 85 और जो सक्ष्म राश्रिक्तारी तम्बई अग्य दिनांक 29-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

भी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी महायक यायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1 बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

प्ररूप बाह्र .टी. एन. यहा . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त .(निर्देशकण) ग्रर्जन रेंज़—1 अम्बई

बम्बई दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० प्ररी-1/37 हैर्/4103/84-85--प्रशः मुझे पी० एन० दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मध्यित, जिसका उचित बाजार मृत्य, 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० औद्योगिक प्तिट सं० 131 जो पहली मंजिल शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1 धनराज मिल्स कम्पाउण्ड कोग्रर परेल बम्बई-13 स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनयम 1961 की धारा 269 कद्ध के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है दिनांक 29-9-1984

को पर्वोक्षत मम्पित के उच्चित बाजार मन्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिनित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक से हुई किमी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में कृविधा के लिए; और/या
- (का) होते किसी काय वा किशी धन या अला कारितकों को जिस्हों भारतीय बायकर अधिनियन, 192% (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धने कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा से सिक्ट;

(1) मेसर्भ नरेश इण्डस्ट्रीज।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स इंडिया इंजीनियरिंग वर्क्स

(अन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके क्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्चन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की द्यारीस श्रे 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) म्बस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तम्हें बा क्षे 4.5 मेंबन के भीतर उक्त स्वावर स्क्यित में हितवब्ध किता क्या क्यांकत क्यारा कथाहस्ताक्षरी के सस्स निम्बत में किए बासकोंगे।

स्पृथ्दीकरण :—हम्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, खो उक्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बारो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

:अजुत्की

औदिगिक प्रिट सं० 131 जो पहली मंजिल शहा एण्ड नहार इण्डिस्ट्रियल ६स्टेट ए-6 ६नराज मिल्स कम्पाउण्ड लोग्नर परेल बम्बई-13 में स्थित है

श्रमुस्ची जैसा कि त्र ० सं श्र $\xi^{-1}/37$ -ई $\xi/3862/84$ -85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-9-84 को राजस्टकं किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई

दिमांक : 3-5-1985

मोहर 🐠

प्रकृष आई'. ट्री. एन. एस. -----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, महायक कायकर काय्क्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज-1 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं ग्रई-1/37ईई/4137/84-85—-ग्रमे मृङ्गे, भी एन दबे

बायकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को जारा 260-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विद्वास करने का करने करने का करने करने का करने

और जिसकी सं० पहेंट सं० 103, जो, पूर्ण नंद सरस्वती को-धाप हाउ० सोसायटी नि० प्लाट सं० 62 बाणरंगा बम्बई— 6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रमुधनी में और पूर्ण रूप से वाणत है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रद्धिनयम 1961 की शरा 269 के के श्रदीत बम्बई स्थित सक्षम शिक्षकारी के कार्यालय में रिजस्ट्टी है दिनांक 3-9-1984

का पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य इतिफल के लिए अंतरित की गईं है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवावत सम्पत्ति का उचित बाजार बन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई शिक्सी आय की बाबत, उक्त आधानयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के विधित्व में कमी करने या उससं वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कर जिल्हों भारतीय अध्यक्तर अधिरिणम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम बा धन-कर अधिरिणम 1657 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियान में ख्रिया के लिए:

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-स के अनसरण कों मी उक्त अधिनियम को धारा 260-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---- (1) श्रीमती विनाः विश्वनाथ प्रभु

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चितामण पी० बाद और श्रीमती मिना सी० वाद

(अन्तरिती)

(3) 1 जश्री म्रनिल बुमार पुरुषेक्तम पोवानी और 2 पूर्णनंद सरस्वती को०-म्राप हाउसिंग सौसायटी जिमिडेड

(वह व्यक्ति जिसके ग्रहिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व व 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की ताणील स 30 दिन को अविधि, जा भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बदध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

शब्दीकरण:—इसमें प्रयंक्त शब्दां और पदों का, जो उनक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होंगा, जो इस अध्याय ही दिया गया है।

अन्सची

पर्लंट सं 103 जो पूर्णनाद सरस्ति को-म्राप हार्डासग सोसायटी लि० प्लाट सं 62 बागरांग वम्बई-6 में स्थित है मनुसूची जैसा कि कि० सं० म्रई--/37-ईई/2820/84-85 और जो सक्षम प्राधात से बम्बई द्वारा दिनांक 3-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी॰ एन॰ दुवे सक्षम गांधि गरी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्धन रेंज-1 बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

प्ररूप आई'.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) क अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांत्रय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1 बम्बई बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सँ० म्रई-1/37-ईई/3916/84-85--म्रतः मुझे, पी० एन० दुवे

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-इ के बधीन स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं अरे जिसकी सं फ्लैंट सं 3, जो, पहली मंजिल 'श्री राम ग्रार्शंटस' निर्माति इमारत 168 वैद वाडी ठाकुर- द्वार रिगांव बम्बई-4 में स्थित है (और इसने उपाबद अनु- सूची में और पूर्ण रूप से विजत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रहितयम 1961 की हारा 269 कछ के ग्रहीन बम्बई स्थित सक्षम प्राहितायम 1961 की हारा 269 कछ के ग्रहीन बम्बई स्थित सक्षम प्राहितारी के कादालय में रिजस्ट्री है दिनांक 15-

कां पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है आर मुफ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वाक्त सपत्ति का उचित पाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरितियों) की बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित दूरदूर्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से किथित पहा किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का; जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नेलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) आर के कत्स्द्रवशन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शांदीजाल मननजाल संद्वी

(ग्रन्तरिती)

(3) भाडूत (वह व्यक्ति जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया शुरू करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधिया तत्सबधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकारन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, **वां उक्त** अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं 3 जो पर्नी इंजिन "श्री राम प्रनार्धनेंटस् 168 दैस वासी सामुरकार जिरावि बम्बई-4 में स्थित है ग्रमुस्ची जैसा कि करु संश् ग्राई-1/37-ईई/3782/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-9-84 को रिनस्टर्ड जिया गया है।

> पीः एाः दुवे सक्ष्म प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज I, बम्बई

तारीख: 10-5-85

प्ररूप बाई .टी . एन . णुस . -----

मामकर विधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1 बम्बई बम्बई हिसांक 10 मई 1985

निर्देश सं० भ्रई-1/37ईई/3952/84-85--- मृत मुझे, पी० एन० दुबे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी तं ० औद्योगिक यूनिट सं० 209 को दूसरी मंजिल "शहा एण्ड नहार (वरली) लाईट इण्डस्ट्रियल इस्टेट" ग्राफ डा० ई० मोजेस रोड वरली बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपाबद ग्रमुस्नी में और पूर्ण रूप से विजित है) और जिसका कराशनामा ग्रायवर ग्रहिनियम 1961 की घारा 269 वख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राहिकारी के कार्यालय में रजिरट्री है दिनांक 15-9-84

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रित्पक्ष्म के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिकी (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, अब्द अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमकी निह्मरीका एम० दैया और श्री तुलसीदास एच० कारीया।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री किशिन नारायणदास पंजाबी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस**बद्ध** किसी उन्य। व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास कि किसी में किए जा सके गे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हालेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

अौद्धोगिक यूनिट सं० 209 जो दूसरी मंजिल "शहा एण्ड नहार (तरली) लाईट इण्डास्ट्रियल इस्टेट" ग्राफ डा० ई० मोजेत रोड वरली वम्बई-18 में स्थित है। ग्रमु की जैसा कि त्र.म सं० ग्रई- /37ईई/3976/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-9-84 को रजिस्टर्ड किया गा है।

> पी० एन० दुके सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज−1, बम्बई

दिमांक 10-5-1985 बाहर ॥

प्रकृष् बाह्ने . टी . एन . एस . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-म (1) के अधीन सुच्हा

भारत सरकारु

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं**् अई-1/37अईई/3886/84-85--अ**तः मुझे,

पी० एन० दुवे बायकर बिनानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट सं० 264 जो प्लैट सं० 1 सरनागती को०-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० सायन (पूर्व) बम्बई-22 में स्थित है (और इससे उगावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिज्ञका करारनामा आयकर अधिन्यम 1961 की बारा 269 कुछ के प्रजीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 15-9-84

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र-र्थातशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि खित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बाधिपियम के अभीन कर दोने के बन्तरक की दायित्व मा कमी करने या उससे बचन माँ सुविधा के सिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के बनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारां 269-च की उपधारां (1) के अधीन , निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् डिच्च (1) श्री ग्रार सुद्रमण्या ग्रथ्यर

(अन्तरक)

(2) श्री सुरींदर वुमार चुनीलाल कालरा

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सृषना करते करके पृत्रौक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिला कायेवाहिया करता हुं।

उच्चत संचति के अजन क संबंधि में कोई भी वाक्षेप :---

- (कः) इत सूत्रता ह राजपत्र में प्रकाणत की तारीख में 48 दिन का अविधि या तल्मंबंदी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समग्दन होतो हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीख से 4.5 विन के मीतर उक्त स्थावर प्रम्मित में हिंतबढ़ किसी प्रमय व्यक्ति दारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कथ जा सकेंगे।

क्षाक्षीक्षरण १-- इसमें प्रयुक्त मध्यों ग्रीर पर्यो का, जो उत्तत धाँ छे-नियम र ब्रह्माय अन्त से पोरमाणित है. वहीं सर्थ होगा, जो उस सक्ष्माय में दिया गया है।

मन्द्र्य

फ्लैट सं० 1 जो प्लाट सं० 264 सरनागत को० भ्राप० इन्डिसिंग सोसायटी लि० सायन (पूर्व) बम्बई-22 में स्थित

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/3952/84-85 और जो सक्षम प्राधिक री बम्बई द्वारा दिनांक 15-9-84 को राजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख:: 10-5-198 5

M 11 1. 11. 11. 11.

बायकर वरिपीनयम, 1961 (1961 का 43) की भरता 269-व (1) के बधान सुबना

पारह वरकर

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रज-1, बम्बई

बाबई, दिनां : 10 मई 1985

िदेश सं० दाई ·1/37-दीई/3864/84--85 —कात: मुझे, पी० एन० दुवे,

नायकर की धीनसभा, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रचात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन नक्षम प्रतिधकारी को, यह विक्वास करने का कारक हैं कि स्थानर सक्यील विक्रमा स्वित बाकार सून्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और कि की संव फ्लैट नंव 4, जो, चौथी एंतिल, इसारत संव 1, विदेशवा कि निया, को एगड़ा, द व्हैं -37 में स्थित है (और हासे उगाबद्ध अन्त्र्वीं में और पूर्ण का से विधित है), और जिल्ला का राज्य का कि कि आप 269 ख़ के व्हा व द दह स्थित क्क्षम प्रक्षियारी के प्रार्थित में कि दीं है दियों । 15 -9 -84,

कारे (बॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीत क के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वों कत सम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित्त बद्देश्य सं उच्या अन्तरण निचित्त में वास्तविक रूप से कश्चित महीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की नावड, उपक श्रीचिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के दाविल्य में कमी करने या उससे जाने से सुनिचा के निक्; बरि/वा
- (सं) श्रेती किसी वास या किसी वन वा बन्य वास्तिकां कर, जिन्हों भारतीय बाय-कर विविवयम, 1922 (१922 का 11) वा उक्त विविवयम, या भनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार विकासित क्वारा प्रकट नहीं किया का या ग फिया जाना काहिए था किया वीकार के स्विवया के सिए:

कतः उप, उत्रत क्रिपित्यम की भाग 269-ग के अतमरण के. में, शकर क्रिपित्रियम की भाग 269-म की उपधार (1) क्रिक्तियम क्रिप्तियम क्रिप्तियम

(1) 1. कुमारा पार्वती ए० अपा राज्यान और

2. श्रीमती गुणवन्ता ए० मिरचन्याना । (अन्तरक)

(2) श्रीनतीं पदमादेवी पिरूमल छः ब्रिया । (अन्तरिती)

को वह सुचना चारी करके पृत्रों नत संपरित के वर्षन के बिह्र कायथा ह्या करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप 2-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना का तामील म 30 दिन की अवधि, सा भी सबधि बाद में ममाप्त हाती हों, के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में में किसी क्यक्तियां दुशरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र माँ प्रकाशन को तारील सं 45 दिन के मीतर अक्षत स्थायर माम्मित्र माँ हिस्त्रज्ञम किमी अन्य स्थायल देशाय अधिहस्ताक्षरी के पाइ सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षेत्र रणः -- इतमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, औं उपध अधिनियम क अध्याय १०-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा, ओ उस अध्याय में किया मना हैं।

बन्त्षी

पर्नेष्ट सं० 4, जो, 4थी मंतिया हमारत सं० 1, िंट रेखा सि.ति नगर, गा: -कंल गाड़ा, गाई -37 में स्थित है। उन्तुची जैंग िक० सं० ई- /37 हीं/3936684-85 और नो अप प्राक्ति सी, व पई द्वारा विलोक 15 -9-84 को रिस्टर्ड िया गया है।

> पीं० एन० दुबे रक्षम प्राधि ा**रीं** सहायण द्राय∵र हाय्ह्स (**रिक्षिण**) स्रर्जन रेंज्-1, बस्द**ई**

दितां ह : 10 -5--1985

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की १२२ २६९-४ (1) के अधीन सुचना

भारत सर्कार

कार्यात्रयः, महायकः वायकर वायकः (निरीक्षण) व्यर्जन रेंज्-1, ब'राई

ब गई, िगंग 10 मई 1985

िदे । सं० र ई ·1/37-वईई/2885/84-85--म्रतः मुझे, पीं० एन० दुबे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पठचात 'एक्त अधिनियम' कहा गया है). की भारा 260-स के अधीन संश्म प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि न्यावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु में अधिक है

और ति की सं० गाफिए सं० 34, जो, 6वी गीलि न्यृतिक हाउ , प्रमित्रा गिराएरे को० शाण से गरिटी दि.०, 630 गिरापा रोड, ब दई ऐ, में स्थित हैं (और इस्से उपाध्य शत्-सूची में और पर्ण रूप से विणित हैं), और दिस्सा स्पारणामा श्रापण गरितिसम, 1961 की धारा 269 एस वे गर्धीन ब राई स्थित रक्षम प्राधिसारी के सामित्र में दिस्ट्री हैं, स्मिक 10 .9-84,

को प्रश्यम मध्यित के रिचित बाजार मत्य में कम के क्यमास शितफल के लिए बन्तरित की गई है और मृत्ने यह विश्वाद करण का कारण है कि प्रथापवांक्त सम्मन्ति का उचित बाजार मृत्य, उड़के देवस्थान प्रतिफल में, ऐसे देव्यवान प्रतिफल का वंदक प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंगरका) और बंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पांदा गया प्रतिफल, निम्निविद्यत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बाम्सिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- कि) अप्लरण संहर्ष किसी आय की बाबता, सामत अधिनियस के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व मों कमी करने या उसमें अचने में स्विधा के किए, और या
- (ख) एंग्से किली आय या किसी धन या क्रम्य कास्तियाँ की, जिल्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राजित्तां उत्तरिती ब्वास प्रकार नहीं किया गया १८ १८ किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

ं जत अत्र. उक्त लीधनियम की धारा 269-ग के अनसरण हों, में प्रस्त लीविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीर निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात:--- (1) श्री श्याम जिलासम जांगसम्।

(अन्तरकः)

(2) श्रीं चिमणदास पेसूमल महतानी।

(अन्तिती)

(3) ग्रन्तिती।

(वह वाक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) इन तिती।

(न ् व.क्ति, ि वे बारे में हुधेहस्ताक्षरी जानता हैं ि वह सम्पत्ति में श्विबद्ध हैं)

को यह मचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षंप :----

- (क) इस संचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए दा सकींगे।

स्पक्ष्मीकरण: इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

समसर्थी

अन्तित सं० 34, जो, 6वी मंत्रित, न्यू िरु हालस म-णिएन जिल्लाचे को०-काए० सोत्यद्धं, लि०, 630, गिर्णाम रोड, बर्ल्ड्-२ में स्थित है।

ग्रन्स्ची जै। िक सं श्राही ।/37 श्री श्री 3747/84-85 और नो असा प्राधि ।रो, ब बई द्वारा दिनांवः 17-9-84 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> पी० एत० दुबे सपम प्राधि हारी सहायक आयकर आयका (निरीक्षण) अर्ज**ं रें!**-1, बन्ब

বিশাচ : 10-5-1985

प्रस्य बार्च : दर्श : एव : एव : :------

बादकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाषु

कार्यातय, सहायक भायकर भायकत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रोज-ना, **ब**ग्दई

बदाई, दिशंग 10 मई 1985

िदेग सं० अई ·1/37--ईई/3814/84--85----अतः मुझे, पीं० एन० दुवे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

अमे: मिलि लो तं व्यूटि सं 227, जे, यू मा मंतिल वडाता उद्याग भवा यूटि हल्डर्स को व्याप सं गत्टी दि. 8 नामाप का परेड, वडा मा, ब मई 400 031 में स्थिम हैं (और इसे उमाद पनुपूर्वी में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिस्ता कराव प्रमुखी में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिस्ता के भी के परि द इहिंग्यत असम प्राधिनारी के वार्योत्य में एपिस्ट्रीं है, दिस : 10-9-84,

को उर्वोक्स मन्यति के उपित बाबार मृत्य से का के कायमान प्रतिकंस के लिए बंदरित की गई है और मृभे यह विश्वास क्ष्रंत का कारण है कि ग्रंथाप्यांक्त सम्प्रीण का उपित बाबार बृत्य, असके प्रमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिकल के प्रमान प्रतिकल के प्रमान प्रतिकल के प्रतिक्रत से रिषक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्रमा इतिकस निम्नितियोंत उद्देश्य से उक्त बंतरण निवित्य में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बावर, उपस श्रीभित्यम के जभीन कर दोने के जतरक के श्रीश्रत्य में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा नोडे भिष्ट; जोर/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनयम, या धन-कार बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया निया जाना चाहिए था, खिपाने बें बिस्था के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रामतो जेर शावत डामानिया ।

(भ्रन्तरक)

- (2) मे उसे केंग्रज इन्डस्ट्रीयल का पोरेशन । (अन्यतिती)
- (3) अन्तितीं (वड्ब्सित, जिलके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) अन्तितीं (वर्कतित, जिल्के बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह स्चना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्वपाहियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीज में 30 दिन की अविधि, जो भी खनिथ बाद में समन्द होती हो, के भीतर पूर्वोज्ञत व्यक्तिमां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ड) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी बन्य व्यक्ति दवारा, अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये जा सकेंगे।

स्वाधिकरण :--- डमंगे प्रयुक्त बब्दी और पदों का, जो उक्त विधिनयम के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वहा अर्थ हागा जो उस सध्याय में दिवा ग्वा है।

अनुसूची

यूटि नं० 227, दूं रा महाला , बडाहा एद्धरेग भवन, यूटि होल्डर्स को०-जाप० से गटी दि ०, 8, नायगाम कास रोड, बडाला, द एई-400 031 में स्थित है।

श्रनुपूची में 1ि ऋ० सं० ः ई · I/37 · ईई/3730/84-85 और जो क्षम प्रधि ारः, बन्धई द्वारा दिनांकः 10--9-को रिस्टिंड िया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्दई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप वार्ड . टी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, सम्बई

बम्दई, दिनां र 10 मई 1985

िदेश सं ॰ ऋई-1/37-ईई/3789/84-85--- ऋतः मुझे, पी॰ एन॰ दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन रक्षम प्राधिकारी को यह जिक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और ति की सं० फ्लैट सं० 302, जो, तीं रीं मंतिल, शाशर विता, 242, ईस्ट-नयन रोड, रायन, बमाई-22 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका एरा गामा शायार अि यम, 1961 की धारा 269 कि के अधीं। बम्बई स्थित क्षम प्राधि गरी के वार्यालय में जिस्ट्री है, दिशांग 4-9-1984,

को प्यांक्त स्प्रमित के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रितिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रितिफल के पंक्ष्ट्र प्रितिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरिनियों) के बीच एसे अंतरण के लिए नय पाया गया प्रितिफल, निम्निलिखत उददेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण भे हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दांग्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्राह्मिस्य की, जिल्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर श्रांधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती दगरा प्रकट नहीं किया गया था या तिया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

(1) में सर्भ आशर डेव्हलपर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सतापाल कौर मनमोहनसिंह रेहगल । (ऋन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लि। कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
 सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत र पूर्वोक्त
 व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्रारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीं

पलैट गं० 302, जो, ती री मंचित, आगर तिला, 242, इंट संयत रोड रायन बग्दई-22 में स्थित है। अनुरुची जा ि क० सं० आग-1/37 रिं3588/84-85 और जो रक्षम पाधिव री दम्दई द्वारा दिनाक 4-9-84 को रजिस्टर्ड विया गया है।

पीं० एन० दृब सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (किरीक्षण) श्रजीत रैंड:- बम्बई

दिनाँक : 10-5-1985

महिर :

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस. - - - --

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्मन रेंड-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 गई 1985 निदेश सं० श्चर्ड-1/37-ईई/4054/84-85--श्चतः मुझे, पी० एन० दुवे,

नाधकर कीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६०के परचात 'उक्त नांधनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पलैंग न० 43, जो, गुन्तिम्थान, 13 एम० एल० डहाण् हर मार्ग, बम्बई-26 में न्यित है (ग्रौर इजि उपाबद अनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिस ज करारनामा ग्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 एख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि जरी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 28-9-1984,

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे, यह विश्वास करना का कारण है कि यथापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुन्ब उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के बन्ध प्रतिकात से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिता । अतरिता के बीच एम अतरण के लिए तब बाबा गया प्रीच-कल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बंतरण से हुई किनी बाब की बाबत, उक्त ब्रिथिनियम के बधीन कर दोने के बंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बॉर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रीधिन्यम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोग पर्य के किया बाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में. में जन्म अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित स्यक्तियों, वर्षात्.--- (1) श्रीमती कीशस्यादेवी धवन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री डी० श्रा२० पिगे।

(अन्तरिती)

(3) मेतर्स हरबटेरनस लिभिटेड । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थना जारी करके पृशेंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी क्यांक्तमां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भीं अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेषिक व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीचां हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिना बद्ध कि मी त्रन्य व्यक्ति दवारा अधाहस्ताक्षरा का साम निर्मित में किए जा सकीमे।

स्वध्दीकरण:--इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, वो उववं अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभोषिक है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्वाव विशे दिया गया है।

अनुसूची

पलैट सं० 43. जो, गुलिस्थान इमारत, 13, एम० एल० इहाणकर मार्ग, बम्बई-26 में स्थित है।

अतुसूत्रों जीत हि क० सं० अई-1/37-ईई-3819/84-85 और ज मक्षम प्राधि गरी, ब वई द्वारा दिनांक 28-9-84 को रजिस्टर्ड दिया गया है।

> पी० एन**० दुवे** सक्षम प्राधि गरी राहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), 'प्रजन रेंज-।, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर 🚁

क्ष्य बाह् . हो . एव . इष . ----

बासकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) के व्धीन सूचना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक बावकर बायुक्त (निरिक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985 निर्देश सं० ग्रई/37ईई/2658/83-84--ग्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

आविकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पण्याक्ष 'उकत विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा :269-च-के वधीन मध्य प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार सून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भवेर जिसकी सं० पलैट सं० 69, 7वां मजला, प्रेम मिलन, 87बी, नेपतसी रोड, बम्बई 400 006 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्न रूप से विणत है), और जिसवा करारनामा आय कर अधितियम, 1961 की धारा 269 वस्त के अधित बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के वार्यालय में रिप्स्ट्र है, दिनांक 10—9—84,

का प्यांक्त सम्यक्ति के उचित बाजार मृन्य में कम के क्यामान इतिकास के निग्ध अन्तरित की गई है और मझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त नम्पत्ति का उचित बाजार क्ल्य, इसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का नेइह प्रतिकान में अधिक ही और अन्तरक (अनरकों) और अन्तरिती (क्षण्डिरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए नय पाया वया प्रतिकान, निम्नीकांकत उद्देषम्य में उच्त अन्तरण कि विति से बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधिनियम क अधीन कर दोन की अन्तरक, की कृषित्व मो कमी करने या उससे बचने में सुविधा अबेसिए; आरि/बा
- (क) इसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तिकों कां, जिन्हों भारतीय आयकर ऑधिनयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया बया था या किया बाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए:

बहा बन, उसन स्विनियन की भारा 269 न के स्वाप्तरक में, में, उसत अधिनियम की भारा 269 म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थाद :--- (1) श्री अर्ड तमल ह्याराम शामदा तदनी

(अन्तरक)

(2) श्री सर्तिश मेहरा एण्ड ग्रन्य

(ग्रन्तरिती)

- (3) श्री सतीण मेहरा 17-1-69 से (वह व्यक्ति, जिसे मिश्रिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) उतके तोन दूगरे भाई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

ः कर्ने यह स्थाना बारी करके पृवाँक्त संपत्ति के वर्षन के निक् कार्यवर्गाह्या करता हु।

उक्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की क्वधि, जो भी अवधि बाद म समाध्त हाती हा, क भीतर प्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख **ए** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पोत्त माहतबद्दश्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छितकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहु। अब हुएगा, जा उस अध्याय में विद्या गढ़ी।

वन्त्र्य

पलैट सं० 69, 7मं मन्जला, प्रेम मिलन को० ग्राप० हाउँ जिम सो नायटो लि०, 87-बो, नेपनसो रोड, बम्बई-400 006 में स्थित है।

अनुसूची जैता कि कि॰ सं॰ अई-1/37-ईई/3564/84-85 और जाक्षम प्राधि ारो, बम्बई द्वारा दिनांक 10-9-84, की रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधि ारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-।, बम्बई

दिनांक: 10-5-1985

मोहर 🛭

प्रस्प बाइं. टी. एत. एत. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-I. बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

पी० एन० दुबे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिनको सं जाना के साथ जमीन, विस्रारिंग सी ज्यान सं 1390 स्रोर 1/1392 जो ल सर परेल डिवीजन, सेनाप्ती बापट मार्ग, एफ जपी जस्त 489, 489-ए (स्रंज) माहिम डिवीजन, कुंभारवाडा. वस्त्रवाचन्द मिल कम्पाउण्ड, दादर (प) वस्पर्द-400 028 में स्थित हैं (स्रोर इससे उपाबद स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण क्प में विजित हैं), स्रोर जिसका करारनामा भागकर स्रिधितयम, 1961 की धारा 269 वस्त्र के स्रधीन बम्बई रिथत सक्षम प्राधि वारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 15-9-

का प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त को लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से, एसे दृश्यमान प्रतिपत्त का पत्त्वह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा यवा प्रतिपत्त, निम्नीकांखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखिक में बास्तावक रूप स कथित नहीं किया गया है क्रिक

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 विर/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्त बास्सिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था गा किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुविधा के सिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:—

- (1) मेससं ग्रमर बिल्डसं व डेवलपमेंट प्रा० लि०, (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स जातीन रेपर इण्डस्ट्रीज ।

(म्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके श्रिष्ठभीग में सम्पत्ति है)

का बड़ स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्ववाहिया करता हुं।

एक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वमा के राजपत्र के प्रकालन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर क्षाना की तामील सं 30 दिन की अविध , जो की विधि से विद्या की से समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस नुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के शक्ष निखित में किए जा सकोंगे

स्वस्त्रीकरण :----इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ हागा अर उस अध्यास में दिया गया है।

बन्स्ची

माला के साथ, विक्रिरिंग सी० एस० स० 1390 फ़ं 1/1392 जो ले. क्र परेल डिविजन, मेनापित बापट मार्ग एफ० पी० स० 488 व 483-ए-माहिम डिविजन, कुंभारवाडा कस्त्रचन्द्र मिल कम्पाउण्ड, दाटर (प) बम्बई-28 में स्थित है।

धनुसूची जैता कि कि सं ध्रई-1/37-ईई/3947/84-85 और जे. सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-9-84 के. रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधि हारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन र्रेज-1,बम्बई

दिनांक: 10-5-1985

प्ररूप बाइ'.टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-।, बम्बई बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई/37र्दई_/3797/84-85--अतः मुझ पी० ्एन० दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्मन्ति जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्नौर जितको स० फ्लैट सं० 402 4था मजला, ग्रिशिर विला, सायन (पू) रोड बम्बई-400 022 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावढ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रिधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 4-9-84,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चित बाबार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नद्दं हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह 'तिद्यत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका)ं और अन्तरित (अन्तरितयांं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, स्वक्ष अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अधि प्रयोजनार्थ अन्तरिती दशारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपान में सुविधा के लिए।

जन अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेत्रसं द्याशा डेवलपसं।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रामकुंबर हिरासिंग सेहगल । (अन्तरिती)

को बहु स्चना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वना की ताजील से 30 दिन की अविध, खो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (का) इस स्थमा के राजपत्र से प्रकारण का तारीक की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निकित में किए जा सकते।

स्पाद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

फ्लैट सं० 402 चौथा मजला, स्रशार किता, पश्चिम सायन रे.ड. बम्बई-400 022 ।

स्रनुसूत्रो जैता कि क०स० स्रई-1/37ईई/3586/84-85 स्रौर जं. सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-9-84 की रजिस्टढं किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधि कारी सहायक आकर श्रायुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज-।, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

यांहर :

जक्य बाइं.टी.एन.इस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के वधीन हुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर माय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज--1 व वर्ष

बराई जिनक 10 गई 1985

निर्देग सं० अ**ई** ·1/37 ईई 3786/84-85--श्रतः मुझे पीं० एन० दबे.

बाक्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसकों इसको पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को वधीन दक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार बृत्व 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

बी: कि की पं० फ्लैट सं० 301, को ती र मिति शाशर विता 242 ई ए- पया रोड गायन ब यई 22 में स्थित है (और इसे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्षित है) बीर जितका प्राप्तामा आयार अविकित्स 1961 की घरा 269 एवं के अधीन बन्दई स्थित सक्षम प्राव्विगरी के नार्यालय में जिस्ही है।

ब्द्धों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के आवनाव प्रमित भा के लिए बन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके कवमान इतिफल सं. एसे क्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से विधिक हैं और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पावा गवा प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंदित नहीं क्रया गवा हैं:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत, उक्त जिक्तियम के जधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (वा) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मॅं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मे तर्व ग्राशर डेव पर्स ।

(प्रनारक)

(८) श्री म मोहत ग जयमत जिंग सहगल । (धन्जरिसी)

करे यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाद्दियां करता हुं।

उनत संबंधित के जर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोब :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों अप सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो और अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (ब) इस त्वना के राजपत्र में प्रकातन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के किन-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरीके वास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाक्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को स्ववह अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमाणिक है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा गया है।

वन्स्ची

फ्लैट सं० 301, जो, तीं रीं मंि: श्रामर विला, 242, ई.ट-ायन रोड, सायन. बम्बई-22 में स्थित है।

श्रनुसूचः जैशाि क० सं० अई-1/37-ईई/3885/84-१5 और तो क्षम प्राधिाहार, बम्बई द्वारा दिना∉ 4-9-84 को रशिस्टर्ड िया गया है।

> ं चीं० एम० दुवे सक्तम प्राधिकाची सहायक प्रायक्तर शायक्त (िच।क्रण), प्रार्जन चेंजें-1, वस्यक्ष

दिगांक: 10-5-1985

प्ररूप बाई .टी.एन एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंड:--1,ब दई

ब स्टिंगि है 10 नई 1985 निर्देश सं० अई--1 37- ईई 4029 84--85---अतः मुझे, पीं० एन० दुवे,

बण्यकर ब्रोधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का ब्राह्म हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 100,000/- रु. से अधिक हैं

और जि की सं० फ्लैट सं० 51, जो, रेघा आर्टिमेंट, पाट वीं, रेघा शांचर, सीं० एर ० सं० 790 (अण) 789 अं : वीं/ ११६, मलब एहींल और खंबाता हिल, भ्लाभ है ने परिं रेड, ११ धर्ड— 26 में पित है (अं एडस्सेटए बर इन्स्चिं में अं एण्णें स्प से बॉजत है और पिरका वरारनामा आयकर अधि यम 1961 कीं धात 269 एस वे अधींन सम्बद्धी स्थित रक्षम प्रधि गरीं के वार्यालय में एजिस्ट्री है, दिनांच 24-9 84,

कारे प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान इतिकल के लिए अन्तरित की गर्ड है

बर्ग मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त कर्मिति का उचित बाजार मृल्य उसके द्वायमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (वंतरकों) बार और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के क्षिय तथ बाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्त-स्थ विचित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (क) एँसी किसी आव या किसी धन वा करक बास्तियाँ को, जिन्हों सारतीय बाव कर बाँधनियम, 1922 (1972 का 11) या उक्त बाँधनियम, वा धन-कर बाँधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

कर्त कर उच्न किथिएग्रंग की धारा १६६-ग के जनसरक हैं, में, उच्त किशिएग की धारा १६९-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्तित व्यक्तियों. अधीन :---

(1) 1. श्री प्रभाकर ानजीं स्रारसेटट, 2 श्रीमतीं सुमतीं पीं वर्ष रसेटट 3 श्रीमतीं नन्दा ग्रावित संबरसेटट, 4. श्रव्मत अनाल बीं सारसेटट, 5. शुबल संबरसेटट और श्रन्य ।

(म्रन्तर∵)

(2) श्री राम इस्टेट एण्ड प्रापर्टीज प्राइदेट ि॰। (ग्रन्तिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकारन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गड़ा है।

वनसधी

पलैट सं० 51, और गारणि एस्पेण, ो, रेवा श्यार्टमेंटस, महा क्ष्मीं टेम्पल के पार, भुगमाई देगई रोड, बन्बई -26 में स्थित है।

अनु ची जै । वि कि सं रुई ·1/32-ईई/2992/84-85 और जो 'क्षम प्रिधारी, बम्बई द्वारा विनाव 24-9-24 की रिस्टिई या गया है।

> पीं० एत० दुबे सक्षम प्रक्षितारी सहयक भ्रायकर शायक्त (रिक्षिण) भ्रजीत रेज-1, बम्बई

दिशाँए : 10·5·1985

मोहर ा

श्रुष्य बार्ड . टी. **१**न्, **एस**्, रूल्ल

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नधीन सुमना

भारत सरकार

कार्याजव, बहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजी राजा - I, बमाई ब सही जिला - 10 मही 1985 तिर्देश सं० अही 37ईई 3947,84-85 - मतः मुझे, भी एस० दुवे,

बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाय 269-च के अधीन सक्षम प्रतिभवारी का यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्मन्ति जिसका उच्चित बाजार सृज्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जि की संव पर्नेट संव 5, पहारा मजारा, हन्मात शरन कोल-पापक हार्जिंग से पर्दी, बो जी पेटींग रोड. बाबई 400 026 में ज्या है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगत है), और सिसका प्रयासामा आयार अधिकाम, 1961 की धारा 1961 की धारा 269 ख के गधीन बन्दई स्थित सक्षम प्राधि रिने ने प्रामित्य में किस्ट्रें है, दिनंक 25-7-84,

का पूर्वोक्त सम्मित के उचित वाचार मृज्य से कम के क्षममान प्रतिष्यम के लिए अंगरित की गई है और जाने वह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित वाजार मृज्य, उसक क्षममान प्रतिफल से, एसं क्षममान प्रतिफल का पन्तक प्रतिफल का पन्तक प्रतिफल को वार बन्तरिती (अन्तरिता) के बीच एसे बन्तरम के लिए तब वाया नवा क्षितक , मिन्निवित उद्योध्यों से उसल बन्तरम सिविक वे वास्तिक क्षम से किएत वहाँ किया नवा है ---

- (क) कल्लरण से हुई किसी बाय की वावता, उपल विधिनियत्र के बधीन कर दोने के बल्लरक के द्वायित्व में कमी करने या उससंवयने में वृत्तिया के लिए; और/वा
- (व) एमी किसी बाय या किसी धन या बन्य डाम्लिकी की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 77) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया वया था या किया जाना था, छिपान में सुविधा के सिए:

अल अब उस्त दिन्दा की धारा 260-त के अनसरण को अं अनसरण को उस्तार की भाग 260-त की उपधारा (1) के अधीन, निमालिखित व्यक्तियों, अर्थेट :---

- (1) श्रींभतीं िरमला गुरुयस्य छ।गद्यलानीं । स्वतः क)
- (2) श्रींमतीं बोल्टास ि.मिटेड । (ग्रन्तितीं)
- (3) ब्रन्तिती (वह व्यक्ति, जिलके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ह) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अधिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिस के बीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्वर्थ किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पाड निवित में किए वा सकेंगे।

स्वक्ष्यीकरण;---इसमें प्रयक्त सब्बों नीर पदों का, जो उपक अधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होगा को उस वध्याय में दिया नवा है ।

ऋनुसूचीं

पत्तैट सं० 5, पहारा मंगात, हन् गा गरत को आप॰ सो गाटी ि०, बोमा जी पेटींट रोड, बन्सई-400026 में स्थित है।

अनुत्वीं जैगिति क० स० हाई ग/37 हैई/3971/84-85 और जो क्षा प्राधितारी, बन्धई द्वार दिनां र 15 -9 -84 का रिजस्ट ई जिया गना है ।

पीं० एन० दुबे
स्थाम प्रधि गरीं
सहायव आयवा आय्वा (रिक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दितां ह : 10-5 1985

प्ररूप नाई. ट. एन. एस. - - ---

चारायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर लागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंल्-∙I, वम्बई वम्बई, दिनां∉ 10 मई 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/3763/84-85---प्रतः मुझे, पीं० एन० दुबे.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीर नक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिन, जिसका उनित बाउर मृन्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिल्ली सं० फ्लैट सं० 751, गंगाम इमारत. जे. तिर्माना-न्यू प्रभादेवी रोड, बम्बई—927 में स्थित है (और इसमें उपाबढ़ ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप के विणित है). और जिसका करारनामा ग्राप सर प्रधितिपम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित पक्षम प्रधिकारी के नार्यालय में रजिस्ट्री है. दिनांक 10-9-84.

को पूर्वायत सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और युक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत संस्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अक्सरक के दायित्व में अमी बान या उसमें बचने में ल्विक्स के लिध और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कत. कह, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीत, निम्नलिकित व्यक्तियों, अभौत :--- 31—116 GI|85

(1) मेसर्स बिल्डार्क।

(अन्तरक)

(८) श्री िसर जेक्ष्त्र गोडिन्हो और श्रीमती जेस्सी सीं० गोडिन्हो ।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कृष्क करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अत्रिधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से जिन्ही स्वर्ध कर कर
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधन्त्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए ए अधन्त

स्पष्टीकरण :--इसमा पान्ना शब्दा भाग गरा का, जा एक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मों परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भया है।

फ्लैंट सं० 51. जो, 5वी मंजिल, गंगा-भाई इमारत, फायनल प्लाट सं० 927, टीं० पीं० एस० 4. न्यू प्रभादेवीं रोड, वम्बई-25 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-ा/37-ईई/2886/84--85 और जो सक्षम प्राधिारी, वस्वई हास दिन्ते 10--9--84 को रजिस्टर्ड विसा गया है।

> पी० एन० पर्बे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राप्यक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रोंच-1, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की परा (10 प (1) का अधीन सुचना

भारत सरकार

बस्एई दिनांक : 0 मई 1985

निदेश सं ग्रर्ड-1/37ग्रर्डर्ड/2393/84-85--ग्रत: मुझ पी० एन० दुइ

अप्रकार क्षितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार (उन्हें अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं गोडाउन सं 9 को भारत इण्डस्ट्रियल इस्टेट ठोकरणी जीवराज रोड सिवरी वस्वई—15 में स्थित है (और इपसे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और चिसका करारनामा आयकर ग्रीधिनयम 1961 की धारा 269 छद के ग्राधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिशांक 6-9-84

को पूर्विकत सम्पत्ति है उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथाप्वेकित सम्मित्त का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्य-मान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्चत से अधिक हो और उन्तरक (अन्तरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) को बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्दोश्य सं उक्त अंतरण तिखित मों वास्तिबिक रूप मं कथित नहीं किया गया हो .---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के परित्य में कभी बरने या जसमें बचने में स्विधा के लिए; और/41
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों गो, जिल्हों भारतीय आध-कर अधिनियम, 1922 (,92) का 11' धा अन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नःथ अन्तरिती बवारा पकट नहीं किया गया था य किया जाना चाहिए था खिपाने मो एनिया इं "लए;

भी ६४. उपन अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्बलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती भानूमती विरीजशहा

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री श्रेयस जे शहा और सचित जे शहा (ग्रन्तरिती)
- (3) अन्तरितियों (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्साव्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, तो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में तिए जा सकों में।

स्पष्टीकरण :---इसमीं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपर अधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गरा हैं

अनुस्ची

गोडाउन सं 9 जो भारत ६ण्डस्ट्रियल ६स्टेट ठोकरशी जीवराज रोड सिवरी वस्वई-15 में स्थित है

ग्रनुसूची जैसा कि क स ग्रई-1/37ईई/3561/84-85--और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-9-84 को रजिस्ट दं किया गया है

भी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 10—5—85

मोहर 🖫

प्ररूप बाह्रं. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकाडु

कार्यालयः सहायक अायकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं ग्रई-1/37-ईई/2826/84-85--ग्रतः मुझे पी एन दुबे

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं दुकान सं 11, जो ग्राउण्ड फ्लोर महावीर ग्रापार्ट मेंटस ताडदेव रोड बम्बई-7 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ ग्रनुस्ची में और पूर्णरूप से वणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्राधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है दिनांक 3-9-84

को पूर्वोक्त सम्पिति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यहापूर्वेत सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पेंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है थे अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अभिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दारियत्व मो कमी करते या उत्तर्भ जबन मो मृतिभा के निष् और िय
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था. छिपान में स्विभा के लिए;

(1) मेसर्स वर्धमान बिल्डर्स

(म्रन्तरक)

(2) श्री पार्वतीबेन कचराभाई प्रजापती नितीन्त्रुमार रमनलाल प्रजापतीं, और श्री रमनलाल कचराभाई प्रजापती

(ग्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए ार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंग म कोई भी आक्षा :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्रांतरुयें कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यंवत द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का लारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकारी अन्य प्यक्ति त्वारा अधीहस्ताक्षरी के आम लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रश्वत शब्दा और पदों का, जो उला अधिनियम के अध्याय 20-का मा परिभाषि। हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिला गया है।

बन्स्ची

दुकान' सं० 11, जो ग्राउण्ड फ्लोग्रर महाबीर श्रपार्टमेंटस ताडदे रोड बम्बई-7 में स्थित है

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं ग्रई-1/37–ईई/3506/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 3–9–84 को रजिस्टर्ड किया गया है

षी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज–I, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थात् :---

दिनांक : 10-5-1985

परूप बार्ष .टी .एन .एस . -----

क जमार लोजीनयमा. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मार्गा का लक्षीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन, रेंज-I, बम्बर्ड

बम्बई दिनांकः 10 मई 1985

निदेश म अर्ड-1/37- र्डि/3489/84-85--- अतः मुझे पग्र० एन० द्वे

आयकर अधिनियम, 1961 (, 6) का 43) (जिसे इसमें इसर प्राप्ता के कि किया प्रशास्त्र हैं), की भारा 269-इ व अर्थी परूप भारतारों को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संश्यात जिसका उच्चित बागार मृल्य 1,00,000/- एउ. से अधिक हैं

और जिसकी मं पहाँट सं 505 जो 5की मंजिल इमारत ''जी'' विना विना अपार्टमेटस आसार्य दोदे मार्ग सिवरी (प) बम्बर्ट-15 में स्थित है (आर इससे उपायक अनुसूची में और पूण रूप ने विणय है) आर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 265 कर के अर्धान वम्बर्ड स्थित सक्षम प्राक्षिणारी के दार्थां प्रयोग रिकस्ट्री है दिनांक 16-10-1984

को पूर्वावत सम्पत्ति के उत्वत बाजार मूला से काम के दश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास तरं का कारण है । के उद्याद सम्पतित का उचित बाजार प्रस्त उसक अध्मान धीतफल सा, एम अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्ताराजया) के बाक एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिन्दीलाका उत्याद अन्तरण लिखित मे गस्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण स ५% विकर्त अप की वाबत उभक्त संदित्तियम अ १४%न कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करते या उससे यवने मो सुविधा के लिए, अगर/या
- (ख) एसी किसी जाय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह मन्तिय आय-कर जाधीनयम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, धा धन कर कर्मधिनियम, भिन्न प्रकट नहीं किया भया था भिन्न जाना चाहिए था. खिपाने में सुविधा के किए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों.. अर्थात :— (1) डा० एन० एस० पारीख

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जगन्नाथ विश्वनाथ विल्ला और कमलाबाई जगन्नाथ विल्ला ।

(अन्तरिती)

का यह सुपना भारा कारक व्यानस क्यांत्त के श्रजन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 ंदन की अविधि , जो भी सविध बाद में सम्मन्द होती हो, के जीतर पूर्वों कर क्यां बहुती हो, के जीतर पूर्वों कर क्यां बहुती हो से किसी स्थित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावर द्वार जगहस्ताक्षरी के पास किस का मार्च किसी कर किस का मार्च

स्वध्यांकरणः — इसम पय्क रब्दः और यदा और जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभागितः हो, वहीं अधे हानः कः उस अध्याय मी दिया विषा हो।

जन्स्च

जपलैट सं 505 जो 5वी मंजिल इमारत सं ''जी' बिना विना ग्रपार्टमेंटम ग्राचार्य दोदे मार्ग (सवरी (प) वम्बई-15 में स्थित है

स्रभुम्की जैसा कि कम सं स्रई-1/37-ईई/3919/84-85 और जो पक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 16-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> भी० एन० दुवे भक्षम प्राधिकारी सहाय स्माप्तिर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-], बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोसर •

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं ग्रई-1/37ग्रईई/3788/84-85--ग्रत: मुझे पी० एन० दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं फ्लैट सं 401 जो 4थी मंजिल ग्राणर विला 242 ईस्ट सायन रोड सायन वम्बई-22 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ ग्रन्भूको में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कछ के ग्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 4-9-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थान् :-- (1) मेसर्स ग्राशर डेवलोपर्स

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हिरासिंग चयमल सिंग सेहगल

(अन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं 401 4थी मंजिल ग्राशर विला 242 ईस्ट-सायन रोड सायन वम्बई-22 में स्थित है

स्रानुसूची जैसा कि के सं ग्रई-1/37-ईई/3587/84-85 और सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-9-84 को रिजस्टर्ड किया गया है

भी० एन० दुबे मक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I, बम्बई

दिनांक : 10-5-85

and a landacine to the period appearance of

कृष्यं सहरे. द्याः एवः एवः -----

नाथकर नाधीनवम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सुपना

भारत हरकार

कार्यांनय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-। बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं ग्रई-1/37-ईई/3803/84-85 ग्रतः मुझे, पी० एन० दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसभें इसके पदशह (जिसे अधिनियम कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्होत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं फ्लैट 9 जो अधी संजिल ''राधा कान'' रोड ६० ४ सायन (पूर्व) वस्वई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण एप से वर्णित है) और जिसका करारतामा आयकर आधीनयम 1961 की धारा 269 कख के अधीन वस्वई स्थित सक्षम पाधिकाण के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिलाक 10-9-84

को प्रविक्त सम्पांक क उचित बाजार मृत्य न क्रम क इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है ि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार शृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरितों (अन्तरितों को कीच एसे अन्तरण के लिए अय प्राया गया प्रतिफल निज्नलिखित उद्देश्य से उक्त अप्रण लिखिए में बास्तविक सामि कीचति नहीं निया गया है: --

- (अ) अन्तरण से हुई विश्वेत अप की वावत, उक्त अभिन्यम के अभीत आप वीते के सत्तरक के वर्शमरत्र भी कभी कगते का उसरो बचने में मृणिधा तुर्गे कर्ना की
- (का एक्सी अब्य या किसी अन या बन्य आस्तियों की चिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (१९२२ का ११) या उन्त अधिनियम, या श्रान्तिर अधिरियम, 1957 (1957 का 27) का एप्रोप्तिय मन्ति (ती द्वारा प्रकार नहीं किया गणा था या किया जाना चाहिए था, उछपान में स्तिया के लिए;

(1) मेसर्स राधा बिल्डर्स

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहितवुमार बाँ० पारंख और श्री भूरालाल एच० पारंख ।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरितियों (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूबना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्बन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षंप :---

- ंक) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध सैं
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत्
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा मकोंगे।

पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

वन्स्ची

फ्लैट सं 9 जो 4थी मंजिल ''राधा कान'' रोड सं 4 सायन (पूर्व) वस्वर्ड में स्थित है।

ग्रनुस्ची जैसा कि कम सं ग्रई-ा/37ईई/3713/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई आरा दिनांक 10-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेज-1, बम्बई

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थीन, मिम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांकः 10-5-85

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

अगयकर जीधीनथम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई दिनांक 10 मई 1985 निर्देश सं ग्रई-1/37—ईई/3830/84–85—-ग्रतः मुझे पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं पलैट सं 9 जो बादतुल ग्रमान सी दूसरी मंजिल दूसरी इंकन रोड नागपाड़ा जंक्शन वम्बई-8 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिक्षितयम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 10-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्व, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्त-विक रूप से करियत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण संहूइ किसी बाय की बाबत, उक्त बिधीनयम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दारित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बहि/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन था जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ब्या था किया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ब्राधीन, विम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् म—

(1) श्री हरून रशीद ग्रहमद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सैयद कमालुद्दीन जैड, नागामिया और श्रीमती शहेदा के जैड नागामिया

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक वह व्यक्ति जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)

को यह युचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष :-

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बविध या तत्त्वस्वन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ब) इस सूचना के राजपत्र मां पकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद किसी कर मां किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पलैट सं 9 को बायतुल ग्रमान "सी" इमारत दूसरी मंजिल दूसरी छंकन रोड नागपाडा जंक्णन बम्बई—8 में स्थित है

त्रनुसूची जैसा कि कम सं ग्रई-।/37ईई/3746/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है

> भी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, बम्बई।

दिनांक : 10-5-85

प्ररूप बाई .टी.एन.एस. .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं ग्र $\hat{z}=1/37$ ग्र $\hat{z}\hat{z}/3936/84-85$ --ग्रतः मृङ्गे पी० एन० दुबे,

कायकर अिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1.00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं दुकात सं 2. जो मिणितिया ब्रपार्टमेंट, महातार पढ़ाडी रोड, माडगांव, बम्बई-10 में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा ब्रायकर ब्रिक्टियम 1961 की धारा 269 बढ़ के ब्रिक्टीन बम्बई स्थित सक्षम प्राष्टिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है दिनांक 15-9-84

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित दाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्हरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का बारण है कि प्रश्ना पूर्वेक्ति संपत्ति का गाँचल बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी बरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

इत अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रेयम विल्डर्स

(ग्रन्तरक)

(2) म्कण मोतीनन्द नागडा

(ग्रन्तरिती)

(3) प्रत्निर्फा और उनके परिवार सदस्य । (वड व्यक्ति जिसके स्रक्षिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितइद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विक्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

दुकान सं 2. जो मिलितिया श्रपार्टमेंट, म्हातार पखाड़ी रोड, माङगांव बम्बर्ड-10 में स्थित है।

अन्सूची जैसा कि कि ने स्ट्राई-1/37ईई/3966/84-85 और ने सक्षम प्राधिकारी वस्त्रई द्वारा दिनांक <math>15-9-84 को राजस्टर्भ किया गया है

भी० एन० दुवे मझम प्राधिकारी महायक आयक्स आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1. बम्बई

नारीख: 10-5-1985

त्रका बाह्", डी. एन. ६श.

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रज-1, वस्वई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं मई-I/37-ईई/3937/84-85---मतः मुझे, पी० एन० दुवे,

आयकर अितनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह दिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. सं अधिक हैं

और जिसकी सं पलैट सं० 17/बी जो 17थीं मंजिल आकाश गंगा को० आप० हाउसिंग सोसा० लि० भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई—36 है तथा जो बम्बई-36 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 कछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 15—9— 1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य ने कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्ब, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे अवमान प्रतिफल के बंबह गितरकु से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अंब-रितियूर्व) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तब पाया गया प्रविकास, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण चिखित में वास्त्रीवक हम से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एेमी किसी आब या किसी घन वा बन्य जास्तिबाँ को, जिन्हें भारतीय बायकर विधिनवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धनकर विधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ जन्तिस्ती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के जिए;

अत: अस, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग्घ के अन्सरण मों, मों, उस्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर निम्हतिश्विद व्यक्तियों, संबंद :— 32—116 GI[85 (1) श्री रमेश नध्रमल हेम्नानी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री किशोर भाईदास संघवी और हिरालक्ष्मी भाईदास संघवी

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरितयों (व्यक्ति जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुख्य करता हुं।

उनत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देवार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्धारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वस्टीकरणः --- स्वामं प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लैट सं 17वी जो, 17वीं मंजिल श्राकाश गंगा को० श्राप० हार्जासग सोसायटी लि० भुलाभाई देसाई रोड, वम्वई— 36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि अर्ड-I/37-ईई/3967/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्षारा दिनांक 15-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 10-5-1985

बोह्नर 🗈

शुक्त बार्ड . टी., एन ु एस., व्यासन्तरम

नावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्थमा

शास्त्र करकार

भागांसव, सहायक बायकर बायकर (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 मई 1985

निर्देश सं० अई-1/37 ईई/3948/84-85—अतः मुझे, पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-स के अधीन सहाज प्राधिकारों को, वह विख्यास करने का को यह सूचना जारी करके प्राक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० युनिट ं० 507, जो पांचवीं मंजिल, शहा एण्ड नहार (वरली) लाइट इंडस्ट्रियल इस्टेट, डा॰ ई॰ मोजेस रोड, वरली, वस्बई—18 है तथा जो बम्बई—18 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आधकर अभिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है । दिनांक 15 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृन्य से कम के व्यवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मृझे यह निक्तास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का नन्तर प्रतिफल का नन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित प्रें जास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) नन्तरण से हुई किसी नाय की वावत संक्य निध-निवल से अभीत नार दोने के जन्तरक के दाशित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/बा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए;

अतः अच, उक्त किथिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मं, उक्त जीधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के ब्धीन, निम्नीसिंखन व्यक्तियों, वर्षात्

(1) मैसर्स शहा एण्ड नहार डेव्हलोपमेंटस।

(अन्तरक

(2) श्री शेखर आर० देसाई।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग सें सम्मित है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्योकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में पिक्रिशाचित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भवा हैं।

अनुसूची

युनिट नं० 507, जो पांचवी मंजिल, शहा एण्ड नहार (वरली) लाईट, इंड.स्ट्रयल इस्टेट डा० ई० मोजेस रोड़, वरली, (म्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क० सं० अई-1/37 ईई/3972/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बन्बई द्वारा दिनांक 15 सितम्बर 1985 को रजिस्टर्ड किया गया 1 है ।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक :- 10-5-1985

योहर

. प्ररूप बाइं. टी. एव . एस . -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत स्रकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-1/37 ईई/3953/84-85--अतः मुझे, पी० एन० पुढे,

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इक्सर्वे इसके पश्चात् 'उस्त विधिनयम' कहा नया हैं), की धारा 269-व के नधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वसास करने का कारण है कि स्थावर संपर्धित, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रांर जिसकी सं० फ्लैट नं० 532, जो इमारत नं० 5 3री मंजिल, सेवा समिति को०आपरेटिव हाडसिंग सोसायटी लि०, सायन कोलीवाडा, वम्बई—37 है तथा जो बम्बई—37 में स्थित है) और इससे उपाबद अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय से रिजस्ट्री है। दिनांक 15 सितम्बर 1985

को प्रोंक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रिविक्त के लिए अन्तरित को मह है और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्तोंक्त संपरित का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से एसे क्यमान प्रविक्त का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंधरित्वी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया म्या प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए. बार/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति हती द्वाहा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः अब उक्त निधिनियम की धारा 269-न के बनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निम्नतिक्ति व्यक्तियों, क्यांत #— (1) श्रीमती जयश्री सुरेश गजरीया ।

(अन्तरक)

(2) 1 नारायणन बालसुत्रमनयन और 2 श्रीमती मिनाक्षी बालसुत्रमनियन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्ब्रीत के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की ननींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबिंच, जो भी अविंध बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्वोंक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फ्लैंट नं० 532, जो इमारत नं० 5 तीसरी मंजिल, सेवा सिमित को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, सायन कोलीवाडा बम्बई-37 सें स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि सं अई-1/37अईई/3977/84-85 ग्राँग जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15 सितम्बर 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक :- 10-5-1985

प्रकृप नाई. टी. एन. एस. - - --

बायकर बर्गिनियम, 1961 (1961 का 43) करें धारा 269-म (1) में मधीन न्याना

माह्न संस्कार

कामसिय, सञ्चावक वाचकार वाक्षक (विश्वीकाण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/3879/84-85--अत: मुझे, धी० एन० दुबे

बानकार निर्मानकान, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उपल अभिनियम' कहा कहा है"), की भाष 269-व के नभीन उक्षम प्राधिकारी को, सह विद्यास काल का कारण है कि स्थानर सम्बद्धि, विवक्ष उचित्र नामार स्थान 1,00,000/- रहे. से निर्मा है

आँर जिसकी सं जमीन बेजरींग ग्रोल्ड सर्वे नं 688, न्यू सर्वे नं 3657, ग्रीर सी एस नं – 5/546, माझ गांव डिविजन के साथ स्ट्रक्चर्स बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उावड अनुसूची से ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 क ख के अधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रजिस्ट्री है, दिनांक 15 सितम्बर 1985

की पृथोंकर सम्मित के उचित बाबार बुक्त से कम के क्रवाय प्रतिकल के निए जन्तरित की कर्य है बीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बचाप्नोंकर संबंधि का दिखा बाकार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिकल से एंसे स्ववान प्रतिकल का पत्रस्व प्रतिकत से किए के क्रवान प्रतिकल का पत्रस्व प्रतिकत से किए के बीच एंसे जन्तरक (बन्तरका) और बन्तरिती (जन्तरितिया) के बीच एंसे बन्तर्य के सिष् स्थ पाया क्रवा प्रतिकत, निम्नीनिकत उद्देश्य है उन्त बन्तरण निश्वित को स्थापन की क्रवा कर्तरण निश्वित को स्थापन की क्रवा कर्तरण निश्वित की स्थापन की क्रवा कर्तरण निश्वित की स्थापन की क्रवा कर्तरण निश्वित की स्थापन की क्रवा कर्तरण की सिष्

- (क) नृत्यारण संहुई फिली बाव की बावता, स्वतः व्योधिनियम के स्थीन कर दोने के क्यारक के व्यक्तिय में कभी करने वा उद्यसे बचने में सुविका के फिन्: बॉर/या
- (क) ऐसे किसी बाय एए जिसी धन या कर्य नास्तियों की जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त नधिनियम, या धनकर निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कस्पीरती द्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नामा चित्राहा चित्रा परिदार मिला के निए;

ात: अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-य के अनुसरभ में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के जभीन, निस्तिविक व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) दी खटाव महानजी स्पिनिंग एण्ड विविग कंपनी लिभिटेड ।

(अन्तरक)

- (2) मुल्ला शेएवभाई सैफुददीन बाल्डीवाला, शेख ताहेरभाई मोहमद, अली बूटवाला शेख डस्माईलआई मोहमद अली रेल्वेवाला, शेख कुरेश, साले भाई सैफुददीन, शेख सैफुददीन शेख ताहेरभाई खोराखीवाला, ग्रांप शेख ताहरभाई शराफअली, धानेरवाला। (अन्तरिती)
- (3) अन्तरक। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग सें सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित्ति के वर्षन के बम्बन्ध में कोई की बाखंद ह-

- (क) इब चूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति मों भी अवधि सम्बंध में सवास्त होती हो, के जीनर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इपारा;
- (स) इस सूचना के याजात में प्रकाशन का, तारीस से 45 दिन के शीलर उनत् स्थायर सम्पत्ति में हित बस्य मिन किसी जन्य मानित द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए या सकोंगे।

श्रमुखी

जमीन बेअरींग ग्रोल्ड सर्वे नं० 688 ग्रीर न्यू सर्वे नं० 3657 ग्रीर सी० एस० नं० 5/546 माझगांव डिविजन, जो माउंट रोड़, इमारत ग्रीर स्ट्रक्चर्स के साथ बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-1/37-ईई/3951/73-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांद 15 सितम्बर 1984 को रजिस्टई किया गया है।

े भी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 10-5-1985

त्रक्ष नाहं . टी . प्रन . एत . ; -----

काबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

शारद सरकाड

कार्यालय, बहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, वम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985 निर्देश सं० 1/37 ईई/ 3982/84-85--अतः मुझे, पी० एन० पुबे

कालकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 54. जो इमारत नं० 45 डी, 14 बी० मंझिल, विनस को आरेंटिव, हाउसिंग सोसायटी लि०, साऊय वरली सी फे, वरली, बम्बई-18 है तथा जो बम्बई-18 में रियत है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुपूची में ग्रीर पूर्ण हंप से वर्णित है), ग्रीर जिसना करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क खंके अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजरट्री है। दिनांक 20 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाबार मुख्य से कम के दरबमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिखत जीधक है और जन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रीय- इस, निम्मनिचित उद्देश्य से उक्त जन्तरण मिनित में वास्तविक ख्य से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के सन्तरक की दावित्व में कभी करने वा उससे वच्ने में सुविधा के निए; और/वा
- (क) एंती किसी आय या किसी भन वा बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अभ, उपन अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसारण मं, मं, शक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:—

- (1) 1. पालीराम सराडी ग्रीर
 - 2. छगनलाल अगरवाल ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती किशन पियारी गुलाबचंद मनियार ग्रौर 2. राजेंद्र कुमार गुलाबचंद मनियार।

(भ्रन्तरिती)

स्त्रं वह अनुवा बाह्रों करके पूर्वों कर सम्पृतित के वर्षन के हैंबथ कार्यवाहिया करू करता हुए।

उक्त तम्परित को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की समित से 30 दिन की समित को शी समीत में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वनित्यों में से किसी स्वनित स्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्तित में हितवह्म किसी जन्द स्थितित ह्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाग सिस्तित में किए जा सकतें।

स्पच्छीकारण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, को अध्याय 20-क में बरिभाषित ही, बहुी अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मनुसूची

फ्लैट नं० 54, जो, इमारत नं० 45 डी, 14 वी मंजिल, विनस काआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, साउथ वरली सी फेस वरली, वम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कि सं० अई-1/37-ईई/4007 84-85 और जो स्क्राम प्राधारी बम्बई दारा दिनांक 20 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी स**हायक भ्रायकर भ्रायुक्**त (निरीक्षण) अ**जंन** रेंज-1, बम्बई

दिनांक:- 10-5-985 मोहर:

प्रस्य बार्ड .टी एन् एड ,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के अधीर स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, वम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेण सं० ग्रई-1/37-ईई/4031/84-85 ----ग्रत: मुझे पी० एन० दुबे

बायकर अधिनियम, 1961 (196 1का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम शाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- क. से अधिक है

और जिसकी सं० धुनिट नं० 211 जो 2 री मंजिल णहा एण्ड नहार (वर्ली) लाओट इंडिस्ट्रियल इस्टेट वरली बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपावढ़ अगुसूची में और पूर्णरूप से विणत है) और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रीक्षिनयम 1961 की धारा 269वाढ़ के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राक्षिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 25-9-84

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान लिए अन्तरित की गई ह विश्वास करने कारण यह का कि यथाप्यीका सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्य-मान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-निश्चित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्ना के एडं किसी आय की बाबस, तक्क अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्: कर/था
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम. या अनकर अधिनियम. या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ज. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) शहा एण्ड नहार डवलपमेंट

(ग्रन्तरक)

(2) मलिक एण्ड कम्पनी

(3) बिल्डर

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इय सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया प्रया है।

अनुस्ची

यानिट नं 211 जो 2री मंजिल गहा एण्ड नहार (वरली) लाईट इंडस्ट्रियल इस्टेट वरली बम्बई-18 में स्थित है

ग्रनुसूची जैसा कि के सं० ग्रई-1/37-ईई/4042/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है

> पी० एन० दुवें सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख 10-5-1985

प्रक्ष बाइ े टी इन् एक एक

सम्बन्ध निष्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के न्यीत सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, धम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

मिर्देश सं० अई-1,37-ईई ,4032 ,84-85-- अतः मुझे, पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफीसनं० 210, जो गोकुल इमारत बरोडा म्ट्रीट बम्बई-9 है तथा जो बम्बई-9 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिस्का करारनामा ग्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है ज। दिनाक 29 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के जाहान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) ब्रुक्तरण से हुई फिसी जाय की वाबत, उक्स बाधित्यम के स्थीत कर दोने के बन्तरक के बाधिरच में कभी करने मा बहुत ब्युजे में सुविधा के लिए; क्यांक्र/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में बुविधा के सिष्ट;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अधार्त ह—

- (1) श्रीमती सावित्रीबाई एच० राजगोर । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती लिलावती अमरीतलाल दोशी । (अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्पर्तित के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ६

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जनीं भा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वर् सूचना की तामील से 30 दिन की वर्वीथ, जा भी तर्दीथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त बीचिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना, को उस अध्याय में दिया नया है।

वयसकी

आफीस नं० 210, जो गोकुल इमारत, बरोड़ा स्ट्रिट, बम्बई-9 में स्थित है।

अनुसूची जैंसाकी कि० सं० अई-1/37-/ईई/40/43/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सह(यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- 1, बम्बई

दिनांक :- 10-3-1985 मांहर प्रथम बाह्य हो हुए हुए अ र र र र र र र र र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

TIZO TENE

कार्याजन, बद्धायक वायकर वायुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं अई 1,37-ईई,4034,84-85-- अत: मुझे, पी० एस० दबे,

मायकश्विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त व्यक्षिनियम' कहा गया हैं), की भाव 269-स के ब्रथीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित वाजार मृन्य .00,000/- रा. से विधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1001, जो, 10 वी मंजिल, इमारत नं० ए. भागनारी को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, डंकन काजवे सायन बम्बई-22 है तथा जो बम्बई-22 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रो है। दिनांक 25 सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है बार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक हो बीर बन्तरिक (बन्तरिकों) बीर बन्तरिकी (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गवा हिक्का, निम्नीनीवत उद्देश से उन्त बन्तरण निविद्य के पाम्तिवक रूप से कथित नहीं किया गवा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अफ्तरक के दायित्व में कमी कर्तने वा उत्तरं क्याने में सुविधा के तिए; अरि/भा
- (स) एसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोख-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना चाहिए का कियाने में वृत्यम के जिल्हें

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के बनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म सी उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) श्री भगवान हुंडराज रतनपाल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चद्रा ज्योतिद्र दोशी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थर के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कांई मी वाक्षेप इ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा मकोंगे.

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 1001, जो, 10 वी मंझिल, इमारत ए, भागनारी को-आपरेटिच हाउसिंग सोसायटी लि०, डंकन काजवे, सायम, बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-1/37-ईई/4044/ 84-85 सीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25 सितम्बर 1984 को राजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक :* 10-5-1985

मोह्नर 🖫

शहब बाद, द्वा भा देखा -----

बाबकर द्विभागिक के अपने का 43) की भारत 269-क अपने स्वता

HAN STATE

कार्यातव, सहायक शहकर क्रायक्त (निरोक्कण)

अर्जन रेंज-1. तम्बई तम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अर्ड-2/37- र्डह/4077/84- 85- -अतः मुझे, पी० एन० दुवे.

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की चारा 269-स को अधीन सक्तम प्राप्तिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाबर सम्पत्ति, जिल्ला उपित बाबार मृत्य 1,00,000/- फ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० युनिट नं० 5 जो ग्राउंड फ्लोअर. विमा किल्लेदार सर्विस इंडिस्ट्रियन इस्टेट पाइस स्ट्रिटआफ क्लार्क रोड़ भायखला (प) वस्टाई है तथा जो वस्टाई में स्थित है (ग्राँर इससे उपावड अनुसूची में ग्रांर एणं रूप से वर्णित है), ग्राँर जिसका करारतागा आवश्य आधिनयम, 1961 की धारा 269 क खारे अधीन वस्टाई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्ड़ी है जिनांक 25 सितम्बर 1984 को पूर्वोक्त संस्पात के डीचा अजार स्टूल्य है और यह विश्वास प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास करने का कारण ही कि वधावर्गित का जीवत वाचार मृत्य, उसके स्थवनान प्रतिफल की, एम स्थवमान प्रतिफल का प्रतिफल को एम स्थापन प्रतिफल को प्रतिकत में अधिक ही और अंगरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरित्या) को सेन एम जन्मरा की स्थापन प्रतिफल को कारण वस्त पारा परा प्रतिकत, निम्निलित उद्देश्यों से उक्स अन्तरण लिखित में कारतिक का से कियन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरप्रण से हुई किसी बाय करी नावत असत स्वीध-नियम की अधीन नर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी कहने या उद्दर्श बचने में बुविधा के निष्कृ और / सा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा जन्म बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियंत्र, 1922 (1-)22 का 11) या उन्हें अधिनियंत्र, वा धन-कर विधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोद्धनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना चर्रीहरू था, छिपाने में स्थिधा के लिए;

(1) मैसमें जिस्से एक्टर हर ।

(अन्रत्तक)

(2) मैसर्ग जेतिए दे उन्होत ।

(अन्तरितीः)

(4) अन्तरकों (वह व्यक्ति जिसक कार में अब्रोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सामित में सिनगढ़ है)

को वह कुचना कारी करता प्रभावन प्रधानि के अर्थन के लिए कार्यवाहिमां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अस्तरण ए जोड़ों भी जाक्षेप :---

- (क) इस त्यान के राज्यात की प्रज्ञावन की तारीस से 45 दिन की समीच की तत्त्रवंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील ने 30 दिन की जनिय, जो भी बविध बाद के नक्षत्र होती हों, की भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में कि की करीया क्ष्रीक्त ह्यारा;
- (क) इस स्थान के राज्यात्र का उकाधन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उका स्थापर सम्मत्ति में हित-सम्भ किसी अपान्ते हैं। उन्हों के भोहस्ताक्षरी के पास सिर्मित की दिल्ला स्थान

स्पाककिरणः— इतामी प्रश्नेति विश्वति अधि धर्वो का, जो उक्त अधिनियम् गो १२२० १८३३ मी परिभागित हो, कर्षा १९०१ १००७ अधिक अधिका मी दिया सक्त सुर्वे

अन्स्री

युनिट नं० 6. जो बाउट फलोअर विना किल्ले<mark>दार,</mark> सर्विस इंडस्ट्रिल इस्टेट, पाटन न्ट्रिट आफ क्लार्क <mark>रोड़</mark> भामखना, पश्चिम बस्न^{क के} स्थित (१)

अनुसूची जैसाकी कर एक राष्ट्रिन 1,37 - ईई,3417,84-85 स्रोर जो सजम प्राधिकारी वस्पर्द द्वारा दिनांक 25 सितम्बर 1985 को रिजस्टिड धिया गया है।

र्पा० एम० दुबे सक्षम प्राधिकारी महायक जाणार आयुक्त (निरोक्षण) जामेंग रेज-1, वस्बई

दिनांक : 10-5-1085

प्रकण बाह्", हो. एक. प्रस् -----

आयकर अधिनियम . 1961 (1961 का 43) की पाछ 119-ए (1) के अधीन सुचना

शारत सरकात

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

वम्बर्ड, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश मं० भ्राई-1/37ईई/4083/84-85—मतः मुझे; पी० एन० दुबे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार प्रकार अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स अ अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधान संपंति दियम उपित बाजार मृन्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं 5 फीट नं 6 भी-4, जो 2री मंजिल सी-विम मातृ ग्राणिप नेपियन सी रोड, बम्बई-36 है तथा जो बम्बई-36 में स्थित है (और इसमें उपाबक ग्रान्स्ची में और जो पूर्ण रूप में बिणत है) और जिसका कारारनामा ग्रायकर ग्रीधिनयम 1961 की धारा 269 का के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में एडिस्टी है दिनाक 29-9-1984

- (क) कन्तरण से हुई किसी नाय की वायत उक्त विध-िनश्चम के अभीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, शीव/या
- ्लो एसी किसी आय का किसी धन वा अन्य बारितवाँ को श्रेजन्द भारताय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था हा विया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा अशिकार.

अत: भव, सक्त अधिनियम की भारा 269-व कै अनुवरण हों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) को अपनेता प्रात्तिकित अधिकत्यों, राजीत् हुल्ला

- 1. श्रीमती जयवन्ती बेन भरतकुमार मेहता
 - (ग्रन्तरक)
- 2. (1) रासिकलाल वि० पारेख और
 - (2) श्री पंकज ग्रार० पारेख और
 - (3) श्री प्रवीणा पी० पारेख

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हो।

इक्त सुम्पृतित के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नामेष ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पृद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वहां हैं।

वन्स्ची

फ्लैट नं मी-4, जो 2 री मंजिल सी-विग, मातृ ग्राशिष, नेपियन सी रोड, बम्बई-36 में स्थित है।

श्रानुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-I/37-ईई/3846/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई क्वारा दिनांक 29-9-84 को राजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुध्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, वस्पर्ध

दिनांक: 10-5-1985

प्रस्प बाईं टी ु एन ु एस ुनननन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

वम्वई दिनांक 10 मई 1985

निर्देश ११० म्राई-I/37ईई/3933/84-85—म्रतः मुझे, भी० एन० दुबे,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

फ्लैट नं०27, 4था मजला, "ए" विंग, मधुबन अपार्ट-मेंट, 61/61, अब्दूल गफार खान रोड. वरली, वम्बई-400 018 है तथा जो बम्बई-400 018 में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 265 कख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 15-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वारतिया है :—

- (क) अन्तरण सं हुइं किसी आय की बाबते, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और या
- (क्ष) एमें फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों कर, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अब अब अब अवर्ष अतिरिती द्वारा प्रकट नहा किया गया ना या किया जाना आहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित अधिनयों, अर्थान् :--

1. श्री भोपाल कन्हैयालाल केडिया

(ग्रन्तरक)

2. श्री प्रन्प हक्मत राय मारवाहा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तार्राख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 27, 4था मंजिला (६) किंग, सक्ष्वत ग्रापार्ट-मेन्ट 61/61, ग्रब्दुल गक्फार खात रोड, बरकी बम्ब3-400018 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कं सं ग्राई-1/37ईई/3964/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 15-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ोठ एन० दुरे सजस शासकारी सहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण) अर्चन रोज-०, वर हर्र

दिनांक: 10-5-1985

मोहर 🖁

ंक्ष्य रुप्त हैं, सुर, **एस**...---

सामकर रूपी : : : : : : : : : : : : 43) की धारा १८ ८ १ । व वधान सुचना

بإيهام والمعاد

कार्यस ं (निरीक्षण)

1 935

पीठ एनः 🖫 **बाब**कर् अ^{भि}र्भाष 💎 🤫 १३) (जिसे **दसमें** 269-वं के अपने से अपने अपने अपने किश्वास करने का करत है कि कि र - अस्य प्रसित बा**जार मृत्य**

1.06,000/ \$ 3 3 30

िनदैंग 🖖

अतीर जिल्ला है 💚 अधा गार्धा रोड ा। जम्मई-400 007 में गामदेवी 🔆 🗀 स्थित हैं। (प्र.) ्रासी भाग की पुण रूप से ा । अन्य होऽनियम 1961 द्यापात है। 🖫 🗸 🗸 🧎 की धारा 🚁 🔻 ं ८ राम पाधिकारी के कार्यालाक्ष्य 😘 🗀

ं ं की की की दश्यमान का पूर्वीकः ना .! • इत्र विस्टास भ्राप्टरा म कारने का अपन्त । मल्य : अन्यक्षी । १००० : ः । राष्ट्रांचा उ**चित बाजार** स्यमान प्रतिफ**ल का** ा । जार पन्द्रह प्राप्त ा कि विष्**त्रा** अन्सि हिं पाया तथा परिकार, व । १८४४ मा सं **उक्त संतरण** लिखित स्थापक व्यापक । १८४ महासा स्था **ह**ै है—

> (का कर तथा । १ अमें आप को आपका, उक्स अभा भा १ अस्ति को संस्तृतक वहें अभा १ अस्ति १८ अस्ति का सम्बन्धि सुनिधा i 141

🥴 या अन्य आस्तियो 多人讲 自知 · ः वित्यम्, या . । 57 वर्ग 27) ८०० अस्ति नहीं किया · कांद्राण्धा, **छिपाने में**

🤭 ु। ५ म क अनुसर्ण ं भ को उपधारा (1)

1 भीमाने वस्तर हर्मार । ता ।

(ग्रन्तरक)

2 औ भागक । १८५५ मात्राः

(भ्रन्तरितो)

की यह सुचना अरहा हो। पा बह समाधन के अर्जन के लिए कार्यवाहियां बर्ग हैं।

उक्त सम्पत्ति के ज्या क अवन मा जगारी भी बाक्षेप :---

- (क) इस अम्रता वं अकार का अस्ति को तारीस से 4.5 दिन को अवस्थार अध्यापनाची व्यक्तियों पर स्तिना को कामीर 🗋 🚓 दिल करे अविधि, **जो भी** क्रमणि राह - १ ते . अ भीतर पूर्वीक्त ब्योक्तमा से स्वाप्त १००० व्यक्ताः
- (ब) इस सूचना क रहा ११० प्रकाशन की तारोख से 45 बिर के भारत के इस्पीर में हित-बद्ध विक्सी अन्य व्यवित व्याया, अधोहस्ताक्षरी के पाल किला के दिल के लक्का

स्मच्दीकरण:---इक्समा प्रसावत राज्या और पदा का, जो उक्त लिया गाउँ । १८८१ । १८ के मा परिभाषित हों। को को पर १ जिस प्रध्यात **मा दिया** apatri or in

ं भारति । तकार्य । १००० **राड गामदेनी** बम्बर्ट-- (१५) । । विकास মন্থ্য লগত লং লং । নিজে নিজে বিনার ১৯৮৪ট লগত জন্ম । নিজে বিদার বিনার

28-9-1984 WT 177: 1871 93 8

ो एन दुवे सक्षम प्राधिकारी अस्य महाराष्ट्राण अस्तिन (निरीक्षण) प्रांत रेज−1 वम्बई

्दिनांक : ४१- -- ५५ पाइर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचका

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई

वस्वई दिनांक 10 मई 1985

निदेश मं० ग्रर्ड-1/37ईई/2202/84-85--ग्रत मुझे पी एन दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ६म नं 2 आफिस चेम्बर्स (रिग्रर)
1ला मंजला कर्नाक रोड़ वम्बई-400001 में स्थित है
(और इससे उपावड ग्रनुचची में और पूर्ण ६प से वणित है)
और जिसका करारनामा ग्रायकय ग्रिधिनियम 1961
की धारा 269क ख के ग्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 4-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और भूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से काथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धर्ग या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के दमुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती के एच सराप
 - 2. श्री एच एस सरापः
 - 3. श्री ग्रार० एस सरापा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम के सारीगाट 2. श्री जे एम सारीगाट 3. श्री जेड एम सारीगाट

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके ऋधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीविनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

बन्स्ची

रूम नं 2 अफिस चेम्बर्स 1ला मजला कर्नाक रोड़ बम्बई-400001 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई-1/37ईई/3188/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

ंपी **ए**न दुबे सक्षम प्राधिकारी) सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर 🚁

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यामय, सहायक जायकर बायुक्त (निर्देशिक)

ग्रर्जन रेज-1. ब्रम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० ए० प्रार०-1/4085/84-85--श्रव : मुझे, पी० एन० दुवे

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० फ्लंट नं० 1, 4था मजला. बी० नं० 1/ए०, ब्स्तान स्रपार्टमेंट, बस्वई 400008 है तथा जो बस्बई 400008 में स्थित है (श्रौर इपमे उपायद स्रनुस्ची में स्रौर पूर्णस्य में बॉणत है) स्रोर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के स्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 6-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यश्यपंजित सम्पत्ति का उचित बाजार जुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्क्ड प्रतिकृत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिक्कों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत कि निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाय की वासते, उक्ते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायत्व में कभी करने या उत्तवे वचने में सुनिया के निष्क और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

सतः कव उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) चे स्थीन निम्निसित ध्यक्तियों वर्षीत् :--- (1) श्री जमिला ग्रब्दूल सनार पठान

(अन्तरह)

(2) श्रीमती नूरजहां नथ्यद जहांगीर

(अन्तरिनी)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति है वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकासन की तारीख सं 45 दिन की बर्बीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो जे बर्बीध बाद मों समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वीचन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ट्वारः
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को ताराख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पिः में हिलबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरों के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उतन जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाणिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्द्रभी

फ्लैट नं० 1. 4था मजला, बीठ नं० 1. ए० विग, ब्स्तान ग्रपार्टेमेंट, बंबई 400068 से स्थिए है।

श्रानुसूबी जैसाकि कर संरु श्राह-1/37ईई/3848/84-85 श्रीर जो नक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> योऽ एन० दुवे सम पाबिकारी महायक श्रायकर श्रायका (निरोक्षण) श्रावेत रेंगानी वस्पर्दे

नारीख: 10--5--1985

मोहर 🟗

प्रस्प बार् ् टी. एग ् एस्

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग्र 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरका

कार्यातयः सहायक आयकर आयृक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई, 1985

निर्देश सं० म्रई/37ईई/4104/84-85—म्प्रत: मुझे, पी० एन० दुवे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रुट. से अधिक हैं

ग्रौर जिनकी मं० फ्लैट नं० 28, 533, स्के० फुट, जय भारत बी०, एम० जी० रोड़, प्रभादेवी रोड़, बम्बई है तथा जो वम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णक्य से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 29-9-84

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार उसके पश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, उच्छ अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक औं वायित्व में कमी करने वा उससे व्यने में सुविधा जे किया और/या
- (अ) एसे किसी आय या किसी धन वा जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा खें लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्थिक्तर्यों अधीन के

(1) श्रीमती एम० बी० मिरचन्दानी ग्रौर, श्री एच० बी० मिरचन्दानी

(अन्तरक)

(2) श्री कान्तीलाल मोतीचब्रद हरिया

(ग्रन्तरिती)

- (3) श्रीमती एम० बी० मिरचन्दानी (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्री एच० बी० मिरचन्दानी (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह ।सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ;--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्रुध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रमुख्ति हुन हु--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

arrayil

प्लैंट नं० 28, जय भारत बिस्डिंग शंकर गाणंकर मार्ग, प्रभादेवी बम्बई में स्थित है।

> पी० एन० दुवे, स्थम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 10-5-1985

मोहरु 🛭

शरूप बाह्रो, टी, एन . एस .,------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

ग्रजंन रंज-1 वस्वई

वस्वई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० म्रर्ड-1/37 छेडि/3970/84-85—म्रत: मुझे, पी० एन० दुवे

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जित इतमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा बया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पीत, जिसका उचित नाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पर्लैट तं० 63, जो सोनारीका, 33ए०, पेडर रोड़ वस्वई-26 है तथा जो वस्वई-26 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद अनुमुची में ग्रोर पूर्णकृप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, ग्रीर जिसका वरारनामा ग्रायकर ग्राधि नियम 1961 की धारा 269 कख के ग्राधीन बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 29-9-1984

कां पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए कन्तरित की गईं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और कन्तरक (वन्तरका) और बन्तरिती (वन्तरितियाँ) के बीच एसे वन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखत में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाय की वाबत, उच्छ विधिनियम के अधीन कर दोने के खम्बरण की दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध कारिसवाँ कर्ते, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिज्या संविधा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) दे बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्थात् ६—— (1) श्रीमती विना सी० वेलेकर

(ग्रन्तरक)

(2) युनायटंड बीवेग्रर लिमिटेड

(अस्परिती)

(3) ग्रन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके वारे म अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ; बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरणः इसमे प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त विध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया

वन्य्या

पलैट नं० 63, जो सोनारीका को० श्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 33-ए० पेडर रोड, वस्वई-26 में स्थित है।

श्रन्मुची जैसा कि त्र० सं० श्रई-1/37ईई/4002/ 84-85 श्रौर जो सक्षम पाधिकारी, यम्बर्ट द्वारा दिनांक 20-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> कोर एतर हुवे सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 10-5-1985

प्ररूप बाइ .टी एन .एस-----

्रह्मायकर ऑभनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन् सूचना

भारत संस्कारः

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, वस्वई.

त्रम्बई, दिनांक ,10 मई, 1985 ...

निर्देश सं० ग्रई-1/37ईई/40**99 8**4 स्**४5** स्थातः मुझे, पी० एन० दुवे

कायकर अधिनियम, 196 का 196 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 289 के अधीन सक्षम शिवकार की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरक) और अंतरिती (अंति रितियों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- ्सा एसी किसी आया यो किसी भाग या प्रत्यो कां, जिल्ही भारतीय श्रीयकर तम्मी किसी मा प्रत्यो कां, जिल्ही भारतीय श्रीयकर तम्मी किमी न्या भाष्ट्र मा भाष्ट्र का 11) या ज्ञकत अधि त्याम, या धत-कर अधि नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्रवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चौहिए था, किया मि भाविधा के लिए;

ब्रुतः अब् उक्तु अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत ः (1) श्री प्रयागधाम ट्रस्ट

(अन्तरक)

रिज (2) भी । हरचरन सिंह दौलनसिंह, भिन्नी उमेंद्र सिंह, एम० हरनाम सिंह श्री उत्तमं सिंह हीरा सिंह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख **एं** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित• कद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ार्क्कच्छीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

फ्लैट नं० 36, 4था मजला, विनय ग्रपाटमेंट, नायगाम, दादर, बम्बई 400014 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37ईई/3858 84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, बम्बई

्राताली**ज**ः 10-5+1985

मोहर ध

34 -116 GI|85

प्रकार अपूर्व जी एस् एसः - - - ---

अगगकर अधिनियम, 1961 (19**61 का 43) की** धारा 269-व (1) के अ<mark>धीन स्वना</mark>

शारत सरकाड

क्यमं लग सहसम्ब काण्**कर काय्क्स (निरक्षिण)** सार्वेश रेत् !, भ्रम्बई वार्वेश विरागः 10 सहै, 1985

आयवार अधिनियम, 1961 11961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमके प्रत्यक क्षेपियान कहा गया है), की धारा 260 का वा इपीन सक्ष्म भिकारी को यह विश्वास करने का काण है कि स्थान स्थाप , जिसका उचित जाजार मृह्य 1.00,000/- का संबंधिक ही

शाँव निर्माण संवेशायती किंव, 118, 122 काझी सेम्प्रिय की साप सोसायती किंव, 118, 122 काझी सेम्प्रिय की साप के 100003 है तथा जो वस्वई 100003 में विश्व है (अंद १००० उपावत अनुसूची में और पूर्णम्प्र से बिंगा है), और जिनका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 विश्वार 269 कव के अधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकाणों के कार्याचय न रिजस्ट्री है तारीस 10-9-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कव के व्यवस्व प्रतिपत्त के विश्व सामा प्राप्त के जिए अतिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, नगई एक्यान प्रतिपत्ति से, एने दश्यमान प्रतिपत्ति के पंद्र अन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तिरित्ता) के बीच एसे अन्तरण के निए तव बाजार मान प्रतिपत्ति उद्योग्य से उच्त वन्तरण सिवित में वास्तिपत्ति किंगा स्था से लिए से अन्तरण के निए तव बाजार प्रतिपत्ति किंगा स्था से लिए से अन्तरण के निए तव बाजार प्रतिपत्ति किंगा स्था से लिए से अन्तरण के निए तव बाजार सिवित में वास्तिपत्ति स्था से लिया स्था से इंग्रें का स्था से इंग्रें का स्था से लिया स्था से का स्था से लिया स्था से इंग्रें का स्था से इंग्रें का स्था से लिया स्था से लिया स्था से का स्था से लिया स्था से का स्था से लिया स्था से स्था से लिया स्था से स्था से लिया स्था से से स्था से लिया स्था से स्था से स्था से लिया स्था से स्था से स्था से लिया स्था से स्था से स्था से स्था से स्था से लिया स्था से स्था से स्था से से स्था से से स्था से

- (क) बस्तरण ने हुई किसी बाव की वावर, डक्स कर मन के अधीन कर दोने के बन्तरक के रूप कामी करने या उससे बचने के सुविधा के निग्ना की /बा
- (म) एंचे किसी जाय ए किसी धन या अन्य आस्तियाँ को चिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कः, यौधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्योजनार्थ किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा थी निर्देश

रत शब तकत आधिनियम की धारा 269-म के जनमरण मों, मों. उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती किरनगाला जे० जैव

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसमं गीनानजली कलर मार्ट

(अन्तरिती)

(३) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके प्रबेंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क), इस सूचना के राज्यत्र में प्रकशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो ी विविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी लिखित में किए जा सकारी

स्वक्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्राफिस नं० 308, 3रा मजता, नैन कृषा प्रेमाईसेस को-म्राप० सोसायटो लिमिटेड 118-122 काझी स्ट्रीट, बम्बई 400003 में स्थित है।

श्रनुस्वी जैसा कि क० मं० श्रई-1/37ईई/3724/84-85 थौर जो सक्षम प्रानिकारी, वस्वई द्वारा दिनाक 10-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे राक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

त्ररूप बाइं.टो.एन.एस.-----

नायकर निभिन्त्रम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के नभीन सुचना

भारत बरकात

फार्यानय, सहायक वायकर वायकत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई वम्बई, दिनांक 10 मई, 1985

निर्देश मं० ग्रई-1/37ईई/4092/84-85—श्रत : मुझे, पी० एन० दुबे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 209-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, जो ग्राउंड फ्लोर, दि न्यू नंदनवन को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सायन हास्पीटल के पास, सायन, वम्बई-22 है तथा जो बम्बई-22 में स्थित है (श्रीर इसम उपावढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष्य से विणत है). और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 29-9-84 क्ष पूर्वोंवत सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्षयमान श्रितफल के लिए बन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास कर्श का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार म्र्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पं.ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ता, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त-विश्व रूप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण स हुई किसी बाय की बाबत, अवत जिमितमा के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या .उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा औ लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुबरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती धीरजबेन चूनीलाल शहा

(अन्तरक)

(2) श्री प्रदीप एच० शहा ग्रीर, श्रीमती पन्ना पी० शहा,

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पन्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कार्र भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध वा तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन ने भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य स्थिति हवारा अपिहरूता अर्थ के पास् लिखित में किए जा सफोंगी।

स्पन्धीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

फ्लैंट नं० 1, जो ग्राउड फ्लोर, दि न्यू नंदनवन की-श्राप० हाउसिंग गोपायटी लि०, सायन हास्पीटन के पास, सायन, वम्बई-22 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि क० सं० श्रई-1/37ईई/3853/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पीं० एन० दुवे नक्षम प्राधिकारी सहाक्क आपहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजन1, बच्चई

तारीच : 10-5-1985

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.----

नायकर अधिनिक्स, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन भूचनः

भारत सरकार

कार्यां तय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 वस्त्रई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्र $\hat{z}/37\hat{z}\hat{z}/2687/83-84--ग्रत: मुझे, पी० एन० दस्रे$

गायकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित गाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अध्यक ही

सौर जिसकी सर पर्लेट नर 45, रींज नंर 7 के साथ सागर दर्गन, 81/83 भोजाभाई देशाई रोह, बम्बई 400036 है तथा जो बम्बई 400036 ए स्थित है (श्रीर इसमें उपावड़ अनुसूची में और एणेंग्ड रे, बिलन है), शीर जिसका करारनामा साथगर प्रधिनियम 1961 की धारा 260 कख के अधीन बम्बई स्थित मध्य प्राधिशारी के पार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 6-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हो और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण हो कि उथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल सं, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हो:---

- (क) अंतरक संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) कुमारी नालेहा महंमद कुमारी सुरैक्या महंमद

(अन्तरक)

(2) डायमंड ट्रस्ट टन्वेस्टमेट प्रा० लि०

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती (बह व्यक्ति, जिपके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्बक्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

फ्लैट नं ० 45 व गैरेज नं ० ७ सागर दर्शन विल्डिंग, 81/83, भोलाभाई देयाई रोड. वस्वई 400036 में स्थित है।

र्जनाकि कर संर ग्रई-1/37ईई/3565/ 84-85 ग्रीर से उक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 6-9-84 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> र्पा० एन० दुवे गक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1. वस्वई

तारीख: 10-5-1985

प्ररूप बाहु . टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई, 85

निर्देश स० ग्र\$|37\$\$|3785|84-85-7ग्रत: मुझे, पी० एन० दुवे

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्राफिस नं० 12, महार्वार दर्णन, 412, नरणी नाथा स्ट्रीट, वंबई 400009 हैं तथा जो वस्बई-400009 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कुख के श्रश्चीन, वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 4-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रममान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मृश्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय श्या गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तिक के बिहत में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाध को बाबत, उन्तत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा अर्थ लिए: और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ट ! अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण बें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात:— (1) श्रीमती दानवन्ती के० खिलनानी

(ग्रन्तरक)

- (2) (1) श्री कन्ययालाल ताराचन्द कोराडिया
 - (2) श्रीमतो सारलाबेन कन्यैयालाल कोराडिया (ग्रन्तरिती)
- (3) ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किये जा सकरें।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा., जो उस अध्याय में दिया म्बा है।

गन्स् वर्षे

श्राफिस नं० 12 ए०, महावीर दर्शन 412, नरणीनाथा स्ट्रीट. वम्बई 400009

श्रनुसूची जैसािक करु संरु श्राई-1/37ईई/3584/84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 4-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 10-5--1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जाम्बत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, वम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मई 1985

निर्देश सं० ए० आर०-1/37ईई/4058/84-85— अत: मुझे, पी० एन० दुवे

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' काझा गया है), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 20 3रा मजला. हारगुन हाउस, को० आप० मोसायटी, लि० बुद्धा टेम्पल के सामने, 148, ए, डा० अरी विझन्ट रोड. वम्बई 400018 है तथा जो वम्बई 400018 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णस्प में वर्णित है), ग्रौर जिसका करार नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलंख के अनुसार अन्त-रित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अतरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में मस्तिक है सो सामा है:——

- (क) नंतरण सं शुर्र किसी आय, की बाबत, उसके निधितियम के अधीन कार दीन के अन्तरक के दियाल में कामी कारने या उसके बचने में मुविधा के स्थित। विशिधा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या लन-कार के पहिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती द्वारा त्कर नहीं किया नया था या या या मा वाहिए था, दिएए स्विया के सिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धाय १६९-भ के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभी मा निम्नलिखित व्यक्तियों, अमृति ह----

- (1) 1 श्रीमती माबिबी एन रोहेरा,
 - 2 श्रीमती माधुरी पी० रोहेरा
 - 3 जश्रीमती ज्योति आर० रोहेरा,
 - 4 श्रीमर्ता लक्ष्मी कें० रोहेरा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती माधूरी कपूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन कै लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया। में में कियों प्रक्रित हुगता;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन के भीतर उका ग्रांबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्जगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रश्वन्त शब्दों और पदों का, जो उनते इधिनिया, के अध्याय 20-क में परिभाषित ्ै, बही अध्यास के निया

वयस्य

पलैट नरु 20, 37। मजला हारणून हाउस कोरुआपर हाऊसिंग सोसायटा लिरु बुढ़ा टेम्पल के सामने, 148-एर, डारु एनो बिझन्ड भेड़, बमबर्ड 400018 में स्थित है।

अनुसूचो जेसा:क करु मार् अई-1/37ईई/3821/84-85 और जो सक्षम प्राप्तकारा, बम्बई हारा दिस्क 28-9-84 को रिजस्टई किया गया है।

पी० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारी सहायाः आयक्षण जायुक्त (निरीक्षण) गर्दन रेज-1, वस्बई

Algha : 10-3-198)

भोहर :

प्रस्य बाह : टी. एन. एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, वम्बई

वम्बई, दिनांक 10 मई, 1985

निर्देश सं० अई-1/3कईई/3903/84-85—अत: मुझे, पी० एन० दुबे

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

हौर जिसकी सं० युनिट नं० 220, जो 2री मंजिल, ए० टू जेंड (इंडस्ट्रियल) प्रिमायसेस को० आप० सोसायटी लि०, जी० कदम मार्ग, वम्बई—13 है तथा जो वम्बई—13 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप मे वर्णित है), ग्रौर जिसका कर।रनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 15-9-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतर्ण के लिए तय पाया ग्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हुए से किया गया है है

- (क) बन्धरण से हुं किसी अपन की बाज्य, उक्त अधिनयम से अभीन कर दोने के जन्तरक के दाबित्व में किसी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये जा, कियाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के बन्दरण बों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निबिचित व्यक्तियों, वर्षात् क्रिक्ट (1) श्रीमती चंद्रा के० भिरचंदानी

(अन्तरक)

(2) अलर्ट पैकेजिंग हाउस

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को अह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सपरित के अर्चन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इसारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा स्कोंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पूर्वों का, ब्रो डक्स अधिक निवम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्पी

युनिट नं० 220, जो 27 मंजिल, ए० टू जेंड (इंड- स्ट्रियल) प्रिमायसेस को० आप० सोसायटी लि०, जी० कदम मार्ग, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक ऋ० सं० अई-1/37ईई/3779/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

मोद्वर :

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस-----

A STATE OF THE STA

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भायितयः, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्र−1. वम्बई

बम्बई, दिनांब 10 मई, 1985

निर्देश सं ्रार्ट/37ईई/4051/84+85--अन: मुझे, पी० एन० दुबे

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य कि,00,000/- रहा से अधिक ही

्रिश्रोर जिस्की संज्ञुपलैट नंज 4, 5वां मजला, किरमत विल्डिंग, ससून डॉक, कोलाबा, बंबई 400005 है, तथा जो बम्बई 400005 में स्थित है (ग्रोर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रार पूर्णस्य में बणित है,) ग्रार जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ाधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूक्य इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रीतश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती विक्वासिक है और अन्तरण के दिल्य तर्य गिर्म अन्तरिती गाम श्रीतंक्रम, विक्वासिक विक्वासिक उप्योचन से अस्तरित विक्वासिक विक्वसिक विक्वासिक विक्यासिक विक्वासिक विक्य विक्वासिक विक्वासिक विक्य विक्वासिक विक्य विक्वासिक विक्य विक्वासिक विक्य विक्य

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक करें दायित्व में क्रमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम : 1922 (1922 का 11) या उन्दत अधिनियम : या धन-कर अधिनियम : 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

(1) श्री क्या सी० चाता

(अन्तरक)

(2) श्री सिना वनश्चा श्रवन श्रोमनो विमना सिना ग्रंचन, श्री विश्वानाथ सिना ग्रंचन

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग सें सम्पत्ति

को यह कृष्णा कारी करकी पृक्षांकर सम्मृतिक को किए। कार्यवाहियां शुरु करता हो।

उक्स सम्बन्धि के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी हास्रोद:--

- (क) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तिरिश्व से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधिक्ष मो भी अविधि वाद में समान्त हाती हों, कि निति र क्वेंकिर व्यक्ति से किसी व्यक्ति होंगी हों।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाजन की सारीख से 4 ९ एक्न के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सब्ध किसी बन्य व्यक्ति दुशार अभाहस्ताकाही के पास सिविस में किए वा सकींगे।

स्पाटीकारणः ---क्समें प्रकृतत शब्दों और देदों का, ' जो उक्त अधिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिवा गया है।

वन्स्पी

फ्लैट नं० 4. 5वां मजता. किस्मत बिल्डिंग, ससून डॉक, कोलावा, तम्बई 400005 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि० सं० अई-1/37ईई/3816/84-85 प्रोर को नका कांध्रहारी, बुस्बई द्वारा दिनांक 28-9-84 को राजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की ज्यस्मास (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

भ**ासी**खः 10-5-1985

मोहर

मुक्त बाहु .टी. एन. पुर्व .----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

मध्य दशकार

कार्यात्व, सहायक बायकर बावुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, वम्बई बम्बई, दिनांक 1 मई, 1985

निर्देश सं० अई/37ईई/4001/84-85--अत: मुझे, पी० एन० दबे

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा नया हैं), की नाय 269-स के वभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० फ्लट नं० 15, माडल हाउसे, सायन (प) प्लाट नं० 158, वम्बई 400022 तथा जो बम्बई 400022 सें स्थिमे है ग्राँर इसस उपाबद्ध अनुसूची सें ग्राँर पूर्णरूप से विजित है), ग्राँर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय सें रिजस्ट्री है, तारीख 25-9-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्र प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) अीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिखित में वास्तिवक रूप से कियट नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आप की बावत, उच्कर अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्सरक को दायतः में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्ध बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत बिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-गृ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) कु अधीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों, वर्षाष्ट्र क्रिक्त

(1) त्री खियालदास छोटीराम ठोलानी

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती मधूरिका मारूती
 - (2) श्री नोरी वेंकटा सुर्यनारायणा मूर्ति (अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

जनद संपत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी बाक्षेष् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के ताराख है 45 दिन की मनींच या तृत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के त्राज्यन में प्रकाशन की तालंख व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्विधिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिकाद है, है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियद गया है।

अनुसूची

जफ्लट नं० 15, 3रा मजला, माङल हाउसे, प्लाट नं० 158, साथन (प) वम्बई 400027 सें स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क० सं० अई-1/37ईई/4021/84-85 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मेंम्बई

तारीख: 10-5-1980

प्ररूप नाइ^क् टी. एन्. एस्.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यात्मक, सहायक अध्यकर आधुक्त (निरीक्षण) अजैन रेंज-1, वस्वर्ड वस्वर्ड, दिलांक 11 मई, 1985

निर्देश सं० 4\$/37\$\$/37987/4-85--अत: मुझे, पी० एन० दुवे

शायकए सिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्ट अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा. से अधिक ही

श्रोण जिसकी गुरू क्लंट नर 12 7ण मजता, कोलाबा कोर्ट, एलाट नरू 5, कोताबा रोड, बम्बई 400005 है तथा जो बम्बई 400005 में स्थित है (श्रीण इसने उपाबद्ध अनुसूची में प्रौण पूर्णस्प से विणित है), श्रीण जिसका कराए- ... स्थान क्यांच्य अलीन वस्बई उपाय 1961 की धाण 269 कख के अश्रीन वस्बई उपाय सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में एजिस्ट्री है मारीण 4-9-84

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफान के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफात से, एसे दृश्यमान प्रतिफात का बन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एने अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य सं उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी क्ष्म या अन्य आस्तिए ने का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 192 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, र धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, नेम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्री गोबिन्द कें दर्यानानी

(अन्तरक)

(2) कुमारी शकुतला जर्गातयानी

(अन्तरिती)

(3) अन्मेरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

क्यों यह यूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्वी

फ्लैंट नं० 12. 7रा मजला, कोलाबा कोटं, कोलाबा रोड, कोलाबा, बम्बई 400005 में स्थित है।

अनुमूची जैसाकि कि में अई-।/37ईई/3593/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 4-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–1, वम्बई

तारीख: 10-5-1985

मोहर

प्ररूप. बर्ह्ः. टी. एन. एस्.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीत नुषना

भारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मई, 1985

निर्देश सं० अई/37ईई/3961/84-85—अत: मुझे, पी० एन० दुबे

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० बंबई मार्केट अपार्टसेंट को आप० सोासयटी लि०, फ्लैट नं० 417, 4या मजला, तारदेव, बम्बई 400034 है तथा जो बम्बई 400039 सें स्थित है (ग्रौर इ स उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रौर पूर्णरूप से विणित है), ग्रौर जिसका करार नामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 कख के अधान मेम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय सें रिजस्ट्री है, तारीख 20-9-84

को पूर्वितित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया नया है कुन्न

- (क) बन्तद्रण में हुई किसी शाय की बाबत, सक्त कपिनियम के अधान कर दोने के बन्तरक के १८११ के कार्ग करने या खल्मे कचन में मृनिधा रें किस, कौट∕बा
- (क) एसी किसी अप या किसी अन या कत्य आस्तियों का. जिल्हां भारतीय अय-कर अप्रिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया क्रिंना चाहिए था, क्लिपानं में स्विधा के स्विधा के स्विधा

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण कें, पर्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निक्तितिस्त व्यक्तियों, अर्थात् हि— 35—116GI/85

(1) श्री विट्ठलभाई भिलूबाई देसाई

(अन्तरक)

(2) श्री रजनीकान्त बाबूलाल मेहता

(अन्तरिती)

(3) अन्तरित

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग से सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के नर्जन ते संबंध में काई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो और अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से कियी क्यों कर स्वाराः
- (स) इस स्वना क राजपत्र में प्रकारन की तारीत से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवर्थ किकी क्या व्यक्ति इवारा, वधोहस्तावादी के पाव विकित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरण ६——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बह्दी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नयन हैं।

न्त्र पी

आफिस नं० 417, बंबई मार्केट अपार्टसेंटस को आप० सोसायट लि०, तारदेव, बम्बई 400034 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क० सं० अई-1/37ईई/3997/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकार, बम्बई द्वारा दिनांक 20-9-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज,-] बम्बई

मारउख: 10-5-1985

स्रोहरू ॥

प्रकृष बाहै. टी. एन. एतं -----

वामनार नीर्वाणसम्, 1961 (1961 का 43) की पास 269-म (1) के न्धीन स्पना

शारत वरकार

कार्यात्तयः नहारक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-6, वस्वर्ड

वरपई, दिनाक 10 मई, 1985

निर्वेश पं । $\sqrt{(5-1)/37}$ ईई/3914/84-85—अतः मुझे, पी । एक । दुवे । ए

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसमें उपवाद 'एक्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इसमें प्राथित स्थान अधिकारी करो,, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर अधिकारी अभिकारी उचित बाबार मुख्य ;

1,00,000/- रा. स अधिक हैं

प्रोण असका स० एको गढ़ गुनिट नं ,8 जो ग्राउंड फ्लोर, 'कर्माण कड़ में प्रवाद करेड़े सन सित कंपाउंड सन सिल रोड़, लागा पात पाठ 13 है स्वा जो वस्वई—1 में स्थित है (प्रो रुपते उपाय अनुन्ती में ग्रीण पूर्णरूप से विणित है), प्रीण जिसका करापनामा आयक्षण अधिनियम, 1961 का जात 26 व्य व तात प्रवाद व्यक्त स्वाम प्राधिकारी के जावीसन में ए हैं है

का पूर्या जिल सम्पारित के बीचित बाजार मूल्य सं कम के स्थमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है, बीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित बाबार मुन्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंतर प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंतर प्रतिप्रति से अधिक है और अंबरक (अंतरकों) बीर अंतरिती (अन्तरितिका) है बीच एस अन्तरण के सिए तय पाया न्या प्रसिक्त है स्मां लिखित उपक्रिया से उक्त अन्तरण जिलिस में वास्तिवक रूप में अधिक नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण व हुई फिली लाव की बाबत उक्त बोई-जिब्ह को अर्थान क्ष्म वन के बन्तरक क वाबित्य बी बार्ग करन या उसस वचन में शावधा के लिस.
- (वां) एसी चिन्ही आप या किसी अन या बन्च बास्तवां की, जिन्ही आरतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिशी ब्वास प्रकट नहीं जिया क्या था मा किया वाना काविष्ठ था, क्रियान में सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात है—— (1) श्री अमीरअली आर० जाफ्फर ।

(अन्तक)

(2) डां० श्रीमती तारूलता आर० पारीख है। (अन्तरि)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के दिनप्र कार्यवाहिया श्रूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृज्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारी ह ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

न्यक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया कवा है।

आंद्योगिक यूनिट नं० 8 जो. ग्राउंड फ्लोअर, "अमीर स्टेट" सब, मिल कंपाउंड सन मिल रोड, लोअ परेल बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि सं० अई-1/37ईई/3784/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 15 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन दुवे सक्षम प्राधिदारी संभायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I बम्बई

दिनांक 10-5-1985

माहर 🗈

प्ररूप आई.टी.एन.एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, वस्वई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई--37--ईई/ 3968 /84--85---अतः मुझे, पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 15 , चौथी मंझिल, मेहराबाद को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, 1/549 माडर्न रोड़, बंबई 400026 है तथा जो वम्बई 400036 में स्थित है और इसने उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणिमे है), और जिसका करारामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 20 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्स सम्पतित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तक द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम्म पाम गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि किए सम्मालिसिक संविद्या से उक्त अन्तरण के निष्

- (क्क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुर्दिश के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) गोकल पटेल बोल्कावर्ट लिमिटेड

(अन्मेरक)

(2) फोर्बेस फोर्बेस सम्पबेल व कंपनी ।

(अन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती

(वह' व्यक्ति जिसके अधिभोग सें सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वब्दिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

फ्लैट नं० 15, चौथी मंझिल, हमेराबाद को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० 1/394 वार्डन रोड़, बम्बई-40036 सें स्थित है।

अनुमूची जैसाकी कि सं० अई-1/37थईई/4000/84-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन**० दुबे** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

म्पंहर 🟗

प्रक्ष साई .टी .इन .एस . -----

बारकर अधिस्मित 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 वम्बई

यम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेण सं० ऋईड-1,/37ईई/3915/84-85--- स्रत: मुझे धी० एत० दुवे

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के जधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुठ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० ओद्योगिक युनिट नं० 4 जो ग्राउन्ड फ्लोर "ग्रमीर इंडस्ट्रियल इस्टेट" सब मिल कंपाउन्ड सन मिल रोड़, लोग्रर पारेल बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और और इसस उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनयम 1961 की धारा 269क खं के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 15-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विवतास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पेंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त, निम्नितिबत उद्देश्य से उच्या बन्तरण निवित्त में बास्त-विक कप मे कथित नहीं किया गया हैं---

- ेंको बन्तरक से हुई किसी बाव की वाबता, उक्त विधिनयम के वधीन कर दोने की बन्तरक वी दासित्य में कभी करने या उससे वचने में सविधा के लिए; बॉर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

बर: बंब उक्त विधिनियम की भारा 269-न के बन्दरण वं में चक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभाग्र (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्वों ु वर्षात् ह— (1) श्री ग्रमीर ग्रली आर० जाफर

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स प्रिमीयर ग्लास ट्रेडर्स

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपृतित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उन्त निभिनयम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

बन्सूची

ओद्योगिक युनिट नं 4 जो ग्राउन्ड फ्लोर "ग्रामीर इंडस्ट्रियल इस्टेट" सब मिल कंपाउन्ड सन मिल रोड़ लोग्रर परेल बम्बई-13 में स्थित है,

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-1/37ईई/3785/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

(पी एन० दुबे) सक्षम प्राधिकारी सहायकर ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर 🕫

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1085

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-सः से अधिक है

और जिसकी सं० औद्योकिंग यूनिट नं 9 जो ग्राउन्ड फ्लोर "ग्रमीर इंडस्ट्रियल व्हस्टेट" सब मिल कंपाउन्ड, सन मिल रोड लोग्रर पारेल, बम्बई—3 मेंस्थित है (और इससउपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम 1961 की धारा 269क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है तारीख 13—9—1984

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृत्रे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्तांकत संपत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्त-रिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नां लिखत उद्देश्य से उक्त जन्तरण निम्नां लिखत में बास्तविक रूप से काँचत हों किया नया है ह

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनयम के बधीन कर देने के बन्तरण क दावित्य में कभी अपने मा उससे बचने में बृविधा के लिए; बरि/या
- (व) ऐसी किसी बाब या किसी धन वा बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधनियम, या धनकर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीर क्र (1) श्री ग्रमीर ग्रली ग्रार० आफफर

(ग्रन्तरक)

(2) ाँड० श्रीमती ताख्लता ग्रार० पारीख

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में श्रक्षाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

औद्योगिक यूनिट नं० 9, जो, ग्राउन्ड फ्लोर "ग्रमीर इंडस्ट्रियल इस्टेट" सब मिल कंपाउन्ड सन मिल रोड़, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है

ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई-1/37ईई/3780/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई छारा दिनांक 15-9-84 को रजिस्टर्ङ किया गया है।

धी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, वम्बई

दिनांक : 10-5-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

श्रीयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक लायकर बायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-।, वम्बई वम्बई 5 दिनांक, 10 मई 1985

निर्देश मं० ग्रई--1/37ईई/3971/84-85---ग्रतः मुझे, पी० एन० दुबे.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

डौर जिसकी संव फ्लैट न 4 मुलमनोर विल्डिंग 1ला मंजला स्ट्रण्ड रोड कोलावा. बस्वई-400005 में स्थित है (और इसमें उपावक अनुमूची में और पूर्व रूप म वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बस्वई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ती है तारिख 20~9-1984

को पूर्वीकत संपत्ति का उजित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित इद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्य में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में खे सिष्;

अतः अब, उस्त अधिनियम को गारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनिय की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों. अर्थात् :-- (1) मीस नसीम ईस्माईल सेमी

(अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र कुमार होलकिया।

(म्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती

(ह व्यक्ति जिसके <mark>ग्रधिभोग</mark> में सम्पति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्तित के वर्षन संबंध में कोई भी बाक्षेप 🏗---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबहुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाइ निमान में किए जा सकति।

स्पष्टीकरणः --इसमं प्रयुक्त शब्द। और पर्दो का, जो जनत अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया नया है।

अनुस्ची

फ्लैट २० 4, युलमनोर बिल्डिंग 1ला मंजला, स्ट्रण्ड रोड़, कोलावा, बम्बई-400005 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम नं० श्रर्ड-1/37ईई/4003/ 84-85 और जो सक्षम प्राविकारी वस्वर्ड द्वारा दिनांक 20-9-1934 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> भी० एन**० दुबे** सटाम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रायेन, जेंज-1 **वस्बई**

दिनांक : 10-5-1985

मोहर .

मस्य वाहं .टी. एर. एर.

पायकर पश्चितिः म. 1961 (1961 ला 43) की घारा 26%-व(1) के भ्रदीन सुचना

कारत वस्वार

कार्यालय, सहायक आयक्तर बायुक्त (निरीक्षक)

ग्रर्जन रेंज-I बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/3913/84-85--ग्रतः मुझे पी० एन० दुवे

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उण्यत बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा. से अधिक है

और जिसकी सं० औद्योगिक युनिट नं० 3 जो ग्राउन्ड फ्लोर "ग्रमीर इंडस्ट्रियल इस्टेट" सन मिल कंपाउन्डसन मिल रोड़ लोग्नर पारेल वम्बई—13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा सायकर ग्राह्मियम 1961 की धारा 269क छ के ग्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 15—9—1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार प्रत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किंशन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा औं त्रिप्ट; और/वा
- (क) ऐसी किसी शय वा किसी भन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय अाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 11, दा उक्त अधानसम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया तथा था का का का का चाहिए था, कियाने में सुधिया के किए;

अल अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

36-116 GI|85

(1) श्री ग्रमीरग्रली ग्रार० जाफर।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स पापुलर ग्लास ट्रेडर्स

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के शिष्ट कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्येप हुन्न

- (क) इस सूचना के सजपन में प्रकाशन की ताड़ीं है है 45 दिन की जनश्थि या तरस्वाननी व्यक्तियाँ पृष्ट सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी। अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तियाँ कुवासाई
- (स) इस स्थान के राजधान में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर स्थानित में क्रिक्स स्थान किया क्यों के पास विकास में किए जा सकों है।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया

अनस्यी

ओधोगिक यूनिट नं० 3 जो ग्राउन्ड फ्लोर "ग्रमीर इंडस्ट्रियल इस्टेट" सन मिल कंपाउन्ड सन मिल रोड लोग्रर परेल वम्बई-13 में स्थित है

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-1/37ईई/3781/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई धारा दिनांक 15-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–I, वस्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर 🗓

प्ररूप आई ुटी, एन. एस.----

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जागकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/3152/84-85; -ग्रतः मुझे धी० एन० दुबे

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसकें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया ही) की भारा 269-ख कें अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 रा. से अधिक डाँ

और जिसकी सं० गोल्डन क्वाईन प्रमाईसेस को ऑप० सोसायटी लि० फ्लैट नं० 401 गोल्ड क्वाईन ''बी'' तारदेव रोड़ बम्बई-100034 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वीणत है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 6-9-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तिय में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बलाहज से हुई किसी बाद की वादत, उक्त विविद्य के नधीन कर दोने के बलारक की वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय, भा या किया आरा नाहिए था, छिपार्न में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमशी तारला ललित कुमार मेहता

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्भ मुकेश श्रम्तलाल सिंह और शाह श्रमिस्ता मुकेश शाह।

(अन्तरिती)

का बह सूचना बारी करके पुनांक्त संपत्ति के अर्जन के जिल् कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त सम्मिश के बर्चन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीब से 45 हिन की अवरिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क अँ परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया एका है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 401 गोल्ड क्वाईन ''बी'' तारदेव रोड़ वम्बई-400034 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-1/37ईई/3576/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 6-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−1 बम्बई

दिनांक: 10-5-1985

मोहर

प्रस्य बाइ ुटी. एन. एक्ट स् स म = स

कायकर कींधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के व्यथीन सुव्या

भारत सरकार

कार्यसन्, स्हान्क नामकर नाज्वत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-I बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-I/37ईई/3841/84-85—-ग्रतः मुझे पी० एन . दुबे

नायकर म्भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इस्वें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' नहा गया हैं), की भारा 269-स के बभीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नगरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 10 3रा मंजला श्री माया अपार्टमेंटस को ओप हार्जिसग सोसायटी 5 कालेज स्ट्रीट आफ लेन दादर वम्बई-400028 में स्थित है (और इसस उपावछ अनुसूची में और पूर्ण रूप मं विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269क ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यालय में र्जिस्ट्री है तारीख 10-9-1984

को पूर्वोक्त समपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके ख्रमान प्रतिकल से, एसे ख्रममान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा नमा प्रति-फल निम्न्द्विलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण स इंदुई किसी बाध की वायस, क्यस व्योभिनयम के सभीन कर दोने के बन्तद्रक के स्वीवत्य में क्षत्री करूने वा उससे वचने में सुविचा के किए; बार्/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जावकर जिथितवम, 1922 (1922 का 11) या उनत जीवितवम, वा वनकर अधिनियम, वा वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा वा या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के निष्ट ।

बतः बन, उक्त विधित्यम की धारा 269-न के बन्तरण में, में, उक्त विधित्यम की धारा 269-न की उपधारा र्ी) के बधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अथित् :--- (1) श्री मधुकर वी दुबे दावके

(ग्रन्तरक)

(2) श्री माया ग्रपार्टमेंटस को० ऑप० हार्जासग सोसायटी (ग्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्बक्ति के वर्जन के लिख् कार्वनाहियां करता हूं।

दक्त सम्मित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रम हुन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच क्षे 45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दश सूचना की तामील से 30 दिन की जनिभ, को सी जनिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिमाणिक है, वहीं अर्थ द्वीगा, जो उस अध्याय ये दिवा भया है।

वन्स्या

पलैट नं० 10 3रा मंजला श्री माया ग्रपार्टमेंटस को० ऑप हाउसिंग सोसायटी ग्राश लेन दादर बम्बई-400028 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-1/37ईई/3753/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 वम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोह्रर .

प्रस्म आहे. टी. एव. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अभीन सुच्ता

भारत सर्वप्रद

कार्यालय, सहायक वायकर बायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज—[बम्बई बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई--।/37ईई/3829/84--85--- ग्रतः मुझे पी० एन० दुत्रे

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसें इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं ग्रापि.स नं ग्राई० सी० सिध् हाउस

3रा मंजला 3/5 नानाभाई लेन बम्बई-400001 से स्थित
है (और इस उपाबढ़ ग्रनुसूची मे और पूर्ण रूप मार्वाणत है)
ओर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनयम 1961 की धारा

269क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है नारीख 10-9-1984

को पूर्विकत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण सं हुई विन्ती बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; बार/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्वैधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगाँ, अर्थात् ः— (1) ची राजेन्द्र हंदराज गागलानी ।

(अन्तरक)

(2) हेल्थकेग्रर कम्युनिकेशन ंडिया ।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हो।

उपत सामार को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजएत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिउबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया

वन्स्ची

ग्रापिक्ष ग्राईसी० सिंधू हाउस अरा भंजला 3/5 नानाभाई लैन वम्बर्ध-400001 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-1/37ईई/3745/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 10-9-1984 की रजिस्टई किया गया है।

भी० एन० दुवें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज–I बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सस्कार

कार्यालया, सहायक आयकर अध्यक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/4008/84-85-ग्रतः मुझे पी० एन० दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राणिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर अधीन. जिसका उचित गांशर धन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 131 चर्चगेट रोड़ हिन्दू कालनी, दादर, बम्बई 40014 है तथा जो बम्बई 400014 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप स्मे बणित है) और जिसका करारनामा आयकर सिक्षित में कि कार्यालय में र्जिस्ट्री है ताराख 25-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्वा प्रतिफल निम्नलिकित उक्केंक्स से उक्कें क्करण बिर्धित के बास्तिक रूप से किया गया है .---

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उच्त जीवनिका के जभीन कर देने के बंहरक के दियत्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के निष्; और/बा
- (क) एमा किसी जाय या किसी धन या अन्य बाहेस्त्यां को, जिन्हों भारतीय आपकर अधिनियम, 192.: (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिर्ता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किएाने से स्विभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मृ के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 263-स की एक्सरा (३) ﴿ अधीयः निम्नीविधित व्यक्तियों, अधीतः ३--- (1) श्री जी० जी० सरदार।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्भ किरदरे एसोसिएटस ।

(ग्रन्तरिती)

(3) मालक और उसका भाडोत्नी।

(वह व्यक्ष्ति जिसके ग्राधि<mark>भोग</mark> में सम्पति है)

को बह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिकां करता हूं।

उक्त संपहित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45. दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी त्रवधि बाद में समात्त होती हो, के भीतर प्वांवस व्यक्तिस्यों में से विज्ञती व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारांख 4.5 दिन के भीतर उपत स्थायर सम्पत्ति में हित-बह्ध किसी अन्य व्यक्तिः हमारा अपांत्रताक्षरा की एस लिखित में किए जा मलेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, दहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

प्लाट नं० 131 धागाटे रोड़ हिंदू कालोनी दादर बम्बई-400001 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-1/37ईई/4026/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 25-9-1984 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रप्युक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

प्रकार कार्य ही एस. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 ा (1) के अधीर सचना

The proof of the control of the cont

*Liter entitt

कार्यालय, सहायक गायकार गाय्क्स (निराक्षक)
प्रजीत रेज-1, बम्बई
वम्बई, बिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश न० ग्रही-137-जी/5118/84-85-ग्रनः मुझे, पी० एकः दुवे,

अस्यकर सांधानियान 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थल प्रकाद 'उन्नत प्रधानियम' कहा गया है), की भाष 260-क के अर्धान सक्षान अधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है। कि स्थानर सर्धान, जिस्ता उचित बाजार भृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिस्ती सं जिस्ता का हिस्सा होता हैन्य, सी वर्षे वर्षे निया है। (क्रीर निया के स्था है। (क्रीर क्रिक्ष प्रमान क्रिक्स क्रिक

- (क) अन्तरक संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य जास्तियों की. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चर्महरू था छिपाने में सुविवा को लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिमित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्रीमती गांताबेन खिमजी।

(अन्तरक)

(2) श्री विश्वासा एक्की सोनैया और श्रीमती जोन्सस्ता एक श्रवासी ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितबद्ध किसी अस्य ब्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त जन्दों और पदों का, जो उनत धरिविनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

वन्स्याँ

श्रमुस्त्रो जैसा कि विशेष स० बाम-1817/81 ग्रीर जी अपर एजिस्ट्रार, वस्वई द्वारा तिनंक 6-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गण है ।

पी० एन० दुवे मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 वम्बर्ड

दिनांक : 10-5-1985

मोहर 💈

गरून नार्च. टी. एन. एक्ट ≅ - - ---

बायकर क्षितियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ल (1) के अधीन सुचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, वम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निवेश सं० ग्रई-1/37-जी/5119/84-85---- ग्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त क्धिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जमीन हिस्सा के साथ स्ट्रक्चर, जिसकी सी ० एस० सं० 9/172, परेस तिवरी डिवीजन, वम्बई में स्थित है। (ग्रोर इसने उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय वम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 6-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करणे या उसने अवने में स्विधा के लिए और/शा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण श्रं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिकित अभितकों कर्यात् 🗈 (1) श्री मुलराज हिमजी।

(अन्तरक)

(2) 1. प्रकाण जरतानदाय ठक्कर, 2. प्रभुदास तुलनीदास ठक्कर और 3. श्रीमती विना प्रभुदास ठक्कर । ट्रस्टीण श्राफ दिप्ती इन्वेस्टमेंट्स ।

AND AND USE AND PROPERTY OF THE PROPERTY OF TH

(ग्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पर्वोत्तन संपत्ति के दर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के मंबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अवित्तयों जर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत में प्रकाशन की गारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्याश त्रधांहस्ताक्षरी के पास विश्वित में निक्र सा सकींगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

त्रमुस्ची जैसा कि विलेख स० वाम 1818/81 ग्रौर जो उपरिजम्ट्रार, वम्बई द्वारा दिनांक 6-9-1984 के रिजस्टर्ड किया गया है।

> पो० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, वस्बई

दिनांक: 10-5-1985

मोहर् 🛚

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

(1) श्री खिमजी डोकरशी।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स संजय विल्डर्स ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ^कीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज $-I_{,\hat{j}}$ बम्बई

बम्बई, विनांक 10 मई 1985

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं जिसकी हिस्सा के साथ स्ट्रह्यर, टेका टेनूर, जिसकी सं मर्वे नं व 10/172, परेल हिवरी डिवीजन, बस्वई में स्थित है। (ग्रौर इतसे उपावड अनुसूची में ग्रौर पूर्ण ह्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के आयित्य, बस्वई में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के आयित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 6-9-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रातिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह्र प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखितों हो बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए: और/धा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की किसी भारतीय भारतीय भारतीय भारतीय भारतीय भारतीय भारतीय भारतीय भारतीय अन्तिरिंग स्थापन भारतीय अन्तिरिंग स्थापन भारतीय किया जाना चाहिए था, ख्रिपान में सुविधा के निष्

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कें
 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुस्ची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं बाम-1829/81 श्रीर जो उपरजिस्ट्रार, वस्वई द्वारा दिनांक 6-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-, बम्बर्ड

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

दिनांक: 10-5-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. :

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 209 में (1) के मधीन सुमना

प्रारत सरकार

कार्यभव, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

वम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-जी/5121/84-85--- ग्रतः मुझे, भी० एन० दुवे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर मध्यित, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिनको सं० जमीन का हिस्सा, जो, टोवा टेनूर, सी० सर्वे सं० 8/172 (संग), परेल जिवरो डिबीजन, बम्नई है तथा जो बम्बई में स्थित है (स्रौर इत्रसे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रोकरण, स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक 6-9-1984,

की प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के बिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उमके स्वयमान प्रतिफल सं, एसे स्वयमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिफल का अन्तर प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्गे) और अंतरित्ती (अन्तरितियार्गे) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष का निम्निसिश्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निस्ति वास्तिबक क्य में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी साथ की सावत उक्छ सीपनियस से सपीत कर दोने के सन्तरक से स्वयित्व में कनी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; सीर्/या
- (क) एसी किसी अाय या किसी भन का अन्य आस्तिहीं की जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियस . 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या कन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरित इवारा प्रकट नहा किया गया छ। या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री केतन खिमजी।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स मनिष इण्टरप्राईज।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायनाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस क्या के रावपत्र में प्रकाशन की तारीत है

 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
 किवी कन्द व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के वास
 लिक्ति में किए वा सकोगे।

स्वाच्योकरणः --- इन्मॉ प्रवृक्त बब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है. यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

मन्सूची

अनुपूतो जँसा कि जिलेख स० बाम-1821/81 और जो जप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 6-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है:

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निर्दक्षण) स्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर ३

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-त्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालब, महायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्वई बस्बई, दिगांक 10 मई 1985

निदेश स० श्र $\xi-I/37-\pi i/5122/84-85--श्रतः मुझे, श्रनः मुझे, पी० एउ० दुवे,$

नांयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विख्यास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्वे 1,00,000/- रा. सं अधिक है

भौर जिल्ला सं अलेख बेग्रारंग प्लाट स० 8, क्वीन्त रोड, इस्टेट, सी ए ए ० मं० 1793, फोर्ट डियाजन, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से विगत है), रिल्ह्ट्री ती श्रीधारी के वार्यालय, बम्बई में रिल्ट्री हरग प्रवितियम, 1908 (1908 ता 16) के श्रधीन, दिनांक 1-9-1994,

का प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड और मध्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके **राध्यमान** प्रतिफल सं., एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंबरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदद रुग से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक **रूप से कथित नहां किया गया है:---**

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनयम के सधीन कर दन के अतरय की दायित्व में कभी करने या उससे बचवे में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों के जिन्हें भारतीय आयकर ब्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्न अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा (कट नहीं किया भया धा गा क्या जाना चाहिए ता, छिपान मा सुविधा के लिए।

बत शब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनसरण में में उक्त विधिनियम की भारा 260-च की उपधारा (1) अब सधीन, नियनिलिसत व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रामनो गुल जेमो जतावाला स्रौर **जेमी नौरोजी** जतावाली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० एल० गुप्ता

(अन्तरिती)

(3) भग्डूत । (वह व्यक्तिः, जितके प्रधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की वर्जन के विष् कथनाह्य करतः है।

उबत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन का जबीध या तत्सम्बन्धा व्यक्तिया पद स्वना का तामाल स 30 दिन का अविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर प्रविच्त व्यक्तिया में स किसा व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से का अविकास की किसी केन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास का पान का मा का जा सकाय।

स्पष्टोकरण. ---हममं प्रयक्त अब्दो और पदों का, जो उस्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

ग्रनुप्ची जंता कि विलेख मं० **बॉम-518/82 ग्रीर जो** उप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 **को रिजस्टई** किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम पाधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण), स्रजंन रेंज-1, वस्बई

दिनांक: 10-5+1985

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर अाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-जो/5125/84-85---ग्रतः मुझे पी० एन० दुबे

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं प्रापर्टी बेग्नरिंग सी एप ० नं ० 1243 फोर्ट डिवीजन मिंट रोड बम्बई में स्थित है। (श्रीर इससे उपावढ श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीरिजी श्रिध जरी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री करण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 13-9-84

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभ्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रोमती शालिनी पर्सराम ग्रौर श्री चान पर्सराम। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री महेन्द्र सुन्दैरलाल सेठ ग्रौर श्री शशिकांत सुन्दरलाल सेठ ।

(ग्रन्तरक)

(3) भाडूत । (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह भूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोंकरण:---इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्या हैं।

बन्स्ची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० बॉम-1684/8 श्रीर जों उप-रिजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 13-9-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्रक्रिः सी सहत्यक ग्रायांर ग्राय्क्त (गिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 10-5-1985

माहर 🏻

प्ररूप बाइ'. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1,961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीद सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकर (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1585

निदेश सं अई-1/37-जी/5123/84-85--- ग्रतः मुझे, पी० एन० दुवे

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

सौर जितको पं० जमोन का हिस्सा के हाथ इमारत, जो चर्नी रोड, न्ट्रिंट नं० 165 स्रोर 167, 6वो सो० सर्वे नं० 1329 गिरगाम डिवोजन, बम्बई में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध सनुसूचा में स्रौर पूर्ण रूप से विभिन्न है) रिजस्ट्रोकर्ना स्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रोकरण स्रधितियम 1908 (1908 का 16) के सधोन दिनांक जिनम्बर 1984

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्वान्त सम्पत्ति का उचित बाजार सृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल म, एग दृश्यमान प्रतिफल का पन्दा प्रीत्यत स अभिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिशों) के बीच एमं अन्तरण के निए नय पाया गवा प्रति-फल निम्नलिखित उद्यद्य से उन्त अंतरण लिखित में बास्तिबक क्य स कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; वरि/वा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रोमतो कमलावतो प्रभृदात ।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. िशोरभाई वेनीलाल गांधी
 - 2. मुकेस िशोरभाई जरोवाला स्रौर
 - 3. मुनाल िशोरभाई जरावाला।

(अन्तरिती)

(3) भाडूत । (वह व्यक्ति जितके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना वारी करके पूर्वोक्ट सम्पत्ति के वर्वन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 2-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की वर्नीथ या तत्संस्वन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की वर्नीथ, जो भी खनिथ बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तिया में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए वा सकेंग।

स्पष्टीकरमः :---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, वो उन्हें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं वर्ष मोगा वो उस अध्याय में दिवा यदा ही।

अन्त्जी

श्रनुसूची जैंग कि विलेख सं० बांम-390/83 श्रौर जो उपरजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 10-5-1985

प्रकृष् बार् टी. एन्. एवं ------

नाधकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन सूचका

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) श्चर्जन, रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-जी/5131/84-85--ग्रतः मुझे

पी० एन० दुबे

बायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिनको सं जिने वेग्रिरिंग सी उएस व नं 4/600 मलबार खंबाला हिल डिवोजन, गवालिया टन्क रोड, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री कि ग्रीध हारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण प्रविधियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 23-9-1984

का प्वांक्ट संपत्ति के उचित वाधार वृत्य है कम के कम्यवान प्रविकास के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे वह विश्वास करने का कारण है कि मथाप्वांक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृन्द उसके क्यमान प्रतिकास से, एस क्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एम अन्तरण के लिए तथ बाबा गया प्रतिकास निम्निसिवत उच्चेष्ट से उक्त बंदरण विश्वास में वाक्षविक क्य से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्ख अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दाधित्य में कमी करने या उसके वचने में सुविधा की सिए; बांद्व/वा
- (थ) ऐसी किसी नाव वा किसी थन वा कन्य वास्तिकों को, जिन्हों भारतीय नावकर निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्धानयम, या धनकर मिनियम, या धनकर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती दवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया काला चाहिए का जिनार्थ में वृद्धिया के सिक्;

कतः जब उनत जिमिनयम की भारा 269-म की अनुकरक में, में, अवन जिमिनयम की धारा 269-च का उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ६--- (1) श्रामता जैंड० एच० रहिमतुल्ला श्रीर एस० एच० दस्ताल ट्रस्टो दाउदभाय फझलभाष मुस्लिम एज्रेशन ट्रस्ट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रल्लादीन के० मवानी ग्रौर फातमाबाई ग्रल्लादीन मवाना ।

(भन्तरिती)

(3) भाडूत। (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहिया शुरू करता हूं।

स्वतः स्वारित के बचन के सम्बन्ध में कोई भी बासीय ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तानीन से 30 दिन की नविध, को सी ववधि नाद में सत्राप्त होती हो, के नीतर पूर्वों कर स्ववित्यों में से किसी स्ववित्य द्वारा;
- (क) इक स्वना के रावपन में प्रकाबन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सह्य किसी सन्य स्थित द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए का सकेचे।

सम्बद्धीकरणः ----इनमें प्रयक्त सम्बद्धी सर वर्षे का. या उपक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहां क्षे हागा वा उस अध्याय में दिका यदा हैं।

वन्त्वी

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० बॉम 1877/77 प्रौर जो उर-रिजिन्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 25-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधि ारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (िरीक्षण) ग्रर्जन रज∸1, बस्बई

विगांक: 10-5-1985

मोहर 🔬

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

सामकर अधिनियह, 1961 (198, का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्मन रेंज-1, बम्बई

बम्वई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ऋई→1/37-जी/5133/84-85--- अतः मुझे, गी० एन० दुवं,

विश्वकिर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे श्समें श्वकि पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स क अधीन मक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्व 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर जिनको सं० सो० एउ० नं० 465, कुलाबा डिवीजन, स्ट्रीट नं० 23-25, 24-24ए, आपोजो बन्दर और स्टेवेन्स रोड, बम्बई में स्थित है (और इउसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से विगत है), रिनस्ट्रो जो अधि गरी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक 26-9-1984,

का गबाँकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का क्ष्मह प्रतिशत से अधिक है और बतरक (अतरकाँ) और क्षमितिशत से अधिक है और अतरक (अतरकाँ) और क्षमितिशत (अन्तर्गितयो) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- मार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा खे लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) बिबो तेजकौर श्रमरनाथ जिंग, मनोहर्जिंग बलवन्त सिंग धोडी, और गरमीत सिंग मनोहर सिंग घोडी। (श्रन्तरक)
- (2) श्री अमीना मोहम्मद उमर, और रक्षिया मोहम्मद श्रधरफ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) भाडूत । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) बॉम्बे पोर्ट ट्रस्ट । (वह व्यक्ति, जितके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वहं सूचना कारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षीप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चन। की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजधत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकांगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा नेवा है ।

अनुसूची

श्रनुस्वी जैज्ञा कि विलेख सं० डिंड नं० 1510/84 श्रीर जो उप-रजिस्ट्रार. बम्बई द्वारा दिनांक 26-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गमा है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधि गरी सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) सर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-3, वम्बई
वम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश स॰ ऋई-3/37-ईई/13204/83-84--- स्रतः, मुझे, ए॰ प्रसाद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, जो, मिलाप ग्रपार्टमेंट, मिलाप टाकीज के पास, एस० बी० रोड, मालाड (प), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का भंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तम पाया गया प्रतिक्षक कि विश्वविद्य वृद्ध से से उक्त अन्तरम् विकित के बाक्त विक

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी बाय वा किसी धन वा बन्य बास्तिबों को जिन्हों भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उसत बिधिनियम, वा धनकर बिधिनियम, वा धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म क बनसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 38—116GI[85

(1) श्री जे० जे० कक्कर ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेससं दर्शन भ्रॉथपेडिक एण्ड सर्जिकल क्लिनिक। (अन्तरिती)

को वह बृज्या जारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्जन के तिक् कार्यवाहियां करता हो ।

बनत् सम्पृतित् के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेष् :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशनः की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधः, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पा लिखित में किए जा सकरो।

स्पन्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभागित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास म्या है।

वन्स्ची

फ्लट सं० 3, जो, मिलाप ग्रपार्टमेंट, मिलाप टॉकीज के पास, एस० वी० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-3/37-ईई/13204/ 84-85 ग्रीर जो सक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-84 को' रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी [सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 10-5-1985 मोहर ध

प्रकृत बाहं . डी . एव . एव . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन स्था

भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बइ

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश मं० ग्रई-4/37—ईई/12403/84—85—-ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट न० 301, जो, तीसरी 3 मंजिल, स्राम्प्रपाली एस० नं० 291, एच० नं० 7 (स्रंश), सी० टी० एस० नं० 146 (स्रंश), वामण भोईर रोड, कंदारपाडा, दिहसर (प०), बम्बई-68 में स्थित है' (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के स्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-84,

को पूर्वोक्षत संपत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मून्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था बा किया जाना चाहिए बा ख्याने में सुविधा के लिए;

बतः बन, क्षतः व्यधिनियम की धारा 269-ग के बनुतरण मं, मं, उक्त कधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्निविश्व व्यक्तियों, वर्धात् ध---

- (1) म्हात्ने एण्ड म्हात्ने डेव्हलोपमेंट कार्पीरशन । (अन्तरक)
- (2) होसानेट्ट एन० डी०

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों

् (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

ह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए गिहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिथ या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिश्च वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवार वभाक्तिताकारी के पास लिखित में किए वा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्परि

पलैट नं० 301, जो तीसरी मंजिल, आम्प्रपाली, एस० नं० 291, एच० 7 (अंश), सी० टी० एस० नं० 146 (अंश), वामण भोईर रोड, कंदारपाडा, दिहसर (प०), बम्बई—68 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37—ईई/12403/ 84—85श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 1—9—1984 की रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 9-5-1985

मोहर 🖫

प्रकप वार्ड.टी.एन,एस.----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाख 269-म (1) के अभीन सुचना

बारुव सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

स्रजन रेंज-4, बम्बई बम्बई. दिनांक 10 मई 1985

निदेश स॰ ग्रई-4/37-ईई/12215/83-84--ग्रतः मघे-ए० प्रसाद,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, जो, पहली मंजिल, "ई" विग, गुलिस्थान स्रपार्टमेंट, प्लाट वेस्ररिंग सी० टी० एस० मं० 1053/1 से 7, एस० दी० रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (स्रौर इससे उपावद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), स्रौर जिसका करारनामा स्रायंकर स्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कख के स्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य' उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक बी खीयत्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाग वा किसी धन या बन्य बास्सियों को, चिन्हों भारतीय बाग-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

कतः मन, उक्त निधिनियम की धारा 269-म को अमृतरक में, मैं उक्त निधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निजिमित काक्तिवाँ, नर्थात् मन्न (1) वेस्टर्न इंडिया बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद हनाफखानिसा महागिरी मोहल्ला । (ग्रन्तरिती)

कां यह भूचना बार्टी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यनाहियां सूरू करता हूं।

उदाय सम्पत्ति के अर्जन के तंबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के दाजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त क्तायों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (भा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यख्दी करण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा हैं ॥

अनुसूची

पानैट नं 6, जो, पहली मंजिल, "ई" विंग, गुलिस्थान प्रपार बिंट, प्लाट वेग्ररिंग सी० टी० एस० नं 0 1053/1 से 7, एस० वि० रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अर्ड-4/37-ईई/12215/ 84-\$5 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-19814 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-4, बम्बई

दिनांबद्ध : 10-5-1985

मोहर ।

त्रक्ष बाइ'. टी. एम्. एस्.

भारत 269-म (1) के अधीन सुचना

DEST STATE

कार्यास्य, सञ्जयक वायसर वायुक्त (विद्वीक्ष्य) ग्रर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/12373/84-85---ग्रतः, मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परंचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन, सक्षम प्रीभकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्म्मित्त, विसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० दुकान सं० 3, जो ग्राउण्ड फ्लोग्नर, कृष्ण कृपा इमारत, प्लाट वेग्नरिंग सी० टी० एस० नं० 966, एल० टी० रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), /ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मूझे यह विश्वास स्वरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का खीचत बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एते ख्रयमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया यथा प्रतिफल, निम्मतिबित उद्देश्य से उक्त ब्रन्तरण निवित में बास्तविक रूप से किंशन नहीं किया नया है है—

- (क) कन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत समझ स्वीपनिजय की अधीव कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मी सुविधा के लिए; बार/बा
- (क्ष) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों करें, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, कि धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के टिकए;

बतः बद, उक्त वीधीनयम् व दं, बं उक्त वीधीनयम् की ध क्षेत्रणीयः, निस्तिविक्त व्यक्तियों, वर्षास् क्ष्म्म (1) मेसर्स एक्सेल बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री देवेन्द्र गांगजीगाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिथ् कार्यवाहियां १९२१ करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप ;---

- (क) इत सूजा के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी व वं 45 विव की स्वीध या तत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों दर सूजा की तासील से 30 विन की वविध, जो भी वविध बाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इत् स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवइभ किसी जन्म स्वक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के शास लिखित में किए वा मकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, दहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

दुकान सं० 3, ग्राउण्ड फ्लोग्नर, कृष्ण कृपा इमारत, प्लाट बेग्नरिंग सी० टी० एस० नं० 966, एल० टी० रोड. दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कु० सं० ग्राई-4/37-हिंदी 1227 श

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-4/37-ईई/12373/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रुर्जन रेंज-4. बम्बर्ड

देनांक : 9-5-1985

प्रकार बाहे टी एउ एस -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक अगयकर आयकत (निरक्षिण) अजन रेंज्-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

नि शि सं० अई- 4/37-ईई/12428/84-85--अतः मुझे, ए ० प्रसाद,

नायक क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके कियात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हं कि स्थायर मण्णि जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

मार जिसको सं उ दुकान सं 14, जो, देवधरा के अपा हा असा गास यदो ति , ल स्मो बाई लाड रोड, दिसर (पूर्व), बम्बरेन 68 तें रिया है (ग्रार इस के उपाबद्ध अनुसूणी में ग्रार पूर का से बाँगा है), प्रार रेम का का राजा वा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख रे अधीन बम्बई यि: सक्षम प्राप्ति को कार्या ये में रिज ट्री है, दिनांक 1-9-1984, का पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल स, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिता (अतीरान्या) क बाच एम अत्रण का लए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अम्ताबक कप म का पन नहा किया। गया हो :---

- हैंक) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अतरक के दायित्य भी कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सिंग्धा के लिए;

1. श्रो नरमोहतद जिला मोमीन और अत्य

(ग्रन्तरक)

2. श्री शहा नवाज अध्रुजनाई रयानी।

(अन्तरिती)

3. अत्को ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में व्हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हुकान सं० 14,जें, दे धा को०आप० हाउधिगसेसायटी लें०, लक्ष्मोबाई लांड रोड, दिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्था है।

अनुत्रवो जैसा ि ऋ० स० अई-- 4/37-ईई/12428/84-85 ग्रार नो सक्षा प्राधि हारी, बम्बई द्वारा विमाह 1-9-1984 को रिजिस्टई जिया गया है।

> ए० प्रताद सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक: 9-5-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. - - -

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ें भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

मारत सरकाइ

कार्यां नय, सहायक जायकर जायक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

नि^{रे}श सं ॰ अई- 4, 37-ईई, 11980, 84-85--अत: मुझे, ए॰ प्र**ा**द,

कायकर कांधीनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00.000/-रु. से अधिक है

स्रीर जितकी सं० पत्रैष्ट सं० 602, जो, 6वीं मंजिल, जान त्र्यांन इमार्त, सी० टो० एस० सं० 328, विलेज माताड, एस॰ 2 वी० पी० राड, कांविणी (प), बम्बई-67 में िथत है (स्रार इसे उपाबद्व अनुसूची में स्रार प्रां रूप से विणित है), स्रार जिला कर दाना अध्यकर अधि त्या, 1961 की धारा 269 कख के अधोत बन्बई िथत तक्षा माधिकारों के कार्यालय में रिज ट्री है, दिना क 1-9-1984,

को पूर्विकंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकः के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वे कित सम्पंत्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से काथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किनी बाव की वावत, उक्क्ष अधिनियम की अधीन कर दोने के बन्तरक को श्रीवत्य में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए, बरि/वा
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में अक्त मिपिनगण की धारा 260-व की उपधास (1) के अधीन, निम्नलिवित व्यन्तियों, अर्थात् :— (1) मंकू जिल्डर्स एण्ड का ट्राय्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमतो सिवता बहुन पी० मेहता आर० पं० मेहता, पकज पा० मेहता ग्रार डी० पी० मेहता। (अन्त रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सप्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता ह

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख खे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाढ़ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण :—इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

फ्लैंट सं० 602, जो, 6वीं मंजिल, ज्ञान दर्शन, सी० टी० एस० सं० 328, विलेज मा तड, एस० वी० पी० रोड, कांदिवली (प), बस्बई-67 में थि। है

अतुपूत्री जैता ि क० सं० अ $\frac{1}{2}$ -4/37-ईई/11980/8485 म्राः जो समम प्राधि ारी, बम्बई द्वारा दितांक ्र्री-9-2984को रजिस्टर्ड िजया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 2-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाई . टी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनाक 6 नई 1985

नि श सं० अई-4/37-ईई/11995/84-85-अतः, मुझे, ए ० प्रसाद,

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पिन, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भोर जित्तको त० इण्डिस्य र प्रांट नं० डी०। 18, जो, बोगाच्या इण्डिसल इन्टेट, असार चक्र रोड, कारित से (वि), बम्पई— 101 में स्थित है (आर इत्ते उपाद्ध अनुपूची में आर प्रांच्य से विगित है), आर जित्तका कराउसमा आयकर अधिनियम, 1961 को बारा 239 कख क अधीन बम्बई स्थित सक्षन प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिल्ही है, जिनक 1—9—1984,

को पूर्वोक्त स्पात्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दृश्य स उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप स काथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अंतरक के दायित्व में कमी करन या उसस बचन में सृविधा के लिए; आर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चााहए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-छ के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थात्:—

(1) श्री एन० के० बेलानी।

(भ्रन्तरक)

(2) शदा एण्ड संगंवी इंजीनियर्स।

(ग्रन्तरिती)

को यह मृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख एँ 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ५ सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मां हितबद्ध किसी अन्य विकित द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहा अर्थ हागा जा उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूत्री

इण्डिट्राल यूनिए सं० डी-18, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, बोनान्सका इण्डिट्रियल इल्टेंट, अशाह चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बस्बई-101 में स्थित है।

अनुत्रो जैता कि क्र०सं० अई-4/37–ईई/11995/84–85 स्नार जो सक्षत प्र.धिकारी, बम्बई द्वारा दिन क्र1–9–1984 को रजिस्टड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राध्यनारी सहायक आयक्त (ानरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बद्ध

दिनांक: 6-5-1985

मोहर 🖫

षरूप बाइं.टी.एन.एस.-----

बाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अनयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 अप्रैल 1985

निवेश सं० 4/37-ईई/12139/84-85--अत:, मुझे, ए॰ प्रसाद,

आयकर अधानवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 30 , जो 3रो मंजिल, विग-ए०, आदीनाथ अपार्टमेंटरा, सब प्लांट नं० 23, 24 ग्राँर 25, दे ाई एण्ड नेठ नगर, कांन्यिली (ए), दग्बई में स्थित है (अर ससे उपायद्ध अपुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणित है), ग्राँर जिसका प्रारक्षिण आयगर जाधानयम, 1961 की धारा 269 एख के श्रधोत, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिसांक ।-9-1984

को पूर्वीक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अध्क है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप स अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व म कमी करन या उसस बचान म सृविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिभा के निए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, पे उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधास (1) अ अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री पी॰ पी॰ गुप्ता (एच॰ यू॰ एफ॰)

(अन्तरक)

2. श्री प्रभुदास कें ब्रिट्तानी ग्रीर श्रीमता सुधा पी० द.त्तानो

(अतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्ज़न के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस**बंक्ष** किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

फ्लैंट नं ० 302, जो 3री मंजिल, ए-विंग, अविष्य अार्टमेंटस, सब प्लॉट नं ० 23, 24 ग्रार 25, देसाई एण्ड सेठ नगर, कार्टिवली (ए०), बम्बई में िश्रत है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-4/37-ई $^{\prime}/12139/84-85$ ग्रीर जो सक्षम प्रधिकःरी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाइ सक्षम प्राधिक री सहायक आयकर आयुक्त (िर्दक्षण) अर्जन रेज-4, **ब**न्बई

दिन क: 3-5-1985

प्ररूप बाई', टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की. धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज 4, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/12133/84-85-अतः मझे, ए० प्र_{धी}द,

बाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सणित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रांर जिसकी सं० दूकान नं० 29, जो, श्री जी तर्शन इतात, गातीलाल मोदी रोड़, कृतिवली (५०), बम्बई में स्थित है (ग्रांर इतसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रांर जिल्का क्षतानाना आयका अधिक्यिम, 1961 की बारा 2395, ब के अयोग वस्त्रई स्थित सनगातिक री के कार्यात्रम में राजिल्लो है, तारीख 1-9-1984

के का रोजिय में राजिश्री है, तारीख 1-9-1984
का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतिस्तियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक
रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम क अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहरी किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियान में सृविधा के लिए।

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै बनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन. निम्नेलिखित व्यक्तियों, अधात्:— 1. श्री जै० एन० सोनी

(अत्तरक)

2. मेसर्स भिव शक्ति टी एण्ड कोल्ड ड्रिंग्स हाउस (अतिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 'से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स') इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरा क भास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 29, जो, श्री जी दर्श : इमारत, शांतिलाल मोदी रोड़, कांदिवली (५०), बम्बई-67 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई -4,37-ईई, 12133,84 - 85 ग्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, बाबध द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिारी सहायक आयकर आयुवत (निराक्षण) अर्जन रॉज 4, बस्बई

दिनांक: 6-5-1985

मोहर 💲

प्रक्ष बाह .टी. एन .एस . -----

बावकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुमना

बारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, रिनांक 6 मई 1985

निदेश सं॰ अई--4/37- ईई/12194/84-85--अत:, मुझे ए॰ प्रताद,

नायकर निर्मायम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त निर्मायम' कहा गया हैं), की बाख 269-ज के निर्माय सम्माप्ति को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उजित बाबार मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

मार जिनिशे सं० यूनिट नं० 14, जो डी-विंग, बोनान्सा इंडिस्ट्रिल इन्टेंड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कोस्विली (पूर्व), बम्बई—67 में स्थित है (म्रार इसते उपाबद्ध अनुरूची में पूर्ण रूप से विंगत है), मार जिसता कराइनामा आय-कर अधित्यिन, 1961 को धारा 239क, ख के अवोन सन्तन प्राधिनारा कार्यालय में रिजर्स्ट्रा है, तरीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिकल को नए अन्तरित की गर्द हैं और मझ यह विश्वास करने कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसकें दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या अतिफल निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अतरण लिखित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण संहुई किशी बागकी शवत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दानंके अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उसने वचने में सुविधा के न्चए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 विश्व की 11) या उन्त अधिनियम, या जन-कर अधिनियम, या जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा का जिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरका, मैं अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपर्करा ।।) हे अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री टी॰ जै॰ चन्ःानी

(अन्तरक)

2. मेसर्स मोटवानी ट्रस्ट

(अारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्था के राजपत्र में प्रकाशन की हारीय वै 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियो वर स्चा की तामील से 30 दिन की अविध को भी विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थाक्तयों में सकिसी स्थाक्त ह्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब कै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हित्तबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयावन सब्दा और पदों का, को सबस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनुसुची

यूनिंट नं० 14, जो डी-बिंग, बोना-प्ता इंडिस्ट्रियल इन्टेट, अगोत चक्रवर्गों रोड़, कांदिवली (पूर्व), बम्बई- 67 में स्थित है।

अनुत्रवी जैसा कि कि० सं० अई-4,37-ईई,12194 84-85 ब्रार जो सक्षन प्राधि गरी, बम्बई द्वारा विनांक 1-9-1984 को राजि ंई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राजिजारी सडायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्थन रेज-4, बम्बई

दिनांक: 6-5-1985

महिरु 🚁

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, स्निंक 2 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/12372/84-85--- अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00.000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलैंट न० 24, जो, 2री मंजिल, जी० के० नगर, इरारत न० 2 श्वा हेन व िली (प०), बम्बई-67 में ियत है (ग्री:इसमे उपाद अनुरची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणा है), ग्रीर जिसका करा म मा आयकर अधिनियम, 1961 की धरा 26 क खहे उद्यीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के काय रूप मे रिट्टू है तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसक दृश्यमान प्रतिकाल से, एमे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्दृह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रातकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किस्तित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत,, उक्त बाधानयम क अधीन कर दन क अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के बिहा; और/या
- (क) एका किसी अग्य या किसी धन अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनका अधिनियम, या धनका अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण की, मी, उक्त आधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) की अधीन, निम्नालिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. में सर्स जी ॰ के ॰ डिजलपेंट कार्पेरेशन (अन्तरक)
- 2. श्री अमरीतशाल जननादास नाथवानी (अक्तिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायनाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45। दन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उन्हा अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागिष्ट हैं यही अर्थ होगा था उस अध्याय में दिशा नया है।

अनुस्ची

फ्लैंट न० 24, जो, 2री मिं,ल, जी० कें० नगर, इमारत नं० 2, शंकर लेन, कादिवलो (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूती जैंसा कि ऋ० सं० अई-4,37-ईई/12 72 84-85 ग्रार जो सक्षम प्राधितारी, बम्बई द्वारा दिमाक 1-9-1984 को रजिल्ड किया गया है।

> ए० प्रशस् सक्षम प्रक्षिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज 4, बम्बई

दिनांक: 2-5-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अभयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं • म्रई-4/37-ईई/12239/84-85--म्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद

कायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिनकी सं० पलैट, वं० 14 जो, 1ली मंजिल जो के० नगर, इमारत वं 3, सी० टी० एस० वं 67 (अंश) 68 (अंश) और 92 (अंश) शंकर लेन, कांदिवली (प०) बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) और जिसला करारनामा श्रायकर श्रीतियम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान भीतफल के लिए अन्तरित ब्ली गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापवाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एम दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रातशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतिरिती (अन्तारितियाँ) के बीच एसं अंतरण के लिए तय पारण क्या प्रात्फल, निम्नलिकित उद्दृश्य से उक्त अतरण लिखित में बास्तावक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अतरण संहुई किसी आय की वावस,, उपस् जांधीनयम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करन या उसस बचने में सूविधा के लिए; सीर/स
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्या था या किया बाना वाहिए था छिपाने में सविधा के लिए,

अत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें. में, उक्त अधिनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. मेसर्स जीव केव डेवलपर्नेट कार्पोरेशन । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जितेन्द्र रुगनलाल दोशी और श्री बन्सी जे० दोशी

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

तकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई दी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से A5 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर समना की तामील में 30 दिन को अविधि को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 कि के भीरर उनने मधारण मध्यान में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किसात में किस का मुकान ।

स्पष्टीकरण: — इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 14 जो, 1ली मंजिल, जी० के० नगर, इमारत नं० 3, प्लाट सी० टी० एस० नं० 67 (अंश), 68 (अंश) और 92 (अंश), शंकर लेन कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कि सं० अई-4/37-ईई/12239/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० फ्रसाद सक्षम फ्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राप्कत (िरीक्षण) ग्रर्फन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 2-5-1985

माहर :

म्बद् नार्'. दो. एत. एष

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्वाक्यः, सह्यक कायकर आगुरू (गिर्माक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० म्रई-4/37-ईई/12238/84-85--म्रतः मुझे ए० प्रसाद

कार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन स्थान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति. जिसका उनित वाजार मल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 38 जो 3री मंजिल दी० के० नगर इमारत नं० 2 एंकर सून कांश्विली (प०) बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रहिनयम 1961 की हारा 269% छ के ग्रहीन बम्बई स्थित सक्षम प्राह्मित, री के कार्यालय में रजिस्ट्री है तरिछ 1-9-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के स्वयमान प्रांतफल के लिए सतिरत की गहां हो और अभी यह विश्वाम काले का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित गाजार मूल्य ससक स्वयमान प्रतिफाल का प्रस्त क्रियमान प्रतिफाल का पन्दह मितकत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (कन्तीरित्यों) के बीच एसं अन्तरल के जिए तब पाया वया वित्रका, निम्निसित उद्वेषमों से उक्त अन्तरण बिराक्त में बाक्तिक स्पारं कार्यान स्वांतिक स

- 'फ) बनराण से हाह सिक्सी सात को बाउल, उक्क मिरिनियम के अभीत कार दोने के बन्दरक के बार्जिन्स में कमी करन या उससे भक्त में मुब्दिया की सिए, कॉर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, बा धन-कर आधीनसम, 1957 (1957 का 27) के प्रवादनाथ अन्तिराहिए था, 'फिरान में क्षियधः के सिए:

- 1. मेसर्स जी० के डेवलपमेंट कार्पोरेशन (ग्रन्तरक)
- 2. श्री रजनीकांत ६० शहा और श्रीमती नीलम ग्रार० शहा (ग्रन्तरिती)

का यह मचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त बन्गीता के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबीप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा : सं 45 दिन की अबिध या तत्मम्बन्धी व्यक्तिकों पर स्चना की मामील से 30 डिन की जबिभ, सो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्या क्लमा में सा कियी क्यांक्ल स्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकावन की तारीब बें 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में द्वित बब्ध किसा अन्य व्याक्त द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा मकी गे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कट्टों और पदों का, के उक्त जीधनियम के अध्याय 20-क के परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, आ उस अध्याय में रिधा गया हैं।

अनस्ची

पलैट नं० 38, जो 3री मंत्रिल जी० के० नगर इमारत नं० 2 शंकर लेन कांदिवली (प०) बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-4/37-ईई/12238/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकरी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (िरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 2-5-1985 मोहर: श्रुष्य बाह्'.टी.एन्.एव.

खायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

ब्रारत वरकार

कार्यालय सहायक जायकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, 4 बम्बई बम्बई दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० म्रई-4/37-ईई/12237/84-85--म्रतः मुझे ए ० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्यन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

कौर जिसकी सं पलैट नं० 39 जो 3री मंजिल जी० के० नार इमारत नं० 2 शंकर लेन कांदिबली (प०) बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधित्यम 1961 की धारा 269क छ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कर्यालय में रजिस्ट्री है, तक्षरीख 1-9-1984

को प्रवाकत मर्ग्यात्म के तिचन बाजार मन्य में कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार बन्य, उसके रूग्यमान प्रतिफल सं, एसे रूग्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्रि निस्तिबिक रहत्वण म नक्त बन्तरण निविद्य में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) बन्तरम नंहर्द्ध किसी बाय भी वायतः, उक्त विधिन्यियं को बचीन कर दोने के बन्तरक वी दायित्य में कशी करने या उत्तरे वधने में सुविधा वी जिस्, बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया प्रवा था या किया जाना वाहिए था, क्रियाने अं सुविधा के निए?

अतः वन, अक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बनअरण अर्थे. में, इक्ल अधिनियम की धारा 269-च की सपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— 1. मेसर्फ जी० के० डेवलपमेंट कारपोरेशन

(म्रन्तरक)

2. श्री के० जी० मेहता और श्रीमती ए० के० मेहता

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए कायवाहिया करता हूं।

सकत सम्पत्ति के बर्जर के सम्बन्ध में कोई भी वासेष :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकालन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वान की नामीन में 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहरशक्ररी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम क अध्याय 20-क म परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पल्लैट नं० 39 को 3री मंजिल की० कि० नगर श्मारत नं० 2 शकर लेन कांदिवली (प०) सम्बद्द-67 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि २० सं० ग्रई-4/37—ईई/12237/84–85 और जो सक्षम प्राध्विकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1–9–1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (शिरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक: 3-5-1985

मोहर #

प्रक्य बाइ' . टी . एव . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्पना

ब्रारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण) प्रार्जन रेंज 4 बम्बई बम्बई दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/12509/84-85---ग्रतम्: झे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इनसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

कीर जिसकी सं० पलैट नं० 14 जो 2री मंजिल इमारत नं० 14 कालावाड जैन वो-श्राप हार्जासग सोसा टी लि० ग्रशोक चक्रवर्ती रोड़ कांदिवली (पू०) बम्बई-101 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राद्धियम 1961 की इ.रा 269क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम माहिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984 की बांपत सम्पात्त क जावत बाजार मृल्य स कम क क्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसक इश्यमान प्रतिफल स, एम इश्यमान प्रतिफल का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसक इश्यमान प्रतिफल स, एम इश्यमान प्रतिफल का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसक इश्यमान प्रतिफल स, एम इश्यमान प्रतिफल का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसक इश्यमान प्रतिफल स, एम इश्यमान प्रतिफल का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसक इश्यमान प्रतिफल स, एम इश्यमान प्रतिफल का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य प्रतिकल, निम्तिचित उद्देश्य से उकत अन्तरण का विष्त म वास्तविक इप मो किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दन के अन्तरक क दायित्य में कमी करने या उससे अधन में सुविधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपिस्तियों कां, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने बें स्विधा के लिए;

क्षतः कव, उक्त विधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीम, निम्निलिखित व्यक्तियां, अथीत् :—

1. मै० सरज इंटरप्राइसेस

(ग्रन्तरक)

2. श्री एस० दी० शहा और सेजल एस० शहा

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कायवाहिया करता हु।

इक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख वें 45 दिन की अविधि या तत्मध्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अर्वाध बाट में सणाप्त होते हो। के भीतर पूर्वाक्स ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वना क अवपत्र मं प्रकाशन की तारीख वै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदी-बद्ध किसी अन्य श्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया प्यः हैं '

वन्स्यी

पत्तैट नं० 14 जो 2री मंजिल इमारत नं० 14 झालाबाड जैन को०-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० ग्राह्मोक चन्नवर्ती रोड़ कांदिवली (पूर्व) बम्बई-101 में स्थित है। ग्राह्मची जैसा कि २० सं ग्राई-4/37-ईई/12509/84-85 और जो सक्षम प्राध्वकारी बम्बई द्वारा दिनांक

1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज-4, बस्बई

दिनांक: 2-5-1985

मोहर 🖫

एकप दार्प सी एन एस -----

The same of the sa

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहयक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, वस्वई

वस्बई ।दनांक 6 मई 1985

निदेग मं०/अई-4/37-ईई/12196/34-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सर्पात्त, जिसका उचित बाजार याच्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

- (क) अन्नरण में हुई किसी आय की बाबत, सकत बिधानबम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में कभी अरन या उसस बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- एसी किसी आए या किसी धन या बन्य अस्तियाँ को जिन्हों भारतीय अध्यक्ष अधिनियम, 1922 (1932 को 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

कतः अक, उन्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरक को, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री गुलाब वी० वा यया।

(न्तरक)

2. श्रीमती के० एम० जहा ग्रीर अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारा किन्द्रे पूर्वोक्त संपत्ति के अजन के निष् कायकारिया करता हो।

उदत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (खं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवधी ज्यक्तिया पर स्चना की तामील स 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर सम्पत्ति मो हितनद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिंग्सत मो विश्व का सकेंगा।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त अधिनयम, क अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

बन्स्ची

फ्लैंट नं० ए-62, जो, दात्त नी अपार्टमेंट पोरख नगर एस० एम० वी० रोड़ कांदिवली (प०) बम्बई ।स्थत है।

अतुपूची जैसा कि कि सं अई-4/37–ईई/1219684–85 श्रीर जो सजन प्रधिकारी बम्बई द्व.रा ।दनांक 1–9–1934 को राजस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रजसाद सञ्जम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई

दिनांक: 6-5-1985

माहर 🕄

प्ररूप जाई. टी. एन. एस. -----

बायकर विधिनियक, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सुचना

1. श्रीमती जी० एल० व्हाबी

(अन्तरक)

2. श्री एस० राजप्पा

(अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिल कार्यवाहिया करता हुं।

बक्त बम्बत्ति के वर्षन के सरहत्य में कोई भी बाक्षेप :--

- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीध सा तत्सभ्यन्थी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवीध, जा भी अवीध बाद में समाप्त हाती हां, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ्क्ष) इस स्चना के राजपक में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताभ्ररी क पांच लिखित में किए का सकागे।

स्पाद्धीकरण: इममें प्रयक्त क्षज्यों और पदों का को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ हों, बहा अर्थ हागा का उस अध्याय में दिया गया है।

कार्यालय, सहायक आयकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/12400/84-85-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बह्मकर अधिनियम, 196! (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 260-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का का थ है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्व 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जितकी सं० फ्लैट नं० 2,जो ग्र उण्ड फ्लोर हरमेस अग्रार्टमेंट प्लाट नं० 7, भुजाी नगर एस० वी० राड कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अगुपूर्वी में श्रीर पूर्ण हप से वणित है) भीर जित्र हा करारनामा अग्र हर अविनियम 1961 ही बरा 269 के अबिनयम बम्बई स्था सक्षम ग्राधानरी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

भी पृथाबत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रति-प्रात्मक के लिए अन्तरित की गड़ हा आर मक पह विक्यास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूच्यमान प्रतिफल स, एसं दश्यमान प्रतिफल के पद्गह प्रतिचत स अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अत्रितियों) के कीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन, निम्निस्थित उद्दश्य सं उक्त लिखित में वास्तिवक रूप से वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण एं हुई किसी जाय का बाबत, उक्स बाधानयम क बधान कर दान क बन्तरक की बाधान्य क कमी करन या उसस बचन मा सुविधा के लिए, बीड/बा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर बीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उपते आधीनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः गंग, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) इं संथीन निम्नोलिखत व्यक्तियः श्वीत

ग्र*न्*पृषी

फ्लैट नं० 2, जो ग्राउण्ड फ्लोअर हरमेस अपार्टमें प्लाट नं० 7, मुलगी नगर, एस० वी० रोड कांदिवली बम्बई-67 नें स्था है।

अहुन जैसा कि कमा संव अई-4/37—ईई/12400/84–85 और जो सनमा प्रधि रो बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सजम प्रधितारी सहायक आयकर आपुक्त (निरीक्षवण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 6-5-1985

मोहर 🗓

प्रकप् बाइ. टी. एन्. एवं.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारु

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० अई-437-ईई/12178/84-85--अतः मुझे, ए॰ प्रसाद

धावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें धसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया हैं), की धारा 260-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिषत बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जसकी सं० फ्लैट नं० 13, जो, बी-विंग गुंदेच को-आंप व्हाउपित सो आपटी ले० हैं मुकतानी रोड़ नं० 3, कां देवली (प०) बम्बई – 67 में स्थत है (श्रीर इससे उपाबद्ध अपुपूत्रों में श्रीर पूर्ग रूप से विंगत है) श्रीर जसका करारामा आप उर अधि नियम 1961 की घरा 269वख के अला, बनाई स्थत सक्षम प्रत्यकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1–9–1984

को प्वक्ति सम्पत्ति के उपित बाधार मस्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तं यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्य सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसं स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात सं अधिक है और जंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के मी. अक्त आधिनियम को धारा-269-च का उपधारा (1) के अधीन, निक्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीन् :---

1. श्री एस० बी० बंगेरा

(अन्तरक)

2. श्रीमती चंपावती एन० कां टियन

(अन्तिरती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए लिए कार्यवाहियां करता हु।

रक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, को बी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में इित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

र्भ किरण: --इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषिक है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

अनुसूची

फ्जैंट नं० 13, जो बी-बिंग गुंदचा को-आप० हार्जीसंग सोतःपटा, [नुहा तो रोड़, नं० 3 क्लंदिवली (प०)बम्बई -67 में स्थात है।

अनुपूती जैसा कि क्रमा सं अई-437-ईई, 12178/ 84-35 प्रोर नो ताम प्र. धनारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्रत्यकारी सहायक आयकर आयुब्त (निराक्षण) धर्जन रेंज 4, बम्बर्स

दिनांक: 6-5-1985

माहर 🛭

प्ररूप बाइ' टी एन एस -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

1. श्री बी० एच० ठक्कर

(अन्तरक)

2. श्री चंद्रकांत बी० शहा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई दिनांक 6 मई, 1985

निदेश सं० अई-4/3--ईई/124892/84-85-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बाधकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इक् के पश्चात् 'उक्त अधिमियम' कहा गया हैं), की **भारा** 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाम करने क्य काश्य है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार ब्रुव 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जन्न सं फ्लैंट नं 621 जो 6वी मंजिल अजजेश आार्डमेंट भद्रन नगर कांदिवली (प०) बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इसने उगाबद्ध अनुत्वी में ग्रीर पूर्ण रूप से विगत है) ग्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1951 की धरा 2697 के अधीन बम्बई स्थित रक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-9-1984 अप्रे । वाँक्त समपत्ति को उचित बाजार मन्य से कम के **अ**यमान प्रेतिक को लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथायबांक्त संपोलन का उचिन बाजार स्वय इसकं कुछबान प्रतिकाल से एोमे इक्ष्यमान प्रतिकास का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तार्रातयाँ) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिश्वन, निम्नमिश्वित उद्योग्य से उक्त अन्तरण जिल्लित 💕 बालाविक रूप संकीयत नहीं किया गया है :---

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सविधा के लिए; बीर/या
- (क) ए ती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों कः जिल्ह भारतीय अधिकर बीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बदाया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ब्रतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के कयसका में. इक्ट अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राधपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बर्बीध या तत्सवधी व्यक्तियाँ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बंबीध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस मचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख शे 45 दन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदध किर्म अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ब्न्स्ची

फ्लैट नं० 621 जो 6वीं मंजिल ब्रजेश अपार्टमेंट भद्रन नगर कांदिवली (प०) बम्बई-64 में स्थितहै । अनुसूची जैसा कि कम० सं० अई-4/37-ईई/12492 84-85 और जो सक्षम प्राधिारी बम्बई इ.रा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड । एया गया है।

> ए० प्रसाद सजम प्रधितारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-4, बम्बई

दिनांक: 6-5-1985

मोहर 🔅

प्ररूप बाइं.टी.एन एस.-----

बायकार अधिरियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 4, वस्वई वस्वई, निर्माण 6 मई 1985 निदेण सं० श्राई-- १/37--ईई/12260/34-85--श्रतः मुझे, ए० प्रणाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-ल के संधीन संबंध परिष्णकारी की यह निष्कास करने का कारण है कि स्थावर संब्धित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक है

श्रीर जिएकी संव इडिन्ट्रियल यृष्टि नंव सीव-5, जो, ग्राटण्ड पलोर, बोनान्झा इंडिन्ट्रियल इस्टेड, श्रणोक नक्ष्यती रोड, कांनिवली (पूर्व), बस्वई-101 में थित है (श्रीर इसे उपावड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्व रूप से बिता है), श्रीर जिस्सा करारनामा आयार श्रिधियम, 1961 की धारा 2695, ख के श्रिधीन, बस्वई थित सक्षम श्रिधितारी के कार्याचये, बस्वई में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान पतिकल के निष्ण अन्तरित की गई है और माने यह विश्वाम सरने का कारण है कि स्थापालेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कुल्य, उसके दश्यमान प्रविकल से एपिन का उचित बाजार कुल्य, उसके दश्यमान प्रविकल से एपिन का उचित बाजार कुल्य, उसके दश्यमान प्रविकल से एपिन का उचित बाजार

रन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिनी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उदरोक्य से उक्त अन्तरण लिखित

में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

और/या

- (क) अन्तरण में हर्द्व किसी छाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
- (क) एसी किसी जाय या किसी अन का अन्य असीस्त्रया की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1992) का ११। या उत्तन आभिनियम, दा राज्य कर अधिनियम (1957 (1957 का 27) वें प्रयोजनार्थ अन्तरियी दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए:

अन अब. उक्न अधिनियम की भारा १६०-ग के अनुसरण में, मैं, उक्षत अधिनियम की भारा १६० प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थांत :--- 1 मेसर्स एइ० मनलाल ए॰इ कम्दनी

(अन्तरक)

2. डाफव्ड

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया शुरू कारता हुं।

उत्तत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजधन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्यावनधी आंक्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं ही, वहीं अर्थ होंगा जो उसे अध्याय में दिया गया ही।

अनुस्ची

इंडिन्ट्रियल यूनिट नं० सी-5. जो., ग्राउण्ड फ्लौर, नोगान्झा इंडिन्ट्रियल इस्टेट, ग्रशोप अप्रवर्ती रोड़, कॉदिवली (पूर्व), बस्पई-101 में रिधत है।

श्रन्सुची जै। कि कल संव श्रई-्रं वित्र 12266/ 84-85 श्रीर जी सक्षम प्राधि ारी, वस्त्रई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रिलस्टर्ट िया गया है।

> ए॰ प्रााद सक्षम प्राधि ारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 6-5-1985

मोहर 🗈

शक्य बार्' ् टी अपन ् एवं व्यवस्थान

बायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीय सुचना

भारत सहकार

कार्यासय, सहायक अयकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 4. बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/12408/84--85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का जारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलट नं० 41, जो, श्री जी पलेस, सी० टी० एस० नं० 99, एस० वी० रोह, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), गौर जिसका करानामा ग्रायकर ग्रिक्षितमा, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

- की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकास के लिए बन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से, एोसे दृश्यमान प्रतिकास का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिशों) के बीच एंसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——
 - (क) नन्तरम से हुई किसी आयं की शबत, उक्त विधित्यम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने का उससे बचने में स्विधा के सिए; बीर/या
 - (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियस, या भनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किसा गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

1. मेससं दातानी डेवलपमेंटस

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती उमिला श्रार० गांधी श्रीर श्रन्य (ग्रन्तरिनो)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्कन के तिए कार्यवाहियां करवा हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 4---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ने 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमां पर-स्वान की तामीन से 30 दिन की अविधि, को की अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकृतिका, व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रों हैं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के दिल बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्का जीभनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

अनुसूची

पलैट न० 41, जो, श्री जी पलेस, सी० टी० एस० न० 99, एस० वी० रोड़, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

ग्रनुस्ची जैसा कि कि के सं ग्रह-4/37–ईई/12408/8484–85 ग्रार जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1–9–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) फ्रजेन रेंज-4. वस्बई

दिनांक: 6-5-1985

मोहरः

प्रकृष नाहर हो ् एतः एव ुरण्यास

नावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के नधीन सुनना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (रिंगरीक्ज)

श्चर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मई 1985 निदेश सं० श्चर्ड-4/37-ईई/12488/84-85-श्वतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मुख्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी संव पलैट नंव 23, जो, 2री मंजिस, शिवस
इभारत, एउव वीव रोड़, फतेहबाग, कांदिवली (पव),
बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूनी में
ग्रीर पूर्ण हप में विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा
ग्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन.
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है,
तारीख 1-9-1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमाम प्रितफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया नमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्यों करने वा उससे बचने में सूबिधा के लिए: और/बा
- (ख) एके किसी क्षाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिस्से कारतीय संगक्तर अधिनयम, 1922 (1922) का 11 या उका अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकृतियम अविधित स्थान एका स्थान अविधित स्थान प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै जनसरच में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. मैसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रनशन कं ।

(भन्तरक)

2. श्री तुलसीदास जगजीवन खोरासिया ।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्बद्धि के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की व्यविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में कि ये वा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का., को उन्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

धन्स्या

पलैट नं० 23, जो, 2री मंजिन, शिवम इमान्त, एस० कि॰ रोड, फतेहबाग, कांदिबानी (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूकी जैसा कि करु संरु ग्रई-4/37–ई $\xi/12488/84$ –85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1–9–1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसात सक्षम प्राधिकारी स**हार्क ग्राय**कर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बस्बर्ड

दिनांक: 3-5-1985

प्ररूप बाइं दी एन एत :

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर वायक्त (निरक्षिण) श्रजंन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निदेशं सं० ग्रई-4/37-ईई/11989/84-85--ग्रत: मुझे, ए०. प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिब इसकों इसकों परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 37, जो, 3री मंजिल, वर्धमान कुटीर, बी-विग ,शंकर लेन, कांदिवली (प०), बग्बई-67 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण हम में बिणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रिधिनियम, 1961 की घारा 269क, ख के ग्रधीन, बग्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अनारक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियार) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथान नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कमी करने में उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की चिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्ता अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर निम्निसिसिस व्यक्तियों अधिक क्यांति क्य

1. मैसर्स वर्धमान बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती वर्षांबेन दिपक दोशी ग्रौर श्री एन० के० दोशी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उनत सम्मिति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सचना की तामील सं 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त म्यावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्यारा स्वीहत्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा हुकी थे।

स्पन्ध किरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्याँ

पलैंट नः 37, जो, उरो नंशिन; वर्धमान कुटीर, बी०-विग, शंकर लेन, क्रांदिवली (ए०), बम्तई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि करु सरु श्र $\frac{1}{37-5}$ है $\frac{11989}{84-85}$ श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्पई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद नक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर सायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-4, बम्बद्ध

दिनांक: 3-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस .-----

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुववा

मारव प्रस्कार

कार्यासम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज -4, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/12000/84-85-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269 के बंधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 64, जो 6वीं मंजिल, जी० कें नगर, इमारत नं० 2, शंकर लेन, कांदिवली (प०) बम्बई—67 में स्थित है (ग्रोर इससे उपावद्ध अनुसूचीमें ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याह्म में रिजिर्ट्री है, तारीख 1~9~1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक विश्वास गया प्रतिफल, निम्नलिखित अप से किथा नहीं किया गया है रू----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बिधिनवन के बंधीन खर देने के बन्तरक हैं बाबित्व में कनी करने वा उद्यव व्यने में सुविधा कालए; और/वा
- (च) एसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा से बिए:

नतः नव, उनत अधिनियम की भारा 269-ग के अन्बर्ध में, में, अनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात :--- 1. श्रीमती कमलाबेन नारयनदास गांधी

(अन्तरक)

2. श्रीमती संध्या रश्मी मेहता।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी कारके पूर्वोक्त संपन्ति के सर्वन के बिहु कार्यवाहिया शुरू करता है।

उन्त संपत्ति के नर्वन के संबंध में कोई भी बासीप ड---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन वही अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नवधि, यो भी नवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद सिखत में किए वा सकी थे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयानत सन्दों और पदों का, वो उवस् अधिनिश्वम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं। अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गमा हैं:

वन्स्ची

फ्लैंट नं० 64, जो, 6वी मंजिल, जी० के**० नगर,** इमारत नं० 2. शंकर लेन, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संर अई-4/37-ईई/12000/ 84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 2-5-1985

मोहरू 🏿

'शक्त' कार्ड ,टी ृऍन ंएव . ------

बावकर वैधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) की वर्धीन स्वेना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरोधाण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 मई 1985 निदेश सं० अई-4/37-ईई/12080/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नीवकर निर्धीनवेंन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्थात 'उन्त निर्धीनवेंन' नहा गया है), की भारा 269-क ने नधीन तक्षम प्राधिकारी को यह निर्वास करने का करिंग हैं कि स्पावर सम्पत्ति, जितका उक्ति नीवार मूल्य 1,00,000/- रहा से निर्धांक हैं

भौर जिसेकी सं० फ्लैंट नं० 3, जो इंमारत नं० 1, राजेश नगर, साईबाबा मंदिर के पास, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (ग्राँ. इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से विणित है), ग्राँर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विस्वाद करने का कारण है कि वश्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिकल का पल्छ प्रतिशव से बाधक है और अंतरक (अंबरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तब पावा गवा प्रतिकल, निम्नितियित उद्वैदेव से उन्त अंतरण लिखित में बाखायक रूप से की अब नहीं किया गया है:—

- (क) अँतरण से हुई किसी जाय की बॉबत, उक्त अधि-मियम के अधिन कर देने के अंतरक के दीकित में कमी करने या उत्तस बचने में सुनिधा के लिए; और/वा
- (व) ऐसी किसी जाय वा किसी भन या जन्य जारिसवी को जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भनकर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ जंतरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना बाहिए था, लियाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के बनुबरण के, मैं, उक्त विधिनयम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के विधिन, निम्मृतिविद व्यक्तियों, वर्धात् :---

1. मेसर्स बागवे बिल्डर्स

(अन्त ्क)

2. श्री अयर अलामेल संगमेश्वरन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उन्त सम्पन्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास से 45 दिन की अविधि यो तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि को में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति देवारा;
- (क) इस तुमना के राजियत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर स्थानर सम्पत्ति में हितंब द्ध किसी जन्म व्यक्ति च्यारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

नियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

वरसची

फ्लैंट न ० 3, जो, राजेश नगर, इमारत न० 1, साई बाबा मदिर के पास, कांदिवली (प०), बस्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-4/37-ईई/12080/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज 4, बम्बई

दिमांक: 2-5-1985

मोहर ह

इस्प नार्षे दी, पुन् हस्य -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37 ईई/12141/84-85--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4, जो, सत्यम इमारत, एस० वि० रोड़, फ तेहबाग, कांदिवली (प०), बम्बई—67 में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है, श्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है, तारीख 1—9—1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मक्ने यह विश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अध्यारम् से हुएं किसी बाय् की बावत, स्वस् वीचीतव्य के दशीन कर योगे के बन्तरका बी दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; जोड/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया स्या था वा किया बाना बाहिए था, डिपाने में मुविधा के निष्

बतः अव, उक्त विधित्यमं कौ भारा 269-मं कौ वन्सरण मों, मौं उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेसर्स विलोक कंस्ट्रकणन कंपनी

(अन्तरक)

 श्रीमती मंजुला ज० ठक्कर श्रोर श्री के ∮ जे० ठक्कर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी अधाप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मक्वरनी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारह;
- (व) इत सुवृता के राजपत्र में प्रकाशक की ताराव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-स्ट्य किली जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

ल्याकरण: — इसमें प्रधुक्त शब्दों और पदों का, जर उक्त विधितियम के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं वर्ष होगेर जो उस अध्याय में दिया नुवा हैं।

अनुसूची

ं दुकाम नं० 4, जो, सत्यम इमारत, एस० वि० रोड़, फतेहबाग, कांदिवली (प०) वस्वई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि ये अहै-4/37-इं $\xi/12141/84$ -85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्वई हारा दिनांक 1-9-1984 को रिजस्टई किया गया है।

्० प्रसाद गलम प्राविकारी संहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्तन रेज-४, बस्बई

दिनांक: 2-5-1985

महिर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा ?63 र (1) के क्पीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्तय, सहायक अायकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-4, बम्बई

त्रमंत्रई, दिनांक 2 मई 1985

निर्देश सं० अई- 4/37-ईई/11.988/84- 85--अतः मुझें, ए० प्रसाद,

बारकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके विकास मिलन अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-रेगः के अधीन सक्षम प्रधिकारी का यह विक्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 54, जो, 5वी मंजिल, वर्धमान कुटीर, विंग-ए, शंकर लेन, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है, श्रीर जिसका करार्मामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाबार मृन्य से कम कैं दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मभें यह विश्वास

करने को कारण है कि यथाष्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, जिल्ली कि उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिक रूप से किंवत क्रूप से किंवत क्रूप से किंवत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-रियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया धाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इद्दे स्थीन, निस्तृतिविद्य इस्मित्यों, जभाति क्र--- 1. मैंसर्स वर्धमन बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र मणिलाल शहा ग्रौर श्री एम० जग० शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति की वर्जन की निए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्स म्मिन्तयों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- कद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीध्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस बध्याय में दिया गया है।

वनसंची

फ्लैंट नं० 54, जो, 5वी मंजिल, वर्धमान कुटीर, विंग ए० शंकर लेन, कदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि क० सं० अई-4/37—ईई $_{l}$ 11988 $_{l}$ 84—85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1—9—1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुद्व (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनाँक: 2-5-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशक)

ध्रजेन रेंज-4, वम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई, 1985

निर्देश सं० म्रई-4/37ईई/12218/84-85:--मत मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्ते इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00000/-रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैंट नं० 1507, जो, इमारत नं० 57/58, योगी नगर, एक्सार रोड, बोरिवली (प०), बम्बई 92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाधड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है). श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रक्षितियम 1961 की धारा 269 के, द के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के रस्वमान श्रितिफल के लिए बन्तरित की गई है बौर मुओ यह विश्वास करने क्ष्र कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छ श्रीतश्रत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित बासाविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) कत्तरण हे हुई किसी बाय की बावड उपस गीय-शीपीनयम के जभीन कर दोने के कत्तरक के बाबित्व में कर्नी करने वा उससे व्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या भन वा जन्छ नहीस्तव्हें को, चिन्हें भारतीय बायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भन-कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा या किया जाना चाहिए था, जिमाने में सुविधा है लिए;

जतं: जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उदत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविक व्यक्तियमें, अर्थात क्र-

1. मैंसर्स विजय नगर कारपोरेशन।

(ग्रन्तरक)

2. श्री पवन कुमार ग्रगरवाल

(अन्तस्कि)

को यह सुचना बारी करके पृशोंकत सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत राम्परित के वर्षन के संबंध के कोई भी बाओर :---

- (क) इस सुमना के रायक्षत्र को प्रकासन की ताशीक के 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुमना की तामील से 30 दिन की जनभि, वो भी बनीक बाद को समान्द्र होती हो, के भीतत्र पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इत सुपना के राजधन में प्रकाशन की सार्वका के 45 दिन के शीवर उकत स्थावर सम्पर्धत में क्रिक्क्ट्र किसी कन व्यक्ति इताय वधोहस्तासकी के पावन सिवित में किए या सकेंगे।

लाकीक त्याः—इतामें प्रमुक्ताः कको नांच पदी कहा, को सक्ताः निधानिककः के निकासः 20-कः में परिधानिक ही, वही वर्ष होताः, को उत्त सम्बद्धाः हिनाः गया ही।

वप्युची

पलैट न० 1507, जो इमारत न० 57/58, योगी नगर, एक्सार रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-9-2 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-4,37ईई $_{\parallel}$ 12218,84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 \div 9-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाट, सक्षम प्रक्षिकारी, सहायक श्रायकर आयुक्त (बिरीक्षण) श्रजीन रेंज-4, जस्बई

दिनांक: 9-5-19**8**5

नाहर 👺

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. - - -

शायकर आधानयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्नेन रेंज-1, बटबई
वम्बई, डिनांक 9 मई 1985

िर्देग मं० ग्रई-4/37ईडि/11999/84-85--मत मुझे, ए० प्रशाद.

सायकर निधितिसम 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन राक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाबार मुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और नियकी संख्या क्लैंट नं 20. जो, 1ली मंजिल, "वी", इमारत, "पंचवटी" स्किम, वंतिवली (प०), इम्बई-92 में स्थित है (अौर इनसे ट्यावड प्रनुस्ची में और पूर्ण रूप में विणत है), और जिलका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तरीख 1-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के निष्ण प्राणीतिक के प्रयोग की पर्णे हैं जार एसे हैं जिस्सार करने का कारण हैं कि यथाप्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मन्मिलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखत में वास्तिवक रूप

इन्प में कथित नहीं किया नवा है :---

- (क) अन्तरण से हार्ड किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृतिया के जिस और/या
- (ब) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य अधिन्तरा को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर विकासिक व्यक्तियों अधीतः—

42 --- 116 GI₁85

1. मैसर्स गोकुल कन्स्ट्रवशन कम्पनी।

(ग्रन्तरक)

श्री विश्वनाथ एस० गेट्टी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर --- को नामाल में 30 दिन को अविधि. जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारः;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति मा हित- गद्ध किसी अन्य व्यक्तिर द्वा अधंत्रसाक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त गब्बो शर गयो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषितः हो, उही तथ हफा, उ. उस प्रवास मा किया गया है।

जनसंची

पलैंट नं० 20 जो, 1 ली मंजिल इमारत न० "बी", "पंचवटी" स्किम, बोरीवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

ग्रनुस्ची जैसा कि त्र सं० ग्रई-4/37ईई/11999/84- 85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 1-9- 1984 को रजिस्टर्ड दिया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 9-5-1985

प्ररूप बाइ'. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की जाय 269-म (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

क्षायांसर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनां ह 9 मई, 1935

निर्देश सुं० ऋई--4/37ईई/12400/पी०/84-85:-- ऋत मुझे. एँ० प्रशाह,

शासकार अधिनियर, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिन, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

श्रीर शिक्षकी क्षांका पित सार पार्सेल श्राफ लैण्ड, सिनेज एक्सार, सर्वे नं 155, एवं नं 3 (श्रंण), सिटी सर्वे पं 1092, प्लाट सी० टी० एस० नं 1093, प्लाट सी०टी० एस० नं 1093, प्लाट सी०टी० एस० नं 1283, प्लाट सी०टी० एस० नं 1091 वोरिवली (पं), अम्बर्ट में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध स्रमुस्वी में प्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिल्हा करारनामा श्रायक्षर प्रश्चित्यम, 1961 का धारा 269 ज, ख के श्रधीन बम्बर्ट स्थित नक्षत प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्दी है, तारीख़ 1-9-1984।

को प्रवेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से डाइं किसी बाम की शावत उद्धः जीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक जी दायित्व में कमी करने वा उसरो अधने में मुविधा है सिए: बॉर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रवा था या किया जाना चाहिए बा. डिज्या के लिए:

लन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्- 1. श्रीमती मरीया पी० त्रिस्टालिना।

望(切を(でい)

मैसर्स कोरिया बिल्डमं प्राइवेट खि०।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वान वारी करके प्राप्ति के वर्षन के लिय कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के शतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ट्रागरा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाहीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शहा और प्रशासित का प्रशासित विविवयम, के तथ्याय 20-क मी परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिश् स्वाहीं D

वयपर्या

पिरा ऑर पार्सेन आफ लैण्ड, विनेश एकतार, सर्वे० नं० 155, एव० नं० 8 (ग्रंग), ग्रौर िटी ार्वे० नं० 1092, प्लाट मी० टी० एप० नं० 1283, प्लाट मी० टी० एप० नं० 1093, बोरिवली (प०). युग्यह में स्थित है।

श्रनुस्ती जैसा कि क सं श्रई-4/37ईई/12400/ 84-85 श्रीर जौ सक्षम अधि अरो, उम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को प्रजिस्टर्ट जिसा गया है।

> ए० प्रभाद, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-4.वम्बर्ड

दिनांक: 9-5-1985

पंहिर 🛭

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. - - - ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्चना

भारत हरकार

कार्यालय. सहायक आयकर लायुक्त (निरीक्षण) श्रजीत रेंज-4, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 9 मर्ट्, 1985

4,40, 1411.0 0 112, 1700

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारों का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उत्तित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 108, जी, 1ली मंजिल "मी", इमारण, गणनिरों नगर, एक्तार रोड, बोरिवलों (प०), वस्वई-92 में स्थित है (ग्रीर इनसे उपायस अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कर के विश्वत है), ग्रीर क्लिया, रारनामा ग्रायकर अधिनियम, 1961 को धारा 208 के, खारे श्रिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

कां पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के शीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण निक्कित के से बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई फिक्की जाय की बायना, उक्क अधिनियम व जर्भान कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अरमें में स्विधा के लिए अडि/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी थन वा अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय शाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के जिएह

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरक में, में, अक्त अधिनियम की ारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलाखित व्यक्तियें अधीर् :--- 1. मैसर्स गगनगिरी डेवलपमेंट कारपेरेशन।

(अन्तरक)

2. श्री भूपण दामेदर राउत।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरु करता हो।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🕟 -

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रतिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इकारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भीत्त में हिन्द-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया

जन्स्फन

पलैट नं० 108, जो, 1ली मंजिल, "सी", इमारत, गगनिगरी नगर, एक्सार रोड, बे.रिबली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क म० ग्रई-4/37ईई/12164/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-9-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्राप्तः, पक्षम प्राधिनारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेंज- 4, यम्बर्द

दिनांक: 9-5-1985

प्ररूप आई.टी.एन एस . -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई. दिनांव: 9 मई 1985

निदेग सं० म्राई--4 37ईई 12229 **84--85** --म्रानः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी मं० प्लाप्ट नं० 357 अंग्रिजनल प्लॉप्ट नं० 248 और 269, जा, टी०पी० एग० नं० 3, बोरिचली (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपायद्ध प्रनुस्ति में और पूर्ण रूप संविधित है) और जिन्हा परारनामा आया अधिनिधम 1961 की धारा 269 % उने अधींन बम्बई स्थित नक्षम प्राधि तारी के गर्यालय में रिजिस्ट्री है तारींस्व 1--9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन वा अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आवकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) वा जक्त बिधनियम, वा धन-कर बिधनियम, वा धन-कर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरितौ द्वाप्त प्रकट नहीं किया गया था या किवा जाना चाहिए था, छिपानै में सृविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-त के अनुसरक में, तैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के तथीन, निम्नितिस्ति व्यक्तियों, सर्थात् :--- (1).मैंसर्म के० ठाकुर।

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स नीता कन्सट्कशन कंपनी।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **ब** से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ट्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ष्टांकरण .--इसमें ायुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, दहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

बन्स्ची

प्लाप्ट नं० 357 (ऑरिजिन्द प्लाप्ट नं० 248 और 269). जो० टी० पी० एन० न० 3. जोरिज्ली (प). बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैशा कि कम सं० द्रई-4/37ईई/12220/ 84-85 और जा राजन प्राविदारों, वस्वई द्वारा दिनांक 1--9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज--4, बम्बई

दिनांक : 9 · 5 · 1 9 8 5

प्रका बाहै. टी एस इब.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिन'ं 9 मई 1985

निदेश मं० अई--4/37ईई/2145/84 ·85 ·--श्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर किंचिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिनकी संव दु तन नंव 4. जो ग्राउन्ड फ्लार. अंक्र इमारत. मंडपेश्वर राड़, बोल्यनंत (प), बस्वई में स्थित है (और इन्से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिन्हा करारनामा आयन प्रवितियम 1961 की धारा 269 ते ख के ग्रवीन बन्बई दिन्द क्विन प्रविदास के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तरीं हैं 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चि बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित के गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब ताबा नया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिबक्ष ह्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वन्तरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्ट लिमिनियम के अभीन कर दान के बन्तरक के दाविद्य मों कमी करने या उसस जनतं मों स्विधा कालए; और/मा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ज्यिनार पे युविधा के सिष्ट:

कतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क्षे अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थाल :- (1) मैं सर्स गोसालिया बदर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्ररविदभाई जे० सरवैंया और ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

दुकान नं 4, जो ग्राउन्ड फ्लोर, अंकुर इमारत, मंडनेश्वयर रोड़, बोरिपली (प), बम्बई में स्थित है। ग्रनुसूचो जैंसा ि कम सं ग्रई-4/37ईई/12145/ 84-85 -और जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज⊶4, बम्बई

दिनांक : 9--5--1985

प्रक्य बाई. टी. एन. एवं. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ध (1) के बधीन स्थना

भारत ग्रकार

स्थर्जातय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्**क्षिण)** सर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनां अ 9 मई 1985

निदेश सं० ग्र**ई**--4/37ईई/12360/84--85----ग्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

लग्नकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका टिकत बाजार मुल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिमकी संव फर्नेंट नंव 411. जो. नंद-धाम एव-4थी मंजिल. एलव टीव रोड, बोरिवली (प), बम्बई -92 में स्थित है (और इनसं उपाबद्ध अनुसूत्री में और पूर्ण रूप में विणत है) और जिल्ला प्रारक्तामा आध्वर अधिनियम 1961 की धारा 269 है को अधीन व वई स्थित अभ प्राधिवारी, के प्रायित्य में रिजिस्ट्री हैतारीं है 1-9-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, लसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का भन्द्रह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया पितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित य विश्व के स्पूर्व के स्पूर्व के सिंच के सि

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निभम को अधीन कर दोने के द्रान्तक के दर्गक क कभी करूने था उन्हों अचा में होते के कर मान
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, १५५७ (1957 का 27) के अभोचनार्भ अन्तिरती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधः के लिए:

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैंनर्म कि॰ पटेल एन्ड कंपनी प्रा॰ लि॰ । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती मनिय िर्ती गहा।

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताक्षील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ज्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास बिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त अन्यः आर ध्दां का, वा उवस्य अधिनियम के अारण 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

फ्लैंट नं० 411 $_{I}$ जो नंदीधाम ए, 4थी मंजिल, एल० टीं० रोड, बोरिवलीं (प्), वम्बई-92 में स्थित है।

श्रमुसूची जैपा कि कम सं० श्रई-4/37ईई/12360/84-85 और को क्षिप मिश्रिमरी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को र्यावस्टर्ड मिल गणा है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिवारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

বিলাচ: 9-5-1985

मोहर 🖫

प्रकृष बाह् . टी. एत. एह. - - - ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 45) की धार 269-म (1) के स्थीन स्थना

CHES STATE

कायांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/12227/84-85-श्रतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनयम. 1967 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ए के अधीन सक्षम आधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति , जिसका उचित बाबार मृस्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एग्रं त्वचरल जमींन सर्वे नं० 110 और 112, एक्सर, विलेज, तालुका वोरिवली, वस्वई में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसना एरारनामा आयक्षर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम कं दश्यमान प्रतिकाल के लिए जन्निरत की गई है और एक यह विश्वास कारने का जारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, टक्तके क्यमान प्रतिफल का प्रके क्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब वाया गया प्रतिफल, निम्नलिधित उद्देश्य से उच्त अन्तरक जिल्दा में अस्तिक क्य से कियत कहीं किया बचा है अन्तर

- (क) जलारण सं हुई किसी जाय की बावस, उनस अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के शियल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिष्ट, और/बा
- (क) ऐसी किसी जाब या किसी धर वा जन्म आस्तियों को, धिन्ह भारतीय अध-कर अधिनियम, १००० (1922 को 11) या उक्त सिधितियम, १००० धनकर अधिनियम, १००० को अबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एका था किसा जाना वाहिए था कियाने में सुविधा खें सिक्;

- (1) श्रामता मिलाग्रीना श्राई० अल्मेडा फर्नाडींज श्रीमतो ज्युलियटा अगंस जं.० अल्मेडा डिलास्टा (अन्तरक)
- (2) मेसर्स सम्रट विल्डर्स ।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के हिस् कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के राम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश भें 45 दिन की अर्बाध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अर्बाध, जो भी अन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थालर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्ष लिखित में किए जा समांगे।

स्पन्नीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त विविनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा बो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसुची

एग्रीकल्चरल जमीन सर्वे नं० 110 और 112, एक्सांर विलेज तालूका बोरिवलीं, बम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई-4/37ईई/12227/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरोक्षण), श्रर्जन रेंज⊶4, बम्बई

अल अल जिल्ला जीभीनयम की भारा 269-न के सब्हरण वी, मी, उपत अधिनियम की भारा 260-न की उपभाक्त (1) वी क्योन विकासिक स्वितिक स्वितिक विकास

दिनां हः 9-5-198**5**

मोहरु 🛭

प्ररूप बाई. टी. एन. एस -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाज 269-व (1) के बभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4

वम्बई, दिनांक 9 मई, 1985

निदेश में आई-4/37-ईई/12079/84-85—-अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ित्रमें इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, ाँ भारा 269-स के अधीन सक्षम श्रीधितारी को, यह िङ्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पिस ग्रीर पासेंग, आफ लैन्ड, विलेज एक्सार, सर्वे नं० 100, एच० नं० 7, सी० टी० एच० नं० 1497, बोरिवली (प०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण एप से वर्णिड है) ग्रीर जिस्ता करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कुछ के अधीन बम्बई रिथत सक्षम प्राधिकारी के अपर्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूर्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से प्रवास विक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अव्याप स हुइ किसी आय की बाबत उक्त की पिप्त कियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्य में कमी कारने या उससे अचने में स्विधा की लियोः और/या
- (क) एसी फिसी लाथ या किसी भन जन्म आस्तिमों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन- कर लोधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती जारा प्रवन्त नहीं किया गया का या किया नाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के सिक्ट;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अभीन किन्नि जिल्ला व्यक्तियों, अर्थात किन्न 1. श्री किशोर जयरामसा गुजर ।

(अन्तरक)

2. मैसर्न ।वण्वास कन्स्ट्रकणन कंपनी ।

(अन्तरिती)

को यह मूचना गरी करकं र्वावत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारना हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिश के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

स्पष्टीकरणः ----हनमं प्रयास्त भव्यों ओर पदों का, जो उक्त अधिरियमः के अन्याय 20-क मो परिभाणित है, वही क्षर्य होगा जो उस अध्याय मों दिया गया है।

अनुसूची

पिस और पार्मेल आफ लैन्ड. व्स्लिज, एक्सार, सर्वे नंब 100, एक गंब 7, सीवटीय एमय नंब 1497, बोध्यिली (प०) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा ित कि० सं० आई-4/37-ईई/12079/84-85 ग्रौर जो सञ्जम प्राधिकारी वस्वई द्वारा, दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 9-5-1985 **मोहर** ध

प्रका बाह् ं ही. एन. एस..--------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चमा

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4,

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985 निदेश सं० आई-4/37-ईई/12549/84-85—अतः मुझे ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रांर जिसकी सं० प्लाट नं० 3, जो बे जिएंग, सी० टी० एस० नं० 1132, सर्वे नं० 107(ए), एच० नं० 4, व्हिलेज एक्सार, बोरिवली, बम्बई में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर जो पूर्ण रूप से विणत है) ग्रांर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के आर्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-9-1894 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास कराये का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (गंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त बन्तरण निचित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हु**ड़ किली जाव की बाबत, उक्त** अधिनिक्षम के अ**धीन कर दोने के अन्तरक के** दायिस्य में **कमी करने या उससे बच**ने में मृतिका के निक्ष; और/या

ांसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तिबीं को, जिन्हों भारतीय आधकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कैं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, कियाने जें स्विधा के लिए;

1 श्रीमती एल० सिक्वेरा।

(अन्तरक)

2. मैसर्स कोरीया डेवलपमेन्ट्स ।

(अन्तिरती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 श्री के ० के ० सिन्हा ग्रार कंपनी।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहरताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के मम्बन्ध में कांडे भी जाक्षण .---

- (क्क) इस सुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध का तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाज होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ड्रिक-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकांगे।

स्यस्त्रीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत विधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

ण्लाट नं० 3, जो बेअरिंग क्षीः प्री० एस० नं० 1132, सर्वे नं० 107(ए), एच० नं० 4, व्हिलेज, एक्सार, बोरिवली बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-4/37-ईई/12549/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

प्रकृप बाइ .टी. एत . एत . ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन स्वना

atta atali

कार्बाबय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० **ड्रि**अई-4/37-ईई/12307/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

सस्यकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का सक्षण है कि स्थावर सम्बत्ति, विसका उचित वाबार मृस्व 1,00,000/- रहा से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, जो 1 ली मंजिल, अलक-नंदा, इमारत "बी", व्हिलेज एक्सार सर्वे नं० 48, स्रौर 49, एल० टी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिरटी है दिनांक 1-9-1984

को पूर्वोक्स सम्मिति के उचित बाचार मृत्य से कम के इश्वमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह मिश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रसिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंबरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्मिलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण कि बित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाब की बाबत, उपध बीधनियम के बधीम कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी नाय या किसी धर या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चारिए था, छिनाने में सुविधा से जिल्ला।

जतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के, बनुबरक बं, में उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :--- * 1 मैसर्स मोहन कन्स्ट्रक्शन्स ।

(अन्तरक)

2 श्री पी० कुमार ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी कर्रके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्ववाहियां चुरू करता हां।

उनत संपर्तित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इत ब्रुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिकों कर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, को औं जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वें कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस जुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहरताक्षरी के षास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

served.

फ्लैट नं 101, जो, "बी" इमारत, 1 ली मंजिल, अलक-नंदा, व्हिलेज, एक्सार, सर्वे नं 48 ग्रीर 49, एल० टी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-4/37-ईई/12307/84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांकः 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 9-5-1985

मोहर 🖇

प्ररूप बाइ². टी. एन. एस.

कायकर विधिनयन, 1961 (1961 का 43) की धार्ख 269-व (1) के वधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक जायकर जामूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/12158/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निधनियम' महा गया हैं), की भाख 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाच कक्ष्में का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका कविश्व नाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से निधक है

ग्राँर जिसकी सं० दुकान नं० 7, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, "इल फ्लाझा", सी० टी० एस० नं० 1086 सर्वे नं० 155, आय० सी० कालोनी, बोरिवली (प०), बम्बई-103 में स्थित है। (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्राँर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्टी है दिनांक 1-9-1984

को पृवाकित सम्मित को जीवत बाखार मुख्य से काम को सरकतान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाबार मुख्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निक्ति के बास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी अन या जन्य अवस्थियों को, जिन्हें भारतीय जाय-बार अविधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अविधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम भी भारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियमों, अर्थात् :--- 1 मैसर्स कोरीया बिल्डर्स, प्रायवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

2 श्री शंकर ईश्वर मुलया।

(अन्तिरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष्टुं कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पद्ध स्थान की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी जनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबूध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सवा है।

ग्रनुसूची

दुकान नं० 7, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, "इल प्लाझा", सी० टी० एस० नं० 1086, सर्वे नं० 155, आय० सी० कालोनी, बोरिवली, (प०), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-4न/37 ईई/12158/84-85 ग्राँर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षमं प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

ोहर 🖫

प्ररूप आईं.टी. एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, जिनांक 9 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/12523/84-85—ग्रत: मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं फ्लैंट नं 23 जो 3 री मंजिल इमारत ए-13. रत्तन नगर प्रेमजी नगर और बौलत नगर के पास. एस० वि० रोड बोरिवली (पूर्व) बम्बई-66 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-9-1984

को पूर्वोक्त संपत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दाियत्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

क्तः अध, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. मैसर्स परम मानन्द बिल्डर्स प्रायवेट लि । (मन्तरक)
- 2. श्री मंघत शंकर नारायण नायर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रवस्त्र

फ्लैट नं० 23 जो 3 री मंजिल, इमारत ए-13 रसन नगर प्रेम जी नगर और दौलत नगर के पास एस० वि० रोड बोरिवली (पूर्व) बम्बई-66 में स्थित है

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-4/37-ईई/12523/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० पसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 9-4-85

मोष्ठर .

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

1. भैसर्स कोरीया बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती नार्मा ए० फर्नान्डीज और ग्रन्य ।

(ग्रन्तरितो)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/12036/84-85—-ग्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 6, जो ग्राउन्ड फ्लोग्नर ''इल प्लाझा सी० टी० एस० नं० 1086 सर्वे नं० 155 ग्राय० सी० कालोनी बोरिवली (प०) बम्बई-103 में स्थित है (और इससे उपाबछ श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनयम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सृतिशा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अव, छक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अभित् ;— को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, वह भीतर पूर्विकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्**यूची**

दुकान नं० 6 जो ग्राउन्ड फ्लोग्रार ''इल प्लाझा'' ही० टी० एस० नं० 1086 सर्वे नं० 155 ग्राय० सी० कालोनी बोरिवली (प०) बम्बई-103में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि अ० सं० ग्रई-4/37ईई/12036/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 9-5-85

प्ररूप. बार्च. टी. एन. एस. - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4

बम्बई, 9 मई 1985

निदेश सं० म्राई-4/37-ईई/12035/84-85---म्रत:मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संब्दुकान नंव 11 जो ग्राउन्ड फ्लोग्नर इल प्लाजा संव टीव एसव नंव 1086 सर्वे नंव 155 ग्रायव सीव कालोनी कोरिवली, (पव) बम्बई-103 में स्थित है (और इसन उपाबक ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विगत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि युथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित् बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय् पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

> अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मैसर्स कोरिया बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(ग्रन्तरक)

2 श्री भुलचन्द लखमंशी, शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बार् करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों। में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनस्परी

दुकान नं 11 जो ग्राउन्ड फ्लोग्रर, इल प्लाजा सी० टी० एस० नं 1086 सर्वे नं 155 ग्राय० सी० कालोनी बोरिवली (प०) बम्बई-103में स्थित है

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37ईई/12035/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्ज़न रेंज4-, बम्बई

दिनांक: 9-5-1985

मोहर 🛭

श्रुक्त बाह् , टी. एवं. एतं.------

1 श्री के० नारयण भट।

कार्यवाहियां करता हुं।

(ग्रन्तरक)

(अन्तरिती)

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बधीन सूचना

बाइत सरकार

कार्बाब्य, सहायक वायकर वायकर (निर्दाक्रण) ग्रर्जन रेंज-4

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/12077/84-85---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 10 जो 2 री मंजिल इमारत नं० सी-24 में लाईफ को-म्राप० हार्जासम सोसायटी लि० जीवन बीमा नगर बोरिवली (प०) बम्बई-103 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ म्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप संवणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर म्राधिनयम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-9-1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की शबत, उ'त बिध-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मिनिधा के लिए: बरि/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने अंस्विधा के निए;

बत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अनुसर्ण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सुचना कारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्चन के लिए

2 श्री हिमांश् कुमार ओंकार दास शहा।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप हु-

- (क) इस म्युना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्यान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगें।

स्यष्टीकरण: इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उसके विभिन्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 10 जो, 2 री मंजिल, इमारत नं० सी-24, में लाईफ को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, जीवन बीमा नगर, बोखिली (प) बम्बई-103 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-4/37-ईई/12077/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 9-5-85

मोहर, 🚁

प्रस्प बाह्र^क, सी_ल हुन्_स हुन्_स

बायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) करी भाडा 269-व (1) के निधीन स्थान

STEE BETT

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण)

ग्रर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश स० ग्रई०-4/37-ईई/12494/84-85—-ग्रतः मझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी म० फ्लैट नं० 7, जा ग्राउन्ड फ्लोश्चर, हरमेस ग्रपार्टमेन्ट, प्लांट न० 7, मुलजी नगर, एस० वि० रोड, बोरिवली (प०). बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर जो पूर्ग रूप से वीणत ह) ग्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई, स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-9-1084

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाबार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उपक जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कायित्व मों कमी करने या उसने अकृते में सुविधा के निए; ग्रीर/या
- (ब) एसी किसी नाव वा निकती पत वा वान्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ जन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जियाने वें सुविधा से सिक्ष;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 मैसर्स कर्नाटक ट्रेडमं।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती विठाई शांगाडे ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां बुक्ष करता हुं।

उन्द राम्मित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त निधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा जन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7, जो ग्राउन्ड पलाग्रर, हरमेस श्रपार्टमेन्ट, ज्लाट नं० 7, मुलजो नगर, एस० वि० रोड, ओरिवली (प०) बम्बई-92 में स्थित हैं।

अनुसूचो जैसा कि ऋ०स० अई-4/37-ईई/12494/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बन्बई द्वारा, दिनांक 1-9-1584 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुवत (निरीक्षण) ग्रजैन रेजिन 4, बस्बई

दिनांक : 9-5-1985

मोहर

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई, 1985

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० पर्लैट नं० 011, जो 1 ली मंजिल, भुषन स्रपाटमेन्ट्स, टी० पी० एस० 3, एफ० पो० नं० 631, बी, सिम्पोली रोड, बोरिबली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (स्रौर इससे उपावद्ध प्रनुमुनी में स्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनयम, 1961 की धारा 269 कब के स्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी है कार्यालय में रजिस्टी है दिनाक 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का नारण है कि वथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

1 मैसर्स भूषन कन्स्ट्रक्शन कंपनी ।

(ग्रन्तरक)

2 श्री भाल चन्द्र ग्रनन्त केणी ग्रौर ग्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

3 अन्तरकों।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके गुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किली अल्लाबर किल दिन देश के पास जिसिस में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

वन्स्यी

पर्लंट नं 11, जो 1 ली मंजिल, भुषन अपार्टमेन्ट्स। टी०पी० एस० 3, एफ०पी०नं 631बी, सिम्पोली रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० सई-4/37ईई/12312/84-85 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-9-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्तम प्राधिकारी झहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेज-4, बम्बई

दिनांक : 9-5-85

मोहर ५

प्रकृप लाहाँ, टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-4, वम्बई

वम्बई, दिनांक 9 भई 1985

निदेश यं० ग्रई 4/3 i-र्डेर्ड 1 2503/84-85---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायक र अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 31, जो 2 री मंजिल, इमारत, नं० 8-9-10, "रतन नगर" स्किम, बोरियली (पूर्व),वभवई-66 में स्थित है (श्रौर इससे उपावह श्रनुस्ची में श्रौर जौ पूर्ण रूप से विजित है) श्रौर जियका करारनासा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 239 क्ख के श्रधीन वस्वई स्थित मध्यम प्राधिकारी के वार्यालय में रिक्टिटी है दिनाक 1-9-1984

को एवेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथायबोंक्त संस्थित का उचित बाजार मूल्य. उसके द्श्यमान प्रतिफल से, एसे द्श्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण वं हुई किसी बाव की बाबस, उपन अभिनियम के वधीन कर दोने के जन्तरक के बाबित्म में कभी करने या उससे बचने में बृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के बिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- ा मैनर्स परम धानन्द बिल्डर्स प्रायवट लिए । (ग्रन्तरक)
- 2 झरीना परवीन मोहम्मद ्रामिम । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी गाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु जिथे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जनसमी

पर्लैट न० 31, जो 2 री: मंजिल, इमारक न० 8-9-10, "रत्तन नगर", स्कीमं , बोल्बिली (पूर्व), बम्बई -66 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/12503/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिलाल 1-9-1984 की रिजस्टई किया गया है।

> ए० प्रमाड सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 9-5-1985

मोहर 🛭

श्रारूप आइ'.टी.एन.एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासव, सह्यक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 9गरी, 1985

निरेश सं० ग्रई: 4/37 ईई/12380/84-35—-ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० पलैट नं० बों/103, जे 1 जो मंजिल, इमारत नं० ई-20, योगी नगर, एक्सार रोड, बोरिवली (प०); दम्बई-92 में स्थित है (सीर इससे उपायद स्रुनुसूची में स्रौर जो गुर्ग रूप से बॉगत है) स्रोर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम 1961 की धारा 269 कव के स्रधील वम्बई स्थित सक्षम याबिकारी के कार्यालय में रिजिस्टी है दिनांक 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त जीधनियम के जधीन कर दोने के बन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; आर्/बा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय ब्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या धनकर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती इंबारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था. छिपान में मुनिधा के लिए,

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्निनिस्त काविनयों, अर्थातुः— 1 मैसर्स विजय नगर कारपोरणन।

(अन्तरक)

2. श्री द्वारकादास जीवन दास वेद , श्रीर ग्रःय । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंधी 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक सिवित में किए का संकंति।

स्वच्हीकरण: इसमें प्रयुक्त कव्हों और पहों का, जो अवस अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं मुर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

वन्स्की

प्लैट न० बो/103, जो 1 ला मंजिल, इसारत, नं० ई-20, योगी नगर, एक्सार रोइ, बोरिवली, (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रन्म् नी जैसा कि कि सं० ग्रई-4/37-ईई/12380/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर स्नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

मोहरु 🖫

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

मिदेश सं॰ अई-4/37-ईई/12413/84-85-अत: मुझे, ए॰ प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,90,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संज फ्लैट नंज ए-101, जो, अलक-तन्दा, सीज टीज एस 48 ग्रीर 49, विलेज एक्सार, आफ एलज टीज रोड, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच। में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्क बिधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तिन को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए,

बतः बब, उक्त अधिनियम, की भारा 260-व कै अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स मोहन कन्स्ट्रक्शन्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारदा मोरेश्वर राउत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरा के पास लिक्ति में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया बबा है।

अनुसूची

प्लैंट नं ए+101, जो, अलक-नन्दा, सी विं एस० 48 भीर 49, विलेज एक्सार, आफ एलव्टी रोड, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि कि सं अई-4/37-ईई/12413/84-85 ग्रीर जो संक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टंड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

विनोक: 9-5+19**85**

मोहर 🖫

प्ररूप बाई. टी, एन ं एसं.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985 निर्देश सं० अई-4/37-ईई/12200/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 15, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, इमारत सं० ए-13, "रत्न नगर" स्कीम, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (ग्रीर इसने उपावद अनुचची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियां को, जिन्हें भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिनी क्लाम प्राष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के निए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) मेससं परम आनन्द बिल्डसं प्राइवेट लि०। (अन्तरक)
- (2) श्री ए॰ एफ॰ पिटो (मैनेजिंग ट्रस्टी) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप --

- (क) इस तुचना के राजधन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इस्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लैट सं० 15, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, इमारत सं० ए-13, "रत्न नगर" स्कीम, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/12200/84-86 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बस्बर्ध

दिनांक: 9-5-1985

मोहर 🗈

प्ररूप. बाह्रं. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-4. बम्बई

बम्बई, दिनांदः 9 मई 1985

निदेश सं । अई--4/37-ईई/12522/84--85--- अतः मुझे, ए । प्रसाद,

शायकर आंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी ता, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संब्दुहान नंब 2. जो, श्राउण्ड फ्लोजर, इसारत बी-2. रत्तन नगर, श्रेमजी नगर श्रीर दौला नगर के पास, एतव वीव रोड, बॉरवल! (पूर्व), बमाई- 66 में स्थित है (श्रीर इसस उपावद्ध अनुसूत्ती में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका क्राराकामा जावज्ञर अधिक्षणम, 1961 की बारा 269 क्षा के अधीन वम्बई स्थित स्थाम श्राधिकारी के क्षायिलय में रिजस्ट्री है, दिनांक्ष 1-9-1984.

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप सं कथित नहीं किया यथा है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीर कर दोने के अन्तरक के दायित में कमी करने श उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसो किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना सामिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को. भी जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (!) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेमर्स परम जानन्द विल्डर्स प्राइवेट लि॰ । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती साइलकुमारी नन्दा सिंग। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहयां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में संकिकी व्यक्तियां स्
- (क) इस स्वेना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के धास लिखित में किए का सकती।

ग्रनुसूची

दुकान नं० 2. जो, प्राउण्ड क्लोअर, इमारत नं० बी-2 "रत्तन नगर", प्रेमजी नगर ग्रौर दौनत नगर के पास, एस० वी० रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कः गंः अई-4/37-ईई/12522/ 84-85 ग्रीर जो नज़म प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 9-5-1985

प्ररूप बाइं टी एन एवं -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन स्वान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मावन्तर बाव्यत (निर्देश्य)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/12201/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 14, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, इमारत सं० ए-13, रत्तन नगर, बोरियली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (ग्रीर इसन उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है) ग्रीर जिसना करारनामा आयवर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन यम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के नार्यालय में रजिरहों है, दिनांग 1-9-1984

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एांसे इश्वमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पाया गवा प्रतिफल किन निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण बिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया नवा है :——

- (क) अन्तरण व' हुई किसी बाय की बाबक, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे उचने में सुक्रिया के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अाव या किसी धन या बज्य आस्तियों को, जिन्हें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) यह प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया बाना चाहिए था, खियाने में सरिवध के लिए;

बत्ध विव उक्त विधिनिवम का धारा 269-ग के बनुसर्थ कें, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के विधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तिंग, वर्धात :---

- (1) मेसर्स परम आनन्द बिल्डर्स प्राइवेट लि०। (अन्तरक)
- (2) ए॰ एफ॰ पिंठो (मैनेजिंग ट्रस्टी) (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना क्या है।

वन्स्यी

फ्लैट सं० 14. जो, ग्राउण्ड फ्लोअर इमारत नं० ए-13, रत्तन नगर, वोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि क० सं० अई-4/37-ईई/12201/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को राजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 9-5-1985

प्ररूप बाई .टो .एन .एस . ------

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ(1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं ग्रई-4/37-ईई/12212/84-85--ग्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान सं 29 जो भाउण्ड फ्लोग्नर समुद्धी शापिंग सेंटर एम० जी० रोड कांदिवली (प) बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 कल्ल के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-9-1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सावध्य के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्यिन में सविधा के लिए;

वत: वस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् 4--- (1) श्री महेशकुमार एम० शहा।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स महाबीर मिनरल्स ट्रेडिंग कम्पनी । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेवत व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (б) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें। प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुसूची

दुकान सं० 29 जो ग्राउण्ड फ्लोग्रर समुद्धी शापिग सेंटर एम० जी० रोड कांदिवली (प) वस्वई-67 में स्थित है। ग्रमुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-4/37-ईई/12212/ 84-85 और जो सक्षम श्राविकारी वस्वई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ६० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन **रेंज-4,** बम्बई

दिनोक : 3-5 1983

मोहर ३

प्रकल बाह् . टी . एव . एख . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के अभीन स्माना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4 अम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं ग्रई-4/37-ईई/12546/85-85--ग्रत मुझे, ए॰ प्रसाद

न्त्रायकर-विधितियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्तत विधितियम' कहा गया हैं), की धारा 259-क के क्यीन सक्षम प्राधिकारी के वह 'विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर स्थापिक जिसका उचित बाजार मूस्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

1.00.000/- रह. से अधिक हैं
और जिसकी सं श्राणिस सं ए-214 जो दूसरी मंजल
सुपर शापिंग कम्पलेक्स बजाज द्रास रोड कांदिवली (प)
बम्बई-67 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में और
दूर्ण एप से विणत हैं) और जित्रका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 कछ के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनाँक 1-9- 1984
को प्राधिक संपल्ति के उचित बाजार मन्य में कम के द्रश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास
करन का कारण हैं कि ग्रधायवांक्त मंपित का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतिगितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पागा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में
बास्ताबक रूप सं कथित नहीं किया गया हैं

- (का) जम्मरण से हाई किसी काय की बाबस, उक्स अधिनयम के अधीन कार दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) मेसर्सः मानव बिल्डर्स (६ण्डिया) । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती ममता ग्रलकेश ब्यास और ग्रन्य । (अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए काम्रामाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्संत्रधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्या

द्राफिस सं ए-214 जो दूसरी मंजिल सुपर शापिग कम्प्लेक्स बजाज कास रोड कांदिवली (प) बम्बई-67 में स्थित है

ग्रन्ध्यी जैसा कि का सं ग्रई-4/37-ईई/12546/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहयाक ग्रायकर ग्रायुक्त (िरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4 बम्बई

दिनांक : 8-5-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत हरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकन (निरीक्षण) प्रज्ञेन रेज-4 बम्बई

बम्बई दिनांक 8 मई 1985

िदेश सं० ऋई ·4/3 . ईई/12 ह1 ह/84 ·85 · अतः मुझे, ए० प्राद,

आयकार अधिनियम, 1965 (1961 का 43) (जिमे इनमें इसके वच्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं। की धारा १६०-इब को अधीन सक्षम अधिकारी को. यह विज्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० ग्रापि.स सं० ६-213 जो दूसरी मंजिल सुपर शापिग काम्प्लेक्स बजाज कास रोड कांदिवली (प) बम्बई-67 में स्थित है (और इस ने उपाबढ़ ग्रन्सूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करानामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 कड़ के ग्रडीन बम्बई स्थित सक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय में रिजरट्री है दिनाँक 1-9-1984 को पर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य में कम के इक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त मंपस्ति का उचित बाबार सल्या. जसके रहणबान प्रीतिकान में गीमें रहणबान प्रीतिकास का पंद्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (बन्निरिनिग्रॉ) के बीच एंस प्रन्तरण के जिला नग गांगा गां। पनि-कल रिम्मीलिखिन उदर्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अल्लारण से हुए किसी बाब की शावल उपल अधिन नियम के अधीन कर दोने के अल्लारक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के दिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिल्हा भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जम्मरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत बब, उक्त अधिनियम की धारा २६०-म के बनसरह में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६०-म की उपधारा (१) के अधीन. निम्निजिकित यक्तियों, स्वात् .— (1) मेसर्भ मानव जिल्डर्भ (इज्डिया)

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रचकेश तिरंजन व्यास और ग्रन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के नुर्वन के विष् कायवाहिया करता है।

डक्त तम्पति के बर्चन के सम्बन्ध में के री शास्त्रेय:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वका के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रापिस सं ए-213 जो दूसरी मंजित दूस**री सुपर** शापिंग काम्प्लेक्स बजार कास रोड कांदिवली (प) बम्बई-67 में स्थित है

श्रनुसूची जैसा कि के सं श्रई-4/37-ईई/12545/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्ड किया गया है

ए० ५**सार** सक्षम प्राक्ति**कारी** सहायक ग्रायकर ग्राय्क्त (िरीक्षण) प्रर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक : 8-5-1985

मोहर 🗈

प्ररूप बाइ'.. टी. एइ.. एस.----

बावकर रूपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाड़ा 269-थ (1) के संधीन सूचना

भारत सरकाडु

कार्याज्य, राष्ट्रायक जायकार वायुक्त (निरीक्षक)

भार्जन रेंज-4, म्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निशेग पं प्रदे-4/37-ईई/12000-एक 84-85 स्रतः मुझे, ए० प्रसाद.

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परवात 'उक्त अधिनयम कहा गया है'), की धारा 269- व के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थावर सर्वास्त्र विश्वका रोजन शासार ब्रह्म 1,00,000/- रा. से अधिक है और जिस्बी सं जो ₹० **ऍ−211** सुपर शापिगकाम्प्लेक्स डा०दलदीरोड कांदिःली (प) **ा**मबई–67 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) /और जिस का करार तामः ग्रायकर ग्रह-नियम 1961 की दारा 269 कख के ग्रध न बम्बई स्थित सक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय में रिजरद्री है दिनांक 1-9-1984 **क्षा प्**वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य स कम के **दश्य**मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण हैं कि यथाप्वक्ति सपत्ति का डीचत बाजार श्रुच्य, अनकं क्रयमान प्रतिकल सं, एस क्षयमान प्रतिकल का वन्द्राः प्रतिवात स अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अन् रितियाँ) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम निम्नालि। बत उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप स कांधत नहीं किया गवा 💕 ;----

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम क बभीन कर दन के बन्तरक के दायित्व में कमी करन या उसस बचन में सुविभा के लिए; बीर/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी बन या बन्य बास्सियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बीधनियम, या धन-कर बीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपन में सुविधा की लिए;

क्षत अप, उसत अधिनियम, की धारा 269-ग की अनुसरण में, में उसत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री क्रेमगथ ग्रमरनाथ पूरी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमित संगिता राजूल व्यास और ग्रन्य। (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया हैं।

धनुसूची

म्रापिस सं० ए-211 को दूसरी मंजिल सुपर शापिग काम्पलेक्स डा० दलदी रोड काँदिन्ली (प) बम्बई-67 में स्थित है अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० म्रई-4/37-ईई/12000- एफ-4-85 और को सक्षम भाविकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राध्वत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक: 8-5-1985

प्ररूप बाइं. टी. एत. एस.----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/12367/84-85—अतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिल्ली संश्रामीत नृश्य ए-212, जो दूलरी मंजिल, सूत्र प्राप्ता काम्प्लेक्स, डा॰, द वी रोड़, वांति ली (प) बम्बई-6 में स्वाहै और इस ने उपाबद्ध नुमूची में और पूर्ण रूप से बिंगा है), और जेत ना करारन मा त्राय प्रशिधनियम 1961 की धारा 269 क, ख के तथीन बम्बई स्थल सक्षम प्राचि री के कार्यालय में रिजिटी है, दिनांक 1 सितम्बर 1984

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवोंक्त सम्पत्नि का उचित बाजार मृन्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) करेर अंतरिती (अतारान्या) क बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उददेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइं किसी बाब की बाबत, उक्त आंधिनियम क अधीन कर दोन के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा कालए, और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मा, उक्त आधिनियम की धारा 269-घ की उएधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थार् ः— (1) श्री प्रेमनाथ अमरनाथ पूरी।

(अन्तरह)

(2) श्री राजून निरंजन व्यास और अन्य :

(अन्ते ती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया श्रष्ट करता हु।

उक्त मन्पत्ति है अजन है सबध मा कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **च वे**45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर
 स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियां में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनते स्थावर सम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरा के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वही अर्थ हाया जा उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

आफीप नं० ए-217 जो दूसरी मंजिल, सूपर शापिंग काम्प्ले स डा० दक्ष्मी रोड़, कांदबली (प), बम्बई-67 में स्थत है ।

अनुपूची जैस की ऋ० सं० अई-4/37ईई/84-85 और जो सजम प्राविधारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 सिज़म्तर 1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सजन प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-9, बम्बई

दिनांक : 8-5-1980

मोहर 🕹

प्ररूप बाईं. टी. एत. एस. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक अध्यक्तर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई; दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37-जी/77/8 -85 --अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उन्स अधिनयम के अधीन कर दन के अन्तरक की दायित्व में कमी करन या जससे बचने में सुविधा कालए, आहु/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य कास्तियाँ का जिन्ह भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयाजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, डिपान में सुविभा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरक क, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात हु--- (1) श्री ती बदःमीबाई पी जैन० आंध श्रंबालाल पी० जैन ।

(अन्तरक)

(2) अब्दुल कादर शेख दाउद ।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, बां भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के .45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वस्त्रकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया हैं।

वन्स्पी

अनुसूची जैजाकी विलेख सं० एस०-1741/83 और जो उपा जिल्ह्योच्ट्रार, बम्बई हारा दिनांक 14 सितम्बर 1984 को राजस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जा रेंज-4, बम्बई

दिनांक :- 8-5-1985 बोहर ब प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं 2 अई-4/37 जी/70/84-85 —अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

बीए जिसको सं पिस औफ लैंन्ड बेरोंग सर्वे नं 13, एच नं 1 (श्रंग), सी टी एस नं 341 सी, गांव एक्सार, बोरिबली (प), बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (प्रीए इसी उताबद्ध अनुम्ची में श्रीए पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिप्ट्री जिस्मारी के प्रायंलय, बम्बई में एजिप्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनां हे 27 सम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रोप्तक म बाधक है बार अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तम पामा ग्राम प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एँसी किसी आय या किसी अन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ बन्तरिही दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए अप, छिपाने में सूविधा के लिए;

कतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के बधीश, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :— (1) श्री राजेंन्द्र अंबालाल झवरी ।

(अन्तरक)

(2) लिलावती के तरीनाथ भिवंडकर ।

(अन्तिरती)

की बहु सूचना बारी करके पूर्वों क्तु स्म्मृतिस् के वर्ष के तिस् कायवाहिया करता हूं।

उक्त संपृत्ति के वर्षन के संबंध में कोई नी वाक्षेत्र :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय हैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामीन से 30 दिन की वर्बाध, वो मी अवधि शाद में समाप्त होती ही, के भीतर प्रविवद्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाछ जिल्ला में किए जा सकेंबे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 2('-क में गैरिशाबिक है नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा व्याह ैं.!

अनुसूची

अनुसूची जैनकी विलेख सं० एस-2139/79 और जो उपरती स्ट्रार बम्बई द्वारा दिशंह 27 सिनम्बर 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधि ारी महायक ग्रायक: ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनांक :- 9-5-1985 **बोहर** ध प्ररूप् बाइं, टी. एन . एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4' वस्बई

बम्बई दिनांक 7 मई ० 985

निदेश सं० अई-4/37-जी /69 /84-85--अतः मुझे ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं ईम रिंग ऑन प्लाट नं 157, श्रीपृष्ण को-आपरेटिल हार्जिंग सोसायट्री लि सी टी एस, मं 2106, बो रवली (पूर्व), बम्बई-66 है तथ जो बम्बई-66 में स्थिए है (और इससे उपाबद्ध अनुपूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणा है) र जस्ट्री उर्जी अधिकारी के कार्यालय बम्बई-66 में रिजस्ट्री तरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25 सितम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का

कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्वयमान प्रतिफल से एसे ख्वयमान प्रतिफल का पन्सह इतिकान से बिफक है बार बन्तरक (अन्तरका) और बन्तरितं: (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया स्मा प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित व बास्तिक रूप से कार्या करा कार्या का

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधाः के लिए; सरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रवांजनार्थ जन्मिती दवारा प्रकट नहीं किया गया का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री दामोदर गोविंद । मरजकर ।

(अन्तरक)

(2) श्री दीनानाथ मोरेश्वरं दाभाडे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के सिए कायनाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अवाध या तत्सम्बन्धा व्याक्तया पर सूचना की शामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में बचापत हाती हो. के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीब से 45 दिन के शितर उक्त स्थावर मपोल्न में इति विद्या क्यों कि के पार कि कि मा किए जा मकत्र ।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उन्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहा अब झगा जा उस अध्याय में दिसा क्या है।

प्रनुसूची

अनुपूची जैसाकी विलेख सं० एस० 2815/84 और जो उपरितस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 25 सितम्बर 1984 को रिजस्टर्ख किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्रश्नित्री सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-में के जनसरण में में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिकित व्यक्तियां, अर्थात् :---

दिनांक :- 7-5-1985

मोहर 🕆

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जी रेंप्र-4, राधई बन्दई, िप्रें 9 मई 1985

दिरोश सं० अई $\cdot 4/37$ --ईई $/12518/83\cdot\cdot 84$ -----म्रतः मुझे, ए० प्रादः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और ि की सं० बार नं० 413, सी, जो चैंथी मंजिय, इसारा, नं० बी गई रहीं मृजी सार वे साने ए ा० वि० रोड़, बारिसजो (प), बराई में स्थित हैं (और इसे उपार अनुपूर्वी में और पूर्ण रूप से विणत है), और िरा कारणा आरार अनिहास 1961 की धारा 269 एख के अभी विवाद सियत क्षिप प्राधितारों के धार्याव्य में रिस्ट्रीं है, दिसंट 1 िराम्बर 1984,

को पर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह गिश्वास करने का कारण है

कि यथा प्वेंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मी सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मौ प्रसं एस० आए० वन्त्रद्रकान कंपनी । (अन्तर ह)
- (2) श्री जै॰ एम॰ पटवा और अन्य । (अन्.ितीं)

का यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि। बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

ब्यान नं 413 पी. जो, बौशी पंजिन, इपारत नं बी, गई प्रशि मृंजी प्रगः के नामने, एस० वि० रोड़; बोरिवला (प), बंजईं में स्थित हैं ।

श्रनुसूत्री जैशकी ऋ० सं० हाई 4/37-ईई/ 12518/ 84-85 और जो सक्षम प्राधितारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जितम्बर 1984 को रिनस्टर्ड िया गरा है।

> ए० प्राद्य सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्यन रेंज-4, बस्बई

दिनांश :- 9-5-198**5**

बोहर 🚁

इक्प बाइं. टी., एन...एव.. -----

बावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (व) (1) के नधीन त्यका

भारत सरकार

कार्यांबंब, सहायक जायकर आयुक्त (निर्नेक्सक) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985 निदेश सं० ग्रई-4/37—ईई/12093/83—84—-ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसर्म इनक्रे प्रशात 'उन्त निभीनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधान सक्षम प्राधिकारी कहे, यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाता नृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 211-डीं, जो, राजेश बोरिजली को-ग्रापरेटिच हाउसिंग सोसायटी लि॰, एक्सार रोड़, बोरिजलीं (प॰), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में गौर पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधींन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय में रजिस्ट्रीं है, दिनांक 1 सितम्बर 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य-से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मृक्षे वह विश्वत्य करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त क्यिति का जीवत बाचार मृल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पत्क प्रतिकत से विधिक है और वंतरक (अंतरका) बीट बंत विदि रिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलवत उद्देश्य से उक्त अंतरण जिल्हित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) जंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनयम के बधीन कर दोने के जंतरक कैं दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बौर/या
- (क) हांसी किसी जाय या किसी धन या जल्य जास्ति की को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में मीवधा के लिए;

कतः क्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निवित व्यक्तियों, अधीतः — 46—116 GI/85

(1) श्री इंद्रजीत देवचंद

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमतीं कांतावेन कल्याणजी सतरा।

(ग्रन्तरितीं)

 बह स्थनः वारी करके प्रांक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिक् कार्यवाहिकां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासप :---

- (क) 'इस ' सूचना के द्रायमत्र में प्रकासन की तारीय से 45 दिन कि कि कि विश्व दे या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमाँ पद सूचना की तामील से 30 दिन की क्विदिश को भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्य म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- . (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वयं प्राप्त पन्दों और पदों का, को उबस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिक्स गया हैं।

अनुसूची

प्लैट नं० 11-डी, जो राजेश बोरिवली को-भ्रावरेटिव हाउसिंग सोसायटीं, डीं० विंग, एक्सार रोड़, बोरिवलीं (प०), बम्बई-92 में स्थित हैं।

म्रनुसूची जैसाकि कि० सं० म्रई-4/37-ईई/ 12093 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 सितम्बर 1984 की रिनस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहाबक ग्रायकर ग्राथुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनमंकः - 9-5-1985 मोहर्

प्रस्य वाह¹.टी .एव .एड .----

क्षायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाज

शास्त्र सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

ब बई, दिनांक 9 **मई** 1985 निर्देश सं० ऋई-4/37-ईई/12322/83-84 ---**म**तः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 क के अधीर एक्षण प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारज है कि स्थावर अंपित्त जिसका सचित बाजार मुख्य

1,00.000/- रत. से अधिक हैं

ग्रीर जियकी सं० फ्लैट नं० 301 है जो, गणपती ग्रपार्टमेंट, गणपती बाग को-ग्रापरेटिय, हाउसिंग सोसायटी लि०, इमारत नं० 1, ती-चिंग एल० टी०, रोड़, बोरिचली (प०), बम्बई- 92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि- निपम. 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 सितम्बर 1984

क्रो पूर्वोक्त सम्भीति के उचित बाजार मृत्य से कम के ज्याम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बंसिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निष् तय पाया नवा अधिक कल, निम्नलिखित उद्देशय से उधत अंतरण लिखित में बाला विक क्या से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त बीध-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए, आरैर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्च बास्तिकों को, जिन्हों भारीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृतिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरम में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यिनियों अर्थात् :— (1) श्रीमती जे० वि० वेद, और श्रीमती पी० एन० संपत ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रवे मिलन बी० दोधीयाला और श्री भाईचंद जी दोधीयाला ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचमा की तामीन से 30 दिन की बन्धि, को भी तबिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस निवित में किए वा सकोंगे।

स्पक्किरण है—इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भवा है।

बन सर्ची

पलैट नं० 3'01 .जो गणपती ग्रार्टमेंटस, (गणपती बाग को-ऑपारेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०) इमारत नं० 1 बी विग एल० टी॰ रोड़, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्वित है।

श्रनुसूची जैसाकि क० सं० ग्रई-4/37-ईई/ 12322/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 तिसम्बर 1984 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> ए० प्रसाद. सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) फ्रजैन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय्, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1985 निर्देण सं० ग्रई-4 37-ईई/12189/83-84--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकीं सं० फ्लैट नं० बीं-401, जो पटेल शापिंग सोंटर प्रिमायसेंस की-आपरेटिव सीसायटीं लि०, बोरिवलीं (प०), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 कीं धारा 269 क, ख के अधींन बम्दई स्थित सक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय में रजिस्ट्रीं हैं दिनांक 1 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण सं हुई किसी आयं की बाबत, उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री यू० के० बदलानीं।

(ग्रन्तरक)

(2) प्रकाश बाशोमेल मृतरेजा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० बी-401, जो पटल शापिंग सेंटर, प्रिमायसेंस को-ग्रापरेटिव सोसायटीं, लि०, बोरिवलीं (प०), बम्बई में स्थित है।

म्रगुसूची जैसाकि ा० सं० ग्रई-4/37/ईई-1218984-85 और जो सक्षम प्राधिकारीं, वस्वई द्वारा दिनोंक 1 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेंज-4, वस्बई

दिनांग : 9-5-1985

मोह्नर 🖫

प्रकार नार्षे <u>टी</u> प्रवा, एवं .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरका

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्माणक)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० ग्रई -4/37-ईई /12127 /83-84 --ग्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

बामकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43)। (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), 🐠 पहरा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 401 है तथा जो सी-विग देवेंद्र ग्रपार्टमेंट रोकाडिया लेन बोरिवली (प) बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद श्रन्सुची में और पूर्ण एप से र्वाणत है) और जिसका करारनामा आयकर ऋधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ऋधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है दिनांक 1 सितम्बर

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीहफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार श्रुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तर्ग के लिए तय पाया गया प्रतिन कस निम्नीलीबत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इन से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ब्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जाधीनयम के जधीन कर दोने के बन्तरक के बादित्य में कभी करने या उत्ते बुधने में सुविधा के शिक्; नरि/वा
- (बा) एसी किसी अभ्य वा किसी भन वा बन्च आस्तिबी को जिन्हें भारतीय बायकार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वृधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के बबोजनार्थ जन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया प्रवा था या किया जाना जाहिए था, क्रियाने में बृदिधा ने जिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण कों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :---

(1) मैसर्स श्रीज बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एच० सी० सेठ

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत राम्पतित् के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की बामीन से 30 दिन की बंबिय, वो बी जनिष- नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रसंबद व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस ब्रुक्ता के राजपुत्र में प्रकारन की तारींस है 45 बिन में श्रीतर उन्छ स्थावर बन्मरित में दिवस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी से शास लिसित में किए जा सकेंगे।

लच्छीकरुगः--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है **वही पर्य** होगा जो उस ग्र**ध्याय में**विदया पना 🗗 🖟

अनुसूची

फ्लैट नं० 401 जो सी-विंग देवेंद्र ग्रपार्टमेंट, रोकाडिया लेन बोरिवली (प) बम्बई-92 में स्थित है

म्रनुसूची जैसािक के० सं० म्रई-4/37-ईई/12127 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई ,

दिनांक :- 8-5-1985

प्रकृष्णाई दीः एनः एस् . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/12511/83-84--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1 जो राधाकिशन गोकुलधाम को ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० एस० वि० रोड़ बोरिवली (प) बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्राधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम जप्राधिकारी के कार्यालय में राजस्टी है दिनांक 1 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संक्रम के व्हबसान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के वह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण चिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है दे—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के इन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनिवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिवम, या धनकर अधिनिवम, या धनकर अधिनिवम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविध के लिए;

जतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के ज्धीन कि निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जान एच० डिसोझा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शांतीदेवी श्रीनारायण गिडोरीया । (ग्रन्तरिती)

न्तुं यह सूचना जार्डी न्यूरके वृषेनित् सम्पत्ति के वर्जन के निष्ट कार्वनाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45' दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो ं भी विकास की समाप्त हारेती हो, के भीतर प्रवेशत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब । बं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति इवारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए वा सकोंगे।

हमधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत विधिनियम, के वध्याय 20-क में परिभीषित है, वही 'वध' होगा जो उस' बध्याय में विका नवा है।

ममस्यो

फ्लैट नं । जो राधािकशन गोनुलधाम को ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि॰ एस॰ वि॰ रोड़ बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० ग्रई-4/37-ईई/12511/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक :- 9-5-1985

शस्य बाइ'्टी एन एस् -----

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के वधीन सुचना

नारत तरकाह

कार्यानय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निरे संक्व ग्रई-4/37-ईई/ 12265/83-84-- ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 401 जो है, तथा चौथी मंझिल इमारत नं० 9 प्रेम नगर, टी० पी० एस० 1, एस० वि० पटेल रोड़ बोरिवली (प) बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबक्ष ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर ग्राधिन्यम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्क्री है दिनांक 1 सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गृथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अंतरण लिखित है बास्तविक रूप से किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त विधिनियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सृविधा को निए; बौर/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सबिधा के लिए;

बतः बदः, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्ति ः— (1) श्रीमती इंदूमती रासकलाल शहा और श्री एन० ग्रार० शहा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रर्रावद के० देसाई और श्रीमती के० ए० देसाई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति क अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसुची

पलैट नं० 401, जी चौथी मंजिल इमारत नं० 9, प्रेम नगर टी०पी० एस०1, एस० वि० पटेल रोइ बोरिवली (प) बम्बई-92 में स्थित है।

श्रानुसूची जैसाकी कै० सं० श्रई-4/37 -ईई/ 12265/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 1 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ्र० प्रमाद नक्षन प्रविनारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज⊶, वस्वई

दिनांक :- 9-5-1985

प्ररूप बाईं ु टी ु एन ु एस ु = = ====

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/ 1239 /84-85--ग्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 602 जो रामदेव पार्क बदाब रकर लेन बोरिवली (प) बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबछ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वीणत है) और जिसका करारनामा आयकर श्रीधनियम 1961 की धार 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के

कार्यालय में राजिस्ट्री है दिनांक 1 सितम्बर 1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रविक्रस का पन्द्रह प्रतिशत से बधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्सरण बिसित में बास्तिबक रूप से अधित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्छ अविनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायितक में कमी करने वा उसने बचने हैं हुविशा के सिह्ध और/या
- (म) पंसी जिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाई औं सूर्विधा के निए;

अतः अब, उक्त वाधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु—— (1) कमला डेव्हलोपभेंटस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गिरीण कुमार एम० शहा और ग्रन्य ।

(अन्तरिती)

को बहु सुन्नुना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

दावत बुम्पीत के वर्जन के संबंध में कोई भी वासेष हैं--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तानील से 30 दिन की जबिध की भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीकर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्वच्छीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा गया है।

धनुसूची

पलैट न० 602 जो रामदेश पार्क जदाबरकर लेन बोरिवली (प) बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कि स० श्रई-4/37-ईई/ 12539 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 1 सितम्बर 1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रुजन रेंज-4, बम्बई

दिनांक :- 6-5-1985 **मोहर** प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -4, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निर्देश सं० अई-4/37—ईई/12329/83—84 —अतः मुझे, ए० प्रसाद,

श्रायकरः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका एचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से जिधक है

गौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 301 जो नंद धाम बी, तीसरी मंजिल, एल० टी० रोड़, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रौर इसस उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्या से कम के करमान प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रविफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरक से हुई किसी आय े बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्क में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या वन्त ब्रास्तियों को जिन्हें भारतीय वायकर व्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग **के अनुसरण** में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की स्पप्सरा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) द्यी बल्लभद्रास जमनादास कपाडिया ग्रीर अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री आर एफ० पारीख ग्रीर श्रीमती डी० आर० पारीख ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 301 जो, नंद धाम बी, तीसरी मंजिल, एल० टी० रोड़, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी क० सं० अई-4/37-ईई, 12329/ 84-85 गौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) . अर्जन रेंज-4. बम्बई

दनांक :- 9-5-1985

मोहर "

प्ररूप बाई , टी एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत ररका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1985 निर्देश सं० अई-4/37 -ईई /12331 /83-84 --अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाय 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, जो, जी-विंग, 2री मंजिल निमेश अपार्टमेंट, निमेश कुंज कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिं०, एस० वि० पी० रोड़ बोरिवली(प), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गईं है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया बना वा कि वा जाना चाहिए वा, किया वे स्विधा के निए;

बतः बब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण वी बनुसरण में में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 47-116GI|85

(1) श्रीमती वंदना ए० चौहान ।

(अन्तरक)

(2) श्री हरीष अमरतलाल शहा और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उड़त संपत्ति क अजन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत विभागियम, के बच्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्वाहा

अनुसूची

पलैंट नं 8 जो, जी-विंग, दूसरी, मंजिल, निमेश अपार्टमेंट, निमेश कुंज को-आपरेटिव हार्जिसंग सोसायटी लिं , एसं विं पीं रोड़, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी कि॰ सं॰ अई-4/37–ईई/12331/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1 सितम्बर 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–4, बम्बई

दिनांक: 9-5-1985

मोहर 🖁

प्ररूप बाई .टी .एन . एस . -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निर्देश सं० अई-4,37–ईई, 12001,83–84–– अतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं फ्लैंट नं 2, जो इमारत नं ए-2/2 ए० एफ० सी० ओ० नं 2 स्टाफ को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० जीवन बिमा नगर, बोरिवली (प), बम्बई -103 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा, के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के दन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1). के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) सी० पी० सरशोटटी

(अन्तरक)

(2) ए० शंकर नारायण ।

(अन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 2 जो इमारत नं० $\psi-2/2$ ψ 0 एफ0 सी० ओ नं० ψ 0 स्टाक को-आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लि०, जीवन बिमा नगर बोरियली, ψ 0, बम्बई ψ 103 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी कि सं० अई-4, 37—ईई $_{l}$ 12001 $_{l}$ 84—85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 सितम्बर 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 8-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाइं दीं एम् एस उनसम्बन्धनसम्बन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन स्चना

(1) श्री धरमशी मेघजी परमार ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गंगाबेन गोकलदास ठक्कर।

(अन्तरिती)

प्रारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज 4 बम्बई बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० अई-4, 37-/12078/83-84-अत: मुझे, ए० प्रसाद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 402, जो चौथी मंजिल, ए-रत्नदीप कार्टर रोड़ नं० 1 बोरिवली (पूर्व) बम्बई-66 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1 सितम्बर 1984

को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार बून्थ, उसके दृश्यमान प्रतिफल हो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और जन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिध्निएम, से बधीन का दोने के बनारक के दायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुदिश्या के लिए;

कत: अब, उक्त निधिनियम की धारा 269-त ने बनुबरम मं, मं उक्त अधिनियम को धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्तित व्यक्तियों, कर्णात्:— की यह सूचना सारी करके प्योंक्त हम्पत्ति के बर्चन के मिह्न कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षय ---

- (क) इस सूचना के द्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वनिष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वनिष, बो भी वनिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीन हैं 45 दिन के धीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध जिल्ली बन्न स्थानत द्वारा वशोहस्ताक्षरी के शास विविध् में किए या सकते ।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विष्कृतिवन, से बध्याय 20-क में परिभाषित हु, बही वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिश युका है।

वन्स्पर्रे

फ्लैंट नं 402 जो चौथी मंझिल ए-रत्नदीप, काटर रोड़, नं 1 बोरिवली (पूर्व) बम्बई-66 में स्थित हैं। अनुसूची जैसाकी ऋ सं अई-4,37-ईई, 12078 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -4 बम्बई

दिनांक :- 8-5-1985

प्रकृष बाह्री, टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बभीन सूचना

भारत बरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज -4 बम्बई बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० अई-4, 37-ईई , 12479 , 83-84--अतः मुझे; ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उक्त अधिनियम कह गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 402, जो बौथी मंजिल, सी-विंग देवेंद्र अपार्टमेंट रोका डिया लेन, आफ मंडपेश्वर रोड़, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है दिनांक 1 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में न्युस्तिकृत रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किबी बाग की बावता, उचत बिधिनिवस के जधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उच्चसे बचने में सुविधा के सिष्ट; बार/या

कतः कद, उक्त जिथिनियम की भारा 269-न के कमृतरूप में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) ब्रीज बिल्डर्स।

(अन्तरक

(2) धिरेन पन्नाजाल मेहता ।

(अन्तरती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वक्षेप हु---

- (क) इस सुमृना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के यजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विभिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ष होगा जो उस वध्याय में दिया गुना है।

अनुसूची

फ्लट नं० 4|02, चौथी मंजिल, जो विंग सी, देवेंद्र अपार्टमेंटेस, रोकाडिया लेन, आफ मंडेश्वर रोड़, बोरिवली (प) बम्बई-82 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि सं अई-4, 37–ईई, 12479 84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनांक :- 8-5-1985

श्रुक्त बाहें. टी. एवं. सुब्र ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सुबना

नारक सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर जायुक्त (विरोक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37—ईई/12034/83—84—अतः मुझे ए० प्रसाद,

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, जो ए—विंग अरूणा अपार्टमेंट हिमत नगर के पिछे मंडपेश्वर इंडस्ट्रियल, इस्टेट, मंडपेश्वर रोड़, बोरिवली (प), बम्बई —92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सेविणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1 सिजम्बर 1984 को को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रिफल का पन्द्रह प्रतिश्व से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देष्यों से उक्त बन्तरण निवित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एंसी किसी जाय या किसी घन या बन्य बास्तिकों को जिल्हों भारतीय बाय-कर निधित्यन, 1922 (1922 का 11) या उनता निधित्यन, वा धनकर निधित्यन, वा धनकर निधित्यन, 1957 (1957 का 27) से प्रकार विधित्यन, 1957 (1957 का 27) से प्रकार विधित्यन जन्म जिल्हा जाता हुए था, स्थिताने में सुविभा के निष्ह;

जतह जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पटेल पटेल एण्ड कंपनी ।

(अन्तरक)

(2) जयंत इंद्रवदन मोदी और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वों बतु संपरित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां कारता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की स्वाधि वा तत्त्रक्रमी कार्तित्यों वर भूचना की तामील से 30 दिन की अविधा, को भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तम्पत्ति में हितवहुथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी की पाद निविद्य में किस्सू जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

फ्लैंट नं० 6, जो, विंग ए— अरूणा अपार्टमेंट, हिमत नगर के पिछें, मैंडपेश्वर इंडस्ट्रियल इस्टेट मंडपेश्वर रोड़, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० अई-4, $37-\xi$, 12024 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 सितम्बर 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 4 बम्बई

दिनांक :- 8-5-1985

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस ु -----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(ध) (1) के वधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज 4 बम्बई बम्बई, दिनांक ह भई 1985

निदेश सं० अई-4, 37-ईई /12513 /83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारा को यह विश्वास करने का कारण है कि स्ावर राष्ट्रीत, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० दुकान न ० 12 , जो ग्राउंड फ्लोअर, हरीस्मृती को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी एस० वि० पी० रोड़, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क. ख अधीन दिनांक बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 सितम्बर 1984

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्षिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्तेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्स्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से., एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्रव से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण ृति बित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी याप द। बावत, उक्त ब्रीविनयम् के स्थीन कर देने के सन्तरक के बाबित्य में कमी करने था उससे बचने में सुविधा ने लिए; नार/मा
- (क्र) एसे किसी जाय या किसी भन वा अन्य जास्तिको को जिल्ह भारतीय वायकर वृधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिन्यम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए !

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, भूभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यावित्यों, अर्थात् ह्य-

(1) श्रीमती पूष्पावेन अरविदभाई शहा ।

(अन्तरक)

(2) श्री नितीन रतीलाल घाकन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी रूपके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन, की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी न्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अब्धि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्चाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा मकेंगे ।

स्पट्टोकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त निधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

दुकान नं० 12 जो ग्राउंड फ्लोर, हरीस्मृती को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, एस० वि० पी० रोड़, बोरिवली (प) बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/1251384-85 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 सितम्बर 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4 बम्बई

दिनांक :- 8-5-1985

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

आर्थालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेण सं० अई-4/37-ईई/12400/क्यू० 84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 303 ,जो तीसरी मंझिल, इमारत नं० 13 प्रेम नगर, एस० वि० पी० रोड़, बोरिवली (प), बम्बई—92 में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1 सितम्बर 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान गइ बन्तरित प्रतिफल के लिए की विश्वास मुभ्रे यह करने का कारण यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रति-कल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अपर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ग के अनुसरण** कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें कथीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री ए० जी० कटारिया:

(अन्तरक)

(2) श्री एस० बी० दावडा, और श्री डी० बी० दावडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील भे 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

हपष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 303, जो तीसरी मिक्सल, इमार नं० 13, प्रेम नगर, एस० विपटेल रोड़, बोरिवली ($^{\circ}$) ,बम्ब ξ -92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० स० अई-4/37—ईई/12400 $_{I}$ क्यू 83—84— और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है 1

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-34 बम्बई

दिनांक :- 9-5-1985

प्रका बाहु , की व एक एक उ

भावकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वर्षीन सचना

शारत शह काह

कार्यातय, सहायक आयकर बायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-4, बम्बई
वम्बई, दिनांक 8 मई 1985
निर्देश सं० अई-4/37-ईई/12338/84-85-अत:मुझे,
ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लैट सं० 202, जो, दूसरी मंजिल, हरेख्वर अपार्टमेंट, इमारत "ए", एक्सार रोड, बोरिवली (प०), बम्बई—92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

को प्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पामा मया प्रतिफल, निम्निजितित उद्देश्य से उक्त बन्तरण जिला को वास्त्री के काम से काथार नहीं किया गा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के समितन के कथी करवे वा उससे नचने में वृष्टिक के लिए; बॉर/मा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या छन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जावा चाहिये धा, क्रियाने म हिन्धा के सिए;

(1) मेसर्स प्रिती इण्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री मिना एम० जोशी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृष्णा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्णा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पृबोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

फ्लैंट सं० 202, जो, दूसरी मंजिल, हरेश्वर अपार्टमेंट इमारत "ए", एक्सार रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-4/37–ईई/12338/84–85 ग्राँर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1–9–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बई

(1) विनाव मोहरः

दिनांक : 8-5-1985

ब्रें, में, जक्त विधिनयम की पास 269-व की उप्पास (1) के बधीन, निम्मिसिस व्यक्तियों, वर्षात ह— प्रस्प आई.टो.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

िर्देश सं० अई-4/37-ईई/12176/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर जिति ते पर्नेट सं० 4, जी, ग्राउण्ड फ्लोशर, ए-विंग, प्रेम गर, इपाल सं० 4, एस० वी० पी० रोड, बोलिकी (प०), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इसो उलाबद्ध अनुम्वी में ग्रीर पूर्ण कर से विंग : है), ग्रीर जित्तका कालालामा आ कर अधि-नियम, 1961 की धाला 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिज द्री है, जिल का 1-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृन्ने यह विकास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार एसे द्वायमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से इक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के उपधार भिरामितिशिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 43--116GI/85

(1) श्री सुबिदर पाल सिंग।

(अन्तरक)

(2) श्री माधवदास उत्तमचन्द पहुजा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लैट सं० 4, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, ए-विंग, प्रेम नगर, इपारत सं० 4, एस० विं० पी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई--92 में स्थि: है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-4/37-र्री/12176/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी,
सह्यक आप्रकार आयुक्त (िरीक्षण)
अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक : 8-5-1985

प्रकम बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1931 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

श्रारत बरकार

कार्यासयः, महायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्तन रेज-4, बम्बई बम्बई, ितक 8 मई 1985 बिर्देश तं० अई-4/37-ईई/12160/84-85--अतः मुझे, ए० प्रताद,

श्वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाबार सून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भी जिसकी सं० दुकान सं० 6, जो, ग्राहण्ड फ्लेंअर, बी०— विंग, प्लाप सं० 14 ग्रीर 19, सिटी सर्वे सं० 13,15, 13, 21 ग्रर 13,14, देसाई एण्ड शेठ भगर, आफ एस० वी० रोड, पंदिसर बस डिपो रेपास, बोजिली (५०), बस्वई में थिए है। (ग्रीर इससे उपा छ अनु ची में ग्रीर एण्ड रूप से विणित है), भौर जिनका करारात जा का कांधिया, 1961 की धारा 269 कख अग्री वस्वई स्थित सक्षम ग्राधिक री भ कार्यालय में रजिस्ती है, जिक 1—9—1984,

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम क दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्र यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, एवं व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एस अन्तर्य के खिए तब पासा गया प्रतिक कम नम्तानायत उद्देश से अवन अन्तरण निवास में बास्तियक कम से किया नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबक, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व मे कमी करन या उसस बचन में सुविधा के निष्टुं और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य वास्तियों का, चिन्ह भारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त वाधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ बन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया बचा था वा किया बाना वाहिए था, खिमाने में सुविधा के लिए;

कतः शय, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरक में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीव निम्निसिक्त व्यक्तियों अर्थात् अ— (1) नेतर्व महिद्दा इण्डरमामनेत ।

(अन्तरक)

(2) श्री धितील श्रीकृष्ण विवारे।

(अन्तरिती)

· 🔏

को यह स्थमा चारी करके पृवाँक्त सम्परित के वर्जन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

जनव सम्परित के नर्बन के सम्बन्ध में सोई भी नासीप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस वे 45 दिन की जनधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की जनधि, थां भी जन्में बाद मं समाप्त हाती हो, के भीतर प्राक्ति स्थान्त्यों में से किसी व्यक्ति दुधारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के भातर उक्त स्थावर सम्पारत में हितबबुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास स्थित में किए वा सकीये।

लखीकरण:--इनमें प्रयक्त सक्दों और पर्यों का, को सक्द विभिन्नियम, के बभ्याय 20-क में दिशाविद ही, वहां बध हागा जा उस सभ्याय में दिशा गया ही।

ग्रन्यूची

दुकार सं० 6, जो, ग्राउण्ड फ्रोअर, बी-बिंग, प्लाप्ट सं० 14 ग्रार 19, ितटी सर्वे सं० 13,15, 13,21 ग्रौर 13,14, देताई एण्ड सेठ भगर, आफ एत०वी० रोड, पोईतर बस डिपो के पास, बोरिवती (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुपूत्री नैता हि कि सं० अई-4/37-ईई, 12160, 84-85 स्रोर जी सक्षा प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षत प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण, अर्जेंस रेंज-4, बम्बर्ड

दिनांक : 8-5-1985

मांद्रर 🤃

प्ररूप बाइ'.टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाड़ा 269-व (1) क वधीन सूचवा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

.बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

िर्दे । सं० अई-4/37—ईई/12400—ो/84-85—अत मुझे, ए० प्रताद,

हाबकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

सार जिता तो सं० दुकान सं० 2, जो, बोलि नी राजेल को० सा है। जीता मोतान हो लि०, एनतार रोड, बोलि तो (प०), सम्बई-92 में स्थि। है (प्रार इतन उलाबद्ध अनुत्रों में प्रार पूर्ण का नविने हैं), प्रार जिताहा कराएला जा का कर अधिनियन, 1961 की बारा 269 के बाह अपीन सम्बई स्थित तक्षम प्रायिका से के कार्यालन में राजिस्त्रों है, स्थिक 1-9-1984,

प्रमाजिका त के का नालय में राज है। है, दिनाक 1-9-1984, को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य स कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापृत्रों के सम्पत्ति का उचित्त बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितियां) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया भार,फल निम्नसिखित उद्देश्य स उच्च बन्तरण निम्मसिखत सं

- (क) अन्नरण में हुई किमी आय का बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचन म सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी बाव या किसी वन था बन्य जास्तिको स्वी, चिन्हें बारतीय बायकर अभिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनयम, या धव-स्वर अभिनयम, या धव-स्वर अभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, खिपान में तृतिधा से सिक्;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण के , की उन्हार की आप की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :---

(1) श्रो मारिस जिएननः ल नोरा।

(अदारक)

(2) श्री एउ० मगजलाल वोरा ।

(अन्।रिती)

का वह त्यना जारी करके पृत्रावत् संपत्ति के वर्षन् के विद्या कामनाह्या करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष अ---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियां पर सूचना की तामील स 30 दिन का बर्बाध, जा भी नवीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तिया में स किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के वास सावास्त मा किए शा सकाव ।

स्वच्छीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उपह विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषिष ही, वहीं वर्ध हागा जो उस वध्याय में दिशा गया ही।

वन्त्री

दुकार सं० 2, जो, गोरियती राजेश को०आर० हाउसिंग सो प्रायटो लि०, एकतार रोड, बोरियली (प०) बम्बई-92 में स्थित है।

अनुत्वो जैसा कि क० सं० अई 4/37-ईई, 1240के 0/84-85 श्रार नो सजन प्रतिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को र्राजस्ट किया गया है।

ए० प्रताद सञ्जापित्रकारी सहायक आयकर आयुक्त (जिरोक्षण,) अर्थन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 8-5-1985

बोहर 🖁

ब्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरुक्षिण)

ग्रजंन रेंज-4. बम्बई बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/12400-ग्रो/84-85--ग्रतः मुझे, ए० प्रताद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स क अधीन सक्ष्म प्राधिकारी का यह विश्वास क्रेन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

स्रोर जितको स० पलट सं० 105, जो, पहली मंजिल, हरेण्डर स्राटमेंट, बी०-इमारत, एक्सार रोह, बो तिली (प), वम्बई-92 में स्थित है (स्रौर इतसे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विगत है), श्रीर जिसका करारतामा प्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाक 11-9-1984,

की पूर्वोक्त सम्प्रित के उचिन बाजार मृल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आध्य है और अंतरक (अतरकों) और अतरिती खन्दरितियों) के भेज एसे प्रनित्रक के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में

- (क) बन्तरण वं हुई किमी नाय की वावर, अक्क नाभीनवम के नभीन कर दान के बन्तरक के दाविश्य वे कमी करने वा जनने बचने में बृविभा के लिए; बीर/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिषाने में विविधा के लिए:

्र असर अस् जन्म अधिनियम की धारा 269-ग के जननरण मैं, मैं, जनत अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) च अधीन, निम्मीनिस्ति अधिनत्यों, अर्थात् :---- (1) मेसर्स प्रिती इण्टरप्राईज ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रभाकर सुन्दरराव मोरे।

(ग्रन्तरक)

को यह सूचना चारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कायेवाहिया करता हूं।

वक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष:---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनिथ या तत्सनंथी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिथ बाद में समान्य हाती हो, के भीतर प्राक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुनारा;
- (ब) इब स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियं जा सकोंगे।

स्वादिकरणः --- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया? वडा हैं।

वन्सकी

पलट सं ० 105, जो, पहली मंजिल, बी-इमारत, हरेखर ग्रागटंमेंट, एक्तार रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुयूची जैगिकि के सं श्रई-4/37—ई $\frac{1}{2}/2400$ —श्री/84-85 श्रीर जी पक्षम प्राधि वारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रिजिम्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमा**द** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण)** ग्रर्जन रेंज–4, **बम्बई**

दिनांक: 8-5-1985

मोहर 🖫

प्रकार नार्ड . टी. एन. एस. ----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-व (1) के बधीन सूचना

मारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रजंन रेंज-4, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिवांक 8 मई 1985

बायकर अधिनयमं, 1961 (1961 का 43) (विते इतमें इकक प्रथात् 'उक्त अधिनयमं कहा नवा ही, की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सप्तित, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० पलट सं० 603, जो, 6वी मंडिल, बी-विंग, भुलावली टावर्स, सब प्लाट सं० 14-19, देताई शेट नगर, साईबाबा टेम्ल के पास, ग्राफ एस० वि० रोड, बोलिवली (प), वम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), । ग्रीर जियका करारनामा ग्रायकर ग्रधिन्यम, 1961 क. धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि । री के कायालय में रिट्स्ट्री है, दिनांक 1-9-1984, को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य सं कम के द्रवमान शांतफल के लिए बम्बीरत की गई है और ब्राम वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसक द्रवमान प्रतिफल स एस द्रवमान प्रतिफल का बन्द प्रतिकत संवरित का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसक द्रवमान प्रतिफल स एस द्रवमान प्रतिफल का बन्द प्रतिकत संवरित (अन्तरित्रों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गवा बित्रफल, शनम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, उक्त आधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दावित्व में कमी करने या उद्युखे वचन में दुविधा को लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में ख्रिका के लिए;

कतः अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--- (1) श्री सलिम ए० सिगापीरवाला।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती लिना लिलत पालेजा ग्रीर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राष्पत्र में प्रकाकन की तारीख से 45 दिन की जनधिया तत्मवधी व्यक्तियों पर स्थान की ताजील से 30 दिन की जनधि, यो भी समित काद में तजाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस दुवारा;
- (क) इस स्थाना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्भीत्त में हिसबन्ध किसी बन्य व्यक्ति स्थारा, सभाइस्ताकारी के
 पास सिविस में किए का सकेने।

स्वच्छीक एण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त बिध-निवन के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ डागा. वा उस अध्याय में दिया नवा है।

वन्त्ची

भनट सं० 603 जो, 6वीं मंजिल,, बी, विंग, भुलावली टावर्स सब प्लाट सं० 14-19, देनाई शेख नगर, साईबाबा टैम्पल के पास, ग्राफ एस० वी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अरु सूची जैरा कि क० सं० भई-4/37—ईई/12214/84–85 प्रोर जो उत्तर गांजिकारो, बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 का रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजंन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 8-5-1985

प्ररूप बाइ'.दी.एन.एस.-----

काककर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनां हु 8 मई 1985

निर्देग सं० ऋई-4/37-ईई/12112/84-85---- ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), का धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिन्हों सं० दुशान नं० 12, जो, कस्तूरबाग, प्लाट सं० 24 बो/1, टी० पो० एन० श्रास बोरिवली (प०), बग्बई-92 में स्थित है /श्रोर इन्से उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विगन है), ग्रीर जिनका करारनामा ग्रावकर ग्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 कष के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिज्स्ट्री है, दिनांक 1-9-1984

की प्रवेक्त तम्पत्ति के उचित बाबार ब्ल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विध्य से उच्त बन्तरण कि विश्वा में बास्तिक रूप से कि भूत नहीं किया गया है :—

- हुँक) सम्प्राप्त से हुई फिली बान की बानत, उन्ह बॉथनियम के सथीन कार दोने के सम्प्राप्त की दासित्य में कभी करने वा उत्तरी स्थाने में सुनिया की सिए;
- (कं) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के बिक्ट;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) स्काय-बिल्ड प्राइवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री दामजी प्रेमजी पटेल।

(श्रन्तितीं)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कायनाहिया करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वालप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय वें 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तिमां वर सूचना की तामील से 30 दिन की बबधि, थी और अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोच्छा व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इन स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी कें
 वास लिखित में किए जा सकेगे।

स्यक्षाकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनयम क अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं क्षर्य होगा जो उस अध्याय में विका गया ही।

धनु पुची

दुक्तान सं० 12, जो, कस्तूरबाग, प्लाट सं० 24, बी/1, टी० पी० एस० ग्राई० बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है। धनुभूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-4/37-ईई/12112/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधि तरीं सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (तरींक्षण) भ्रजेन रेंज-4. बम्बई

दिनांक: 8-5-1985

मोहर ः

प्रस्य बाइ'. टी. एन. एव. -----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

मार्व तरकार

- कार्यानच्, सहायक जायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनॉक 8 मई 1985

निर्देण स० अई-4/37-ईई/12339/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बावकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसवें इसके प्रकार (उक्त विभिन्नियम) कहा गया है), को कि भारा 269-व के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० पलैट सं० 403, जो, 4थी मंजिल स्नाकांशा 472, एन० वी० पो० रोड, सो० टो० एन० सं० 1405, एनार व्हिनेन, भगवतो: हास्पिटलं कं सामने बोरिनली (प०), बम्बई— में स्थित है (और इन्मे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा स्नायकर स्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के स्रधीन बम्बई िथत सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रिजम्हो है दिनांक 1-9-1984

को पर्वोक्त सम्मित के उचित बाकार मृज्य से कम के दश्यमाम हौतफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्में यह व्यिवास करने का कारण है कि यथापृषेक्त सम्मित्त का उचित बाबार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह हौतकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रति-का, विम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त्र-विक कप से किथत नहीं किया गया हैं:----

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत उक्त बीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के संविक्त के कमी करने या उससे बचने में सर्विधा के सिन्ध; और/वा
- (थ) एसी किसी नाय या किसी धन या बन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनका अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया बाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

बत: बत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :---

- (1) भे उर्स घोतान्झा बिल्डर्स प्राइवेट लि०।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) श्री अशोक अगःवाल।

(ग्रन्तरितीं)

को यह स्वना जारी करके पृवींक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सकत सम्मत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 4 4 दिन के भीतर उक्त स्थायर मण्यांत म दिता है। किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंग ।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, को उस बध्याय में किया वक्षा हैं।

अनुसूची

पलॅंट सं० 403 जो, 4थी मंजिल आहांगा, 472, एस० वि० पो० रोड, सो० टो० एउ० सं० 1405 एक्सार व्हिलेज भगवता हास्पाटल के सामने, बोरिवली (प०) बम्बई—103 में स्थित है।

श्वनुसूची जैंसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/12339/ १4-85 श्रीर जो मक्षम प्राधि हारो, बम्बई द्वारा वि तंक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रपाद सक्षम प्राधिकारी सहाय ह ग्रायकर भ्रायक्त (िरिक्षण), भ्रजीन रेंज-4 बम्बई

दिनांकं: 8-5-1985

प्ररूप बाई', टी. एत. एत, -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक जायकर जायक्स (रिवर्रीक्ष्ण)

अर्जन रेंड-4 बम्बई

बम्बर्ड दिनांक 8 मई 1995

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईटी/12095/84-85--म्रतः मुझे, ए० प्रजाद,

वायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त जिसका उचित्त बाबार मूल्य 1,00000/-रु. से अधिक हैं

श्री जित्तकी सं० फ्लैंट सं० 201, जो, दूसरी मंणिल, इमारत र ● 1, सुमेर नगर, एत० वी० रोड, वोरिवली, बम्बई-99 में ियत हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप पे विजत हैं), श्रोर जिसका करारनामा आयार श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 कथ के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, दिनांक 1-9-1984,

की पूर्वों का संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के सम्यमन प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलंख के अनुसार अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रुग्यमान प्रतिफल से एसे रुग्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्क स्वाप्त (अंतरितयों) के बीच एसे अंतर्क एक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतर्क को लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिश्वित में बास्तिविक रूप से किया गया है:---

- (क) बन्तरण स हुई किसी बाय की बाक्त, उत्तः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाखित्व में कमी करन या उसस बचन में सुविधा के जिए; और/या
- (अ) समी किसी बाय या किसी धन या कन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रशाननार्थ जन्मिति है है होरा प्रवत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने वे सुविधा के लिए:

बतः बब, उबत विधिनियमं की भारा 269-गं के बन्सरण् बे, में उकत विधिनियमं की भारा 269-वं की उरभारा (1) के बजीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :— (1) श्री राजेश एव० कखारीया।

(म्रन्त रक

(2) श्रीमती ज्योत्स्ना वि० मेहला ग्रीर श्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाशेषु 🏣

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिततारों में हो किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के गात विचित्र में सिए जा सकेंगे।

स्वाहीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्स जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

क्लैट सं० 201, जो, दूपरी मजिल, इमारत सं० 1, सुमेर नगर, एउ० वी० रोड, बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैंगा कि कि० सं० म्राई-4/37-ईई, 12095/84-85 स्री जो प्रक्षा प्राधिकारी, बस्वई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रपादः सक्षम प्राधि घरी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 8-5-1985

ब्रुरूप बाइ'. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के बधीन सुचना

मारत सडकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ऋर्जन रेज-4, तम्बई

जम्बई, दिनांक 8 मई 1985

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00.000/- रह. से अधिक है

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 2, जो, ग्राउण्ड फ्लोग्नर, चिखल ग्रणार्टमेंट, बी०-विग, प्लाट सं० 99, प्रूल० टी० रोड़, बोरिवली (प), बस्बई-92 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्नई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमांच प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे ख्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रक्रिक्त सं अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक (अन्तरितयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण जिखित के वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मा क्षमा करन मा उत्तस बचन का सविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों के जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नृही किया गया था या किया बाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात :—
49—116 GI 85

(1) श्रीमती मोहनी मखनलाल टिकू।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बसंत लक्ष्मी नारायण भट्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स् 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाद् लिखित में किए वा सकोंग

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया बया है।

वन्सूडी

फ्लेंट सं० 2, जो, ग्राउण्ड फ्लोग्नर, चिख्न ग्रापार्टमेंट, बी-विंग, प्लाट सं० 99, एल० टी० रोड, बोरिवली (प०), वस्वई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37—ईई/12258/4— 85 श्रौरं जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 8-5-1985

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4. बम्बई

वरबई, दिनांक 8 मई 1985

निर्देण सं ० ग्राई-4/37-ईई/12268/84-85--ग्रतः मझे, ए० प्रमाद,

बायकार अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचःत 'उत्रत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,60,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० फ्लैट मं० 12, जो, इमारत सं० 1, बोरियली गोदावरो को०-श्राप० हा इसिंग मोसायटी लि०, दूसरी मंजिल, कार्टर रोड मंं । बोरिवली (पूर्व), वम्बई-66 मे स्थित है (ग्रंप इससे उपावद ग्रनमुची में और पूर्ण रूप से बाँगत है). ग्रौर जिसका करारनामा साय पर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कुख के ग्रधीन बुस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, दिनांब 1-9-1984.

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रविफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित मं वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविका के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

রत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री होतीसाल सोहनलाल अग्रवाल । (ग्रन्तरफ)
- (2) श्री महेन्द्र दलवतत्वाच शहा ग्रीट श्रीमती एन० तम् ३ ^५ हा ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सचरा जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सुचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिदित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इममे प्रयक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है. बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

पलैट सं० 12, जो, इमारत सं० 1, वोरिवली गोदावरी को०-म्राप० हाउसिंग मोसायटी, 2री मंजिल, कार्टर रोड सं० 1, बोरिवली (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

ग्रन्युची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-4, 37-ईई/12268/84-85 ग्रौर जो स्थम प्राधिवारी, बमबई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को जिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), यानि रेंज-4. बम्बई

दिनांक .8-5-1985 मोहर 🛭

प्रकृष **बाइ.** टी. एन्. **एस**. = ----

भायकर विधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के विधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज-4, वम्बई बम्बई, **दिनां**क 6 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/12538/84-85--मतः मुझे, ए० प्रसाद.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी दुकान सं० 17, जो प्राउण्ड फ्लाग्नर, लॉडबाबा धाम, रामनगर, बोरिवली (ए), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रौर इपने उपाबद्ध ग्रनुन्ती में ग्रौर पूर्ण रूप में बिजत है), ग्रोर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनां प्र 1-9-1984,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का कन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीं) के बीच ऐसे बन्तरम के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण मं हुई किसी मान की बाबत उक्त सर्थिन नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य नास्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकार निधानयम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन्- कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा दा किया नारा वाहिए था, डिपान में स्विधा के लिए,

प्रतः अदः, उत्तः विधिनयम की बारा 269-म के अनुबरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती चतुरी मधनलाल ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सत्यदेवी जी० अग्रवाल और श्री एम० जी० अग्रवाल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वाक्त उष्ट्रीश्च के बर्जन के निर्श कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन. की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति ख्वार, अथोहस्ताक्षरी के पार सिखित में किए बा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, बही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया ही।

जन्सू ची

दुकान सं० 17, जो ग्राउण्ड फ्लोग्नर, साईवाबा धाम, राम नगर, बोरिवली (प), वस्बई-92 में स्थित है।

श्रमुस्ची जैसा कि ए० स० श्रई-4/37-ईई/12538/84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, उम्बई हारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद गक्षम प्राधि ारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-1, बग्बई

दिनांक: 6-5-1985

मोहरु 🛭

गया ह³ <u>:</u>----

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याचय, बहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, वम्बई

वस्बई, दिनांक 6 मई 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रार जिनकी दुकान सं० 2, जो राजेश ग्रापार्टमेंट, एक्सार रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा प्रायक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्राचीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रति-फल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथ्सत नहीं किया

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दीयित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री नवनीतराय मगनलाल वीरा ।

(अन्तरक)

(2) श्रामती जयलक्ष्मी जे० दोशी ।

(म्रन्तरिती)

की यह स्वना बारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

मुची

दुकान सं २ 2, जो राजेश श्रपार्टमेट, एक्सार रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर संर ग्रई-4/3?-ईई/12531/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रिनस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी.
सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण).
श्रर्जन रेंज- 4 वस्वदे

दिनांक: 6-5-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचर

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई वम्बई, दिनाक 6 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/12270/84-85--ग्रतः मुझे, ए० प्रसादः

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी पत्तैंड सं० 1002, जो पहली मंजिल, डी॰—
विग, अलका भवन एक्सार विलंज, बोरिवली (प), बम्बई—
92 में स्थित है (और इस्पे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), अंद जिपका करारतामा सायकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 कुछ के अधिन वम्दई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1—9—1984, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह, प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं कया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुवरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) के० एव० टाइर ।

(ग्रन्तरक)

(2) टुमारो इरेन साल्हाणा ।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से. 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

प्लैट स० 1002, जो पहली मंजिल, डी०-विंग, ग्रन्नका भवन, एक्तार विलेज, बॉरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर स० श्रई-4/37–ईई/12270/84–85 श्रीर को सञ्जम प्राधिकारी, बस्वई हारा दिलांक 1-9–1 84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रशाद नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निर्राक्षण), श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 6--5--1985

प्ररूप बाद्ं.टी.एन.एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की , धारा 269-व् (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यस्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंन--4, अम्बई

बम्बई, दिनां ह 7 मई 1985

निदेश सं० अई०-4/37ईई/12111/84-85-अतः मुझे, ए० प्रशाद,

शायकर अस्ति नयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जिसे अधिनियम कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० दुकान सं० 9, जो, कस्तूरवाग, प्लाट सं० 24 वी/1 तो० गी० ए 1० स्राय०, बोरिवली (प), वस्वई-92 में स्थित है (श्रीर इगसे प्रशब्द स्रनुस्ची में स्रोर पूर्ण रूप से विगत है), स्रोप जनका करारनामा स्रायकर स्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 हव के स्रक्षीत वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी क कार्यालय के रजिस्हो है, जिनाक 1-9-1984.

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिश की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आय को बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक औं डायित्त में कभी करने या उत्तर बच्चे में हुविधा के लिए और/मा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, अन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) स्काय बिल्ड प्राइवेट लिए।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो ग्रार० एस० नाल्ला, ग्रौर श्री एम० एस० माल्ला।

(ग्रन्तिरती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अजन के लिक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पदों का, खो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

दुकान नं० 9, तो, कस्तूप्याग, प्लाट नं० 24 वी/1, टी० पी० एस० आय, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-4/37-ईई/12111/03-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रनाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेंज—,4 बम्बई

मोहर

प्रस्य बाह : टी . एन . एस . ----======

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

धार्यालय, सङ्घायक जायकर जायकत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-4, वम्बई व बई, दिनांक 6 मई 1985

निसंश सं० ग्रई०-2/37ईई/11121/84--ग्रतः मुझै, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम'कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बात्रार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं ० ब्लाक नं ० 204, जो, "सो पर्ल", वर्मोवा रोड, ग्रिशेर (प), तम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, की धारा 269 कुछ के ग्रिधीन सक्ष ग्राधिकारी वे कार्याजय, बम्बई मे राजस्ट्री है, दिनांक 10-9-1984, को पूर्वीकृत संपत्ति के उनित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्हिसिय उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की शावत, उपस अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरण को दाबित्य में कभी करने या उससे बचने का शृक्षिश को सिन्द: बीर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, स्थिनने में स्विधा से लिए;

बत: बब, उक्त अभिनियम की <mark>धारा 269-ग के अनुसरण</mark> में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) चै **अधी**न निम्न**िचित व्यक्तियों, अर्थात् इ—** (1) अतुल बिल्डर एण्ड एसोसिएटस ।

(अन्तरक)

(2) श्री कल्पंण ग्रार० देशाई ग्रौर श्री एम० ग्रार० देशाई (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यशाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति कं अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्रं लंभी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि अंभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्टिन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

ब्लाक नं० 204, जो, सी पर्ल, वर्सोवा रोड, ग्रंधरी (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० स० श्रई-2/37ईई/11121/84-85 श्रीर जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-5-1985

मोहर 😫

प्ररूप बाई. टी. एए. एव -----

गायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महत्यात आयकर आयक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेज-12. व्यवर्ध

बम्बई, दिनां 6 मई 1985

निदेश मं० ऋई ·2/3७ईई/11120/84--85----ऋतः मुझे, सक्ष्मण दास,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-च के अधीन राजम प्राधिकारी को यह विश्वास करां का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/- क. से अधिक है

अौर जिल्की सं० व्लाह नं० 202. जो. मी पर्न. इसींचा रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद अनु-सूचों में और पूर्ण रूप से विणित हैं). और जिल्ला ए रारनामा आयाजर अधिनियम की बारा 269 लो के घ्यतिन, सक्षम प्राधि-कारी के बार्यालय में वम्बई में रिल्स्ट्रो है, दिलांक 10-9-1984,

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्वित अध्यार मृत्य सं कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की रही है और मुफे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथाप्वेक्ति सपित्ति का जीवत बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निविश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, धक्त अधिनियम के रूपीन कर दोने के बन्तरक के अधिक्ष से कार्य कार्य मा नुसबी बनने में गविशा जे लिए; बीद/बा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय श्रायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1057 (1057 का 27) के अयोजनार क्लिक्ट अना काहिए का खिलाने में क्लिक्ट अना काहिए का खिलाने में क्लिक्ट के निए;

(1) अतुल विल्डर एण्ड एसो लिएटम ।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री स्रन्दू स्वामी और श्रीमती फिलोमिन सन्दू। (स्रन्तरिती)

को यह मुचना आही करकं पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजात में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिसों पर सूचना कि तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में स्वाकान की तारीख से 45 दिस के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के

स्पद्धीकरण .— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया -नवा है।

धन्सूची

ब्लाक नं 202, जो 'सी पर्ल, वर्सीवा रोड, अंधेरी (प), बम्ब-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/37ईई/11120/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 10-9-1984 को रिजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्राय ार स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेज-2, बम्बई

अत अत. उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अन्यरण मो, मों, उपन अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन रिपालिसित, व्यक्तियों. अर्थात :—

दिनांच : 6-5-1985

प्रस्य बार्ड . टी. एन. एस.-----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-म (1) को मधीन स्थान

मारत स्रुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज- 2, बम्बई
बम्बई, दिनांऊ 6 मई 1985

निदेश सं० अई०-2/37ईई/12936/84-85 अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसके इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रः. सं अधिक है

ब्लाक नं० 301, जो, "सी पर्ल", सीं० टीं० एस० सं० 1318/1, 90 ग्राफ वर्सोवा रोड, प्रताप सोसायटीं के सामने, अंधेरीं (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, की धारा 269 कख के ग्रधींन सक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय अम्बई में रिजस्ट्रीं है, दिनांक 29-9-1984,

को वर्बों कत सम्वित को अधित बाबार मृत्य से कम के प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके अश्वमान प्रतिफल सो, एसे अश्वमान प्रतिफल सा पंवह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित जिन्तरितियाँ) के नीए एसे अन्तरक के लिए तब पाया कता प्रतिक्रल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरक निम्नलिखत अहिन का प्रतिक्रम करण से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से ह**र्ड किसी आ**य की बाबत, उनका, अधिनिरम के उप्तीन कर देने के पन्तरक के दार्यस्य में कमी करने या उनम नर को उन्ति स
- (क) श्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ क्रि. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 '१922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था. खिपाने में सुविधा के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 50-116GI/84

(1) अतुल बिल्डर्स एण्ड एसोसिएटस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीं मोहम्मद यूसुफ।

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिखु कार्यवाहियां करता हुं

उन्त स्पत्ति के अर्जन के सर्वेष में कोई भी त्राक्षेप :--

- (क) इस धूचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष से .15 दिन की अविधि या तत्स-जन्भी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ब्धाइस्ताक्षरी के पास निस्ति में किस वा सकेंगे।

स्पद्धते करणः — इसर्यो प्रयुक्त संबंधों जौर पद्धों का, यो उन्ह अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा नहां हैं।

ब्लाक सं० 301, जो, "सीं पर्ल", सीं० टीं० एस० सं० 1318/1, 90 ग्राफ वर्सोवा रोड, प्रताप सोसायटीं के सामने, अंग्रेरीं (प), बम्बई- \cdot 58 में स्थित है।

ग्रनुसूचीं जैसा कि कि सं $\sqrt{3} = 2/37$ है $\sqrt{12936/84}$ 85 और जो सक्षम प्राधिकारीं, बम्बई द्वारा दिनांक $\sqrt{29-9}$ 1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-5-1985

मोहर ४

प्रकथ बार्ड. टी. एन. एस. -----

269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/12989/84-85---म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कमरा नं० 60. पहली मंजिल, रोशनलाल स्रग्नवाल शापिंग स्नाकोंड, स्नाफ जे० पीं० रोड, एस० सं० 41 (अंश), स्रपना घर के पास, वसींचा, अंधेरी (प), बम्बई--58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिपात करारनामा स्नायकर स्रधिनियम, कीं धारा 269 हवा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रों है, दिनांक 29-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, 'नम्निलिंखत उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में गम्निक रूप से किया गया है :—

कानान मं इ.शे किसी बाद की बादस, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाभित्व में कामी कारने वा उच्छे अचले में स्विक्श जानए, और/मा

े एमी जिसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों स्ते, जिन्हों भारतीय आव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्या था या किया जाना चाहिए था, डिप्पन में गुडिन्ध के किए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्धरण में, में, उक्त आंधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. जिम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेमर्स ग्रार० एन० ए० बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमतीं हरवंस कौर मोइ।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्कां।

स्पच्छोकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सची

यमरा नं० 60, जो, पहली मंजिल, रोशनलाल अग्रवाल शापिंग आर्केड, आफ जे० पीं० रोड, एस० नं 41 (अंश), अपनाघर के पास, वर्सोवा, अंधेरीं (प), बम्बई-58 में स्थित

अनुसूची जैपा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/12989/84-85 और जो रक्षम प्राधि गरीं, बम्बई द्वारा दिनांक 29-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिः । री, सहायवः स्रायकः स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जनः रेज--2, बम्बई

दिनांबा : 6-5-1985

मांहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के वधीन सुचना

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1985 निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/12440/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी नं ० फ्लैट धं ० 804, जो, 8वी मंजिल, इमारत प्रिमियम टावर्स, प्लाट सं ० 351, एस० नं ० 41 (अंश), 4 बंगला, वर्सोवा, अंधेरीं (प), वस्वई—58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम कीं धारा 269 कख के अधींन, सक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 14—9-1984

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्र्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतर्रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तविक रूप में किश्रत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
-) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यः धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा कै लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्र (1) मेमर्स लोखण्डचाला इस्टेटस एण्ड डेवलपमेंट कम्पनीं (प्राइवेट) लि०

(भ्रन्तरक्)

(2) मे अर्स मक्तींल एण्ड मागोर लिमिटेड। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्मृत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त खिलसों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास खिखात में किए जा पक्षे

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम हो दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 804, जो, 8वी मंजिल, इमारत प्रिमियम टावर्स, प्लाट सं० 351, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगला, वर्सोंचा, अंधेरीं (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुभूचीं जैसा ि क० सं० श्रई-2/37-ईई/12440/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारीं, बम्बई द्वारा दिनांक 14-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई -1

दिनांक : 6-5-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गामृक्त (निरीक्षण)

ऋर्जन रेंज-2, बम्बई तम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं ग्रई-2/37—ईई /12433/84-85—ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1411 जो 14वी मंजिल इमारत मग्नम टावर्स प्लाट नं 357 एस नं० 41 (अंश) 4 बंगला वर्सोवा अंधेरी (प०) बम्बई—58में स्थित है (और इससे उपाबक ग्रनुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 14 सितम्बर 1984

कां पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलंख के अनुसार अन्त-रित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उक्के दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- [क], जन्बरण से हुई किसी आय की बाबत. उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचके में सुविधा के सिए; और/पा
- (ण) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना लाहिए था, जिल्लाने में स्विधा के लिए;

कतः कव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) मैसर्स लोखंडवाला इस्टेटस कंपनी (प्रा०) लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्स मझनेल एण्ड मागोर लिमिटेड (ग्रन्तरिती)

को भह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए ार्वय हेयां ११ करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के कर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ा दिन की जबिंध या तत्त्रस्वनंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भं अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर काशिनाकों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो.
- (क) इस स्थान के राज्यत में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के शीसर स्थल स्थानर सम्बन्धि में हितनस्थ किसी सन्य व्यक्ति स्थारा स्थाहस्थानाती के पास दिस्तिस में सिक्ष वा सकोंने :

लख्डीकरण -- इश्वर्ण प्रयान्त शब्ध और पदी का, जो स्वर्क विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहा वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवर गया है।

ग्रनुसूची

"फ्लैट नं० 1411 जो 148ी मंजिल ६मारत मग्नम टावर्स, प्लाट नं० 357 एस० नं० 41 (अंश) 4 बंगला वर्सोवा अंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं० ग्रई-2/37ईई/12433 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 14 सितम्बर 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-5-1985

प्रस्य बार्ड ्टी एन . एस . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के अधीन स्चना

बारत सरकार

कार्यालय, महायक गायकर गायकर (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, वस्बई

बम्बई दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37, ईई/12431/84-85—-म्रतः भुक्षे, लक्ष्मण दास

गायकर विधित्तवम, 1961 (1961 का 43) (जिल इसम् इसद: परात् त ए विभिन्न में क्या एक हो। एट बार-269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उलित गजार मुस्य 1,00,000/- क. से अधिक है

और जिसकी रूं० फ्लैंट नं० 1512 जो 15वीं मंजिल मग्नम टावर्स ६मारत, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगला वर्सोवा अधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है (और ६ससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिक्षिनयम की धारा 269 क ख के ग्रिक्षीन, सक्षम प्राध्कारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 14 सितम्बर 1984

की प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसक अग्राम प्रात्तिका स्वाप्ति का उचित बाजार मून्य, उसक अग्राम प्रात्तिका स्वाप्तिका की कीर बंतरिक (अंतरकार्ते) और अंतरिती (अन्तरितिशों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय याया बजा प्रतिकत मिन्तिस्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हा में वास्तिवक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त कि नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; बार/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्न बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा विद्या

बत: अब. नकत बाँधनियम की धारा 269-ग के अनुसरक मों, मों, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, सर्थात् ध--- (1) मैसर्स लोखंडवाला इस्टेटस एण्ड डेव्हलोपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि०

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स मक्नेल एण्ड मागोर लिमिटेड

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्चन के लिए कार्यव्यक्तिया करता हो।

उक्त सम्पित के अर्जन के सम्बन्ध मा कोड़ा भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति एकर.

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

वन्स्ची

पलैट नं० 1512, जो 15वीं मंजिल, मग्नम टावर्स इमारत, प्लाट नं० 357, एस नं० 41 (अंश) 4 बंगला/ वर्सीवा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसािक कि सं ग्रई-2/37-ईई/12431/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-5-1985

प्रक्ष थाई'.टी एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

शार्यालय, सहायक बायका बायका (निरक्षिक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निदंश सं० ग्रई-2/37-ईई/12430/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उच्चित बाबार भूउ

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं० पलैट गं० 1612, जो 16दी मंजिल
मग्नम टावर्स इमारत, प्लाट नं० 357 एस गं० 31 (अंग)
4 बंगला, वसींवा अंदेरी (प) वम्बई-58 में स्थित है
(और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है
ग्रीर जिनका जरारनामा आवरूर अधिनियम की धारा
269 केंद्र के ग्रद्धीन सक्षम प्राह्मिकारी के कार्यालय, बम्बई
में रजिस्ट्री है दिनांक 14 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है बार मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मस्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाना चया शिंद-फस निम्निनियत उद्द स्य से उक्त कन्तरण निकित में बास्त-विक रूप से कथिल नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की अन्तर क्यार अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की सिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्द्रांरतो व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, क्रियान में सुविधा वे हिस् ।

बत: वब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के जन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के क्यीन, निम्नतिश्चित व्यक्तियों, वर्षात्:— (1) मैसर्स लीखंडवाला ६स्टेटस एण्ड डेव्ह्लोपमेंट कम्पनी (प्रायवेट) लि०

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स मक्तेल एण्ड मागोर लि०

(अन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोंक्त संपरि के बर्चन के किए कार्यवाहियां करना हूं।

दकत सम्परित के सर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क 45 बिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 बिन की बर्बांध, जो महै अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा गया है।

बन्स्ची

फ्लैट नं० 1612, जो, 16६ी मंजिल, मग्नम टावर्स इमारत; ब्लाट नं० 357, एस०नं० 41(अंश) 4वंगला वर्सोवा,अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कि कि सं श्र श्रई-2/37ईई-/12430/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 14 सितम्बर 1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 6-5-1985

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भार 269-श (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2 बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/ 12437/84-85 — म्रतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

आयवार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उच्चित प्राकार मुन्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैंट नं० 1404 जो 14वीं मंझिल प्रिमियम टावर्स इमारत प्लाट नं० 351 एस नं० 4 (अंश) 4 बंगला ओशिवरा वर्सोवा अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्दी है दिनांक 14 सितम्बर कृ1,984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निजिति उच्चेश्य से उनत अन्तरण िजिल में वास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरूप वे हुई किशी बाब की बाधत, उपल विधितियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उद्धर्श वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाब वा किसी पून वा बुन्ब बास्तिकों का , जिन्हों भारतीय बाब-स्वर विधिनयम , 1922 (1922 का 11) या उक्स विधिनयम स्व धनकर विधिनयम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा. जिपाने में निवध के लिए:

बतः कवः, उक्त अिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियमं की धारा 269-चं की उपभाग (1) कें बाभीन, निम्निस्टिक व्यक्तियों बर्धात --

- (1) मैसर्स लोखंडवाला ध्स्टेटस एण्ड डेवेलोपमेंट कंपनी (গ্লাত) লিত ।
 - (ग्रन्तरक)
 - (2) मैसर्स मैक्नेल एण्ड मागोर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पृशाँक्त सम्मृतित के अर्जन के तिहुए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के अम्बन्ध में कोई भी बाक्षय:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विक् की जबिथ या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी विषयि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से फिसी व्यक्ति दुवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यावत द्वारा अधाहस्ताकारी कि गर्छ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा है।

वगत्त्रची

'फ्लैट नं० 1404, जो 14बीं मंजिल प्रिमियम टावर्स ६मारत, प्लाट नं० 351, एस नं० 41 (अंश) 4 वंगला, ओणिवरा वर्सोवा अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है। अनुसूची ऊँसा कि ऋ० सं० स्रई-2/37–ईई/ 12437/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक :- 6-5-1985

प्रस्थ बाह् . टी . एव . एक . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कायालय, सहायक **बायकर वायुक्त (निरीसण)**

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निर्देश सं० अई०-2/37 ईई/12442/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं पलैट नं 1511, जो, 15वीं मंजिल, इमारत मैन्नम टावर्ष, प्लाट नं 357. एप० नं 41 (ग्रंश) 4 बंगला, वर्मोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई--58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूए से वर्णित है). ग्रौर जिसका करारनाम! आएकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 14 सितम्बर 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सर्पात्त का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-बिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) असरण ने हुई किसी बाद की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए, और / मा
- (ख) एमी किसी काय या किसी धन या बन्य बास्त्याँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जिन्हों की प्रिकृत की प्रतियम, या जिन्हों की प्रतियम, 1957 (1957 का 27) अधान अधि अधान की दिन्हों किया का धा या जिल्हा जाना चाहिए था, कियान में जिल्हा के लिए

अत्त. बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, भं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के बधीन निम्तिसिक व्यक्तियों, वर्षात :---

(1) मेसर्स ली बंडवाला इच्टेटस एंड डेवेल मेंट कंपनी (प्राइवेट) लिए ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्म मै हनेल एण्ड मागोर लिमिटेड ।

(अन्तिरिती)

स्त्रे वह बुलना नारी करके पूर्वों बढ़ सम्मृतित के धर्मन के निय्

्रम्य सक्राहित से बार्च के प्रसार करता थी आसीए .--

- ्रिको इस सूचना के रायपत्र में प्रकासन की तारीस है 45 दिन की जनिय या तत्संत्री व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविद्या में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कितबब्ध किसी अन्य व्याक्त द्वारा, अवाहरताक्षरा है
 नास निविद्य में किए दा रुकारों।

स्यष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया हा। है।

ग्रन्स् ची

फ्लैंट नं० 1511, जो, 15वीं मंजिल इमारत मैम्नम टॉवर्स, प्लाट नं० 357, एम् नं 41 (प्रंश), 4 बंगला, वसीवा, श्रंधेरी (प०), वस्वई+58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37 ईई/12442/ 84-85 और जो संजन गाँच हिंदी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-9-1984 को रेजिएटई दिया पित्त है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी भहाय हे अत्यहर स्राधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2. बम्बई

ोदनांक: 6-5-1985

इक्ष्य बाह्र'. टी. द्य. व्य. ----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 **का 43) की** धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. बम्बई बम्बई दिनांक 6 मई 1985

अई-2/37 ईई/12117/84-85--अतः निर्देश सं० मझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1505 जो, 15वीं मंजिल, प्रिमियम टावर्स इमारत, प्लाट नं० 351, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प०), वम्बई-58 में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से वृणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयहर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 11 सितम्बर 1984

को पूर्वीक्त सम्बत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की ग**र्इह कि मुफ्ते यह विश्वास** करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ड्यमान प्रतिफल से एेसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के निष्ट तब शाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्देश सन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंदित नहीं किया गवा है:---

- (क) बन्तरूप से हुई किसी बाब की बाबस , इस्त मिशिनयम के मधीन कर दोने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसतें बचने में सविधा के लिए; और/बा
- (ब) ऐसी किसी जाब या किसी धन या उत्तर आस्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर बिश्तिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना था, छिपाने में सविधा के लिए.

लक्षः वर, उक्त विधिनियम की भारा 269-न के वस्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कं क्रभीन, निम्नलिश्वित व्यक्तिवाँ, अर्थात् :--51-116 GI/85

(1) मेसर्स लोखंडवाला इस्टेटस एंड डेवेलेपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि॰।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स स्टेन्डर्ड बैटरीज लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अन्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरो के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क बाधनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा न्या है।

अनुसुची

फ्लैट नं० 1505, जो, 15वीं मंजिल, प्रिमियम टावर्स इमारत, लाट नं० 351, एस० नं० 41 (श्रंश), 4 बंगला, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37 ईई/12117/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बमाई

दिनांक: 6-5-1985

मोहरु 🛭

प्रसम् बाह्र .टी .पम् .एन . -----

बायकर वर्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्वना

भारत रहकात

काबातय, महायक बायकर बायुक्त (विरोधण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निर्देश सं० ्राई-2/37-ईई/12737/84-85--अत:

मुझे, लक्ष्मग दास,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं पलैट नं 102, जो 1ली मंज़िल, इमारत होमकोर्ट, प्लाट नं 336, एस जं 41 (ग्रंश), 4 बंगला, ग्रोशिवरा वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई – 58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वंणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, 22-9-1984

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्ह त निधिनयम के नधीन कर दोने के अन्तरक ने दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा ने बिए; बौर्/वा
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विया के किए:

अतः अब, उव त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) मैसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस प्राइवेट लि॰। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती शिल्पा मनिष मेहता ग्राँर श्री रमेश विमनलाल शहा,।

(अन्तरिती)

स्त्रे वह सुपना धारी करके पृश्वें कर सम्पृतित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

इस्त इम्बरित के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचिता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के ग्रस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शुब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फ्लैंट नं० 102 जो 1ली मंजिल इमारत होमकोर्ट फ्लाट नं० 336, एस्० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, ग्रोशिवरा, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कं सं० अई-2/37 ईई/12737/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण, दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 6-5-1985

मुख्य बार्ष .दी.स्य .एक. नवान्यनगरान्य

बायकर बिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) वे बचीन स्वना

शास्त्र दरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/12439/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स की अधीन सक्षम प्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० फ्लैट नं० 903 जो 9 वो नं जेल, इमारत प्रिमियम टावर्स, प्लाट नं० 351, एस० नं० 41 (प्रंग), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), वम्बई-58 में स्थित हैं (ग्राँर इसने उपावद्ध अनुसूची में ग्रौरपूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम 1961, की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री है, 14-9-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जनतरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त शोधनियम के बधीन कर दाने के खन्तरक के दावित्व में कभी करने वा उससे क्यने में सुविधा भी मिए: न्योर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, विन्तुं भारतीय बाय-कर बिधिनयम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त बिधिनयम, वा धन-कर बिधिनयम, वा धन-कर बिधिनयम, वा धन-कर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, डिपाने में विषय के बिए.

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) मैसर्स लोखंडवाला इस्टेट्स एंड डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि० ।

(अन्तरकः)

(2) मैसर्स मक्नेल एंड मागोर लिमिटेड । (अन्तरिती)

श्री वह तृषना वारी करके पूर्वों क्त सम्मित्ति के वर्षन के लिख्य कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्परित के बर्चन में उच्चन्य में कोई भी बाह्मेप् म=

- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकासन की तारी के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्त में किए जा सकेंगे।

संख्यीकरणः -- इसमे प्रयुक्त बब्बों और वदों का, वो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा वो उस बध्याय में दिया गया है।

मन्त्र्यी

फ्लैट नं० 903, जो 9वीं मंजिल, इमारत प्रिमियम देवर्स, प्लाट नं० 351, एस० नं० 41 (श्रंश), 4 बंगला, वर्सीवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37 ईई/12439/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 14-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायनः आयंक्र (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्वई

दिनांक: 6-5-1985

प्रकर बाद'.टी. युन्. एक .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/12435/84-85—- ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियभ' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1403, जो 14वीं मंजिल, इमारत "प्रिमियम टावर्स" प्लाट नं० 351, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगला, वर्सोवा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनयम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 14-9-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्तुइ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्धरण से हुई विक्की बाव की बावता, उनक् वृत्तिविवव में स्थीन कार दोने के बन्तरक के दावित्व में कभी करते वा उत्तसे बचने में सृद्धि के लिए; स्रोर/या
- (भ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में रिवधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :—

- 1. मैसर्स लोखंडवाला इस्टेट एण्ड डेवलपमेन्ट (प्रायवेट) लिमिटेड (ग्रन
- मैसर्स मैक्नेल एण्ड मागोर लिमिटेड।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्वानित सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, को भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्ति में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थल्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

बन्स् भी

पलैट नं० 1403, जो 14वीं मंजिल, इमारत ''प्रिमियम टावर्स" प्लाट नं० 351, एस० नं० 41 (अंग), 4 बंगला, वर्सीवा, अंधेरी (प०) बम्बई-58में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/12435/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 6-5-1985 |

त्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/12443/84-85—ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास.

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1611, जो 16वों मंजिल, मंग्नम टावर्स इमारत, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (अंश) 4 बंगला, वर्सीवा अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इस उपबाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप विगत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है दिनांक 14-9-1984

को पूर्वोक्श संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्त में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय कर बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे कचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उधत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों. उर्थात :----

- 1. मैसर्स लोखंडवाला ६स्टेट्स डेवलपमेन्ट कंपनी प्रा० लि० (ग्रन्तरक)
- 2. मैसर्स मैक्नेल एण्ड मागोर लि० ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्ते सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिसों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख अ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पट्टोकरण:—इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्यी

फ्लैंट नं० 1611, जो 16वें मं'जल, मैग्नम टावर्स इमारत, प्लाट नं० 357 एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि गं० ग्रई-2/37ईई/12443/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-9-1984 को रजिस्टई किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-5-1985

प्रक्ष बाई.. टी. एन्. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

हारत चडुकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निर्देश सं० ऋई-2/37ईई/12432/84-85—यतः, मुझे, लक्ष्मण दास.

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1412 जो 14 वीं मंजिल, इमारत मॅनिम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगला वर्सोवा, अंधेरी (प०), वम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम आधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजिस्ट्री है दिनांक 14-9-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नवा है :—

- (क) बन्दारण स हुई किसी बाय की बाव्य, उच्छ बिधिनियम के बधीन कर दोने के बंधरण के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बौर/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्यू बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तृ अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसर्भ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स लोखंडवाला इस्टेट एण्ड डेवलपमेन्ट कंपनी (श्राइवेट) लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स मक्नेल एण्ड मागोर लिमिटेड । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पत्ति के वर्जन् के शिष्ट कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कृत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ सिहिस्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टाकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्रची

फ्लैंट नं० 1412, जो $14\,$ बों मंजिल, इमारत मॅग्नम टावर्स प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगला, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई- $58\,$ में स्थित है

स्रनुसूची जैसा कि कि० सं० स्रई-2/37ईई/12432/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 14-9-1984 को रजिस्टर्ङ किया गया है

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्व^ई

दिनांक : 6-5-1985

माहर:

प्ररूप आईं.टी.एन.एस-=----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

ि नर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/12738/84-85—यतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भ्रमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार २69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 102 जो 1ली मंजिल, इमारत प्राईम रोझ, प्लाट नं० 318 एस० नं० 41 (अंश), वर्सोवा, 4 बंगला, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 22-9-1984

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमार जितकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल कर जिल्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (गृंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया एतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में जास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिरं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, इ धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयः शा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधः के लिए:

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-र के अनुसरण कै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मसर्भ लोखंडवाला श्रिमायसेस श्रायवेट लि० । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रमोना एम० वाझ और श्री प्रान्झको वाई।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कि

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारी है त 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी क्या क्तया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जॉ भा अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

णब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गर्क है।

वन्स्या

फ्लैंट नं 102 जो, 1ली मंजिल, प्राईम रोझ इमारत, प्लाट नं०, 318, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगला, वर्सोंवा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि कि सं स्रई-2/37ईई/12738/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेज-2 बम्बई

दिनांक : 6-5-1985

साहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायफर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिगायम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 803 जो, 8वीं मंजिल, इमारत प्रिमियम टॉवर्स, प्लाट नं० 351, एस नं० 41 (अंश), 4 बंगला, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री, है दिनांक 14-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--- (1) मैसर्स ं लोखंडवाला इस्टेटस एण्ड डेवलपमेन्ट कंपनी प्रायवेट लिल ।

(ग्रन्तरक)

2 मैमर्स मक्तेल, एण्ड मागोर लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए।जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

पलैट नं० 803 जो 8वीं मंजिल, इमारत प्रिमियम टाँवर्स, प्लाट नं०, 351 एस० नं० 41 (अंश) 4 वंगला, वसींवा, अंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है

ग्रनुसूची जैसा कि के० सं० ग्रई-2/37ईई/12436/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांकः 14-9-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-5-1985

मोहर.

त्रक्ष बार्'.टो.प्ष.प्र

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन स्मना

बारुत बरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देकिण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बस्बई, दिनांक 6 मई 1985 निर्देश सं० मई-2/37ईई/12739/84-85—यतः, मुझे,

लक्ष्मण दास, बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

कावकर आधानयम, 1961 (1961 की 43) (जिस इसम इसके पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैटनं० 507-सी जो 5वीं मंजिल, मोन्टाना इमारत, प्लाट नं० 4, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगला, वर्सोवा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अिंदिनयम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 22-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रथमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है द

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाब की बावत, उक्त बिधिनयम के बधीन कर दोने के सम्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के चिए; बौर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों स्त्रों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने औं स्विधा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् रू— 52--116 GI[85

- (1) मैसर्स लोखंडवाला प्रिमायसैस प्रायवेट लिमिटेड। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रमेश ग्रडवानी और भोजराज ग्रडवानी। (ग्रन्तरिती)

की बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी धू से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया

वनुसुची

फ्लैंट नं० 507-सी जो 5वीं मंजिल, मोन्टाना ६मारत, प्लाट नं० 4, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगला, वर्सोवा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

स्रत्भूची जैसा कि ऋ० सं० सई-2/37ईई/12739/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक : 6-5-1985

मोहर 🖫

बायक द्व अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्क 269-ज (1) के अधीन सुजना

HIST GRAIN

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/12935/84-85—श्रत:, मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने क. कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्स् 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 4 जो विदर्भ सम्प्राट को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 93 सी० वि० पी० रोड, विले पार्ले, बम्बई-56 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 कख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 29-9-1984

का प्रतिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ययमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अध्कि है और अंतरक (अंतरकों) और अंबरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहों किया गया है:——

- (क) कन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त बीभीनवस के बभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के किए; बोर/वा
- (क) ऐसी किसी जाव या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाडिए था जियाने में सविधा के निए:

क्तः वन, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नजिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. श्रीमती पुष्पा एस० कोहली।

(ग्रन्तरक)

2. म्रार०के० महेश्वरी (एच० यू० एफ०)

(ग्रन्त(रती)

को यह सूचना बारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्द सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत् ।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ण

स्मच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मुंबा हैं।

अनुसूची

दुकान नं० 4 जो विदर्भ सम्राट को-म्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 93 सी० वि०पी० रोड, विलेपार्ले, बम्बई=56 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/12935/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-5-1985

मोहर 🛭

प्रस्थ बाइ दी. एन . एस . -----

आयफर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन त्यना

धारत सरकाड

कार्यालय, सहायक नायकार नायकत (निर्वासण)

ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/12515/84-85--- ग्रत: लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'जनत् अधिनियम' कहा गया हैं), अही भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पतित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० बी/103, जो 1 ली मंजिल हिन्द सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, अंधेरी कुर्ला रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वाणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 17-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित् बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गुरा प्रतिफल निम्नलिबित उद्देश्यु से उक्त बन्तरण निषित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) वंतरण से हुई किसी नाम की बाबता, उक्त विभिनियम के बधीन कर दोने के बांतरक के दाशित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य अहिस्तयों को, जिन्हें भारतीय बायकर विश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंदरिती दुनारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम कौ धार्य 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क्षे अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

1. कुमारी रत्नी नारायण दास खेमलानी।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स सिम्मी इंडस्ट्रियल मशिनरी मैन्युफैक्चरिंग कारपोरेशन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह त्वना वारी करके प्यामित सम्पत्ति के वर्षन के ज़िल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की ताजील से 30 दिन की अवधि, जो भी नविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- बा) इस स्चना के सम्बपन में प्रकाशन की तारीख ही 45 दिन के भीतार ब्रक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास खिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उसा अध्याय में दिया न्या है ।

अनुसूची

युनिट नं० बी/103, जो 1ली मंजिल हिन्द सौराष्ट्र इंडस्ट्रिल इस्टेट, अंधेरो-कुर्ला रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

म्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० म्रई-2/37ईई/12515/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 6-5-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई वम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/12494/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं दुकान नं 4, जो ग्राउन्ड फ्लोर, एस० नं 217, ए० नं 1 (ग्रंग) सी०टी० एस० नं 744, व्हिलेज इर्ला विले पार्ले, (५०), वम्बई-56 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 15-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के स्वमान कितफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाग या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः तम, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जभीन, निम्निजिबत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मैसर्स आल इंब्डिया, हाय सप्लाइंग कंपनी (अन्तरक)
- 2. रमाणंकर कंवलसिंग ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना भारी करके पूर्वोक्त सम्मीत के अर्चन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त तन्त्रति के वर्षन के तन्त्रन्थ में कोई भी वासोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र तें प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो जी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इसत्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबध्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरि।

स्पष्टीकरण :--- इसमें प्रयुक्त घट्यां और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाकित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा है:

प्रमुखी

वुकान नं० 4, जो ग्राउन्ड फ्लोर, एस० नं० 217, एच० नं० 1 (ग्रंश), सी०टी एस० नं० 744, व्हिलेज इली, विले पार्ले (प०), बम्बई-56 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से अई-2/37ईई/12494/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गथा है।

नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

विनोक: 6-5-1985

भोहर 🖫

त्रक्ष वार्दं .टी .एन .एस . -----

बायकर विविनयम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) की स्थीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, महायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 2,

बम्बई, दिनाक 6 मई 1985

निदेश सं० अई/2/37ईई/12884/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज्ञ्चत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं शांतीकुंज सी े टी े एस े नं 187. एच े नं 1 (ग्रंश), सी े टी े एस े नं 876,876 1, 2, 3, दादा-भाई कास लेन, नं 2, विले पार्ले, ग्रंधेरी, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 28-9-1984.

को पूर्वोक्त सम्बत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रसिक्त को लिए अन्तरिसी की गई और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिक्त सं, एसे द्रियमान प्रतिक्त का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्वरिती (अन्तरितियों) को कीय एसे सन्तरण के लिए तब गाम गया प्रतिकात निम्मिसिस उद्देश्य से उक्त अन्वरम् लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (स) बक्तरण में हुएं किसी जाब की बाबत, उसत अधिवियम के अधीन कर दोने के अस्तरक खे स्वियत्व में कवी करने या उसते वचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 राज्य का किसी प्राप्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती युवास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अधीत —

- 1. श्री अनिरू आचार्य, अरू वेंकटाचार्य ग्रीर अन्य (अन्तरक)
- 2. श्रीमती कुं० मंजुलाबेन एम० आचार्य । (अन्तरिती)

को यह स्वता बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के बिध कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सन्परित के कर्षन के सन्धन्य में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीय से 4.5 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पद सूचना की तानीस से 30 दिन की अवधि, जो भी सवधि बाद में इमाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राज्यका में प्रकाशन की रारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किती अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्वक्षीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सब्दों बार पदों का, को उक्स अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया गया है।

प्रमुस्षौ

शांताकुंज, सी० टी० एस० नं० 187, एच० नं० 1, सर्वे नं० 876, 876/1, 876/2, 876/3 दादाभाईकास रोड, लेन नं० 2, विले पालें, श्रंधेरी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० अई-2/37ईई/12884/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 28-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक 6-5-1985 **मोहर** ब प्ररूप बाईं, टी, एत. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के समीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज 2, वस्वई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निवेश सं॰ अई-2/37ईई/12703/84-85---यत:, मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाख 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लट नं० 61/108, जो जम्बो दर्शन अगेल्ड डोंगरी, रोड नं० 2, ग्रंथेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप वणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 22-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबन उसत अधि-नियम के बचीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; बार/वा
- (ब) एसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

बत: धव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनसरक मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क 1 श्री दिलीप वि० खटखटे।

(अन्तरक)

2. श्री माधव खटखटे।

(अवतिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के दिनक् कार्यनाहियां करता हो।

उन्त संपत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी वाक्षेप =-

- (क) इस सूचना के उपजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचवा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के सस सिवित में किए वा कर्जन।

स्पब्दीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-जियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

फ्लैट नं० 61/108, जो, जम्बो दर्शन, ग्रोल्ड डोंगरी नं० 2, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई 69 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क० सं० अई-2/37-ईई/12703/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 22-9-1984 को रजिस्टर्ड किया।गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 6-5-1985 मोहरू ध प्रस्त कार्' ही, एन, एस. = - ----

श्री मंजुलाबेन, बी० मुनी ।

(अन्तरक)

2. श्री बसंतबेन, जे० संघवी।

(अन्तिरती)

भावकर विकित्यम , 1961 (1961 का 48) की वास 269-म (1) के विकेत सूचका

real estate

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/12676/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण $\sqrt[3]$ दास,

जायकर जिथीनयम, 1961 (1961 का 43) (धिसे इसमें इसके परनास् 'उमक अधिनियम' कहा क्या हैं), की पास 269-स के जमीन सक्य प्राधिकारी को यह क्रिकास करने का कार्य हैं कि स्थाधर सम्पत्ति विस्तान उपित नाजार मूख्य 1,00,000/-रा. से विधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं फ्लट नं 12, जो इन्द्रलोक, "बी", ग्रोल्ड नागरदास रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप वर्णित है) ग्राँर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की घारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 21-9-1984

को पूर्वोक्त तब्बित के उचित बाजार मूल्य से कम के उपयमान प्रिक्तल के खिए बच्चिरित की कई है और मुक्ते वह विश्वास करने का करका है कि स्थाप्नोंकत स्थापित का स्थित बाबार मूक्य, स्थले स्ववान प्रिक्तिक से एसे स्ववान प्रिक्तल का पंडह प्रविक्त कि विश्वास का पंडह प्रविक्त कि विश्वास का पंडह प्रविक्त कि विश्वास की स्थाप की करनीरती (कन्तिरित्याँ) के बीच एसे बच्चरण के लिए तय पाया गया विक्तत , विम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण विश्वास में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है इ—

- (क) जन्तरण से इन्हें किसी आव की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाजित्व में कभी करने वा अनसे उक्त में मितिशा के निष्ह और/वा
- (७) इसी किसी नाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को सिन्हें भारतीय अध्यक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अस्कार अधिनियम, या अस्कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारवार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट कहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था. छिन्हों भी सुविवा को हैं जहां;

बत्ध अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की डपधास (1) के अधीत, निम्नितिस्ति व्यक्तियों, अर्थस — को कह कुकला बास्ती करकी वृत्तींक्स संपत्ति के तर्वन के लिए कार्यवाहिक्स करता हूं।

उपय सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (समें इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अन्नीय या तत्सवीची व्यक्तियों पर सूचमा की सामीस से 30 दिन की नवीच, सो भी कमीय नाम में समान्त होती हो, के मीतर प्रकेषन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस सृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिस की भीतप्र उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-क्ट्रंग किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिनिस्त में किए जा सकींगे।

स्वच्छीकर्को क्रम्समाँ प्रयुक्त शब्दों सीर पदों का, जो अनस सिधिनियम के सध्यास 20-क मों यथा परिभागित ह⁴, बही सर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिया स्वस्त हैं।

<u>व्यक्त</u>

फ्लैट नं० 12, जो इन्द्रलोक "बी" स्रोल्ड नागरदास रोड, स्रंघेरी (पूर्व), वम्बई-69 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-2/37ईई/12676/84-85 श्रौर जो हक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 21-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधितारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक 6-5-1985 योड 🖀

प्रस्प बाइं.टी एन एस-----

वायकार विश्वनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के नभीन सुचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक बाधवार वायुक्त (पिरीक्षण)

ग्रनन रेंज-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनाँक 6 मई 1 85

निरेण तं० ग्रई-2/37-ईडी 12794/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जावकर जीविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले क्करें इसके पश्चाद 'उक्त निर्धानमा' नहा पता ही, की काच 269-स के नथीन सक्षम प्राविकारी को कह निरुवास करने का जारण है कि स्थावर तस्पीत, जिसका उपित बाजार मूच्य 1,00,000/- रु. के निर्धा है

और जिसको सं० जमीन का हिस्सा जो एस० न० 167 एस० न० 70 व्हिलेज मरोल तालका अधेरी अम्बई में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध स्थान्मूची में और पूर्ण रूप से बांजित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 24 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संवर्ति के उचित बाबार मूच्य से कम के उरवकान प्रितम्ब्ल के बिल् रिजस्ट्रीकृत विसेख के क्यूबार अंतरिका क्षेत्रक्र है और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि वह पूर्वोक्व वृत्रोंक्व सम्पत्ति का उचित बाजार सूच्य, स्वक्षे उद्यम्भ अविद्यक्ष के बन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और कन्तरक (जन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निष् तब पास गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण कि जिल्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आर्ट/या
- (स) एंसी किसी बाब या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जन्सरण में, मैं, उभत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के जधीन, जिल्लाविदिश व्यक्तियों, वर्धातः ६--- (1) इंग्नाटिय ऋग्दो ग्रीर ग्रन्य।

(धन्तरक)

(2) श्रीमती जोरीया इरोल कोएल्ही।

(ग्रन्तरिती)

कते बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्घन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्क सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (का): इस स्थान के राज्ञपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिस की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की समीध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ड) इस सूचना के राषापत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीकर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-अक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्षारा अधीहत्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्वश्विष्यण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही जर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जो एस० नं० 167 एच० नं० 70 सी० टी० एस० मं० 1262 गांव मरोल तालुका ब्रधेरी बम्बई में म्थित है ।

अनुसूची जैसािक कर गर अर्ड-2/37-ईई/ !2794/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24 सिद्ध 1984 को रिजन्टर्ड किया ग्या है।

> लक्ष्मण दास सत्रम प्राधिकारी सड़ायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज-2; बम्बई

दिनांक : 6-5-1985

क्षेत्र 🗈

प्रस्य बाह्ं ु टीं प्रा प्रस् ु ==---

बायकर ब्रिंगियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

सार्व बरकाड

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्तिक)

म्रर्जन रंज -2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निदेश स० प्रई-2/ 37-ईई /12699/84-85 --अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजीर मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पलैट नं० 107 जो पहली मंहिल तलाटी श्रपार्टभेटस, के-101 एस० वि० रोड़ इर्ला विले पाले (प) वन्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूबी में ग्रीर पूर्ण ६५ से विणत है) ग्रीर जिसका करार नामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क रू के ग्रिधीन सिम प्राधि कारी के कार्यालय वम्बई में रिजरट्री है दिनाक 22 सितग्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चंक्क प्रतिकत से विधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित्री (अन्तरितियाँ), के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया विकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में बालीबिक रूप से कथित नहीं किया गया है "——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री कमल कुमार मेहता ।

(अन्तरक)

(2) श्री भरत छोटालाल डोमाहिया ग्रीर अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ड'क्त संपंहित के बर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (इ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवदुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वक्रीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और क्दों का, जो उससे अर्डिश्चिम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा वया है।

बन्स्ची

पलैट नं 107 जो 1 ली मंझिल तलाटी अपार्टमेंट, के-101 एस० वि० रोट, इली. विले पार्ले (प) बम्बई-5% में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि क० स० श्र $\frac{5}{2}$ -2/37 $\frac{5}{2}$ $\frac{12699}{84-85}$ श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई हारा दिनांक 22 तिसम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लश्मण **दास** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्वायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, **बम्बई**

, दिनांक : 6-5-1985

मोहर 🖫

प्रकृत बाहु है है है प्रकृत प्रकृतकार

भागमञ्ज्ञ मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ। 269-म (1) में न्यीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालयः, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

अजन रेज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निवेश स० ऋई-2/ 37-ईई/ 10436 /84-85--मत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इन्हों इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बाह्य 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को वह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, वित्का उपित् वाबाद मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं० प्लैंट नं० 6 जो चौथी मंझिल इमारत नं० 4, राजंन्द कुपा कोन्नापरेटिच हाउसिंग सोसायटी मनिष दर्णन सहार अधरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है (श्रीर इसस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्राधिनियम की धारा 269 क ख के श्रशीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय अम्बई में रजिस्टी है दिनाक 1 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कन के अववान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विक्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृद्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल सा वन्सह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (वन्तरकों) और अन्वरिती (वन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिह स्वर्ष्णामा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अध्यरण निचित में बास्तविक रूप से कृतिक नहीं दिवा वना है है—

- (क) जन्तरण से हुई फिसी जाय की वालवा, उन्नव बिचिनयम के जभीन कुट देने के वालवरक की दायित्व में कभी करने या उसते व्यने में बृदिका के विष्ट; बार/मा
- (ख) ऐसी किसी आव या किसी धन या जन्य वास्तिवाँ को, जिन्हें भारतीय नायकर विभिनियम, 19?? (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ब्तः अब, उक्त विधिनयम की भारा 269-गृ के बनुबरण बो, मो, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के विधिन, निम्नितिबिट व्यक्तियों, व्यक्ति के प्राप्त के (1) कुमारी हिना डी० शहा ।

(अन्तरक)

(2) श्री निवित्त वि० भटट ।

(भःतरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

क्का सम्माति के मूर्वन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बन्धि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी क्यथि बाद में बमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इत त्यांना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- । त्यां किसी व्यक्ति ह्वारा, नभोहस्ताक्षरी के पाव चित्र में किए वा क्कोंग।

स्वचीकरणः इतमें प्रवृक्त बन्दों और पदों का, को उक्त निविद्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा को उत अध्याय में दिया। ।वा है।

जन्स्यो

पर्धेट नं० 6 जो जौकी मंझिल इमारत नं० 4 राजेंद्र कृता कोक्यापरेटिल हाउसिंग सोसायटी मनिष दर्शन सहार श्रंबेरी (पूर्व) बस्बई में स्थित है।

श्रन्युनी जैसाकि कि मि श्रिक्ट 2/37-ईई/10436/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राणिकारी सहायक स्नायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-5-1985

मोहर ।

......

प्रस्ति वार् व वी हर्ग हर्ग व

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-प् (1) वी विधीय सूत्रना

गार्व बरका

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्ण)

अजन रंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 6 मई 1985

निदेश सं० श्रई-2/ 37-ईई/12764 / 4-85-शत: म्हो, लक्ष्मण दास,

बायकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रवात् 'उनत विभिनियन' कहा नया हैं), की भारा 269- व के बधीन तक्षम प्राधिकारी को, वह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्मति, विक्रका उचित नामार मून्य 1,00,000/- रा. से निधक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 13 जो पहली मंक्सिल ए-1 बुरहन प्लाट नं० 25 चर्च रोड सैंफी गोल्डन प्युविली मरोल गांव ग्रंथेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनयम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ड़ी है दिनांक 24 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिपत्त के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिपत्त से, एसे स्वयमान प्रतिपत्त का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) औड़ बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया वया प्रतिफल निम्नितिख्त स्वर्वस्थ से उन्द अंतरण कि सित् द में बास्तीबक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण हे हुई किसी बाय की बाबत , उक्त बिधिवयह के बधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; करिया
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तिक्ष्रों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था बा किया बाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वच . उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1), इं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्री युसुभाई श्रन्दुल्लाभाई।

(ग्रन्तरक)

(2) ग्रस्माबाग्री टी० ख्पावाला ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूर्य करता हुं।

क्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं कु के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराष्ट्र
- (क) इस स्वना के एवपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पूर्वकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

प्लैंट न० 13 जो पहली मंझिल ए-1- बुरहान हमारत प्लाट नं० 25 चर्च रोड सैपी गोटडन ज्युबिली गरोल हिल्लेज अंधेरी (पृर्व) बम्बई-59 में स्थित है ' अनुसूची जैसाकि न० सं० अई-2/37-ईई/ 12764/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14 सितम्बर 1981 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्रपिकारी सहायक स्रायकर ऋष्वत (निरीक्षण) क्रर्जन रेंज-2, यम्बई

दिनांक: 6-5-1985

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, वम्बई बम्बई दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० अई-2/47-ईई, 10508,84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

वाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी मं० फ्लैट नं० 504 जो, जी-बींग, 5वीं मंझिल, विशाल अपार्टमेंट, एम० वि० रोड़, स्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-69 में स्थित है (स्रार इसमे उपाबद्ध अनुसूची में स्रार पूर्ण रूप से विणित है), स्रार जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 4 सितम्बर 1984

को पूर्वीकत सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निल्खित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं कया गया है हि—

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयळ-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तिरुक्ते, अर्थात् ६—— (1) श्रीमती सी० जी० झवेरी,

(अन्तरक)

(2) श्री होमंत आर० दागली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिंखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिआधित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

पलट नं 0.504 जो जी-विंग, पांचवीं मंझिल, विशाल अपार्टमेंट, एम विं रोड़, अंधेरी (पूर्व) वम्बई-69 में स्थित है।

अनुसूची जैसांकि ऋ० मं० अई- 2_l 37—ईई $_l$ 10508/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 4 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है l

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक : 6-5-1985

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० अई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/10466/84-85—अतः मझे, लक्ष्मण दास

नमाज्ञ कि भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थान परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, जो, ग्राउंड फ्लोअर, प्लाट नं० एस० नं० 45, एच० नं० 13, व्हिलेज कों डिवटा, शामणपूरी रोड़, ग्रंधेरी (पूर्व) वस्वई—59 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावंड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है दिनांक 1 सितम्बर 1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतक्त के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्था पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान श्रीतक्ति से एसे दश्यमान श्रीतक्ति के पन्द्रह श्रीतशत से अधिक है बौर अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतक्ति, निम्नलिखित ज्यूक्षेत्र से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथीत्:— (1) मैंसर्स पारीख बाझ बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री अलायसियस पिटर रोसारीस्रो ।

(अन्तरिती)

को यह तुषना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्त के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त तंपरि के अर्जन के तंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इक सूचना के खचपन में प्रकाशय की तारीश से 45 दिन की नगींभ या तत्संगंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानीश से 30 दिन की कविथ, जो भीं अविध नाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्क व्यक्तियों में विश्ती व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपंतित में दिवबद्ध किती बन्य व्यक्ति द्वारा नंभोड्डाकारी के पाड सिन्धित में किए का कर्ते ने।

स्पक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त जीधीनयम, के अध्याद 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ हंत्रीगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

वगृत्यी

फ्लैट नं० 3, जो ग्राउंड फ्लोअर प्लाट नं० एस० नं० 45, एच० नं० 13, व्हिलेज कोंडिविटा, बामणपूरी रोड़, ग्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37 ईई/ 10466/ 84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 सितम्बर 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-5-1985

मोहर 🖫

प्रकल बाह्ये दु हो । एन । एक प्रकारण व्यवस्था

नायकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) की शाहर 269-म (1) के नधीन सुमना

पारत तहकाड

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई $_{1}12514,84$ -85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 7—सी, जो, नव विले पार्ले को-प्आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, 45, बजाज रोड, विले पार्ले (प), बम्बई-56 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुपूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 17 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रामान् प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण ते हुइंकिसी बाब की बाबत, उसा अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

बदः बद, उक्त विधिनियम् की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) नरेंद्र एम० शहा ।

(अन्तरक)

(2) दिनेश रमनलाल देसाई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स

फ्लैंट नं॰ सी-7, जो नव विले पार्ले (प), को-आपरेटिव हाउिंसग सोसायटी, 45 बजाज रोड़, विले पार्ले (प), बम्बई-56 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-2,37—ईई/12514/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास. मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)≱ अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 6-5-1985

भोहर 🖫

प्रकृप आहु<u>ां दी एव एव</u>ा ----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक वायकर बायुक्त (नि<u>र्द्</u>यान)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० अई-2,37—ईई $_{I}$ 22117,84—85—अतः भूसे, सक्सण दास

कृतिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया ही, की पाय 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपति वाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० पलैट नं० 201, जो दूसरी मंश्रिल, मंगल प्रभात, सी-2 माढेल टाउन को-आपरेटिव सोसायटी लि० जे० वि० पी० डी० स्किम जुहू बम्बई-56 में स्पित है (ग्नीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्नीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्नीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा ,269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई से रिजस्ट्री है दिनांक 14 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजाए मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ते) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- ∜क) अन्तरण ने हुई किसी भाग की बानत, उनत जिमितियम के वधीन कर दोने की जन्तरक की दायित्य में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉर∕वा
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तिय। को जिन्हों भारतीय वायकह विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ बन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिवाने में सविधा के जिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के जनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिक्ति व्यक्तियों है अर्थात् क्र--- (1) वंदना ट्रेडर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० आर सुमणयीयम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उपतु संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप्र=-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की बनीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिंध, को भी अनिंध नाद में समाप्त होती हो, के मीतर प्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुषाहर;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी बन्म व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के शह विचित्त में किए वा सकने।

स्पष्टिनकरणः — इसम्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 2-10-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

फ्लैंट नं० 201 जो दूसरी मंझिल मंगल प्रभात सी-2, माडेल टाउन को-आपरेटिव सोसायटी लि०, जे० वि० पी० डी० स्किम जुहू बम्बई-56 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क० सं० अई-2/37ईई/22117/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14 सितम्बर 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 6-5-1985

मोहुर 🛭

प्ररूप बार्ड , टील एन त एस त =====

बायकारु बिधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई अम्बई, दिनांक 6 मई 1985

भिदेश स॰ अई2/ 37अईई/12150/84-85--अत: मुक्ते, लक्ष्मण दास,

नायकर निधिनयन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें क्या क्यात 'अन्त अधिनियन' यहा गया हैं), की धारा 269-स के नधीन कथन प्रतिपक्षारी की, वह विकास करने का स्वरूप हैं कि स्थानर सम्पत्ति, विश्वका सनित नाजार मून्य 1,00,000/- रा. से निधक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202 जो दूसरी मंझिल, मंगल प्रभात सी-2 माडेल टाउन को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, जे० वि० पी डी० स्कीम जुह बम्बई-56 में स्थित है और इससे उपाबढ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की 1961 धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ही है दिनांक 14 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्मित् के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया जबा प्रतिफल, निम्बतिचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निचित से बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी नाय की वायत, उक्त वीधीनयम के वधीन कर दोने के बन्तरक के सरियर में कभी करने दा उत्तवे बचने में सुनिधा के सिए; बीर/बा
- (क) एसी किसी नाय वा किसी भन या नन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यम, या भनकर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नाभ नंतिरती दुवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया नाम आहिए की जियाने में सुनिभा के लिए?

बतः वर्ग, उस्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण मों, मों, उस्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन्, निम्निशिक्त व्यक्तियों,, अर्थात् ६(1) वंदना देडमं ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अन्यूर्णी सुत्रमण्यीन ।

(अन्तिरती)

को थह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिर् कार्यवाहियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सरकीय के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों का सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, को की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिवस्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पर लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, भी इंक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिनादित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिक गया है।

त्रनुसूची

फ्लैंट नं० 202 जा, दूसरी मंझिल, मंगल प्रभात, सी-2 माडेल टाउन की-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, जे० वि० पी० डी० स्कीम जुह, वस्वई-56 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-2/37ईई/12150 84-85 ग्रीर जो मक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 14 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लंदमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अजैन रेंज-2, बम्बई

िदनांक :-- 6-5-1985 मोहरु 🖫 प्रक्य काइ. ट्री. एन. एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई वम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निदेश स० अई-2/37-ईई/10432/84-95 --अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं विलाक नं 1 जो एकर व्ह्यू को आपरेटिव हार रिंग से रास्टी लिंक, ग्राउंड फ्लोअर, 322, नंदा पाटवार मार्ग, विले पार्ले (पूर्व) बम्बई—56 में रिथत है, (और इस्से क्याबड़ अन्स्वी में श्रीए पूर्ण रूप सै विणित है) श्रीप जिसका वराजनामा आयवार अधिनियम, 1961 की धारा 269 क खके अधीन सक्षम प्राधिशारी के कार्यालय बम्बई में रिजाट्री है दिनांक 1 सि.म्बर 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्रम, जिम्मिनियत उद्देश्य से उसत अन्तरण निश्वत में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाय की वासत उपन विच-नियम के सपीन कर दोने के सम्बरक के दावित्य में कमी करने वा सससे नपने में सुविधा के नियं; सरि वा/
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ अन्यित्रकी इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा हैं सिए;

सत. बब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के. अनसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के बधीन नियमितिमित त्यक्तियों, अर्थात् :→ 54—116 GI|85 (1) श्री यग्नवंत आर० मोरे ।

(अन्तरक)

(2) श्री दिपक के० पवार ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य बाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस मचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयक्त इन्दों और पदों का, को उनक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा गया है।

बन्स्ची

ब्लाफ न० 1 जो, एपर व्ह्यू, को आपरेटिव हाउसिंग सोपपटी लिंश, ग्राउंड फ्लोपर 322 नंदा पाटकर रोड़ विले पार्ले (पूर्व) बम्बई-57 में स्थित है।

अनुसूची जैस कि क० स० अई-2/37—ईई/ 10432/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिवारी बग्दर्श द्वारा दिनॉक 1 स्ताम्बर 1984 को राजस्टर्ड किया गया है ।

नक्ष्मण दास सक्षम ब्राधि तरी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक :- 6-5-1985 मोहर s प्ररूप बाई .टी.एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -2, बम्बई बम्बई दि:ाँ4: 6 मई 1985

निदेश सं॰ अई-2/37-ई $\frac{2}{3}/11139/84$ -85--अतः

मुझे, लध्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

म्रीट जिसकी संश्र जमीन बीयरिंग एस श्रेनं 65, सी, सी श्री एस गं 60 द्वारा मनीज अपार्टमेंट जे बी श्री नगर मंदेरी (पूर्व) बम्बई में रथा है (प्री इस ने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणि है), भ्री जिस न करा न मा आयार विविचम 1961 की प्रारा 269 ह ख के बीत सज़म प्राधि गरी के वार्यालय बम्बई में रिजर्टी है दिनां 10 सि म्बर 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एं दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उच्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण में हर्ड किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिन्व में कमी करनेया उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन झर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, लक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मोहंन एल ब्रां.नी (एच व्यू एफ)

(अन्तरक)

(2) डा॰ जगनोह्य बी॰ गोयल ग्रांट अन्य।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कायंबाहिया शुरू करता हुं।

डक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तांमील से 30 दिन की अग्रीध, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास दिलाखत में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः—=इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिय‡, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन वीयरिंग एस० नं० 65,सी-सी॰ टी॰ एस नं० 60 द्वारा, मरोज गार्टमेंट वार लेस स्टेशन जे० बी० नगर श्रंबेरीं (पूर्व) बम्बई में स्थित है।

अनुप्ती जैस कि कि कि सं अई-2/37ईई/11139 84-85 श्रीए जो साम प्राधारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10 .स.स्वर 1984 को र्राज्यस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सजम प्राधिकारी सहायक आयहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-5-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकिए अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० अ $\sqrt[2]{-2/37}$ ्ईई/ 10457/84-85--अतः - मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 क्या 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सकल प्रीधिकारा का यह विश्वास करने का क्यांचा है कि स्थावर सम्पान्त, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जन ने नं द जान नं 4 जो, कोल्डों ारी को-गारिट हा सिंग सोसाइटी पा सी गड़ा, अंधरी (पूर्व) बम्बई-49 में स्थत है), और इस न उपाबद्ध ननुसूची में और पूर्व के से विणा है), और जस म करा न मा नाय इर निधानमा 1961 की बारा 269 है, ख के हिंदा में सिंग मिंध है री के कार्यालय बम्बई में रिज़र्ट्ट है दिनांक 1 रिस बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की रुई है और मुक्ते यह विश्वास करने करन कारण है कि बध्यप्याक्त मणित्म का उर्वत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में वास्तिबक कप से काथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बांधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक की दांधित्व में कमी करन या उससे बचन में सुविधा के लिए, जरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं कि ।। गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्िलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रों कें ए० जैन ।

(जन्तरक)

(2) श्रीनाी एल० जे० थाराकन ।

(अन्तिरतो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाश्रप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्वक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त हाती हो, के भीतर 'पूर्वोक्त स्वक्तियों में से किसी स्वक्ति ह्वारा;
- (ख) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध फिसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के शास ति खत में किए जा सकते।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम दं अध्याय २० क मे विश्वताचन है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याक में दिया गया

वन्त्र्यी

दुज़न नं० 4 जो, कोचडोंगरी को-प्रापरेटिव हार्ट्सग सोसायटी, परसीवाडी सहार रोड़, ब्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-4 में स्थित है ।

अनुरूची जैसािक कि सं० अई-2/ 37ईई/10457 84-85 और जो सनम प्राधिकारी, दम्बई द्वारा दिनांक 1 जिल्हाम्बर 1984 को राजस्टई दिया गया है।

> लक्ष्मण दांस सक्षम प्रात्विकारी सहायक आदकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रॅज-2, बम्बई

दिनां कः - 6-5-1985 माहर व प्ररूप नाइं. टी. एन. एस.---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल 1985

निरेग सं ३ अई-2/37-ईई/127 %/84-85— अतः मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

म्रोर जिल्ली सं प्रलैट नं 303, जो इमारत नं. सी-6 अल्ला घर युनिट नं 14 को लापरटव हा∪सिंग सोसायटी लिल, म्रोशियरा, श्री स्वामी समर्थ नगर

ऑफ जे॰ पी॰ रोड़ अंग्रेरी (प),में स्थत है (श्रीर इससे उग्रव्ह अनुसूची में और पूर्न रूप से विणत है), श्रीर जिसका करण्य नामा आयार जीविधियम की धारा 2695 ख के अर्धान सक्षम प्राधि:ारी के वार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 24 सि स्वर 1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान क्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण जिखित में शास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (का) अन्तरण से हुइ किसी आय की बावता, उक्त का भानसम के अधीन कर दर्न के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या जससे जिने में सुविधा का स्पूर, और/या
- (का) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः व्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के त्रनृहरण वे, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के बधीन, निम्निनिवित कवित्यों, अर्थाल :---

- (1) मैसर्ज समर्थ डेव्हलानेंट काएपोरेशन ।
 - (जन्तरक)
- (2) श्रीमती सुलंभा मदन को तवाल । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पृत्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दबारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्य।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिरिक्षम, कं अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

बत संची

"फलैंट नं० 303, जो इमारत नं० सी-6 अपनाघर युनिट नं० 14 को-नापाटेन हार्जासन सोजायटी लि०, ओशिवरा श्री स्त्रामी सनर्थ नगर, आफ जे० पी० रोड़ 4 बंगला, श्रंबेरी (प), बम्बई-85 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क सं अई- / ईई/12493/ 84-85 श्रीर जो समम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24 सितम्बर 1984 को राजस्टर्ड विद्या गया है।

> लक्ष्म दाम सक्षम प्राघ**ेरी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

दिनांकः :- 30-4-1985

प्ररूप बाइ. टी. एम. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां ह 30 अप्रैल 1985

निदे निदे सं० अई-2/37-ईई/11454/84-85-अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर बांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाण करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बासार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं प्रतिट नं 501, जो बी विंग, पांचवी मंतिल, बिझप्लाट नं 25, एस नं 41 (श्रंश), 4 बंगा, स्रोतितरा वर्षोत्रा, स्रोरी (प) बम्बई—58 में स्थित है (स्रौर इस ने उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विंगत है), स्रौर जिस ा करारामा प्रवत्र अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के धीन सक्षम प्राधि गरी के कार्यालय बम्बई में रिजियी है देशंह 11 सिशम्बर 1984

कां पर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह िक्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ,,एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अदि/या
- (वं) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के बिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्थात् क्रिक्न (1) मैसर्ज रवीराज बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री स्नीत पंडधा ग्रीर श्रीमती सोनज पंडधा ।

(अन्तिरती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच सं 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्धा किसी. अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रय्कत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्नैट नं० 501, जो बी-विंग , पांचवी मंजिल, ब्रिझ प्लाट नं० 25 एस० नं० 41 (ग्रंग) 4 बंगला, ग्रो शिवरा, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुपूची जैसािक ऋ० सं० अई-2/37ईई/11454/ 84-85 श्रीर जो सतम प्राधितारी बम्बई द्वारा दिनांक 11 स्तम्बर 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधि:ारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज-2, बम्बई

दिनांग : 30-4-1985

मोहर 🔏

प्ररूप बाईं.टी.एन:एस.-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयक्त आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल 1985

निवेश सं० अई-2/37-ईई /10608 /84-85 --- अतः मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्रीधकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 106 जो श्रंजली प्याट न० 2, एस नं १ १२१, ७ बंगला वर्रोवा व्हिलेज, ग्रंधेरी (प), में स्थित है (ब्रौर इससे उराबद अनुस्ची में ब्रौर पूर्ण रूह सेवणि। है), ब्रौर जिस्ता कदानामा आयहर अधिनयम, 1931 ही गए। 269 ह ब के गी। साम गाधिहारी के कार्यातय बम्बई में रजिल्ट्री है दिनांक 5 साम्बर 1985 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान गई है के लिए अन्तिरत की मभे यह विश्वास करने का कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है बार अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गयाः प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सूविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग के डन्सरण को, में, उक्त अधिनियम की धारा २८०-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) बाम्बे हाउसिंग कार्पोरेजन ।

(अन्तरक)

(2) स.बिली नंदलाल रोहरा प्रदीन नंदलाल रोहरा

(अन्तरिती ं

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्त के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्ता अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हक्षेगा जो उस अध्याय में विका गया है।

वन्स्ची

फ्लैट नं० 106, जो ग्रंजली प्लाट नं० 2 एस० नं० 121,7 बंगला, वर्सोवा,व्हिलेज, ग्रंधेरी, (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुपूती जैसं कि कि सं अई-2/37-ईई/ 10608/ 84-85 औं जो सक्षम प्राधिक री बम्बई द्वारा दिनांक 5 सि,म्बर 1985 को रजिस्टर्ड विया गया है।

> लध्मण दास सक्षम प्राधित री सहायक ायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. बम्बई

'दिमांक : 30-4-1985

प्रकृष बाहु : टीट पुन् : पुन् :---

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सुच्ना

भारत सहस्रह

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनान 30 अप्रैल 1985

निदेश सं अई-2/37-ईई/ 12417 **/84-85--अ**तः **मुझे**, लक्ष्मण दास,

बायकर नांधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त नांधानियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भी: जिसकी सं० फ्लैट नं० 17, श्रंजली, प्लाट नं० 2, एसं० नं० 121 , 7 बंगला, वर्सोवा, श्रंदेरी (प), बम्बई ~58 में खित है (श्रंथर इससे उपाबड़ अनुरूची में श्रांर पूर्ण रूप से वणित है) श्रांर जिस ा वापारनामा श्रांर आकार वाद्यारनामा श्रांर आकार वाद्यारनामा श्रांर आकार वाद्यारमा 1961 की ाधारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राध्यतारी के कार्यालय बम्बई में रजिल्द्री है रिस्नांक 14 सतम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रितिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मित्त का उचित बाजार कृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफ ल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफ ल का पन्द्रह प्रीत्तकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल, निम्निलिखित उद्द स्थ से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिबक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शांकित्व के किसी करन दा उसके बचने के सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की: जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरणं में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न्लिखित व्यक्तियों, अधार्त — (1) बाम्बे हार्धिंग कार्पोरेसन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती माया गिरधारी लाल पंजनानी। (अन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के जिल् कायना हुया करता हु।

उक्त रम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीखं है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, खो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तिया में साकार्स व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाईस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण :---इसमें प्रयंक्त कन्दों और पदों का जो उनक् अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

"फ्लैंट नं० 17 जो श्रंजली, प्लाट नं० 2 एस नं० 121, 7 बंगला, वर्सोवा श्रंधेरी (ए), बम्बई -58 में स्थित है। अनुसूत्री जैसारि क० सं० अई-2/37-ईई/ 12417/84-85 ग्रांर जो सजम गिंध हारी बम्बई द्वारा दिनांक 14 सिराम्बर 1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधि ारी सहायक आयकर आयुक्त (त्नरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 30-4-1985

मोहर 🛭

त्ररूप बाइं, टी. एए. एस.----

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन क्ष्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आदकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 ग्रप्रैल 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/10609 /84-85 --- ग्रत: मुक्ते, लक्ष्मण दास,

क्शिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गडा है), की धारा 239-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्त जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

कौर जिसकी संव पर्तंट नं 113 को अंजली प्लाट नं 2 एसव नं व 121, 7 बंगला वर्सोवा हिलेज अंदेरी (प) बम्बई—58 में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुस्धी में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा प्रायकर प्राधिनियम की धारा 269 क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 5 सितम्बर 1984 का प्रवांक्स सम्पत्ति के उचित निवार मन्य म कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रुच्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का रन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलीकत उद्देश्य में उथल बंतरण लिकित के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त को धीनयम के बधीन कर दोने के बतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; बॉर/या
- (ख) एसी किसी बाब वा किसी धन मा अन्य आस्तिय का जिन्ह भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 के 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः जब , उक्त अधिनियम की धारा १६०-त के अनमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा १६०-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) बाम्बे हार्जासग कार्पोरेशन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जान डिसोझा और डिसोझा ।

(अन्तीरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाइन की तारीख रे 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्न केरणः — इसमें प्रय्क्त कर्या और पदों का, जो उसते विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

''फ्लैंट नं० 113, जो अंत्रली प्लाट नं० 2 एस० न 121 7 बंगला वर्सोता व्हिलेज अंदेरी (प) (प) बम्बई-58 में स्थित है

अनुसूची जैसाकी कि सं प्रद-2/37ई /10609 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5 सितम्बर 1985 को रजिस्टर्ड किया गई है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राध्कारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 30-4-1985

प्ररूप बाह्ं ही प्रता प्रवास कार्या

नाव्कार विधित्तवन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269--न (1) के अधीन सुवता

नारत सहकार

कार्यातय, सहायक जायकर आवृक्त (निर्वीतण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिनांक, 30 श्रप्रैल 1985

निदेश सं अई-2/37-ईई/10610/84-85--यतः मुझे, लक्ष्मण दास.

जायकर अधिनिवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकों इसकों परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 21, जो अंजली प्लाट नं० 2 एस० नं० 121, 7 अंगला वर्सोवा व्हिलेज अंधेरी (प) वम्बई—58 में स्थित है (और इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर ग्रधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में राजस्ट्री है दिनाक 5 सितम्बर 1984 को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान श्रीतक्षस के लिए जन्तरित की गई है बीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का कन्द्र प्रतिशत से बिधक है बीर जन्तरक (जन्तरका) और जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सक्षमान गया प्रतिकल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण जिल्हा में वास्तिक स्थ के कियत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्दरम से हुई फिसी नाम की बानए उपन समि-मिनन के नधीन कर बोने के मन्दरफ के दामित्य में कनी करने या उसने तचने में स्विधा के लिए: और/शा
- (क) एमी किसी लाग या किसी धन या जन्य वास्तियाँ को, जिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) या उक्त अधिनियम या धन कर मिलियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरियम, प्रकट नहीं किया नया था या मिला जारा चाहिए था छिपाने में सविधा के किया:

अत: अब, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण में, में. तकत अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निकालित व्यक्तियाँ, अर्थाद रू— 55—116 GI 85 (1) बाम्बे हार्जासग कार्पोरेशन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मलावती मदन मोहन खन्ना और श्रीमती निलम शुभ खन्ना ।

(ग्रन्तरिती)

को बह बुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्ववाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह

- (क) इस सुचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जन्नि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृचना की तामील से 30 दिन की जन्मि, को भी जन्मि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्जेक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति इपादः;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाजन की तारीख के 45 दिन के भीतर उनक स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा सभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्मध्यीकरणः इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्पी

फ्लैट रं० 21, जो अंजली प्लाट नं० 2 एस० नं० 121, 7 अंगला वर्सोवा व्हिलेज अधेरी (प) बम्वई-58 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसाकी किं सं 5 = 2/37 - 1061084-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्थन रेंज -2, बम्बई

दिनांक : 30-4-1985

मोहर 🛭

प्ररूप. बाई. टी. एन. एस्. - - - -

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के नधीन सूचना

शास्त्र बरकाष्ट

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई: दिनांक 30 ग्रप्नैल 1985 निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई /10607 /84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर किशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें देवके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फलैट नं 105 जो अंजली प्लाट 2 एस० नं० 121,7 बंगला वर्सोवा व्हिलेज अंधेरी (प) बम्बई—58 में स्थित है (और इसस उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 5 सितम्बर 1984 को पूर्टिन्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तारात्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिवक रूप में किसत नहीं किया गया है है।

- (क) जनतरण से हुई किसी आय की बाबत, उपस बिधिनियम औं अधीन कर दोने के जनसरक बै दायित्व में कमी करने वा उससे बच्चे में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा विष्;

कतः भष् उक्त अधिनियम की धारा 269-न के बन्दरक कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन: निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) वाम्बे हाउसिंग कार्पोरेशन ।

(ग्रन्तरक)

(2) जगदीण दी० स्रभिचंदानी और करन जे० स्रभिचंदानी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---,

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा.
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं!

मन्स्ची

"फ्लैंट नं 105; जो अंजली प्लाट नं 2 एस० नं 121, 7 बंगला वर्सोवा विहलज अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है ।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुवत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 30-4-1985

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल 1985

निदेश सं ग्रई-2/37-ईई/12768 /84-85--ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० फलैट नं० ए-402 जो 4थी मंझिल, सी-। शाल ग्रापार्टमेंटस स्वामी समर्थ को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी अंधेरी (प) बय्वई में स्थित हैं (और इससे उपाबछ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं) और जिसका करारनाम ग्रायकर अधिनियम धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 24 सितम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मफे यह विश्वास

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर देने के बंतरक को शियत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी ध्रु या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, ख्याने में सृविधा के लिए:

बत: गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है बधीन, निम्नुविधित स्थितियों, वर्षात् क्रिक्ट (1) किरन डेव्हलोपमेंट कार्पोरेशन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विना जीतन मोदी और श्री जीतन किशोरदास मोदी ।

(ऋन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकर्ण।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में शिवा म्बा है।

अनु सूची

"फ्लट नं ० ए-402 जो. चौथी मंजिल सीशिल अपार्टमेंटस स्वामी समर्थ को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी कि सं० ग्रई-2/37-ईई/ 12768/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24 सितम्बर 1984 को रजिटर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 30-4-1985

शहर :

प्ररूप बार्ड ्र टी. एन्. एस :----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्तव, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 ग्रप्रल 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/ 12827 /84-85-- ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० एम/706 जो मर्क्युरी ग्रपार्टमेंटस हिरानंदानी ६स्टेट, ग्रपनाधर के फिछै, वर्सोवा, अंधेरी (प) वम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 25 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मझे यह विश्वास

करने को कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पन्धि का उचित्र बक्नार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंबरक (अंतरकीं) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निस्तित में भारतिकल रूप से कथित नहीं किया गया है :——

> [क्क) जन्तरण से हुई किसी बाद की बादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए, जीर/या

णेनी किसी शव या किसी पन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अग्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिभा के लिए;

मतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स हिरानंदानी विल्डर्स

(ग्रन्तरक)

(2) मास्टर निशांत जितानी और श्रीमती लता एस० जितानी (गार्डियन फार दी चाइल्ड)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, मही अर्थ होगा, को उस अध्याय में पिमा गया है।

बनसधी

फ्लैट नं एम/706 को मर्क्युरी द्यापर्धमट्स हिरानंदाकी इस्टेट ग्रुपनाघर के पिछे वर्सीवा विशे (प) बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची उसाकी ३० सं० वर्ष-2/37-ईई/ 12827 84-85 और जो सक्षम प्राध्वारी बस्बई द्वारा दिनांक 25 मितम्बर 1984 को रिजस्टि जिया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्ष्म प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुप्रन रेंज-2, वम्बई

दिनांक :- 30-4-1985 मोहर :- प्ररूप आई. टी. एत. एस.

गयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 ग्रप्रैल 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37—ईई/10491/84—85——ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम शिधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 18 (साउध इस्ट), जो पांचिकी मंजिल मार्था पेलेस प्लाट नं० सी० टी० एस० नं० 385/ की ग्राफ जय भवानीमाता मार्फ पाडा अंबोली अंधेरी (प) वम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावक ग्रमुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनयम की धारा 269 क ख ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में र्राजस्ट्री है दिनांक 3 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंचत बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हो और मूझे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिते में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम कं अधीन कर दोने क अन्तरक के दायित्व में केमी करने या उससे बचने बें सूबिधा कं सिए; और था
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु— (1) मैसर्स गिरीराज कन्स्ट्रवशन्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रावर्ट कस्टेलिनो।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध याद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा ये उस अध्याय में दिशा एवा है।

अनुसूची

प्लैट न० 18 (साउथ-इस्ट) जो 5वीं मंजिल मार्था पैलेस प्लाट नं० सी० टी० एस 385/बी ग्रापज्य भवानोमाता मार्ग पाडा अंबोली अंधरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी ऋ० मं० ग्रई-2/37–ईई/10491/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3 सितम्बर 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक :- 30-4-1985 मोह्र :

प्रकल बाह् ं टी. एत् एस ु-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन स्वना

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 30 ग्रप्रैल 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ई $^{$}/11457/84$ -85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ξ "), की भाषा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव दुकान नंव 8 जो प्रार्जंड फ्लोग्रर (सिटीझन) प्लाट नंव 27 एसव नंव 41 (अंग) 4 बंगला ओणवरा वर्सीवा अंधेरी (प) वम्बई—58 में स्थित है (और इससे उपावछ प्रतुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कः ररनामा ग्रायकर ग्राधिनयम की धारा 269 क ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 11 सिकम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य सं कम के इस्तमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुफ्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंबरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण किस्ति में बास्तिबक रूप में कीक्ष मही किया गया है ह—

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के चिए; आर/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयक हर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निष्।

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) रवीराजं कार्धोरेशन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रशोक एल व्हाबी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष :--

- (क) इस सूचना के हाज्यम में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी र से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित्त में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कां।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"दुकान नं० 8 जो ग्राउन्ड फ्लोग्रर "सीटीझन" प्लाट नं० 27 एस० नं० 41 (अंग) 4 बंगला ओशिवरा वर्सोवा अंधेरी (प) वम्बई-58 में स्थित है । ग्रानुसूची जैसोकी ऋ० सं० ग्राई-2/37-ईई/11457, 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 11 सितम्बर 1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज=2, बम्बई

दिनांक : 30-4-1985

प्ररूप बाइं दी एन प्रा

बायकर ब्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सृचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 30 स्रप्रेल 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/12667/84-85—म्प्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 403 ''बी'' जो चौथी मंजिल "छेन्झील" प्लाट नं० 31 एस० नं० 41 (अंश) 4 बंगला ओशिवरा वर्सोवा अंधरी (प) बम्बई—58 में स्थित है (और इससे उपावक ग्रनुसूची में और पूर्ण रप से वर्णात है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रह्मिनयम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 21 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निमालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण ते हुए किसी जाथ की शक्त , उत्तक जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में झुविधा के बिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनम्बर्ध कें, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, किस्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् प्र— (1) रवीराज डेव्हलोपर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) उमिला वर्मा और दिपक वर्मा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

दक्त सम्मत्ति के कर्षन के संबंध में कोई बाधीप ह---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस क्ष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीतर उक्त स्थाबार संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पब्हीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गन्ना है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं 403 बी जो चौथी मंजिल ''डेन्झील" प्लाट नं० 31 एस० नं० 41 (अंश) 4 बंगला ओशिवरां अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋं० सं० ग्रई-2/37—ईई/12667/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21 सितम्बर 1984 को राजस्टर्ङ किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 30-4-1985

मोहर :

प्रमण बाह् , हों , एनं , यूप्त ,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 260-ज (1) के सधीन मुचना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आसकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, तम्बई

वम्बई, दिनांद 30 अप्रैंल 1985 निर्देण सं ० अई-2/37-ईई/11480/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) त्रिसे इसमें इसके पश्चात् 'त्रकर अधिनियम', लहा गण है, की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी करे, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिन जिसका उत्तित बजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० पलैंट सं० 404 "वी", जो. "डेन्झील", 4थी मंजिल, प्लाट सं० 31, एल० नं० 41, (संग), 4 वंगला, स्रोणिवरा, वर्सोवा, स्रंबर्रः (ए), यम्बई—58 में स्थित है (स्रौर इसमे उपावड अनुसूची ने स्रोण पूर्ण क्या से र्याणत है), स्रोण जिसवा करारनामा स्रायकर स्रिधितिस्य की धारा 269 कख के स्रधीन अक्षम प्राविकारी के गर्यालय में वस्वई में रिजस्ट्री है, दिनांक 11-9-1984.

को प्रांतित सक्योंन के कि अजार अन्य में कम के कहातान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं। और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप बेंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य असके क्ष्मपान अतिफार मं, एये ए सम्भा अतिफार मा पत्ति असि अधिक ही और अतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के तीच एसे अन्तरण के लिए तय पता गया प्रतिफल, निम्नीलीखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क्र) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससं बचने में सृविधा के । लए; और/या

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मीं, उपत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधिन, निर्धायिकिक काकिक्यों, तथीं के उस्थारा (1) न्याराजी डव्हलापसं ।

(ग्रन्तरक)

(2) प्रेम लाल वर्मा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्द भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच है 45 दिन को स्वांप या इत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की उपमील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि काद मों समापः होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों मों में फिस्टे व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है द 45 दिन के भीत: उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-नद्भ किसी के जिल्ला द्वारा अजहस्ताक्षरों के कार पाक्षिए के साम के स्थापता

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शादों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में यथा परिभाषित ही, बहा तथे होता, जो उस अध्याम में दिया गया ही।

मन्स्ची

"फ्लैंट मं० 401 "बी" जो, "डेग्सील", 4थी मंणिल. प्लाट मं० 31. एए० नं० 4! (प्रंश), 4 बंगला, ग्रोशिवरा, वर्मीबा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि का गां अई-2/37ईई/11480/84-85 और जो पक्षम प्राधिकारी, बस्दई द्वारा दिनांदा 11-9-1984 को रुपिन्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-2, बस्बई

दिनांक: 30-4-1985

मोहर ३

प्ररूप आई .टो .एन .एस् . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 ग्रप्रैल 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37—ईई/10453/84-85—-ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 402 "ए", जो, ब्रिझ, प्लाट नं० 25, एस० सं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, ग्रोणिवरा वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है, दिनांक 11-9-1984,

को पूर्वोक्त संमंतित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पावा नया प्रतिक कन, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 56—116 GI|85

(1) मेसर्स रवीराज विल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) मास्टर ग्रभय पी० बोरवनकर ग्रौर श्रीमती निला पी० बोरवनकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज़न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिबित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आँर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अमुस्ची

"फ्लैंट, सं० 402, जो, बिझ "ए", 4थी मंजिल, प्लाट नं० 25, एस० नं० 31 (ग्रंश), 4 बंगला, ग्रोशिवरा वर्सोंचा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/11453/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधि कारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-1984को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 30-4-1985

मोहर :

वायकर विधिनियंत्र, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के ब्योन बुक्त

शास्त्र बरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्तण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 स्रप्रैल 1985

निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/11456/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त निधिनियम' नहा गवा ही, की धारा 269-त ने नधीन तकम प्राधिकारों को, वह विस्ताब करने का कारन है कि स्थावर संपरित जिसका उच्चित वाकाद कुन्य 1,00,000/- रा. से निधक है

श्रौ र जिसकी मं० फ्लैंट सं० 305 बी० जो, तीसरी मंजिल बिझ, प्लाट मं० 25, एम० सं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम की धारा 269 कख के ग्रंधीन सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 11-9-1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के **उच्छि बाजार मृत्य से अब के दश्यका**न प्रतिफल के सिए अन्वरित की गर्द

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपन-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रक्ति-कल से, ए'से दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच इंचे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविधिक दृष्टिक से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किंचिन कहीं दिक्त गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या बन्च नासिस के को चिन्हें भारतीय नायकर निधिनस्य, 1922 (1922 का 11) या उक्त नीधनियम, या धनकर नीधनियम, या धनकर नीधनियम, या धनकर नीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा किया वाना चाहिए था, डियान में सुनिधा के सिष्ट;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधास (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु--

(1) मैसर्स रिवाराज बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जान मध्यू।

(ग्रन्तरिती)

ा अन् क्षत्र वारी करके पूर्वोचत कर्मात्त से वर्ष के विष्

क्यत सम्मात से सर्थन में सम्मन्ध में कोई मी नासेर हिन्स

- (क) इस ब्यान के राज्यन के प्रकारण की ताड़ीय से 45 किए की समीच का तरसम्बाली मानितनों पर सुमना की समीच के 30 दिन की समीच, को भी अनीच कार के जाना होती हो, के भीतर पूर्वीवस व्यक्तियों में से किसी मानित स्वारा;
- (च) इस त्यान के राज्यम में प्रकाशन की सार्थित से 45 दिस के जीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वक्ष किसी बन्द काक्ति स्थारा अधाहरताकारी के पास सिवित में किए या सकेंगे।

स्वार्धिकरण ह—हवानें प्रवृक्त सम्बा नौर वर्षे का, को उपत व्यक्तिविक्ष को सम्बाद 20-क ने परिभाषित ही, वही वर्ष होना को उस स्थाप में द्विया ववा ही।

नन्स्यी

"फ्लैंट सं० 305 "बी", जो, तीसरी मंजिल, ब्रिझ, प्लाट मं० 25, एस० सं० 41, (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रन् मृत्री जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/11456/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 30-4-1985

मोहर 🛭

पुरुषः, बाह्यं, द्वीं , एक् , एक् व अ अ अ अ अ

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-म (1) के बधीन स्वना

ALEA TRAIN

कार्यां स्या, सहायक नायकर नायक (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/10494/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

कायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परुवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की बादा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मतित, जिसका उचित बाजाद्व मृत्य 1,00,000/- रा. से जिथक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 2, जी, ग्रंजली, प्लॉट सं० 2, एस० सं० 121, 7 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रयोन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 4-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफ़े, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित अज़र मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत । उन्नर अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविभा विषयु;

अतः मन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मालिखित व्यक्कियों, अर्थात् हु— (1) बाम्बे हाउसिंग कारपोरेशन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नैमुद्दीन झैमुद्दीन।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यनाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इ. स. स. स. के राज्यम् में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिम्मियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

"फ्लैंट नं० 2, जो, ग्रंजली, प्लाट नं० 2, एस० सं० 141, 7 बंगला, वर्सोवा, विलेज, ग्रंधरी (प), बम्बई-58 में स्थित है। ग्रानुसूची ज़ैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/10494/84- 85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांव 4-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रोज-2, बम्बई

दिनांक: 30-4-1985

महिर्ः

प्ररूप बाह्र . टी. एन . एस .-----

आवृक्तर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के विधीन स्थान

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, वम्बई

वम्बई, दिनांक 30 स्रप्रैल 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/10495/84-85---म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भाग्य 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- इ. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लैट सं० 217 जो, श्रंजली, प्लाट सं० 2 एस० सं० 121, 7 बंगला, वर्सोवा विलेज, श्रंधेरी (प). दश्दर्भ 58 में स्थित है (श्रौर द्याने उपावह सनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिन्हा करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 कला के अशीन अक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में वस्वई में रजिस्टी है, दिनांच अ-9-1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति कं उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापृत्रींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बिध-नियम के अशीन कर दोने के बन्तरक के द्वीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बरि/या
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनयम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें कैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्हिल्लिस व्यक्तियों, अर्थाण :--- (1) वाम्बे हाउसिंग कारपोरेशन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती झेबुन्निसा कल्लानखान उर्फ झेबुनिसा इदीस खान ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृवानित सम्पत्ति के वर्जन के रिन्य कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजधत्र में प्रकाशन की ताडीय वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पूर सूचना की साबीज से 30 दिन की अवधि, का भी अवधि बाद में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी हर कित द्वारा;
- (क) इस मुक्ता के राज्यत्र में प्रकाशन की तास्त्रिय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उस्स अधिनियन, के सध्याम 20-क में परिभाषिष हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

"फ्लैंट सं० 217, जो, ग्रंजली, प्लाट सं० 2, एस० नं० 58 में स्थित है ।

श्रन्मूची जैसा कि क० मं० श्र $\frac{\xi}{-2}/37$ ई $\frac{\xi}{10495}/84$ 85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गंथा है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई

दिनांक: 30-4-1985

मोहर ध

प्रस्प कार्ष . टी : एव : एक्

बायक इ मिनियम, 1961 ((1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बंधीन स्थना

बारत बरका

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल 1985 निर्देश स॰ अई-2/37-ईई/10497/84-85--यत: मुझे, लक्षमण दास,

बावकर विधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वकं परवात 'उक्त विधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-एक. से अधिक है

पलैट नं ० 218, जो, ग्रंजली, प्लाट नं ० 2, एस ० नं ० 121, 7 बंगला वर्सोना विलेज, ग्रंधेरी (प), बम्बई – 58 में स्थित (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 4-9-1984,

बा प्रांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के असमान मिल्क के शिए बन्तरित की गई है बार मुक्के वह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्यों कर सम्मित्त का उचित बाजार कृत्व, उसके असमान प्रतिफल से, एसे असमान प्रतिफल का पंत्रह मिलक है बार बन्तरिक (अन्तरिकों) बार बंदिती (बन्तरितिकों) के बीच एसे बन्तरिण के निए तब पामा न्या प्रतिक का विश्व निम्तिकों के बीच एसे बन्तरिण के निए तब पामा न्या प्रतिक का विम्तिकों के बीच एसे बन्तरिण के निए तब पामा न्या प्रतिक का विम्तिकों के बीच एसे बन्तरिण के निए तब पामा न्या प्रतिक का विम्तिक के का विम्तिक का विम्तिक के का विम्तिक का विम्ति

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त बीधनियम के बधीन कर दोने के अंतरक से दायित्य में कमी कृदने या उत्तरे वचने में सुविधा के निष्धु बीह/या
- (ण) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने बें स्विभा के लिए;

बतः वक, अक्त वीवानियम की भारा 269-म के अनुसरण को, को, अक्त कीभनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के वधीन, निरवनित्वित व्यक्तियों, वर्धातः— (1) बाम्बे हाउसिंग कारपोरेशन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आरतो रमेश कोठारी ग्रौर श्री रमेश सी० कोठारी ।

(अन्तरिती)

को यह स्थान बारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त राम्यीस के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेष्:---

- (क) इस सूचना के छाजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की जनित्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वह तूचना की तात्रील से 30 दिन की नवित्र, को भीत नवित्र में तजाबा होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्षत्रित ब्रास्त
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उनत स्थानह सम्मत्ति में हित-बब्ध किसी सन्य स्थानत द्नारा अधाहरताक्षरी के पाद निविद्य में किस् वा इसींगे।

स्यष्टीकरणः — इसके प्रयुक्त सर्गे और पदों का थो उक्त, विभिन्तियम, के वध्याय 20-क के परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय के दिया गया है।

बन्ह्यू पूरी

"फ्लैंट नं ० 218, जो, ग्रंजली, प्लाट नं ० 2, एस० 121, 7 बंगला, वर्सोवा, विलेज, ग्रंघेरी (प), बम्बई—58 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि कि सं० अई -2_{l} 37ईई $_{l}$ 10497 $_{l}$ 84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 30-4-1985

मोहर 🧯

प्रकष् वार्षः दी. एन . एव ुन------

बावकर क्रिपेन्यून, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सचना

THE THE

कार्यां नय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई- 2/37-ईई/10496/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास.

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नभीन सक्षम् प्राधिकारी को वह निष्वास करने का कारच है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाबार मृन्य, 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 416, जो, ग्रंजली, प्लाट नं० 2, एस०नं० 121, 7 बंगला, वर्सीवा विलेज, ग्रंधेरी (प), वम्बई—58 में स्थित है (ग्रर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 4-9-1984,

- (ण) वृत्यहरू वंहूर हैं क्रिकी बाव की बावतु, उपस् विधिनवय के बधीन कर दोने के अन्तरण के विद्रुप में क्यी करने या उदले व्यने में सुविधा वे हिन्दु; बीक्र/या

बता क्रिक क्रिक्त क्रिक्तियम की भारा 269-म के अनुसरण कें, में, उक्त क्रिक्तियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) बाम्बे हाउसिंग कारपोरेशन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती झेबुन्नीसा कल्लान खान उर्फ झेंबुन्नोसा इद्रीस खगन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास किसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त निधानियम के अध्याय 20-क में पी।भाषित हैं, वहीं नर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया मवा है।

धमसची

"फ्लैंट सं० 416, जो, अंजली, प्लाट स० 2, एस० नं० 121, 7 बंगला, वर्सीवा विलेज, अंधेरी (प). तम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र॰ सं॰ अई-2, 37ईई $_{\rm f}$ 10496, 84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 4–9–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जेभ रेंज्र∽2, वस्वई

दिनांक: 30-4-1985

क्षेत्र ।

प्रकल बाहाँ हो है एन ह एक हुन----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चाडा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्ख्यक नायकर नायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई वम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/12711/84-85—अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) किये इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजाइ मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, जो, पहली मंजिल, इमारत सं० 24, एस० सं० 57, एच० नं० 4 श्रीर 5, (श्रंश), महाकाली केंग्रज रोड, श्रंधरी (पृत्र) बम्बई में स्थित है (श्रीरइससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पृर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के श्रायांलय, वम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 22-9-1984, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंबरक (अंतरकार) और बंबरिकों (अंतरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिवत उद्देश्य से उक्त बन्तरण कि निय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिवत उद्देश्य से उक्त बन्तरण कि निय में बासतिक रूप से कथित नहीं किया नवा है धन्तरा कर से स्थान कर से कथित नहीं किया नवा है धन्तरा कर से कथित कर्षों क्या नवा है धन्तरा कर से कथित नहीं किया नवा है धन्तरा कर से कथित नहीं किया नवा है धन्तरा कर से कथित नहीं किया नवा है धन्तरा से क्या से कथित कर से कथित नहीं किया नवा है धन्तरा से क्या से कथित कर से कथित नहीं किया नवा है धन्तरा स्था से क्या से कथित कर से कथित नहीं किया नवा है धन्तरा से क्या से कथित कर से कथित नहीं किया नवा है धन से कथित स

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में तृतिधा के शिष्ट; बीड/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य कास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

जतः तव, उक्त अधिनियम, की भाग 269-व को अनुवरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु— (1) डोमस एसोसिएटस ।

(अन्तरक)

(2) मार्टीन क्लीमेंट डिसोझा ।

(अन्तरिती)

की यह सुखना <u>जारी</u> करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :-- '

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी क्षम्य व्यक्ति द्वारा व्यक्तिकारी के बाब सिक्ति में किए वा सक्तेंगे।

स्पब्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उक्त मध्याय में दिन्स न्या है।

अपूज्ही

"फ्लैट नं० 3, जो, पहली मंजिल, इमारत नं० 24, एस० नं० 57, एच० नं० 4 ग्राँर 5 (ग्रंश), महाकाली केव्ज रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि० सं० अई-2/37ईई/12711/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमाक 22-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-2, बम्बई

दिनाक: 8-5-1985

मोहर 🖫

144 118'. C. . 114 . 114 . 114 . 114 . 114 . 114 . 114 . 114 . 114 . 114 . 114 . 114 . 114 . 114 . 114 . 114 .

बायकर विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ब्यीन सूचना

ब्रारत बरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/11118/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विधिनियम' बद्दा गया है), की भारा 269-व के वधीन, वसन प्रतिकारी की वह विस्थास करने का कारण है कि स्थानह संपत्ति, जिल्लका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

स्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 9. जो, ग्राउण्ड प्लोअर, "सरोज अपार्टमेंट", सी० टी० एस० नं० 13/37/2 विलेज मुलगांव. महाकाली केटज रोड, श्रंघेरी (पूर्व), बम्बई-9 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा आयेकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-9-1984,

को पूर्वोक्त बंपरित के जीवन बायार मुख्य में कम के क्यमान प्रतिफल के जिए बंसिट्स की वहूं हो और मुक्के वह विश्वास करने का कारण हो कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बायार मृत्य, उसके वश्यकान प्रतिकास से, एसे वश्यमान प्रतिकास का पंत्रह प्रतिकास से अधिक हो और अंसरक (अंसरकों) और अंसरिती (अंतरितियों के बीच होसे अंसरण के जिए क्य पाया गया प्रति-फल निक्मीलिया जाइन्दिस से जनत संसरण लिविस में वास्ति विक इस से किथात नहीं किया गया हैं:——

- (क) नम्बाद वे हुए किसी नाम की नाम्बर, उनक् वरितिस्कृत के स्थापित कर को के नम्बरक के राष्ट्रित के कती कहने का क्या क्याने के सुविधा के शिक्ष, स्थापित
- (क) होती किया जाय या किया भग का जन्य नात्तिकों को, जिन्हें भारतीय जाय-जर विभागियम, 1922 (1922 का 11) या उनका निभागियम वा भन्-कर विभागियम वा भन्-कर विभागियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिंदी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा ने लिए;

अक्षः अब उन्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ते की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् र---

(1) साल सहकार निहड्में।

(अन्तरक)

(2) श्री पिधर लॉरेस डिकॉस्टा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परितृ वी वृष्यं वे कि

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासी ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वयिष, को भी जबिध वाद मों समाप्त होती हो, के भीता पूर्विषक व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इस सृचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित में दिक्का के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शब तिथित में किए ना सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्स अिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणिक है, यही अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिका मुबा है।

नन्त्रची

"दुकान नं० 9, जो, याउण्ड फ्लोअर, "सरोज अपार्टमेंट", सी॰ टी॰ एस॰ नं० 13/37/2, त्रिलेज मुलगांव, महाकाली केप्ज रोड. श्रंबेरी (पूर्व), बस्वर्ड-99 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि कि० सं० अई-2/37ईई/11118/84-85 और जो सक्षम प्राज्ञिकारी वस्त्रई द्वारा दिनांक 10-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी, महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 8-5-1985

मोहर 🖁

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर बायूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/10599/84-85--अतः मुझे लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, जो, पहली मंजिल, 'भीनाक्षी अपार्टमेंट'' (एस० नं० 160, एच० नं० 3, सी० टी० एस० नं० 94, मरोल मरोशी रोड, मरोल विलेज ग्रंधेरी (पृ०), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारमामा आधकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 5-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन जिम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—57—116 GI|85

(1) मेसर्स विराट कन्स्ट्रवशन।

(अन्तरक)

(2) श्री फेलिक्स डिसोझा और कुमारी ल्युईसा डिसोझा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

"फ्लैंट नं० 7, जो, पहली मंजिल, "मिनाक्षी अपार्टमेंट", एस० नं० 160, एच० नं० 3, सी० टी० एस० नं० 94, मरोल मरोशी रोड, मरोल विलेज, प्रधेरी (पू०), बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई—2,37—ईई,10599,84—85 ग्राँर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिशांक 5—9—1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी स**हायक आय**कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 8-5-1985

माहर:

. ब्रुप्थ बाह्र .टी. एव . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत बहुकाई

क्शयालय, सहायक आयकर वायुक्त (निर्जिक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई वम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निदेण सं० अई-2/37-ईई/12647/84-85-अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौए जिसकी सं० फ्लैंट नं० 101, जो, पहली मंजिल, श्री शक्ती अपार्टमेंट मिलिट्री रोड, मरोल, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई—59 में स्थित है ग्रौर इसमें च्यावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), ग्रौर जिसवा करापनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 21—9—1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तर्द्रम वे हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे नवने में सुविभा के सिए; बांड/बा
- िष्धं एसी किसी बाब वा किसी थन या बन्य बास्तवाँ को, जिन्हें भारतीय लाय-कर बिधनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, श धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के∶लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री शक्ती इस्टेट ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी पेक्झीया फर्नान्डीस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी बाधोंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्मना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए आ सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० 101, जो पहली मंजिल,श्री शक्ती अपार्टमेंट मिलिट्री रोड. मरोल, ग्रंधेरी (पूर्व), वम्बई-59 सें हि

अनुसूची जैंसा कि क० सं० अई-2/37ईई/12647/81-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 8-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेससं श्री शक्ती इस्टेटस ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जितबहादुर शंकर सिंग।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/12646/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं अपलेट नं 201, जो दूसरी मंजिल, श्री शक्ती अपार्टमेंट, मिलिट्री रोड, मरोल मरोशी रोड, मरोल संबेरी १ (युर्व), यम्बई-69 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), स्रीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम, की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 21-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्श्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

"फ्लैंट सं० 201, जो दूसरी मंजिल, श्री शक्ती अपार्टमेंट, मिलिट्री रोड, मरोज मरोजी रोड, मरोल, ग्रंबेरी (पूर्व), वम्बई— 69 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि के सं अई-2/37ईई/12646/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 8-5-1985

मोहर 🖫

प्रक बाइ'.टी.एन.एस :-----

बाब्कर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के वृधीन् सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/12644/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित् बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 301, जो, तीसरी मंजिल, श्री शक्ती अपार्टमेंट, मिलिट्रा रोड, मरोल मरोशी रोड, मरोल, ग्रंधेरो (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रो है, दिनांक 21-9-1984,

कां प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितिमों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिबक स्प से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरूप वं हुई किसी बाब की बावत उपत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा य लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

कर: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में डक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स श्री शक्ती इस्टेटस ।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० सी० राजणन।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के िनए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित्त के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रेष

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा च्या है।

प्रनुसूची

"फ्लैंट नं० 301, जो, तीसरी मंजिल, श्री शक्ती अपार्टमेंट, मिलिट्री रोड, मरोल मरोशी रोड मरोल, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई— 69 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/12644/84-85 ग्रीए जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, बम्बई

दिसांक : 8-5-1985

मोहरः

प्ररूप आई . टी . एन . एस् . -----

बाबकर अन्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं > अई-2/37-ईई/12891/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रांर जिसकी सं० यूनिट नं० 113 जो, पहली मंजिल, दामजी-शामजी इण्डास्ट्रियल कम्पलेक्स, महादाली केट्ज रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (श्रीर इसल उपाबद्ध अनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रांर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 28-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्त दामजी शामजी एण्ड सन्त ।

(अन्तरक)

(2) मे स्रं बीजाय इण्टरनेशनल।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसुची

"यूनिट नं० 113, जो, पहली मंजिल, दामजी शामजी इण्ड-स्ट्रियन काम्प्लेक्स, महाकाली केव्ज रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई— 69 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/12891/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन देंज-2, बम्बई

विनांक: 8-5-1985

मोहर,

प्ररूप नाई.टी.एन.एस.-----

बाँयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्शालय, सहायक गायकर गायक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

षमवई, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं> 3ई-2/37-ईई/12869/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भागकर अिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाएं 'उक्त लिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 115, जो, पहली मंजिल, दामजी-शामजी इण्डिस्ट्रियल काम्प्लेक्स प्लाट नं० 28 माहल इण्डि-रिट्रियल इस्टेट, महाकाली केट्य रोड, ग्रियेरी (पू०) वस्वई में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप के विजत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनयम की धारा 269 क्ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रिजस्टी है, दिनाक 28-9-84,

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान लिए अन्तरित की गइ ज्ञो यह विम्बास करन कारण क का कि यथा प्रोंपत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इरयमान प्रतिकल से, ऐसे स्रयमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अर्द अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीक एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नीलिखत डबुद्धेरें से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित भ**ह**िं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व की लिए: और/या
- (का) एंसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम् की धारा 269-घ की उपधारा (1) ➡ुं अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स दामजी शामजी एण्ड सन्स ।

(अतरक)

(2) श्रीमतो जपाबेन के० शहा, श्रीमती, वार्लागेन बी० शहा, श्रीमती निला एन० शहा, श्री चन्द्रकांत के० शहा ग्रीर श्रीमती सरोज के० शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की सर्वीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः --- इत्में प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिल्लामा के जन्माय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

are well

"यूनिट नं० 115, जो, पहली मंजिल, दामजी शामजी इण्डस्ट्रियन हाम्प्लेक्स, प्लाट नं० 28, माहूल इण्डस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केव्ज रोड, अधेरी (पू०), वम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कर सं० अई-2/37ईई/12869/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 28-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाँक : 8-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 मई 1985 निदेश सं० अई-2/37-ईई/12868/84-85-अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं यूनिट नं 33 जो ग्राउण्ड पलोअर दामजी-गामजी इण्डस्ट्रियल कम्पलेक्स महाकाली केव्ज रोड़ ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 28-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रातिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से क्रिथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स दामजी-शामजी एण्ड सन्स ।

(अन्तरक)

(2) एन्कान पयुरुएसेस (प्राइवेट) लि॰ । (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-िसम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

"यूनिट नं० 33, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, दामजी-शामजी इण्डस्ट्रियल काम्प्लेक्स, महाकाली केव्ज रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई 1/2868/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 8-5-1985

माइर 🖫

प्रकार बाहरे, टी. इन. एत. ----

नायकर विधिनिश्रम, 1961 (1961 का 43) 📲 पास 269-प (1) के मधीन सूचना

नारव बहुकार

कार्याज्ञय, बहायक जायकर जावृक्त (निर्काल) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37 ईई/12921/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बादकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम श्रीधकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ० पलैंट सं ० 3023, जो, नन्द-दीप, तीसरी मंजिल, विलेज बदाला, तरण भारत को ० आप० हाउ सिंग सासपटी रोड, विले पालें (पूर्व), दादर्-57 में रिश्त है (ग्रां र इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रां र पूर्ण हप से विण्त है), ग्रीर जिसमा करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 29-9-1984.

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के स्वयमान प्रतिषक्त को सिए अन्तरित की नहीं हैं और मुभी यह विषवास् करने का कारण ही कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके स्वयमान अतिषक्ष से, एसे स्वयमान प्रतिषक्ष का पंद्रह प्रतिषक्ष से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंदरण के लिए तय पावा नया प्रतिक्षक, निक्वितियों उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्यविक हम में कियब नहीं किया गया ही:---

- (क) बलारण से हुई किसी बाव कर्न बावह, डबड बाँधनियम को अधीन कर दोने को अलारक को खबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत जीधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण भें, भें, उन्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के बन्धेन, निम्मिनियस स्यक्तिना, अर्थात् हु--- (1) मेसर्स अस्पी कत्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रदीप बावूभाई पटेल।

(अन्तिरती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के बध्याब 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस सध्याम में दिया स्वाह्यी

अनुस्या

"फ्लैंट सं० 303, जो, नन्द दीप, तीसरी मंजिल, विलेज बकाला, तरुण भारत को०-आप० हार्जीसग सोसायटी लि०, रोड. विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि फ्र॰ सं॰ अई-2/37ईई/12921/84-85 मीर जो सक्षम पाधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 8-5-1985

बोहर 🛭

प्ररूप नाई .टी . एन .एस . -----

अग्रथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/12733/84-85—अतः मुझे, ए० लक्ष्मण दास,

बार्क्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुठ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 1-ए, जो मिनल अपार्टमेंटस, ग्रीन पार्क, ग्रोल्ड नागरदास रोड, ग्रंधरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 22-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकर्ता के कार्यालय मैसूर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रोकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिक में दास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम हे अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजाने में सुविधा के तिए; और/या
- (क्) एंसी किसी झाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन किस्मितिखत व्यक्तियों, अर्थात् ;——
58—116 GI|85

(1) स्मिल विल्डर्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) एवरशाईन बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताणील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्तियां हों से किसी
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्किरणः ----इक्कमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, तही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्ब्यी

"फ्लैंट सं ० 1-ए, जो, मिनल अपार्टमेंटस, ग्रीन पार्क, ग्रोल्ड नागरदास रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के शं अई-2/37ईई/12733/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक <math>22-91984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक , 8–5–1985 मोहर : प्ररूप बाह्रं. टी., एत. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्दाक्तण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांदा 8 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/12732/84-85—अतः मुझे/6820

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ क अधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्य है कि स्थान क्यांत, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलट सं० 6, जो, दूसरी मंजिल, विग-ए, आदित्य अगर्टमेंटस, ग्रीन पार्क, ग्रोल्ड नागरदास रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मंग्रीर पूर्ण ह्य से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 पाख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 22-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकास में बास्तिविक रूप से कीशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अभीन कर दने के अन्तरक के दिसंबद्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य अस्तियों का जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, सा धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा अ शिष्ट;

(1) गोयल बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री संघवी दुश्यंत एम० ग्रौर संघवी संजय एम०, संघवी अरुण एम०।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संस्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिया की बर्वीय या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामीन से 30 दिन की जविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पड्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया कका है।

जन्स्ची

"फ्लट सं० 6, जो, 2री मंजिल, विंग-ए, आदित्य अपार्ट-मेंटस, ग्रीन पार्क, ग्रोल्ड नागरदास रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/12732/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

मोहर 🖫

कतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की, अमूसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

प्रकल कार्यो, टी. एव_ं क्ष_{ंस}म = -- = ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० जी० म्राई० म्रार० संख्या 69/37ईई/एक्वी०— यतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा मद्या हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्राफिस सं० 2 ग्रौर 3 है तथा जो 11, एम० जी० मार्ग हर्बाबउल्ला कम्पाउण्ड लखनऊ में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ, भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 12-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाकार मून्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाबार मून्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एके द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तर्रित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए एक पाया मबा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमीं करने या उससे बचने में सृविधा के किए, कीर/या
- (ल) एंसी किसी आय या किसी अन या बन्य वास्तियों कों, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेसर्स हलवासिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि० हलवासिया कोट, हजरत गंज, लखनऊ। (अन्तरक)
- (2) श्रीयू० पी० सिंह। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बनीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकर्ण।

स्यब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमृस्ची

स्राफिस सं० 2 स्रीर 3 स्रीर 3 सेवन्थ फिलोर (7) पर पर कामर्स हाउस में पैमाइसी 540 वर्ग फिट स्थित II, एम० जी० मार्ग हबीबउल्ला कम्पाउण्ड लखनऊ / करारनामा जोकि स्रर्जन क्षेत्र कम संख्या 84 पर दिनांक 12-9-1984 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 9-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भाषकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-च (1) के बधीन क्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र. लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० जी० ग्रा०ग्रार० संख्या 70 / 37ईई/एक्वी०--ग्रतः मझे, ए० प्रसाद,

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० ग्राफिस सं० 4, 5. 6 ग्रॉार 7 है तथा जो 11, एम० जी० मार्ग, हबीवउल्ला कम्पाउण्ड लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रर्जन क्षेत्र लखनऊ, भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 12-9-1984,

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान श्रौतफल के जिए बन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का श्लुद्ध प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया पता प्रदिक्त फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- क) जन्तरंग से हुई किसी जाय की बाबत, उथस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दार्थिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (ख) एसी किसी बार वा किसी धन वा बन्य बास्तिवाँ का, चिन्हें भारतीय बायकर विधिनवय, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनवय वा धनकर विधिनवय, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

(1) मेसर्स हलवासिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि० हलवासिया कोट, हजरत गंज, लखनऊ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रोम प्रकाश मित्तल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करफे पूर्वोक्स संपत्ति के वर्चन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की बनिष मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की बनिष, जा भी नविष वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदन बहुम किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के बाब निश्चित में किस्प ना बक्तेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त इब्दों और पदों का, जो उक्त बिधीनयम, के बध्याय 20-क ने पिरिभाषिक है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।।

अनुस्की

ग्राफिस सं० 4, 5, 6, ग्रौर 7, िनक्स (6, फ्लोर पर) कामर्स हाउस में पैमाइसी 1100 वर्ग फिट स्थित H, एम० जी० मार्ग हबीबउल्ला कम्पाउण्ड लखनऊ करारनामा जोिक ग्रर्जन क्षेत्र कम संख्या 85 पर दिनांक 12-9-1984 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दिनांक : 9-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ , दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० जी० म्राई० म्रार० संख्या 71/37ईई/एक्वी०— यतः मझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, विसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्राफिस सं० 21, 22 23, ग्रौर 24 है तथा जो Π , एम० जी० मार्ग हबीबउल्ला कम्पाउण्ड लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन क्षेत्र लखनऊ, भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 12-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए बय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बाबितः में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क्ष) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य बास्तियों की जिन्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के निए।

बतः बब, उक्त बीधीनयम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः

- (1) मेसर्स हलवासिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि० हलवासिया कोट, हजरत गंज लखनऊ । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती दीपा रायजादा । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसची

श्राफिस सं० 21, 22, 23 श्रौर 24 सिक्स फ्लोर पर (6) कामर्स हाउस में पैमाइसी 125 वर्ग फिट स्थित ।।, एम०जी० मार्ग हबीबउल्ला कम्पाउण्ड लखनऊ करारनामा जोकि श्रर्जन क्षेत्र क्रम संख्या 86 पर दिनांक 12-9-1984 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) (म्रर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिनांक : 9-5-1985

मोहर ः

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ 📳 के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण) म्रर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं जी श्राई० ग्रार० मं ० 72/37ईई/एक्बी०--यतः मझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सदाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का **कारण** है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित **बाजार मृल्य** 1,00,000/-रः. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्राफिस मं० 16 श्रीर 17 है तथा जे।।। एम० जी० माग हबीब उल्ला कम्पाउण्ड लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रन्मुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन क्षेत्र लखनऊ, भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 12-9-1984, को पृथा कित संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्इ है मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यह पूर्वीक्त सम्पत्ति **उचित** बाजार मृल्यं, उसके दृश्यमान प्रतिफल एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वासविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बस्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, किंचिनियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कही करने वा उससे बचने में सुविधा की सिए; और/ग
- (ब) एसी किसी बाब वा किसी भन वा बन्न . बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने से नुविधा के लिए

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में में उक्त अधिनियम की धार 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यंक्तियों अर्थात ---

- (1) मेसर्स हलवासिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि० हलवासिया कोट, हजरत गंज लखनऊ। (ग्रन्तरक)
- (2) मास्टर गम्भीर जन (नाबा) संरक्षक श्री राकेश जैन। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के खिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाँक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो तस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसुची

श्राफिस सं० 16 श्रौर 17, सेकण्ड फ्लोर पर पैमाइसी 600 वर्ग फिट कामर्स हाउस में स्थित ।।, एम० जी० मार्ग हबीब-उल्ला कम्पाउण्ड लखनऊ करारनामा जोकि ग्रर्जन क्षेत्र क्रम संख्या 87 पर दिनांक 12-9-84 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) (ग्रर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिनांक : 9-5-1985

मोहर:

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 263-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० सं० 73/37ईई/एक्वी०---यतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्राफिस सं० 22 है तथा जो 11, एम० जी० मार्ग हबीबउल्ला कम्याउण्ड लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण का से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, ग्रजंन क्षेत्र लखनऊ, भारतीय ग्रायकर ग्रिधितयम 1961 में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 20-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) आर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

(1) मेसर्स हलवानिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि० हलवासिया कोर्ट हजरत गंज लखनऊ। (ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बोन बंसल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

ग्राफिस सं० 22 सेवन्थ (7) फ्लोर पर पमाइसी 275 वर्ग फिट कामर्स हाउस में स्थित ।।, एम० जी० मार्ग हवीबउल्ल कम्पाउण्ड लखनऊ करारनामा जोिक ग्रर्जन क्षेत्र कम संख्या 88 पर दिनांक 20-9-1984 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 9-5-1985

गहर:

त्ररूप बाइ . टी. एत. एस.----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-म् (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यात्र, सहायक वायकर वायक्त (निरक्षिण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दनांक 9 मई, 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या 74/37ईई/एक्यु०— अतः मुझे ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं . ह स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या आफिस नं० 2 ग्राँर 3 है तथा जो 11, एम० जी० मार्ग हबीउल्ला क्षम्पाउन्ड लखनऊ में स्थित है (ग्रौँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौँर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन क्षेत्र लखनऊ, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 20-9-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रिपफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृश्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बंधरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स बीधीनवन के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बौर/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य असित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निष्:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण कों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीर, निम्सीलिकित व्यक्तियों, वर्षात् : (1) मेसर्स हलवासिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि०, हवलामिया कोर्ट हजरत गंज लखनऊ ।

(अन्तरका)

(2) श्री कृष्ण ग्रौतार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षंप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं भ 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्का अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय और दिया गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 2 श्रौर 3 सिक्स (6) फ्लिर पर पैमाईसी 540 वर्ग-फिट कार्मस हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग, हबीबउल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ । करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र कम संख्या 89 पर दिनांक 20-9-1984 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 9-5-1985

मोहर:

प्ररूप बाई .टो.एन.एस. -----

आयकर अभिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 मई, 1985

निर्देश सं० 75/37ईई/एक्यु०--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रांर जिसकी सं० आफिर नं० 6 ग्रांर 7 है तथा जो 11, एम० जी० मार्ग हबी बउल्ला कम्याउन्ड, लखनऊ में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन क्षेत्र लखनउ में भारतीय आयकर के अधीन दिनांक 20-9-1984,

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सर्वेश्या के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय वा किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1927 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया बना था वा वा का किना जाना चाहिए का किना के लिए;

शतः कव, अव्या अधिनियम की धारा 269-व की सम्बागन की भारा 269-व की उपधारा (१) जो अभीत जीनक्तिनियम को धारा 269-व की उपधारा (१)

59—116 GI|85

(1) मैसर्स हलवासिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि०, हलवासिया कोर्ट हजरत गंज, लखनऊ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती नीलम चोपड़ा 2. श्री राजीव चोपड़ा

3. श्री दिनेशचोपड़ा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भीत अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख सैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्हीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्या

आफिस नं० 6 और 7 फोर्थ फिलोर पर पैमाईसी 540-वर्ग-फिट कामर्स हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग हबी-बउल्ला कम्याउन्ड लंबनऊ (हजरत गंज) लंबनऊ करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र कम संख्या 90 पर दिनांक 20-9-1984 को सक्षम प्राधिकारी लंबनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 9-5-1985

मोहर

प्रक्ष बाई. टर्न. एन. एस. ------

बायकर बिधिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-इ (1) के बधीन सुचना

मारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरोक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 9 मई, 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या 76/37ईई/एक्यु०—— यत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

सकी संख्या आफिस नं 20 है तथा जो 11, एम ० जी ० मा ग हबीब उल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ, (हजरत ज) में स्थित है (ग्री र इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्री र पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन क्षेत्र लखनऊ में भारतीय आयकर के अधीन, दिनांक 20-9-1984,

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मन्य सं कम के दृश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित राजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सेस अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में दास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की गवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक ले दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा खे लिए;

अतः अव, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण पें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स हलवासिया प्रापट्रीज (प्रा०) लि०, हलवासिया कोर्ट हजरत गंज लखनऊ ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुन्नी देवी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी। अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकने।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया मया है।

अनुसूची

आफिस नं० 20 सेवैन्थ फिलोर पर (7) पैमाईसी 275 वर्ग-फिट कामर्स हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग हबी-बउल्ना कपाउन्ड लखनऊ। करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र कम संख्या 91 पर दिनांक 20-9-1984 को पंजीकृत किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ ।

तारीख: 9-5-1985

मोहर :

प्ररूप बाइ'. टी. एन. एस.-----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० जी० आई० आर० संख्या 77₁37ईई₁एक्यु०—

यतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या आफिस नं० 15 है तथाजो 11, एम० जी० मार्ग हबीबउल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ, हजरत गंज लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन क्षेत्र लखनऊ में आयकर के अधीन, दिनांक 20-9-84,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अर्रिया
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त आधानयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स हलबासिया प्रापटींज प्रा० (लि०), हलवासिया कोर्ट हजरत गंज लखनऊ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बिमला जैन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए काय बाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सची

आफिस नं० 15 सेकन्ड फलोर पर पैमाईसी 300 वर्ग-फिट कामर्स हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग हबीबउल्ला कम्भाउन्ड हजरत गंज लखनऊ । करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र कम संख्या 92 पर दिनांक 20-9-1984 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखमऊ ।

तारीख: 9-5-1985

मोह्य 🛭

प्ररूप आइ².टी. एन. एसं. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 9मई, 1985

निदेश सं० जी० म्राई० म्रार्० संख्या 78/37ईई/एवयु०---यतः मुझे ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या स्राफिस नं० 11 है तथा जो 11, एम० जी० मार्ग हबी ब उल्ला कम्पा उन्ड लखनऊ (हजरत गंज) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध स्रन् सूची में स्रौर पूण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय स्रर्जन क्षेत्र लखनऊ, में भारतीय स्रायकर के स्रधीन, दिनांक 20-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आध े बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

- (1) मैर्स्स हलबासिया प्राप्टींज (प्राप्त) लिल, हलवासिया कोर्ट हजरत गंज लखनऊ । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती प्रकाशनी श्रीवास्तव।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

म्राफित नं० 11 से कन्ड फिलोर पर पमाईसी 415 वर्ग फिट कामर्स हाउत में स्थित 11, एम० जी० मार्ग हबीव उल्ला कम्माउन्ड लखनऊ (हजरतगंज) करारनामा जोकि म्रर्जन क्षेत्र कम संख्या 93 पर दिनांक 20-9-1984 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन क्षेत्र, लखनऊ।

कतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

तारीख: 9-5-1985

मोहर

प्रकृप-बाइ'. टां. एत , एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (ल) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसब सहायक बायकर बायकत (निराँक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 9 मई 1985

निर्देश सं० स्राई० स्रार० संख्या ७९/३७ईई/एक्यु०--यतः

मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के यथान सक्ष्म प्राप्तिकारी का तहा विश्वार अस्त का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित-बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी संख्या स्राफित नं 14 वी स्रौर 15 है तथा जो 11, एम० जी० मार्ग हबी बउल्ला कम्पाउन्ड, हजरत गंज लखनऊ में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय स्रजन क्षेत्र लखन अ, भारतीय स्रायकर स्रधिनियम 1961 के अधिन तारीख 20-9-1984

की प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान श्रितकल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलबत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवृक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अतरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए कौर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)' के अभीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात:— (1) मैसर्स हलबासिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि०, हलवासिया कोट, हजरतगंज, लखनऊ ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री अनिलगोयल।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहर्या करता हूं।

उन्हां सम्मत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (स) इस चुना द. राजपा भी पत्र मा. भी तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मात्त में हित्सक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखा में विष्णु भारतीयो।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिक्का गया है।

बनुसूची

श्राफिस नं 14 बी श्रीर 15 चौथी (4) फिलीर पर पमाईसी 410 वर्ग-फिट कामसं हाउस में स्थित 11, एम० जी ० मार्ग हबीबउल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ (हजरत गंज) लखनऊ करारनामा जोकि शर्जन क्षेत्र कम संख्या 94 पर दिनांक 20-9-1984 की सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजि हत किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 9-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं जी० ग्राई० ग्रार० संख्या ए-172/एक्यु०--यतः मुझे,ए० प्रसाद,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या दो मंजिला मकान नं 177/ 103 गुईन रोड, लखनऊ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्ता प्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-9-1984

को पूर्वाक्त सम्पिति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रंजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् हु——

- (1) सर्वश्री 1. सै०न्रल हसन
 - 2. सै० बदरुल हसन
 - 3. सै॰ हुसैन (द्वारा ग्रटानी श्री सै॰ हिदायत
 - 4. श्रीमती जहांग्रारा बेगम हुसेन
 - श्रीमती ताजग्रारा बेगम
 (द्वारा ग्रटानी श्री से० हिदायत हुसैन)
 - 6. श्रोमती शोकत ग्रारा बेगम,
 - 7. श्रीमती इशरत श्रारा बेगम
 - 8. श्रोमती मेहरूनिसा बेगम

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री ग्रहमद मियां

2. श्रीमती ग्रारफा खातून।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान नं० 177/103 मय भूमि पमाईसी 4000 वर्ग-फिट स्थित गुईन रोड लखनऊ जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 27-9-1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन क्षेत्र, लखनक

तारीख: 10-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ .टी. एन एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

धारत सरकार

कार्यांचन, तहानक वायकार वायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं ० जः ० आई ० आर० – 173 एक्यु० – यतः मुझे ए० प्रसाद, बायकः र बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गयाः हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौरजिसकी संख्या मकान मयभूमि हैतथा जो बिहारीपुर्सिविल लाईन बरेली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध ग्रनुक्त में भौर पूण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बरेली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रातफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निए; बौर/बा
- (ख) एसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना अहिए था जिज्ञपान क्यांच्या के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धार। 269-ग क अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:---- (1) श्रीमती फूला रानी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री अभिलाष कुमारधीर।

(ग्रन्तरिती)

(3) विक्रेता

वह व्यक्ति जिसके श्री/श्रीमती/कुमारी ग्रिध-भोगमें सम्पत्ति है ।

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थागर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्गारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहो अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया शक्त है

ग्रन्स्वी

मकान मय भूमि पमाईसी 153-1/3 वर्ग गज स्थित बिहारी भूर सिविल लाईन बरेली (जैसा फर्मा 37--जे: संख्या 7003 में विणित है) जिसका पंजीकरण रिजस्ट्री कत ग्रधिवारी के बरेली कार्यालय में दिनांक सितम्बर 1984 की किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप बाह् .टी.एन.एस . -----

बाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 मई 1985

निदेश स० जी अाई० आर० सख्या जी-79/ए०जी०--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या महान नं > 83 है तथा जो आजाद स्ववायर सहित्य महाका इलाहाबाद से रियत है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप के विणित है) रिजिल्ली इर्ता अधिकारी के कार्याजय इलाहाबाद में भारतीय श्रायकर रिजिल्लीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1985

को प्वोंकत सपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करू का व्यारण है कि यथाप्योंक्स सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रोंतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रय जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया का का का का का का का का माने में मृविधा के लिए;

अत: अव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती ज्ञान्ती देवी कपूर

(अन्तरक)

(2) श्री गिरधारी लाल अग्रवाल

(अन्तिरती)

(3) विकेता

(वह' व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

छक्त सम्पत्ति के वर्जन के मुम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचन। के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मं किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किये जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्स्थी

मकान नं० 83 स्थित आजाद स्ववायर साउथ मलाका इलाहाबाद (जैसा फार्म 37-जी संख्या 5403 में विणित हैं (जिस:ा पंजी ारण प्रजिल्ट्रीकर्ता अधिकारी इलाहाबाद के कार्यालय में सिक्सकर 1984 को विया जा चुका है।)

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख . 10-5-1985 मोहर :

प्रकृष आई .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक गायकर गायकत (निरक्षिण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या आई-23/एक्यू०--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 19 है तथा जो कृष्णा कालोनी फैजाबाद रोड लखनऊ सें स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ से भारतीय ग्रायकर रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (का) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध' के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं .उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित ब्यक्तियों, अर्थात् :--60—116 GI|85

(1) श्री जगदीश राय अग्रवाल ।

(अन्तरक)

2) श्री इकबाल आसिफ सिद्दीकी।

(अन्तरिती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना चाड़ी कड़के पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हानेती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुक किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसर्ची

प्लाट नं० 19 पमाईसी 3808 वर्ग-फिट स्थित कृष्णा कालोनी फैजाबाद रोड, लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी० संख्या 9465 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लखनऊ, के कार्यालय में दिनांक सितम्बर, 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 10-5-1985

मोहर ः

भाषा आप , क्षेत्र, यह - एक्.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालंग, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश स० जी० आई० आर० संख्या एम-218/एक्यु०---यतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर गम्पीत जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या दो मंजिला मकान नं० 269/46 विरहान। नाका हिन्डोला लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इस रे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल किल्लाक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1984

करे पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिक्षित में बास्तिवक क्ष्य से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) वंतरण सं हुइ किसी लाग की बाबत, उक्त चित्रप्रण के अवास है, इस्ते के क्यून के बाधित्य में कमी करने वा अवस्थं व्यून के बुविधा के निष्; और/वा
- (क) एँसी कि सी आप का फिल्मा ने या रन्य शास्त्राः। को निन्हें भारताय अधिकार अधिकियाः, 1922 (1922 को 11) या उक्त वीधीन्यभ, या अन-गर अधिकियम, 1957 (1957 को 27) के अधिकार्ष अन्तरिती इवास प्रकट नहीं किया पवा या किया वाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :—

- (1) 1. श्री प्रदीप कुमार
 - 2. सन्तोष कुमार श्रीवास्तव
 - 3. श्रीमती रानी श्रीवास्तव
 - 4. श्रीमती सरला श्रीवास्तव
 - श्रीमती उमिला श्रीवास्तव
 - 6. श्रीमती उमा श्रीवास्तव
 - 7. श्रीमती निर्मला कौशिक

द्वारा अटार्नी श्री सन्तोष कुमार श्रीवास्तव

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मालती खरे

(अन्तरिती)

(3) विक्रेता

वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहिया करता है।

बदत मम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में 'गोड़" भी माश्रम:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वे 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की दामील से 30 दिन की वर्षीभ, जो बी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी कन्य व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षरी के शब तिस्त में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त कन्यों और पत्यों का, वो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभावित है वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया ही।

प्रनस्चा

दो मंजिला मकान नं० 269/46 मय भूमि पैमाईसी 1619.4 वर्ग-फिट स्थित जिरहाना थाना नाका हिन्डोला, लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी संख्या 9522 में वर्णित है) जिसका पंजी हरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में दिनांक सितम्बर 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जनक्षेत्र लखनऊ

तारीख: 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप बाई .टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षत्र. लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 मई, 1985

निर्देश सं० जी० आई० आए० संख्या एम-219/एक्यु०---यतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन प्रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- 👵 से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या मकान है तथा जो मोहल्ला साहूकारी बरेली में दियन है (स्रोर इस में उपायद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजेस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक हम से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उत्तत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्रीमती शशि प्रभा

(अन्तरक)

(2) श्री मूर्ति श्री बालाजी महाराज द्वारा श्री सुरेन्द्र कुमार मिश्र, महन्त

(अन्तरिती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिश की अविध् आ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिनः गया है।

अनुसूची

मकान पैमाईसी 338 वर्ग गज स्थित मोहल्ला—साहूकारी बरेली (जँसा फार्म 37—जी संख्या 7126 में वर्णित है (जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी बरेली के कार्यालय में दिनांक सितम्बर 1984 को किया जा चुका है।)

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र लखनऊ

तारीख: 10-5-1985

मोहर 😢

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. -----

बाबक्द विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन बुचना

भारत तरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एम-220/एख्यु०--यत: मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 / - रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी संरया प्लाट खसरा गं० 469 है तथा जो शेखपुर चांदगंज लखन उने रिश्त है (र्फ्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजर्ट्रवरण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-9-1984

को पृषांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-विभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दियाल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/ग
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनग्रंटर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा का जिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारः (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री सुनील कुमार जैन

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती माया देवी 2. श्री वीरेन्द्र कुमार

(अन्तरिती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिर कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा औ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवादः
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबहुध किसी मृत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगुस्ची

प्लाट खसरा नं० 469 पैमाईसी 11,652 वर्ग-फिट स्थित शेखपुर चांदगंज लखनऊ जिसका पंजीकरण रिजरट्रीकर्ता अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 19-9-84 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 10-5-1985

प्ररूप वार्ड<u>ु</u>टी.एन.एस.------

जे।थ्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं} भारा 269-मृ (1) के वृधीन सूचना

भारत तहकार

कार्यासब, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एम-221,एख्यु०--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो मोहत्ला कमता, जिला लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम क स्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किंग्स्य गड़ी किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के जन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इं अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, वर्षात ॥—

- (1) 1. श्री बकसे
 - 2. श्री कल्लू
 - 3. श्री राम बिलास
 - 4. श्री राम दास
 - श्री सरज् द्वारा अटानीं श्री एस० मिश्रा

(अन्तरक)

(2) मोती नगर सहकारी आवास समिति लि० लखनऊ, द्वारा श्री मुकुल गुप्ता (सचिव)

(अन्तरिती)

(3) विकेता

वह व्याब्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या जत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकिश में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ष ब्रिधिन्यम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस बध्याय में दिया भया है।

नन्तुषी

भूमि पैमाईसी 5 बीघा (136100 वर्ग-फिट) स्थित मोहल्ला कमता, जिला लखनऊ (जैसा फार्म ब्रे37—जी संख्या 9477 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में दिनांक सितम्बर, 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 10-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. डी. एन. एस. -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीम सुमना

बारत बहुका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एन -94_{I} एक्यु०—्यतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उवत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाधार मृख्य

1,00 000/- क. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी संख्या आराजी है तथा जो शास्त्री नगर बरेली में स्थित (ग्रीर इससें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिका है और अन्तरिक (अन्तरिक्तों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, रिम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) सन्दर्भ स हुई किसो नाम की बानता, डब्ब्स् विधिनियम के स्थीन कर दीने के बंतरक के दायित्व में कभी करने था उन्हले ब्यूचे में सुविधा के लिए; बीट/वा
- (क) इसी किसी बाब वा किसी पन वा बन्य वास्तियों को, चिन्हें भारतीय वायकर वॉधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के विद;

अत: अब्, उक्त बिधिनियम, की भाग 269-ग के अनुसरण बँ, मँ, उक्त बिधिनियम को भारा 269-म की उपभारा (1) के बधीन, निम्मिनियित व्यक्तियों अभाव क्ष्र- (1) श्री बी० वी० कटरा

(अन्तरक)

(2) श्री नम्हें

(अन्तरिती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

दक्त सम्पात के अपन के सम्बन्ध मा कोई भी नाकार --

- (क) इस सूचना के सक्यम में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ख़बीच को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति (वारा)
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकासन वर्त बारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्ध किसी जन्म स्थावित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

अध्दीकरण ---इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क मी परिभाषिट हो, वही अर्थ होगा का उस अध्याय में दिया विधा स्था है।

तनसंची

आराजी पेमाईसी 1663 वर्ग-गज स्थित शास्त्री नगर बरेली (जैसा फार्म 37-जी 7445 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी बरेली के कार्यालय में दिनांक सितम्बर 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 10-5-1985

भोहर 🛭

प्रस्त् बार्ड .टी .एव . एव

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) वे दर्धन रूचने

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या आर—246,एक्यु०——अतः म_ुझे, ए० प्रसाद,

बाबकर श्रविनियम; 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें पश्चात् "उक्त श्रविनियम" कहा गया है), की धारा 269-ख के बाबीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका जनित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है ग्रीर जिसकी संख्या निर्मित सप्पत्ति है तथा जो 400/80क, जबाई टीला, चौक लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संस्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए बंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्राप्तिक है और ग्रन्तिक (श्वन्तरकों) और ग्रन्तिकी (ग्रन्तितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तिरण के लिए तय पाया गया प्रति- क्ष निम्नलिखित उद्देश्य से उनत ग्रन्तरण लिखित में बाक्तिक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के बिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी थन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रश्चितियम, वा धन कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किला गया था या दिया जाना काहिए था, क्रियाने प्रें किला के खिला के लिए ।

(1) श्रीमती जमीला बेगम

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राफिया बानी

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

क्या चम्परित के वर्जन के बम्जन्म में कोई भी वार्क्ष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिखा मुद्रा हो।

अ**नुसूची**

निर्मित सम्पत्ति पैमाईसी 2864 वर्ग-फिट स्थित 400/-80 क, जवाई टोला चौक, लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी संख्या 9479 में विणत है) जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में दिनांक सितम्बर 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 10-5-1985

मोहर 🙄

कतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधास (1) के अधीन, निम्नीलींकत व्याक्तयां, विधात मि

प्ररूप गार्च. टी. पुन. पुत्र.....

Mand alst . Et of Hall of Hall commends

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भारा 269-म (1) के सभीन सुम्मा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज न क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या आर-747, एक्यु०-यतः मुझे, ए० प्रसाद,

अाय प्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चप्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या आराजी है तथा जो राम नगर लखनऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन लखनऊ, दिनांक सितम्बर, 1984

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पादा गया प्रतिकल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपक अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; सीर/या
- (अ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-- के को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह

(1) श्री कल्लू

(अन्तरक)

(2) श्री राज सहकारी गृह निर्माण समिति लि॰ लखनऊ

(अन्तरिती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कां यह सुभना चारी करके पृत्रों क्ल सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पारत के **वर्ष**न के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों। में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्टित में किए वा सकर्षे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुस्'ची

आराजी पैमाईसी 2 बीघा 7 बिस्वा 8 बिस्वान्सी ग्रौर 13 कचंवान्सी स्थित राम नगर लखनऊ (जैसा फार्म 37—जी संख्या 9335 में विणित है) जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में दिनांक सितम्बर 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तरीख : 1 0-5-1 9 8 5

मोहर 😘

ारूप आई .टी .एन .एस . -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 200-ल (1) के अधीन संचना

MICH PRINT

कार्यालय. सहायक आयाहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एस-364, एक्यु०--यत: म्झे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र शाहण श्रीय 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या मकान नं० डी-42 है तथ:जो महानगर लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊं में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिस एवंदर्य से उकत अन्तरण लिसिन में वास्तविक रूप से किया गया है।

- (क) बन्तरण संहर्ष किसी भाय की नखत, त्र क् बीधीनयम के बधीन कर दोने के जन्तरक के वीयत्व मों कमी करने या उससे बचने में पांचधा के लिए; बारि/पा
- (बा) एसी किसी आर या किसी धन या अप आसित्या की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री के०पी० विपाठी द्वाराडा० एन० एम० गुप्ता

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरना देवी गुष्ता

(अन्तरिती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त प्रितां में में जिसी यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरणः --- इन्सं प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अंश्वीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

मकान न० डी- 42 पैमाईसी 1980 वर्ग-फीट स्थित महानगर लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी संख्या 9192 में विणत है) जिल्हापंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में दिनांक सितम्बर 1984को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्रावि हारी गहायम पाप रंद ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

信前: 10 ·5-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

पारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० सख्या एस∸36 ,एख़्यु०— यत: मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के दिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी संख्या आराजी भूमिधरी है तथा जो ग्राम बिजनौर बिला एहतमाली, जिला-विजनौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजनौर में रजिस्ट्रीकरण अधि नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 22-9-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हाई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उसमें अचने में सुविधा के लिए: और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिल्हों भारतीय आरफार अधिनियम, १००० (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 ता 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किए। गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने हों स्विधा के लिए;

बता बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण गं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, न्मिनसिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्री निसार अहमद

(अन्तरक)

(2) श्री सैयद अरशाद रजा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण :--इसमें श्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

आधा हिस्सा आराजी भूमिधरी पैमाईसी 5 बीघा 11 बिस्वा स्थित ग्राम विजनौर विला एहतमाली जिला-विजनौर (जैसा फार्म 37-जी संख्या 3914 में विणित है) जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजनौर के कार्यालय में दिनांक 22-9-1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 10-5-1985

मुक्त बाएंड दीं पूर्व पूर्व

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

पार्त सरका

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 मई, 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एस-365, एख़्क्यु०--यत: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये हे बिधक है

ग्रौर जिसकी संख्या आधा हिस्सा आराजी भूमिधरी ग्राम-बिजनौर बिला एहतमाली जिला-बिजनौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधकारी के कार्यालय बिजनौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/बा
- (क) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आग्रकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्री इरशाद अहमद

(अन्तरक)

(2) श्री सै० अरशाद रजा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्पी

आधा हिस्सा आराजी भूमिधरी पैमाईसी 5 बीघा 154 बिस्वा स्थित ग्राम-बिजनौर बिला एहतमाली तह० और जिला-बिजनौर (जैसा फार्म 37-जी सख्या 3914 में वर्णित है। जिसका पंजी-करण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बिजनौर के कार्यालय में दिनांक 22-9-1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 10-5-1985

प्ररूप आइं.ट. एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 मई 1985

निदश सं० जी० आई० आर० संख्या एम-367/एक्यु०---यतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मुल्ल 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिस ी संख्या दो मंजिला भवन है तथा जो मोह्न्या भट्टी मुरादाबाद में रिथत है (श्रौर इससे उपाबद्ध ानुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के अर्थालय मुरादाबाद में रिजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 ज 16) के अ्थीन दिनांक 20-9-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दंश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित काकिरणों अधीत :—

- (1) १. श्री बलवीर सिंह
 - 2. श्री जयबीर सिंह
 - श्रो यशवीर सिंह

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री सुभाष चन्द
 - 2. श्री सन्तीश कुमार
 - 3. श्री बिपिन कुमार
 - । श्री अरविन्द कुमार

(अन्तिरती)

कं यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कर करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 15 दिन की अवधि या तत्संबनी व्यक्तियों पर स्वान की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिश को भीतार जनत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

त्पध्यकरणः --- इसमे प्रस्कृत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुस्चा

दो मंजिला भवन पैमाइण 171.94 वर्ग-मीटर स्थित मोहल्ला भर्टी (जैसा फार्म 37जी रहिया 6522 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रोकली अध्यक्त से मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 29-9-1984 को किया जा चुना है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

नाभीख: 10—1 1985 मोहर शृरूप. अरड्. टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ?69-ण (1) के अभीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं जी अाई० आर० संख्या वी-79/एक्यु०-अत मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं 127 है तथा जो जवाहर नगर बरेली में स्थित है) स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वाँणत है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बार्यालय बरेली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1984

को पूर्वितत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का मंद्रह अतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरितीं अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्निनिखित नद्दिश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक्र हिप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण संहुदं किसी बाग की बाबत, अब्ध अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को सामित्य में कभी करने या छससे नचने में सुविधा के लिए; बरिप्रंवा
- (क) एसी किसी जाब भा किसी धन रा अन्य अहर-हर को निकार अस्पर्यात अधिनयम को जिल्ही स्वार्यात अधिनयम को जिल्ही स्वार्य (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, रह अन-कार अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना विवय जाना चाहिए था, छिपाने मा स्विया के विवदः

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, पा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) 1. श्री मी० रिजवान अली2. श्री खुरर्गीद महमूद

(अन्तरक)

(2) विवेक गृह विकास सहकारी समिति लि० बरेली द्वारा प्रेसी डेन्ट।

(अन्तरिती)

(3) विकता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्मत्ति के बर्जन ने संबंध में कोई भी बाबांप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त करिक से दें कि हो हो जिल्हा हुए रा
- (का) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी बन्य व्यक्ति ह्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा एकंगी।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

न्त्स् ची

प्लाट नं० 127, पैमाइश 1267 वर्ग गज स्थित जवाहर नगर बरेली (जैन: फार्म 37-जी संख्या 6752 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी वरेली के कार्यालय में दिनांक सितम्बर 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त ((निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 10-5-1985

ग्रोहर 🖫

प्ररूप बार्ड . टी., एन . एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के कथीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या वी-80/एक्यु०--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गयां हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या सम्पत्ति पैमाईसी 1000 वर्ग गज मोहल्ला सुर्खा नियर वानखाना वरेला में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984

शां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शृंल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंस्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त विम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक स्था से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी गाय की बाबत उक्त श्रीध-जियम के बधीन कर दीने के बन्तरक के दायित्व में कर्मी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिये; बीय/या
- श्चि) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः बद, उसत विधिनियम, कौ बारा 269-म के बनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीरः,, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :— (1) 1. सुभाष चन्द2. चन्द्र सेन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वेजयन्ती रस्तोगी

(अन्तरिती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध न कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अविधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ठन्स्ची

सम्पत्ति पैमाईसी 1000 वर्ग गज स्थित मोहल्ला सुर्खा नियर वानखाना वरेली और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जो कि सेलड व फार्म 37-जी संख्या 6980 में वर्णित है जिसका पंजी-करण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी वरेली के कार्यालय में सितम्बर 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 10-5-1985

मोहर

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्याचय, सहायंक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या ए-174/एक्यु०-यत' मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसको संख्या मकान है तथा जो नई बाजार, जिला लखीमपुर खीरी में स्थित है (ग्रोर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राक्तों अधिकारी के कार्यालय लखीमपुर खीरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाबार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पर्ति का स्वीवत बाबार बूब्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे व्यवसान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष , निम्निचिसित उद्वेष्य से उक्स अंतरण निष्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोचनार्थ अन्तिरती बुवारा प्रकट नहीं किया बाबा बाहिए था, खिपाने में विशेष के लिए:

(1) श्री राम चन्द्र जायसवाल

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री अजय कुमार जायसवाल
 - 2. श्री रामजी जायसवाल
 - 3. श्री कृष्ण कुमार
 - 4 श्री सतीश कुमार
 - 5. श्री राम गोपाल जायसवाल

(अन्तरिती)

(3) विक्रेतः

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्त स्थावर सम्पत्ति में हिए-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास निस्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनविश्व के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा जो उत्त बध्याय में दिसा नवा है।

अनुसूची

मकान स्थित नई बाजार जिला-लखीमपुर खीरी जैसा फार्म 37-जी संख्या 6744 में वर्णित है जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी लखीमपुर खीरी के कार्यालय में किया जा चुका है (दिनांक सितम्बर 1984 को)

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी/ सह(य∜ आयक्प आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

अतः अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्क्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 10-5-1985

मोहर 🖫

CONTRACTOR OF A CONTRACTOR OF अरूप याहर ही एव एम. -----

क्षायकर अधिनयम् । १९६। (1961 का 43) की धारा 260 प 😭 के अधीन मुचता

ा सरकार

कार्यालय, सहाय+ अध्यक्त आगुक्त (निरीक्षण) ार्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखन कं, विनांक 👉 अप्रैल 🗆 1985

निर्देश संः जी अपर्टिक १४ - वंख्या के-153/एक्यु०--यतः मुझे, ए० प्रसादः

भायकर संधिनियम । 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्म इसके पञ्चान 'उकन अधिनियम' अहा राया है), की धारा 269-स के अधीन मध्यम गाधिकारी को , यह निक्वान करने का कारण ही कि स्थावर गण्डित, विस्तात विचत बाजार। सुस्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या निर्मित सम्पत्त सथ पूमि है तथा जो रुद्रपुर जिला-नैनीनाल में रेयत है (ओप इसने उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने वर्षण : है), प्रजिन्दी की किश्वारी के कार्यालय हलदवानी में रजिण्ट्रीकरण अधिनिधम, १९०८ (१९०८ आ १६) के अधीन , दिगांक फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सल्परिए के उष्टित बाजार मृत्य से कम के उपमान प्रतिफाल के लिए अंतारत की नर्ज हैं और मुक्ते यह विश्वास भरने का कारण मुँ कि यभाष्यों का सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्या, उसके दश्यभाग प्रतिफल हा. एस श्रूयमान प्रतिफन का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के किए तब गया गया। ातिफल, निम्नतिधित उद्वर्ष सं उत्रत मन्तरण निधित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुइ किसी अपर की बाबत , उनत विधिनियम के शर्थांत कर बंद के बन्तरक के ्रोक्षाक प्राप्तकार । असे ए एक्स **बचने माँ स्**विधः 人名 俊 贈老 6
- (ख) एसी किसी अरू या फिसी धन रा अन्य अस्पत्री को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या उक्त अभिनियम या धन कर अपि^{क्}यम , 1957 (1957 का 27) के हक्केनाश जन्तरिती दवारा प्रकट रहीं किया गया भाषा कि ए प्राप्त स्थापन हो भृतिक ां देखा

कतः अवः, अवतः सिंसिनामः का भार। 269-ग के वनुसरण . **ब**ैं उच्चत अधिनियम की भारा 269-**व की उपभारा (1)** के तथीन निम्मिति खत व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री रेवती रमन

(अन्तरक)

(2) पैमर्थ कैनाग ट्रेडिंग कम्पनी, रद्रपूर, नैनीनाल हारा पार्टनर श्री कैलाग चन्द्र व अन्य

(अन्तरिती)

(3) क्रोना

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मुचना जारी करके पर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित के अर्घन के मंबंध में कोई भी बाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की भवीध या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियाँ पर यचरा की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अर्थाध बाद यों समाप्त होती हां, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियाँ में किसी व्यक्ति ब्लारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सर्वें गे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

वनुसूची

निर्मित अस्तरीत मय भूमि पैमा**ईमी** 66000 वर्ग-फि थ्यित रुद्रपुर जिला-नैनीताल और अस्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि मेलडीड में । वर्णित है जिसका पंजीकरण । रजिस्ट्रीकर्ता अधि अभी हा हानी के कार्यालय में फाबरी 1985 को विया जा चुबा है। (बैसाफार्भ 37 -जी पंध्या 447 पें वर्णित है)

> ए० प्रसाद नक्षम प्राधिकारी महायम नायमण वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र लखनऊ

वारीख: 22-4-1985

मोहर 🖁

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

अनुभाग अधिकारी/आशुलिपिक (ग्रेड ख/ग्रेड 1) सीमित विभागीय

प्रतियोगिता परीक्षा, 1985

नई दिल्ली, दिनांक 22 जून 1985

सं. एफ.-9/3/85-प. 1 (ख)—भारत के राजपत्र दिनांक 22 जून, 1985 में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखत सेवाओं के अनुभाग अधिकारी ग्रेड तथा आश्लिपिक ग्रेड ।/ग्रेड ख की चबन सूचियों में सम्मिलित करने के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा वंबई, कलकत्ता, दिल्ली, गंगटोक, मद्रास और नागा- पुर में 10 दिसम्बर, 1985 से एक सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपयुक्त केन्द्रों तथा तारीक्षों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसंद के केन्द्र देने के, सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारिणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी (नीचे अनुबंध 1 परा 7 देखिए)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं में भर्ती की जानी है उनका तथा उन सेवाओं में उपलब्ध रिक्सियों की अनुमानित संख्या का विवरण इस प्रकार है :

वर्ग-I

केन्द्रीय सचिवाखय सेवा का श्रनुमाग ग्रिविकारी ग्रेड- I

वर्ग-II

श्रनुभाग मधिकारी, ग्रेड (भारतीय विदेश सेवा, 'शाखा' ख के सामान्य संवर्ग का समेकित ग्रेड –।। श्रीर ।।।)

वर्ग- [[]

रेल बोर्ड सचिवालय सेवा का अनुभाग श्रमिकारी ग्रेड

वर्ग-IV

केन्द्रीय सचिवालय श्राशुलिपिक ुँसेवा का ग्रेड ख

สท์...V

भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'ख' के भ्राशुलिपिक संघर्ग का ग्रेड-I

ग्रेड-VI

सगस्त्र सेना मुख्यालय ग्राशुलिपिक सेवा 4(1 पद ग्रनुसूचित जाति तथा का ग्रेड ख वर्ग 1 पद ग्रनुसूचित जनजाति के लिए ग्रारक्षित)

वर्ग- VII

रेलवे बोर्ड सिववालय श्राशुलिपिक मेवा का ग्रेड 'ख' 62-2/6 GI/85 ग्रेड-VIII

क्रासूचना ब्यूरो का ग्रमुभाग प्रश्चिकारी 7(1 पद ग्रनूसूचित जाति ग्रेड तथा 1 पद ग्रनुसूचित जनजाति के लिए ग्रारक्षित)

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है। *रिक्तियां सरकार द्वारा सूचित नहीं की गई।

3. जो उम्मौदनार उक्त सेवाओं (द्रष्टव्य नियम 3) के दो वर्गी के लिए पात्र है और दोनों के लिए प्रतियोगिता में भाग लेना चाहते हैं; यह केवल एक ही आवेदन-पत्र भेजें उसे नीचे पैरा 6 में उल्लिखित शुल्क एक बार ही दोना होगा तथा आवेदन किए गए प्रत्येक वर्ग के लिए पृथक शुल्क दोने की आवश्यकता नहीं है।

विशेष ध्यान : उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्रों में उस वर्ग/
उन वर्गों का स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए जिनके
लिए वे प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। दो
वर्गों के लिए प्रतियोगिता में भाग लेने वाले
उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र में वरीयता
क्रम से दोनों वर्गों का उल्लेख करना चाहिए। दो
वर्गों के लिए प्रतियोगिता में भाग लेने वाले
उम्मीदबार को अपने आवेदन-पत्र में उल्लिखित मूलतः वर्गों के वरीयता क्रम में परिवर्तन करने के अनुरोध पर तब तक विचार
नहीं किया जाएगा, जब तक कि इस आशय का
अनुरोध संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में
लिखत परीक्षा के परिणाम रोजगार समाचार
में प्रकाशित होने के 30 दिनों के भीतर प्राप्त
नहीं हो जाता।

4. परीक्षा में प्रवेश बाहने वाले उम्मीदबारों को निर्धारित जाबेदन-प्रपत्र पर सचित, संच लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना बाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र सथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण दो रुपए देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचित, संच लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा या सचित, संच लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देथ रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करोसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन प्रपत्र आयोग के काउण्टर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपए की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

टिप्पणी:— उम्मीदिवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र अनुभाग अधिकारी/आशुन्तिपक (ग्रेंड ख/ग्रेंड।) सीमित विभागीय परीक्षा, 1985 के लिए निर्धारित मृद्भित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। अनुभाग अधिकारी/आशुलिपिक (ग्रेंड ख/ग्रेंड ।) सीमित विभागीय परीक्षा 1985 के लिए, निर्धारित आवेदन प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर प्रस्तुत आवेदन प्रपत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सिचब संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 19 अगस्त, 1985 (19 अगस्त, 1985 से पहले ही किसी तारीख से अस्म, मंघालय, अरुणाचल प्रकंश, विकारम, मणि-

पूर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दांख प्रभाग हिमाचल प्रदेश का लाहाँल और स्पीति जिले और चंबा जिले के पांगी उपमंडल, अंडमान और निकाबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के और जिनके आवेदन-पत्र उपर्यंक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं उनके मामले में 2 सितम्बर, 1985) तक या उससे पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाए या स्वयं आयोग के काउण्टर पर आकर जमा कर दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपूर नागालैण्ड, त्रिप्रा, सिक्किम, जम्मू और काश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश का लाहौल और स्पीति जिला तथा चंबा जिले के पांगी उपमंडल अंडमान और निकोबार द्वीप-समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले जिम्मीदवारों से आयोग यदि चाहोतों इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 19 अगस्त, 1985 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश का लाहौल और स्पीति जिला तथा चंबा जिले के पांगी उपमंडल अंडमान और निकोबार द्वीपसमृह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी: --जो उम्मीदनार एसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले आवेदन की प्रस्तृति होतू अतिरिक्त समय के हकदार है उन्हें आवेदन-पत्र के संगत कालम में अपने पत्रों में अतिरिक्त समय के हकदार, इलाके या क्षेत्र का नाम अर्थात् असम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग आदि। स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहन वाले उम्मीदवारों को भरे हुए बावेदन-पत्र के साथ आयोग को रु. 28.00 (अट्ठाई स रुपये) अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु. 7.00 (सात रुपये) का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय या रेखांकित भारतीय पांस्टल आर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली स्थित स्टेट बैंक आफ इण्डिया की मुख्य शाखा पर देन स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक डाफ्ट के रूप में हों।

विदशे में रहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित शूलक भारत के उच्च आयुक्त राजदूत या विदशे स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051—लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए आवेदन-पत्र के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक-दम अस्वीकार कर दिया जाएगा।

7. यदि कोई उम्मीदवार अनुभाग अधिकारी/आजालिपिक (ग्रेंड स्/ग्रेंड ।) मीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1984 में बैठा हो और इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करना चाहता हो उसे 1984 की परीक्षा के परिणामों की प्रतीक्षा किए बिना ही अपना आवेदन-पत्र अवस्य भेज दोना चाहिए, तािक वह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए, यदि 1984 में वी गई परीक्षा के परिणाम के आधार पर उसका नाम

चयन सूची में सम्मिलित करने होतु अनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुरांध पर इस परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको शूल्क लौटा दिया जाएगा बशतों कि उम्मीदवारी रद्द कराने और शूल्क को वापस करने का अनु-राध आयोग के कार्यालय में 1984 की परीक्षा के अंतिम परिणामों के ''राजगार समाचार'' में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अंदर प्रस्तुत कर दिया जाए।

8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शूल्क का भूगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे रु. 15.00 (पंद्रह रुपये) [अनुसुचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु. 4.00 (चार रुपये)] की राशि वापिस' कर दी जाएगी।

उपर्युक्त तथा पैरा 7 में उपवंधित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भूगतान किए गए शुल्क को वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क की किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरिक्षत रखा जा सकेगा।

- 9. उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर दोने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबद्ध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।
- 10. नियमावली के परिशिष्ट । में उल्लिखित परीक्षा को योजना में बताए गए सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पक्ष में वस्तूपरक प्रकार के प्रश्न होंगे। वस्तूपरक परीक्षण के विवरण और नमूने के प्रश्नों के लिए अनुबंध ।। पर उम्मीदवारों के सूचनार्थ विवर्णिका का संदर्भ दिया जाए।

मा. बालाकृष्णन, उप सचिव, संघ लोक सेवा आयोग

अनुबंध---() उम्मीदवारों को अनुदक्ष

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्ती में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा । में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक हो, अंतिम रूप से चून लेना चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से संबद्ध अनुरोध को सामान्यत्या स्वीकार नहीं किया जाएगा किन्त् यदि कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा होतू अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा आंचित्य बताते हुए एक पत्र रिजस्टर्ङ डाक से अवस्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। एसे अन्रोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्त् 11 नवम्बर, 1985 के बाद प्राप्त अनुबंधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवारों को आवेदन-प्रपत्न तथा पावती कार्ड अपने हाथ में स्याही से या बाल पाइंट पेन से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्त्रीकार कर दिया जाएगा। उम्मीद्रवार यह ध्यान रखे कि आबेदन-पत्रों को भरते समय भारतीय अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूप का ही अयोग किया जाना है। वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आवेदन-पत्र में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट और सुपाठ्य हों। यदि प्रविष्टियां अपाठ्य या भूमक होंगी तो उनके निर्वाचन में होने वाले भूम तथा संदिग्धता के लिए उम्मीदवार उत्तरदायी होंगे।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि आयोग द्वारा आवे-दन-पत्र में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्र आदि स्वीकार नहीं किया जाएगा। चूंकि आवेदन-पत्रों को संगणक प्रणाली द्वारा संसाधित किया जाता है, इस-लिए उन्हें आवेदन-पत्र सही रूप से भरने के लिए विशेष साव-धानी बरतनी चाहिए।

उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिए जो संगत प्रविष्टियों का सत्यापन करके आवेदन-पत्र के अंत में दिए गए पृष्ठांकन को भर कर आयोग को भेज दोगा।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवस्य भेजने चाहिए :--

> निर्धारित शुल्क के लिये रेखांकित किये हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्रफ्ट या भारतीय मिशन की रसीद (देखिए नोटिस का पैरा 6)।

> उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 H^{-} . $+ \text{H}^{-}$. $\times 7 \text{ H}^{-}$. $+ \text{H}^{-}$.) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां जोकि एक आवेदन पत्र पर और दूसरी उपस्थित पत्रक में निर्धारित स्थल पर चिपकाई गई हो।

लगभग 11.5 सें. मी. $\times 27.5$ सें मी. आकार के बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे जिन पर आपका पता लिखा हो।

विधिवत भरा हुआ उपस्थिति पत्रक (आवेदन-पत्र के साथ संलग्न)।

मद (।) और (।।) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिये गए ह⁵।

(क) निर्धारित शुल्क के लिये रेखांकित किये हुए भारतीय पोस्टल आर्डर :--

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रोखांकित किया जाए, उस पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय, लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किये जायेंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किये जायोंगे।

सभी पोस्टल आर्डोरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किये गये हों और न ही सिचव . संघ लोक सेवा आयोग को नर्इ दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय किये गये हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं हैं।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिये रेखां कित बैंक डाफ्ट

ं बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी शाखा से लिया जाना चाहिए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इण्डिया की मुख्य शाखा, नई दिल्ली में देय होना जाहिए तथा विधिवत रोखांकित होना खाहिए।

किसी अन्य बैंक के नाम से देय किये गये बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किये जायेंगे। विरूपित या कटे-फटे ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

टिप्पणी:--(1) उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र प्रस्तुत करते समय बैंक ड्राफ्ट की पिछलीं और उत्पद्ध के सिर्ट पर अपना नाम स्था पता निसना चाहिए। पोस्टन आर्डरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल

> आर्डर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिए निर्धा-रित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

(2) जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विद्रिष्ट में रह रहें हों, वे निर्धारित शुक्त की राशि हुई . 28.00 (अट्ठाइस रुपए) के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिये रु. 7.00 (सात रुपए) के बराबर यथास्थिति उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवायों और उनसे कहा जाए कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष "051—लोक सेवा आयोग परीक्षा शुक्क" में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजें।

फोटो की दो प्रतियां उम्मीदनार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी.×7 से. मी.) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति उपस्थित पत्रक पर निर्दिष्ट स्थान में जिपका देना जाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के उत्पर उम्मीदनार को स्थाही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

विशेष धयानः — उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि युदि

आवेदन पत्र के साथ उत्पर पैरा 3 (।) और(।।)

में उल्लिखित प्रलेख संलग्न न होंगे तो आबेदन
पत्र अस्वीकार कर दिया जाएगा और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि आवेदन-पत्र भरूने समय कोई भूठा ब्यौरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदनारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते प्रस्तुत किये किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक कर न उसमें परिवर्तन कर और न कोई फरबदल कर और न ही फर-बदल किये गये भूठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि एसे दो या अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

5. आवेदन-पत्र दोर से प्रस्तुत िकये जाने पर दोरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं िकया जाएगा िक आवेदन-प्रपत्र को अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

6. आयोग के कार्यालय में विलम्ब से प्राप्त सहित प्रत्येक आवेदन-पत्र की पात्रती दी जाती है तथा आवेदन-पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मोदनार की आवेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी जाती है। यदि कियी उम्मोदनार को उक्त परीक्षा के आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिये निर्धारित अन्तिम तारीख से एक मास के अन्दर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल आयोग से पावती दीय सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ का कि उम्मीदवार को आवंदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी गई है अदने आप यह अर्थ नहीं है कि आवंदन-पत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 7. इस परीक्षा मों प्रयोश चाहने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की स्चना यथाशीष्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कव सचित किया बाएगा यदि परीक्षा के बुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदनार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे मे संघ लोक सेवा आयोग से कोई स्चना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने एसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित रह जायेगा।
- 8. सघ लोक मेवा आयोग ने "संघ लोक सेवा आयोग की वस्तुपरक परीक्षाओं होत् उम्मीदवार विवरणिका" शीर्षक से एक समूल्य पृस्तिका छापी है। इस प्रकाशन का उद्देश्य यह है जिससे संघ लोक मेवा आयोग की परीक्षाओं या चयनों के भावी उम्मीदवारों को सहायता सिल मके।

यह पृष्टितका और पिछली जंच परीक्षाओं की नियमावली तथा परम्परागत प्रकान-पत्रों का उल्लेख करने वाले पर्मफलेटों की प्रतियां प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दोहली-110054 के पास विकी के लिए सलभ हैं 'कोर इन्हें उनसे सीधे मेल आईर द्वारा या नकद भगतान पर पाप्त किया जा सकता है। इन्हें केवल नकद भगतान पर (।) किताब महल, रियोली सिनेमा के सामने, इम्पो-रिया विल्डिंग ''सी'' ब्लाक, बाबा खड़ग मिंह मार्ग, नई दिल्ली 110001 और (2) उद्याग भवन, नई दिल्ली-110011 स्थित प्रकाशन शाखा का विकी काउण्टर और (3) गवर्नमेंट आफ इण्डिया बुक डिपो, 8-के, एस. राय राउ, कलकत्ता-700001 से भी लिया जा सकता है। मैनुअल/पैम्फलैट भारत सरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मुफसिल शहरों में मिथत एजेन्टों से भी उपलब्ध है।

- 9. परीक्षा में सिम्मलित होने के लिए उम्मीदवारों को संघ लोक सेवा आयोग से कोई यात्रा भत्ता नहीं मिलेगा।
- 10. आवेदन-प्राप्त सं संबद्ध पत्र-व्यवहार:——आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपूर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए:——
 - (1) परौक्षा का नाम
 - (2) परीक्षा का महीना और वर्ष
 - (3) उम्मीदवार की आवेदन पंजीकरण संख्या/अनुक्रमांक अथवा जन्म तिथि यदि आवेदन पंजीकरण संख्या/ अन्क्रमांक सृचित नहीं किया गया है।
 - (4) उम्मीद्वार का नाम (पूरा तथा बड़ अक्षरों में)

(5) आवंदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

निशेष ध्यान :--(1) जिन पत्रा आदि में यह ब्यौरा नहीं हिया जाएगा।

विशेष ध्यान :--(2) परीक्षा समाप्त होने के बाद यदि उम्मीद-वार से कोई पत्र/सूचना प्राप्त होती हैं और उनमें उसका पूरा नाम और अनुक्रमांक नहीं जिला है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा और कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

11. पते में परिवर्तन :— उम्मीदवार को इस बात की व्यव-स्था कर लंगी चारित कि लमके अक्टेंडन पत्र में जिल्लाखित पते एर भेजे गए पत्र आदि, शानाफ होंगे पर उपको तदले हुए पते गर किल राया बरें। पत्र में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होंने या तायोग को जनकी मुगना, उपर्यंत्र परा 10 में उल्लिखित ब्योग के साथ प्रथाणीय बी जानी चाहिए यद्यपि आगोग एसे परिवर्तनों पर ध्यान दोने का पूरा-पूरा प्रत्यन करता है फिर भी इस विष्ण में यह कोई जिम्मेदारी न्यीकार कर नहीं सकता।

अन्वंध II इम्मीदवार को सुचनार्थ विवरणिका

(क) त्रस्त्याक परीक्षण :

आपकी परीक्षा में सामान्य अध्ययन का शहन पत्र "वस्तूपरक परीक्षण" प्रकार का होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आवारों जन्म जिसमें रहीं होंगे। पत्रोंक प्रका (जिसकों आगे प्राणंज यह जन्म) के लिए कई सम्भाग गए उत्तर (जिसकों आगे एक्यून र हथा। जागा) हिए। जाने हैं। इसमों से प्रत्येक एक्यों से लिए अस्तरों एक उत्तर हम लेगा है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में काछ शामकारी दमा है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के आरण आएको कोई हानि न हो।

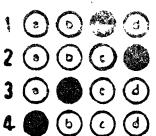
(ब) परीक्षण का स्वरूप

ग्रहत ग्व "प्रात परिच्या" हे या में होंगे। इस पुस्तिका में कम संघा 1, 2, 3 आदि के कम से प्रश्नांश होंगे। इस प्रश्नांश के नीचे ए. वी. नी. डी. चिन्हों के साथ स्फाए गए प्रत्यत्तर तिसे होंगे। आपका काम एक सही या यदि आपको एक से अधिक प्रत्युत्तर मही लगा। तो उनमों से सर्वोत्तम उत्तर का चूनाव करना होगा। (अंत में दिए गए नमूने के प्रश्नांश दोस लें)। किसी भी स्थिति में प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक सही प्रत्युत्तर का चूनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक प्रश्न चून लेते तो आगका प्रत्यत्तर गम्यत माना जाएगा।

(ग) उत्तर दोने की विधि

परिक्षि भवन मा आपको अलग एक उत्तर पत्रक (जिसकी क नमूने की प्रति आपको प्रवेश प्रमाण पत्र के नाथ दी जाएगी) दिया जाएगा। आपको अपने प्रयान्तर उस उत्तर पत्रक मों लिखने होंगे। प्रकृत पुस्तिका मों या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसीं कागज पर लिखें गए उत्तर नहीं जांचे जाएंगे।

उत्तर पत्रक मों प्रकाशों की संस्थाएं 1 से 160 तक चार खंडों मों छापी गई हैं। प्रत्योक प्रकाशों के सामने, ए. गी. सी. डी. चिन्ह वाले वृत्ताकार स्थान छपे होते हैं। प्रश्न पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांध को पढ़ लेने और यह निर्मान ठरने के बाद कि कानसा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम हैं आपको इस प्रत्युत्तर के अक्षर वाले यूए को पेंसिक स पूरी तरह काला कर उसे अधिकत कर दना है, जैसा कि (आपका उत्तर दर्शने के लिए) नीचे दिखाया गया है। उत्तर-प्रथक के वृत को काला वनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जरूरों है कि :--

- 1. प्रश्नांकों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किस्म की एच बी. (पेंसिन) ही लाएं और उन्हीं दा प्रयोग करें।
- 2. गलत निशान को बदलने के लिए उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा दै। इसके लिए आप अपने साथ एक रवड़ भी लाएं।
- उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई एसी गलत
 असावधानी न हो जिससे यह कट जाए या उसमें मोड़ व सिलवट आदि पड जाए या वह खराब हो जाए।

(कं) काछ महत्वपूर्ण निनियम :

- अपका पराक्षा अरम्म करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान तहल करना होता।
- 2. पर्राध्य गरू हाने के 30 मिनट बाद किसी भी परीक्षण मों प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- 3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने को अनुमात नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समान्त होने के बाद, प्रश्न पृस्तिका और उत्तर-पत्रक निरीक्षक/पर्यनेक्षक को सौंप दे। आएको प्रश्न पृस्तिका परीक्षा भवन में बाहर ने जाने की अनुमित नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर दण्ड दिया जाएगा।
- 5. परीक्षा भवन में आपको उत्तर-पत्रक पर कृछ ब्यौरे भरने होंगे। आपको उत्तर-पत्रक पर कृछ ब्यौरों को कृट बद्ध भी करना होगा। इससे संबद्ध अनुदंश आपको प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ भेज दिए जाएंगे।
- 6. प्रका-पुस्तिका में विष् गए सभी अनुदंश आपको साव-धानी से पढ़ते हैं। इन अनुदंशों का सावधानी सं पालन न करने से आपके नंबर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर-पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध हैं, तो उस प्रनांश के प्रत्युत्तर के लिए आपकां कोई नंबर नहीं मिलेगा। पर्यदेशका के अनुदंशों का पालन करें। जद प्रविक्षण किसी करीक्षण या उसके विसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कहाँ हो उसके अनव जो का तत्काल पालन करें।
- 7. जाब अपने प्रवेक प्रमाण-पत्र साथ लाए आवको अपने साथ एक एच वी. पेंसिल, एक रबड़, एक पेंसिल शार्पनर और

नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको सलाह दी जाती ही कि जाम अपने साथ एक-एक क्लिप बोर्ड या हाड़ जोर्ड मा हाड़े जोर्ड मा कोर्ड खाली कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना था आरे खण/उपकरण नहीं लाने हैं क्यों कि उनकी जरूरत नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया आएगा। आप कच्चा काम कुरू करने से पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नंबर, और परीक्षण की तारीख लिखें और परीक्षा समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेशक को वापसी कर दें।

(ङ) विशेष अनुदेश

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक आपको उत्तर पढ़क दंगे। उत्तर पढ़क पर अपिक्षत सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको प्रश्न पुस्तिका दंगे। प्रश्न पुस्तिका मिलने पर आप यह अवश्य देख लों कि उस पर एस्तिका की संख्या लिखी हुई है अन्यथा, उसे बदलवा लों। अपनी प्रश्न पुस्तिका को खोलने से पहले उसके प्रथम पृष्ठ पर अपना अनुक्षणंक लिए दें। आपको प्रश्न पुस्तिका तब तक खोलने को अनुमति नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिए न कहे।

(च) कुछ उपयांगी सुभाव

यद्यिष इस परिक्षण का उद्देश आपकी गति की अपेक्षा शृद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का यथासंग्रा दरा हो उसारेग करों। संगुक्त के साथ आप जितनी जल्दी काम कर भकते हैं, करों पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रश्नों का उत्तर रहीं दो गाते हों तो चिन्सा न करों। आएकों जो प्रश्न अत्यंत कठिन मालूम पड़ों उन पर आप समय व्यर्थ न करों। दूसरों प्रश्नों की और दहीं वार उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करों।

सभी प्रश्नांको के अंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर दी। आपके द्वारा अंकित सही प्रत्युत्ताों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिए जाएँगे। गला उत्तरों के लिए अंक नहीं काटो जाएंगे।

(छ) परीक्षण का समापन

जैसे ही एर्यवेक्षक लिखना बंद करने को कहैं, आप लिखना बंद कर दी। आप अपने स्थान पर तय तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके पास आकर आपसे सभी आवश्यक वस्तुएं ले जायों और आपको हाल छोड़ने की अनुमति दी। आपको प्रश्न पुस्तिका और लगर-प्नक तथा कच्चे कार्य का काग्ज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न)

(टिप्पणी---*सहो/सर्वोत्तम उत्तर-निकल्प को निर्दिष्ट करता ह^{*})

1. सामान्य अध्ययन

वहुत उन्नाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निम्न-लिखित में से किस कारण से रक्तस्त्राव होता है?

- (क) रक्त का दाव वायुमण्डल कं दाव से कम होता है।
- *(म) रक्त का दाब वायुमण्डल के दाब से अधिक होता है।
 - (ग) रक्त वाहिकाओं की अंबरूनी तथा बाहरी शिराओं पर इन्य समान होता है।
 - (घ) रक्त का दाब वायुमण्डल के दाव के अनुरूप घटता बढ़ता है।

2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

3. (gff#)

धरहर में, फूलों का सड़ना निम्नलिकित में से किस एक उपाय से कम किया जा सकता है?

- *(स) बृद्धि नियंत्रक द्वारा छिइकाव ।
- (ख) दूर-दूर पीधे लगाना ।
- (ग) सही ऋतु में पौधे लगाना !
- (घ) थोड़े-थोड़े फासले पर पीत्रे सगाता ।

4. (रसायन विज्ञान)

H_3VO_4 का पनहादहाइड निम्नलिखित में से क्या होता है?

- (a) VO_3
- (b) VO₄
- (c) V_2O_3
- *(d) V₂O₅

5. (अर्थशास्त्र)

श्रम का एकाधिकारी शोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता है?

- *(क) सीमान्त राजस्व उत्पाद से मजदूरी कम हो।
 - (ख) मजदूरी तथा सीमान्त राजस्व उत्पादन दोनों बराबर हों।
- (ग) मजदूरी सीमान्त राजस्व उत्पाद से अधिक हो।
- (घ) मजदूरी सीमान्त भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

6. (वैद्युत इंजीनियरी)

एक समाक्ष रोखा को अपेक्षिक परावैधुतांक 9 के पैरावैद्युत से समपूरित किया गया है। यदि सी मुक्त अंतराल में संचरण वेग दर्शाता है तो लाइन में संचरण का वेग क्या होगा?

- (a) 3C
- (b) C
- * (c) C/3
- (d) C/9

7. (भू-विज्ञान)

घेयाल्ट में प्लेजिओक्चेत क्या होता है?

- (क) आलिगोक्लेज
- *(ख) लैदांडोराइट
- (ग) एल्बाइट
- (घ) एनाथाइट

८ (गणित)

मूल बिन्दु से गुजरने वाला और $\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = O$ समीक^{रण}

को संगत रखने वाचा वक-परिवार निम्नलिखित में से किस से निर्दिष्ट है ?

- (**ख**) y=ax
- $(\pi) y = ae_x + be$
- *(घ) y=aex –a

9. (भौतिकी)

एक आदर्श ऊष्मा इंजन 400° के और 300° के तापक्रम के मध्य कार्य करता है। इसकी क्षमता निम्नलिखित में से क्या होगी ?

- (事) 3/4
- *(頃) (4--3)/4
- (π) 4/(3+4)
- (年) 3/(3+4)

10. (सांख्यिकी)

यदि द्विपद विवार का माध्य 5 है तो इसका प्रसरण निम्नलि**खत में क्या** होगा ?

- (事) 42
- *(**ख**) 3
- (ग) ∞
- (ঘ) --- 5

11. (भूगोज)

बर्मा के दक्षिणी भाग की अर्त्याधक समृद्धि का कारण निम्न-लिसत में क्या है?

- (क) यहां पर खनिज साधनों का विपृत भंडार है।
- *(ख) बर्मा की अधिकांश निदयों का डेल्टाई भाग है।
 - (ग) यहां श्रेष्ठ वन संपदा है।
 - (घ) देश के अधिकांश तेल क्षेत्र इसी भाग में हैं।

12. (भारतीय इतिहास)

बृह्मण बाद के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं हैं?

- (क) बोद्ध धर्म के उत्कर्ष काल में भी बाह्मण्याद के अनुयायियों की संख्या बहुत अधिक थी।
- (स) ब्राह्मणवाद बहुत अधिक कर्मकांड और आडम्बर से पूर्ण धर्म था।
- *(ग) बाह्मणवाद के अभ्युदय के साथ, बीच सम्बन्धी यज्ञ कर्म का महत्त्व कम हो गया।
 - (प) व्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न दशाओं को प्रकट करने के लिए धार्मिक संस्कार निर्धारित थे।

13. (दर्शन)

निम्नलिखित में से निरीक्ष्यरवादी दर्शन-समूह कौन-सा है?

- (क) बौद्ध, न्याय, चार्वाक, मीमांसा
- (ख) न्याय, वैशेषिक, जैन, और बौद्ध, चार्वाक
- (ग) अद्वीत, वैदांत, सांख्य, चार्बाक योग
- *(घ) बोद्ध, सांख्य, मीमांसा, जार्बाक

14. (राजनीति विज्ञान)

वृत्तिवत प्रतिनिधान का अर्थ निम्नलिश्वित में से क्या है?

- *(क) व्यवसाय के आधार पर विधानमण्डल में प्रतिनिधियों का निर्वाचन।
- (स) किसी समूह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन।
- (ग) किसी रोजगार सम्बन्धी संगठन में प्रतिनिधियों का चनाव।
- (घ) श्रमिक संघाँ दुवारा अप्रस्<mark>यक्ष प्रतिनिधित्व</mark>ा

- 15. (मनोविज्ञान) लक्ष्य की प्राप्ति निम्नलिखित में किस को निर्देशित करती है?
 - (क) लक्ष्य संबंधी आवश्यकता में वृद्धि
 - *(ख) भावात्मक अवस्था में न्यूनता
 - (गं), व्यावहारिक अधिगम
 - (॥) पक्षपातपूर्ण अधिगम
- 16. (समाज शास्त्र)

भारत में पंचायती राज सस्थाओं की निम्न में से कौन-सी है?

- *(क) ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गी को औपचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है।
 - (ख) छूआछूत कम हुई है।
- (ग) वंचित वर्गों के लोगों को भूस्वामित्व का लाभ मिला है।
- (घ) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

टिप्पणी :--- उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि उपर्युक्त नमुने के प्रश्नांश (प्रश्न) केवल उदाहरण के लिए दिए गए हैं और यह जरूरी नहीं है कि ये इस परीक्षा की पाठ्यचर्या के अनुसार हों।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 31st May 1985

No. F. 6|85-SCA(1).—Shri P. Bhujanga Rao, Officiating Editor, Supreme Court Reports, has retired from the service of this Registry with effect from the afternoon of May 31, 1985

R. SUBBA RAO Registrar

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110014, the 31st May 1985

No. A.38013 | 1 | 84-Admn.II.—Consequent upon his attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31st May, 1985. Shri K. R. P. Nair, a permanent Senior Research Officer (I anguage) and holding the post of Joint Director (ER) on ad-hoc bas the charge of the office of the Joint D office of the Union Public Service the Same date.

ROOP CHAND SHARMA Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110001, the 1st June 1985

No. 3|19|78-Adm.II.—Shri V. P. Pallan, Deputy Superintendent of Police of Madhya Pradesh Police on deputation to the Central Detective Training School, Hyderabad relinquished charge of the post of Deputy Superintendent of Police, Central Detective Training School, Hyderabad on 30-4-85 (A.N.).

2. On the relinquishment of the charge of the post of Deputy S.P. C.D.T.S., Hyderabad, the services of Shri V. P. Pallan, are placed at the disposal of the Director General of Police, Madhya Pradesh. Bhopal with effect from the afternoon of 30th April, 1985.

S. K. MALLIK Director General

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 25th May 1985

No. E-16016|2|83-Pers.—Consequent upon his repatriation to parent department Shri R. K. Chugh relinquished charge of the post of Section Officer (L&R) with effect from the afternoon of 30th April, 1985.

The 30th May 1985

No. E-32015(4)|35|85-Pers.I.—On appointment on deputation Shri Girdhar Gopal assumed charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit CCWO Dhanbad with effect from the afternoon of 27th April 1985.

No. E-161014(6)|1|79-Pers.I.—Consequent upon his repatriation to parent Department Shri H. S. Randhawa relinquished chahrge of the post of Assistant Commandant 1st Reserve Battalion CISF Barwaha with effect from the afternoon of 30-4-1985.

Sd./- ILLEGIBLE Director General/CISF

MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 1st June 1985

No. 133|A.—In continuation of this office Notification No. 697/A dated the 21st March 1985, the appointment of Shri P. S. Murthy as Accounts Officer in India Security Press is further extended on regular deputation basis for a period of one year w.e.f. 22-3-1985 to 21-3-1986.

P. S. SHIVARAM General Manager India Security Press

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, 110 002, the 28th May 1985

No. CA. I/612-84—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) is pleased to appoint the follow ing Section Officers (Commercial) as Asstt. Audit Officers (Commercial) (Group 'B' Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 with effect from the dates noted against their names in their respective offices.

SOUTHERN REGION

Member, Audit Board and Ex Officio Director of Commercial Audit Hyderabad

Sl. Name No.					w m	ate from hich pro- oted as
1 2						3
S/Shri						
1. C. H. Narayana Ra	0					1-3-1984
2. M. S. Varaprasad R	ao			٠.		1-3-1984
3. N. Subramanyam						1-3-1984
4. C. Sudershanam						1-3-1984
5. C. Ramachandra Ra	ıo					1-3-1984
6. B. Sankaram .						1-3-1984
7. C. Ramakrisnamurtl	hy					1-3-1984
8. Y. Subramaniam						1-3-1984
9. K. V. R. K. Prasad						1-3-1984
10. M. Mutha Reddy						1-3-1984
11. C. Pattabhi .						1-3-1984
12. C. Surya Prakash Ra	io					1-3-1984
13. A. Shymala Rao		•				1-3-1984
14. S. Krishnamurthy						1-3-1994
15. K. Venkateswaralu						1-3-1984
16. T. Nageshwar .	•	•	٠.			1-3-1984
17. Abdnl Karim		•	•	•		1-3-1984
18. N. Srihari Rajachary	y lu	•	•	•	•	1-3-1984
19. R. Natrajan .	•	•	•	•	•	1-3-1984
20. A. Suba Rao-II						1-3-1984
21. S. Satyanarayana						1-3-1984
22. K. Sundindra Rao						1-3-1984
23. C. B. Ravi .						1-3-1984
24. P. Murali Prasad						1-3-1984
25. A. Manju Nath						1-3-1984
26. M. Joseph Arulraj						1-3-1984
27. C. anjeneyulu .						2-4-1984
28. M. Sambasiva Rao		_ :	•			30-4-1984

products, and of the page or common females and

Jonahan A. P. D. J. J. E. O.C. J. D. J. J.	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	27 C (T			1 2 1
Member, Audit Board and Ex Officio Director of	Commercial	37. C. Herbert			
· Audit Bangalore		38. K. M. Gopalakrishnan 39. S. Maniyannan			1-3-1
S/Shri		39. S. Maniyannan .	•		1-6-1
1. K. M. Kapil	1-3-1984	Accountant General (Audit)	II Tamil	Nadu M:	adras
2. S. N. Jayarama Rao		1. K. M. Sadanandan-II			
3. B. Chandrashekara Adiga		2. B. Hanumantha Rao .			
4. K. G. Nayar		3. V. Narayanan-II .			
5. M. S. Gopalakrishna		4. B. S. Daniel			
6. D. Venumadhava Rao		5. V. Srinivasan-IV			1-3-19
7. K. Janardhana Shettigara		6. P.N. Balasubramaniam			
3. A. V. Satyanarayana Murthy	1-3-1984	7. M. Haridasan			
O. V. V. Mathew		8. P. A. Ganesan			30-3-1
S. Krishnamurthy-IV	4 2 4004	9. P. S. Ganesan			1-3-1
. H. K., Chandrash kara Rao		10. S. Balakrishnan-IV .			
R. Dhananjayan		11. P. R. Jayaraman-II			1-3-1
. N. Srinivasan		12. T. Gopalakrishnan .			1-3-1
. G. V. Krishnamurthy		13. P. Radhakrishnan-II			1-3-1
. V. Narsimhan		14. T. R. Kuppaswamy-II			1-3-1
. S. Radhakrishna Bhat		15. K. Subramaniam-III .	• •		1-3-1
. S. Santhanavel		16. K. Joseph			1-3-1
. S. M. Srinivasamurthy		17. Sheikh Dawood .		• •	1-3-1
	21-7-1984	18. M. S. Jayakameshwaran			1-3-1
	25-7-1984	19. K. R. Satchidanadan			
. M. K. Issac Kutty		20. K. V. Gosakhan .	•		27-7-19
. R. Subramanian	21-7-1984				27-7-1
		22. S. Sridharan-II			
ember, Audit Board and Ex Officio Director of	Commerciai	23. T. Narsimhan			27-7-1
Audit (P&O) Madras					27-7-1
S/Shri	4 4 4004				19-7-19
. T. Vijakrishnan	1-3-1984	25. N. Kannan			
. M. Anandam					2-3-1
. T. Devanathan		27. C. Herbert Pothiraj .			1-3-1
. K. V. Pratap Kumar		28. B. S. Ragunathan	. ,		9-3-1
. K. Sukumaran		29. M. R. Narsimhalu .			1-3-1
. V. N. Sankara Pillai		30. S. N.fSankara Subramia I 31. S. Shiva Kumar-III .			1-3-1
. V. N. Sankara Pillai		32. R. Balachandran .			4 - 4
					1-3-1
. K. Sethuram					1-3-1
. A. Padmanabhan		34. K. Gururamanan 35. K. M. Subramaniam-II			
. A. Vasudevan					1-3-1
. Kum. R. Vedavali		36. P. Bhoopati			1-3-1
Kum. B. Chandra	26-7-1984	37. S. Sekhar-I			
. V. Santhi	26-7-1984	38. A. Ramanujam			1-3-1
Y. Udhaya Baskar	26-7-1984	39. B. Sairam			1-3-1
P. Swaminatha Krishna	25-7-1984	40. K. A. Ramachandran			1-3-1
. M. V. Ishwara Krishnan	1-3-1984	41. R. Ranganathan .			1-3-1
S. Kamalvalli	27-7-1984	Accountant Gener	al (Andit)	Kerala	
P. Kumaran	1-3-1984		ar (reacht)	ixciaia	
D. Shanmugam	1-3-1984	1. P. V. Ganapathi .			1-3-19
K. N. Sidharthan	1-3-1984	2. P. K. Pitambaran .			1-3-1
, C. V. Kasturi Rangan	1-3-1984	3. K. S. Unnikrishnan .			1-3-1
N. Shiva Subramanian	1-3-1984	4. T. K. Ravindranathan			1-3-1
G. Chandrashekar	1-3-1984	5. V. Ananta Rama Iyer			1-3-1
S. Narsimhan	1-3-1984	6. Mathew Thomas .			1-3-1
R. Balasubramanian-IV	1-3-1984	7. K. Sankaran Kutty .			1-3-1
R. Kannan	1-3-1984	8. M. I. Vamanan .			1-3-19
K. Rajashekhar	1-3-1984	9. H. Salim			1-3-19
M. Y. Narayanan	1-3-1984	10. K. Padmanabha Iyer			1-3-19
P. Satyanarayanan	1-3-1984	11. V. P. Prasad			1-3-19
P. Shiyadasan	1-3-1984	12. A. A. Jose	, ,		1-3-1
S. Chandersehkharan-II	1-3-1984	13. K. Gangadharan .			1-3-19
K. Narayanamurthy	1-3-1984	14. K. C. John No. 2 .			1-31-9
S. Ramaiah	1-31984	15. K. T.fAntony			1-3-1
S. M. Mohideen	1-3-1984	16. K. Sadanadam			1-3-19
C. Chandrase kharan	1-3-1984	17. C. Purshotam Nair			1-3-19
. O. Chanaraso marke	The same of the sa				

1 2		,	3	1 2 3
8. K. Narayanan Nampoot	hri	•	1-3-1984	5. M. N. Kabi
9. G. Rana Verna			, 1-3-1984	6. Samir Kumar Chattopadhyay 1-3-
20. K. Narayana Iyer	•		. 1-3-1984	7. V. V. N. Sastry
21. S. Vishwanathan			. 25-7-1984	8. Subrat Dutta
22. A. Verketasubramoni			. 25-7-1984	9. Y. Hanumantha Rao 1-3-
23. S. Hariharan Potti			. 2-3-1984	10. Narasinha Das
24. T. M. Unnikrishnan .			, 30-4-1984	11. Nilamani Pattnaik 1-3-
25. K. G. Arvindakhshan	• (, .3t-3-1984	12. Prabhat Kumar Ganguly 1-3-1
26. C. G. Chandran			30-4-1984	13. P. Narayana Rao 1-5
Accountant General (Au	dit) Andhr	a Pradesh	Hyderabad	Member Audit Board and Ex-Officio Director of Commo
1. K. V. Rao			2-3-1984	1. S. P. Singh
2. K. Jagannathachari		. ,	1-3-1984	2. M. Shivashankaran 1-3-
3. Y. Anantha			1-3-1984	
4. M. K. Afsar			2-4- 1984	
5. Y. Narsimhamurthy .			1-3-1984	
6. T. Sriramulu		, ,	1-3-1984	or Difficultural teory.
7. A. Srihari			. 1-3-1984	1.0
8. G. Nageswara Rao .			. 1-3-1984	7. H. N. Sarkar
N. L. Narsimhamurthy			1-3-1984	8. K. N. Prasad
).S. Janardhana Rao			1-3-1984	9. M. A. Ansari
1. M. Jaganmohan Rao .			. 1-3-1984	10. A. N. Das
2. M. Narayana Reddy .			. 1-3-1984	11. A. Chattopadhyay 1-3
3. P. Narsimha Rao			. 1-3-1984	12. B. P. Sinha
4. R. Gopal			. 1-3-1984	13. Nath Sahay
5. V. Venketapathy .		·	. 1-3-1984	14. S. K. Bandopadhyay 1-3
6. J. L. Narayana			. 1-3-1984	15. K. N. Ravindra
7. P. Sambasiya Rao			. 1-3-1984	16. K. Sridhar
8. R. Rama Rao	• •	•	. 1-3-1984	17. A. Harihara Venkatesan 6-8-
9. L.V.S.R.R.K. Murthy	•		. 1-3-1984	18. G. P. Singh
0. S. Umapati Raju	• •		4.0.4004	19. Jagdish Ram 1-3-
21. A. Kailasam		•	. 1-3-1984	20. J. Viswanadham 1-3
22. I. Raghava Rao		•		21. P. Mohan Rao 1-3
23. N. Sivalingam			1 6 1004	22. P. K. Sinha
4. A. S. Shastri		•	. 1-6-1984	23. K. Sankar 1-3
		•	. 1-3-1984	24. P. R. Das Gupta
5. S. B. S. V. Prasad	•	•	. 1-3-1984	25. B. K. Chakraborty
6. S. C. Phaniram 7. L. R. K. Sastri		•	. 1-3-1984 . 30-4-1984	20. Division of the second
	, ,	•		CALCUTTA REGION Accountant General (Audit) Assam Etc.
Accountant General (-	1. 50-1
1. V. N. Rajashekarmurthy	,		. 1-3-1984	1. Sukumar Sen
2. G. Marulasiddapa .			. 1-3-1984	
3. C. Subramanian .			. 1-3-1984	
4. D. Sridhara Rao .			. 1-3-1984	
5. H. S. Krishnamurthy .			. 1-3-1984	5. Anlm Kr. Kar
6. C. A. Gundu Rao .		•	. 1-3-1984	Accountant General (II) West Bengal Calcutta
7. S. Ramnamurthy .			. 1-3-198 4	Accountant General (11) West Dengal Calcutta
8. S. R. Prakash			. 1-3-1984	1. G. C. Chatterjee 1-3
9. P. Vasanthachandra Set	ty .		. 1-3-1984	2. S. Kanungo
10. N. Chakravarthy .			. 1-3-1984	3. K. B. Paul 1-3
11. M. L. N. Chetty .			. 1-3-1984	4. A. K. Ghosh
12. C. A. Noorulla		•	. 1-3-1984	5. R. G. Basak
13. R. K. Ravishankar .	,	•	. 1-3-1984	6. H. L. Sadhukhan 1-3
14. R. K. Ravishankar .			. 1-3-1984	7. K. P. Choudhury
15. R. D. Chitnis	•	• •		8. P. C. Majumdar
	•	•	. 1-3-1984	9. D. Prasad
16. A. Kasipati	•	•	1-3-1984	10. J. Roychoudhury 1-3
17. U. P. Vishwanath .	•	• •	. 1-3-1984	11. A. Neogi 1-3
DANI	CHI REGI	ON		12. B. D. Majumdar 1-3
				13. Jagan Nath Choudhuri
Accountant General (Audi	*	Panednic	var . 1-5-1984	Member Audit Board and Ex-Officio Director of Comm
			. 1-3-1984	
1. K. V. Suryanarayana			1 2 1004	Ather (Local) telegraphic
2. K. Brahmadattan	•	•	. 1-3-1984	Audit (Coal) Calcutta
2. K. Brahmadattan 3. P. S. Panikar			. 1-3-1984 . 1-3-1984 . 1-3-1984	1. P. M. Roy

1 2	3 1 2				3
3. R. N. Pal	-1984 17. Rammattar Ma				1-3-1984
i, o. mili	-1984 18. Anni Helen P.				30-4-1984
5. 1. 1. Marking	-1984 19. R. Sounder Ra	•	• •		23-7-198
0. 1. 12. 1120112	-1984 20. K. F. Shah	· . ·			24-7-1984
7. 1. 12. 2.0)	-1984 21. Shiv Prasad Sw				23-7-1984
O. Landin I talay	3-1984 22. Ganshyam Lal		• •	• •	23-7-1984
3, 0. 11. 0.11.	1-1984 23. S. J. Shah	• •		• •	23-7-1984
20, 5 12, 1 0 1	24. G. T. Singh		• •		19-3-1984
11. D. IL. Chatterjee	25. P. Sheshadri A			• •	1-3-1984
12. 11. 11. 11. 11. 11. 11. 11. 11. 11.	26. P. R. Bhandar	٠	• •	• •	1-3-1984
15, 11, 2 as Cup	-1984		3145 75 - 1 41		
1-1. D. Z. Danier princip	3-1984 Accountant Ge	nerai (Au	dit) Kajastn	an Jajpur	
15. 11. D. Santa	7-1984 1. B. L. Jain				1-3-1984
10. Dulling Technical 20	7-1984 2. D. B. Gupta				1-3-1984
17. 8.1.1.109	3-1984 3. K. C. Chauras	ia .			1-3-1984
10. 141. D. 1101111/3	-1984 4. H. C. Bhargay	a .			1-3-1984
19. P. K. Seth	-1984 5. D. S. Sharma				1-3-1984
Member, Audit Board and Ex-Officio Director of Con	ercial 6. M. N. Gupta				1-3-198
Audit Calcutta	7. S. D. Shukla				1-3-1984
	8. R. D. Vyas				1-3-1984
1. 0. 14. 14.	-1984 9. R. S. Verma				1 - 3-1984
Z. It. C. Daniel	-1984 10. M. L. Jain				1-3-1984
U. 11. D. DUJ	-1984 11. L. K. Madan				1-3-1984
T. D. IX. Internitories	-1984 12. D. C. Sharma				1-3-1984
5. Sami Sch Gapta	-1984 13. M. R. Sharma				1-3-1984
0. D. C. Das	-1984 14. S. P. Varshane	ya .			1-3-198
/. 11. 11. 11. 11. 11. 11. 11. 11. 11. 1	-1984 15. P. C. Singhal				1-3-1984
o, man issued and or	-1984 16. P. S. Agarwal				1-3-1984
J. THOR TRUMBULE	-1984 17. B. L. Mahendr	a .			1-3-1984
	-1984 18. R. L. Gupta				1-3-1984
11. 14.14, 140	-1984 19. M. L. Singhal				1-3-1984
12. I. Pandey	-1984 20. S. K. Sharma				1-3-1984
13. G. Chakraborty	-1984 21. K. C. Jain-III				1-3-1984
14. D. Chaklavorty	-1984 22. U. R. Patolia			•	1-3-1984
13. 3. 1c. Bese	-1984 23. S. V. P. Saxena				1-3-198
16. Sankar Kumar Dutta	-1984 24. M. S. Gupta				1-3-1984
17. 71. Gungopuunju	-1984 25. R. K. Jain-II				1-3-1984
10. Duon renner Bess	-1984 26. D. C. Gupta				1-3-1984
1). Dom ruch Charter	-1984 27. Ajit Singh				1-3-1984
Zo. Ashor Hath Maki opasity ay	-1984 28. H. L. Varshney	a .			1-3-1984
	-1984 29. J. K. Badaya				1-3-1984
22. Asit Bhattacharya 27	1984				
23. Uday Kumar Bandopadyay 24	1984 Member, Audit Boa	rd and E	x-Officio Di	rector of	Commercial
24. U. K. Choudhury	-1984		Bhopal		
25. T. K. Sen	-1984 1. Y. S. Gour				1 2 1004
WESTERN REGIN	2. H. M. Gupta				1-3-1984 1-3-1984
WESTERN NEON	3. S. Sharma		• , •	•	1-3-1984
Member Audit Board and Ex-Officio Dictor of Comm			• , •	• •	1-3-1984
Audit, Bombay	5. N. K. Gupta				1-3-1984
•	C M W Canal		•		1-3-1984
1. 21. (. 2. 100	7 M C Calada				15-3-1984
	0 0 17 1-1:-				8-2-1985
J. 12. Olimbrian	0 Dhilana Chand	. •	•		1-3-1984
T. It. S. Manapai	10 I C Ioin		• •		1-3-1984
J. V. 141. JOSHI	11 C A 12 hard				1-3-1984
0. 16. D. 34.31141	1704 10 IZ IZ IZ had	•			1-3-1984
7. 0. 0. 51.51.	1904	•	- •	•	1 0 1704
o. Juguish Car	·1984 ·1984 Accountant General	(Audit)	Madhya Pra	de\$h	
7. 11. D.	1704				1.3.1003
10. 12. 5. 12000.5.	1,0			•	1-3-1984
***		• •			1-3-1984
	1984 15. R. S. Gupta			• •	1-3-1984
15. 1. C. Rimina	1984 16. Raj Kumar Jain	1 .			1-3-1984
14 G K Pathak	.1984 17. C. D. Singh				1-3-1984
17. O. K. Tuthan					1-3-1984
15. N. B. Naik	1984 18. S. K. Nag 1984 19. Suraj Pal				19-3-1984

1	2				3
27.	Kuldeep Narain				1-3-1984
	G. M. Jaisi .				1-3-1984
29.	R. K. Sasena .	•			1-3-1984
	Accountant	General	(Audit) Haryana	I
1.	Hira Lal	-	. ,		1-3-1984
	P. R. Shahwal .				1-3-1984
	H. R. Wadhwa				1-3-1984
	A. K. Kashtriya				1-3-1984
	M. L. Kalra				1-3-1984
	N. K. Kohli				1-3-1984
•	Shyam Lal Goel				1-3-1984
	B. R. Vij		s 4		1-3-1984
	M. M. Sharma				1-3-1984
	Ramesh Kumar IV	7.			1-3-1984
	Vijay Kumar .				1-3-1984
	Roop Narain .				1-3-1984
•					
	Accountant	General,	HP an	d Chandiga	
	Y. M. Ambardar				1-3-1984
2.	K. C. Sharma .				1-3-1984
	T. C. Chopra .				1-3-1984
	K. R. Malik .				1-3-1984
5.	R. S. Chauhan .				1-3-1984
	Accounta	nt Gener	al (Audi	it) J&K	
1.	Roshan Lal Koul		. <i>.</i>		1-3-1984
	Suraj Prakash Aro	ra .			1-3-1984
	Mohindar Prakash				1-3-1984
	Aytar Singh Walia				1-3-1984
	Dhan Singh .				1-3-1984
	Raghubir Singh				1-3-1984
Me	mber Audit Board	& Ex O	fficio D	irector of	Commercial
2,10		udit De			
1.	D. K. Sharma .				1-3-1984
2.	J. B. Joshi .				1-3-1984
	R. K. Aggarwal				1-3-1984
4.	S. L. B. Srivastava				1-3-1984
	J. L. Purwar .				1-3-1984
6.	A. K. Kaushik .				1-3-1984
7.	N. K. Garg .				1-3-1984
8.	K. D. Sharma .				1-3-1984
		~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~			

K. P. LAKSHMANA RAO,

Asstt, Comptr. & Ar. Genl. (Commercial)

## OFFICE OF THE DIRFCTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES 1

New Delhi, the 5th June 1985

No. Admn.1/O.O. No. 154—The Director of Audit, Central Reuvenues-I, New Delhi hereby appoints Shri H. L. Jatav. an officiating Section Officer (new Asstt. Audit Officer) of this office to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs. 840—1200 with effect from the afternoon of 31st May, 1985 until further orders.

Sd. ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.)

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I MADHYA PRADESH

Gwalior, the 16th May 1985

No. O.E.XII[Gr.I]Promotions, 58.—The Accountant General (Audit):I, Madhya Pradesh, Gwallor is pleased to promote, Shri Mohan Lal S/o Shri Kaura Ram a permanent Assistant Audit Officer, as Audit Officer in an officiating capacity until further orders in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200, with effect from 13-5-1985 F.N. (i.e. from the date of

his taking over tharge on repatriation from deputation from the Office of The Comptroller & Auditor General of India.

Shri Mohan La, Audit Officer is allocated to A.G. (Audit)-II.

(Authority: Accountant General (Audit)-I Orders' dated 20-12-1984 and 145-1985).

M. DEENA DAYALAN
Dy. Accountant General (Admn.)

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) ANDHRA PRADESH

Hydenbad-500 463, the 1st June 1985 .

No. Admn. I/A&3/I/8-88/85-86/53—The Accountant General (A&E), Andhra Pradesh, Hyderabad is pleased to promote the following Section Officers to officiate as Accounts Officers in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates noted against their names until further orders:—

Name				as	Date of sumption of charge
S/Shri					
1. V. Mahadeva arma					2-4-1985
- a - t - 1 1 1 - 1 - 1					FN
2. Shaik Abdul Rhman	•	•	•	•	20-5-1985
3. G. Subrahmany Vittal					AN 20-5-1985
5. G. Subtanniany Villar	•	•	٠	•	20-3-1963 AN
4. M. Bazaranna .				٠	20-5-1985
					AN
					<del></del>

The promotions ofered are without prejudice to the claims of their seniors, if an and are also subject to the tesult of the Writ Petitions pendin in the Andhra Pradesh High Court/Supreme Court.

Sd. ILLEGIBLE Deputy Accountant General (Admn)

## DEFENCE ACOUNTS DEPARTMENT

## OFFICE OF TH CONTROLLER GENERAL OF DESICE ACCOUNTS

New Delhi-10066, the 29th May 1985

No. AN/II/2603/85—To Controller General of Defence Accounts hereby appoint he undermentioned permanent Section Officers (Accounts)'s Accounts Officers in a substantive capacity with effect frouthe forenoon of the date shown against each.

S. No.	Name	rganisation where erving	Date of effect
1	2	 3	4
	S/Shri	 The state of the s	4
1.	O. P. Garg .	CA WC Chandigath	1-4-84
2.	S. K. Bhatia .	Do	1-4-84
3.	Dhani Ram Sud	CA (P) Allahabad	1-4-84
4.	Dibakar Sinha .	Do.	1-4-84
5.	S. M. Srivastava	Do.	1-4-84

1 2	3	1 2	
20. J. C. Varshney	. 1-3-1984	24. S. K. Bhadwar	1984
	1-3-1984	25. A. K. Sobti 1-3-	1984
22. D. P. Kushwah		26. S. K. Chugh	1984
			1984
23. C. S. Yadav	1-3-1984		1984
25. B. P. Patil		29. A. S. Sahi	1984
26. R. C. Jain		30. A. S. Thakur	1984
20, It. C. Juid	1 5 1504	31. G. S. Chawla	1984
Accountant General (Audit) (ujarat		32. V. R. Khanna	1984
1. D. K. Shukla	1-3-1984	33. R. R. Sachdeva 1-3-	1984
2. V. M. Mathew	1-3-1984		1984
<b>2.</b>	1-3-1984 ₄		-1984
	1-3-1984	36. Subir Purkayastha 21-3-	1984
4. R. N. Bhatia 5. V. S. Ramachandran		37. A. K. Dixit	3-1984
			-1985
	1-3-1984		1984
7. K. K. Patel			1984
		41. R. M. Bamrara 1-3-	1984
9. J. P. Chauhan	19-3-1984		
11. J. J. Soni (I)	5-3-1984	Accountant General (Audit) Punjab	
, ,		1. A. C. Sharma 1-3-	1094
			-198
13. P. M. Thaki		3. P. K. Mittal	
14. R. B. Suri	21-7-1904		-198
D. A. (Scientific and Commercial Departmnt),	Rombon	5. S. C. Singhla	
D. A. (Scientific and Commercial Departmet),		6. A. K. Marwah	
1. M. L. Bareja	1-3-1 98	7. S. R. Bindra	
2. R. N. Ringne	1-3-19 84	8. Faquir Chand Sahni	
3. R. D. Gupta	1-3-19 84	9. S. K. Chandan	
4. L. N. Gupta	1-3-1984	10. B. M. Trehan	
5. Lal Ji Kurree	23-7-1984		1984
6. Murari Lal Gupta	23-7-1984		1984
7. Om Prakash Vijai	23-7-1984	13. H. S. Saigal	
8. P. N. Pillai	1-3-1984	14. S. K. Nakra	
9. M. P. Choudhari	1-3-1984	15. Joginder Singh	
10. C. H. Raghvan	1-3-1984	16. K. L. Kapoor	
11. B. L. R. Sharma	1-3 -1984	IO II II IIONOOI	•
12. S. Ramkumar	1-3-1984	Accountant Ge Ecral (II) Uttar Pradesh Lucknow	
NORTHERN REGIN		1. D. C. Nigam	3-198
			-19g
Member Audit Board and Ex-Officio Dicerr of	Commercial		-198
Audit, New Delhi.			1984
1. R. S. Sharma	1-3-1984		1984
2. Hans Raj	2-4-1984	6. M. P. Mehrotra	
2. Hans Kaj 3. Y. S. Mathur	1-3-1984	7. K. R. Gupta	
4. Gurdev Singh	1-3-1984	8. Avadesh Mali	
5. B. M. Arora	2-4-1984	9. B. P. Srivastava	
6. R. B. Saxena	1-3-1984	10. S. N. Saxena	
7. Vijay Gujral	1-3-1984	11. R. K. Misra 1-3-1	
8. S. V. Abhi	1-3-1984	12. Yar Mohd 1-3-1	
9. R. S. Saxena	1-3-1984	13. Krishna Prakash 1-3-1	984
10. J. P. Gupta	1-3-1984	14. B. D. Agarwala 1-3-1	984
11. Dalip Kumar	1-3-1984	15. L. N. Misra 1-3-1	984
12. D. D. Gupta	1-3-1984	16. Krishna Kumar	,
13. N. K. Bhola	1-3-1984	17. A. K. Dubey	
14. S. B. Jain	1-3-1984	18. Ramesh Chandra Verma	
15. S. K. Dutta	1-3-1984	19. K. P. Singh	
16. Gurdas .	1-3-1984	20. K. P. Behugana	
17. Kailash Chander	2-5-1984	21. R. B. Prasad 1-3-1	984
18. Sheela Devi	1-3-1984	22. R. K. Nirmal	
19. Amrik Singh	1-3-1984	23. Parmanand 1-3-19	
20. R. S. Srivastava	1-3-1984	23. I al manana	
Ot E D Molkoni	1-3-1984	24, 1.1. 011,454,4	
22. Hargopal Goel	1-3-198	25. R. P. Srivastava 1-3-1	
22. Hargopal Goel 23. Gulshan Relan	1-3-198	26. Ashok Chandra 1-3-1	984
43. Outshan Kelan .	t		_

1 2	3	4	1 2	3	4
S Shri			S Shri	and the state of t	
6. A. Narayanamurthy	y. CDA Bangalore	l-4-84	53. A. K. Mukherpe	COEAC	
7. V. Periaswamy	. CDA (ORs) Central,	1-4-84	33. A. K. Wukheipe	C OF A (Fys) Calcutta	1-4-84
	Nagour		54. S. D. Dwivedi	. JCDA (Funds)	
8. Saroj Kumar Bhar	. CDA Patna	1-4-84		Meerut	1-4-84
9. Tilak Ram Sethi	. COF A (Fys)	1-4-84	55. K. L. Rathi	. CDA (CC) Meerut	1.4.0
	Celeutta		56. H. S. S. Murthy	. CDA(ORs) South, Madr	1-4-8
10. R. Sridharan .	CDA (ORs) South,	1-4-84	57. Satish Chandra Saxe	ena CDA (WC) Chandigarh	
11 (01 - 1 - 1 - 1	Madras		58, K. L. Tandon .	. CDA (P) Allahabad	1-4-8 1-4-84
11. Ghanshyam Lal	CDA(ORs) North,	1-4-84	59. D. N. Chaturyed	. Do.	1-4-84
12 D. William and Lauren	Moerut . CDA (SC) Pune	1.101	60. B. V. Muniramaia	. CDA (ORs) South,	1-4-84
12. R. Vijayaraghavan 13. Y. C. Singh	. CDA (SC) Pune . CDA (AF) Dehradun	1-4-84	61. Ram Kumar Goel	Madras	
14. G. N. Mehrotra	CDA (ORs) North,	1-4-84 1-4-84	62. V. R. Kulkarni	. CDA (P) Allahabad	1-4-84
17. G. N. Monton	Neocut	1-4-04	63. P. S. Behl	. CDA (Navy) Bombay	1-4-84
15. V. Ganesan .	. CDA(ORs) South,	1-4-84	64. A. P. V. Nambiar	. CDA (WC) Chandigarh	1-4-84
15, V. Gallosair .	Madras	1-4-04	65. G. S. Poondi:	. CDA Bangalore	1-4-84
16. M. L. Juvekar.	. CDA (SC) Punc	1-4-84	05. G. S. 1 00hdi.	. CDA(ORs) Central, Nagpur	1-4-84
17. Ravi Dutt Sharma	. CDA Patna	1-4-84	66. N. B. Murgol	. CDA (Navy) Bombay	1)4.04
18. A. R. Issac Chand		1-4-84	67. Rajinder Sing Hoo	da CDA (WC)	1)4-84
LOT IN RELIGIONS	Madras	1-4-04		Chandigarh	1-4-84
19. R. P. Arya .	. CDA(ORs) North,	1-4-84	68. K. R. Reddy .	. C OF A (Fys)	1-4-84
•	Meerut		69. N. V. Deshmuh	Calcutta	
20. Ganesh Chandra	. CDA (P) Allahabad	1-4-84	70. A. R. Shiyarajan	. CDA (Navy) Bombay	1-4-84
21. Mahesh Chandra	CDA (P) Allahabad	1-4-84	70. A. K. Sinvarajan	. CDA (ORs) South, Madras	1-4-84
22. A. S. Natarajan	. CDA(ORs) South,	1-4-84	71. Om Prakash Sarma		
	Madras			Chandigarh	1-4-84
23. V. P. Gupta	CDA (CC) Maerut	1-4-84	72. Sudarshan Kuar	. C OF A (Fys)	1-4-84
24. Bhisham Dev .	Do.	1-4-84		Calcutta	1-4-04
25.			73. S. Natarajan	. CDA (SC) Pune	1-4-84
26. G. C. Mukherjee	. COFA (Fys)	1-4-84	74. C. P. Sharma	. CDA (P) Allahabad	1-4-84
	Calcutta		75. P. C. Gupta	· Do	1-4-84
27. D. G. Angarkai	CDA (ORs) South,	1-4-84	76. K. P. Rajendrai	. C OF A (Fys)	1-4-84
A. T. 171 1 T	Madras		77. H. S. Srivastava	Calcutta	
28. Prem Shankar Lov	CDA (CC) Meerur	1-4-84	78. Vijendra Kumar	CDA (CC) Meerut CDA (WC)	1-4-84
29. T. Rajamani .	CDA (SC) Pune	1-4-84	70. Vijonara izamar	Chandigarh	1-4-84
30. Gulshan Rai Anand	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	1-4-84	79. U. C. Choudhary	CDA Patna	1-4-84
31. Abdul Hai Ansari 32. S. Subbaraman	. CDA Patna	1-4-84	80. K. Achyuta Rao	CDA (SC) Pune	1-4-84
33. R. D. Bhardwaj	CDA (Navy) Bombay . JCDA (Funds)	1-4-84	81. A. R. Tara	CDA (Navy) Bombay	1-4-84
33. K. D. Buattiwaj	Megrut	1-4-84	82. B. D. Narayan	C OF A (Fys)	1-4-84
34. N. Madhavan Nair	. CDA (AF) Dehradun	1 4 0 4	00 5 14 5	Calcutta	1-7-04
35. C. P. Misra .	. CDA Patna	1-4-84 1-4-84	83. R. M. Bhatnagar	CDA (P) Allahabad	1-4-84
36. A. R. Lakshminara-		1-4-84	84. Mohd Murtaza Kh	CDA(ORs) Central, Nagpu	r 1-4-84
yanan	Nagpur	1 - 4 - 0	85. Raj Pal Singh .	CDA (P) Allahabad	1-4-84
37. Inderjeet Singh	. CDA CC Mearut	1-4-84	86. S. K. Mithal . 87. Ram Kanwar .	CDA (AF) Dehradun	1-4-84
38. G. H. Sanjeeva	. CDA (Officers) Pune	1-4-84	88. R. Balajogi Reddy	CDA (SC) Pune	1-4-84
39. V. S. Balakrishnan	CDA (ORs) South,	1-4-84	oo, K. Balajogi Reddy	CDA (ORs) South, Madras	1-4-84
	Madras	1 1-67	89. B. P. Singh .	CDA (WC)	
40. K. P. Sharma .	CDACC Meernt	1-4-81	·	Chandigarh	1-4-84
41. H. S. Srivastava	. CDA(ORs) Central,	1-4-84	90. P. K. Kurian .	·CDA (Officers)	1 / 0/
	Nagpur			Pune	1-4-84
42. Suprakash Roy	CDA Patna	1-4-8	91. R. S. Murthy .	·CDA(ORs) South,	1-4-84
43. Rajinder Singh	CDA WC Chandigarh	1-4-84	92. P. P. Srinivasa Rao	Madras	_ , 0 ,
44. S. K. Dass	. CDA Patna	1-4-84	93. N. P. Singh .	· DA Bangalore	1-4-84
45. D. A. Joshi	CDA (Officers) Pune	1-4-84	75. 14. 1. Shigh .	· CDA(ORs) Central, lagpur	1-4-84
46. S. B. Bose	C OF A (Fys)	1-4-84	94. G. Parameshwara Ra	0 DA (9C) D	
	Calcutta		95. N. Ch. Sri Ram	- DA (SO) Pune	1-4-84
47. T. Ramachandra	CDA (SC) Pune	.1-4-84	Iyengar	· Do,	1 .1 0.1
Charlu			96. Vinod Behari Lal	AA (AE. Ta.	1-4-84
48. O. Narasimhan	CDA (AF) Dehradun	1-4-84	97. Hukam Singh .	<ul> <li>DF A (Fvs)</li> </ul>	1-4-84 1-4-84
49. V. K. Alwar	CD4 (NC) Jammu	1-4-84	00 0 1 2 2 2	Cutta	1-4-0-
50. B. K. Singh	CDA Patna	1-4-84	98. Omedra Pal Singh	. (A(ORs) North,	1-4-84
51. S. Krishnamurthy	C OF A (Fys)	1-4-84	99. V. Pallam Raju	Mrut	•
	Calcutta			. C ₄ (AF) Debradun	-4-84
2. N. S. Nagt	114 3, 4 1 3 1	1 1-31	100. Zameer Hussain	Cl (ORs) North,	-4-84

1 2	3	4	1 2 3	4
S/Shri			S/Shri	-
01. K. C. Gopinathan .	CDA (SC) Pure	1-4-84	154. S. P. Asthana CDA (Office	ana) Duna
02. S. C. Gupta .	Do.	1-4-84	155. S. B. Roy Chowdhury C OF A (F	
03. K. K. Bhatia	CDA (WC) Chandigarh	1-4-84	Calcutta  156. M. Gopalakrishnan . CDA (Office	. ~
04. K. P. Misra .	. COFA (Fys	1-4 <b>-</b> 84	a was a second of the second o	
	Calcutta	4.404		
05. R. Gupta	CDA (SC) Pine	1-4-84		
06. A. B. Singh .	. JCDA (Furls) Meerut	1-4-84	Madras	
107. R. K. Sinha	CDA (SC) lune	1-4-84		1-7-07
108. R. P. Tripathi .	. C OF A (F/s) Calcutta	1-4-84	Madras	~ .
109. Ram Pal Singh	. CDA (WC Chandigarh	1-4-84	162. K. L. Tripathi . CDA(ORs)	Central, 1-4-84
10. G. D. Misra	CDA (P) Alahabad	1-4-84	Nagpur 163. V. P. Subramanian CDA Bang	.1.
11. R. C. Srivastava .	CDA Patn.	1-4-84		
12. L. V. Vishwanathan	CDA (P) Alahabad	1-4-8-		7-7-0-7
13. S. N. Yadav .	CDA (CC)Meenut	1-4-84	165. Hari Vansh Dubey . Do.	1-4-84
114. A. N. Singh	CDA(ORs) Nor h, Meerut	1-4-84	166. V. Narayanaswamy . CDA (Office 167. T. Govind Rajulu . Do.	ers) 1-4-84 1-4-84
115. Raj Kishore .	Do.	1-4 -84	168. T. Krishnan CDA(ORs)	
116. S. P. Kaushik .	CDA (P) Allahaad	1-4-84	Madras	South, 1-4-84
117. O. P. Kacker	CDA (Officers) une	1-4-84	169. A. G. Karlekar . CDA (Offic	ers) Pune 1-4-84
118. G. K. Tandon	CDA(ORs) Cetral,	1-4-84	170. V. S. Kaluram CDA (WC)	Chandigarh 1-4-84
116. U. K. Tandon	Nagpur	1.4.04	171. S. K. Jain	
119. S. C. Aggarwal	. CDA (CC) Merut	1-4-84	172. S. G. Srinivasan . CDA(ORs	100
120. S. C. Saxena .	. C OF A (Fys) Calcutta	1-4-84	Madras  173. S. L. Sharma CDA (NC)	7-
121. S. C. Vij .	. Do.	1-4-84	174. Kuppaswamy CDA (SC)	n - 107
22. D. P. Verma .	. Io.	1-4-84	175. C. Shanmugasundarani CDA (AF)	X 1-01
123. G. M. Datadehay	. CDA (SC) Pre	1-4-84	176. Kewal Krishna . Do.	4 1 0 7
	. CDA (Offics) Pune	1-4-8		1-4-84
124. R. R. Nathur .	. CDA (SC) une	1-4-8	177. S. A. Venkataraman CDA (ORs) Madras	South, 1-4-84
125. R. Venkataraman	CDA (OfficersPune	1-4-84	178. G. Veeraraghavan . CDA (Offic	erc) Pune
126. P. G. Janardhanan	CDA (Onicers une		179. Yash Pal Singh . CDA (WC)	ers) Pune 1-4-84 Chandigarh 1-4-84
127. Vijay Pal Singh		1-4-84	180. Raj Pal Singh CDA Patna	•
128. C. Govindan .	. CDA(ORs) Sith, Madras	1-4-8 4	181. K. C. Agarwal . CDA (CC)	1-7-04
400 Dai Wassan	. CDA (WC) nandigarh	1-4-84	182. Ram Rasik Singh . CDA Patna	
129. Raj Kumar .	. CDA (Office) Pune	1-4-84	183. M. Bhaskarudu . C OF A (F)	1-4-84
130. B. K. Anand .	. CDA (P) Alhabad	1-4-84	Calcutta	7s) 1 <b>-</b> 4-84
131. G. S. Bhatia .	. CDA (Nav. Bombay	1-4-84	184. Afzal Elahi CDA (P) A	llahabad 1-4-84
132. K. V. Anjaneyulu			185. R. P. Gupta CDA Patna	2.07
133. B. Venkateswarulu	. CDA (AF))ehradun	1-4-84	186. T. S. Sishodia CDA (CC) I	1-4-84
134. B. P. Saxena .	CDA(ORsCentral,	1-4-84	187.	2 1 0 1
135. M. V. Rao .	. CDA (Offirs) Pune	1-4-84	188. S. Venkataramana . CDA (SC) I	7 1 0 <del>7</del>
136. S. Gopal	. CDA(OR South,	1-4-84	189. M. M. Alphonse . Do.	1-4-84
	Madras . CDA (Ofers) Pune	1-4-84	190. P. Lakshmanan . CDA (HQF N. Delhi	(s) 1-4-84
137. H. V. Gupte .		1-4-84		
138. L. P. Chourasia	. C OF A 'ys) Calcutta	1-4-84	191. 192. S. Malayappan . C OF A (Fy Calcutta	vs) 1-4-84
139. Vir Singh .	. CDA (Os) Central, Nagpur	1-4-04		
110 3 f 1 - G	. CDA (P\llahabad	1-4-84	175. 12	1-4-84
140. Madan Swaroop	. CDA (C Meerut	1-4-84	194. Suresh Chandra Gupta CDA (WC)	
141. M. P. Varshney		1-4-64	195. S. Lakshminarayana CDA (SC)	*-1-0#
142. Asnani Hari .	. CDA (¡Allahabad . CDA (¡) Meerut		196. Tarsem Lal CDA (NC)	
143. H. N. Upadhyay		1-4-8	197. P. Srinivasan CDA (Offic	ers) Pune 1-4-84
144. S. N. Bansal .	. CDA (4s) Central, Nagpu	1-4-8	198. Narendra Kumar . CDA (WC) 199. K. Sowrirajulu . C OF A (F)	Chandigarh 1-4-84 ys) 1-4-84
145. R. L. Sharma .	. CDA C) Meerut	1-4-84	Calcutta	T-1-04
146. T. R. Laroia .	. CDA (C) Jammu	1-4-84	200. R. B. Shukla CDA (P) Al	lahabad 1-4-84
147. S.D.S. Chandraul	. C OF (Fys) Calcu	1-4-84	201. S. M. Yusaf CDA (Navy	) Bombay 1-4-84
148. A. G. Choudhury	. CDA C) Meerut	1)4-84	202. V. P. Rastogi CDA (P) Al	lahabad 1-4-84
149. Satya Pal Singh	. CDA.F) Dehradun	1-4-84	203. S. Suryanarayana-	
149. Daiya Fai Dingii	. CDAVC) Chandigarh	1-4-84	murthy CDA Banga	lore 1-4-84
150. T. R. Sharma .	CD/atna	1-4-84	204. S. Subramanian CDA (SC)	- 1-0 <del>1</del>
151. Lakshman Singh	JCD Funds) Meerut	1-4-84		
52. Harpal Singh .	. JCD's ands) Meetar	1-4-04	205. Gurdial Singh CDA (ORs Meerut	) North, 1-4-84

1	2	3	4
	S/Shri		
206.	Ramesh Chandra Roy	C OF A (Fvs) Calcutta	1-4-84
207.	S. N. Trigunayat .	Do.	1-4-84
208.	Uma Shankar Mehta	CDA (NC) Jammu	1-4-84
209.	BM ₁ , Sarin	CDA (Navy) Bombay	1-4-84
210.	G. Upadhyay	CDA (CC) Meerut	1-4-84
211.	Dinesh Misra	CDA (AF) Dehradun	1-4-84
212.	M. M. Foozur Rahman	CDA (OR°) North, Meerut	1-4-84
213.	A.S.B. Shah	CDA (P) Allahabad	1-4-84

A. K. GHOSH Addl. C.G.D.A. (AN)

#### MINISTRY OF DEFENCE

### INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

#### ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-1, the 15th May 1985

No. 18 G 85.—The President is pleased to confirm the following officers in the grade of DADGOF/Dy. Manager with effect from the dates shown against him:—

Name, Designation and Date of Confirmation

Shri N. C. Sircar, DGM-4-5-76.

#### The 16 May 1985

No. 20/G/85—The President is pleased to confirm the following officers in the grade of DADGOF/Dy. Managers with effect from the dates shown against them:—

Sl. Name & Designation No.	 	co	Date of nfirmation
S/Shrı ·	 		
1. H. Sengupta, DGM			1-8-80
2. GP Bhargava, DGM			1-8-80
3. HL Khanna, OSD (Prod)			1-3-3
4. AK Goswami, DGM .			1-8-80
5. JK Pandey, DGM	•		1-8-80
6. BL Gogia, DGM			1-8-80
7. OP Khurana, DGM			1-8-80
8. P. Bhakthovatsalu, DGM .			1-8-80
9. V. Shankar, DGM			1-8-80
10. KV Krishnamurthy, DGM			1-8-80
11. AO Abraham, DGM .			1-8-80
12. NK Sahai, DGM			1-8-80
13. CB Singh, DGM			1-8-80
14. SSR Krishnamurthy, DGM			1-8-80
15. SC Agarwal, Jt. Dir. (on depu)			1-8-80
16. V. Padmanabhan, DGM .			1-8-80
17. PC Khurana, GGM			1-8-8 <b>0</b>
18. TP Gopalakrishnan, DGM			1-8-80
19. S. Venkataraman, WM (Retd)			1-8-80
20. MN Kaul, DGM			1-8-80
21. MH Narurkar, DGM .			1-8-80
22. Moloy Ghosh, DGM			1-8-80
23. UV Menon, DGM (Retd) .			1-8-80
24. VS Haste, Jt. Director .			1-8-80
25. KL Mohanrao, DGM .			1-8-80
26. VV Subba Rao, DGM .			1-8-80
27. PK Chinnadorai, DGM .			1-3-80
28. M. Madappan, DGM .			1-8-80
29. GP Sinha, DGM			1-8-80
30. AK Gohliya, DGM			1-8-80
31. A. Vintyak, DGM	•		1-8-80

1 2		3			4
S,/Sbri					turn
32. SD Pattekar, DGM					1-8-80
33. S. Rajasekhann, DGM					1-8-80
34. BK Kar, DGW		·	•		1-8-80
35. PL Sharma, DGM .			Ċ		1-8-80
36. VK Bhalla, DGM .					1-8-80
37. RS Shah, DGN					1-8-80
38. Sushil Gupta, IGM.					1-8-80
39. RS Makhija, D§M					1-8-80
40. MM Gupta, DCM .					1-8-80
41. RK Singh, DGN					1-8-80
42. KM Ganguly, D3M.					1-8-80
43. VK Sinha, DGM .					1-8-80
44. RK Anand, DGN					1-8-80
45. SK Roy, DGM .					1-8-80
46. SB More, CGM .					1-8-80
47. MR Jetprole DGM .					1-8-80
48. A. Saxena, Jt Director					1-8-80
49. MM Sharma DGM .					1-8-80
50. A. Vairavan, DGM .					1-8-80
51. S. Chengalvanyan, DGM					1-8-80
52. G. Jeyarao, IGM .			•		1-8-80
53. TS Grewal, VM (Retd.)					1-8-80
54. SD Dwivedi, GM .		,			1-8-80
55. MA Alahan, l Director					1-8-80
56. S. Ghosh, Jt. irector					1-8-80
57. N Monohar Pasad, WM					1-8-80
58. Dr. AK BoralDGM					1-8-80
59. KG Kaimal DM .					1-8-80
60. G. Laxmi Nar'an D.G.M.					1-8-80
61. H.P. Gautam lG.M				•	1-8-80
62. Subeen Mukhoadhaia D.C	ЭM.				1-8-80
63. U. C. Savena IM .					1-8-80
64. S. Tata, DGM.					1-8-80
65. P. Sahoo, DGM					1-8-80
66. AK Das, DGM					1-8-80
67. BC Biswas, DG					1-8-80
person process from the confidence of many species from a process ground and the person of the perso					

V. K. MEHTA DDGOF/Estt.

## MINITRY OF COMMERCE

## OFFICE OF THE CIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Dai, the 25th May 1985

IMPORT ANIEXPORTS TRADE CONTROL)

#### GTABLISHMENT)

No. 6|1342|80-ADMN3||2657.—Shri Baldev Raj, Enforcement Officer in this offi has been permitted to retire voluntarily from Governmenservice with effect from the afternoon of the 31st May, '85.

M. P. ISAAC

Dy. Cof Controller of Imports & Exports for Ch. Controller of Imports & Exports

## MINISTRY OFFEEL, MINES & COAL

(DEPARTINT OF STEEL)
IRON & EFL CONTROL

Calcutta 20se 16th May 1985

No. EI-2(1)|85(.).—Thendersigned hereby appoints Shr. S. C. Mukherjee. Superinteent, to officiate in the post of

Assistant Commissioner of Payments in this office w.e.f. 16-5-1985 (FN) on temporary basis.

D. K. GHOSH. Iron & Steel Controller

#### (KHAN VIBHAG)

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

#### Calcutta-16, the 28th May 1985

No. 5383B|A-19012|(MMD)|84-19A.—Shri M. M. Dutta, Senior Technical Assistant (DO), Geological Survey of India, hahs been appointed as Artist on promotion by the Director, General, Geological Survey of India in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22-3-1985 until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel) for Director General

## INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 30th May 1985

No. A-19012(195)|84-Estt, A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri Lalu Toppo Temporary Assistant Director, Grade-II (Non-Technical) in the Weavers Service Centre, Guwahati on his release from the post of Assistant Director, Department of Textiles, Weaver's Service Centre, Motival Nebru Read, Pan Bazar, Guwahati-781 001 from 30-4-85 (AN) assumed charge of the post of Administrative Officer in the Indian Bureau of Mines, with effect from forenoon of 8th May, 1985.

P. P. WADHI Administrative Officer for Controller General

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 30th May 1985

No. 17/17/85-S. IV.—Consequent upon their promotion the under mentioned Senior Engineering Assistants have assumed charge of the post of Assistant Engineer on ad hoc capacity at different stations/offices of All India Radio and Doordarshan from the date shown against each till further order:—

S. Name No.		
1 2	3	4
S/Shri		
1. R. C. P. Singh .	. Maintenance Centre,	9-4-198
	Doordarshan, Purnea	(FN)
2. M. L. Gambir .	. Maintenance Centre, Doordarshan, Pathankot	4-4-1985 (FN)
3. M. N. Naravanan	. Chief Engineer (SZ)	29-4-1984 (FN)
4. V. K. Srivastava	AIR, Lucknow	24-4-1985 (FN)
5. Ashok Pal .	. TVRC, Kanpur	30-4-1985 (FN)
6. N. Bhaskaran .	. TVRC, Kodai Kanal	30-4-1985 (FN)
7. Harbir Singh .	. HPT Khampur	8-4-1985 (FN)
8. T. J. Poulose .	. DDK, Trivandrum	14-3-1985 (FN)
9. M. K. Sinha .	. DDK, Lucknow	4-4-1985 (FN)
4—116 GI/85		

4 4		
1 2	3	4
10. M. R. K. Reddy .	AIR. Gauhati	27-4-1985 (FN)
11. N. Srinivasa Rao	DDK, Nagpur	14-5-1985 (FN)

B. S. JAIN Deputy Director of Administration (E)

for Director General

#### New Delhi, the 31st May 1985

No. 2|22|76-S.II.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Ram Prakash, Administrative Officer Doordarshan Kendra, New Delhi to the post of Senior Administrative Officer in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, with effect from the afternoon of 30th March, 1985 until further orders.

2. Shri Ram Prakash assumed charge as Senior Administrative Officer in the office of the Chief Engineer (R&D), All India Radio, New Delhi on the same date.

MOHAN FRANCIS

Dy. Director of Administration

for Director General

## MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-400 026, the 23rd May 1985

No. 5|17|61-Est.I.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, Shri B. S. Rajopadhye has been appointed to officiate as Branch Manager on a pay of Rs 680|- p.in. in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 from the forenoon of 27th April, 1985 until further orders.

N. N. SHARMA Administrative Officer for Chief Producer

#### New Delhi, the 28th May 1985

No. 4|28|70-DFW(Admn).—Shri D. S. Saini, permanent Recordist in Films Division. New Delhi has been appointed to officiate as Chief Recordist on ad-hoc basis for a period of 43 days from the forenoon of 20th April. 1985 to 1st June, 1985 vice Shri N. P. Sitaram, Chief Recordist granted leave.

R. B. L. MORIA Asstt. Administrative Officer for Chief Producer

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

#### New Delhi-110011, the 21st May 1985

No. A-19019|49|77-Admn.I|PH(CDL).—On attaining the age of superannuation Dr. S. P. Roychowdhury, Deputy Assistant Director in the Regional Filaria Training and Research Centre, National Institute of Communicable Diseases Calicut, under this Directorate retired from Government service on the afternoon of 31st August, 1984.

NARAIN SINGH Deputy Director Administration (PH)

#### New Delhi, the 1st June 1985

No. 19020|6|79-Admn-I.—The Director General of Health Services is pleased to accept the resignation of Dr. U. K.

Gupta, Dental Surgeon (Ad-hoc), C.G.H.S. Kanpur with effect from the 18th October, 1984.

P. K. GHAI Deputy Director Administration (C&B)

## BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

#### Bombay-400 085, the 30th May 1985

No. B/1501/ChED/Estt II/1956.—It is regretfully notified that Shri S. K. Pandopadhyay, permanent Scientific Assistant 'B' and efficiating Scientific Officer/Engineer Grade 'SBB' of this Research Centre expired on 12-1-1984.

K. VENKATAKRISHNAN Dy. Establishment Officer

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

#### DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 27th May 1985

No. DPS/41/1/85-Adm./1365.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Arjan Hazarimal Sadaranagani a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 15-4-1985 (FN) to 18-5-1985 (AN) in the same Directorate vice Shri I. Ramakrishnan, APO, promoted as Purchase Officer (ad-hoc).

P. GOPALAN Administrative Officer

#### HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 28th May 1985

No. 05012/R1/OP/1969.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Kochuthundyil Thomas Thomas, a permanent Selection Grade Clerk in Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same office in a temporary capacity, on adhoc basis from 6-2-85 (FN) to 10-4-85 (AN) vice Shri P. S. Shetty, Assistant Personnel Officer, appointed as Administrative Officer-III in HWP (Manuguru).

Smt. K. P. KALLYANIKUTTY Administrative Officer

## ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 20th May 1985

No. AMD-1/12/83-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division. Department of Atomic Energy hereby appoints Shri K. P. Abaranji officiating Assistant Security Officer as Security Officer in an officiating capacity in the same Division with effect from the forenoon of September 3, 1984 until further orders.

S. PADMANABHAN

Sr. Administrative & Accounts Officer

#### DEPARTMENT OF SPACE

#### CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560 009, the 21st May 1985

No. 6/39/84-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, is pleased to appoint Shri S. K. Khaja Rasool as Assistant Accounts Officer in the Civil Engineering Division of the Department of Space in an officiating capacity with effect from the forenoon of 18-4-1985 and until further orders.

K. M. G. WARRIER Administrative Officer-I for Chief Engineer

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

#### New Delhi, the 27th May 1985

No. A. 32014/184-EA.—The Director General is pleased to appoint the following ad hoc Assistant Aerodrome Officers to the same grade on a regular basis from the dates mentioned against their names:—

Si. Name No.							Date of regular appointment
S/Shri							
1. S. B. Dey .							13-2-1985
2. V. D. Yadav							Do.
3. V. Ranganathan	1						. Do.
4. H. N. Trisal							Do.
5. R. K. Kapur							Do.
6. R. L. Roda							Do.
7. A. R. Mitra							Do.
8. G. C. Sarkar		•					Do.
9. D. C. Mishra							Do.
10. V.T. Patil .							Do.
11. Nathi Parshad				•			Do.
12. R. K. Sharma							Do.
13. R. Chaubey							Do.
14. S. P. Singh							Do.
15. S. Subramanium							Do.
16. M. J. Motwani			,				Do.
17. C. S. Tripathi							Do.
18. Bijoy Sharma					•		Do.
19. S. Manoharan							Do.
20. R. C. Ghial							Do.
21. S. P. Gautam							Do.
22. Raja Ram							1-4-1985
23. R. R. Kureel				· -	•	•	1-4-1985

J. S. TULI
Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

## New Delhi, the 27th May, 1985

No. A. 32014/7/84-EC (.)—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants, to the grade of Assistant Technical Officer on regular basis with effect from the date indicated against each and until urther orders:—

Sl. Name No.					 Date of promotion
S/Shri					
1. Anand Issac					17-10-1984
2. S. P. Gujar					Do.
3. Gurmukh Singh	L				Do.
4. N. S. Rajawat					Do.
5. C. P. Chhabra					Do.
6. J. B. Guha					Do.
7. A. B. Malakar					Do.
8. A. V. Jumdo					Do.
9. Smt. K. M. Khe	ot				Do.
10. N. K. Sood					Do.
11. V. K. Sharma			•	•	Do.
12. R. N. Gupta					Do.
13. N. K. Gupta					20-11-1984
14. Harish Pant					17-10-1984
15. R. K. Ostia			•		Do.
16. Palaniappan					Do.

J. C. GARG Deputy Director of Administration

#### MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 29th May 1985

No. 23-TR(4)/85.—The President is pleased to appoint Kum. J. M. Hiremath as Lecturer in Mathematics & Physics in the Lal Bahadur Shastri Nautical & Engineering College, Bombay with effect from 1-2-85 on ad-hoc basis until further orders.

AMITABH CHANDRA Dy. Director General of Shipping

## COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Vadodara, the 30th April 1985

No. 2/1985.—Shri I. H. Vaidya, Examiner of Accounts, Central Fxcise and Customs (Group B) of Audit Branch, Hqrs. Office, Vadodara has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-4-1985.

#### The 1st May 1985

No. 3/1985.—Shri M. V. Vasaikar, Examiner of Accounts, Central Excise and Customs (Group 'B') of Audit Branch, Hqrs. Office, Vadodara has retired on attaining the of superannuation pension in the afternoon of 30-4-1985.

No. 4/85—Shri C. M. Naik, Administrative Officer of Central Excise and Customs, (Group 'B') of Division-I, Vadodara, has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-4-1985.

N. B. SONAVANE
Collector
Central Excise & Customs, Vadodara

## DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 31st May 1985

C. No. 1041/39/85.—In the Directorate General's Notification No. 12/85 dated 21-5-1985 issued vide C. No. 1041/39/85 to be published in Part III Section I of the Gazette of India for the name "Mukund Singh" Mukand Singh" may be read.

No. 14/85—Shri B. N. De, lately posted as Inspecting Officer, Gr. B in the East Regional Unit of this Directorate General at Calcutta on transfer assumed charge as Inspecting Officer, Gr. B in the Directorate General of Inspection, Customs & Central Excise, New Delhi wef 15-5-85 (FN) vide Directorate General Order C. No. 1041/30/82 dated 19-2-85.

A. C. SALDANHA Director-General of Inspection

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110 066, the 25th May 1985

No. A.19012/1090/85-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Chairman, Central Water Commission appoints Shri Rajendra Prasad, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) in the grade of Extra Assistant Engineed (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 650 30-740-35-810-EB-35-880-40-100-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 13-5-1985 until further orders.

2. The above mentioned officer will be on probation in the grade of EAD/AE in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

No. A-19012 1092 85-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Chairnan, Central Water Commission appoints Shri Amal

Kumar Sinha, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 29-4-1985 until further orders.

2. The above mentioned officer will be on probation in the grade of EAD AE in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

MEENAKSHI ARORA Under Secy. Central Water Commission

#### DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 8th May 1985

No. 30|36|83-ECI.—The President is pleased to appoint Shri M. Thangamuthu, Assistant Executive Engineer (Civil) to officiate as Executive Engineer (Civil) in Centarl Engineering Service Group 'A' temporary on ad-hoc basis with effect from 26-11-84 till further orders. His promotion will be purely on ad-hoc basis. His ad-hoc promotion will not confer any right on him to any claim either for regular appointment as Executive Engineer (Civil) for determining seniority in the grade of Executive Engineer (Civil) or any other incidental benefits of a regular promotion. He shall also be required to pass the Departmental Examination prescribed for Executive Engineers (Civil) within a period of two years from the date of his appointment i.e. 26-11-84 as Executive Engineer. If he fails to pass the Departmental Exemination within a period of two years, he will not earn any increment.

MRS. NEENA GARG Dy. Director of Administration

# MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. M. K. M. Bus Service Private Ltd.

Madras-600 006, the 4th January 1985

No. 4064|560|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M|s. M. K. M. Bus Service Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Siva Kumar Mutuai Benefit Fund Private Lid.

Madras-600 006, the 4th January 1985

No. 3390|560(5)|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M|s. Siva Kumar Mutual Benefit Fund Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Sri Chitra Art and Film Enterprises Private Ltd.

Madras-600 006, the 4th January 1985

No. DN|7617|560(3)|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 (3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sri Chira Art and Film Enterprises Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of Sri Vishnupriya Spinners Private Ltd.

Madras-600 006, the 4th January 1985

No. DN|8967|560(3)|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act. 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sri Vishnupriya Spinners Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Meenakshi Chit Fund Private Ltd.

Madras-600 006. the 4th January 1985

No. DN|5621|560(3)|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 (3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Meenaksh Chit Fund Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd. ILLEGIBLE
Asst. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

In the matter of Companies Act, 1956 and of Karyal Industries Private Limited

Patna, the 27th May 1985

No. 701|560|1359|85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three mouths from the date hereof the name of the Katyal Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Bihar Construction Private Limited

Patna, the 27th May 1985

No. 668|560|1363|85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bihar Construction Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and Katihar Credit and Investment Company Pvt. Limited

Patna, the 27th May 1985

No. 1078|560|1366.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of sec. 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kathiar Credit & Investment Company Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

> In the matter of Companies Act, 1956 and Life Saving and Finance Private Limited

> > Patna, the 27th May 1985

No. (1155)560|1369.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of sec. 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Life Saviag & Finance Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and Albit India Private Limited

Patna, the 27th May 1985

No. (1079)560[1356.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of sec. 560 of the Companies Act. 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Albit India Private I mited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

A. N. ANSARI Registrar of Companies, Bihar, Patna.

### DIRECTORATE OF ESTATES

New Delhi, the 5th June 1985

No. A-19012 4 85-Adm.B.—The President is pleased to appoint Shri R. S. Phogat, permanent Group 'B' non-gazetted Officer of the C. S. S. as Assistant Director of Estates (Litigation) with effect from the forenoon of the 1st June, 1985, until further orders vide Shri R. K. Talwar, who relinquished charge of his office with effect from the afternoon of the 31st May, 1985.

LACHMAN DASS Deputy Director of Estates (E)

#### FORM ITNS- ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 18th May 1985

Ref. No. A.P. No. 5808.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,000,000]- and bearing No. as per schedule situated at Bathinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Bhathinda in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Inder Sain S|o Mitter Chand Shimla Devi D|o Inder Sain; Rajesh Kumar S|o Inder Sain, Rakesh Kumar, Sarjeevan Kumar, Kailash Chander, Danesh Chand, Lalit Kumar, Parmesh, Mukesh Ss|o Kanwar Chand, Kaushalya Devi Wdlo Kanwar Chand Sageet, Kumar S|o Prem Chand, Mall Rd. Bathinda.

(Transferor)

(2) M|s. Oriental Auto Mobiles Private Ltd., IF, Civil Lines Bathinda.

(Transferee)

- (3) As per sr. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed no. 2146 dated 27-9-84 of the Registering authority. Bathinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar.

Dated: 18-5-1985

Seal:

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 27th May 1985

Ref. No. A.P. No. | 5809.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. as per schedule

and bearing No. as per schedule situated at Bathinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhathinda in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Gurmit Singh, Harmit Singh Ss|o Niranjan Singh r|o House No. 5186, Sirki Bazar, Bhatinda.
- (2) Shri Milkhi Ram S|o Bishna Mal S|o Kanhiya Lal rlo 5186, Sirki Bazar, Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As per sr. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) any other person interested in the property.

  (Person in occupation of the property)
  in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are degned in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property Shop No. 5186 situated in Suki Bazar, Bhatinda & Persons as mentioned in the registered sale deed No. 1979 of September 84 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 27-5-1985

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 27th February 1985

Ref. No. AC-105|R-II|Cal|84-85.—Whereas, I,

SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. 10|1|E, situated at Diamond Harbour Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

1908) in the Office of the Registering Office as Competent Authority on 26-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:

(1) M|s. Greenwich Holdings (P) Ltd. of 160|C, Chittaranjan Avenue, Calcutta-7.

(2) Shri Om Prakash Jhanwar for self and as Karta of "Nihal Chand Om Prakash HUF" and Shri Shri Gopal Maheshwari for self and as karta of Shri Gopal Maheshwari HUF both of 148, Cotton Street, Calcutta-700 007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One Flat No. 4A, measuring area 2196 Sft. situated at 10|1|E. Diamond Harbour Road, Calcutta-27, P.S. Alipore. Registered before the Competent Authority on 26-9-1984 vide Sl. No. 28 of 1984-85.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Calcutta-16

Date: 27-2-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# (1) Mr. Ramesh R. Shah, 63|402 Bapu Vasi Road, Vile Parle (W), Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Ravindra Valabhdas Sampat, Smt. Panna Ravindra Sampat, B-7 Hermes Park, 30 Bund Garden Road, Pune-1.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 10th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|5896|84-85.-Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 100,000 and bearing

Flat No. B-7 on the Hand floor in the building B of the Hermes Park Co-operative Hsg. Society Ltd. situated at 39 Bund Garden Road, Pune-1

(and more fully described in the schedule annexed hereto situated at Pune

has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune in August 84 for an apparent consideration which is less than the fair ma, ket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; vid/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this motice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. B-7 on the IInd floor in the building B of the Hermes Park Co-operative Housing Society Ltd. situated at 30 Bund Garden Road, Pune-1.

(Area 980 sq. ft.).

(Property described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5896 84-85 in the month of August 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range POONA

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Scal:

Date: 10-4-1985

persons, namely

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 10th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|5945|84-85,—Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 20 on the 4th floor in Building D of Hermes Complex situated at 6-B Dhole Patil Road, Pune-1 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Fune in August 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Hermes Agencies, Family House,
 Jame Jamshed Road, Dadar, Bombay.

(Transferor)

(2) Capt. Vinod Prakash & Mrs. Neen Prakash Clo. Mrs. Saran Kapur, 204 Sangam Peddar Road, Bombay-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 20 on the 4th floor in Building D of Hermes Complex situated at 6-B Dhole Patil Road, Pune-1. (Alea 850 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5945|84-85 in the month of August 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
POONA

Date: 10-4-1985

### FORM I.T.N.S.—

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, **PUNE**

Pune, the 10th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5'37EE|8266|84-85.-Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000- and bearing

Plot No. 3, Hissa No. 1-A CTS No. 35, Shastri Nagar, Dombivli (W) situated at Dombivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune in August 84 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ...

(1) Tej Corporation, Gokhale Bungalow, Shastri Nagar, Kopar Road, Dombivli (W).

(Transferor)

(2) Shri M. D. Boga, 48, Vinayek Sadan, M. M. Joshi Marg, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land bearing plot No. 3 CTS No. 35, Hissa No. 1-A situated at Shastri Nagar, Dombivli.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8266 84-85 in the month of August 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range **POONA**

Date: 10-4-1935

### FORM ITNS———

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 4th April 1985

Rtf. No. IAC ACQ|CA-5|84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 100,000|- and bearing S. No. 224 Hissa No. 2, Achole, Vasai situated at Vasai (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Vasai in Oct. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the storesaid property. to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:-

(1) Mrs. Rekha Harshad Shah, Co. Harsh Pharma, Vasai Road.

(Transferor)

(2) Shri Narubhai S. Kachadia, & Others, Vimal Apartment, Manikpur. Vasai Road, Dist. Thane.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

S. No. 224, Hissa No. 2, Achole, Vasai.
(Property as described in the sale deed registered in the office of the S. R. Vasai, under document No. 924 84-85 in the month of that 24.) the month of Oct. 84).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range POONA

Date: 4-4-1985

### FORM ITNS ....

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 8th April 1985

Ref. No. IACIACQ CA-5|37G|930|84-85.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (13 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Non-Agricultural land bearing Plot No. 6 S. No., 15 A|2 Village Navghar, Tal. Vasai, situated at Vasai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Vasai in Oct. 84 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Mr. J. B. Almeda & Mr. Francis M. Dias at Manikpur, Tal. Vasai, Dist., Thane. Mr. Victor A Dabie & Mr. J. V. Dabre, Marsis, Tal. Post Vasai.

(Transferor)

(2) Robit Enterprises, 11 Tinwala Building, Tribhuvan Road, Bombay-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCEHDULE

Non Agricultural land bearing plot No. 6 S. No. 15 A[2 Village Navghar, Tal. Vasai.

Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar Vasai under document No. 930[84-85 in the month of Oct. 84)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona.

Date: 8-4-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 8th April 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37G|928|1984-85.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Plot No. 135 S. No. 31 pt. 34, 35, 36 Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane, situated at Thane

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Vasai in Oct. 34

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mishrimal Dharaj & Rameshchandra H Shah, 68 Kika Street, Bombay.

(Transferor)

(2) M|s Choudhary International Malpura, Dist. Tonk, Rajasthan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCEHDULE

Plot No. 135 S. No. 31 pt. 34, 35, 36 Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar Vasai under document No. 928|84-85 in the month of Oct. 84)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona.

Date: 8-4-1985

---

#### FORM ITNS...

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE **PUNE** 

Pune, the 8th April 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|8915|1984-85.-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000]- and bearing

Flat No. 106 1st floor, Located "Garden View" situated at Navghar, Vasai Road. situated at Vasai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I. A. C., Acqu. Range, Pune in Sept. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than difteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating hie reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the numbers of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Prime Development Corporation, 101 Jamuna Niketan, Manav Mandir Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. Vinodchandra Hıralal Boricha, Flat No. 106, "Garden View" 13 Sai Nagar, Navghar, Vasai Road, Tnane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCEHDULE

Flat No. 106, 1st floor, located "Garden View" situated at

Piat No. 106, 1st floor, located Garden view situated as Navghar, Vasai Road.
(Area 4550 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8915[84-85 in the month of Sept. 84)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, PUNE

> Pune, the 8th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|8482|1984-85.--Whereas, I.

ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

No. "Dhanalaxmi Co-operative Hsg. Society" (Prop) Shri-

khandewadi, Dombivli (E) situated at Dombivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in tehe Office of the Registering Officer at

I. A. C., Acqu. Range, Pune in Sept. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. K. K. Patel & Bros. 39 A Kanta Apartment, Pantnagar, Ghatkopar (E), Bombay-75.

(Transferor)

(2) LShri Rajan M. Badle 2. Shri Shreekanth M Badle, Laxminivas, 11th Road, Santacruz (E), Bonibay.

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

"Dhanlaxmi Co-operative Housing Society (Prop.) Shrikhandewadi, Dombivli (E). (Area —).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8482 84-85 in the month of Sept. 84).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range **POONA** 

Date: 8-4-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, **PUNE**

Pune, the 8th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|327|Def|83-84.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Unit No. 108, 109 & 110 at Mahesh Industrial Co-op. Society, Kashimira Road, Village Bhayandar (E) Pat Nagai, Taluka & Dist. Thane

situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pine in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ms. Balaji Enterprises, 101 Mahaveer Apartments, Station Road, Bhayandar (W).

(Transferor)

(2) Mls. Babaji Shivram Clearing & Carriers Pvt. Ltd. Rex Chambers, 4th floor, W. H. Marg, Ballard Estata, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 108, 109 & 110 at Mahesh Industrial Co-operative Society, Pat Nagar, Kashimira Road, Village Bhayandar (E), Taluka & Dist. Thane.

(Proporty as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 327183-84 in the month of May 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 8-4-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, **PUNE** 

Pune, the 8th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|328|83-84|Def.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the insmovable property, having a fair market value excee Rs. 1,00,000, and bearing Unit No. 105 and 106 at Mahesh Industrial Co-operative exceeding

Society, Pat Nagar, Kashimira Road, Village Bhayandar (E), Taluka & Dist. Thane situated at Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acqn. Range, Pune on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and /or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

66-116 GI 85

(1) M/s. Balaji Enterprises, 101 Mahaveer Apartments, Station Road, Bhayandar (W).

(Transferor)

(2) M|s. Nav Jeevan Agencies, Rex Chambers, 4th floor, W. H. Marg, Ballard Estate, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 105 & 106 at Mahesh Industrial Co-operative Housing Society, Pat Nagar, Kashimira Road, Bhayandar (E). Taluka & Dist. Thane. (Area 3650 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 328 83-84 in the month of May 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Date: 8-4-1985.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION SIGNER OF INCOME-TAX, ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|Def|806|84-85,-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
Flat No. 204 in Amardeep Apartment, Opp. Harne
Inspector Bldg. Vishnunagar, Dombivli situated at Dombivli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Oct. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. Rajdeep Constructions, 303 Amrapali, Charai, Thane.

(Transferor)

(2) Dr. (Mrs.) Nina Narendra Dixit, Janki Nivas, Karve Road Vishnunagar, Dombivli (W).

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 204 in Amardeep Apartment Opp. Harna Inspector Building, Vishnunagar, Dombivli (W).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 806/84-85 in the month of Oct. 84).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-4-1985.

# FORM I.T.N.S.——

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th April 1985

Ref. No. IAC| ACQ|CA-5|37EE|8460|1984-85.--Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat No. 403 on 4th floor in Building Lok-Shilp, at Vashi, New Bombay, Plot No. 59, Sector 17 DBC, Vashi

situated at Vashi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Sept. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to exceeds the apparnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Ind an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Lalit C Gandhi, Chief Promoter, Lok Shilp Co-operative Housing Society Ltd. (Prop) 14 Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, Andheri (E) Bombay-69.

(Transferor)

(2) Mr. Hemant R. Kataria, 18 Sordhandas Mansion, Dr. A.B. Road, Parel, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 403 on 4th floor in Building Lok-Shilp, at Vashi, New Bombay, Plot No. 59, Sector 17, DBC, Vashi. (Area 614 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8460 84-85 in the month of Sept. 84)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 8-4-1985

UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th April 1985

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

No. Hat No. 6 at 1120. Model Colony, Shivajinagar, Pune

sitauted at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at IAC, Acqn. Range, Pune on Aug. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor:
- (b) facilitating the conscentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) Section 269D of the said Act, to the following persons, manualy:—

(1) M|s. C. L. Shirole 1216|6 Deccan Gymkhana, Pune-4.

(Transferor)

(2) Shri Santosh Duttatraya Jagtap, S. No. 29, At Post, Pimple Nilakh, Tal. Haveli, Dist. Poona.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice in the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 6 at 1120 Model Colony, Shiveninger, Pune, (Property as described in the agreem, it to safe registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range Pune, under document No. 6018 84-85, in the month of Aug 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 8-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Vishaal Construction Co. 137 Jawaharnagar Goregaon (W) Bombay. (Transferor)

(2) Smt. Jayshree P. Shah & Master Bhavin P Shah (Minor) Mantri Building, 2nd floor, R. No. 16, Near Malad Telephone Exchange, Malad,

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|8009|84-85.—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. Flat No. 14, "Vishaal Durshan" Plot No. 33, Sai Nagar Scheme, Vasai (W) Dist. Thane

situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range. Pune on Aug 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-Isaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objectoins, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which the period contribute the service of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meannig as gvien in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other aseets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act, or the Wes Act, 1957 (27 of 1957). 1922

THE SCHEDULE

Flat No. 14, Vishal Durshan Plot No. 33, Sai Nagar, Vasai (W), Dist. Thane. (Area 670 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registeerd in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8009 84-85 in the month of Aug. 1984)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-4-1985

# FORM ITMS NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 4th April 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|6829 84-85.-Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 5 second floor "Sadichcha Apartment", situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune in Oct, 84

for an apparent consideration which is less market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely :--

(1) Mangal Construction, "Ashirwad" Off. L.J. Road. Shop No. 3, Nivedaa Co-operative Housing Society, Mahim, Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. S. V. Kale. 25|B Goodwill Insurance Building, Manmala Tank Road, Mahim, Bembay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 5 Second floor "Sadicheha Apartment", Pune. (Area 778 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6829 84-35 m the month of Oct. 84).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Poona

Date: 4-4-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GUVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 4th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA15|12240|84-85.—Whereas, I. ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat No. 206, 2nd floor, Rajesh Apartment, Behind Post Office, Vasai Road (W) Dist. Thane

situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune in Jan 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Insome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, is Firsuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act. to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:-

(1) M/s. Vithoba Construction Co. Block No. 12A "Panchratna" Rambaug, Plot No. 119, S. V. Patel Road, Borivli (W) Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. Shantilal J Vaid, Clo G. N. Vaid, 42|44 Kika Street, 1st floor, Room No. 4, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 206, 2nd floor, "Rajesh Apartment" Behind Post Office, Vasai (W) Dist. Thane. (Area 655 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12240|84-85 in the month of January 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 4-4-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2198/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propery, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Flat No. 4 on ground floor "Avirush Apartment" Panch-pakhadi, T.P.S. No. 1. Final Plot No. 291 situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908 in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Ian 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) Ashirwad Construction Co. "Gitanjali" Opp. Civil Hospital, Ground Floor. Tembi Naka, Thane

(Transferor)

(2) Mrs. Laxmi Subramaniam, Punjab National 3ani: Matunga, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officer Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 4 on ground floor "Avinash Apartment' Panchpa-

Flat No. 4 on ground floor "Avinash Apariment rancipa-khadi T.P.S. No. 1 final plot No. 291, Thane (W). (Area 560 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12198/84-85 in the month of January 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 8-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 9th April 1985

Ref No. IAC| ACQ.|CA-5|37EE|11655|1984-85.--Whereas,

I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 3, Sector 3, Vashi, Plot No. 33, New Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at I.A.C., Acqu. Range. Pune in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid pro-

perty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the habitity of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 2696 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-67--116GI|85

(1) Smt. Nirmaljit P Kaur, Kamboj Apartment, 1st Floor, Mahul Road, Chembur, Bombay-74.

(Transferor)

(2) Shri M Jinesh, Flat No. 3, Sector 3, Vashi, New Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 3, Sector-3, Vashi Plot No. 33, New Bombay. (Area 590 sq. ft.)

(Property as described in the agreemnt to sale registered in the office of the 1.4 C.. Acquisition Range, Pune, under document Iso. 11655[84-85] in the month of January 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 9-4-1985

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 9th April 1985

Ref. No. EAC.ACQ'CA-5/37EF 10213[1984-85,—Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000l- and bearing No. Shradhanand Nagar, 9 AW Arjun Apartment, Ganesh

No. Shradhanand Nagar, 9/AW Arjun Apartment, Ganesh Mandal Road, Cross Nehru Maidan, Dombivli (E) situated at Dombivli

(and more fully described in the Schedule anaexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn., Range, Pune in Nov. 1984

I.A.C., Acqn., Range, Pune in Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

- (1) M|s. Usha Construction Co.
  IInd floor, Harideep Patkar Road, Dombivli (E)
  (Transferor)
- (2) M. M. Mojidra, Shudhanand Nagar, Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—Ine terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shiadhanand Nagar, 9¦AW Arjun Apartment Ganesh Mandal Read Cross Ivehru Mandan, Dombiyli (E) (Area 600 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisitioon Range, Pune, under document No 10213184-85 in the month of Nov. 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistan; Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Punc.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:—

Date + 9-4-1985

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE **PUNE**

Pune, the 9th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA 5/37EE 6954/84 35.--Whereas, 1, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.
Flat No. 201 in the building under construction on 84|2
Parvati, Pune. situated at Pune

Parvati, Pune. situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Aug. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Supreme Constructions, 5 Krutanjali Apartments, 43|20 Erandwana, Pune-4. (Transferor)
- (2) Shri Ramesh Vitthalrao Rasane, 218 Raviwar Peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 201 in the building under construction on 84|2 Parvati, Pune-9. (Area 1400 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC., Acquisition Range, Pune, und document No. 5954 84-85 in the month of August 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune.

Date: 9-4-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX At. F. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 9th April 1985

No. IAC, ACQ CA-5:37EE 6660 1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000, and bearing No.

Flat No. 418 at H. No. 2416. East Street, Pune-1 situated at Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

at LA.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforecall exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or
- (t) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192: (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-far Act, 1957 (27 of 1957);

ivow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M|s. Makwana Bros. & Co. 441 Somwar Peth, Pune.

(Transferor)

(2) Mrs. Shamina Shabbir Dubaiwala. Randat Tahere Street, Shabbir Mansion. 3rd floor, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichthe period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and explessions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as siven in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 418 at H. No. 2416, East Street, Pune-1 (Area 785 sq. it.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pununder document No. 6660184-85 in the month of Oct. 84).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune.

Date . 9.4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 9th April 1985

Ref. No. IAC.ACQ|CA-5|37EE|6887|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. A-9, alongwith one parking space 3rd floor, Building "A" Hermes Complex Co-operative Housing Society Ltd.
6 Dhole Patil Road, Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M_is. Hermes Agencies, 793 Family House, Jame-Jamshed Road, Bombay-14.

(Transferor)

(2) Smt. Gangabai Haridas, 59-B, Fionika, 13th Floor, Walkeshwar Road, Bombay-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein was are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. A-9 alongwith one parking space 3rd floor, Building 'A" Hermes Complex Co-operative Housing Society Ltd., 6 Dhole Patil Road, Pune-1. (Area 1375 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6887/84-85 in the month of Oct. 84).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

Date: 9-4-1985

FORM NO. I.T.N.S. ---

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 9th April 1985

Ret. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/6838/1984-85.—Whereas, ANIL KUMAR, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, naving a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 - and bearing Flat No. F-2, on the 1st flood in the building E of the Hermes Park Co-operative Hsg. Society Ltd. situated at 30 Bund Garden Road, Pune 1, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration.

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

transfer with the object of :--

at I.A.C., Acqp. Range, Pune in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid need by each that leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (by fireilitating the exacealment of any income or any aloneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Ramesh Construction Co. (India) Dhiraj Chamber 9 Wandby Road, Bombay-1. through its pariner Shri Mathuradas N. Thakkar.

and a second common to the second common common and the second common co

(Transferor)

(2) Shri Govind Dattatraya Desai Jointly with Mis. Kalpana R Gosavi, 1107 A Harekrishna Mandir Road, Pune-16.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this ractice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. E-2 on the 1st floor in the Building E of the Hermes Fark Co-operative Hsg. Society Ltd. situated at 30 Bund Garden Road, Pune-1 alongwith car Park.

(Area 1550 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6838|84-85 in the month of Oct. 84).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date: 9-4-1985

-----

### FORM ITNS---

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 9th April 1985

No. IAC.ACQ|CA-5|37EE|6889|1984-85.-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000; and bearing
Flat No. A-5 alongwith 1 parking space on the 2nd floor
Building "A" Hermes Complex Co-operative Housing Society
Ltd. 6 Dhole Patil Road, Pune-1, situated at Pune
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Feeistering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Oct. 1984 for an apparent consideration which is sess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and their consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1920 111 11 1922) or the said Act, or the Wealth-tax /ct 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M|s. Hermes Agencies, 793 Family House, Jame-Jamshed Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Mahendra Madhav Merchant 6B Dhole Patil Road, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. A-5 alongwith 1 parking space on the 2nd floor building "A" Hermes Complex Co-operative Housing Society Ltd. 6 Dhole Patil Road, Pune-1. (Area 1375 sq. ft)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under documnet No. 6889 84-85 in the month of Oct. 84).

> ATHL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Pune.

Date: 9-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR; SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpui, the 30th March 1985

No. IAC./ACQ/69/24/84-85.—Whereas I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovas the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Agricultural Land S. No. 322, situated at Badnera Tal. & Distr. Amravati, Area: 32 Gunthas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the

the Registering Officer at Amravati on 19-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

- Shri Vijay Kunar Udaramji Daterao,
   Sri Sharad Kunar Udaramji Daterao,
- r/o Namuna, Amravati.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Pramiladevi Vijay Kumar Tardeja.

Sau. Sitadevi Tardeja.
 Smt. Mohinidevi Harwari.

4. Shri Raj Kumar Lahonmal Khatri, r/o Chatritalao Road, Amravati.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural Land at Mauja Badnora, Tal. & Distt. Amravati of which S. No. 322, total Area: 32 Gunthas.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 30-3-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 30th March 1985

No. IAC./ACQ/71/24/84-85.—Whereas I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Agricultural Land S. No. 322, situated at Mauja Badnera, Tah. & Distt. Amravati, Area: 32 Gunthas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amravati on 19-9 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 296D of the said Act, to the follow ing persons, namely:-.68-116GI|85

(1) 1. Shri Shirish Kumar Udaromji Daterao 2. Shri Satish Kumar Udarəmji Daterao 3. Sri Udaram Shivramji Daterao,

ro Namuna, Amravati.

(Transferors)

(2) Sau Kantadevi Shamlal Khatri, r/o Chatritalao Road, Amravati. •

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural Land at Mauja Badnera, Tal. & Distt. Amravati bearing S. No. 322, Total Area: 32 Gunthas.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Date: 30-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 30th March 1985

No. IAC/ACQ/70/24/84-85.—Whereas I, M. C. being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No.
Agricultural Land situated at Mauja Badnera, S. No. 322,

Area 32 Gunthas,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amravati on 19-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the ourposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 :27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2000 of the Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

(1) 1. Shri Shirish Kumar Udaromji Daterao 2. Shri Satish Kumar Udaramji Daterao r/o Namuna, Amravati.

(Transferor)

(2) 1. Sau Saraswatidevi Tarachand Mirani, r/o Krishnanagar, Amravati.

2. Shri Raj Kumar Lahorimal Khatri, r/o Chatritalao Road, Amravati.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural Land at Mauja Badnera, Tel. & Distt. Amravati bearing S. No. 322, Total Area: 32 Gunthas.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Date: 30-3-1985

(1) Shri Shantaram Vithobaji Bangde, r/o Main Road, Wardha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The same of the sa

(2) Shri Yogendra Kumar Kundanmal Lunawat, Potdar Ward Wardha.

(Transferees)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 30th March 1985

No. IAC./ACQ/68/24/84-85.—Whereas I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 1, on Nagpur Road, Wardha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Wardha on 27-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any

Plot No. 1 on Nagpur Road Wardha. Area:  $3500 \text{ Sq. ft. } (70 \times 50)$ .

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M, C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 30-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SAKAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 30th March 1985

No. IAC/ACO/65/23/84-85.—Whereas I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing House No. 189/0.12 with old house bearing plot No. 160 admeasuring 16300 sq. ft., situated in Shivaji Nagar, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 12-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Shri Hari Anant Kelkar, Karta of H.U.F., r/o 160, Shivaji Nagar, Nagpur. 2. Shri Manohai Anant Kelkar,
  - Karta of H.U.F., r/o 31 Anupam Park Coop. (Hsg. Society Ltd.) Kothrud, Pune-29.

    3. Shri Madhay Anant Kelkar Architect,
  - Shri Madhay Anant Keikai Alemeet, Karta of (H.U.F.)
     r/o 7H/2C, Corn Field Rd., Calcutta-19.
     Shri Anii Anant Kelkar Engineer, Karta of (H.U.F.),
  - rlo 1/8, Erandwan, Jeewan Sangeet, Pune-4.

(Transferor)

(2) M/s. Gajraj Builders, 334, Rani Laxminagar (East), Through Mang. Partner, Shri Arun Vishnupant Gipe, r/o 334, Rani Laxminagar, Nagpur,

(Tranferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land bearing plot No. 160 admeasuring 16300 sq. ft. i.e. 1514.30 sq. metrs, in Dharampeth Extention popularly known as Shivaji Nagar area and bearing house Ng. 189|0—2|Ward Ng. 73 (New), Wood Ng. 49 (old) Division Ng. 8 Circle Ng. 20, situated within the Nagpur Municipal Corporation Limits and with the registion Sp. Population 12th Nagpur, with company tion Sub Registrar, Dis.t. Nagpar Tah Nagpar with cement concrete structure having built up area 140 sq. ft. (Approx.) and out house & shed approx. 1600 sq. ft, new plinth togetherwith trees went chos and rights easement & well thereon.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 30-3-1985

(1) Shri Ramesh J. Mehata,
President Jaikranti Coop. Housing Society Ltd.,
Clark Town Plot No. 19,
Nagpur.

(Transferor)

(2) Smt. Meena V. Punjari, A-16, Vandora, Ramdapeth, Nagpur.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 19th April 1985

No. IAC/ACQ/1/85-86/37EE/MV.P.—Whereas I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the in movable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and bearing

Ownership Flat No. 106 in Jaikranti Coop. Hsg. Society Ltd. Carpet area 878 sq. ft. at Plot No. 19 Clark town,

Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under section 209AB(1) in the Office of the Competent Authority, Nagpur Office of the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Nagpur on 12-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Ownership Flat No. 106 on First Floor in Jaikranti Coop. Housing Society Ltd. plot No. 19, at Clark Town, Nagpur Carpet Area 878 sq. ft.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date: 19-4-1985

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

Shri Vijay Kumar Udaram Daterao
 Shii Sharad Kumar Udaram Daterao
 Shrii Shirish Kumar Udaram Daterao,

Amarayati. (Transferor)

(2) Smt. Meeradevi Urangaram Khatri. Chatri Talao Road, Annavati.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

> > Nagpur, the 30th March 1985

No. IAC./ACQ/72/24/84-85.—Whereas I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 321|322, situated at Mouza Badnera, Tah. & Distt.

Amravati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amravati on 19-9-1984

for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

32 Guntha of agricultural land vide S. No. 321/322, situated at Mouza Badnera, Teh. & Distt. Amravati.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 30-3-1985

#### FORM I'INS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th February 1985

C. R. No. 62/878/84-85/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing B1 No. 391, situated at Ingalhalli Taluka, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the office of the registering officer at Hubli on 21-9-1984

fittell on 21-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stattd in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Shrimathi Virabasawa w/o Sadashivayya Viraktamatamath,

Shri Manohar So Sangayya Viraklamath

3. Sangameshwar,

Sateesh s/o Iobayya Viraktamath, Vijayanagar, Hubli.

(Transferor)

(2) 1. Shri Gurunagouda. 2. Hanamanthgonde, 3. Hiragouda s/o Basanagouda, Hiregoudra Siraguppi, Taluka, Hubli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1973 Dated 21-9-19841 Agricultural land BI. No. 391.15 Acres 24 Gunta situated at Ingalballi, Taluka Hubli,

> R. BHARADWAJ Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th February 1985

C. R. No. 62/879/84-85/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

BI. No. 391, situated at Irgalhalli Taluka Hubli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hubli on 21-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shrimathi Virabasawa w/o Sadashivayya Viraktamatamath,

2. Shri Manohar Sangayya Viraklamath,

3. Sangameshwai,

 Sateesh s/o Tobayya Viraktamath, Vijayanagar, Hubli.

(Transferors)

(2) 1. Shri Mallikarjungouda

2. Shivangouda3. Ishwargouda

 Shri Shankargouda Hiregouda, Sio Goudapra gouda Mallanagouda, Hiregaudra Siragupp: Tq. Huoli.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ex 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1974 Dated 21-9-1984]
Agricultural land BI. No. 391.15 Acres 24 Gunta situated at Ingalhalli, Taluka Hubli.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-550 901, the 6th December 1984

No. D/R-94/84-85/37EE.-Whereas I, R. BHARADWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. G-2 on Gr. floor of Complex, Fatorda-Margao-Goa Block A, Nestle Housing

situated at Fatorda, Margao-Goa

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of

1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore on 26-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section '269D of the said Act to the following persons namely:-69-116GI|85

(1) M/s. Santosh Constructions. 10-11, Cruz Mansion, Margao- Goa.

(Transferor)

(2) Miss Regina Taveres, H. No. 389, Borda, Margao-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. D/24/Oct. 84 Dated 26-10-1984] Flat No. G-2 on Gr. floor of Block A, Nestle Housing Complex, Fatorda-Margao-Goa.

> R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### (1) M/s. Hindustan Builders, 210 Govinda Bldg.. A A Rd., Panaji, Goa.

(Transferor)

(2) Mrs. Vijaya Satardekar, w/o Mr. Ranjit Salardekar, Advocate, Near Patto Bridge, Panaji, Goa.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th December 1984

No. D/R-74/84-85/37EE.—Whereas I, R. BHARADWAJ, Inspecting Assistant Compussioner of Income-tax, tion Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

office No. 8 on 1st Fl. of Shabana Chambers, situated at Municipal Market, Panaji-Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore on 26-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the oject of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in ruspect of any income arising from the transfer; aad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the following the following the following following the following the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THF SCHFDULF

[Registered Document No. D/15/Oct.84 Dated 26-10-84] Office No. 8 on 1st Fl. of Shabana Chambers, Municipal Market, Panaji, Goa.

> R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-12-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th December 1984

No. D/R-22/84-85/37EE—Whereas I, R. BHARADWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Plot No. 17

situated at Albamar Colony, Miramar, Panaji, Goa (and more fully described in the Scheduled anuexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bangalore on 11-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, samely:—

(1) Mrs. Otilia Filomena De Cunha Sousa E Lopes, Panaji c/o Mr Luis Da Costa Sousa AV Jaime Silveira Near Electricity Substation, Altinho, Panaji, Goa 403 001.

(Transferoi)

 J. R. Constructions Opp. Bank of India, Miramar, Panaji-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official G3zette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. D/4/Sep. 84 Dated 11-9-1984]

Plot No. 17, Albamar Colony, Miramar, Panaji, Goa, (322 sq.m.).

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-12-1984

#### FORM NO. ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th December 1984

No. D/R-24/84-85/37EE.—Whereas I, R. BHARADWAJ, No. 15/R-24/84-85/5/EE.—whereas I, R. BHARADWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. known as "Boncho Catem" Loutulim village, Salcete, Goa

admeasuring 4175 sq. 1a. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore on 11-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Mr Eric S Pimenta & wife Mts Pamela Shirley Pimenta, both Byculla, Bombayrep. by Mr Caesar JP Menezes Kirbat, Nuvem, Goa 403 604.

(Transferor)

(1) Mr Anselmo do MJ Coelho, Bahrain, repl. by Mr. Antonio do Rosario S Coelho, Borda, Margao, Goa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. D/7/Sep. 84 Dated 11-9-1984] Property at Loutulim village, Salcete, "Boncho Catem" admeasuring 4175 sq.m. Goa, known as

> R. BHARADWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date · 5-12-1984 Seal:

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) Fr. Ernesto Herculano Socorro Milagres Pereira, Priest, r/o Cortalim Goa.

(Transferor)

(2) 1. Roque De Souza,2. Lourence D'Silva3. Vicente Pereira,

r/o Curpawado, Cortalim, Goa.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th December 1984

No. D/R-88/84-85/37EE.—Whereas I, R. BHARADWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Survey Nos. 154/1 & 155/4 & 156/8, situated at Quelossim of Cortalim VPC (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rangalous on 26-10-1984 Bangalore on 26-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration therefor consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein 🕿 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act er the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. D/22/Oct. 84 Dated 26-10-1984] Land Revenue Office Nos 263, & 264 Survey Nos. 154/1 155/4 and 156/8—Property known as "Palmar Grande" first addition and second addition situated at Quelossim of Cortalim VPC.

> R. BHARADWAJ Competent Authority nspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-12-1984

#### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore 560 001, the 5th December 1984

No. D/D-72/84-85/3711F.--Whereas I. R. BHARADWAJ. Inspecting Assistant Commissional of Income-Tax Acquisi-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and beating No Flat No. 16 on IV fl of Vasco Towers Bldg situated at Vasco. Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of not a regioning outlier of Bangalore on 26-10 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the troresal property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the experience for such transfer or agreed to both and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Durga Builders 8Lotus Apartments, Vasco, Goa.

(Transferor)

(2) Mr Devdas Venctesh Sinai Assoldenkar, Premavati Niewas, Vasco, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. D14/Oct. 84 Dated 26-10-1984] Flat No. 16 on JVth floor of Vasco Towers Bldg., Near Lotus Apartments, Vasco, Goa.

> R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M/s Pragati Builders, Anjuna Bardez, Goa.

(2) Mrs. Philomena Viera, Siolim Bardez, Goa.

(Transferor)

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th December 1984

No. D/R-28/84-85/37EE.—Whereas I, R. BHARADWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. G-1 in the building on plot of land described in the office of the Land Registrar Bardez No. 31520 of Book 81 within municipal limits of Mapusa

situated at Mapusa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bangalore on 11-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. D/6/Sep. 84 Dated 11-9-1984] Flat No. G-1 in the ground floor of building "Pooja Mahal" to be constructed on plot of Land described in the office of the land Registrai Bardez No. 31520 of Book 81 within Mapusa Municipal limits situated at Mapusa, Goa.

R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-12-1984

(1) Sh. Mohan Lakhani slo Shri J. F. Lakhani, Rlo C-55. Friends Colony, East, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kamla Dhawan, Shri Suresh Kumar Dhawan, so Sh. Rasham Lal Dhawan, C-285, Defence Colony, New Delhi (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-1 AGGARWAI, HÖUSF, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi. the 23rd April 1985

Ref. No. IAC Acq. ISR-III 9-84 518 — Whereas, I. R. P. RAJESH,

> EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aot, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. Property No. C-55, Friends Colony East, mg. 600 sq. yds. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Regulation Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the registering Office New Delhi on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

Property No. C-55, Friends Colony East, New Delhi measuring 600 sq. yds. (Ground floor and first floor).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

> **RAJESH** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delh New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaiad property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 23-4-84 Seal:

(1) Sh. Sunil Mukherjee slo Shri Lalit Mohan Mukherjee, Co United Nations Mogip, 1 AB, Purana Kila Road, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Sh. Ashok Kumar Bhattacharya so Late Sh. Abhoya Pada, Bhattacharya Ro J-1811, Chittranjan Park, New Delhi-19.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 23rd April 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|9-84|519.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the annovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Single Storeyed House No. J-1811, Chittranjan situated at New Delhi, measuring 362 sq.yds. DD, 3 Bed Rooms

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on September 1984 for an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or ·
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single Storeyed House No. J-1811 Chittranjan measuring 362 sq. yds. DD, 3 Bed Rooms, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range-I Delh New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

70-116GI|85

Date 23-4-84

#### FORM ITNS------

M|s. Saraswati Builders,
 G-1|16, Darya Ganj, New Delhi, through
 Sh. S. C. Seth.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Naținder Kaur Maisari Mazhal w|o A. H. Maisari Mazal R|o E-607, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|9-84|520.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

No. Front portion on F. F. of property No. E-607, Greater Kailash-II, situated at New Delhi, measuring 1400 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1984

for an apparent consideration which is less than the far market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Front portion on first floor of property No. E-607, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 1400 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

## (1) Smt. Shila Wanti, II-D 18, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sunder Deepak, C-II 149, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 414-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|9-84|521.-Wheeras, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
No. C-II 149, Lajpat Nagar, New Delhi.
situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the name meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. C-II 149, Lajpat Nagar, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Date 10-5-1985

### FORM ITNS ...

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 23rd April 1985

Ref. No. 1AC|Acq.|SR-III|9-84|523.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

No. Property No. A-346. Defence Colony, mg. 217 sq. yds.

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

New Delhi on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afteresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Sagar Parkash sio Late Nanak Chand Rlo C-88, Kirti Nagar, New Delhi.

The second secon

(Transferor)

(2) (1) Surender Kumar Dewan (2) Vipay Kumar Dewan soo Sh. Ram Chand Dewan Ro A-346, Defence Colony, New Delhi, and (3) Mrs. Roopa Dewan wo Sh. Shiy Dewan, Ro C-252, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FARELANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property No. A+346, Defence Colony New Delhi, measuring 217 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Date 23-4-1985

Seal.

## FORM I.T.N.S.~

NOTICE 'UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|9-84|525.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. IE 123, Lajpat Nagar, New Delhi, mg. 100 sq. yds. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961, in the office of the Registering Officer at IAC Acq., Range-I, New Delhi on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons manually:—

(1) Sh. Dalbir Singh soo late S.
Avtar Singh Ro IB-11, Lajpat Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Amric Singh s|o Late Harbans Singh, r|o I-E|123, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property bearing No. IE|123, Lajpat Nagar, New Delhi, measuring 100 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Date 10-5-1985 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|9-84|526.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing 3.

No. Govt. built Ort. No. Ist-B 101, Lajpat Nagar, N. Delhi

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) S[Sh. Bhoi Raj Khushalani, Sh. Sanwal Singh, Sn. Ram Singh Khushalani, and Smt. Mohani Bai clo Sh. J. N. Malhotra, Ist-C|218, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Baldev Raj Arora, 4|27, Double Storey, Lajpat Nagar-IV, New Delhi-24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period express later: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAX of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Govt built Drts. No. Ist-G 101, Lajpat Nagar, New Delhi.

R. P. RAIESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date 9-5-1985

Seat :

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 24th April 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|9-84|528.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing
No. Property No. E-60, constructed upon fee hold plot of land mg. 558.5 sq. yds. situated at G.K.I., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on September 1984

New Deini on September 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kannama Sarma wo Sh. K. N. S. Sarma, do late Sh. Kuppu Swami Iyengar, E-60, Greater Kailash-I New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. B. S. Sehgal s|o Sh. H. C. Sehgal, r|o C-401, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing No. E-60, constructed upon fee hold plot of land measuring 558.5 sq. yds. situated at Greater Kailash-New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House,
4 14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 24-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1951)

(1) M/s. Saberwal Construction Co. S-66. Panchsheel Park, New Deihi.

(Transferor)

(2) LA-Gitand Pvt. Ltd. S 1112, Greater Kalash-II, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAI HOUSE, 4'14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 25th April 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|9-84|529.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

G. F. portion of Property No. M.53, Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New De'hi on Scritember 1984

20468

for at apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value e. . . coperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteer per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as retreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any speaces or other asset, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, meretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experes trees
- (b) by any other person interested in the said measurable property within 45 days from the date of the publication of this notice to the Official Gazeria

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

## THE SCHEDULE

Ground Floor portion of M-53, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 261 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4 14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 25-4-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 24th April 1985

Ref No. IAC Acq. I SR-III 9-84 530.—Wheeras, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing No.

Single storey House No. S-283, mg. 300 sq. yds. situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the registering Officer at New Delhi on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Daljit Kaur, S-283, Greater Kailash-II. New Delhi.

(Transferor)

(2) LA-Gitana (P) Ltd., S-412, Greater Kaitash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storey House No. S-283, measuring 300 sq. yds. in Greater Kailash-II, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Aggarwal House. 4[14-A, Asaf Ali Road New Delh

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-71-116GI[85

Date 24-4-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAI HOUSE, 414-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. IAC Acq. I|SR-III 9 84|531.-Whereas, 1. R P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. III of property No. S/267, mg. 300 sq. yds.

situated at Greater Kailash-II, New Delhi-48

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New Delhi in Septembe: 984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the sid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- (1) Sh. Ashok Vohra So Sh. K. L. Vohra, \$/1, South Patel Nagar,
  New Delhi.
  Mis. Kaushyala Construction. Confirming vendors (Collaborators) A-7/2, New Friends Colony, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Bane Chhand Malu, Slo Sh. Rukma Nand Malu, Ro II, Ashoka Road, 5-B, Sriniket, Alipore, Calcutta, presently at S-449 Greater Kailash-II. New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. III, of property No. S-267. Greater Kailash-II, New Delhi-48, measuring 300 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Aggarwal House. 4 14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 1-5-1985 Seal:

#### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## (1) Miss Anuradha Agarwal D|o S. P. Agarwal, Rlo E-482, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 24th April 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR III|9-84|533.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 'C' on 2nd floor or property No. E-24,
situated at Greater Kailash-II. New Delhi, measuring 1600

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(2) Mrs. Arati Ghosh Wlo late S. M. Ghosh Rio 3B, Dr. Zakir Hussain Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by a of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 'C' on 2nd floor of property No. E-24, Greater Kailash-II. New Delhi, measuring 1600 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4 14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 24-4-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-I. AGGARWAL HOUSE, 414-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

OF INCOME-TAX.

New Domi, the 24th April 1985

Ref. No. IAC|Acq. I|SR-III|9-84|534.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

F. F. of property No. M-72, mg. 1500 sq. ft. situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer a tNew Delhi in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and er
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Kambal Kaul Slo N. N. Kaul, F-59, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Nargis Kumarı Wlo Rabindia Sada Rlo M-72. Greatei Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

First Floor of property No. M 72, measuring 1500 · q. tt. Greater Kailash-H, New Delhi.

R. P. RAVESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-U.
Aggarwal House.
4|14-A Asaf Alı Road, New Delhi

Date: 24-4-1985

## FORM NO. I.T.N.S.——

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. IAC|Acq. 1|SR-III|9-84|535.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/and bearnig

Plot No. S-332, mg. 300 sq. yds. Greater Kailash-II,

situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer a t New Delhi in September 1984

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) racilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) M|s. Himland Export (P) Ltd., 35, Aist Arcade, New Dethi, through its managing Director Sh. Rajinder Saigal,

(Transferor)

(2) Smt. Kiran Sahney Mio Sh. Kuldip Chand Sahney and Mr. Kuldip Chand Sahney Slo Mr. Prem Chand Sahney, Rlo 7/9, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undtrsigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 3-332, measuring 300 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Aggar wal House. 414-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 1-5-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALL ROAD,
NEW DELHI

New Dethi, the 24th April 1985

Ref. No. IAC Acq-I SR-II! 9-84 536.—Whereas,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat Pvt. No. 1, mg. 50 sq. vds. part of property situated at No. 107 Greater Kadash-I, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 (1) Miss Rashmi Mittal,
 Do V. B. Mittal
 Ro E-18, Greater Kailash, Encalve-II, New Delhi. through Attorney Sh. Arun Mittal. (Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Jain Slo Late Mitra Sen Jain, Rlo T-22, A Green Park Extn, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Ghapter.

## THE SCHEDULE

Flat Pvt. No. 1, measuring 50 sq. vds. part of property No. 107, Greater Kaitash-I, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I,
> Aggarwal House. 4114-A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following processors ing persons, namely :--

Date: 24-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 25th April 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|9-84|538.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing
Agr alnd rig. 8 Bighsa and 4 Biswas
situated at Village Bijwasan, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Green Park Builders & Promoters (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Mrs. Promila Kumar (Nee Kity) Wlo Dr. Ramesh Kumar Rlo Shakespeare Sarani, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Khasra No. 44|8, measuring 4 Bighas and 8 Biswas and Kh. No. 44|13 min measuring 3 Bighas and 16 Biswas situated in Village Bijwasan. New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 25-4-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd May 1985

Ref. No. 1AC| Acq.1|SR-111|9-84|540.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.0.0.060/- and bearing

Property No. A-67, mg. 251 sq. yds. N.D.S.E. Part-1,

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of

1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September, 1984

New Delni in September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Usha Mehra Registrar, Delhi High Court on behalf of Sh. Joginder Singh Bedi Slo Sh. Darbana Singh Bedi. A-67, South Extr. Part-I. New Delhi.

(Transferor)

2) Shri Narotam Singh Narang Sio Sh. Sardar Singh Narang, Rio 12 8, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. A-67, measuring 251 sq. yds. N.D.S.E. Part-1. New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I,
Aggarwal House.
4 14-A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 2-5-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 25th April 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-iII|9-84|541,-Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the innovable of the competent and the innovable of the competent when a versation of the competent w property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and bearing

Agr .land mg. 17 Bighas and 16 Biswas, situated at Village Bijwasan, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-72—116GI|85

(1) Sh. Hoshiar Singh Slo Shri Teja (2) Sh. Suraj Bhan Slo Sh. Kundan Ro Village Bijwasan New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. Delhi Towers (P) Ltd., 115, Ansal Phawan, 16, K. G. Marg, New Delhi-110 001,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immedable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## ITIE SCHEDULE

Agricultural land measuring 17 bighas and 16 Biswas comprised in Rect. No. 45 (11 and 72) (4-04), 13 and 18 (4-04), 19 (4-15), 26 (0 09) Rect. No. 4520 and Rect. No. 46, 16 North of both Kila (4-05) in Village Biwasan, New Deelhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 25-4-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 25th April 1985

Ref. No. IAC|Acq.I.SR-III|9 84:542.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 2

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing Agr. land mg. 7 Righas situated in Village Bijwasan, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the (eastering Officer at New Delhi in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Mls. Green Park Builders & Promoters (P) Ltd., 115. Ansal Bhawau, 16, K. G. Marg, New Delni-110001.

(Transferor)

(2) Mrs. Sudesh Varma, Miss Anita Varma, Miss Sonia Varma C'o Sh. J. B. Malhotra, B-2|12, Vasant Vihar, New Delhi

(Transferee)

Objection if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days of 45 from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION: The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultuarl land measuring 7 Bighas comprised in Kaimi 180 mm (7-00) situated in village Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House. 4]14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 25-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 25th April 1985

Ref. No. 1AC|Acq.1|SR-HI|9-84|543.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Agr. land measuring 2 Bighas and 03 Biswas, situated at Village Bijwasan, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regstraton Act, 1908 16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Obeict of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) M|s. C. Lyall & Co. (Const.) (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg, New Delhi-110 001.

(Transferor)

(2) Sh. Kulwant Singh Sobti Slo Sh. Harbans Singh Sobti. Clo Sh. S. S. Jolly, J-3199, Rajourie Gardens, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 2 Bighas 03 Biswas comprised in Rect. No. 45|7, situated in Village Bijwasan, New Delhi,

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4 14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 25-4-1985

## FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 25th April 1985

Ref.: No. IAC|Acq-1|SR-111|9-84|543-A.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

beng the Competent Autority under Section 269B of the

Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a rair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Plot No. 11, mg. 1560 sq. ft. situated in the layout plan situated at Block 'D' Vasant Vihar, Local Shopping Centre, V. Vihar, New Delhi.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), here have transferred under the Pagestration.

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in September, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefor to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any snoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Har Kishore Slo Late Sh. Naval Kishore, Rlo G-39, Connaught Circus, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) M|s. Meenu Agencies (P) Ltd., Registered Office at G-39, Connaught Circus, New Delhi-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, "hichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bearing Plot No. 11, measuring 1560 sq. ft. situated at the layout plan of Block 'D' Vasant Vihar, Local Shopping Centre Vasant Vihar, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I
> Aggarwal House 4 14A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:

Date: 25-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th May 1985

Ref. No. IAC|Acq-I|SR-III|9-84|545.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing House on Kh. No. 376, Kotla Mubarakpur, New Delhi situated at Known as No. 279, Masjid Moth. (and more fully described in the Schedule annexed herets),

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Mrs. Raj Rani
 W|o Pt. Dharam Singh,
 R|o 279, Masjid Moth,
 New Delhi,
 through attorney Anand Kumar.

(Transferor)

(2) Sh. Jagdish Narain Seth. Slo Sh. Hira Lal Seth, Rlo H-50, N.D.S.E. Part-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House on Khasra No. 376, Kotla Mubarakpur, New Delhi known as No. 279, Masjid Moth, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4 14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 9-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4|14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1985

Ref. No. LAC|Acq-I|SR-JI1|9-84|547-A.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/j- and bearing No.

Agr. land mg. 5 bighas and 14 Biswas, situated at Village Bijwashn. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration therefore by more than parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Att, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Delhi Towers & Estates (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi-110 001.

(Transferor)

(2) Mrs. Ranu Sharma Wlo Shri Amba Sharma, Rlo E-12, Green Park (Main), New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 Bighas and 14 Biswas comprised in Khasra No. 181 min. situated in Village Bijwasan, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 30-4-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Ram Kali Wo Shri Sukh Lal, Rlo Pilanji near South Extn., New Delhi.

(Transferor)

(2) Baria Family Trust, 17, Teen Murti Marg, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1985

IAC|Acq-I|SR-III|9-84|548-A.—Whereas, 1, Ref. No. IAR. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and tearing No.

Agr. land mg. 9 bighas, situated in village Sultanpur situated

at New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed herto) hhas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in September, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the unbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 9 Bighas Khasra No. 692 (5-0) 693 (4-0), Village Sultanpur, Tehsil Mehrauli ,New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 30-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Sh. R. K. Malik Slo Sh. Prem Nath Malik, Rlo Fl/73, Laipat Nagar-I, New Delhi-24.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

(2) Sh. Satyanarayan Kamani Slo Sh. Matadin Kamani, Rlo 28-B, Rowland Road, Calcutta-20.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferee)

New Delhi, the 25th April 1985

Ref. No. IAC|Acq-I|SR-III|9-84|549.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Property No. E-464, Greater Kailash-II, mg. 850 sq. ft. situat-

ed at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1984.

at New Deln in September, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object we.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer: und/er

## THE SCHEDULE

Back portion of premises on F. F. Consisting of three rooms set, measuring approximately 850 sq. ft. part property No. F-464, Greater Kailash-II, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 25-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Wlo Sh. Ashok Kumar Rlo A-2(35, Safdarjang Enclave New Delhi,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4|14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th May 1985

Ref. No. IAC|Acq-I|SR-III|10-84|580.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Second floor or property No. S-225, mg. 300 sq. yds. situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in October, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trally stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following paragraphs paragraphs and the said Act, and t

 Smt. Mali Devi W|o Sh. Harji Ram, BE-80, Shalimar Bagh, Delhi.

(1) Smt. Chander Kanta

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Second floor or property No. S-225, measuring 300 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4|14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 8-5-1985

#### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGĞARWAL HOUSE 4 14-A, ASAF ALI ROAD **NEW DELHI** 

New Delbi, the 3rd May 1985

Ref. No. IAC|Acq-I|37EE|9-84|1157.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. M-104 (G.F.) in Palam Apartments situated at Bijwasan, New Delhi, measuring 850 sq. ft.

has been transfered under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range-I in September, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or . Eich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 4957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the doresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

OND DEPOSITE OF THE PROPERTY O (1) Ms. Chopra Promoters & Builders, 7-A|27. W.E.A. Karol Bagh. New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Chander Kanta Wo Sh. Rajeshwar Lal Sengal. B-57, N.D.S.E. Part-I, New Delhi-49.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No M-104, (Ground Floor) in Palam Apartments, 328/1, Bijwasan, New Delhi, measuring 850 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 4114-A. Asaf Ali Road New Delhi

Date: 3-5-1985

والماء البياف يتراكب المنف والمعتصيص المتسمونية بيتا المامرة التي الشعاف أأرياء الموا

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd May 1985

Ref. No. IAC|Acq-I|37EE|9-84|1158.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market/value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. E-103, (G.F.) in Palam Apartments stiuated at
Bijwasan, New Delhi, measuring 850 sq. ft.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

has been transfered under the I. T. Act, 1961 in the Office of

the Registering Officer at IAC Acq. Range-I in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Ms. Chopra Promoters & Builders. 7-A|27, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Olivia Thomas & Mr. Suresh Thomas, C5[14, Safdarjung Development Area, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. E-103, (Ground Floor) in Palam Apartments on 328 1, Bijwasan, New Delhi, measuring 850 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 4]14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 3-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd May 1985

Ref. No. IAC|Acq-I|37EE|9-84|1159.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'taid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing.

Flat No. M-203, F. F. Palain Apartments 328/1 situated at Bijwasan, New Delhi, measuring 850 sq. ft. under construc-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC Acg. Range-I in September, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitati ng the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Ms. Chopra Promoters & Builders, 7-A|27, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. S. Kumar, D-107, Anand Niketan, New Delhi-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and exp. essions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. M-203, (First Floor), Palam Apartments, 328/1. Bijwasan, New Delhi, measuring 850 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Astt. Comissioner of Income-tax
4|14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 3-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd May 1985

Ref. No. IAC|Acq-I|37EE|9-84|1160.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and

Flat No. D-101, G. F. in Palam Apartments on 328 1,

situated at

Bijwasan, New Delhi, measuring 850 sq. ft, under construction

has been transfered under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range-I in September, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aioresaid properly, and I have meason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in waspect of any income arising from the transfers and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in possuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M|s. Chopra Promoters & Builders, 7-A|27, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Vijay Verma Wo Sh. Ranvir Verma Clo Sh. Rajeshwal Lal Sehgal, B-57, N.D.S.E. Part-I, New Delhi-49.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-101 (Ground Floor) in Palam Apartments on 328 1, Bijwasan, New Delhi, measuring 850 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax 4|14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 3-5-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th May 1985

Ref. No. IAC|Acq-I,37EE|9-84|1161.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. M-101 (G.F.) in Palam Apartments, 328 1 situated at Bijwasan, New Delhi, measuring 850 sq. ft.

has been transfered under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range-I in September, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ....

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons samely:——

(1) M/s. Chopra Promoters & Builders, 7-A/27, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Kumudini Shukla, C-111, D.D.A. (MIG) Flats, Saket, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. M-101, (Ground Floor) in Palam Apartments 328|1, Bijwasan, New Delhi, (measuring 850 sq. ft.)

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
4|14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 8-5-1985

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd May 1985

Ref. No. IAC|Acq-I|37EE|9-84|1163.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Flat No. A-1502, 98, Hemkunt Tower, Nehru Place situated at New Delhi, measuring 460 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range-I in September, 1984.

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Miss. Rajni H|G. Sh. Amir Singh, 23 Shakti Nagar, Jullunder.

(Transferor)

(2) Miss Rajni U G Smt. Surjit Kaur, 23, Shakti Nagar, Jullunder.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. A-1502, at 98, Hemkunt Tower, 98, Nehru Place, New Delhi, measuring 460 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 4 14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 3-5-1985

E E COME NO COMPANIENCE COM CONTROL CO

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd May 1985

Ref. No. IAC|Acq-I|37EE|9-84|1164.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Property having a tair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing Residential Unit on G. F. of S-225, Greater Kailish-II situated at New Delhi, measuring 300 sq. yds. (and more fully described in Schedule annexed hereto), has been transfered under the 1. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range-I in September, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the gaid instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or

(3) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough: to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Chander Kanta, C-80, Panchsheel Enclave, New Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Agya Kaur
Wo Sh. P. S. Dhingra and
Sh. P. S. Dhingra
Slo Late Sh. S. Tikan Singh,
K-32, N.D.S.E.-H,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of Publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Residential Unit on Ground Floor of S-225, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 300 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 3-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE-I** AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd May 1985

Ref. No. IAC|Acq-I|37EE|9-84|1165.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the said Act) have reason to believe that the miniovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 501 on 5th floor in 19, B. K. Road, situated at New Delhi, (Mg. 845 sq. ft.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of

the Registering Officer at IAC Acq. Range-I in September, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said, exceeds the apparent consideration therefor by more tha fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely—
74—116GNOS 74-116GI|85

(1) Mr. Surinder Sawhney, Mrs. Amarjit Kaur, Partners, For Sawhney Exports House, A-4, Nizamuddin West, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Om Prakash Sachdev, Mr. Ram Kishan Sachdev, Mr. Joginder Singh Sethi, 9801, Nawab Ganj, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which were resident to the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 501 on 5th floor in 19, Barakhamba Road (Arunachal) New Delhi-1, measuring 845 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date 3-5-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd May 1985

Ref. No. IAC|Acq. I|37EE|9-84|1166.—
Whereas, I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Space No. 13 on 8th floor in Block 'E' of Hotal-CumCommercial Complex, situated at Nehru Place, New Delhi,
Approx Area 726 sq. ft.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transfered under the I. T. Act. 1961 in the Office
of the registering Officer at
IAC|Acq. Range-I. in September 1984

IAC Acq. Range-I, in September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/er.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intilate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd., Eros Cinema Building, Jangpura Extn., New Delhi-14.

(Transferor)

(2) Mr. Kuldip Sarna S|o Sh. Jai Ram Sarna and Shri L. N. Jaggi S|o Sh. G. R. Jaggi, R|o Lal Mandi, Near Museum, Sri Nagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 13, on 8th floor in Block 'E' of Hotel-Cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi, Approx. Area 726 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Ranege-1
Aggarwal House, 4 14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 2-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd May 1985

Ref. No. IAC|Acq. I|37EE|9-84|1167.—
Whereas, I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Space No. 18 on 8th floor in Block 'E' of Hotel-CumCommercial Complex, situated at Nehru Place, New Delhi,
approx Area 638 sq. ft.
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transfered under the I. T. Act. 1961 in the Office
of the registering Officer at
IAC|Acq. Range-I, in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Nehru Place Hotels Ltd., Eros Cinema Building, Jangpura Extn., New Delhi-14.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Chander Bedi, S|o. Shri L. M. Bedi & Smt. Urmila Bedi, W|o. Shri R. C. Bedi, W-15, Civil Township, Rourkela-4, Orisa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 18 on 8th floor in Block 'E' of Hotel-Cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi, Approx. Area 638 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Ranege-I
Aggarwal House, 4|14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 2-5-1985

(1) M|s. Unitech Builders (P) Ltd., 6, Community Centre, Saket, New Delhi-17.

(Transferors)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1985

Ref. No. IAC|Acq. I|37EE|9-84|1168.— Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 2 & 2A, Friends Colony, mg. 1753.83 sq. ft. situated

at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I. T. Act. 1961 in the Office

has been transferred under the I. T. Act. 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, in September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(2) M|s. Mayur Vyapar (P) Ltd., 28|1, Shekespeare Sarani, Calcutta-17. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2 & 2A, Friends Colony, New Delhi-65, mg. 1753.83 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Aggarwal House, 4|14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 30-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1985

Ref. No. IAC|Acq. I|37EE|9-84|1169.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 4 & 4A. Friends Colony, mg. 1674.08 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I. T. Act. 1961 in the Office of the registering Officer at

IAC Acq. Range-I, in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Unitech Builders (P) Ltd., 6, Community Centre, Saket, New Delhi. (Transferor)

(2) Miss. Sadhana Jhawar, R|o 64-A, Friends Colony, New Delhi-65.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4 & 4A, on Plot No. 45 Friends Colony, New Delhi, mg. 1614 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Ranege-I
Aggarwal House, 4|14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 30-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Unitech Builders (P) Ltd., 6, Community Centre, Saket, New Delhi-17

(Transferor)

(2) Mrs. Rochana Jhawar R|0.64A, Friends Colony, New Delhi-65.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1985

Ref. No. IAC|Acq. I|37EE|9-84|1170.-

Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No. Flat No 6 & 6A, Friends Colony, mg. 1743. 41sq. ft. situated

at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the 1. T. Act. 1961 in the Office

of the registering Officer at IACI Act. 1961 in the Office of the registering Officer at IACI Acq. Range-I, in September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than officer part of such apparent. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (s) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoxable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 6 & 6A, Friends Colony, (on plot No. 45) New Delhi-65, measuring 1743.41 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Ranege-I Aggarwal House, 4|14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 30-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mr. Gurmeet, Singh, C-550, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Tarun Kumar Vij, Sonia Vij, Solo Shri Om Parkash Vij, Sonia Vij, Rolo. 19, D. C. Gandhi Nagar, Jammu, (J & K)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1985

Ref. No IAC|Acq. I|37EE|9-84|1171.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 301, Surya Kiran Bldg. 10, K. G. Marg, situated at New Delhi, measuring 740 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I. T. Act. 1961 in the Office of the registering Officer at

of the registering Officer at IACI Acq. Range-I, in September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferent and or

(b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 301, Surya Kiran Bldg. 19, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, measuring 740 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Ranege-I
Aggarwal House, 4 14-A, Asaf Ali Road.
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-4-1985

 Skipper Sales (P) Ltd., Skipper Bhawan,
 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1985

Ref. No. AIC/Acq. I/37EE/9-84/1172.—Wheres, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1010-A at 22, B. K. Road, mg. 140 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act. 1961 in the Office of the registering Officer at

IAC Acq. Range-I. on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Mr. Shnjeev Juneja Slo Brig. S. L. Juneja, Mrs. Sudershan Juneja, Wlo. Brig. S. L. Juneja, B-3|63, Safdrjung Enclave, New Delhi-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1010-A at 22, Barakhamba Road, New Delhi-110001, measuring 140 sq. ft.

R. P. RAJESH
Compreted Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Ranege-I
Aggarwal House, 4|14, Asaf Ali Road
Delhi|New Delhi.

Date: 30-4-1985 Seal:

Skipper Sales (P) Ltd., 22. Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Balli Estate Service, E-33, Amar Colony, Lajpat Nagar-IV, New Delhi-29.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4 14, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th May 1985

Ref. No. IAC|Acq. I|37EE|9-84|1173.-Wheres, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Flat on Upper Basement 14A, at 22, B situated at New Delhi, mesuring 300 sq. ft. Barakhamba Poad,

(and more fully described in the Schodule annexed herete). has been transfered under the I. T. Act. 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, on September 1984

- *for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per coat of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-
  - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
  - (h) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, f. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (P) of Section 269D of the said. Act, to the following persons, namely:-

75---116 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat on Upper Basement No. 14A, at 22, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 300 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ranege-I Aggarwal House, 4 14, Asaf Ali Road Delhi New Delhi.

Date: 9-5-1985

Scal:

The second secon

#### FORM ITNS

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The state of the s

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Gedore Tools (India) (P) Ltd., Gedore House, 51-52, Nehru Place. New Delhi-24.

(Transferor)

(2) Shri S. M. Sexna Solo. Shri Late K. L. Sexena & Smt. Saroj Sexena Wo Shri S. M. Sexena. Rlo. J-5A, Green Park East, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 5,14, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. IAC|Acq. I|37EE|9-84|1174.-Wheres, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. B1C1 measuring 275 sq. ft. in Basement situated at 51-52 Nehru Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I. T. Act. 1961 in the Office

of the registering Officer at IAC, Act. 1961 in the Office of the registering Officer at IAC, Acq. Range-L on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the september 1984. of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, at the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate propedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following the said act, manuely:

Objections, if any, to the acquisition of the satu property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used hereus we are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. B1C1 measuring 275 sq. ft. in Basement 51-52, Nehru Place, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Ranege-I Aggarwal House, 4/14, Asaf Ali Road Delhi New Delhi.

Date: 1-5-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. IAC|Acq. I|37EE|9-84|1175.— Wheres, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Space No. 21 on L.G.F., in 'Dr. Gopal Das Bhawan' situated at 28, Barakhamba Road, New Delhi-110001, mg. (Super)

433, 14 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I. T. Act. 1961 in the Office

Tef the registering Officer at ACI. ACI. 1901 in the Officer at ACI. Acq. Range-I, on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduuction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: -

(1) M|s. Gopal Das Estates & Housing Pvt. Ltd. New Delhi-110001 28, Barakhamba Road, New Delhi

(Transferor)

(2) Mr. Partap Kumar and (Master) Kailash Kumar, Under Guardian-Ship of Mr. Moti Ram, (Father and N|G) C-1|35 Phase-II, Ashokvihar, Delhi-52.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undtrsigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 21 on Lower Ground Floor in 'Dr. Gopal Das Bhawan' at 28, Barakhamba Road, New Delhi-110001, mg. (Super) 435.14 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ranege-I Aggarwal House, 4|14, Asaf Ali Road Delhi New Delhi.

Date: 1-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. IAC|Acq. I|37EE|9-84|1177.— Wheres, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
Office Space No. 508B, at 22, Barakhamba Road, situated at
New Delhi, measuring 140 sq. ft. (covered area)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I. T. Act. 1961 in the Office of the registering Officer at

IAC Acg. Range-I, on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, it respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Skipper Sales (P) Ltd., Skipper Bhawan, 22, Barakhamba Road. New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Vensha Bhatia Wlo. Shri J. L. Bhatia, 30, Siri Fort Road, Near Kanda Nehru College, New Delhi-49.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Space No. 508B, at 22. Barakhamba Road, New Delhi-110001, Measuring 140 sq. ft. (covered area).

> R. P. RAJESH Competent Authrity Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ranege-I Aggarwal House, 4|14, Asaf Ali Road Delhi New Delhi.

Date: 1-5-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AĞGARWAL HOUSE 4|14, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. IAC|Acq. I 37EE|9-84|1178.— Wheres, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immedable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Space No. 27 on the L. G. F. in 'Dr. Gopal Das Bhawan' situated at 28, Farakhamba Road, New Delhi-110001 mg. (Super) 248.94 sq. ft.

(Super) 248.94 sq. 1t.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transfered under the I. T. Act. 1961 in the Office of the registering Officer at IAC|Acq. Range-I. on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property and aforesance.

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: spå/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any inoneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .--

- (1) Ms. Gopal Das Estates & Housing Pvt., 17, Barakhamba Road, New Delhi-110001.
- (Transferor) (2) Mrs. Sheela Chimmani, Clo. Mls. Ail Das Nebhomal, 3525, Qutab Road, Delhi-110006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

*EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 27 on the Lower Ground Floor in 'Dr. Gopal Das Bhawan' at 28, Barakhamba Road, New Delhi-110001 mg. (Super) 248.94 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ranege-I Aggarwal House, 4|14, Asaf Ali Road Delhi New Delhi.

Date: 1-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37FE|9-84|1179.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a line market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

Space No. 19 on L.G.F. in Dr. Gopel Das Bhawan, situated at 28 Republisher the Parel Name Politic (Support)

situated at 28, Barakhamba Road, New Delhi (Super) mg. 385.75 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on September

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the ato said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arking from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Gopal Das Estates & Housing Pvt. Ltd., 28, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Mr. Mohan Das and Mr. Kishan Das, Slo Mr. Daulat Ram, Rlo C-1|41, Ashok Vihar, Phase-II, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 19, on Lower Ground Floor in 'Dr. Gopal Das Bhawan', 28, Barakhamba Road, New Delhi-1, measuring (super) 385.75 sq. ft.

> R. P. RAJESH
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 1-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. IAC[Acq.I]37EE[9-84]1180.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Space No. 14 on F.F. in 'VIJAYA' Building at

space No. 14 on F.F. in VIJAYA' Building at situated at 17, Barakhamba Road, New Delhi measuring (super) 455 sq. ft.

has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on September 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and for

(1) M/s. Gujral Estates (P) Ltd., 17, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Mr. Rajan Thukral S/o Shri O. P. Thukral and Miss Rita Kumari D/o Mr. Kishan Dass, 234, Mota Singh Nagar. Jullundur.

(Transferee)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 14 on First Floor in 'VIJAYA' Building at 17, Barakhamba Road, New Delhi, measuring (super) 455 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House. 4/14A Asaf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-4

Date: 1-5-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX 'CT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. 1AC|Acq.I|37EE|9-84|1181.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income for Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the solid Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing No. Space No. 13 on First Floor in 'VIJAYA' Building, situated at 17. Barakhamba Road, New Delhi

measuring (super) 330 sq. ft.
(and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on September 1984,

for an apparent consideration which is less tehan the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Gujral Estates (P) Ltd., 17, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Fransferor)

(2) Miss Aradhana Seth (Minor) and Miss Pooja Seth (Minor)
Both D/o Mr. O. P. Seth,
C/o M/s. Prince Rubber Industries,
Industrial Area, Jullundur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 13 on First Floor in Vijaya Building at 17, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 330 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I,
> Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road. New Delhi

Date: 1-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|9-84|1182.—Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to be exceeding Pa. 100.000/c. property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Space No. 9 and 10 on F.F. in Vijaya Building situated at 17. Barakhamba Road, New Delhi measuring 987 sq. ft.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on September 1984 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 76—116 GI/85

(1) M/s. Gujral Estates (P) Ltd., 17, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) M/s. Prince Rubber and Plastics H.O. Shiv Nagar, Near Industrial Area, Juliundur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 9 and 10 on First Floor in 'VIJAYA' Building, 17. Barakhamba Road, New Delhi, measuring (super) 987 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 1-5-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|9-84|1183.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Flat No. 614 at 89, Nehru Place, measuring 478 sq. ft.

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 1.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on September

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sid Act, in respect of any income arising from the transfer; AUM! / OX
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

 M/s. Skipper Sales Pvt. Ltd., Skipper Bhawan, 22, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Shri S. N. Dewan, R/o BA-5C, DDA Flats, Munirka, New Delhi-67.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 614 at 89, Nehru Place, New Delhi, measuring 478 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 1-5-1985

THE WAY AND STREET

#### FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|9-84|1184.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 408B at 22, Barakhamba Road, mg. 140 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on September 1984 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) M/s. Skipper Sales Pvt. Ltd., Skipper Bhawan, 22, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Mrs. Bala Gupta, W/o Mr. Krishan Gupta, C-11, Green Park Extension, New Delhi-67.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 408B at 22, Barakhamba Road, New Delni measuring 140 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 1-5-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Vasu Dev, G-47, Kalkaji, New Delhi-19.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar, R/o 1032/9, Gobindpuri, Kalkaji, New Delhi-19.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|9-84|1185.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the impovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Ground floor building No. 973C/9, Gobind Puri, measuring 64840 of fet.

648.40 sq. ft.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on September

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trans

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Gobind Puri Ground Floor Building No. 9730/9, New Delhi-19, measuring 648.40 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 1-5-1985

(1) M/s. Gujral Estates (P) Ltd., 17, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. G.S. Trading Co., 3365/3, Shanker Market, Hauz Quazi. Delhi-6.

(Transferee,

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|9-84|1186.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovproperty having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Space No. 23 on L.G.F. in 'VOJAYA' Building No. situated at 17, Barakhamba Road, New Delhi-1,

measuring (super) 325.72 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on September

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

'h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:-

# THE SCHEDULE

Space No. 23 on Lower Ground Floor in 'VJAYA' Bldg. 17, Barakhamba Road, New Delhi-1, measuring (super) 325.72 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

Date: 6-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th May 1985

Ref. No. iAC[Acq. 1]37EE[9-84]1187.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 309, Competent House, F-14, Middle Circle,

situated at Connaught Place, New Delhi,

measuring 838.56 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Runge-I, on September 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concentment of any income or any maneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Agt, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Chandra Kanta, S/Shri Rajinder Kumar Aggarwal, Satish Aggarwal, Raman Aggarwal, 4804, Deputy Ganj, Sadar Bazar, Delhi-6.

(Transferor)

(2) Smt. Aniga Mehboob
Wlo Sh. Mehboob Akhtar,
R/o 17-C/6, Mohalla Shidi Sarai,
Moradabad (U.P.).
2. Smt. Naghma Habib
W/o Shri Habib Akhtar,
3. Smt. Zohra Mashhood
W/o Shri Mashhood Akhar,
4. Smt. Neelam Hasnain
W/o Shri Hasnain Akhtar,
R/o 18E/10, Qanoon Goyan,
Moradabad (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 309. Competent House F-14, Middle Circle, Connaught Place, New Delhi, measuring 838.56 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under sub-section) of Section 269D of the said Act, to the following persons mely:—

Date: 9-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> GOVERNMENT OF INDIA
> OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> > ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|9-84|1188.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing

Space No. 14 (8th floor) E-Block situated at Nehru Place,

New Delhi, measuring 638 sq. ft (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on September 1984.

for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Nehru Place Hotel Ltd., Jangpura Extension. Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S. K. Kochhar & Shri L. K. Kochhar, R/o 128-A/D, Gandhi Nagar, Jammu (J & K).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 14 (8th floor) E-Block, Nehru Place, New Delhi. Area 638 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 30-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. IAC|Acq. I|37EE|9-84|1189.—Whereas. I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

L.G.F. 69 in 'VIJAYA' Building, situated at 17 Barakhamba

Road, New Delhi

(measuring 230.1 sq. ft)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on September 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. A. B. Estates, 208, Surya Kiran Building, 19, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Ila Dubey & Mrs. Lillette Dubey, R/o A-68, Gulmohar Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Lower Ground Floor 69, in VIJAYA, Building, New Delhi, measuring 230.1 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 1-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Guiral Estates (P) Ltd., 17, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) M/s. Chawla Instalments, 1, North West Avenue, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th May 1985

Ref. No. IAC Acq. I 37EE 9 84 1190.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Space No. 10 on L.G.F. in Vijay Building situated at 17. Barakhamba Road, New Delhi, measuring

356 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on September

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the nforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfort and/or
- (b) facilitating the concentment or any income or moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Space No. .10 on Lower Ground Floor in 'VIJAYA' bldg. at 17, Barakhamba Road, New Delhi-1, measuring 356 sq.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—77—116 GI/85

Date: 10-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|9-84|1191.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Space No. 113 on First Basement in 'Vijaya' bldg., situated at 17, Barakhamba Road, New Delhi, mg. 221.4 sq. ft. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I

of the registering Officer at IAC Acq. Range-I,

in September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Gujral Estate (P) Ltd., 17. Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Mr. Jawahar Sood Slo Dr. Pirthi Singh Sood and Mrs. Urmil Sood W/c Mr. Jawahar Sood, 85, National Park, New Delhi-24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovate property, within 45 days from the date of the publication of th's notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 113 on First Basement in 'Vijaya' Building at 17, Barakhamba Road, New Delhi-1, mg. 221.4 sq. ft. Date: 9-5-1985

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 9-5-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Deihi, the 10th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37-FE|9-84|1192.-Whereas, I, R. P. KAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Flat No. 1.B-42, in Tolstoy House, at Plot No. 17, situated at Tolstoy Marg and 1, Holestoy Lane, New Delhi, mg.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office

of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, in September, 1984
Registrar of Assurance, Cal on September, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16. K.G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Daulat Ram Ahuja, 2-A, IIG, Quarters, Maya Puri, New Delhi.

(Transferee.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of noteice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. LB-42, in Tolstoy House at Plot No. 17, Tolstoy Marg and 1, Tolstoy Lane, New Delhi, measuring 411 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Row Delhi/New Delhi

Date: 10-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF UNDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAI HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Deihi, the 30th April 1985

Ref. No. 1AC|Acq.I|37-EE|9-84|1193.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing No.

L.G.F. 35 in 17 situated at Barakhamba Road, New Delhi mg 325.72 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 1.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Shri Sudesh Kumar Chhabra, E-53, Masjid Moth, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Devi, Smt. Kiran & Smt. Chanda All R/o A1/71, Panchsheel Enclave, New Delhi-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Lower Ground Floor No. 35, in 17, Barakhamba Road, New Deihi, area 325.72 sq. ft.

R P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road Delhi/New Delhi

Date: 30-4-1985

#### PORM FYNS

# NOTICE UNDER SECTION 26/D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1941)

# GOVERNMENT OF NDLA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37-I E|9-84|1194.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. M-109, on Mazanine floor in "Red Rose" situated at 49-50 Nehru Place, New Delhi-19,

measuring 654 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said et, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Transocean Shipping Agency (P) Ltd. M-19, 'Red-Rose', 49-50, Nehru Place, New Delhi-19.

(Transferor)

(2) Shri H. R. Bajaj, S/o Shri Jowala Ram and Mrs. Prem Bajaj Wo Shri H. R. Bajaj, B-35, Kailash Apartments Kailash Colony, New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. M-109 on Mazanine Floor in Red-Rose, 49.50 Nehru Place, New Delhi-19, mg. 654 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road Delhi/New Delhi

Date: 14-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE 4/14-A. ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi the 10th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.1|37-EE|9-84|1195.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and hearing

Plot No. A-52 situated at Chittaranjan Park, near Savitri Cinema, New Delhi-19, Area 160 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, toi the following persons, namely:—

(1) Mr. Susbil Majumdar F-1128 Chittaranjan Park, New Delhi-19.

(Transferor)

(2) Mrs. Madinu Gupta & Mrs. Nira, Gupta, R/o A-21, Chiutaranjan Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot 'A-52' Chittaranjan Park, Near Savitri Cinema, New Delhi-19, Area—160 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road
Delhi/New Delhi

Date: 10-5-1985

### restaurant of the second secon FORM ITNS------

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|9-84|1196.—Wheeras, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and /or

and bearing No.
Flat No. 1423, at 89, Nehru Place, mg. 385 sq. ft.
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I. in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri S. K. Chhabra E-53, Masjit Moth, New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Smt. Balwinder Kaur Wo Shri Balbir Singh, S. Balbu Singh Hundal, S/o Shri Atma Singh, Vill & P.C. Gillwali, Teh. and Distt. Amritsar, (Punjab).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1423 at 89, Nehru Place, New Delhi-19, measuring 385 sq. ft. (covered area).

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road New Delhi

Date: 30-4-1985

# FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|9-84|1198,---Wheeras, I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000 and bearing No Space No. 16 on 3rd floor in Block "A" of Hotel-Cum-Commercial Complex, situated at Nehru Place, New Delhi

Area 605 sq. ft.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I,

in September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sold instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 17 1/01

speditating the conscious of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mrs. Tatiana Chaudhry W/o Shri S. K. Chaudhry R/o A-1/12, Panchsheel Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs Sarla Khanna W/o Shri Rajinder Kumar Khanna, Rio Majid Mandi, Amritsar, (Punjab)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 16 on 3rd floor in Block 'E' of Hotel-cum-Commercial Complex, Neliru Place, New Delhi Approx. Area 605 sq. ft.

> R. P: RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road New Delhi

Date: 3-5-1985

(1) Shri Bal Ram Bhasin HLF FORM I.T.N.S. S-139, Panchsheel Park, New Delhi-77.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th May 1985

IAC|Acq.I|37EE|9-84|1200.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

and bearing No.
Shop No. 12/58, Sahyog, Nehru Place, mg. 233 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Mr. H. K. Sharma & Mrs. Bhagwati Sharma, R/o 273, Subhash Chand, Giri Nagar, Kalkaji,

New Delhi.

(Transferee)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Shop No. 12|58. Sahyog, Nehru Place, New Delhi, measuring 233 sq. ft.

THE SCHEDULE

R. P. RAJESH Competent uAthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore is pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely :-78-116GI/85

Date: 9-5-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1985

Ref. No. [AC|Acq,1|37EE|9-84|1201,—Whereas, 1, R.  $^{\rm P}$  -RA1FSH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000!- and bearing No.
Flat No. 109-A at 22, B. K. Road, mg. 167 sq. ft.
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed herete).
has been transferred under the 1.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, in Semember, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of 'ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Skipper Sales Pvt. Ltd. Skipper Bhawan, 22, Barakhamba Road, New Delhi-110 001.

(Transferor)

(2) Master Manish Garg (Minor) S/o Shri M. L. Garg, 739, (2nd floor) Chandni Chowk, Opp. Town Hall, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said evable property, within 45 days from the date of e publication of this notice in the Official Gazetts.

MEPLANATION:—The terms and expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given t Chanter

# THE SCHEDULE

Flat No. 109-A at 22, Barakhamba Road, New Delhi. Area of Flat: 167 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the a oresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 30-4-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE. 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC Acq. I | 37-EE | 9-84 | 1202. Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Farm No. E-16 in Pushpanjali, farm at Bijwasan, village situated at New Delhi. measuring 2.5 Acres.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (E) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. R. K. Khanna & Sons, B7/3, Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have been the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Farm No. E-16 in Pushpanjali, farm at Bijwasan village, Area 2.5 Acres.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road New Delhi

Date: 6-5-1985

Scal:

#### FORM NO. ITNS----

 Mr. Amrit Narain & Master Amit Narain, R/o E-80, Greater Kailash-I, New Delhi-48.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s Niryat (P) Ltd.. E-75, Himalaya House, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-I. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE,
4 | 14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd May 1985

Ref. No. IAC[Acq.1]37EE[9-84]1203.—Wheeras, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and hearing No.

and bearing No. Flat No. E-75, Himalaya House, 23, K. G. Marg, situated at New Delhi, measuring 994 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act 1961 in the office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta: Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid perxons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. E-75, Himalaya House, 23, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-1, measuring 994 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwyl House,
4 14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for thee acquisition of the eafforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-5-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE,
4|14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd May 1985

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|9-84|1205.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereisafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 613, area 444 sq. ft. approx in Skipper situated at

Bhawan, 89, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act 1961 in the office of the registering Officer at IAC|Acq. Range-I, in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) Ms Fabric India, C-538, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Vidya Devi Goyal, wo Dr. V. P. Goyal, Co S. K. Mittal & Co., E-29, South Extension-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 613, area 444 sq. ft. approx in Skipper Bhawan, 89, Nehru Place, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4 14-A, Asaf Ali Road.
New Delhi

Date: 2-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|9-84|1206,-Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 1-D, F.F., DCM Bldg. 16, B. K. Road, mg. 640 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income Tax Act 1961 in the office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s R. K. Towers India (P) Ltd. 20, Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Sh. Manohar Lal Chadha, M.-44, Greater Kailash-I, New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1-D, First Floor, DCM Bldg., 16, Barakhamba Road, New Delhi-1, measuring 640 sq. ft,

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 414-A. Asaf Ali Road. New Delhi

Date: 6-5-1985

(1) M|s R. K. Towers India (P) Ltd. 20, Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr Hemant Chadha, M-44, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE.
4 14-A, ASAF ALI ROAD.
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|9-84|1207.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing No.

Flat No. 1-E, F.F. DCM Bldg, 16, B. K. Road, mg. 640 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act 1961 in the office of the registering Officer at IAC|Acq. Range-I, in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1-E, First Floor, DCM Bldg. 16, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 640 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4 | 14-A, Asaf Ali Road.
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 6-5-1985

 M|s R. K. Towers India (P) Ltd. 20, Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Punit Chadha, M-44, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. 1AC|Acq.l|37EE|9-84|1208.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 1-B, F.F. DCM Bldg, 16, B. K. Road, mg. 370 sq.

ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income Tax Act 1961 in the office of the registering Officer at IAC Acq. Range-1, in September 1984

September 1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1-B, First Floor, DCM Building, 16, Barakhamba Road, New Delhi-1, measuring 370 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4 14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-5-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Mr. Ramesh Kumar Sachdev HUF Shalimar, 216, Marine Drive, Nariman Point, Bombay-400 020.

(Transferor)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD. **NEW DELHI** 

New Delhi, the 26th April 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|9-84|1209.—Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 215 in 38, Nehru Place New Delhi, mg. 604 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, in September 1984

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
  - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Jamuna Trust, Shalimar, 216, Marine Drive, Nariman Point, Bombay-400 020.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 215 in 38, Nehru Place, New Delhi, area 604

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4|14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-79-116 GI/85

Date: 26-4-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s A, B Estates, 208, Surya Kiran Bldg, 19, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

# GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMEN SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, 4|14-A, ASAF ALI NEW DELHI

New Delhi, the 2nd May 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|9-84|1210.—Wheeras, 1. R. P. RAJESH,

k. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the intmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. L.G.F. 90, in Dr. Gopal Das Bhawan, 28, Baarakhanıba

Road, New Delhi, measuring 168.27 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the Mahilley of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /ar

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mr. Hari Phool, 45|8, Ashok Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immov-mble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning at given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Lower Ground Floor, Space No. 90 in 'Dr. Gopal Das Bhawan' 28, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 168.27 sq. ft. (Under construction)

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I.
Acquisition Range-II.
Aggarwal House,
4|14-A, Asaf Ali Road.
New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 2-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|9-84|1211.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. 180 sq ft. 3rd 3floor 51-52, Nehru Place, Flat No. 307A

situated at New Delhi (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the office of the registering Officer at IAC Acq. Range 1, in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Gedore Tools (India) (P) Ltd., Gedore House, 51-52, Nehru Place, New Delhi-24.

(Transferor)

(2) Sh. I. C. Dhawan slo Late Sh. A. R. Dhawan & Smr. Sarla Dhawan, Sh. J. C. Dhawan, Rlo 25, Malcha Marg, Chanakya puri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Flat No. 307-A mg. 180 sq. ft. 3rd floor, 51-52, Nehru Place, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4 14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 1-5-1985

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Karachi Taxi Co., 36, Janpath, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(2) Nimmi Investment (P) Ltd., Regd. Office, 2011, Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferee)

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|9-84|1212.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 402 mg. 600 sq. ft. in 15, Tolstoy Marg,

situated at New Dellii (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961, in the

Office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-I, in September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the crepetty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; .
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice at the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

THE SCHEDULE

Flat No. 402 measuring 600 sq. ft. in 15, Tolstoy Marg, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Date: 1-5-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|9-84|1213.—Whereas. I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 98, LGF 17, B. K. Road, Mg. 133.9 sq. ft.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Regsitering Officer at

IAC|Acq. Range-I, in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wans'er with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mls. Amrit Enterprises, 10|64, Punjabi Bagh, New Delhi-26.

(Transferor)

(2) Mr. Bhajan Lal, Rlo 3557, Chawari Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing 'o the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 38, Lower Ground Floor 17, Barakhamba Road, New Delhi, (super) 133.9 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 1-5-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SUONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-1.

AGGARWAL HOUSF, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. IAC|Acq. I|3SR-II|9-84|1214.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

teing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

and bearing
Space No. 9A on 9th floor, in Block 'E' of Hotel-cumCommercial Complex. Nehru Place, New Delhi Approx. Area
513 sq. ft

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the LT. Act, 1961 in the Office of the Regulering Officer at

IAC| 4cq. Kange-I, in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tirk Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ander subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Nehru Place Hotels Ltd., Eros Cinema Building, Jangpura Extu., New Delhi-14.

(Transferor)

(2) Mrs. Neelam Tuli wio. Sh. Vijay Kumar Tuli, Rio C-48, Greater Kailash-I, New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 9A on 9th floor, in Block E of Hotel-cum-Commercial Complex. Nehru Place, New Delhi. Approx. Area: 513 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-J
New Delhi

Date: 1-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Processor of the control of the cont

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|9-84|1215.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Space No. 4 on 5th floor in Block 'E' of Hotel-cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi, Approx Area: 484 sq. ft.

Area: 484 sq. ft. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Regsitering Officer at

IAC Acq. Range-I, in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely

(1) Ms Nehru Place Hotels Ltd., Eros Cinema Building, Jangpura Extn., New Delhi-14.

(Transferor)

(2) Mrs. Veena Sood wlo. Sh. H. S. Sood & Master Rohit Sood slo. Sh. H. S. Sood, C-22, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 4 on Vth floor, in Block 'E' of Hotel-cum-Commercial Complex. Nehru Place, New Delhi. Approx. Area: 484 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Date: 1-5-1985

# FORM ITNS----

 Ms Nehru Place Hotels Ltd., Eros Cinema Building, Jangpura Extn., New Delhi-14.

(Transferor)

(2) Mrs. Neeta V. Tuli woo. Mr. Vinay Tuli, C-48, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE. 414-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|9-84|1216.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have recent to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00,000/- and bearing Space No. 9 on 9th floor in Block 'E' of Hotel-cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi, Area 484 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Regsitering Officer at IAC|Acq. Range-I, in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evosion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wralth-**x Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 9 on 9th floor in Block 'E' of Hotel-Cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi. Approx. Area: 484 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Date: 1-5-1985

# FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No IAC|Acq.I|37EE|9-84|1217.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 1-A, F.P. DCM Bldg. 16, B. K. Road, mg. 330

sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Regsitering Officer at

IAC Acq. Range-I, in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to . believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, o he following persons, namely:-80-116 GI/85

(1) M/s R. K. Towers India (P) Ltd. 20, Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Mr. Punit Chadha, M-44, Greater Kailash-I, New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1-A First Floor DCM Building, 16 Barakhamba Road, New Delhi-1. mg. 330 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I New Delhi

Date: 6-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|9.84|1218.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Flat No. 903 on 9th floor in 15, Tolstoy Marg situated at New Delhi (measuring 550 sq. ft.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, on Septebmer 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sair Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Savita w|o Sh. Brij Mohan Sachdev and Mrs. Kusum w|o Sh. Manmohan Sachdev, 130 Golf Links, New Delhi-110003.

(Transferor)

(2) Mrs. Nirmala Khanna w|o Shri R. N. Khanna and Sh. R. N. Khanna s|o Late Shri Kishan Das. R|o D-15, Preet Vihar Delhi-92.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expresisons used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 903 on 9th floor in 15, Tolstoy Marg, New Delhi-110001, measuring 550 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4 14-A, Asaf Ali Road.
New Delhi

Date: 1-5-1985 Seal:

Sear

#### FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 GF 1961)

(1) Sh. U. K. Bhargawa, 1871, Kucha Chalan, Khari Bawli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Chander Pal Singh Rana, A-225, Suriya Nagar, Ghaziabad (U.P.).

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd May 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|9-84|1218-A.-Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 218, Vasant Enclave, mg. 134.24 sq. mtr. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC|Acq. Range-I, on

Septebmer 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor hv more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-ta: Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days frees the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

DDA Flat No. 218 at Vasant Enclave. New Delhi, measuring 134.24 sq. mtr.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Aggarwal House. 4 14-A, Asaf Ali Read. New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Purshottam Naraindas Mirchandani, Prop. Knitlene Textile Mills.

(Transferor)

(2) Mis. P. P. Caps & Allied Industries.

('Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-1|37EE|2499|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. Unit No. 166, A-Z Indl. Estate situated at

Furguson Road, Lower Parel.

Bombay on 6-9-84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

Bombay
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the
property at
formalist value of the apparent consideration therefor by aforesaid executes the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating that suduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any excome arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the v needlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Unit No. 166 on 1st floor of A-to Z Industrial Estate, Furguson Road, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I 3562 84-85 on 6-9-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subasection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Delions, margely :--

Dated: 10-5-1985

· Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Messrs. Abraz Printers.

(Transferor)

(2) Smt. Sarla Dinesh Gogari.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-1/37 EE/2707 84-85. whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and

bearing No. Unit No. 31, Milan Indl. Premises Co-op.Soc. situated at Cotton Green

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 6-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason in believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduuction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 31, 4th floor, Milan Industrial Premises Co-op-ociety, Off Tiketshi Jivraj Road, Cotton Green (West) Rombay-400 033.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I 2853|84-85 on 6-9-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Dated: 10-5-1985

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR 1/37EE/2740/84-85.—Whereas, 1, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

mevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing No. Flat No. 5. The Worli Bhaveshwar Co-op. Hsg. Soc. 148B, Dr. Annie Besant Rd. situated at Worli, Bombay-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 10-9-1984 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Dr. Yashvantrai K. Doshi & Mrs. Nalini Y. Doshi.
- (Transferor) (2) Sh. Yashvantray K. Vanga & Smt. Jayaben Y. Vanza. (Transferee)
- (3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 5, The Worli Bhaveshwar Co-op, Housing Society, 148B, Annie Besant Road, Worli, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under S. No. AR-I[3567] 84-85 on 10-9-84

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay.

Dated: 10-5-1985

(1) M|s. Precision Textile & Engg. Components Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Amratlal alias Jindas Jothmal Jain, Karta of Amratlal alias Jindas Jethmal, HUF. (Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I]37EE]2866]84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Connectent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Industrial Gala, Unit No. 212, 2nd floor, situated at Lower Parel, Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 6-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferae for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Industrial Gala Unit No. 212, 2nd floor, Adhyaru Indusial Estate, Sun Mill Compound, Lower Parel, Bombaytrial Estate,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. AR-I 3569 84-85 on 6-9-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Dated: 10-5-1985

(1) Dhanraj Mills Pvt Ltd

(Transferor)

(2) Firoze Fardurji Mınbatiwala Zarin Firoze Minbatiwala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1935

AR-1/37FE;2879/84-85.—Whereas, I. Ref. No. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/bearing No. Gala No. 106. Ist floor. Shah & Nahar Indl. Estate A-2 bldg. situated at Lower Parcl. Rembay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961. in the Office of the Competent Authority. at Bombay on 5-9-84 for an apparent consideration which is less than the foir market value of the aloresard property and I have reforested.

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Gala No. 106 on the 1st floor, A-2 building, at Shah & Nahar Industrial Estate, Lower Parel, Bombay-400 013. The statement has been registered by the Competent Autho-

rity, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. AR-I 3570 84-85 on 5-9-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Dated: 10-5-1985

# (1) Smt. Nayna V. Shah & Sh. Vipinkumar S. Shah. (Transferor)

(2) Mr. Bipinkumar B. Shah.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGI-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I 37EE 3037 84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovaproperty having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 104, Vanguard

Apartments situated at Jacob Circle

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 6-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and for
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

81—116 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid pressure within a priod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chaptes.

# THE SCHEDULE

Flat No. 104, in VANGUARD APARTMENT Co-op. Hsg. Soc. Ltd. 61, K. K. Marg (West) Jacob Circle, Bombay-11.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-, Bombay, under S. No. AR-1 4320 84-85 on 6-9-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay.

Dated: 10-5-1985

(1) Mls. Comet Cleaners.

(Transferor)

(2) Daswani Estate (P) Ltd.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (3) Transferor.

# (Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3086|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/bearing No. Shop No. 3 & Garage at Kismet Park CHSL Colaba, Bombay-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 6-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chamber.

# THE SCHEDULE

Shop No. 3 and Garage, situated in Kismet Park Co-op. Housing Soc. Ltd. 81 Wodehouse Road, Colaba, Bombay-

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. AR-1|3573|84-85 on 6-9-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 10-5-1985

# FORM I.T.N.S.

## (1) Shree Mahavir Textile Mills.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# (2) 1. Sudesh Narsappa Salian2. Suraj Narsappa Salian

3. Master Sharad Narsappa Salian.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I[37EE]3167[84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/bearing No. Flat No. 4, on 2nd floor & Parking Space No. 56, in Sealord Apartments 'B' Cuffe Parade, Bombay-5 (and more fully described in the Schedule annexed horeto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 10-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the run an income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 2nd floor & parking space No. 56 in Sea Lord Apartments, 'B', Cuffe Parade, Bombay-5.

The statement has been registered by the Competent Authorities.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. AR-I|2991|84-85 on 10-9-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 10-5-1985

P. N. DUBEY,

### FORM ITNS--

(1) Mls. H. P. Transport.

(Transferor)

(2) M|s. Agarwal Carriers Corpn. of India. (Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### GOVERNMENT OF INDIA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(b) by any other person interested in the said immov-

# ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I 37EE 3780 84-85.—Whereas, 1,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

Bombay, the 10th May 1985

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. 1, 4th floor, Bharat Chambers, Plot No. 51-C,
Alfinstan Estate, Bareda Street, Bombay-9
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,
situated at Bareda Street, at Bombay on 4.9.84 situated at Baroda Street, at Bombay on 4-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to ray tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Unit No. 1, 4th floor in Bharat Chambers, Plot No. 52-C, Elphinstone Estate, Baroda Street, Bombay-400 009.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under S. No. AR-I 3579 84-85 on 4-9-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Dated: 10-5-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Raia Builders & Investments Pvt. Ltd.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3793|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 201|A on 2nd floor, Anjali Apartment French Bridge, Opera House, Eombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, situated at Opera House at Bombay on 4-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Mr. Pratik Kothari & Mr. Pradeep Agarwal. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 201 A on 2nd floor, 'Anjali Apartment' French Bridge, Opera House, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. AR-I | 3590 | 84-85 on 4-9-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range, Bombay.

Dated: 10-5-1985

(1) Shri Maniben Hariram Rajani

(Transferor)

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3804|84-85—Whereas, I P. N. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flut No. D|12, Kakad Estate situated at Sea Face Road Worli, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at Bomay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Smt. Mohinibai Ratachand Jain, Ratanchand B Jain

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. D|12, Ist floor, Kakad Estate, 106, Sea Face Road, Worli, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3714|84-85 on 10-9-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3806/84-85.—hereas, I, P. N. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing

No. Flat No. 13, Maheshwar CHSL situated at Sion (East) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bomay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Bansilal Bhagwandas Kukereja, Smt. Neeta Maneharlal, Smt. Champa Nandalal. (Transferor)
- (2) Sharad Jadhavji Shethia & Smt. Tarulata S Shethia.

(Transferee)

- (3) Transferors.
  - (Person in occupation of the property)
- (4) Transferors.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 13, The Maheshwar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 246, Sion (East) Bombay-400 022.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I[3723]84-85 on 10-9-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authorica
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I[37EE|3815|84-85.—Whereas, I P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair maket value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Flat No. 1201, Rajul, A Wing situated at Harkness Road Bombay

(and note fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bomay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the effects and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Sampatmall K Hingarh, Mrs. Nani S Hingarh & Mr. Naresh S Hingarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Vasumuti Fakirchand & Mrs. Dharini Chetan (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a reriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1201, 12th floor and covered Car Parking space on the ground floor in building RAJUL 'A' Wing, 9 Harkness Road, Bembay-400 006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3731|84-85 on 10|9|19184.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, B mbay

Date: 10-5-1985

(1) Shri A. C. Sheth (HUF)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M|s Swastik Rolling Shutters & Engineering Works,

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3818|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Office No. 338, 3rd floor, Hind Rajasthan Departmental Centre, Dada Saheb Phalke Road, Dadar (C. Rly) situated at Dadar, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bomay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

82-116 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 338, 3rd floor, Hind Rajasthan Departmental Centre, 95, Dada Saheb Phalke Road, Dadar (Central Railway) Bombay-14.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3734|84-85 on 10-9-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 3-5-1985

(1) Smt. Manjula Anil Sheth.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Swastik Rolling Shutters & Engineering Works (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3819|84-85.-Whereas, I, P. N.

DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
No. Office No. 340, 3rd floor, Hind Rajasthan Departmental
Centre, Dada Saheb Phalke Marg, Dader (C.R.)

situated at Bombay tand more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bomay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. 340, 3rd floor, Hind Rajasthan Departmental Centre, 95, Dada Phadke Marg, Dadar (C.R.) Bombay-400 014.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3735|84-85 on 10-9-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-5-1985 Seal :

# (1) Shah & Nahar Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Juliet Products

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-1|37EE|3820|84-85.—Whereas, 1 P. N.

DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and hearing No.

and bearing No. No. Unit No. 313 on 3rd floor, Shah & Indl. Estate A-1

situated at Lower Parel, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 313 on 3rd floor in Shah & Nahar Indl. Estate A-1, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I]3737[84-85 on 16]9[84.

P. N. DUBLY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this effice notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

77.

#### FORM ITNS----

(1) Shah & Nahar Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kashiprasad Chamadia

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. AR-1/37EE/3821/84-85.-Whereas, I, P. N.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Unit No. 270, 2nd floor, Shah & Nahar Industrial

Estate A-2

situated at Lower Parel, Bombay-13

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bomay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than reason to believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be discosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Unit No. 270, 2nd floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-2, S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3738|84-85 on 10-9-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, is pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

(1) Shri Shah & Nahar Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Trimurti Art Printers

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3822|84-85.—Whereas I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Unit No. 238, 2nd floor, Shah and Nahar Industrial Estate A-2

situated at Lower Parel, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bomay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 238 on the 2nd floor in Shah & Nahar Indl. Estate A-2, S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3739|84-85 on 10-9-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 3-5-1985

(1) Shah & Nahar Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Madhuban Babubhai Family Trust

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3823/84-85.—Whereas, I. P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

Unit No. 145 on 1st floor in Shah & Nahar Indl. Estate

A-1 situated at Lower Parel, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bomay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 145 on 1st floor in Shah & Nahar Indl. Estate A-1, S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3940|84-85 on 10-9-1984.

P. N. DUBFY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-5-1985

#### FORM ITNS-

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961) (2) Suresh Gordhandas Punjabi & Mohan G Punjabi and Gordhandas M Punjabi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37FE|3824|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Unit No. 239, 2nd floor, Shah & Nahar Indl. Estate A-2 situated at Lower Parel, Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bomay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 239 on 2nd floor in Shah & Nahar Industrial Fstate A-2, S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I]3741|84-85 on 10-9-1984.

P. N. DUBEY

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Shri Ajay Bharitya (as promoter for) Mode Export Pvt. Ltd.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

No. AR-I|37EE|3825|84-85.—Whereas, I, P. N. Ref. **DUBEY** 

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Unit No. 455 on 4th floor, Shoh & Nahar Indl. Estate A-1

situated at Lower Parel, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the libbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. (b) by any

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 455 on 4th floor in Shah & Nahar Industrial Estate

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3742|84-85 on 10-9-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he is no if this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-5-1985,

(1) Shah & Nahar Associates

(Transferor)

(2) K. K. Products

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3826/84-85,-Wheras, I. P. N. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

No. Unit No. 242, 2nd floor, Shah & Nahar Industrial

Estate A-2

situated at Lower Parel, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Incomediax Act, 1961, in the Office of Competent Authority

at Bombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that: fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and Jot
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the resective percentage which the service of notice on the resective percentage which the service of notice on the resective percentage which the service of notice of the resective percentage which the service of notice of the resective percentage which the service of notice of this percentage which the service of notice of the publication of this notice of the service of the service of notice of the service of the service of the service of notice of the service of the pective persons, whichever period eexpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Unit No. 242, 2nd floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-2, Dhanraj Mill Compound, S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3743|84-85 on 10-9-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 3-5-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the soil Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '---83-116 G1/85

(1) Shah & Nahar Associates

(Transferor)

(2) Shri Vinod Vohra

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-L BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR I 37FI: 13827 84-85.—Whereas, I, P. N.

DÜBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Unit No 207, 2nd floor, Shah & Nahar Industrial

Estate A-2

situated at Lower Parel, Bombby

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of Competent authority on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the ame meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 207 on 2nd floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-2, Dhanraj Mill Compound, S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-1 3744 84-85 on 10-9-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely: ---

Date: 3-5-1985.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.I|37EE|3833|84-85.-Whereas, I P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
Flat No. 9 Bhartiya Bhavan

situated at Marine Drive, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of Competent Authority

at Bombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Manorama C Sheth, Mr. Kasturbhai C Sheth, Mr. Ashmin C Sheth, Ambrish C Sheth, Mr. Anand C. Sheth & Smt. Anjana M. Shah.
- (2) Mr. Shreeprakash Nathmal Somani, Mrs. Rajkamal S. Somani, Shreeprakash Gautam, HUF.

(Transferee)

- (3) Smt. Manorama C Sheth & Shri Anand C Sheth.
- (4) Nihar K Sheth (Minor) Gurdian Kasturbhai C Sheth, Vaidehi K Sheth (Minor) Gurdian Kasturbhai C Sheth, Vaidehi K Sheth (Minor) Guardian Kasturbhai C Sheth, Ajai A Sheth (Minor) Guardian A C Sheth, Akshay A Sheth Guardian A C Sheth, Smt. Aksha M Shah, Miss Krina M Shah, Rakesh A Sheth & Nimesh Ashwin Sheth.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd floor, 72 Bhartiya Bhavan Premises Co-op. Soc. Ltd., Marine Drive, Bombay-20.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1'3751|84-85 on 10-9-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 10-5-1985: Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No.  $\Lambda R$ -I¹371  $\Gamma$ ,3855,84-85. —Whereas, L. P. N. DUBLY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

No. Shop No. 13. On Chambers

situated at Ont Corner

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of Competent Authority

at Rombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Miss A. S. Chauhan, Mr. Tushar S Chauhan & Mr. Kirit S Chauhan.

(Transferor)

(2) M/s. Coast Builders Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objectives, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 13. Om Chambers, Om Corner, Bombay-400 036.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I Bombay, under Serial No. AR-113752 84-85 on 10-9-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-5-1985.

- (1) M/s. Shital Warehousing Company.
- (Transferor)
- (2) M|s. Bombay Goods Freight Carriers.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3846,84-85.—Whereas, I. P. N.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing

No. Unit No. 10, Bharat Chambers situated at Broda Street, Lombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of Competent Authority

at Bombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of Transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of he liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Unit No. 10 on 4th floor in Bharat Chambers, Plot No. 52-C. in the Elphinstone Estate, Baroda Street, Bombay-400 009. The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|3755|84-85 on 10-9-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 10-5-1985.

(1) Ms. Sea Transways

(Transferor)

(2) M|s. Road Transport Carriers.

(Transferee)

# Notice under section 269D(1) of the income-tax act, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-1|37EE|3847|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Unit No. 11, 4th floor, Bharat, Chambers

situated at Barodu Street, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income aix Act, 1961, in the Office of Competent Authority

at Bombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Unit No. 11 on 4th floor in Bharat Chambers, Plot No. 52 C, Elphinstone Estate, Baroda Street, Bombay-400 009.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I Bombay, under Serial No. AR-1 3756:84-85 on 10-9-1984

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-5-1985.

(1) Shah & Nahar Associates

(Transferor)

(2) Rainbow Enterprises

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-1|37EE|3849|84-85.—Whereas, I P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Unit No. 323B on 3rd floor in Shah & Nahar Indl.

Estate A-I

situated at Lower Parel, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of Competent Authority

at Bombay on 10-9-194

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 323B on 3rd floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-1, \$.J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3759|84-85 on 10-9-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-5-1985.

(1) Shri Hemant 1 ( .n.lhi

(Transferor)

(2) Shri Hastimal N Shah & Smt Barvati H, Shah (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF-I, BOMBAY

Bombay, the 25th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3851/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Flat No. 302. Bhavani Complex

situated at Bhavani Shanker Road, Dadai Bombay (and more fully described in the schedule annexed here(o), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of Competent Authority

at Bombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, .957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the problecation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 302 on 3rd floor. A building at 'Bhavani Compley Building' Bhavani Shankar Road, Dadar, Bembay-400 028. The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-I|3761 84-85 on 10-9-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, Bomba

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985,

- (1) Shah & Nahar Associates
- (2) Ms. Karsandas Exports

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-1,37EE 3855 84-85.—Whereus, I, P. N.

being the Competent Authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 441, 4th floor, Shah & Nahar Indl. Estate A-1 situated at Lower Parel, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

# THE SCHEDULE

Unit No. 441 on 4th floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Dhanraj Mill Compound, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3764/84-85 on 10-9-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-84-116 GI/85

Date: 10-5-1985.

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

(2) M/s. Textile Wood & Engg. Works.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-1|37EE|3856|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Unit No. 218, 2nd floor, Shah & Nahar Indl. Estate A-1 eitherted at Lower Barel.

situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduuction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 218 on 2nd floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-1. S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I 3765 84-85 on 10-9-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, 'n pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 3-5-1985

#### (1) Mrs. Rani V. Bhatia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Prakash M. Sakhrani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3867|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 53, 5th floor, Block No. 8, Shyam Nivas, Bhulabhai

Desai Road, Bombay-26.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 15-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or memory or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 53, 5th floor, Block No. 8, Shyam Nivas, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3939|84-85 on 15-4-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 10-5-1985

(1) Chandella Udyog Viniyog Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sterling Lease Finance Limited.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-**SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I.
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3869|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

exceeding Rs. 1,00,000 |- and bearing No.
Office No. 91A, Mittal Court, situated at Nariman Point (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this section in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ or

Office No. 91A, Mittal Court, Nariman Point, Bombay-400 021.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3940|84-85 on 15-9-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of -957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 10-5-1985

(1) R. T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Savanbai Bastimal Rathod.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I,

**BOMBAY** 

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 10th May 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official gazette.

Ref. No. AR-I|37EE|3839|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 202, 'Nitin Building' at Junction of Anant Ganpat Pawar Lane & Chinchpolli Cross Road, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office

section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 20-9-1984

for an apparent consideration which is less for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 202, 'Nitin Building' at Junction of Anant Ganpat Pawar Lane & Chinchpokli Cross Road, Bombay-400027. The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under AR-I|2978|84-85 on 20-9-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-5-1985

FORM ITNS-

(1) R. T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sayarbai Hirachand Jain.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY** 

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3895/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 401, Vishal Bldg., at Junction of Anant Ganpat Pawar Lane Chinchpokli Cross Road.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor

Flat No. 401, 4th floor, Vishal Bldg., at Junction of Anant Ganpat Pawar Lane, Chinchpokli Cross Road, Bombay 400 027.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/2979/84-85 on 20-9-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

(1) R. T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

(2) Hastimal Jasraj Rathod.

Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3896|84-85.-Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market lavue exceeding Rs. 100,000/-

and bearing
Flat No. 401, 4th floor, Nitin Bldg. Junction of Anant
Ganpat Pawar Lane & Chinchpokli Cross Road, Bombay-27 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay rax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weak Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the resnective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Nitin Bldg., Junction of Anant Ganpat Pawar Lane and Chinchpokli Cross Road, Bombay-27.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under AR-I[2980]84-85 on 19-9-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-5-1985

(1) R. T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

(2) Smt. Ratanben Vastimal Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3897|84-85.-Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00 000|- and bearing No. Flat No. 404. Vishal Bidg., at Junction of Anant Ganpat Pawar Lane & Chinchpokli Cross Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 404, Vishal Bldg., at Junction of Anant Ganpat Powar Lane & Chinchpokli Cross Road, Bombay-27.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-I|2981|84-85 on 20-9-84.

> P. N. DUBEY
> Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-5-1985

FORM ITNS----

(1) R. T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Vastimal Mulchand Shah.

be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE LICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY** 

Bombay, the 10th May 1985

AR-I|37EE|3898|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovproperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 403, Vishal Bldg., at Junction of Anant Ganpat Pawar Lane & Chinchpokli Cross Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bestieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of said property may

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 403, Vishal Bldg., at Junction of Anant Ganpat Pawar Lane & Chinchpokli Cross Road, Bombay-27.

THE SCHEDULE

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under AR-I|2982|84-85 on 20-9-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 85-116 GI/85

Date: 10-5-1985

#### FORM NO. ITNS----

(1) R. T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

(2) Hirachand Raichand Jain

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3899/84-85.—Whereas, 1, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tix Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the Said Act), have reason to believe that the immov-

Rs. 1.00,000/- and bearing No Flat No. 403, Nitia Building Junction of A. G. Pawar Lane & Chincippoliti Cross Road.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been pansferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the a oresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) local titing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) feedliating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the sold Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the at resaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have that Chapter. have the same meaning as given in

# THE SCHEDULE

Flat No. 403 on 4th floor 'Nitin Building', Junction of Anant Gangat Pawer Lane and Chinchpokli Cross Road. Bombay-400 027.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-I|2983|84-85 on 20-9-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 10-5-1985

#### FORM ITNS

(1) Ratnakar Narasimha Pai

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shushada Pramod Salvi Capt. Mr. Pramod Sadanand Sanvi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. **BOMBAY** 

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3901|84-85.-Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 153, 'POORNAND' Bldg. situated at Walkeshwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) lacilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tag Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 153 on 15th floor, 'POORNAND' on land bearing C. S. No. 62, at Banaganga, Walkeshwar, Bombay-400 006.

The statement has been registered by the Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under AR-I|3777|84-85| on 15-9-84. Comretent Serial No.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 10-5-1985

Seal ·

______

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3934/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat No. 11, Sea Gull CHSL situated at Bhulabhai Desai Road, Eombay-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ or

(b) facilitating the conealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mrs. Radhabai Kishindas Chhabria.
- (Transferor)
- (2) Mr. Chinubhai Nagindas Shah & Mrs. Padma C. Shah

(Transferee)

- (2) Transferor.
- (Person in occupation of the property)
- (4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property made in writing to the undersigned—

- (b) by any any of the aforesard persons with a period of forty-five days from the date of publication of in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 11, 6th floor, Sea Gull Co-op. Hsg. Soc Ltd., 4-A, Bhulabhai Desai Road Bombay-400 026

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-1/3958/84-85] on 15-9-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37-ΓΕ|3941|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Shop No. 1, C bldg. Ecress Bldg. situated at Wadala (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the pose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of he Said Act to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Kalavati Kajaram Khatik.

(2) Mr. Vincent Piad Mathias.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 1, Gr. floor, C Building Ecress Building, Antop Hill, Wadala (E) Bombay-37.

The statement has been registered by the Competent

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-1|3970|84-85 on 15-9-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Shah & Nahar Associates.

may be made in writing to the undersigned-

(Transferor)

(2) Ms. Rpyal Printing & Publishing (India).

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I **BCMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-1|37-EE 3949|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

for an apparent consideration which is less than the fair being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Unit No. 227 on 2rd floor of Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Dhanraj Mills Compound, S.J. Marg, situated at Lower Parel, Bombay-13

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the pose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE
Unit No. 227 on 2nd floor of Shah & Nahar Industrial
Estate A-1 Dhania; Mill; Compound, S.J. Marg, Lower Parel, Bornbay-400 013

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1. Bombay, under Serial No. AR-1|3973|84-85 on 15-9-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of he Said Act to the following persons namely:-

Date: 10-5-1985

FORM ITNS———

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I **БОМВА**Ү

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37-EE|3950|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable and bearing No.
Unit No. 234 on 21d floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-2, S.J. Marg, situated at Lower Parel, Bombay-400 013

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under section 269 A3 of the Income-tax Act, 1961, in the Office

section 269 As of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 15-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the pose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of he Said Act to the following persons, namely :-

(2) K. M. Gidwani.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 234 on 2nd floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-1, S. J. Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I|3974'84-85 on 15-9-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-5-1985

FORM I!NS----

- (1) Shah & Nahar Associates.
- (2) Mls. Replica Printers & Disignors.

(Transferee)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE (NCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Ahmedabad-380 009, the 29th April 1985 ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-1|37-EE|3951|84-85.-Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Unit No. 235. 2nd floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-2, situated at Lower Parel. Bombay-400 013 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement in registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the Office section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of theh Competent Authority. Bombay on 15-9-1984

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 235 on 2nd floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-2. S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I|3975|84-85 on 15-9-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-5-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37-EE|3955|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 302. Veena Beena Apartment situated Sewri (W) (and more fully described in the School and Sewri (W)

Flat No. 302. Veena Beena Apartment situated Sewri (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 30-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons. namely.— 86—116 GI/85

- (1) Shri Gordhandas S Garodia.
  - -, ----- -----

(Transferor)

(2) Shri Mahmood Ali Kapade.

(Transferee)

(3) Shri Hashmukh H Gandhi.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Hasmukh H. Gandhi.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given unter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 302 on 3rd floor in Wing 'F' of Veen Beena Apartments. Acharya Dhende Marg, Sewri (W) Bombay-400 015.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I|3992|84-85 on 20-9-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 10-5-1985

#### FORM TINE-

(1) PSB Construction Co. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Ramakrishna Aggarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37-EE|3958|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-Flat No. 1 in PSB Apartments situated at Worli Naka (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, on 20-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteer, per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, is
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sussection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Claratte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1 on 1st floor in Building No. Two in PSB Apartments. B.G. Kher Road, Worli Naka, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I/3995/84-85 on 20-9-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Marathon Clothing Industries Pvt, Ltd.

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

> ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I 37-EE 3967 84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing Unit No. 451, 4th floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-1 situated at Lower Parel, Bombay

situated at Lower Patel, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, on 20-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the sain Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this votice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 451, 4th floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I|3999|84-85 on 20-9-1985.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Mrs. Perey Alex Rebello.

(Transferor)

(2) Mrs. Maria F. D. Souza.

amy be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INGOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-1 37-1  $\pm$  [3899]84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Flat No. 307. Dosti Apartments situated at Wadala (East) (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, on 20-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faculitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax xunder the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 307, 3rd floor, Dosti Apartments. Plot No. 3|105, Near Tata Quarters, Wadala (E) Bombay-400 037.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I/37-4010/84-85 on 20-9-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

#### (1) R. T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jayantilal S. Rathod.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37-FE|3995|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. E 601 in Vikas Bldg. situated at Junction of Anant Ganpat Lower Lane & Chinchpokli Cross Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority. Bombay on 25-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer;

and/or:

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. B|601 in Vika^a Building, Junction of Anant Ganpat Pawar Lane & Chinchpokli Cross Road, Bombay-400 027.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I|4017|84-85 on 25-9-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombav

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

(1) R. T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sheetalmal Saremal Jain

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-1[37EE]3996[84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 501, 5th floor in Vika, Building situated at Junction of Anant Ganpat Pawar Lane & Chinchpokli Cross Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred.

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

Bombay on 20-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 501 on 5th floor in 'VIKAS' Building, Junction of Anant Ganpat Pawar Lane and Chinchpokli Cross Road, Bombay-27.

The statement has been registered by the Competent Authority, Asquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|2984|84-85 on 20-9-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date 10-5-1985

(1) R. T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

(2) Chunilal Hansraj Gangar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3997|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 402, Vikas Building, Junction of Anant Ganpat Pawar Lane & Chinchpokli Cross Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability Flat No. 402, 4th floor in Vikas Building, Junction of of the transferor to pay tax under the said Act, in Annant Ganpat Pawar Lane & Chinchpoki Cross Road Bombay-400 027. respect of any income arising from the transfer

The statement has been registered by the Competent Authority, Asquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4018|84-85 on 25-9-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

- and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-5-1985

FORM ITNS-----

(1) M]s. Nutmeat Trading Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Ms Bombay Leathers

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACOUISITION RANGE-I ROMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3999|84-85.—Whereas, I P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Unit No. 232, Milan Indl. Premises Co-op. Soc. Ltd.

situated at Cotton Green, Bombay-33,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

Bombay on 25-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Character.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely :-

# THE SCHEDULE

Unit No. 232, Milan Industrial Premises Co-op. Soc. Ltd., Cotton Green, Bombay-33.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I'4020|84-85 on 25-9-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date 10-5-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I/37EE 4004 84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. Office Premises 1 o. 43, Maker Chambers III

sitpated at Nariman point

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority.

€.

Bombay on 25-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believ that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—87—116 GI/85

(1) Mrs Chanchal Mehra, Mrs Suraj Mehra, Mr. Satish Mehra

(Transferor)

(2) National Travel Service

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Premises No. 43, 4th floor, Maker Chambers III, Nariman Point, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Asquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4023|84-85 on 25-9-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-5-1985

#### FURM ITNS-

(1) Mrs Chanchal Mehra, Mrs Surai Mehra & Mr Satish Mehca

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Jetair Transportation Pvt. Ltd.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-1|37LE|4005|84-85. -Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sai Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing

No. Office No. 43 Maker Chamber III situated et Narimon

Point

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is regis ered under section 269 AB of the

Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority,

Bombay on 25-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: ind/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomedia. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Office Premises No. 43, 4th floor, Maker Chambers III, Nariman Point, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Asquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4024|84-85 on 25-9-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

riow, theretore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

(1) R. T. Mehta Construction Co.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

AND A THE THE PARTY OF THE PART

(2) Shri Chimanlal Pragji.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I[37EE]4007|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 301, Vikas Building situated at Junction of A.G.

Pawar Lane & Chinchpokli X Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

Bombay on 20-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcation exceeds the apprent consideration therefor by more than affect of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immsovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Vikas Building, Junction of Anant Ganpat Pawar Lane and Chinchpokli Cross Road, Bombay-400 027

The statement has been registered by the Competent Authority, Asquisition Range-I, Rombay, under Serial No. AR-I|2985|84-85 on 20-9-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motive under subsection (1) of Section 269D of the said act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-198 Seal:

- (1) Shah & Nahar Associates
- (Transferor)
- (2) Dilip D Shah & Parimal M Shah

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I37EE|4020|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Unit No. 335, on 3rd floor in Shah & Nahar Indl. Estate A-2

situated at Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is regeistered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

Bombay on 25-9-1984

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expects the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor, to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

Unit No. 335 on 3rd floor in Shah & Nahar Indl. Estate A-2 Sun Mill Compound, S. J. Marg, Lower Parel Bombay-400 013

b) fa ilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The statement has been registered by the Competent Authority. Asquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I[4037]84-85 on 25-9-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arcresaid property by the saue of this notice under subsection (1, of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 10-5-1985

(1) Shah & Nahar Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shashikant D. Bhomavat

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4021|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Unit No. 426-A in Shah & Nahar Indl. Estate A-1

situated at Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Bombay on 25-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 426-A in Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Dhanraj Mill Compound, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Asquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4038|84-85 on 25-9-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

(1) Mrs. Madhuban Kanyalal Thakkar and Mrs. Smitaben K Thakkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls. Bhagat Corporation.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-1|37FE|4027;84-85.-Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1261) (Incrematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing Shop No. 48, 5th Floor, Tardeo Air-Conditioned product.

Conditioned market situated at Tardeo Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Office No. 48, 5th floor, Tradeo Air-Conditioned Market, Tardeo Main Road, Tardeo, Bombay-400 034.

The statement has been registered by the Competent Authority, Asquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR I | 4040 | 84-85 on 25-9-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 10-5-1985

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Narendrapal Gupta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Darshan Enterprise

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

.OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4035/84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY,

Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Office No. 410, Navrattan Building situated at Carnac

Bunder

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

Bombay on 25-9-1984

Bombay on 25-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D (1) of said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 410, Navrattan Building, P. D'Mello Road, Carnac Bunder, Bombay-9.

The statement has been registered by the Competent Authority, Asquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4045|84-85 on 25-9-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-I Bombay

Date 10-5-198,"

The same and the s

## FORM ITNS---

# NOTICE UNDER SECTION 200D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE/4044|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|- and bearing

Office premises No. 503, Adamji Building, Narsi Natha Street, Bombay-400 009

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any storicts of other pasers which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 4.1 1937 (27 of 1957);

Now therefore, a cursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:—

(1) Mrs. Batul Yusuf Fidvi (maiden name), Batul Salebhai Rangwala

(Transferor)

(2) The Bhagchandka Exports Ltd.

(Transferée)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The statement has been registered by the Competent Building Premises Co-op. Soc. Ltd. 413. Narshi Natha Street, Bombay-400 009.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-F, Bombay, under Serial No. AR-I/4040/84-85 on 25-9-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 10-5-1985

- (1) Bonny Enterprises
- (Transferor)
- (2) Mohmed Cassim Allie.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4047|84-85.-Whereas, I,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000|- and bearing .
Flat No. 305, Pearl Harbour, situated at Mazgaon (and more fully described in the Schedule annexed kereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

88-116 G/85

Object ons, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gafiette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall nave the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 305 at Pearl Harbour, Tulsiwadi, Mazgaon, Bombay 10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3812|84-85 on 28-9-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incoma-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-5-1985

- (1) Shah & Nahar Associates,

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Apeego Marketing (P) Ltd.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY** 

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 3rd May 1985

(b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I|37EE|4062|84-85.—Wheeras I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961(43 of 1961) (hexcinater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Unit No. 248, 2nd floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-1

situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-9-1984 has been transferred and the Agreement is registered under

for an apparent consideration which is less than for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the objects of :-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or (b) facilitating the concealment which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Unit No. 248 on 2nd floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-1, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I 3823 84-85 on 28-9-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following tag persons, namely :---

Date: 3-5-1985 Seal:

- (1) Shah & Nahar Associates.
- (Transferor)
- (2) Apeego Marketing (P) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN I COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE **BOMBAY** 

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4063|84-85.-Wheeras, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]

Rs. 1,00,000|- and bearing Unit No. 247, 2nd floor in Shah & Nahar Indl. Estate A-1

situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961. in the Office

of the Competent Authority, Bombay on 28-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

THE SCHEDULE Unti No. 247 on 2nd floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-1, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-400-013.

The statement has been registerel by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3824|84-85 on 28-9-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 3-5-1985

(1) Shah & Nahar Associates

(Transferor)

(2) Apeego Marketing (P) Ltd.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I 37EE 4064 84-85.—Wheeras, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section
269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
Unit No. 246, 2nd floor, Shah & Nahar Indl. Estate A-1

situated at Lower Parel (and more fully, described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 28-9-1984

for an appurent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that in consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of he transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as use defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 246 on 2nd floor in Shah & Nahar Indl. Estate A-1, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3825/84-85 on 28-9-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-5-1985

ಹನ್ನು ಮೂಲಕ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ಮಾಡುವ ರಾಜಕ ಪ್ರತಿಕ್ರಾಗಳ ಮುಖ್ಯ ಸಾರ್ವಿಸಿಕ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ಮುಖ್ಯ ಪ್ರತಿ ಮಾಡುವ ಮುಖ್ಯ ಸಂಘಟನೆಗಳು ಮುಖ್ಯ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿಕ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ಮುಖ್ಯ ಸಂಘಟನೆಗಳು ಸಂಘಟನೆಗಳು ಮುಖ್ಯ ಸಂಘಟನೆಗಳು ಸಂಘಟನೆಗೆ ಸಂಘಟನೆಗಳು ಸಂಘಟನೆಗಳ

#### FORM ITNS-

(1) Shree Vemkatesh Transport Service

(Transferor)

(2) Kailash Prasad S. Malpani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY** 

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4067|84-85.-Whereas, I. P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Unit No. 132, Shah & Nahar Indl. Estate A|2 situated at Lower Parel, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-9-1984

persons, namely :-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating sas soncealment of any income or au) moneys or other assets which have not been se which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 132, Shah & Nahar Industrial Estate A-2, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4055|84-85 on 26-9-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-5-1985

279 2000 : 01 LTC252 - CC

#### FORM ITNS

(1) Mr. Vrajlal Tapulal Jopanputra

(Transferor)

(2) M|s Peak Craft

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I 37EE 4068 84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Unit No. 210, Adhyaru Indl. Estate situated at Lower Parel Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-9-1984

for an aparent consideration which is les sthan the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givein that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 210, Adhyaru Industrial Estate, Sun Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13.

The state nent has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3827|84-85 on 28-9-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-5-1985 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

(1) Smt. Jasoti Nari Daswani

(Transferor)

(2) Smt. Veena Vikas Patil & Shri Vikas D Patil

(3) Transferees

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4082|84-85.-Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing office No. 911, Bldg. No. 3, Navjivan Co-op Hsg. Soc. Ltd. situated at Lamington Road, Bomoay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 29-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income erising from the fronsfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. 911, Bldg. No. 3, 9th floor, Navjivan Co-op.

Hsg. Soc. Ltd., Lamington Road, Bombay-8.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3845/84-85 on 29-9-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Om Sadan Pvt, Ltd.

(Transféror)

(2) Mr. Praddep Shivnarain Jetly, Mr. Rajiv Shivnarain Jetly

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EF|4086|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269D of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-

as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 14 in 'Shree Om Sadan' situated at Narayan Dabholka: Road situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay, on 29,9,1984

Bombay on 29-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 14 in Shree Om Sadan, 15, Narayan Dabholkar

Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3849/84-85 on 29-9-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-F, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 10-5-1985

#### FORM ITNS----

(1) Om Sadan Pvt, Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Goswami Jetly Mrs. Sulochana Rani Jetly.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4078|84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing
Flat No. 13 in 'Shree Om Sadan' situated at Narayan

Dabholkar Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, theretore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following versons, namely:-89-116GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

### THE SCHEDULE

Flat No. 13 in 'Shree Om Sadan' 15, Narayan Dabholkar Road, Bombay-400 006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3850|84-85 on 29-9-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incame-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-5-1985

YURM ITNS-

(1) John Fleming & Co. Ltd.

(Transferor)

(2) M1. Shabbir Sarafa¹i Golawala

may be made in writing to the undersigned :-

(Tran ferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 **OF 1961)** 

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I ROMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4090|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,00|- and bearing

Flat No. 11, Fleming House situated at Dockyard Road; and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons; namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter. *

## THE SCHEDULE

Flat No. 11, 1st floor, Fleming Building, Dockyard Road, C. S. No. 8 138, of Mazagaon Division. Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR I|3851|84-85 on 29-9-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay.

Date: 10-5-1985

(1) John Fleming & Co. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Akbarbhai Shaikh F Ramakdawalla

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY** 

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4091|84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 42, Fleming House situated at Dockyard Road Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 29-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 42, on 4th floor of Building 'Fleming' at Dockyard Road, C. S. No. 8 138 Mazagaon Divn. Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under AR-I|3852|84-85 on 29-9-84. Serial No.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioer of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 2697) of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-5-1985

(1) Shah & Nahar Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Spring Wood Works

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4093|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Unit No. 218 on 2nd floor, A-1 Shah & Nahar Indl. Estate situated at Lower Parel Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under the control of the contro section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evazion of the liability of the transferor to pay tax under the eaid Act in respect of any income arising from the transfer:

Unit No. 218 on 2nd floor, A-1 Shah & Nahar Indl. Estate, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-I|3854|84-85 on 29-9-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY Competent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I kereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

and the second of the second o

(1) John Fleming & Co. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Haji Mohamedbhai Aulamhusain Rangwalla, Banoonai M Rangwalla, Moiz Zakinddir Rangwalla.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I]37EE|4100|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immo-

vable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing Flat No. 31, Fleming Building situated Dockyard Road **Bombay** 

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrucment of transferred with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

## THE SCHEDULE

Flat No. 31 on 3rd floor, Fleming House, Dockyard Road, C. S. No. 8 138 of Mazgaon Division, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under AR-I|3859|84-85 on 29-9-84. Serial No.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay.

Date: 10-5-1985

(1) John Fleming & Co. Ltd. FORM NO. I.T.N.S.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Fateman Moiz Bahrainwalla & Mrs Nafeesabai Fakruddin Jiva Ali.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR/I/37EE/4101/84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000and bearing No.

Flat No. 12, Fleming House situated at Dockyard Road Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exseeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapte.

## THE SCHEDULE

Flat No. 12 on 1st floor, Fleming House, Dockvard Road, C.S. No. 8|138 of Mazagaon Division Bombay

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under AR-I/3850/84-85 on 29-9-1904. Serial No.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 10-5-1985

- (1) M|s. Naresh Industries.
- (Transferor)
- (2) M/s. India Engineering Works.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4103|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing Unit No. 131, 1st floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-1 citivated at Lover Parel.

situated at Lower Parel

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of

Bombay on 29-9-1894 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more raid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 131, 1st floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Dhanraj Mills Compound, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under AR1|3862|84-85 on 29-9-84. Serial No.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay.

Date: 3-5-1985

(Person in occupation of the property)

# FORM ITNS

(1) Mrs. Veena Vishwanath Prabhu.

(Transferor)

(2) Mr. Chintaman P Wagh & Mrs. Meena C Wagh.

(3) Mr. Anilkumar P. Powani Poornanand Saraswati CHSL. (Transferee)

NOTICE UNDER SPCTION 259D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ret. No. AR-I|37EE|4137|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/-and bearing

Flat No. 103. Poonanand Sarswati CHSL situated at Banganga

Banganga

(and more fully described in the scheduled a mexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (11 of 1922) or the said Act, or the Weight Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 103, Poornanand Saraswati Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 62, Banganga, Bombay-400 006.

The statement has been registered by the Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under AR-1|2820|84-85 on 3-9-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, i hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AP-I/37EE/3916/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing Flat No. 3, 'Shree Ram Apartments situated at Girgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any proneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-ing persons, namely:— 90—116GI|85 (1) R. K. Constructions

(Transferor)

(2) Shri Shantilal Maganlal Sanghvi

(Transferee)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st floor, 'Shree Ram Apartments' 168 vaidya wadi, Thakurdwar, Girgaum, Bombay-4.
The statement has been registered by the

Competent. Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under AR-I|3782|84-85 on 15-9-84. Serial No.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Innam star Acquisition Range-I Bombay.

Date: 10-5-1985

Smt. Niharika M Daiya & Shri Tulsidas H Karia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kishin Naraindas Punjabi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUIS!TION RANGE-I **BOMBAY** 

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3952|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.
Indl. Unit 209, Shah & Nahar (Warli) Light Indl. Fstate situated at Worli

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-9-1984

Bombay on 15-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: ment of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 209 on 2nd floor, 'Shah & Nahar (Worli) Light Industrial Estate' Off Dr. E Moses Road, Worli, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under AR-I|3976|84-85 on 15-9-84. Serial No.

> P. N. DUBEY
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I Bombay.

Date: 10-5-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3886|84-85.-Whereas, I, P. N. DUBEY,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, Saranagati CHSL situated at Sion (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 15-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesail exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri R. Subramanya Iyer.
- (Transferor)
- (2) Shri Surinderkumar Chunilal Kalra

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1, Saranagati Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 264, Sion East, Bombay-400 022.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under AR-I|3952|84-85 on 15-9-84. Serial No.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-5-1985

(1) Kum. Parvati A Awalramani & Smt. Gunwanti A Mirchandani.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The second state beginn anything by the first on a second

(2) Smt. Padmadevi Virumal Chhabria.

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-137EE 3864 84-85.—Whereas, I, P. M. DULLY,

butter the Commotent Authority under Section 269B of the Income-ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in field Act), have reason to believe that the immovable provery, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and having also.

Fl. . a 4, hist Seva Samiti Nagar situated at Kohmers

(and make fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under golden 30 E of the Incometax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bill'uy on 15-9 1934

for an appropriate consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid example the apparent consideration therefor by more than sifteen per cent of such apparent consideration and that the security seen not usen truly stated in the said instrument of ironsler with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any imakelys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I wereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 4 on the 4th floor of Building No. 1 in Seva Samiti Nagar, Sion-Koliwada, Bombay-400 37.

The statement has been registered by the Authority, Acquisit on Range-I, Bombay, under AR-I|3936|84-85 on 15-9-84. Competent Serial No.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay.

Date: 10-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-I

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR|I37EE|2885|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 34, New Silk House situated at Girgaum Road

Office No. 34, New Silk House situated at Girgaum Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Shyam Lilaram Nagarami.

(Transferor)

(2) Mr. Chimandas Pessumal Mahtani.

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 34,6th floor, New Silk House Commercial Premises Co-op. Spc. Ltd., 630, Girgaum Road, Bombay-400 002.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3747|84-85 on 17-9-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay.

Date: 10-5-1985

Seal

(1) Mrs. Jer Cawas Damania.

(Transferor)

(2) M|s. Kewalson Industrial Corporation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property,

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3814|84-85.—Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

nad bearing No. Unit No. 227, 2nd floor, wadala Udyog Bhavan Unit Holders

CSL situated a: Wadala (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 10-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as a aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 227, 2nd floor, wadala Udyog Bhavan Unit Holder Co-op. Society Ltd., 8, Naigaum X Road Wadala, Bombay-400 031.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I[3730]84-85 on 10-9-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay.

Date: 10-5-1985

(1) Ms. Ashar Developers.

(Transferor)

(2) Smr. Satpal Kaur H. Sehgal

whichever period expires later:

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3789|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 302, Ashar Villa situated at East Sion Rd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the and property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such market as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immunator property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thin notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given n that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 302 on 3rd floor, Asha Villa, 242 East Sion Road, Sion, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisit on Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|35-88|84-85 on 4-9-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 10-5-1985

#### FORM I.T.N.S.—

(1) Mrs. Kaushalyadevi Dhawan.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferor)

(2) Mr. D. R. Pingw.

(Transferee)

(3) M|s. Harbertsons Ltd.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4054|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Soid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 43. Gulisten Bldg, situated at Dahanukar Marg (and more fully described in the schedule annexed heroto), how been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable properly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 43, Gulistan bldg., 13 M.L. Dahanukar Marg. Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3819|84-85 on 28-9-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the said Act, I htreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I 37EE 2658 84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Flat No. 63, Prem Milan building situated at Napeansea

Road, Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 10-9-1984

at Bombay on 10-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Assoodomal Hassaram Shamdasani, (Transferor)

(2) Mr. Satish Mehra, Mr. Ravi Mehra & Mr. Shashipal Mehra, Mr. Pradeep Mehra.

(Transferee)

(3) Mr. Satish Mehra. (Person in occupation of the property)

(4) Ravi Mehra, Shashipal Mehra & Pradeep Mehra.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 dasy from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 69, 7th floor, Prem Milan Co-op. Housing Society Ltd., 87-B Napeansea Road, Bombay-400006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I|3564|84-85 on 10-9-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following reasons. namely:—
91—116GI[85]

Date: 10-5-1985

- (1) M/s. Amar Builders & Developments Pvt Ltd. (Transferor)
- (2) M/s. Jatin Paper Industries.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-1|37EE|3874|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No

Gala together with land, bearing C.S. No. 1390 and 1/1392 of Lower Parel Division, Senapati Bapat Marg, F.P. No. 488, 489 and 488A (pt.) of Mahim Dn. situated at Kumbharwada, Kasturchand Mill Compound, Dadar (W), Bombay-28

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Gala together with land bearing C.S. No. 1390 and 1/1392 of Lawer Parel Division, at Senapati Rapat Marg, F.P. No. 488, 489 and 488A( pt.) of Mahim Division, situated at Kumbharwada Kasturchand Mill Compound, Dadar (W), Bombay-28.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I. Bombay under Serial No. AR-I/3947/84-85 on 15-9-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I.
Bombay

Date: 10-5-1985

____

#### FORM ITNS-

(1) M/s. Ashar Developers.

(Transferor)

(2) Smt. Ramkaur Hirasingh Sehgal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3787|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0001- and bearing No. Flat No. 402, Ashar Villa situated at East Sion Road,

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subwittion (i) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 402 on 4th floor, Ashar Villa, East Sion Road, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I]3586|84-85 on 4-9-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Bombay

Date: 10-5-1985

(1) M/s. Ashar Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manmohansingh J. Sehgal.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-1|37EE|3786|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 301, Ashar Villa situated at Sion, Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 4-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 301 on 31d floor, Ashar Villa, 242, East Sion Road, Sion, Bombay-22,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-T Pombay under Scrial No. AR-I 3885'84-85 on 4-9-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 10 5 1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4029|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 51 and Carparking Space Rewa Apartments Bhulabhai Desai Road, Bombay

(and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:-

1. Shri Prabhakar Raoji Sunkersett,
 2. Smt. Sumati P. Sunkersett,

be made in writing to the undersigned :-

3. Smt. Nanda Anil Sundersett

4. Kumar Alman, son of late Anil P. Sunkersett & 5. Kumar Shunal, son of late Anil P. Sunkersett. (Transferor)

(2) Shree Ram Estate & Properties Pvt. Ltd. (Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service continuous on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 51 and Car Parking Space at Rewa Apartments, near Mahalaxmi Temple, Bombay-26 (Bhulabhai Desai Road) The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-1, Bombay under Serial No. AR-I|2992|84-85 on 24-9-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Mrs. Nirmala Gurubux Chablani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Voltas Limited.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3947|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 5, Hanuman Sharan CSL situated at Bomanji Peiot Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 5 on 1st floor, Hanuman Sharan Co-operative Society Ltd., Bomanji Petit Road, Bombay-26.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I]3971]84-85 on 15-9-84.

Now, therefore, in pursuance of Section 269L of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 10-5-1985

## (1) M/s. Buildarch.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Caesar Jacob Gundinho & Mrs. Jassie C. Gudinho.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3763|84-85,-Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
Flat No. 51, Gangamai Building situated at New Prabhadev

Road, Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Fat No. 51, 5th floor, Ganga Mai Building, Final Plot No. 927 of TPS IV, New Prabhadevi Road, Bombay-400025.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I|2886|84-85 on 10-9-84.

P. N. DUBFY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Bombay

Date: 10-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

en and an analysis of the state of the state

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, POMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-1'37EE'2393'84-85.-- Wherens, I.

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.09 FD5 - and bearing No.

Godown Mo. 9. Phorat Industrial Estate situated at Tokershi

J. Rao Searro, Pumbo

(and more fully de mibed in the Sche 'ule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 B of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 69 198

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I wishy initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Bhanumati Virji Shah.

(Transferor)

(1) Shri Shreyas J. Shah & Sachio J. Shah.

(Transferee)

(3) Transferee,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Godown No. 9. Bharat Industrial Estate, Tokershi Jivraj

Road, Sewree, Bombay-400015.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay under Serial No. AR-1/3561/84-85 on 6-9-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-5-1985

(1) M/s. Vardhan Builders.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Paravatiben K. Prajapati, Nitinkumar R. Prajapati, Shri Ramanlal K. Prajapati.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|2826|84-85.—Whereas, I. P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Shop No. 11, Mahavir Apartments situated at Tardeo Road Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

of the Competent Authority at Bombay on 3-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or eve of the transferor to pay tax under the mid Act respect of any income arising from the trus

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

## THE SCHEDULE

Shop No. 11, Ground floor, Mahabir Apartments, Tardeo Road, Bombay-400007.

The statement has been registered by the Competent

Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I|3506|84-85 on 3-9-84.

P. N. DUBEY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the full-awing CTSONS. RAMELY :---92-116GI|85

Date: 10-5-1985

(1) Dr. N. S. Parikh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jagannath Vishwanath Billa & Kamlabai Jagannath Billa.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY** 

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I]37EE|3489|84-85.--Whereas. I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing No. Flat No. 505, Veena Beena Apartments situated at Sewri

(W), Bombay

(w), Bolling (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 16-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 505, 5th floor, Building 'G', Veena Beena Apartments, Achaiya Dhonde Marg, Sewri (W). Bombay-400015.
The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay under Serial No. AR-I/3919/84-85 on 16-10-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Date: 10-5-1985

(1) M/s. Ashar Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hirasongh J. Sehgal.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3788|84-85.—Whereas, 1, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 401, Asha Villa situated at East Sion Rd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 401 on 4th floor, Ashar Villa, 242, East Sion Road, Sion, Bombay-400 022.

The statement has been registered by the Competent uthority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I 3587 84-85 on 4-9-84.

> P. N. DUBEY Competent Authoris Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 1 Seal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-1|37EE|3803|84-85.—Whereas, 1, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 9, Radha Kaan Bldg, situated at Sion (E).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

riow, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:

(1) Ms. Radha Builders.

(Transferor)

(2) Shri Mohitlumar B. Parekh and Shri Bhuralal H. Parekh.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 9, 4th floor, 'Radha Kann' Road No. 4, Sion East, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3713|84-85 on 10-9-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-5-1985

Seal

(1) Shri Haroon Rashid Ahmed Reshamwala

(Transferor)

(2) Shri Sayed Kamaluddin Z. Nagmia Smt. Shaheda K. Z. Nagamia.

(1ransferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3830|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs.

1,00,000|- and bearing

Flat No. 9, Baitul Aman C Bldg. situated at Nagpada Junction (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-9-1984.

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—
  - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 9, Baitul Aman 'C' Bldg. 2nd floor, 2nd Duncan Road, Nagpada Junction, Bombay-8.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3746|84-85 on 10-9-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date : 10-5-1985

## FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

(1) Shreyas Builders.

(Transferor)

(2) Mukesh Motichand Nagda,

may be made in writing to the undersigned :--

ever period expires later:

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3936/84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 2. Militia Apartment situated at Mazagaon. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Incomedax Act 1961 in the Office of

section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument than fifteen per cent of such apparent consideration and that of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11) purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :---

(a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 2, Militia Apartment, Mhatar Pakhadi Road, Mazagaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3966/84-85 on 15-9-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L. Bombay

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3937|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 17|B, Akash Ganga CHSL situated at Bhulabhai Desai Rd.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961. in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-9-1984.

for an apparant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (ā) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ramesh N. Hemnani.

(Transferor)

(2) Kishore Bhaidas Sanghvi and Hiralaxmi B. Sanghvi.

(Transferee)

(3) Transferees,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 17B, 17th floor, Akash Ganga Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3967|84-85 on 15-9-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Shah Nahar Developments.

(Transferor)

(2) Shri Shekar R. Desai.

(Transferee)

(3) Vendor.

(person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3948|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 507 on 5th floor, Shah & Nahar (Worli) Light Ind. Estate. situated at Dr E Moses Road, Worli.

(and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 15-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 507 on 5th floor, Shah & Nahar (Worli) Light Indl. Estate, Dr. E. Moses Road, Warli, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I]3972]84-85 on 15-9-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1

Date: 10-5-1985

(1) Mrs. Jaishree Wo Shri Suresh Gajria.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Narayanan Balsubramanian and Smt. Meenakshi Balsubramanian.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3953/84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 532, Building No. 5, Sewa Samiti Co-op. Hsg. Soc. Ltd., situated at Sion-Koliwada.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expianation:—The terms and expressions used heerin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid propertey by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Acte to the following persons, namely:-

93--116 GI 85

## THE SCHEDULE

Flat No. 532, Building No. 5 3rd floor, Sewa Samiti Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Sion-Koliwada, Bombay-400 037.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Seriai No. AR-I|3977|84-85 on 15-9-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Rombay

Date: 10-5-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## **ACQUISITION RANGE-I BOMBAY**

Bombay, the 14th May 1985

AR-I 37EE[3879]84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Lend bearing Old Survey No. 688, New Survey No. 3657 and C. S. No. 5|546 of Mazgaon Division with the houses, bldgs. residential houses and structures standing thereon at Mount Rount Rombay

Rount. Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 15-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Khatau Makanji Spg. & Wvg. Co. Ltd. (Transferor)

(2) Mulla SS Baldiwala, SK Taherbhai M Bootwala, SK Esmailbhai M Railwaywala and Quraysh S Saheb Safiyuddin, SK Saifuddin SK Taherbhai Khorakhiwala, SK Taherbhai S Djanerawala.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land bearing Old Survey No. 688 and New Survey No. 3657 and C.S. No. 5|46 of Mazgaon Division, situate at Mount Road, Bombay and residential houses and structures standing thereon.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, urder Serial No. AR-I/3951/84-85 on 15-9-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bembay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 🎐

Date: 14-5-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3982|84-85.-Whereas, 1, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Flat No. 54, Venus Co-op. Hsg. Soc. Ltd. situated at Worli. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 20-9-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

(1) Paliram Sarogi, Chhaganlal Agarwal.

(Transferor)

(2) Smt. Kishanpyari Wd o Gulabchand Maniar Rajendrakumar Gulabchand Maniar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in variting to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Flat No. 54, Building No. 45-D, 14th floor, Venus Co-op. Housing Soc. Ltd., South Worli Scarace, Worli, Bombay-

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4007|84-85 on 20-9-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-5-1985

CV CONTINUE TRANSPORT THERE STATES AND THE CONTINUE AND T

## FORM ITNS-

(1) Shah & Nahar Developments.

(Transferor)

(2) Malik & Co.

(Transferee)

(3) Builder.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37 LE|4031|84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 00,0001- and became No.

Un't No. 211 on second floor in Shah-Nahar (Warli)

Light Industrial Estate situated at Werli.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (ii) incitizating the requirement of oversion of the limbility of the immediate to pay tax under the said Act, in respect of any inscesse arising from the transfer; said for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 211 on Second floor in Shah-Nahar (Worli) Light Industrial Estate, Worli, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|4042|84-85 on 25-9-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-5-1985

Seal

(1) Smt. Savitribai H. Rajgor.

(Transferor)

(2) Smt. Lilavati A. Doshi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4032|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Office No. 210 at Gokul Building, Baroda Street, Bombay-400 009.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under 269 AB of the Incometax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 25-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduuction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 210 at Gokul Building. Baroda Street, Bombay-400 009.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1|4043|84-85 on 25-9-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 10-5-1985

Seal .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

#### FORM ITNS-

(1) Shri Bhagwan Hundraj Ratanpal

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bhadra Jyotindra Doshi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4043|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 1001, Boognari CHSL, situated at Duncan Causeway

Sion

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

in the office of the Registering Office

at Bombay on 25-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 1001 on 10th floor of Building A, Bhagnari Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Duncan Causeway, Sion, Bombay-400 002.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/4044/84-85 on 25-9-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-5-1985

(1) M|s. Nirmal Enterprises.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Zenith Metal Industries.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

AR-I 37EE 4077 84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.

1,00,000|- and bearing No.
Unit No. 6, Veena Killedar Service Indl. Estate off Clerk Rd.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

at Bombay on 25-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Unit No. 6, Veena Killedar Service Indl. Estate Pias street off Clerk Rr. Byculla(W) Bombay.

The statement has been registered by the Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1|3417|84-85 on 25-9-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 10-5-1985

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4083|84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000 and bearing
Flat No. C-4 Matru Ashish Bldg. situated at Napeansea Rd. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Incorne-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 29-9-1984

the Competent Authority, at Bombay on 29-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely '---

1) Mrs. Jayvantiben Bharatkumar Mehta

(Transferor)

(2) Rasiklal V. Parekh Pankaj R. Parekh, Pravina P. Parekh.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. C-4, 2nd floor on the C Wing of Matru Ashish, Napeansea Road. Bombay-36.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I|3846 84-85 on 29-9-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 10-5-1985

- (1) Gopal Kanhaiyalal Kedia.
- (Transferor)
- (2) Anoop Hakumatrai Marwaha

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3933|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the ammovable property, having a fair market value exceeding

Flat No. 27, 4th floor, A-Wing, Madhuban Apartments, 61 61, Off. Abdul Gasser Khan Rd., Worli, Bombay-18. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 15-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as tre defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 27, 4th floor, A-Wing, Madhuban Apartments, 61| 61, Off Abdule Gaffer Khan Rd., Worli, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I|3964|84-85 on 15-9-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 10-5-1985

Seal:

94---116 GI 85

(1) Mrs. Vimla Upendralal Ruwala

(Transferor)

(2) Arvindlal Bhaidas Ruvala HUF

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I 37EE 4053 84-85.—Whereas, I, P. N DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 21, Vachha Gandhi Road, Gamdevi, Bombay-7.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

at Bembay on 28-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (b) facilitating

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actashall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Shanti Niketan", Vaccha Gandhi Road, Gamdevi. Bombay-400 007.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3818|84-85 on 28-9-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I Bombay

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|2202|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000| and bearing

No. Room No. 2, Hafees Chambers situated at Carnac Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

Bombay and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

Bombay on 4-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the eapparent consideration therefor by more than consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respective of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. K. H. Shroff, S. H. Shroff, Mr. K. S. Shroff (Transferor)
- (2) Mr. M. K. Sarigat, A. M. Sarigat, Z. M. Sarigat (Transferee)
- (3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Room No. 2, Hafeez Chambers, 1st floor, Carnac Road Bombay-1.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3188|84-85 on 4-9-1984

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

(1) Jamila Abdul Sattar Pathan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Noorjahan Sayed Jehangir.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

BOMBAY
Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I]37EE|4085|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|-Flat No. 1, 4th Floor, Bldg No. 1|A Bustaan Apartment Bombay-8

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

at Bombay on 29-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has LAY been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

'Flat No. 1, 4th Floor, Bldg. No. 1|A-Wing, Bustaan Apartment Bombay-400 008.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3848 84-85 on 29-9-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4104|84-85.-Whereas, .I

P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. Flat No. 28, Jai Bharat Bldg. situated at Prabhadevi

Bomhay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of and the agreement is registered under section 269 AB of the

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 299-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Smt. M. B. Mirchandani & Shri H. B. Mirchandani (Transferor)

(2) Shri Kantilal Motichand Haria

(Transferee)

(3) Smt. Mohini B. Mirchandani

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Harish M. Mirchandani
(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 28, Jai Bharat Shanker Ganekar Marg, Prabhadevi Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3863|84-85 on 29-9-1984.

P. N. DUBEY Cimpetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

#### FORM 1.T.N.S. ----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I]37EE]3970[84-85, —Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable or

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 63, Sonarica Bldg. situated at Pedder Road Rombay-26,

(and more fully described in the Schedule annexed heretod), has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 20-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs Vina C Kelekar.

(Transferor)

(2) United Breweries Limited

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afore aid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FIXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 63, Sonarica Co-op. Housing Society, 33-A Peddar Road, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4002|84-85 on 20-9-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sausection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 10-5-1985

(1) Shri Prayagdham Trust.

(Transferor)

(2) Shri Harcharansingh Daulatsingh, Shri Uminder Singh S Harnam Singh, Shri Uttamsingh Heerasingh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY** 

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4099|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1361 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Flat No. 36, Venus Apartments situated at Naigum,

Dadar Bombay

has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 29-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 36, 4th floor, Venus Apartments, Naignum, Dadar, Bombay-400 014.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I 3585 84-85 on 29-9-84,

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

#### FORM I.T.N.S.---

(1) Kiranmala J. Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s Geetanjali Colour Mart.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor (Person in occupation of the fproperty)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3807|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Office No. 308, Nain Krupa Pre. CSL situated at Kazi Syed St. Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer and or

## (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Office No. 308, 3rd floor, Nain Krupa Premises Co-op. Society Ltd., 118/122 Kazi Syed Street, Bombay-400 003. The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3724|84-85 on 10-9-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 2( D of the said Act, to the following persons, namely:--

## FORM ITNS----

(1) Smt. Dhirajben Chunilal Shah.

(Transferor)

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4092|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

No. Flat No. 1, The New Nandanvan CHSL situated at Sion Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any numerys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

· Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Shri Pradeep H Shah & Smt, Patna P Shah

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives at that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, The New Nandanvan Co-op. Housing Soc. Ltd., Sion, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3853|84-85 on 29-9-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:—
95—116 GI 85

Date 10-5-1985

(1) Miss Saleha Mohamed and Miss Saraiya Mahamed (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Diamond Trust Investments Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACΓ, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGES BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I 37EE 2697 84-85. - Whereas, I. P. N DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaîter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 'and bearing No.
No. Flat No. 45 with Gatage No. 7 Sagar Dershan Bldg

situated at Bhulabhai Desai Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Rigistra for Act, 19th 16 1908) and the agreement is registered at the Art on 201AB of the Income-tax Act, 1951, in the other of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the .iability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 to tom the left at publication of this notice in the Official Galacte of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other persons interested in the said immoval's property with 45 days from the date of the public tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as a experiment in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Hat No. 15 and Gorage No. 7, Sagar Darshan building \$153 Bhul ibha Assa ko d. Bonhay-403 036.

The statement has been registered by the Competent Aumority, Acquisition Ronce-I Bombay, under Serial No. AR-1'3565 84-85 on 6-9-1984;

> P N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

and the second of the second second of the s

#### (1) Mrs. Ohanwauti K Khilnani

(Transferor)

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## TAX ACT, 1961 (43 OF 196!) (2) Mr. Kanaiyalal Tarachand Koradia Mrs Sarlaben Kanaiyalal Koradia

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3785|84-85.—Whereas, I, P. N DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

office No. 12A, Mahavir Darshan, 412, Narsni Natta street,

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) and the agreement is regioned under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 4-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said infrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- the facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Inst Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C or the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 12A, Mahavir Darshan 412 Narshi Natha Street, Bombay-400 009.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  $\triangle R-1/3584/84-85$  on  $4-9\cdot1984$ .

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I 37EE 4058 84-85.—Whereas, 1,

N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 20, 3rd Floor, Hargun House CHS Ltd., 148-A,

Dr. Annie Besant Road, Bombay-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 28-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Smt. Savitri N. Rohera, 2. Smt. Madhuri P. Rohera 3. Smt. Jyoti R. Rohera. 4. Smt. Lakshme K. Rohera.

(Transferor)

(2) Smt. Madhuri Kapoor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 20, 3rd Floor, Hargun House CHS Ltd., Opp. Budda Temple, 148-A, Dr. Annie-Besant Road, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I | 3821 | 84-85 on 28-9-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-5-1985

r<del>yt</del> a 11 .

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-!, **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3903|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Unit No. 220, A-Z (Indl) Premises CSL situated at G

Kadam Marg (and more july described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 15-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely: (1) Mrs. Chandra K. Mirchandani.

(Transferor)

(2) Alert Packaging House.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Unit No. 220 on 2nd floor at A to Z Indl. Premises Co-op.

Soc. Ltd., G Kadam Marg. Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3779|84-85 on 15-9-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-5-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-L BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I 37EE 4051 84-85.—Whereas, I,

N. DUBLY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000, and bearing

No. Flat No. 4. Kismet Bldg. situated at Colaba

has been transferred

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority Rombay on 28-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937).

- (1) Mr. Rusi C. Chowna.
- (Transferor) (2) Mr. Seena V. Anchan, Mrs. Vimla S. Anchan, Mr. Vishwanath S. Anchan.

(3) Transferor.

(Transferee)

(Person in occupation of the property) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- ** XPIANATION . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 4, 5th floor, Kismet Building, Sassoon Dock, Colaba, Bombay-5.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-I₁3816|84-85 on 28-9-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-5-1985

(1) Shri Khialdas C. Tolani.

(Transferor)

(2) Smt. Madhurika Murthy & Shri Nori Venkata S. Murthy.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I. **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4001|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. Flat No. 15, Model House CHSL situated at Sion East (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 25-9-1984

Bombay on 25-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) acilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

## (b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 3rd floor, Model House CHSL, Plot No. 158, Sion East, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4021|84-85 on 25-9-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 10-5-1985

(1) Mr. Gobind K. Daryanani.

(Transferor)

(2) Miss Shakuntala Jagtiani.

(3) Transferor.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3797|84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Flat No. 12, Colaba Court situated at Colaba (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 4-9-1934

for an apparent consideration which is less than the few market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as egreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd floor, 'Colaba Court' Plot No. 5, Colaba Road, Colaba, Bombay-400 005.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I 3593 84-85 on 4-9-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 10-5-1985

## FORM ITNS----

(1) Shri Vithalbhai B. Desai,

(3) Transferor.

(Transferor)

(2) Shri Rajnikant Babulal Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-i, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1935

Ref. No. AR-I|37EE|3961|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Office No. 417, Bombay Market APTS situated at Tardeo (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 20-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of -957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
96—116 GI|85

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b2) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 417, Bombay Market Apartments Co-op. Soc. Ltd., Tardeo, Bombay-34.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3997|84-85 on 20-9-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Mr. Amirali R Jaffer.

(2) Dr. Mrs. Tarulata R. Parikh.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(Transferce)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGL-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I 37EE 3914 84-85.—Whereas, I. P. N. DUBLY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Ind. Unit No. 8. Amir Indl. Estate situated at Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 15-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been transfer stated in the said instrument of wansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days froza the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable presently, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter.

## THE SCHEDULE

Indl. Unit No. 8 on ground floor of 'Amir Industrial Estate' Sun Mill Compound, Sun Mill Road, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent uthority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. Authority, Acquisition Ran AR-1/3784/84-85 on 15-9-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

Date: 10-5-1985

(1) Gokak Patel Volkart Ltd.

(Transferor)

(2) Forbes Forbes Camphe & Co. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I]37EE|3968|84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 15, Meherabad CHSL situated at Warden Road. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 15, 4th floor, Mehrabad Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 1|594, Warden Road, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4000|84-85 on 20-9-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, uneretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

Scal:

#### FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. Amirali R. Jaffer.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Premier Glass Traders

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-U37EE|3915|84-85.-Whereas, 1,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable of the competent with a greatest policy averaging Pe 1 00 000 (see Fig. 1). property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Unit No. 4, Amir Indl. Estate situated at Lower Parel. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under

section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-9-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by sections. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 4 on ground floor of 'AMIR INDUSTRIAL ESTATE' Sun Mill Compound, Sun Mill Road, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombav, under Serial No. AR-1/3785/84-85 on 15-9-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Mr. Amirali R. Jaffer.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Mrs. Tarulata R. Parikh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-137EE 3912 84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Indl. Unit No 9, Amir Indl. Fstate situated at I ower Parel. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 9. on gr. floor of Amir Industrial Estate' Sun Mill Compound, Sun Mill Road, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3780|84-85 on 15-9-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 10-5-1985 Seal.

sear

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bornbay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3971|84-85.-Whereas, I,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No 4, Guimanor Building situated at Colaba (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-9-1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Miss Naseem Ismail Semy.

(Transferor)

(2) Mr. Mahendra Kumar Dholakia.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, Gulmanor Building, 1st floor, Strand Road, Colaba, Bombay-5.

The statement has been registered by the Competen Authority. Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-J | 4003.84-85 on 20-9-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Mr. Amirali R. Jaffer.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Popular Glass Traders.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY** 

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-1]37EE|3913|84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Indl. Unit No. 3, Amir Indl. Fstate situated at Lower Parel (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 3, on ground floor of 'Amar Industrial Estate Sun Mill Compound. Sun Mill Road, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3781|84-85 on 15-9-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-902 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Date: 10-5-1985

The state of the

#### FORM ITNS

(1) Smt. Tarla Lalitkumar Mehta.

(Transferot)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mukesh Amritlal Shah and Mr. Sharmista Mukesh Shah,

(Trainsferee) -

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3152|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 401. Gold Coin I: Bldg. situated at Tardeo Road
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 6-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration threfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 401, Gold Coin B, Tardeo Road, Bombay-400034.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3576|84-85 on 6-9-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-5-1985

Sear

(1) Madhukar V. Dabke.

(Transferor)

(2) Amrute A. Rao.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3841|84-85.--Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 10, 3rd floor, Shree Maya Apts. Coop. Hsg. Sty. 5, College St., Off Ash Lane, Dadar situated at Bombay-28. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 10-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-97—116 GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable. property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 10, 3rd floor, Shree Maya Apts. Coop. Hsg. Sty. 5, College Street, Off Ash Lane, Dadar, Bombay-400 028.

The statement has been registered by the Competent Authority: Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3753|84-85 on 10-9-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Rajendra Hundraj Gaglani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Healthcare Communications India.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3829|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.

1,00.000 - and bearing No.

Office No. L.C. Sindhu House situated at Nanabhay Lane,

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 10-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. I-C, Sindhu House, 3rd floor, 3|5 Nanabhoy Lane, Bombay-1.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial AR-I|3745|84-85 on 10-9-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons samely:—

Date: 10-5-1985

#### FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4008|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Plot No. 131 Ghareghate Road situated at Dadar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 25-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the eaid instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

(1) Mr. G. G. Darsar.

(Transferor)

(2) Ms. Kirkire Associates.

(Transferee)

(3) Owner & his tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 131, Ghareghate Road, Hindu Colony, Dadar, Bombay-400 014.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4026|84-85 on 25-9-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Smt. Shantaben Khimji.

(Transferor)

(2) Shri Vithaldas Ravji Somaiya & Another.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37G|5118|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

Piece or parcel of land or ground of the Toka Tenure, bearing C. S. No. 7|172 (pt) of Parel Sewree Division situated at Bombav

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 and 1922 or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aqt, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 1817/81 and registered on 6/9/1984 with the Sub-registrar, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 10-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37-G|5119|84 85.-Whereas I, P. N. DUBEY,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
No. Piece or parcel of land or ground of the Toka Tenure

1. The passingers tenements and dwelling together with some of the nessuages tenements and dwelling houses standing therein bearing C. S. No. 9 172 of Parel Sewree Division,

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 6-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mulraj Khimji.

(2) Prakash Karsondas Thakkar, Prabhudas T THakkar, Smt. Veena P Thakkar, Trustees of Dipti Investments.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 1818 81 and registered on 6-9-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Shri Khimji Tikershi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Sanjay Builders.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I[37-G₁5120]84-85.—Whereas I. P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Piece or parcel of land or ground of the Toka Tenure

with some of the messuages tenements and dwelling houses standing thereon, bearing C. S. No. 10172 of Parel Sewari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 6-9-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immayable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 1829 81 and registered on 6-9-1934 with the Sub-registrar, Bombay.

> P. N. DUBFY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Ketan Khimji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1') OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Manish Enterprise.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37-G|5121|84-85.—Whereas I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Piece or parcel of land or ground of the Toka Tenure bearing C. S. No. 3|172(P) of Parel Sewari Division (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrating Officer at Bombay on 6-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 1821 81 and registered on 6-9-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I 37-G | 5122.84-85.—Whereas I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing
No. Land bearing Plot No. 8 of the Queens Road Estate,
C. S. No. 1793 of Fort Division
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 116 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Rombay on 1-9-1984 Mylapore Doc. No. 1219 84 on Sept. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Gool Jemi Jasawala & Jemi Nowroji Jasawala.

(Transferor)

(2) Shri M. L. Gupta.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

(s) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BUM. 518|82 and registered on 1-9-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pers 's namely :-

Date: 10-5-1985

(1) Kamlayanti Prabhudas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(!) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kishorabhai Venilal Gandhi, Mukes Kishorebhai Jariwala Sunil Kishorebhai Jariwala

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Tenants. (Parson in occupation of the property) to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37-G|5123|84-85.--Whereas I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Piece or parcel of leasehold land or ground together with the building standing thereon situate and being at Charni Road, bearing Street Nos. 165 & 167, 6B Cadastral Survey No. 1329 of Girgaum Division (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrating Officer at Rombay on 14,2,1984

Bombay on 11-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sparties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from date of the publications of this notice in Official Gazette. said the the

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM-390/83 and registered on 11-9-1984 with the Sub-Registrar, Bombay.

THE SCHEDULE

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—
98—116 GI|85

Date: 10-5-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-1/37-G15125/84-85,---Whereas I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000] and bearing

No. Property bearing C.S. No. 1243 of Fort Division situated

at Mint Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed heertod), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 13-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this actice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Mrs. Shalini Parasram. Mr. Chan Parasram.

(Transferor)

(2) Shri Mahendra Sunderial Sheth, Shri Shashikaat S. Sheth. Jvoti Kirit Shah

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 1684|83 and registered on 13-9-1984 with the Sub-registrar, Rombay.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Bombay

Date: 10-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I|37-G|5131|34-85.- Whereas I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. Land bearing C. S. No. 4 600 of Malabar & Cumballa Hill Division at Gowalia Tank Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registraton Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 25-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mrs. Z. H. Rahimtoola & S. H. Dossal, Trustees of Dawoodbhov F Muslim Educational Trust.

(Transferor)

(2) Alladin K Mavani & Fatmanai Alladin Mawani.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 1877 77 and registered on 25-9-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-5-1985

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Smc. Vasuadhara K Patwardhan, Kuar, Suranda K Patwardhan.

The second secon

(Transferor)

(2) V. Thirunanavukkarasu & Sou. T Shashtkala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferees,

(Person in occupation of the property)

(4) Transferees.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-I 37G: 3132 84-85.—Whereas, 1, P. N. DUBEY, heing the Con-

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-and bearing

No. Unit Apartment No. 801 at C.S. No. 1|655 (pt) of Malabat & Cumballa Hall Division

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 21-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the transferor(s) and the transferor(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hreein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 181/83 and registered on 21-9-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 10-5-1985

MONTH AND MARKET COMMENT COMMENT OF THE PROPERTY OF THE PROPER

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, EOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-1[37-G 5133[84-85.—Whereas I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Cadastral Survey No. 465 of Colaba Division, Street Nos. 23-25, 24-24A signated at Apollo Bunder and Stevens Road, Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Bibi Tejkaur Amanaah Singh, Manohar Singh Balwant Singh Dhody, Gurmeet Singh Manohar Singh Dhody. (Transferor)
- (2) Amina Mohamed Umer, Razia Mohamed Ashraf.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

(4) Bonsbay Port Trust.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 1510|84 and registered on 26-7-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-5-1985

#### FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Re., No. 14k 137-G[5134;84-85 -- Whereas, I. P. N. DOBEY,

being in: Competent Authority under Section 269B of the theome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing No.

Reversionary rights in Plot No. B at Shiveagar Estate, bearing C. S. No. 1812 of World Division and G ward No. (2 (5) Street No. 12A, D. Annte Besant Road, World, Bombay-18, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been (tansiered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) In the unifice of the Registrating Officer at Bombay of 27 0 1984 for an appearent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pairles has not been truly stated in the said insurument of transfer to the said insurument.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income trising from the transfer;

(b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following respons namely:--

(1) As per pare page No. 4.

As per pare page No. 4.

Nanc of the Transferor

1. Shi Vasantrao Dattaji Dhanwatay

2. San Vasantrao D Dianwatay (HUF)

3. Smt. Shakuntala V Dhanwatay

4. Smt. Lalitan ii V Dhanwatay

5. Shri Shivajirao Djanwatay (HUF)

6. Shri Enjaram V Dhanwatay

7. Smt. Nirmata Vijaysingh Khanwilkar

8. Smt. Pramibi Chandiashekar Tate

9. Smt. Vimla Dirin Sonayane

9. Smt Vimla Disip Sonavane

Smt. Kamla Davarava Nikam
 Smt. Sheela Kanti Singhi.

(Transferor)

(2) Jacab Husainbhus then Husamuddin & 16 others Trustee of His Holines Dr. Syedha Taher Sailfuddin Menoral Foundation & Public Charitable Trust (Transferee)

(3) Transferce and tenants Ms Sandoz (India) Ltd

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be under in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Greate or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. o. 1954₈84 and registered on 27-9-1984 with the Sub-No. 1954 84 registrar, Pombay.

> P N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Mr. J. J. Kakker.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Darshan Orthepeadic & Surgical Clinic. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 10th May 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III|37EE|13204|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. No. Flat No. 3. Milap Anattment
Near Milap Talkies, S.V. Rd,
Malad (W), Bombay-64
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

situated at Bombay for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:— EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Flat No. 3, Milap Apartment, Near Milap Talkies S., V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|13204|84 dated 1-9-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IT, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Scetion 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Dated: 10-5-1985

#### FORM TINS----

#### (1) Mhaire & Mhatre Development Corpn.

(Transfero.)

(2) Surendra Rao.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferors.

(Person in accumation of property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV. BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. ARIV|37EE|12405|84-85.-Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 cf. 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immov-(hereinafter referred

to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000], and bearing No. Flat No. 202, 2nd theor Assurption, 5 No. 291. H.7(Part), C.T.S. No. 146 (Part), Waman Bhoir Read, Kandarpada, Dahisai (Wat), Pembay-68 (and more fully described in the soluble annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Rombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration by such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the dat, of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever person express the
- (b) he are other person interested in the raid impro-tible property with the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Amrapuli, S. No. 291, H.7 (Part), C.T.S. No. 146 (Part), Waman Bhoir Road, Kandarpada, Dahisar (West) Bombay-68,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV 37EE 12405 84-85 on 1-9-84

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV Pombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

Dated: 9-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TARK ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

#### ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. ARIV|37EE|12403|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/and 'bearing

and bearing
Flat No. 301, 3rd floor, Amarpali,
S. No. 291, H. No. 7 (Part), C.T.S. No. 146, (Part),
Waman Bhoir Road, Kandarpada, Dahisar (West),
Bombay-68, situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at Bombay in Sentember 1984 Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay in September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NOW, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mhatre & Mhatre Development Corpn.

(Transferor)

(2) Hosabettu N.D.

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acuisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Amrapali, S. No. 291, H. 7(Part), C.T.S. No. 146 (Part), Waman Bhoir Road, Kandarpada, Dahisar (West), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|37EE|12403|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay -

Dated: 9-5-1985

Seal:

99---116 GI 85

(1) M/s Avichal Buliders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Atul Ratansey Bhatia & Anr

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 'INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV-BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. ARIV 37EE 12407 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs .1.00,000|c and bearing Flat No. 602, 6th floor, Girnar Bldg., Y.R. Tade Road, Dahisar (West), Bombay-68

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income lax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets' which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor, Girnar Bldg., Y. R. Tade Road, Dahisar (West), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|37EE|12407|84-85 on 1-9-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Dated: 9-5-1985

# PORM ITNS

(1) Western India Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohammed Hanifkhanisa Mahagiri Mohalla.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. ARIV|37EE|12215|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

Flat No. 6, 1st floor, 'E' Wing,
Gulistan Apartment, Plot bearing C.T.S. No. 1053 1 to 7,
S.V. Road, Dahisar (East), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ....

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor, 'E' Wing, Gulistan Apartment, S.V. Road, Plot bearing C.T.S. No. 1053 1 to 7, Dahisar (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 37EE 12215 84-85 on 1-9-84.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

A. PRASAD Competent Authority

Bombay

Acquisition Range-IV

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any incresse arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Dated: 10-5-1985

(1) Space Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Prakashchandra M. Jain & Ors.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. ARIV 37EE 12446 84-85.—Whereas; I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Shop No. 61-62|13, Anand Nagar

Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (East), Bombay-68 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 61-62 13, Anand Nagar, Chhatrpati Shivaji Road, Dahisar (East), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 37EE 12446 84-85 on 1-9-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 9-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. ARIV|37EE|12373|84-85.—Whereas, I,.
A. PRASAD.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that 'the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Shop No 3. Ground floor, Krishna Kripa Bldg. Plot bearing C.T.S. No. 966, L.T. Road, Dahisar (East), Bombay-68 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-9-1984 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ms. Excel Builders.
- (Transferor)
- (2) Mr. Devendra Gangji Gala.
- (Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor; Krishna Kripa Bldg., Plot bearing C.T.S. No. 966, L.T. Road, Dahisar (East), Bombay-68. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|37EE|12373|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 9-5-1985

#### PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (49 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. ARIV|37EE|12517|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing Shop No. 1, Ground floor,

"Giriraj" Harishankar Joshi Road, Dahisar (East), Bombay-68 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Rajan Ganpat Sonawane.

(Transferor)

(2) C. P. Shah.

(Transferee)

(3) C. P. Shah.

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground floor, "Girraj", Harishankar Joshi Road, Dahisar (East), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|37EE|12517|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I tereby initiate proceedings for the acquisition of the storegaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 9-5-1985

(1) Noormohmed Jiva Momin & Anr.

(Transferor)

(2) Shah Nawaz Abdulbha'i Rayani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMB-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. ARIV|37EE|12428|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
Shop No. 14, Devdhara Co-op. Housing Society Ltd., Laxmibai Lad Road, Dahisar (East), Bombay-68 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration beta-

and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expeires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No .14, Devdhara Co-op. Housing Society Ltd., Laxmi Lad Road, Dahiasr (East), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|37EE|12428|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 9-5-1985

(1) Mankoo Builders & Contractors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Savitabhen P. Mehta R. P. Mehta Pankaj P. Mehta D. P. Mehta.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. ARIV|37EE|11980|84-85.—Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 602, 6th Floor G,yan Darshan Bldg., CTS No. 328 Village Malad, S.V.P. Road, Kandivli (W), Bombay-67

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable proptrty, within 45 days from the date of the publication of this notice in tht Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor, Gyan Darshan plot bearing CTS No. 328 village Malad, S.V.P. Road, Kandivli (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|11980 on 1-9-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Dated: 2-5-1985

(1) Mr. M. K. Belani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shah & Sanghvi Engineers.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|11995|84-85.—Whereas, I, A.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 1.00.000L, and hearing

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000]- and bearing
No. Industrial Unit No. D|18, Bonaza Industrial Estate,
Ashok Chakravarthy Rd. Kandivli (E), Bombay-101
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

at Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

100—116GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Industrial Unit No. D-18, ground floor, Bonaza Industrial Estate, Ashok Chakravarthy oad, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|11995|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 6-5-1985

(1) Shri P. P. Gupta (HUF).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prabhudas K. Dattani Smt. Sudha P. Dattani

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay the 3rd May 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|12139|84-85.-Whereas, I, A.

PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believ that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,90,000; and bearing

Flat No. 302, 3rd floor, Wing No. A, Adinath Apartments, sub plot, Nos. 24 & 25 of Desai & Seth Nagar, Kundivii (W. Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, A-Wing, Adinath Apartments, sub plot No. 23, 24 and 25 of Desai & Seth Nagar, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|12139|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-5-1985

(1) Shri J. N. Soni.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Shiv Shakti Tea & Cold Drinks House.
(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

persons, whichever period expires later;

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable

Bombay, the 6th May 1985

property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARIV|37-EE|12|133|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

prasad, being the Competent Authority under Section 26yB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 10,000|- and bearing
No. Shop No. 29, Shreeji Darshan Bldg. Shantilal Mody Rd. Kandiyli (W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-9-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shop No. 29, Shreeji Darshan Bldg., Shantilal Mody Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Autthority, Bombay under No. ARIV 12133 84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 6-5-1985

and the state of t

(1) Mr. T. J. Chandnani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Motwani Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|12194|84-85.-Whereas, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred w so the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No.
Unit No. 14, D-Wing, Bonaza Industrial Estate, Ashok
Chakravarty Rd., Kandivli (E), Bombay-67
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto,

has been transferred

Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent 200-14

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the (flicial Gazette or a period of 70 Jays from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publiention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 195/8:

# THE SCHEDULE

Unit No. 14, D-Wing, Bonaza Industrial Estate, Ashok Chakravarthy Rd., Kandivli (E), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 12194 84-85 on 1-9-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the raid Act, to the following persons, namely .-

Date: 6-5-1985

(1) Ms. G. K. Development Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Amritlal Jamnadas Nathwani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACOUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|12372|84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as th 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 24, 2nd floor, G. K. Nagar, Bldg. No. 2, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and/or

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

apparent consideration which is less than an fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been only stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 24, 2nd floor, G. K. Nagar Bldg. No. 2, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Comretent Authority, Bombay vide serial No. ARIV 37-EE 12372 84-85 dt. 1-9-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 2-5-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

# TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR-IV 37EE 12239 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing Flat No. 14, 1st floor G. K. Nagar, Bldg. No. 3, C.T.

K. Nagar, Bldg. No. 3, C.T.S. No. 67 (pt), 68 (pt) & 92 (pt) at Shankar Lane, Kandivli

(W), Bombay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) Flat No. 38, 3rd floor, G. K. Nagar Bldg. No. 2, Shankar and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1927);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeseid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) M/s. G. K. Development Corporation
- (2) Mr. Jitendra Chagganlal Doshi & Mr. Bansi J. Doshi

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 14, Ist floor, G. K. Nagar Bldg. No. 3, plot C.T.S. No. 67 (pt), 68 (pt) & 92 (pt), Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12239|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 2-5-1985

# (1) Mis. G. K. Development Corporation.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Mr. Rajnikant A. Shah & Mrs. Neclam R. Shah

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|12238|84-85.—Whereas. I,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 38, 3rd floor, G. K. Nagar Bldg. No. 2, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of transfer with the object of .-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NOW, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeseid property by the ssue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offic al Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 38, 3rd floor, G. K. Nagar, Bldg. No. 2, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12238|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 2-5-1985

(1) Ms. G. K. Development Corporation. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. G. Mehta & Mrs. A. K. Mehta

(Transferor)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|12237|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing
Flat No. 39, 3rd floor, G. K. Nagar Bldg. No. 2, Shankar Lane, Kandivl! (W), Bombay-67.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 39, 3rd floor, G. K. Nagar Bldg. No. 2 at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|12237|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income day Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-5-1985

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) S. V. Shah and Sejal S. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST SIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|12509|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding able property, Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 14, 2nd floor, Bldg. No. 14 at Zalwad Jain Co-operative Housing Scty. Ltd., Ashok Chakravarty Rd., Kandivli (E), Bombay-101

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 194 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 14, 2nd floor, Bldg. No. 14, at Zalawad Jain Co.op. Hsg. Scty. Ld., Ashok Chakravarty Rd., Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12509|84-85 on 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

101-116GI 85

Date: 2-5-1985

# FORM ITNS

(1) Shri Gulab V. Bathia

(Transferor)

(2) Smt. K. M. Shah & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-IV 37EE 12196 84-85.— Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. A-62, Dattani Apartment, Parkh Nagar, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay (and morefully described in the scheduled annexed hereto)

has been transferred,

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons which a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Dattani Apartment, Flat No. A-62, Parekh Nagar, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|12196|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons nemely ;-

Date: 6-5-1985

mey

#### FORM NO. LT.N.S.-

(1) Smt. G. L. Whabi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AST 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. Rajappe

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> **ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY**

> Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|12400-G|84-85.-

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 et 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, ground floor, Hermes Apratment, plot No. VII, Mulji Nagar, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said treatment of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasoin of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the conceamlent of any income or any moneys or other assets which have not been ay which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

jactions, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immor-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. ,2 ground floor, Hermes Apartment, plot No. 7, Mulji Nagar, S.V. Road, Kandivli, Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV 12400-G 84-85 on 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 6-5-1985

(1) Mr. S. B. Bangera.

(Transferor)

(2) Mrs. Champayavati N. Kotian.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV. **BOMBAY**

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|12178|84-85.-

Whereas, I. A. PRASAD.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Kalani Road No. 3, Kandivli (W), Bombay-67 situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

Flat No. 13, B-Wing, Gundecha Co-operative Hsg. Socty Hemukalani Rd. No. 3, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV|12178|84-85 on 1-9-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persor s, namely :--

Dated: 6-5-1985

(1) Shri V. H. Thakkar

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chandrakant. B. Shah

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. ARIV|37EE|12492|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imnovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 621, 6th floor, Vrajesh Apartment, Bhadran Nagar, Kandivli (W), Bombay-64 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 621, 6th floor, Vrajesh Apartment, Bhadran Nagar, Kandivli (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|12492|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Dated: 6-5-1985

(1) M|s. S. Moonlal & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) O FTHE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dakwood

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|12260|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Industrial Unit No- C.-5, Ground floor, of Bonaza Industrial

Estate, Ashok Chakravarthy Rd. Kandivli (E), Bombay -101 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the link of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any imposes arising from the transfer; and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. C-5, Gr. floor, Bonaza Industrial

Estate, Ashok Chakravarthy Rd. Kandivli (E), Bombay 101.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|12260|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 6-5-1985

#### FORM I.T.N.S .--

- (1) Ms. Dattani Developments.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Urmila R. Gandhi & ors.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV

BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Pef. No. ARIV|37-EE|12408|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100 000 /s and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 41, Shreeji Palace, C. T. S. No. 99, S. V. Road,
Kandivli (W), Bombay-67 situated at Bomaby
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 41, Shreeji Palace, C. T. S. No. 99, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|12408|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Dated: 6-5-1985

(1) Ms. Rajlaxmi Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Tulsidas Jagjivan Khorasia

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|12488|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
Flat No. 23, 2nd floor Shivam Bldg, S. V. Road, Fatehbaug,
Kandivli (W), Bombay-67 situated at Bomay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast, in respect of any income arising from the transfer; and /or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957)! Flat No. 23, 2nd floor, Shivam Bldg, S. V. Road, Fatchbaug, Kandivli (W), Bombay-67. The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. ARIV 12488 84-85 on 1-9-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Dated: 3-5-1985

(1) M|s. Vardhman Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Varhaben Deepak Doshi & Mr. N. K. Doshi,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY** 

Bombay, the 3rd May 1985

Fer. No. ARIV|37EE-11989|84-85.-

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Flat No. 37, 3rd floor Vardhman Kutir V E- Wing Shankar

Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor te pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 37, 3rd floor Vardhman Kutir B-Wing Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 11989 84-85 on 1-9-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely:-102-116GI|85

Date: 3-5-1985

(1) Smt. Kamalaben Narandas Gandhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sandhya Rashmi Mehta

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR-IV|37-EE|12000|84-85.--

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 64, 6th floor, G. K. Nagar Bldg. No. 2, Shankar Lane Kandivli (W), Bombay-67 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair marfor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 64, 6th floor, G. K. Nagar Bldg. No. 2, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12000| on 1-9-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay.

Dated: 2-5-1985

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Ms. Bagwe Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Iyer Alamelu Sangameswaran.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV ROMBAY

> Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR-IV|37-EE|12080|84-85.-

Whereas, ), A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Flat No. 3, Bldg. No. 1, Rajesh Nagar, Near Saibaba Mandir, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

> (a) facilititatin gthe reduction or evasion o fthe liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

> (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Rajesh Nagar, Flat No. 3, Building No. 1, Near Saibaba Mandir, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12080 on 1-9-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay.

Dated: 2-5-1985

(1) M|s. Trilok Constructions Co.

(Transferor)

(2) Smt. Manjula J. Thakkar & Shri K. J. Thakkar

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR-IV|37-EE|12141|84-85.-

Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Hat No. 4, Satyam Bidg, S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (Wa. Bombay-67 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under section 259AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mamovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any (27 of 1957);

Flat No. 4, Satyam Bldg. S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12141 on 1-9-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay.

Now, therefore, in pursuance if Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269 D) of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 3-5-1985

(1) Ms. Vardhman Builders.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Manial Shah & Shri M. G. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|11988|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section

269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 54, 5th floor, Vardhman Kutir, Wing A at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67 situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of theh Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as green in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 54, 5th floor, Vardhman Kutir Wing A, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV 11988 on 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 2-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-IV|37-EE|12218|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1.00 000lg and bearing

able property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000]—and bearing
Flat No. 1507, Building No. 57|58, Yogi Nagar,
Eksar Road, Borivli Bombay-92 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of theh Income-tax Act, 1961 in the office
of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M|s. Vijay Nagar Corpn.
- (Transferor)
- (2) Mr. Pawankumar Agarwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1507, Building No. 57|58, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12218|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 9-5-1985

- (1) Ms. Gokul Construction Co.
- (Transferor)
- (2) Shri Vishwanath S. Shetty.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-IV|37-EE|11999|84-85.-Whereas, I. PRASAD,

A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 20, 1st floor, Building B, 'Panghayati Schame Porivil West Rombay-92 situated et

Panchavati Scheme, Borivli West, Bombay-92 situated at

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of theh Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such mansfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :----

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 20, 1st floor, Building B in Panchavati Scheme, situated at Borivli West, Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-IV|11999|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV

Date: 9-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-IV|37-EF|12400|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

Piece & Parcel of land bearing Survey No. 155 Hissa No. 8 (pt) and City Surey No. 1092,

Plot CTS No. 1283, 1091, Borivli, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of theh Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect to any tacome arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

(1) Mrs. Maria P. Christalina T. Mendonca

(Transferor)

(2) Correa Builders Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Piece or parcel of land at Village Eksar, S. No. 155 Hissa No. 8 (pt) City Survey No. 1092, Plot CTS No. 1283, 1091, Borivli West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-IV|12400|84-85 on 1-9-84,

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 9-5-1985

Scal:

#### FORM ITNS----

THE PROPERTY AND ADMINISTRATION OF THE PROPERTY OF THE PROPERT

(1) Gagangiri Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Phushan D. Raut.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-IV|37-EE|12164|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 108. Ist floor, C Bldg. Gagangiri Nagar, Eksar Road, Borivli West. Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Jacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresate property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

103—116GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imasevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 108, Ist floor, C Building, Gangangiri Nagar, Eksar Road, Borivli West, Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|12164|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 9-5-1985

(1) Mis. K. Thaker.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Neeta Construction Co.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV ROMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-IV|37-J-E|2229|84-85 —Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Plct No. 357 (Original Plot No. 248 & 269)

cransfer with the object of :--

TPS III, Borivli (West). Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of theh Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning mas given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 357, (Original Plot No. 248 & 269) TPS III

Borivli (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12229|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 9 5 1985

#### FORM IINS ---

(1) Ms. Gosalia Brothers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Aivindbhai, J. Sarvaiya & Shri Mahesh B. Lani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref No. AR-IV|37-F.E|12145|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Shop No. 4, Gr. floor, Ankur Building, Mandoeshwar Road, Borivli West, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of

  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 4, Gr. floor, Ankur Building, Mandpeshwar Road, Borivli West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-|IV|12145|84-85 on 1-9-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-5-1985 Seal:

#### FORM I.T.N.S.

(1) M|s. K. Patel & Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Manisha Kirti Shah.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-IV|37-EE|12360|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000, and bearing No.

Flat No. 411, Nand Dham A, 4th floor,

L.T. Road, Borivli West, Bombay

(and most fully described in the Schedule appeared hearts)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of theh income-tax Act. 1961 of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that 'he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Flat No. 411. Nand Dham A 4th floor, L.T. Road, Borivali (W) Bombay-92

The agreement has beer registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 12360 84-85 on 1-9-84.

> A. PRASAD Acquisition Range-II. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 9.5.1985

(1) Mrs. Milagrina Irana Almeida Fernandes Mrs. Juliete Agnes Gregorina A D'Costa. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Samrat Builders.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-IV[37-EE]12227|84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000]—and bearing No. Agricultural land bearing Part of Survey Nos. 110 & 112, situated at Fksat Village, Taluka Borivli, Bombay (and more fully described in the Schedule anneal hereto) has been transferred and the agreement is registered under

Agricultural land bearing No.

Agricultural land bearing Part of Survey Nos. 110 & 112, situated at Fksai Village, Taluka Borivli, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of theh Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land bearing part of Survey Nos. 110 & 112, situated at Eksar Village, Taluka Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12227|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-5-1985

(1) Kishore J. Gujar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vishawas Construction Co.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX.

> ACQUISITION RANGE-IV BOMPAY

> Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-IV|37-EE|12079|84-85.—Whereas, I.

A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act) have reason to believe

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000], and bearing Iso. Pice or parcel of land shuated at Village Eksar, Borivli West, Bombay, bearing Survey No. 100, Flissa No. 7, CTS No. 1497 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the afternent is registered under section 269AB of theh Income as Act, 1901 in the office of the Competent Authority at Benta, on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to any maximum for rand act, the respect of any income arising from the transfer; and /or

Piece or parcel of land situated at Village Eksar. Borivali West, Bombay, bearing Survey No. 100, Hissa No. 7, CTS No. 1497.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12079|84-85 on 1-9-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian income-tax. Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 9-5-1985

(1) Mrs. Leon'ld Sequeria

(Transferor)

(2) M/s Correa Developments

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV **BOMBAY** 

Bombay, the 9th May 1985

Ref: ARIV|37-EE|12549|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

No. Plot No. 3, CTS No. 1132 Survey, 107 (A). Hissa No. 4(pt) of Village Eksar, Borivli, Bombay, (and more fully described in the schedule amnexed hereto), has been transferred and the agreemenet is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(3) Transferees (person in occupation of property)

(4) K. K. Sinha & Co. (person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned-

(?) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 3, CTS No. 1132, Survey No. 107(A), Hissa No. 4 of village Eksar, Borivali, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 12549 84-85, on 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely: persons, namely :-

Dated: 9-5-1985

(person in occupation of property)

FORM ITNS-

(1) M|s Mohan Construction

(Transferor)

JOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr P Kumar

(3) Vendors

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

> Bombay, the 9th May 1985

Ref: ARIV|37-EE|12307|84-85.—Whereas, I, A, PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101, B Building, Alak Nanda, Village Eksar L.T. Road, Borivli, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 101, B Building, Alak Nanda, Village Eksar, L.T. Road Borivli Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|12307]84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Rombay

Dated: 9-5-1985

(1) Mis Correa Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref: No. ARIV|37-FE|12158|84-85.—Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Shop No. 7, Gr. floor, 'EL PLAZA' CTS No. 1986, Survey No. 155 I.C. Colony, Borivli(W) Bombay-400 103 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(2) Mr. Shankar I Moolya.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 7 Gr. floor, 'FL PLAZA' CTS No. 1086, Survey No. 155, I.C. Colony, Bor'vli(W) Bombay-400 1031.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 12158 84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Thome-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
104—116GI|85

Dated: 9-5-1985

FORM ITNS----

(I) M's Parani Anand Biolders Pvt Ltd

(Transferor)

---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mangliat Shankee Narayan Nan (M. S. Naii) . Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE AV LOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref: ARIV 37-FE|12513|84-85. - Whereas, I. A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reusen to believe that the immovable property, having a fair mark, t value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. 23, 3rd floor in Builling No. A-13, Ra tan Nagar. Borivil Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and, or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sail Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :- -

- (a) by any of the atoresaid person within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Grade on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explices latert
- (b) by any other person interested in the aid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 23, 3rd floor, In Building No. A-13, Rattan Nagar, S.V. Road, Borivali East, Bombay-64,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. NRP 12523-84-85 on 1-9-84,

A PRASAD Competent Authority I so office A a count objection of Income-tax Acquisit on Range-IV Fombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Dated - 9-5-1985 Scal

(1) Mis. Correa Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Eombay, the 9th May 1985

Ref. AR-IV 37-FE/12036 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Connetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00 000 - act bearing

Rs 1,00 000 - and bearing Shop No. 6, Or floor, 'EL PLAZA' I.C. Colony, Borivli West Bombay-400 103 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the second tax Act, 1961 in the office of the Commercial Authority at

Bombay on 1 9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesail property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-wild exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons manually:

(Transferee)

(2) Mrs. Norma Assumpta Fernansez & Mr. Baldwin

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Shop No 6, Gr. floor, 'El PLAZA' C.T.S. No. 1086, Survey No. 155, I.C. Colony Borivit (W) Bombay-400 103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12036|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisit'on Range-IV
Bombav

Dated: 9-5-1985

Seal

#### FORM LT.N.S.-

(1) Mis Correa Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Fulchand I. Shah

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

> Bombay, the 9th May 1985

Ref. No AR-IV 37-EE 12035 84-85,---Whereas, I. A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000; and bearing Shop No. 11. Gr. floor, 'El FLAZA' CTS No. 1086 Survey No. 155, I.C. Colony. Borivali West, Bombay-400 103 situated at Bombay

cand more July described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have season to pelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 Al of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 dogs from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and exp. essions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 11, Gr. floor EL PLAZA, CTS No. 1086, Survey No. 155, LC Colony, Borivli (W) Bombay-400 103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/12035/84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, it pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 9-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Eombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-IV|37-FE|12077|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 10.2nd floor. Bu'lding No. C-24, Gay Life Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Jeevan Bima Nagar, Berivli(W) Bombay-400 103 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the core alment of any income or any moneys or other assets which have not ocen or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kanyalmelunamane Narayana Bhat (Transferor)
- (2) Shri Himanshu Kumar Onkardas Shah. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period cf 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined iv Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Elat No. 10. 2nd uoor Building No. C-24, Gay Life Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Jewan Bima Magar, Borivli(W) Bombay-400 013.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12088|84-85 dt. 1-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Rombay

Date: 9-5-1985

A CANADA TAMENTAL PARTITION OF THE PARTI Diring TIMS ....

H. Mercarette cake

(Transferor)

12 Charles Samuell

(Transfere.)

# MATICE UNDER RECTION 269Det. OF THE INCOME "AX ACT, 1961 (4) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OPERCE OF THE E-SPECTING ASSISTANT COMMIS-ACQUISTION ANGLED BOMBAY

30,959 ... 4 ... 185

her. An " 30 1. 14.84-87 - Phinocos. 1.

A. PR 15 VD.

penne he har den ha hay men. Section 269AB of the autom, the Are 1961 of the 1981 of Section New referred to to be seen the same property by the automatic property by the aut property, having a four marke value exceeding Rs. a 60,0001-

one by No. 7 Car fill of the reserved from Plot No. VII. Mosley regar S. C. Roman Boldin. Sombor 92 situated at Bender

rand the four alsonax and the billion around brown has been been as the four terms of governor to the governor to the four members of the Control of Actions of the Control of the Control of Actions of the Control of the

for an appropriate consideration which a less than the fair margin villa on the same of property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesail to and the consideration therefor by racke then lifteen per law of such appears consideration and that the considerables for the transfer as agreed to between a paint of the sold instrument of their fermion the object in

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the commercial to pure car under the said Act, in in rest of any recent alls ug to in the transfer: and /or
- The streeting the control that a say is that to ally a control to ally a control to all the same beautiful to a same about the same beautiful to a same about the same and the same all the same and the programmes of the 1" time I connected Act, 1922 (11 of 17711 of the said Act, or the Wealth-max Act 1957 (27 of 1957);

Now, there is, so must be an section 2690 of the said set. In the fourth principle of the actualities of the aforealth or acts to the second the actual ender Subsection (1) and (1) acts the offening persons, namely the second content of the s

Objections, if any to the auquestion of the said property may be made a writing to the undersigned .--

- (1) is one of the more ord persons within a period of 18 th the state of publication of this and the second of 10 days roughly which to control the respective persons. whichm, mand expite later;
- the by an algebra ward to in the said immovable property what 25 hay, come the date of the publication of this stone in the Official Gazette.

Exercise 11 and the sound herein as the series ANA of the said the

of that Chapter

P. H. St. H. W. L.

Fig. 1. The second of the seco

A PRASAD Competent Authority since of Income-tax. A quisition Range-IV anspection in Bombay.

124 051/ Seal:

FORM IN N.S. . . . . --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 4961 +43 OF 19613

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF PACOMOTAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

> Bombay, the 9th May 1985

Ref: ARIV[37-EE]12312/84-85.--Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinanter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/and bearing

No. Flat No. 011, 1st Boor, Ebusher Ameriments, Final Plot No. 631-B of TPG to BI, Stimedt Poud, Borivli (W)

Bombay-92

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the bacome-tax Art 1961 in the office of the Competent Authority of

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which it less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the state has not been such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ....

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concentment of any moome or any moneys or other essets which have not been or the which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said vet, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid resolvent of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :--

(1) Phushan construction Co.

(Transferor)

- (2) Mr. Bhalehandia Anant Ken & Mrs. Shaila B
- (3) Translator

(Transferee)

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 011, Lit floor, Bhashen Abartaents Final Plot No. 631-B on Borivi T.P.S. No. 111, Shimpoli Road Borivli(W) Bembay-92

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV 12312 81-85 on 1-9-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Pange-IV Bombay

Date: 9-5-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, Dc. (43 OF 1961)

(1) M's Parem Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Zarme Parveen Mohammed Shamim

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGU-IV BOMBAY

Bombay, the 5an May 1985

Ref: No. ARIV: 7-1-E-12503(84-85 -- Whereas, I. A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Sain Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000]and bearing

No. Flat No. 31, 2nd floor in Building 8-9-10. Rattan Nagar

Scheme, Bornvii (Fast) Bombay-66. Situated at Bombay (and more fully described in the schedule

annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tox Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such hansfor is agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of treasfor with object of the said instrument of

treasfer with object of '

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the sold Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 31 on 2nd floor in Building 8-9-10 in Ratta... Nagar' S heme, Forteli(Fast) Becabay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No ARIV-12503/81-85 on 1-9-84.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax
Acad sit on Range-IV Bombas

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intime proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely --

Date + 9-5-1985 Seal:

#### FORM ITNS----

(1) M/s. Vijay Nagar Corporation.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Dwarkadas J. Ved & Mrs. Jyotsna D Ved. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR.IV|37EE|12380|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Flat No. 8/103 1st floor, Bldg. No. E-20, Yogi Nagar, Eksa Road Borivali Rombay-92

Eksa Road, Borivali, Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferrtd and the agreement is registered under Stction 269AB of the ncome-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in variting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. B/102, 1st floor, Plot No. 20, Hissa No. 3, 7, 8 & 11, Survey No. 7, Bldg. No. E-20, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivali, Bombay-92.

The agreement has betn registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12380|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

105-116GI/85

Date: 9-5-1985

(1) Ms. Mohan Construction.

(Transferor)

(2) Smt. Sharda M Raut

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Vendors

(person in occupation of property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|12413|84-85.—Whereas, I,

A, PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

No. Flat No. A 101, Alak Nanda, CTS No. 48 & 49 at village Eksar, Off. L.T. Road, Borivali West, Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent

Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

  andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. A-101, Alak Nanda, CTS No. 48 & 49 at Village Eksar, Off L.T. Road, Borivali(W) Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|12413|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Dated: 9-5-1985

- (1) M|s. Param Anand Builders Pvt. Ltd.
- (2) Mr. A. F. Pinto.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|12200,84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Flat No. 15, Gr. floor in Bldg. No. A-13, Rattan Nagar Sch-

eme Borivali East, Bombay-66.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 15 on the Gr. floor in Building No. A-13 in the 'RATTAN NAGAR' Scheme at Borivali East, Bombay-66.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV, 2200, 84-85 on 1-9-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 9-5-1985

- (1) M/s. Param Anand Builders Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Sailkumari N. Singh.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-1V|37EE|12522'84-85 -- Whereas,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000 and bearing No.

Shop No. 2 on gr. floor in Bldg. No. B-2, Rattan Nagar, Near Premji Nagai & Daulat Nagar, S. V. Road, Borivali (E),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less can the fair market value of the aforesaid property and I have reason to aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more believe that the fair market value of the property as the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument than fifteen per cent of such apparent consideration and that of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in Shop No. 2 on gr. floor in Building No. B-2, Rattan Nagar, respect of any income arising from the transfer; Near Premji Nagar & Daulat Nagar, S. V. Road, Borivali (E), Bombay-66.
  - The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV 12522 84-85, 1-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

and for.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-5-1985

(Transferee)

# FORM ITNS

(1) Mls. Param Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) A. K. Pinto.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY** 

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. ARIV|37EE|12201|84-85.—Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 14, Gr. floor, Building No. A-13, Borivli (E) Bombay-66. Rattan Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bilieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparenet consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 14, Ground floor in Building No. A-13 in Rattan Nagar at Borivli East, Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|12201|84-85 on 1-9-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-5-1985

(1) Maheshkumar M. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Mahavir Minerals Trading Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, **ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY** 

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. ARIV 12212 84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority

under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmoveable property having a fair market

Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Shop No. 29, Ground floor, Samruddhi Shopping Centre
M.G. Road, Kandivli (W), Bombay-67
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gassets.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 29, ground floor, Samruddhi Shopping Centre, M. G. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|12212|84-85 on 9-84.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 3-5-1985

p many v had a secretarion of

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. ARIV|37EE|12546|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Office No. A-214, Super Shopping Complex, Bajaj Cross Road Kandivli (W), Bombay-67. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984.

at Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exseeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the property as a several to the sev the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ms Manay Builders (India).

(Transferor)

(2) Mrs. Mamta V. Vyas and Mr. Alkesh N. Vyas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforegaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. A-214, 2nd floor, Super Shopping Complex, Bajaj Cross Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12546|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 8-5-1985

(1) Ms. Manay Builders (India).

(Transferor)

(2) Mr. Alkesh N. Vyas and Mrs. Mamta A. Vyas.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY** 

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|12545|84-85.-Whereas, I,

A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Office No. A-213, 2nd floor, Super Shopping Complex, Bajaj Cross Road, Kandivli (W), Bombay-67. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair make value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tran
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. A-213, 2nd floor, Super Shopping Complex, Bajaj Cross Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12545|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manuely:-

Date: 8-5-1985

FORM ITNS ___

(1) Shri Premnath Amartnath Puri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. S. R. Vyas and Shri Rajul N. Vyas.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME.TAX ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY** 

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|12000-F|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000[- and bearing Office No. A-211, second floor, Super Shopping Complex Dr. Dalvi Road, Kandivli (W), Bombay-67. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the correspond to rejectived under

has been transferred and the agreement is reigstered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. A-211, 2nd floor, Super Shopping Complex, Dr. Dalvi Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12000F|84-85 on 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:--106-116 GI]85

Date: 8-5-1985

(1) Shri Premnath Amartnath Puri.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Rajul N. Vyas and Smt. S. R. Vvas.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. AR-IV₁37EE|12367₁84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Office No. A-212, second floor, Super Shopping Complex Dr.

Dalvi Road, Kandivli (W), Bombay-67. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is reigstered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984.

at Bombay on 1-9-1964. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than rifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not betn truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or.

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Office No. A-211, 2nd floor, Super Shopping Complex, Dr Dalvi Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV]12367[84-85 on 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 8-5-1985

(1) Badamibai P. Jain, Shri Ambalal P. Jain.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY** 

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-IV|37G|77|84-85,-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing Survey No. 78|4P, C.T.S. No. 1200 (1 to 14) Dahisar (E). Bombay-68 situated at Dahisar

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Bombay on 14-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Abdul Kadar S. Dawood, Shri P. K. Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter,

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered No. S-1741|83 and registered with the sub-registrar, Bombay, on 14-9-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under mbaforesaid property by the issue of this notice under subing persons, namely:-

Date: 8-5-1985

(1) Rajendra Ambalal Jhaveri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Lilavati K. Bhivandkar.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV

BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-IV[37G]70[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Piece of land bearing survey No. 13, Hissa No. 1 (pt) C.T.S. No. 341-C. Village Eksar, Borivli (W) situated at Borivli (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

of the Registering Officer at Bombay on 27-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered No. S-2139/79 and registered with the sub-registrar, Bombay on 27-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-5-1985

(1) Shri Damodar Govind Mirajkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dinanath M. Dabhade.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1V BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR-IV|37G|69|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 /(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and searing Rs. 1,00,000| and searing Rs. 1,00,000|.

Building on plot No. 157 in Shri Krishna C.H.S. Ltd. Borivli (E), C.T.S. No. 2106, Bombay-66 situated at Borivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is reigstered under the Registering Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 25-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered No. S-2815|84 and registered with the sub-registrar, Bombay on 25-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-5-1985

(1) Ms. S. R. Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri J. M. Patwa & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY** 

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|12518|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-269AB of

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Block No. 413-C, 4th floor, Bldg. No. B. Sai Darshan, Opp. Mulji Nagar, S. V. Road, Borivli (W), Bombay,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is reigstered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-9-1984.

at Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Block No. 413. C-B Bldg. 4th floor, Sai Darshan, opp. Mulji Nagat, S. V. Rod, Botivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV 12518 84-85 on 1-9-84.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 9-5-1985

(1) Shri Indrajeet Devchand.

(Transferor)

(2) Smt. Kantaben Kalyanji Satra.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|12093|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat No. 211-D, Rajesh Borivli Co. op. Hsg. Scty. Ltd. Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is reigstered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 211-D Rajesh Borivli Co-op, Hsg. Scty. D-Wing, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12093|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 9-5-1985

## FORM ITNS...

(1) Smt. J. V. Ved and Smt. P. N. Sampat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Milan B. Dodhiwala, Shti Bhaichand G. Dodhiwala.

(Transferee)

)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|12322|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|- and bearing No. 301, Ganpati Apartments, Ganpati Baug C.H.S. Ltd., Bldg. No. 1. B-Wing. L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is reigstered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givet in that Chapter.

# THE SCHEDULE

301. Ganapati Apartments, (Ganpati Baug S. H. S. Ltd), Bldg. No. 1, B-Wing, L. T. Road. Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12322|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Comissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-5-1985

(1) U. K. Badlani.

(Transferon)

(2) Prakash Bashomal Mutreja.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-IV ROMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|12189|84-85.-Whereas, L A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. B-401 Patel Shopping Centre premises Co-op. Scty., Ltd., Borivli (W), Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is reigstered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the follows: persons, namely:-

107-116 GI:85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. B-401, Patel Shopping Centre Premises Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|37EE|12189|84-85 on 1-9-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 9-5-1985

(1) Ms. Brij Builders.

(Transferor)

(2) Mr. H. C. Sheth.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|12127|84-85.-Whereas, I,

Rel. No. AR-IV|37EE|12127|64-63.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Flat No. 401, C-Wing Devendra Apartment, Rokadia Lane,
Borivli (W), Bombay-92.
(and more fully described in the Schedule, approved hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is reigstered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 401, C-Wing, Devendra Apartment, Rokadia Lane, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12127|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8-5-1985

Scal:

- (1) Mr. M. John Hyginus D'soza.
- (Transferor)
- (2) Smt. Shantidevi Shrinarayan Gindoria.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 9th 9th May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|12511|84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 1, Radhakishan Gokuldham Co-op. Hsg. Scty. Ltd.,

S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

# THE SCHEDULE

Flat No. 1, Radhakishan Gokuldham Co-op. Hsg. Society Ltd. S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12511|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-5-1985

#### FORM ITNS ....

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|12265|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Flat No. 401, 4th floor, Bldg. No. 9, Prem Nagar, TPS I Borivli (W), S.V. Patel Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the ssue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Smt. Indunmati Rasiklal Shah & Shri N. R. Shah.

(Transferor)

(2) Shri Arvind K. Desai & Smt. K. A. Desai. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Fiat No. 401, 4th floor, Bldg. No. 9, Prem Nagar TPS I Borivli (W), S. V. Patel Rd, Borivli (W), Bomby-92.

The agreement has been registered by the Comp Authority, Bombay under No. AR-IV[12265]84-85 Competent 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 9-5-1985

Scal:

# (1) Kamla Developments

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Shri Girish Kumar M. Shah & Ors.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|12539|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Flat No. 602, Ramdeo, Park, Chandavarkar Lane Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent

Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between partis has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduuction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. 602, Ramdeo Park, Chandavarkar Lane, Borivli

THE SCHEDULE

(W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 12539 84-85 on 1-9-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-5-1985

Scal:

(1) Shri Valiabhdas Jamnadas Kapadia & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. F. Parikh Smt. D. R. Parikh.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|12329|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD.

bing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,009/and bearing

Flat No. 301, Nand-Dham B 3rd floor, L.T. Road, Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

ot Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfe and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-text Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 301, Nand Dham B-3rd floor, L.T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Compe Authority, Bombay under No. AR-IV|12329|84-85 Competent 1-9-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 9-5-1985

(1) Smt. Vandana A. Chauhan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harish Amratlal Shah & Ors.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|12331|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Nimesh Khunj Co-operative Hsg

Scty. Ltd. Nimesh Apartment flat No. 8, G-Wing 2nd floor, S. V. P. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent

Authority at Bombay on 1-9-1984

at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Nimesh Kunj Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Nimesh Apartment, and floor, S.V.P. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12331|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 9-5-1985

Soal :

(1) C. P. Sarashetti FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) A Shankar Narayan

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|12001|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 2, Bidg. No. A-2-2, AFCO No. 2, Staff Co-op. Hsg. Sety. Ltd. Jeevan Bima Nagar, Borivli (W), Bombay-103 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULB

Flat No. 2, Bldg. No. A-2|2, AFCO No. 2 Staff Co.op. Hsg. Society Ltd. Jeevan Bima Nagar, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12001|84-85 on 1-9-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8-5-1985

#### FORM ITNS----

(1) Shri Dharamshi Meghji Parmar

(Transferor)

(2) Smt. Gangaben Gokaldas Thakkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|12078|84-85.—Whereas, I, PRASAD,

PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1.00,000|- and bearing No. Flat No. 402, 4th floor A-Rathadcep.

Carter Road No. 1, Borivli (E), Bombay-66 situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent

Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of my income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, A-Ratandeep, Carter Road No. 1. Borivli (E), Bombay-66. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-JV 12078 84-85 on 1-9-84.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Rembay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

108-116 GI 85

Date: 8-5-1985

### TORM I.T.N.S.-

(1). Brij Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dhiren Pannalal Mehta

(Transferce)

# **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY,

Bomb.y. the 8th May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|12479|84-85.—Whereas, I, A.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

and bearing and Apartments. Wing-C. Flat No. 40R, Rokadia Lane, Off Mandpeshwar Rd, Borvili (W), Bombay-91 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

Authority

at Rombay on 1.9.1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used thereing as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given uin that Chapter.

# THE SCHEDULE

Devendra Apartments, Wing-C F'at No. 40-A, Rokadra Lunc, Off Mandpeshwar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-IV 2479 84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Punge-IV, Bombay

Date: 8-5-1985

# (1) Patel Patel & Co.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

aBombay, the 8th May 1985

Ref. 1Nd, OAR-IV 37 DE 12024 84-85.--- Whereas, I, A.

PRASADgirogeon will are being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

No. Hat No. 6, A-Wing, Arun Apartment, behind Himat Nagar, Mandpeshwar Industrial Estate Mandpeshwar Rd, Borivli (W), Bombay, 92 situated at Bombay, (and more fully, described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent

Authority

at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have rason to believe that the fair market walke of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Jayant Indravadan Mody & Ors.
HI TO GEORGE MORTOUS SHOWN HOR WARRINGTON HORSTON AND A CONTROL OF THE PROPERTY OF THE PROPE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made Anti-Writing to the underlighed:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION :- The terms and expressions, used (cherein ... are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as a an in that Chapter .

THE SCHEDULE

Flat No. 6, Wing A, Arun Apartment, Behind Himat Nagar Mandpeshwar Industrial Estate, Mandpeshwar Road, Porivli (W) Bombty-92.

> A. PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-5-1985

# FORM ITNS

(1) Smt. Pushpaben Arvindbhai Shah

(Transferer)

1

(2) Mr. Nitin Ratilal Dhakan

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACOUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-IV 37FE 12513 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Ast, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000-] and bearing No. Shop No. 12. ground floor, Harismruti Co.op Hsg. Scty. S.V.P. Road, Borivli (W), Bombay-92, situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this rocice in the Official Gazette or a period of 30 days trom the service of notice on the respective persons.

  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable resports, widen 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HXPLAMALLS: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shop No. 12, ground floo Horsemruti Co.op Hsg. Sety. S.V.P. Road, Borivii (W). or a pag-92.

The agreement has been a tered by the Competent Authority, Bombay under No .R-IV/12513[84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD Competent Authority ! , ecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

1381 Seal.

FORM ITNS-(1) Mr. A. G. Kataria

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1951 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. B. Dawda & Mr. D. B. Dawda (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of GOVERNMENT OF INDIA 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX, ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|124000|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat No. 303. 31d floor, Bldg. No. 13, Pre-Magar, S.V.P. Road, Borivli (W), Bombay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is reistered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor, Bldg. No. 13, Prem Nagar S.V. Patel Rd, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR-IV 124000 84-85 on 1-9-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 9-5-1985

(1) Ms. Preeti Paterprises.

(Transferor)

(2) Meena M. Joshi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE | 12338|84-85.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000]- and bearing No. Hareshwar Apartment, Flat No. 202, 2nd floor. Bldg. 'A' Eksar Rd., Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay

fand more fully describe in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Bambay on 1-9-1984

ar Bambay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1932 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Hareshwar Apartment, Flat No. 202, 2nd floor, Building 'A' Eksar Road, Borivli (W). Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/12338/84-85 on 1-9-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 8-5-1985

#### FORM I.T.N.S .---

(1) Shri Sukhinder Pal Singh.

(Transferor)

(2) Mr. Madhavdas Uttarnchand Pahuja.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-IV|37-EE|12176|84-85.--Whereas I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing
No. Flat No. 4, Ground floor, A-Wing, Prem Nagar, Bldg. No. 4, S. V. P. Road, Borivli (W). Bombay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Bambay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ludian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 4, ground floor, A-Wing, Prem Nagar, Bldg. No. 4, S. V. P. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreemnt has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12!76|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followign persons, namely:-

Date: 8-5-1985

(1) Mb. Armant Enterprises,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2) Mr. Nitin Shrikri hna Vichare.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-IV|37-EE|12160|84-85.-Whereas I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
No. City Survey No. 13|15, 13|21 & 13|14 in Desai & Sheth Nagar, Off. S. V. Road, Near Poisar Bus Depot, Borivli (W).

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombayon 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

City survey No. 13[15, 13¹21 & 13[14, Desai & Sheih Nagar Off. S. V. Royd, Near Poisar Bus Depot, Borivli (W). Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV 12160 84 85 on 1-9-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely :-

Date: 8-5-1985

(1) Shri Yogesh Dhirajlal Vora.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. Maganlal Vora.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|12400|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Shop No. 2, Borivli Rajesh Co-op. Hsg. Scty. Ltd. Eksar Road, Borivli (W). Bombav-92

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

ar Bambay on 1-9-1934

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :-109--116GI 85

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 2, Borivli Rajesh Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Eksar P.oad, Borivli (W), Bombay-9?.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/12400K 84 85 on 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8-5-1985

Seal ;

(1) Ms. Preeti Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prabhakar Sunderrao More.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV. BOMBA?

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-IV|37-EE|12400-O|84-85.--Whereas I,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing
No. Hareshwar Apartment, flat No. 105. Ist floor, B- Building, Elean 2021. Sprint (W), Rambay 03

Eksar Roa! Borivli (W), Bombay-92

situated at Rombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Bambay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert nend/ee
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hareshwar Apartment Flat No. 105, 1st floor, B-Building Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No.  $AR-IV^{\dagger}12400\cdot O^{\dagger}84-85$  on 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notict under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date : 8-5-1985 Seal :

(1) Shri Salim, A. Singaporewalla.

(Transferor)

(2) Smt. Leena Lalit Paleja & Ors.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR.IV|37EE|12214|84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000!- and bearing No.

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000!- and bearing No. Flat No. 603, VI floor, B-Wing Bhulabali Towers, Sub plots No. 14-19 of Desai Seth Nagar, Near Sai baba Temple, Off S. V. Road, Borivli (W), Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 603, on 6th floor, B-Wing Bhulabali Towers, sub plots No. 14-19 of Desai Seth Nagar, near Saibaba Temple, Off S. V. Road, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV 12214 84-85 on 1-9-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8-5-1985

(1) Sky-Build Pvt, Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Damji Premji Patel.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|12112|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000; and bearing No.

Rs. 1,00,000; and bearing No.
Shop No. 12, Kasturbaug, Plot No. 24|B-I|T.P.S.I. Borivli (W), Bombay-92.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 12, Kasturbaug, plot No. 24,B|I T.P.S.I. Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV 12112 84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8-5-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

# FORM ITNS----

(1) M|s. Bonaza Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Ashok Agrawal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|12339|84-85,---Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.

1,00,000|- and bearing No. Aakansha, flat No. 403, 4th door, 472, S. V. P. Road, C.T.S. No. 1405, Eksar Village, opp Bhagvati hospital Borivli (W),

Bombay-103.

situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Aakansha, flat No. 403, 4th floor, 472, S. V. P. Road, C. T. S. No. 1405, Eksar Village Opp. Bhagvati Hospital, Borivli Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV 12339 on 1-9-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
> Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8-5-1985

(1) Shri Rajesh H. Vakharia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Jyotsana V. Mehta & Ors.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMEAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|12095|84-85.—Whereas I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 201, 2nd floor, Bldg. No. 1, Sumer Nagar, S. V.

Road, Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed here(0) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Bldg. No. 1, Sumer Nagar, S. V. Road, Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12095|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-5-1985

## (1) Mrs. Mohini Makhanlad Tiku.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Mr. Vasant Laxmi Narayan Bhatt,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|12259|84-85.-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 2, ground floor, Chikhal Apartment, B-Wing, plot No. 99, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nection in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay cax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act. 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 2, ground floor, Chikhal Arartment, B-Wing, plot No. 99, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV 12258 84-85 on 1-9-84.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 8-5-1985

## FORM I.T.N.S .-

## (1) Mr. Hotilal Sohanlal Agrawal.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Mr. Mahendra Dalpatlal shah Mrs. N. M. Shah.

## GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

## OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

## ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-IV|37-EE|12268 84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasiette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable moperty naving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

> Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act,

Borivli Godavari Co-op. Hsg. Socty. Ltd., flat No. 12, Bldg. No. 1, 2nd floor, Center, Borivli (E) Bombay-66 situated at Bombay

> shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Borivali Godavari Co-op. Hsg. Scty, Flat No. 12, Bldg. No. 1, 2nd floor, Carter Road, No. 1, Borivli (E) Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12268|84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 8-5-1985

(1) Mrs. Chaturi Maghanlal.

(Transferor)

(2) Smt. Satyadevi G. Aggrawal & Shri S. G. Aggrawal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-IV|37-EE|12538|84-85.—Whereas, I. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Shop No. 17, Ground floor, Saibaba Dham,
Ram Nagar, Bo. ivli (W), Bombay-92, situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Rombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 17, Ground floor, Saibaba Dham, Ram Nagar, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 12538 37EE 84-85 on 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following oersons, namely :-110—116GI 85

Date: 6-5-1985

## FORM ITNS----

- (1) Navnitrai Maganlal Vora.
- (Transferor)
- (2) Smt. Jayalaxmi J. Doshi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX **ACQUISITION RANGE-IV** BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-IV|37-EE|12531|84-85.-Whereas, 1. A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Shop No. 2, Rajesh Apartment, Aksar Road, Borivli (W), Bombay-92. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property and I have reason to be apparent consideration therefore by more then

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: __The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Shop No. 2, Rajesh Apartment, Aksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12531|37-EE|84-85 on 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-5-1985

(1) K. S. Thamur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Irene Saldanha.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECING ASSTT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-IV|37-EE|12270|84-85,--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. 1002, 1st floor. D-Wing, Alka Bhuvan, Eksar Village, Borivli (W). Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule

annexed heerto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by may other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s-The term and expressions used heren at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

Flat No. 1002, 1st floor, D-Wing Alka Bhuvan, Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12270|84-85 on 1-9-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Sky Build Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. R. S. Salla Mr. M. S Salla.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY Bombay, the 6th May 1985

Ref .No. AR-IV 37-1-E | 12111 | 84-85. - Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Shop No. 9, Kasturbaug, plot No. 34B 1, TPSI, Borivli (W), Bembay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 9, Kasturbaug, Plot No. 24-B 1 TPS I, Borivli (W). Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 12111 84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 7-5-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-IV[37-EE]11121[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

'SEA PEARL' Block No. 204, Versova Road,

Andheri (W), Bombay-400 058

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of of the Competent Authority at Bombay on 10-9-84 for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Atul Builder and Associates.

(Transferor)

(2) Shri Kalpesh R. Desai, Shri M. R. Desaai.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

SEA PEARL, Block No. 204, Varsova Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay under No. AR.II|37-EE|11121|84-85 on 10-9-1984.

> LAXMAN DAS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 6-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-IV|37-EE|11120|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value 'SEA PEARL' Block No. 202, Varsova Road, Andheri (W), Bombay-400 058

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of of the Competent Authority at Bombay on 10-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Atul Builder and Associates.

(Transferor)

(2) Shri Andrew Swamy and Mrs. Philomen Andrew.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

'SEA PFARL' Block 202, Varsova Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been register d by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II|37EE|11120|84-85 on 10.9-1984.

> LAXMAN DAS, Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Seal:

Date: 6-5-1985

FORM I.T.N.S.--

(1) Atul Builder and Associates.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohammed Yusuf.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY** 

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-IV|37-EE|12936|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as 'said Act') have reason to believe that the immovas sale received having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing 'SEA PEARL' Block No. 301, CTS. No. 1318|1, 90 Off Varsova Road, Opp: Pratap Society, Andheri (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the conceanment of any meonic or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

'SEA PEARL' Block No. 301, CTS. No. 1318|1, 90 Off Versova Road, App: Pratap Society, Andheri (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37-EE|12936|84-85 on 29-9-1984.

LAXMAN DAS, Competent Authobrity
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 6-5-1985

(1) Mls. R. N. A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Harbans Kaur Soi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-IV'37-EE|12989|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Room No. 60, 1st floor, Roshanial Aggarwal Shopping Arcade Off J.P. Road, S. No. 41 (Part). Andheti (W), Versova, Near Apana Chart, Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expl NATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Room No. 60, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Off J. P. Road, S. No. 41 (Part), Andheti (W), Versova, Near Appa Ghay, Fembay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II 37-FE 12939 84-85 on 29-9-1984.

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 6-5-1985

FORM I.T.N.S .--

(1) Ms. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd.

(2) Mis. Macneil & Magor Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12440|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 804. 8th Floor, Bulding Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authorty at Bombay on 14-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the translet, atd/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been a which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 '11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 804, 8th floor, Building Premium Towers Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37-EE|12440|84-85 on 14-9-1984.

LAXMAN DAS. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 6-5-1985

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
111—116GI|85

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Ms. Lokhandwala Estates Co. (P) Ltd. (Transferor)

(2) Mls. Macneil & Magor Ltd.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|12433|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

fer with the object of :-

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authorty at Bombay on 14-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trans-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days trom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1411, 14th Floor, Building Magnum Towers Plot No. 357, S. No. 41, (Part), Four Bungalows, Versova. Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37-EE|12433|84-85 on 14-9-1984.

> LAXMAN DAS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 6-5-1985

## FORM LT.N.S.-

(1) Ms. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)

(2) Mls. Macneil & Magor Ltd.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACOUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-II]37-EE]12431|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable propert; having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

and bearing No.
Flat No. 1512, 15th Floor Building Magnum Towers,
Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bungalows,
Versova, Andheri (W). Bombay 400 058

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authorty at Bombay on 14-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1512, 15th Floor, Building Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37-EE|12431|84-85 on 14-9-1984.

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 6-5-1985

FORM I.T.N.S. ----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-II[37-EL, 12430,84-85 —Whereas 1, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster reterred to 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

No. Flat No. 1612, 16th Floor, Building Magnum Towers, Flot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority
at Bombay on 14-9-1984
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- is, facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any suoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Mrs. Lokhandwala I states & Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)
- (2) Ms. Macneil and Magor Ltd

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYFLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1612, 16th Hoor, Building Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri W) Bombay-400.058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serbil No. AR-II[37EE, 12430]84-85 on 14-9-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority pecting Asst. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date . 6-5-1985 1...1:

## FORM I.T.N.S.---

1) Mis. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Macneil & Magor.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX COMMIS-

## ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-II,37-EE 12437 84-85.—Whereas I, LAXMAN DAS.

Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Its. 100.000/- and bearing

No. Flat No. 1404, 14th Floor, Building Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwata, Andheri (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 369AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 14 9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to Coclieve that the fair market value of the property as aforeaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not seen truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (4) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazata.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1404, 14th Floor, Building Premium Towers, Plot No. 351. S. No. 41 (Pait), Four Bungalows, Oshiwara, Versova Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE./12437/84-85 on 14-9-7984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I he cry initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-5-1985

TOTAL CONTROL OF THE TOTAL CONTROL OF THE CONTROL O

## FORM ITNS-

— (1) M/s. Lokhandwala Estates, Dev. Co. (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Macneil & Magor Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-H|37EE |12442 84-85.—Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. Flat No. 1511, 15h (Toor, Building Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova Andheri (W), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-9-1934 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the foir market under the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1511, 15th Floor, Building Magnum Towers, . Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058

Authority, Bombay under Serial No. AR-III37EE, 12442 84-85 on 14-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-5-1985

I CHAI IINS-

## (1) Mls. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd.

(Transferor)

## (2) Mis. Standard Batteries Ltd.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMEN'I OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No AR-II|37EE|12117|84-85.--Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 1505, 15th Floor, Building Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 11-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days to the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc. shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) by any of the aforesaid persons within a period of of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 1505, 15th Floor, Building Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJU37EE 12117 84-85 on 11-9-1984.

> LAXMAN DAS-Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 6-5-1985 Seal :

## FURM ITNS

(1) M's. Loknandwols Premises Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Shilpa Manish Mehta and Mr. Ramesh Chimanlal Shah. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

## ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 6th May 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II|37EE|12737|84-85,--Whereas I, LAXMAN DAS,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing

No. Flat No. 102, 1st Floor, Building Homecourt, Plot No. 336 S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st Floor, Building Homecourt Plot No. 336, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/12737/84-85 on 22-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assit. Comissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the aid Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-5-1985

Scal:

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE 12439|84-85.--Whereas I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.90.000|- and bearing

value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing
No. Flat No. 903 9.h Floor, Building Premium Towers,
Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova,
Andheri (W), Bombay-400 058
has been transferred

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

112-116GI|85

1) M/s. Lokhand wala Estates & Dev. Co. (P) Ltd

(Transferee)

(2) Mls. Macneil & Mager Ltd.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 903, 9th Floor, Building Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400 '958.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE.|12439|84-85 on 14-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-5-1985

# (1) M/s. Lokhandwala Estates and Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Mls. Macneil and Magor Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12435|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000-and bearing No.

and bearing No.
Flat No. 1403, 14th Floor, Building Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Audheri (W), Bombay-400 058.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bembay on 14-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1403, 14th Floor, Building Premium No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058. The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|12435|84-8514-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-5-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269I) of the said Act, to following persons, namely:—

(1) M|s. Lokhandwala Estates and Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)

(2) M|s. Macneil and Magor Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12443|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Flat No. 1611, 16th Floor, Building Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 14-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to etween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1611, 16th Floor, Building Mangum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bungalows Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR-II[37EE] 12443 [84-85] on 14-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :---

Date: 6-5-1985

(1) Ms. Lokhandwala Estates and Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Macneil and Magor Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY** 

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12432|84-85.-Whereas,I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R: 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 1412, 14th Floor, Building Magnum Towers Plot

No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than difteen percent of such apparent consideration and that the cassideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating hie reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCEHDULE

Flat No. 1412, 14th Floor, Building Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR-II|37EE|12432|84-85

on 14-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the ect, to the following persons, namely :-

Date: 6-5-1985

(1) Mis. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## **ACQUISITION RANGE-II** BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12738|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,600/-

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 102, 1st Floor, Building Prime Rose, Plot No. No. 351, S. No. 41 (Part), Versova Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 22-9-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the casi interest in the said interest. parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(2) Mrs. Ramona M. Vaz and Mr. Franco Vaz.

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st Floor, Building Prime Rose Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|12738|84-85 on 22-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1941)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

## ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-II]37EE|12436|84-85.-Whereas, I, LAXMAN' DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Flat No. 803, 8th Floor, Building Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bungarows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the 'ssue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Ms. Lokhandwala Estates and Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)

(2) M|s. Macneil and Magor Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice in the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION:—The terms and expressions Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 803, 8th Floor, Building Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|12436|84-85 on 14-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-5-1985

#### FORM ITMS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12739|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing

Flat No. 507-C, 5th Floor, Building Montana, Plot No. 4, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor. andro
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ms. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Ramesh Advani and Bhoirai Advani

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of het said propery may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as giver in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 507-C, 5th Floor, Building Montana, Plot No. 4, S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|12739|84-85 on 22-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-5-1985

(1) Smt. Pushpa S. Kohli.

(Transferor)

(2) R. K. Maheshwari (HUF).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12935|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and b.aring

Shop No. 4, Vidharbha Samrat Co.op. Hsg. Soct. Ltd., 93, C.V.P. Road, Vile Parle, Bombay-56 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 4, Vidharbha Samrat Co-op. Hsg. Sct. Ltd., 93, C.V.P. Road, Vile-Parle, Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|12935|84-85 on 29-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-5-1985

(1) Miss Ratpi Naraindas Khemlani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Simmi Indl. Machinery Mfg. Corpn. (Transferor)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## GOVERNMENT OF INDIA

## ACOUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12515.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Unit No. B|103, 1st floor, Hind Saurashtra Indl Estate, Andheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay-59. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 17-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. B|103, 1st floor Hind Saurashtra Indl. Estate, Andheri Kurla Road, Andheri (E). Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|12515|84-85 on 17-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-5-1985 Seal:

113-116GI 85

(1) M|s. All India Hing Supplying Co.

(Transferor)

(2) Rameshankar Kelvlasingh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12494|84-85.-Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000 and bearing Shop No. 4, Ground Floor S. No. 217, Hissa No. 1, part CTS No. 744, Village Iria, Vile Parle (W), Bombay-56

situated at Bombay

(and more fully described in he Schedule annexed hereo), has been transferred and the agreement is registered under Secion 269AB of the Income-tax Ac, 1961, (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 4, Gr. Floor S. No. 217 Hissa No. 1, (p) CTS. No. 744, Village Irla, Vile Parle (W), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|12494|84-85 on 15-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 6-5-1985 Seal:

# (1) Shri Aniru D. Guru Venkatachrya & Ors. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Smt. Manjulaben M. Acharya.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12884|84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Shantkunj, CTS. No. 187, H. No. 1, (p) CTS. No. 876, 876 1, 2 & 3 at Dadabhai Cross Lane No. 2, Vile Parel, Andheri,

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of ... 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shantakuni, CTS, No. 187, Hissa No. 1, Survey No. 876, 876|1, 876|2, 876|3, at Dadabhai Cross Lane No. 2, Vila Andheri, Bombay

The agreement has been 'collected for the Competent Authority, Bombay under No. \R-II \text{3-11} \text{1.2831.8.83} on 28-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authoricy
Inspetting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-5-1985

(1) Mr. Dilip V. Khatkhate.

(Transferor)

(2) Mr. Madhav V. Khatkhate.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR.II[37EE 12703[84-85.—Whereas, 1.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. 61/108, Jumbo Darshan, Old Dongari Rd., No. 2,
Andheri (E). Bombay-69

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometanx Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the anorceard property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any accome susing from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires.later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 61/108, Jumbo Darshan Old Dongari Rd. No. 2, Andheri (E), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 12703 84-85 on 22-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-5-1385

Scal:

Now. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : . .

(1) Manjulaben B. Muni.

(Transferor)

(2) Vasantben J. Sanghavi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12676|84-85.—Whereas 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 12, Indralok B, Old Nagardas Road, Andheri (E),

Bombay-69

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 21-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the faoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising/ from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date or publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any ether person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCENDULE

*Flat No. 12, Indralok 'B', Old Nagardas Rd., Andheri (E), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12676|84-85 on

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-5-1985

(1) 1. Ignatius Crasto & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Gloria Errol Coelho.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12794|84-85.—Whereas 1,

LAXMAN DAS.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Portion of land carved out of land S. No. 167, H. No. 70, Village Marol, Taluka Andheri, Bombay.

situated at Bombay

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 24-9-1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of land carved out of land bearing S. No. 167, Hissa No. 70, CTS No. 1262 of Village Marol. Taluka Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by he Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/12794 dated 24-9-1984.

> LAXMA.: DAS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-H. Bombey

Date: 6-5-1985 Seal:

(1) Shri Kamal Kumar Mehta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bharat Chootalal Domadia & Ors.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR.II 37EE 12699 84-85.—Whereas I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding.

Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 107. 1st fl. Talati Apartment, K-101, S. V. Road, Irla, Vile Parle (W), Bombay-58.

situated at Bombay

(and more fully described in he Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

ar Bombay on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than fair the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the. parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, cation of this notice in the Official Gazette.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 107, 1st fl. Talati Apartment, K-101, S. V. Road, Irla, Vile Parle (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 12699 84-85 on 22-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition 'Range-II, Bombay

Date: 6-5-1985

## FORM I.T.N.S.-

(1) Miss Heena D. Shan.

(Transferor)

(2) Shri Nikhil V, Bhatt.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10436|84-85.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000₁ and bearing
Flat No. 6, 4th fl. Bldg. No. 4, Rajendra Kripa Co-op. Hsg.
Sct. Manish Darshan, Sahar, Andheri (E), Bombay.

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 6, 4th fl. Bldg. No. 4, Rajendra Kripa Co-op. Hsg. Sct., Manish Darshan, Sahar. Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE 10436 84-85 on 1-9-1984.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

Date: 6-5-1985

Scal:

(1) Yusufbhai S. Abdullabhai.

(Transféror)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Asmabai T. Rupawalla.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR.II 37EE 12764.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 13, 1st fl. Bldg. Al-Burhan plot No. 25. Church Rd. Saifee Golden Jubilce, Marol Viylage, Andheri (E), Bombay-

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in

the office of the Competent Authority at Bombay on 24-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immova-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 13, 1st fl. Al-Burhan Bldg., plot No. 25, Church Rd. Saifee Golden Jubilee, Marol Village Andheri (E), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|237EE|12764|84-85 on 24-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 6-5-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:-114-116GI|85

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. C. G. Zaveri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Hemant R. Daglt.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISITION RANGE-II. BOMB/Y

Bomoar the 6th May 1985

Ref. No. AR III37EE 10508 -- Whereas, L. LAYMAN DAS,

being the Competent Authrity under Section 264.13 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propery, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Flat No. 504, G-Wing, 5rh 11 Vishal Apartment, M. V. Road, Andheri (E), Bomb 99-69.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the acceptent is registered under Section 26°AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 4-9 1.284

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the air resaid property and I have reason to believe that the fair not a value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability o: 106 transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the trasfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officer Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 504, G-Wing, 5th Fl. Vishal Apartment S. V. Road, Andheri (E), Bombay-69

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJH 37LE 10508 84-85 on 4-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 6-5-1985

#### FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Parikh Vaz Builders.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Aloysius Peter Rosario.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10466.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 3, Gr. Fl. Plot S. Nofl 45, H. No. 13, Village, Kondivita, Bamanpuri Rd. Andheri (E), Bombay-59.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in

the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3, Gr. Fl. Plot S. No. 45, H. No. 13, Village Kondivita, Bamanpuri Rd. Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, II | 37EE | 10466 | 84-85 on 1-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-H
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 6-5-1985

(1) Narendra M. Shah.

(Transferor)

(2) Dinesh R. Desai & Ors.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR.II 37EE 12514 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat C-7, Bajaj Road, Nav Vile Parle Co-op. Hsg. Sct. Ltd.,

Vile Parle (W), Bombay-56.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in

the office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential Flat, Nav Vile Parle Hsg. Sct. Ltd., Vile Parle (W), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12514|84-85 on 17-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 6-5-1985

(1) Vandana Traders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. R. Subtramanian.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR.II 37EE 22117.--Whereas, I,

Ref. No. AR.III3/EE[22117.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 201, 2nd fl. Mangal Prabhat, C-2, Model Town Co-op. Sct. Ltd., J. V. P. D. Scheme, Juhu, Bombay-56. situated at Rombay

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 14-9-1984

at Bombay on 14-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income ro any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said ct, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd fl. Mangal Prabhat, C-2, Model Town Co-op. Sct. Ltd., J. V. P. D. Scheme, Juhu, Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II]37EE[22117]84-85 on 14-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Bomb

Date: 6-5-1985

Scal:

- (1) M/s. Vandana Traders.
- (Transferor)
- (2) Smt. Annapurni Subramanian.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR.II|37FE|12150.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|, and bearing Flat No. 202, 2nd floor Mangal Probhat, C-2, Model Town Co-op. Society Ltd., IV.P.D. Scheme, Juhu, Bombay-56 situated at Rombay

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto. has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) office of the Competent Authority at Pombay on 14-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has a t been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the alquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette o ra period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXILANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Mangal Probhat C-2, Model Town Co-operative Society Ltd., J.V.P.D. Scheme, Juhu, Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II]37EE[12150]84-85 on 14-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 6th May 1985

#### FORM I.T.N.S .-

(1) Mr. Jeshwant R. More.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Deepak K. Pawar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10432—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Block No. 1, Air View C.H.S. Ltd.. Ground Floor, 322, Nanda Patkar Marg. Vile Parle (E), Bombay-57 situated at Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1984

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-
  - (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, the efore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Figure Anation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Block No. 1, Air View Co-operative Housing Society Ltd., Ground Floor 322, Nanda Patkar Marg, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10432|84-85 on 1-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6th May 1985

(1) Shri Mohan L. Boolani (H.U.F.).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Jagmohan B. Goel & Ors.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|11139.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Land bearing S. No. 65-C, CTS No. 60, C/o Manoj Apartment J.B. Nagar. Andheri (E), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) office of the Competent Authority at

Bombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 65-C, CTS No. 60,C/o Manoj Apartment Wireless Station, J.B. Nagar, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|11139|84-85 on 10-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-4-1985

(1) Shri K. A. Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. L. J. Tharakan.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10457|84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Shop No. 4, Koldongri Co-operative Housing Society, Parsi Wada, Andheri, Bombay-49 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to eblieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 4, Koldongri Co-operative Housing Society Parsi-

wada, Sahar Road, Andheri, Bombay-99.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 10457 84-85 on 1-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons pamely:—
115—116 GI|85

Date: 6-5-1985 Seal:

- (1) Ms. Development Corporation.
- (2) Smt. Sulbha Madan Kotwal.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12793|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competente Authrity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing
Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. 303. Building No. C-6, Apna Ghar Unit No. 14,
Co-operative Housing Society Ltd., Oshiwara, Shree Swami
Samartha Nagar, Off J.P. Road, Opp. Four Bungalows
Andheri (West), Bombay-400058
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) office of the Competent Authority at Bombay on 24-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducteion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 303, Building No. C-6, Apna Ghar Unit No. 14 Co-operative Housing Society Ltd., Oshiwara, Shree Samartha Nagar, Off. J.P. Road, Four Bungalows, Andheri West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 12793 84 85 on 24-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Bombay

Date: 30-4-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Raviraj Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sunil Pandya. Mrs. Sonal Pandya.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1985

Ref. No. AR.II|37EE|11454|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authrity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 501, 'B' Wing 5th Floor, Breeze, Plot No. 25, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) office of the Competent Authority at

Bombay on 11-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 501, 'B' Wing, 5th Floor Breeze, Plot No. 25, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,II|37EE|11454|84-85 on 11-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Bombay

Date: 30-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10608|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Compeent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 106, Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova Village, Andheri (West), Bombay-400058

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the old Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Bombay Housing Corporation.

(Transferee)

(2) Savitri Nandlal Rohra and Pradeep Nandlal Rohra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 106, Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova Village, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10608|84-85 on 5-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 30-4-1985

(1) M/s. Bombay Housing Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Maya Girdharilal Punwani.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12417|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authorit yunder Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 17, Anjali, Plot No. 2, S. No. '121, 7 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) office of the Competent Authority at

Bombay on 14-9-1984

Bombay on 14-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period o
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 day. from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of th publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the sai Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 17, Anjali, Plot No. 2, Sr. No. 121, 7 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12417|34-85 on 14-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 30-4-1985

aforesaid property by the issue of this notice under sub-Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Bombay Housing Corporation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) John D'Souza and Leena D'Souza.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 30th April 1985

Ref. No. AR.II 37EE 10609 84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 113, Anjali, Plot No. 2, Sr. No. 121, 7 Bungalows, Versova Village, Andheri (West), Bombay-400058.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 113, Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova Village, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10609|84-85 on 5-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 30-4-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1985

Ref. No. II|37EE|10610|84-85.—Whereasas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 21, Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova Village, Andheri (W), Bombay-400058.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) office of the Competent Authority at

Bombay on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Bombay Housing Corporation.

(Transferor)

(2) Mrs. Nirmalavati Madan Mohan Khanna and Mrs. Neelam Shubh Khanna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same n saning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 21, Anjali, Plot No. 2, Versova Village Andheri (West), Bombay-400058 The agreement has been resisted by the Competent Authoriy, Bombay under No. AR II 5711 6 of 6 34-85 on 5-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rang-II,
Bombay

Date: 30-4-1985

(1) Bombay Housing Corporation.

(Transferors)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jagdish T. Abhichandani and Kiran J. Abhichandani.

(Transferces)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1985

Ref. No. AR.II]37EE]10607[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. Flat No. 105, Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova Village, Andheri (West), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered onder

has been transferred and the agreement is registered onder Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 105, Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova Village, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10607|84-85 on 5-9-84.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Dated: 30-4-1985

(1) Kiran Development Corporation.

(Transferor)

(2) Smt. Veena Jatin Mody and Mr. Jatin Kishordas Mody.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12768|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. A-402, 4th Floor. Sea Shell Apartments, Swami Samaratha Co-op Hsg. Soc. Ltd., Andheri (West), Bombay-400 058 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

"Flat No. A-402, 4th Floor, Sea Shell, A-partments, Swami marath Co-op. Soc. Ltd., Andheri (West), Bombay-Samarath. 400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II 371 ! 12768 84 85 on 24-9-84.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely -116—116 GI|85

Dated: 30-4-1985

(1) Ms. Hiranandani Builders.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX AC1 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Master Nishant Jitani, Mrs. Lata S. Titani (Guardian for the Child),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12827|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000! and bearing No. Flat No. M|706, Mercury Apartments, Hiranandani Estate, Behind Apna Ghar Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay or in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument in transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

:b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

"Flat No. M|706, Mercury Apartments, Hiranandani Estate, Behind Apna Ghar Versova, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12827|84-85 on 25-9-84.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following

Dated: 30-4-1985

(1) Ms. Giriraj Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. Robert Castelino.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 30th April 1985

Ref. AR.II 37EE 10491 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

bearing No. Flat No. 18, (South-East), 5th Floor, Martha Palace, Plot No. CTS No. 385 B

Off. Jai Bhawanimata Marg, Pada

Amboli Andheri (West), Bombay-58 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 128G / OS
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ac, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Flat No. 18 (South-East) 5th Floodr, Martha Palace, Plot No. CTS No. 385 B, Off Jai Bhawanimata Marg, Pada Amboli Andheri, (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Autho-

rity, Bombay under No. AR.II|37EE|10491|84-85 on 3-9-84.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 30-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 30th April 1985

Ref. No. AR.II|37EE|11457|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. CITIZEN' Shop No. 8, Ground Floor, Plot No. 27, S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri

(West), Bombay-400 058

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-9-1984

for an apparent consideration which is less than, the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (w) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesatd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Bombay Housing Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Ashok L. Whabi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a períod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"CITIZEN' Shop No. 8, Ground Floor, Plot No. 27, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Oshiwara, Versov, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II[37EE]11457[84-85 on 11-9-84.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 30-4-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Raviraj Developers.

(Transferor)

(2) Urmila Verma Deepak Varma

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1985

Ref. AR.II 37EE 12667 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 'DENZIL' Flat No. 403, 'B', 4th Floor, Plot No. 31, S. No. 41, (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 21-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following nerseus mamely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

'Denzil', Flat No. 403 'B', 4th Floor, Plot No. 31, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058

The agreement has been registered by Authority, Bombay under No. AR.II.37EE 12667 84-85 on 21-9-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 30-4-1985

Seal

(1) Raviraj Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Prem Lal Verma.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY** 

Bombay, the 30th April 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned:—

Ref. No. AR.II]37EE|11480|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 'DENXIL' Flat No. 404 'B', 4th Floor, Plot No. 31, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 11-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957), 'DENZIL' Flat No. 404 'B' 4th Floor, Plot No. 31, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|11480|84-85 on 11-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-4-1985

•

(1) M|s. Raviraj Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Master Abhay P. Borwankar Mrs. Neela P. Borwankar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10453-84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00.0000l- and hearing

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0000]- and bearing No. Flat No. 402, 'A' on 4th Floor, Breeze, Plot No. 25, S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Flat No. 402, Breeze, 'A' on 4th Floor, Plot No. 25, S. No. 31 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|11453|84-85 on 11-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 30-4-1985

(1) Ms. Ravirai Builders. (2) Shri John Mathew.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1985

Ref. AR.II|37EE|11456|84-85.—Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000] and bearing No. Flat No. 305, 'B' 3rd Floor, Breeze, Plot No. 25, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expures later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 305, 'B' 3rd Floor, Breeze, Plot No. 25 S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-

The agreement has been registered by Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|11456|84-85 on 11-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 30-4-1985

#### FORM ITNS----

- (1) Bombay Housing Corporation.
- (2) Naimuddin Zaimuddin.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 30th April 1985

Ref. AR.II|37EE|10494|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000- and beating No. Flat No. 2, Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows. Versova, Andheri (West), Bombay-400 058 situated Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 4-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as at) defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arisins from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 2, Anjali, Plot No. 2, S. No. 141, 7 Bungalows, Versova Village, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10494|84-85 on

4-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-ing persons namely -117—116 GI 85

Date: 30-4-1985

#### FORM ITNS----

- (1) Bombay Housing Corporation
- (Transferor)
- (2) Mrs. Zebunnisa Kallankhan alias Zebunnisa Idris Khan

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II ROMBAY

Bombay, the 30th April 1985

Ref. No. AR-II 37-EE 10495 84-85 .-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 217, Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova Village, Andheri (West), Bombay-400 058 situated at Bombay

at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 4-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ....

(a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 217, Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova Village, Andheri (West). Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37-EE|10495|84-85 on 4-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JI Bombay.

Date: 30-4-1985

(1) Bombay Housing Corporation

(Transferor)

(2) Mrs. Aarti Ramesh Kothari Mr. Ramesh Chagpar Kothari

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 30th April 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|10497|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 218, Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, Bungalows, Versova Village, Andheri (West), Bombay-400 058 situated

at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed here to), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid prpoerty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 218, Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows Versova Village, Andheri (West), Bombay-400 058. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37-EE|10497|84-85 on 4-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Taspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Date: 30-4-1985

#### FORM I.T.N.S.-

## _ ___

#### (1) Bombay Housing Co-poration.

(Transferor)

(2) Mrs. Zebunnisa Kallan Khan alias Zebunnisa Idris Khan.

(Teansferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 30th April 1985

Ref. No. AR-U|37-EE|10496|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Fha No. 416, Anjah, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova Village, Anjheri (West), Bombay-400 058 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 209AB of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-9 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazet or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the raid Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/, r

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

#### THE SCHEDULE

Flat No. 416. Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova Village, Andheri (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37-EE|10496|84-85 on 4-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby morate storeedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30 5 1985

FORM ITNS----

(1) Domus Associates

(Transferor)

(2) Martin Clement D'Souza

(Transferee) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|12711|84-85.--

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 3, 1st F loor, Building No. 24, S. No. 57, H. No. 4
& 5 (Part), Mahakali CAVES ROAD, Andheri (E), Bombay
situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax /ct, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giv-n in that Chapte.

#### THE SCHEDULE

'at facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; ead for

Flat No. 3, 1st Floor, Building No. 24, S. No. 57, H. No. 4 & 5 (Part), Mahakali Caves, Road, Andheri (E), Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II[37-EE]12711[84-85] on

(b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|11118|84-85.—

Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Shop No. 9 on Ground Floor, 'SAROJ APARTMENT' C.T. S. No. 13|37|2, Vidage Mulgaon, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-400 099 situated at Bombay

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mis. Sahakar Builders

(Transferor)

(2) Shri Peter Lawrence D'Costa

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 9 on Ground Floor, 'SAROJ APARTMENT', C. T.S. No. 13 37/2, village Mulgaon, Mahakali Caves Road, Andheri(E), Bombay-400 099.

Andheri(E), Bombay-400 099.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37-EE|11118|84-85 on 10-9-1984.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Comissionner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the sollowing persons, namely:—

Date: 8-5-1985

(1) M/s. Virat Construction

(Transfero ) (2) Mr. Felix D'Souza and Miss Louisa D' Souza (Transfere

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|10599|84-85.— Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
Flat No. 7, on 1st Floor, 'Minakshi Apartment' S. No. 160,
H. No. 3, CTS No. 94, Marol Maroshi Road, Marol Village,
Andheri (E). Bombay situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

The hoar transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984

for an apparent consideration for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7, on 1st Floor, 'Minakshi Apartment' S. No. 160, H. No. 3 CTS No. 94, Marol Maroshi Road Marol village,

Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37-EE/10599/84-85 on 5-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 8-5-1985

#### FORM ITNS -----

- (1) Shree Shakti Estate
- (Transfere
- (2) Miss Pecvia Fernandis

(Transfere

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

والمراجعة والمستخلف والمستخلص والمستخلص والمستحران والمستحران والمستحران والمستخلص والمستخلص والمستحران والمستحران والمستحران والمستحد وال

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAY, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-II137-EP 12647 81-85 .--Whereas, I, LAXMAN DAS,

beng the Competent Autoria, under Section 269B of the

Incomes Act 1961 (12) of 1961) (hereinefter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. 101, 1st Floor, Shree Shakti Apartment, Militery
Road, Marol, Andher (E), Bombay-400 059, situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annuald hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforefaid property, and I have reason to believe that the face market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefor to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- moneys or other assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferre fex the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weelth-tax

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

AND THE PROPERTY OF A PARTY OF THE PARTY OF

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 101, 1st Floor, Shree Shaktı Apartment, Military

Road, Marol, Andheri (East). Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-II/37-EE|12647|84-85 on 21-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 8-5-1985

(1) Ms. Shree Shakti Estates

(Transferor)

(2) Shri Jeethahadur Shanker Singh.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II ROMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|12646|84-85.-

Whereas, I, LAXMAN DAS, whereas, I. LAAMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. 201, 2nd Floor, Shree Shakti Apartment, Military Road, Marol Maroshi Road, Marol, Andheri (E) Bombay-

400 069 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 21-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); INC SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd Floor, Shree Shakti Apartment Military Road. Marol Maroshi Road. Marol, Andheri (E), Bombay-400 609.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37-EE|12646|84-85 on 21-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

118-116 GI 85

Date: 8-5-1985

(1) M|s. Shree Shakti Estates

(Transferor)

(2) Shri T. C. Rajappan

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|12644|84-85.— Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000!— and bearing No.

Rs. 1,00,0001 and bearing No.
Flat No. 301, 3rd Floor, Shree Shakti Apartment, Military
Road, Marol Maroshi Road, Marol, Andheri (E), Bombay400069 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd Floor, Shree Shakti Apartment, Military Road, Marol Maroshi Road, Marol, Andheri (E) Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37-FF/12644/84-85 on 21-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Date: 8-5-1985

- (1) Mis. Damji Shamji & Sons
- (Transferor)
- (2) M|s. Bejoy International

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|12891|84-85.-

Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 100,000 and bearing No.

Unit No. 113, 1st Floor, Damji Shamji Industrial Complex, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-400 069

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 113, 1st Floor, Damji Shamji Industrial Complex, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-400 093.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|12891|84-85 on 28-9-84.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 8-5-1985

#### (1) Ms. Damji Shamji & Sons

and Smt. Saroj K. Shah.

(Transferor)

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION, RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Unit No. 115, Ist Floor, Damji Shamji Industrial Complex, Plot No. 28 Mahul Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (E). Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or oother assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(2) Smt. Champaben K. Shah, Smt. Barlaben B. Shah Smt. Neela N. Shah, Shri Chandrakant K. Shah

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 115, 1st Floor, Damji Shamji Industrial Complex, Plot No, 28, Mahul Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II[37EE]12869[84-85 on 28-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-5-1985

(1) M|s. Damji Shamji & Sons

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Encon Furuaces (P) Ltd.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. AR.II|37EE|12868|84-85-Whereas, I, LAXMAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. Unit No. 33, Ground Floor, Damji Shamji Industrial Complex, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genzette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 33, Ground Floor, Damji Shamji Industrial Complex, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 12868 84-85 on 28-9-1984.

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 8-5-1985

1() M|s. Aspee Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pradip Babubhai Patel

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. AR. II|37EE|12921|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 303, Nand-Deed, 3rd floor, Village Chakala, Tarun Bharat Co-op. Hsg. Soc. Road, Vile-parle (E)

Bombay-400 057

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Bombay on 28-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCENDULE

Flat No. 303, Nand-Deep, 3rd Floor, Village Chakala, Tarun Bharat Co-op Hsg. Soc. Rood, Vile-parle (E) Bombay-400 057,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37FE 12921 84-85 on 29-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Date: 8-5-1985

(1) Goyal Builders Pvt. Ltd.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Evershine Builders

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. AR.II|37EE|12733|84-85-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Flat No. 1-A, Minal Apartments, Green Park, Old Nagar as Road, Andheri (E), Bombay-400 069 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid averaged, the apparent consideration the property as aforesaid averaged, the apparent consideration therefore her property as aforesaid averaged.

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other aseets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objectoins, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meannig as gvien in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1-A, Minal Apartments, Green Park, Old Nagar Das Road, Andheri (E), Bombay-400 069

The agreement has been registered by Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12733|84-85 on 22-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 8-5-1985

### FORM I.T.N.S .--

(1) Goval Builders Pyt. Ltd.,

(Transferor)

)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sanghavi Dushivant M, Sanghavi Sanjay M, Sanghavi Aruna M. (Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immov-

Bombay, the 8th May 1985

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. AR. II|37EE|12|732|84-85.--Whereas, I, LAXMAN

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as

DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

No. Flat No. 6. 2nd Floor Wing 'A', Aditya Apartments, Green Park, Old Nagardas Road, Andheri (E). Bombay-

Rs. 1,00,000 and bearing

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 2nd Floor, Wing 'A', Aditya Apartments, Green Park, Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay-400 069

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No, AR.II[37EE¹12732[84-85 on 22-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sais Act, to the following persons, namely '--

Date: 8-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE. 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th May 1985

G. I. R. No. 69|37EE Acq.—Whereas, I. A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Office No. 2 and 3 sitaute at 11, M. G. Marg, Habibullah

Compound, Lucknow

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreemene is registered uls 269AB of the I. T. Act, 1961 in the office of the Competent Lucknow on 12-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each tree-fernious consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

119-116 GI 85

- (1) M|s., Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratgani, Lucknow,
  - (Transferor)

(2) Shri U. P. Singh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesoid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Nos. 2 and 3 on the VII floor measuring 540 sq.ft. in the Commerce House situated at 11, M. G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow.

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Lucknow, under Sl. No. 84 dated 12-9-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 9-5-1985

# FORM NO. I.T.N.S.-

M|s. Halwasiya Properties (P) Ltd. Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow. (Transferor)

(2) Shri Om Prakash Mittal

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION EANGE, 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th May 1985

G. I. R. No. 70|37EE|Acq.—Whereus, I. A. PARSAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Office Nos. 4, 5, 6 and 7 sitaute at 11, M. G. Marg,
Habibullah Compound, Lucknow.

(and more fully descried in the schedule annexed here to) has been transferred and the agreement is registered uls 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Lucknow on 12-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the soid Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

Office Nos. 4, 5, 6 and 7 on the VIIth floor measuring 1100 sq. ft. in the Commerce House situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound., Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 85 dated 12-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons. namely:--

Date: 9-5-1985

Seal.

#### (1) M/s. Halwasiya Properties (P) Halwasiya. T.td. Court, Hazratgani, Lucknow. (Transferor)

(2) Smt. Deepa Raizada

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th May 1985

Ref. No. G.I.R. No. 71 37EE ACO.—Whereas, I, A. PRASAD

PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office Nos. 21, 22, 23 and 24 situated at 11, M.G. Marg, Habiballah Compound, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered uls 269AB of the LT. Act 1961 in the office of the Competent

269AB of the i.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Lucknow on 12-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Nos. 21, 22, 23 and 24 on the VI floor measuring 125 sq. ft. in the Commerce House situated at 11, M.G.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow under Sl. No. 86 dt. 12-9-1984.

Marg, Habibullah Compound, Lucknow.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th May 1985

[G.I.R. No. 72]37EE|Acq.—Whereas, I, A, PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Office Nos. 16 and 17 situated at 11, M.G. Marg. Habib-

uilah Compound, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered ups 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 12-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; anid /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mls. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratgani, Lucknow. (Transferor)
- (2) Master Gambhir Jain (Minor) UG Mr. Rakesh Jain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Nos. 16 and 17 on the II floor measuring 600 sq. ft. in the Commerce House situated at 11, M.G. Marg, Habibuliah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority. Lucknow under Sl. No. 87 dated 12-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date 9-5-1985

Scal:

# FORM I.T.N.S.—

(1) M|s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow. (Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Beena Bansal

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th May 1985

Ref. No. 73|37EE|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B  $\alpha$  the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 22 situated at 11, M. G. Marg, Habibullah

Compound, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered uls 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at on 20-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. 22 on the 2nd floor measuring 275 sq. ft. in the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl: No. 88 dated 20-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dats 3-5-198.5 Seal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57. RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 9th May 1985

Ref. No. GIR No., 74|37EE|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing Office Nos. 2 and 3 situated at

11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered us 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 20-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M[s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratgani, Lucknow.

(Transferor)

(2) Shii Krishan Autar.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Nos. 2 and 3 on the Vith floor measuring 540 sq. ft. in the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 89 dated 20-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Lucknow

Date: 9-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NOOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 9th May 1985

GIR No. 75|37FE|Acq.—Whereas. I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Offict Nos. 6 and 7 situated at

11, M.G. Marg, Habibultah Compound, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered uls 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 20-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

1. Mrs. Neelam Chopra
 2. Mr. Rajiv Chopra
 3. Mr. Dinesh Chopra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Nos. 6 and 7 on the 1Vth floor measuring 540 sq. ft. in the Commerce House situated at 11, M.G. Marg. Habibullah Compound, Hazratganj, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 90 dated 20-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authoriv
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Lucknow

Date: 9-5-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57. RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 9th May 1985

GIR No. 76|37EF|Acq.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the im-Rs. 1,00,000 and bearing No.

Office No. 20 situated at

11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered ulgable of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 20-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than forces and that than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing nersons namel" --- .

(1) M|s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratgani, Lucknow.

(Transferor)

(2) Smt. Munni Devi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Nos. 20 on the VIIth floor measuring 27% sq. ft. in the Commerce House situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Haziatgani, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 91, dated 20-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Date: 9-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M|s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratgani, Lucknow.

(Transferor)

(2) Mrs. Bimla Jain.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG I UCKNOW

Lucknow, the 9th May 1985

GIR. No. 77|37EE|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 15 situated of

Office No. 15 situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered uls 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 20-9-1984

for an apparent consideration which is less than the formarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by me than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facditating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
120—116GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. 15 on the 2nd floor measuring 300 sq. ft. in the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Hazratganj, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 92 dated 20-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Lucknow

Date: 9-5-1985

#### FORM I'INS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mls. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratgani, Lucknow.

(2) Smt. Prakashni Srivastava.

(Transferor)

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE 57. RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 9th May 1985

GIR. No. 78|37EE|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

management of the control of the con

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Offict No. 11 situated at

Offict No. 11 situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred an! the agreement is registered u/s 269AB of the L.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 20-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(v) raculitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. 11, on the IInd floor, measuring 415 sq. ft. in the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg. Habibullah Compound, Hazratgani, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl No. 93, dated 20-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesar property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 9-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM FIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 9th May 1985

GIR. No. 79|37FE|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

ordice Nos. 14B and 15 situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 20-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M|s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

(2) Shri Anil Goel.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Nos. 14B and 15 on the IVth floor measuring 410 sq. ft, in the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Haziatgani, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 94, dated 20-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Date: 9-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 10th May 1985

GIR. No. A-172 Acq.-Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing A double storeyed House No. 177|103 situated at Gwyne Road, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at Lucknow on 27-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in except to f any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) 1. Syed Nurul Hasan

Syed Badrul Hasan
 Syed Jahurul Hasan

Syeo Janurul Hasan Through Attorney, Syed Hidayet Hussain Smt. Jahanara Begum Smt. Tajara Haidry Through Attorney, Syed Hidayet Hussain Smt. Saukat Aara Begum Smt. Israt Ara Begum

8. Smt. Mehrun Nisa.

(Transferor)

(2) 1. Shri Ahmad Miyan

2. Smt. Araf Khatoon

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A double storeyed house No. 177|103 with land measuring 4000 sq. ft. situated at Gwyne Road, Lucnow, registered by the Registering Authority, Lucknow, on 27-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 10-5-1985

(1) Smt. Phula Rani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Abhilash Kumar Dhir.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 10th May 1985

GIR. No. A-173 Acq.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing

House with land situated at Beharipur, Civil Lines, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at Bareilly in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely:--

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter

# THE SCHEDULE

House with land measuring 153 1/3 sq. yards situated at Beharipur, Civil Lines, Bareilly (as mentioned in 37G Form No. 7003) registered by the Registering Authority, Bareilly, in September, 1984.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Date: 10-5-1985

(1) Smt. Shanti Devi Kapoor.

(2) Shri Girdhari Lal Agarwal.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 10th May 1985

GIR. No. G-79 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 1,00,000|- and bearing No.
House No. 83 situated at Azad Square,
South Malaka, Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) ja the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at Allahabad in September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe the second of the se to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; 12.2 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice 'under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property, within 45 days from the date of the (b) by my other person interested in the said immov-publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

House No. 83, situated at Azad Square, South Malaka, Allahabad (as mentioned in 37G Form No. 5404) registered by the Registering Authority, Allahabad on September, 1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Date: 10-5-1985

(1) Shri Jagdish Rai Agarwal.

(Transferor)

(2) Shri Igbal asif Siddiqui.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 10th May 1985

GIR. No. I-23 Acq.—Whereas, I, A. FRASAD.

being the Cmpctent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 19 situated at Krishna Colony,

Faizabad Road, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at Lucknow in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-Asaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 19, measuring 3808 sq. ft. situated at Krishna Colony, Faizabad Road, Lucknow (as mentioned in 37G Form No. 9456) registered by the Registering Authority, Lucknow, on September, 1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Date: 10-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th May 1985

Ref. No. G.I.R. No. M-218 Acq.— Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Double storeyed house No. 269|46 situated at Birhana, Naka

Hindola, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Lucknow on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration therefore by more than parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; (1) (2)
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— (1) 1. Pradeep Kumar

- 2. Santosh Kumar Srivastava
- 3. Smt. Rani Srivastava
- Smt. Sarla Srivastava
   Smt. Urmila Srivastava
   Smt. Uma Srivastava

Smt. Nirmala Kaushib Through Attorney, Shri Santosh Kumar Srivas-

(Transferor)

(2) Smt Malti Khare

(Transferee)

(3) Sellers

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (h) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein the as defined in Chapter XXA of the said Act. and shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A double storeyed house No. 269|46 with land measuring 1619.4 sq. ft. situated at Birhana P. S. Naka Hindola, Lucknow (as mentioned in 37G Form No. 9522) registered by the Registering Authority, Lucknow on September. 1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 57, Ram Tirth Marg; Lucknow

Date: 10-5-1985

(1) Smt. Shashi Prabha

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Murti Sri Balaji Maharaj
Through Shri Surendra Kumar Misra,
Mohant.

(Transferee)

(3) Sellers

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th May 1985

Ref. No. G.I.R. No. M-219 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

House situated at Mohalla-Sahukara, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regstraton Act, 1908 16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Bareilly on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejet of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

121-116GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House measuring 338 sq. yards situated at Mohalla—Sahukara, Bareilly (as mentioned in 37G Form No. 7126) registered by the Registering Authority, Bareilly, on September, 1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
57, Ram Tirth Marg.
Lucknow

Date: 10-5-1985

Scal:

(Person in occupation of the property)

#### FORM ITNS-

(1) Shri Sunil Kumar Jan

(Transferor)

(2) 1. Smt. Mayadevi 2. Shri Virendra Kumar

(3) Purchaser

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th May 1985

Ref. No. G.I.R. No. M-220 Acq.—

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Plot Khasra No. 469 situated at Shekhapur, Chandganj,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot Khasra No. 469 measuring 11,652 sq. ft. situated at Snekhapur, Chandgani, Lucknow, registered by the Registering Authority, Lucknow, on 19-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 57, Ram Tirth Marg, Lucknow

Date: 10-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th May 1985

Ref. No. G.I.R. No. M-221 Acq.-

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100.000/- and bearing No.

Land situated at Mohalla -Kanita, Disit. Lucknow (and more fully described in the schedule annexed herto) has been transferred under he Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the vability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Shri Bakse

ng ing garangga mangganta na ngganta garangga nggantaga ng nagaga nagagangga nggantaga nggantaga nggantaga ngg Tan nan nagaganggantagan nagaga nggantagan nagaganggan nagaganggan nggantaganggan nagaganggan nagagan nagaganggan nagaganggan nagaganggan nagagan nagagan nagagan nagagan nagagan nagagan nagaganggan nagagan nagagan

- 2. Shri Kallu 3. Shri Ram Bilas
- 4. Shri Ram Das 5. Shri Sarju

Through Attorney, Shri S. Misra.

(Transferor)

(2) Moti Nagar Sahkari Avas Samiti Ltd., I ucknow, hrough Secretary, ıri Mukul Gupta.

(Transferee)

(3) Sellers

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 5 Bighas (136100 sq. ft.) situated at Mohalla—Kamta, Distt. Lucknow (as mentioned in 37G Form No. 9477) registered by the Registering Authority, Lucknow, on September, 1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 57, Ram Tirth Marg. Lucknow

Date: 10-5-1985

(1) Shri V. V. Katara

(Transferor)

(2) 1. Shri Nanhe 2. Shri Raghuvir Prasad

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Seller,

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th May 1985

Ref. No. G.I.R. No. M-94 Acq.—
Whereas, I, A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

Arazi situated at Shastri Nagar, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on September 1984 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that, Chapter.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDOFF

Arazi measuring 1663½ sq. yards situated at Shastri Nagar, Bareilly (as mentioned in 37G Form No. 7445) registered by the Registering Authority, Bareilly on September, 1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
57, Ram Tirth Marg.
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

Saal

#### FORM I.T.N.S.~

(1) Smt Jamila Begum

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rafia Banoo

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th May 1985

Ref. No. G.I.R. No R-246 Acq.— Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 169B of the theome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

Constructed property situated at 400|80 Ka, Jhawai Tola Chowk Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Lucknow on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Constructed property measuring 2864 sq. ft. situated at 400[80 Ka. Jhawai Tola, Chowk, Lucknow (as mentioned in 37G Form No. 9479) registered by the Registering Authority, Lucknow on September, 1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range,
> 57, Ram Tirth Marg, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 10-5-1985 Seal:

(Person in occupation of the property)

# FORM ITNS-

(1) Shri Kallu

(3) Purchaser

(Transferor)

(2) Raj Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Lucknow.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th May 1985

Ref. No. G.I.R. No. R-247 Acq.—
Whereas, I. A. PRASAD,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act.), have reason to believe that the immovable
moperty, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and bearing
Arazi situate dat Ram Nagar, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Lucknow on September, 1984

Lucknow on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds he apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has 1 at been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Arazi measuring 2 Bighas, 7 Biswa, 8 Biswansi and 13 Kachhwansi situated at Ram Nagar, Lucknow (as mentioned in 37G Form 9335) registered by the Registering Authority Lucknow, on September, 1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
57 Ram Tirth Marg.
Lucknow

Date : 10-5-1985

oca)

#### FORM ITNS----

- (1) Shri K. P. Tripathy Through Dr. N. G. Gupta
- (Transferor)
- (2) Smt, Sarla Devi Gupta

(Transferee)

(3) Purchaser

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th May 1985

Ref. No. G.I.R. No. S-364 Acq.—
Whereas, I, A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act)', have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
House No. D-42 situated at Mahanagar, Lucknow
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
Lucknow on September, 1984
for an apparent consideration which is less that the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
to assign with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income suising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. D-42, measuring 1890 sq. ft. situated at Mahanagar, Lucknow, (as mentioned in 37G Forfm No. 9192) registered by the Registering Authority, Lucknow, on September, 1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar
Acquisition Renge.
57, Ram Tirth Marg.
Lucknow

Date: 10-5-1985

(1) Shri Nisar Ahmad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Syed Arshad Rajja

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th May 1985

Ref. No. G.I.R. No. S-365 Acq.—
Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Half portion of Arazi Bhumidhari situated at Village—Bijnor Bila Ahatmali, Distt. Bijnor (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Bijnor on 22-9-1984

Bijnor on 22-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Half portion of Arazi Bhumidhari measuring 5 Bighas 11 Biswa situated at Village—Bijnor Bila Ahatmali, Distt. Bijnor (as mentioned in 37G Form No. 3914) registered by the Registering Authority, Bijnor on 22-9-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 57, Ram Tirth Marg. Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby intiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 10-5-1985

Sean .

#### (1) Shri-Irshad Ahmad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Syed Arshad Rajja

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th May 1985

Ref. No. G.I.R. No. S-366 Acq.-

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Half portion of Arazi Bhumidhari situated at Village—Bijnor Bila Ahatmali, Distt. Bijnor (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

registering Officer at Bijnor on 22-9-1984

122-116 GI 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the name meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Arazi Bhumidhari measuring 5 Bighas, 15 Biswa, situated at Village—Bijnor Bila Ahatmali, Tehsil and Distt. Bijnor (as mentioned in Form 37G No. 3915) registered by the Registering Authority, Bijnor on 22-9-1984.

A. PRASAD Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 57. Ram Tirth Marg. Lucknow

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Date: 10-5-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th May 1985

G.I.R. No. 5-367 Acq.—Whereas, I,

A. PRASAD. A. PRASAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

A two-storeyed building situated at Mohalla Bhatti, Morada-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered uls 269AB of the I.T. Act. 1961 in the office of the Competent Authority at

Authority at IAC Acg. Range-I in September, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) 1. Shri Belleir Singh Shri Jaiveer Singh 3. Shri Yashveer Singh

(Transferor)

(2) 1. Shri Subhash Chandra 2. Shri Satish Kumar

3. Shri Bipin Kumar

4. Shri Arvind Kumar

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A two storeyed building measuring 171 94 sq. mers. situated at Mohalla-Bhatti, Moradabad (as mentioned in 37G Form No. 6522) registered by the Registering Authority, Moradabad on 29-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Astt. Comissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 10-5-1985.

Shri Mohd, Rizwan Ali
 Shri Khurshid Mahmood

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th May 1985

G.I.R. No. V-79|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Plot No. 127 situated at Jawahar Nagar, Bareilly, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Bareilly in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M|s. Vivek Grih Vikash Sahakari Samiti Ltd. Bareilly through its President.

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 127, measuring 1267 sq. yards situated at Jawahar Nagar, Bareilly (as mentioned in 37G Form No. 6752) registered by the Registering Authority, Bareilly in September, 1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

123-116GI|85

Date: 10-5-1985

(1) 1. Subhash Chandra 2. Chandra Sen

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vaijayanti Rastogi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th May 1985

G.I.R. No. V-80|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Property measuring 1000 sq. yds. situated at Mohalla-Surkha near Venkhana, Bareilly,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at Barelly in September, 1984

for 'an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and er
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property measuring 1000 sq. yards situated at Mohalla-Surkha near Vankhana, Bareily and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 6980, registered by the Rgistering Authrity, Bareilly in September, 1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 10-5-1985.

# (1) Shri Ram Chandra Jaiswal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Ajai Kumar Jaiswal

Shri Ramji Jaiswal
 Shri Satish Kumar

4. Shri Krishna Kumar 5. Shri Ram Gopal Jaiswal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th May 1985

G.I.R. No. A-174 Acq. - Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Nai Bazar, Distt. Lakhimpur-Kheri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lakhimpur in September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPRANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House situated at Nai Bazar, Distt. Lakhimpur-Kheri (as mentioned in 37G Form No. 6744) registered by the Registering Authority, Lakimpur in September, 1984,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 10-5-1985.

FORM I.T.N.S .-

(1) Shri Rewati Raman.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Vendee

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGI 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd April 1985

G.I.R. No. K-153 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Constructed property with land situated at Rudrapur, Distt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Haldwani in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(2) M/s. Kailash Trading Company, Rudrapur, Nainital through Partners, Shri Kailash Chandra and Others.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Constructed property with land measuring 66000 sq. ft. situated at Rudrapur, Distt. Nainital and all that description of the property which its mentioned in he sale deed, registered by the Registering Authoritly, Haldwani, in February, 1985 (as mentioned in 37G Form No. 447).

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 22-4-1985

# UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

# S.O6/STENOGRAPHERS (GRADE "B"/GRADE-I) LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE

# **EXAMINATION**, 1985

New Delhi, the 22nd June 1985

No. F9/3/85(516).I(B).—A combined limited departmental competitive examination for additions in the Select Lists for the Section Officers' Grade and Stenographers' Grade-I/Grade B of the Services mentioned in para 2 below will be held by the Union-Public Service Commission commencing on 10th December 1985 at BOMBAY, CALCUTTA DELHI, GANGTOK, MADRAS, AND NAGPUR in accordance with the Rules published by the Department of Personnel and Training in the Gazette of India dated 22nd June 1985.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF Examination. (See Annexure I, para 7 below).

2. The Services to which recruitment is to be made on the results of the examination and the approximate number of vacancies in those Services are given below:—

# . Category I

Section Officer's Grade of the Central Sectretariat Service.

# Category II

Section Officer's Grade (Integrated Grade II & III) of the General Cadre of the Indian Foreign Service, Branch "B"

# Category III

Section Officer's Grade of the Railway Board Secretariat Service.

# Category IV

Grade 'B' of the Central Secretarial Stenographers' Service.

# Category V

Grade of the Stenographers' cadre of the Indian Foreign Service Branch"B"

# Categroy VI

Grade "B" of the Armed Forces
Headquarters Stenographers
Service

4 (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Castes and 1 for Scheduled Tribe Candidates).

#### Category VII

Grade "B" of the Railway
Board Secretariat Stenographers' Service

#### Category VIII

Section Officer's Grade of the Intelligence Bureau.

7 (Includes 1 vacancy reserved for Schedled Castes and 1 for Scheduled Tribes Candidates).

The above number is liable to alteration.

- *Vacancies not intimated by Government.
- 3. A candidate who is eligible for two Categories of Services (c.f. Rule 3) and wishes to compete for both, need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 6 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the categories for which he applies.
- N.B. Candidates must indicate clearly in their applications the Category|Categories for which they are competing Caudidates competing for two Categories should specify in their application the two Categories in the order of preference. No request for alteration is the order of preferences for the categories originally indicated in his application by a candidate competing for 2 Categories would be considered unless the request for such alteration is received in the Office of the Union Public Service Commission within 30 days of the late of publication of the results of the written examination in the Employment News.
- 4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs 200 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by crossed Indian Postal Order physible to the Secretary, Union Public Service Commission, to New Delhi-General Post Office, Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Ordets/Postal Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Rs, 200 will in no case be retunded.

Note.—Candidates are warned that they must submit their application on the printed form prescribed for the S.Os/Stenographers' (Grade 'B'/Grade-I) Limited Departmental Competitive Examination 1985. Applications on forms other than the one prescribed for the S.Os/Stenographers' (Grade 'B'/Grade-I). Limited Departmental Competitive Examination, 1985 will not be entertained.

5. The completed application form must reach the Secretary. Union Public Service Commission. Dholpur House. New Delhi 119011 by nost or by personal delivery at the counter on or Serfore the 19th August 1985 (2nd September 1985 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura,

Sikkim, Ladakh Division of 1&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba Distt. of Himachal Pradesh. Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 19th August 1985 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish Jocumentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 19th August 1985.

Note.—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of 'he particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28 (Rupees Twenty-eight) [Rs. 7.00 (Rupees Seven) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and the Scheduled Tribes] through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi, General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account head "05! Public Service Commission---Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS RE-QUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED.

7. If any candidate who took the S.Os/Stenographers (Grade B/Grade I) Limited Departmental Competitive Examination 1984 wishes to apply for admission to this examination, he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results of the 1984 Examination. If his name is recommended for inclusion in the Select List on the results of the 1984 Examination, his candidature for this Examination will be entertained except as provided above and in para 7 provided that the request for cancellation of candidature

and refund of fee is received in the Commission's office within 30 days of the date of publication of the final results of the 1984 Exam. in the Employment News.

8. A refund of Rs. 15.00 (Rupees Fifteen) [Rs. 4.00 (Rupees Four) in the dase of candidates belonging to scheduled Castes and Scheduled Tribes] will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee naid to the Commission will be entertained except as provided above and in para 7 nor can the fee be neld in reserve for any other examination or selection.

- 9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDA-TURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTER-TAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 10. The question paper on General Studies as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates Information Manual" at Annexure II.

M. BALAKRISHNAN
Dy. Secretary
Union Public Service Commission

# ANNEXURE-I

# Instructions to Candidates

1. Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH I OF THE NOTICE. THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre from the one he had indicated in his application form for the Fxamination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests recevied after 11th November 1985 will not be entertained under any circumstances.

2. The Application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in, will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. As the application forms are processed by a computerised system, they should take special care to fill up the application form correctly.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Head of Office concerned, who will verify the relevant entries and complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
  - CROSSED Indian Postal Orders of Bank Draft or Indian Mission Receipt for the prescribed fee. (See para 6 of Notice).
  - (ii) Two identical copies of recent passport size (5 cms × 7 cms. approx.) photograph of the candidate, one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein.
  - (iii) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms × 27.5 cms.
  - (iv) Attendance sheet (attached with the application form) duly filled in.

Details of the documents mentioned in items (i) and (ii) are given below:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee-

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

Note (i).—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

Note (ii).—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 28.00 (Rupees Twenty-eight) IRs. 7.00 (Rupees Seven) in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes] in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head '051. Public Service Commission—Examination fees'. The candidate should forward the receipt from that office with the application.

(ii) Two copies of Photograph—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (15 cmX 7 cm approx.) photograph one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein Each copy of the photograph should be signed in ink on the in ***

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied by any of the documents mentioned under paragraph 3(i) and (ii) above, it will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

4. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tamepered/fabricated doucument. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

5. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application

The same and a second as a sec

form does not ipso facto make the receiver eligible for admission to the examination.

6. Every aplication, including sate one, received in the Commission's Office is acknowledged and Application Regn. No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not inceive an acknowledgement of his application within a month from the test date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once con act the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Regn. No. has been issued to the candidate does not, upso-facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 7. Every candidate for this examination will be informed at the earties, possible date of the total of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from Union Public Service. Commission, a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact Commission for the result. Failtne to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 8. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates manual for U.P.S.C. Objective Type Examinations". This Publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections.

This publication as also the copies of pamphlets containing rules and conventional type question papers of the five precedit, examinations are on add with Con roller of Publications. Civil Lines, Lieung 10004 and may be obtained from him directly Mail Orders for one cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahai, Opposite Rivolt Chesia, Emporia Building 'C' Elock, Baha Khang Stagh Marg New Delhi-110011 and (ii) Sale counter of the Partications Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8 k, 3, itoy Road Calcutta-700001. The Manual/pamphlets are the differential Publications at various mofussil towns.

- 9. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination
- 10. Communications (c) aiding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN FEMBER OF AN APPLICATION SHOULD BE APPLICATION 10 THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELIGH (10011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.
  - (1) NAME OF EXAMINATION.
  - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
  - (3) APPLICATION RUGN, NO/ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CADIDATE IF THE APPLICATION REGN, NO/ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
  - (4) MANE OF CALIFFACE (IN FUEL AND IN BLOCK CAPITALS).

- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.
- N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.
- N.B. (ii)—IF A LEITTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.
- 11. Change in addless.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATION SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 10 ABOVE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY FFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

#### ANNEXURE-II

#### CANDIDATES INFORMATION MANUAL

# A. OBJECTIVE TEST

The General Studies paper of your examination will be what is called an OBJECTIVE TEST. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This mannual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unformilisrity with the type of examination.

# B. NATURE OF THE TEST

The question paper vall be in the form of a TEST BOOK IET. The booklet will contain terms bearing number I. 2,3,.....etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

# C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of items from I to 160 have been printed in four 'Parts' Against each item, circular spaces marked, a.b.c.d, are printed. After you have

form does not ipso facto make the receiver eligible for admission to the examination.

6. Every aplication, including late one, received in the Commission's Office is acknowledged and Application Regn. No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Regn. No. has been issued to the candidate does not, ipso-facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 7. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 8. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates manual for U.P.S.C. Objective Type Examinations". This Publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examnations or Selections.

This publication as also the copies of pamphlets containing rules and conventional type question papers of the five preceding examinations are on sale with Congroller of Publications. Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoti Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001 and (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8, K, S. Roy Road Calcutta-700001. The Manual/pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofusil towns.

- 9. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination
- 10. Communications Regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.
  - (1) NAME OF EXAMINATION.
  - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
  - 3) APPI ICATION REGN. NO/ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CADIDATE IF THE APPLICATION REGN. NO/ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
  - 4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).

- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICA-TION.
- N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.
- N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.
- 11. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATION SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 10 ABOVE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY FFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

#### ANNEXURE-II

#### CANDIDATES INFORMATION MANUAL

# A. OBJECTIVE TEST

The General Studies paper of your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This mannual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unformiliarity with the type of examination.

# B. NATURE OF THE TEST

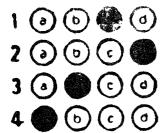
The question paper will be in the form of a TEST BOOK LET. The booklet will contain items bearing number I. 2,3,.....etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

# C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts', Against each item, circular spaces marked, a,b,c,d, are printed. After you have

and each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is corect or the best, you have to mark e circle containing the latter of the selected answer by lackening it completely with pencil as shown below (to dicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



# Γ IS IMPORTANT THAT—

- You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- 2. To change a wrong marking, erase it completely and re-mark the new choice. For this purpose you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

# . SOME IMPORTANT REGULATIONS

- You are required to enter the examination hall twenty minules before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No Candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall, You will also required to encode some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpner and a pen containing bule or black ink.

You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

### E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the Booklet number, otherwise get it changed. Write your Roll Number on the first page of the Test Booklet before opening the Test Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

# F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed it is important for you to use your time efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the question. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult once later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated you. There will be no negative marking.

# G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the Examination Hall.

# SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note: -*denotes the correct/best answer-option)

1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because.

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure.
- *(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the bilood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relation to the atmospheric pressure.

# 2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

# 3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below

- *(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing

# 4. (Chemistry)

The anyhydride of H3 Vo is4

- (a) VO3
- (b) VO₄
- (c) V2o3
- *(d) V2o5

# 5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- *(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product

# 6. (Electrical Engineering)

A coxial line is filled with a dielectric of relative permitivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/3
- (d) C/9

# 7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- *(b) Laboradorite
- (c) Albite
- (d) Amerthite

# 8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) y = ax + b
- (b) y = ax
- (c)  $y = ae_x + be_x$
- *(d)  $y = -ae^x a$

# 9. (Physics)

An ideal heat of engine works between temperatures 400°K and 300°K. Its efficiency is

- (a) 3/4
- *(b) (4-3)/4
- (c) 4(3+4)
- (d) 3/(3+4)

#### 10. (Statistics)

The mean iof a bin omial variate is 5. the variance is

- (a)  $4^2$
- *(b) 3
- (c) oc
- (d) 5

# 11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- *(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country.

# 12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion
- (c) With the rise of Brahminism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background.
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual.

# 13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical system in the following:

- (a) Buddhsim, Nyāya, Cārvāka, Mimāmsā
- (b) Nyāya, Vaisesike, Jainism and Buddhism, Cārvāka
- (c) Advaita, Vedānta, Sāmkhya, Cārvāka, Yoga
- *(d) Buddhism, Sämkhya, Mimämäsa, Carvaka

# 14. (Political Science)

'Functional representation' means

- *(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation
  - (b) pleading the cause of a group or a profession
  - (c) election of representatives in vocational c zation
  - (d) indirect representation through Trade Unions

# PART III-SEC 1]

# 15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal *(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning.

# 16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following:

*(a) formal representation of women and weaker sections in village government

- (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprive classes
- (d) education has spread to the masses.

Note: - Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabous for this examination,